[सूचना—इस परिशिष्ट को अथर्ववेद भाष्य की मन्त्र सूची से पहिले लगालीजिये ।]

॥ ओ३म् ॥

प्रियं मा कृणु देवेषु प्रियं राजसु मा कृणु ।
प्रियं सर्वस्य पश्यत उत शूद्र उतार्ये ॥ १ ॥

अथर्व० का० १९ सू० ६२ म० १ ॥

प्रिय मोहि करौ देव, तथा राज समाज में ।
प्रिय सब दृष्टि वाले, औ शूद्र और अर्य में ॥

अथर्ववेदभाष्ये ।

परिशिष्टम् ॥

श्रीमद्राजाधिराजप्रथितमहागुणमहिमधीरवीरश्चिरप्रतापि श्री सयाजीरावगायकवाडाधिष्ठित बड़ोदेपुरीगतश्रावणमास-दक्षिणापरीक्षायाम् ऋक्सामाथर्ववेदभाष्येषु लब्धदक्षिणेन

श्री पण्डित क्षेमकरणदासत्रिवेदिना

निर्मितं प्रकाशितं च ।

Make me beloved among the Gods,
beloved among the Princes, make
Me dear to every one who sees,
to Sudra and to Aryanman.
Griffith's Trans. Atharva 19 : 62 : 1.

सर्वाधिकारः स्वाधीन एव भाष्यकारेण रक्षितः ।

अयं ग्रन्थः पण्डित काशीनाथ वाजपेयिप्रबन्धेन
प्रयागनगरे ओंकार यन्त्रालये मुद्रितः ।

प्रथमावृत्तौ १००० पुस्तकानि | संवत् १९७८ वि० सन् १९२१ ई० | मूल्यम् ।≡)

पता—पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी, ५२ लूकरगंज, प्रयाग (Allahabad.)

अथर्ववेद भाष्य परिशिष्ट और मन्त्र सूची सहित पूरा हो गया, पद सूची और छप रही है।

॥ ओ३म् ॥

आनन्द समाचार ॥ अथर्ववेद भाष्य छप गया ॥

[आप देखिये और अपने मित्रों को दिखाइये]

१—अथर्ववेदभाष्य— अथर्ववेद का अर्थ अभी तक आर्य भाषा (हिन्दी) में न था। और संस्कृत में भी श्री सायण भाष्य पूरा नहीं है। अब परमात्मा की कृपा से अथर्ववेद का भाष्य भी आर्य भाषा (हिन्दी) और संस्कृत में वेद, निघण्टु, निरुक्त, व्याकरणादि सत्य शास्त्रों के प्रमाणों सहित, प्रयाग निवासी पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी ने संवत् १९६९ वि० में आरंभ करके श्रीमान् राजाधिराज धीर-वीर-चिरप्रतापी श्री सयाजी राव गायकवाड़ बड़ौदाधीश तथा श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रांत और पंजाब प्रांत तथा विद्वान् ग्राहक महाशयों की विशेष प्रकार सहायता से पूरा कर लिया।

२—इस वेद के बीसों काण्डों का भावपूर्ण-संक्षिप्त स्त्री पुरुषों के समझने योग्य अति सरल हिन्दी और संस्कृत भाष्य अल्प मूल्य में छप कर उपस्थित है। वेदप्रेमी महाशय सब स्त्री पुरुष स्वाध्याय, पुस्तकालयों और पारितोषिकों के लिये भाष्य मंगावें और जगत्पिता परमात्मा के पारमार्थिक और सांसारिक उपदेश, ब्रह्मविद्या, वैद्यकविद्या, शिल्पविद्या राजविद्यादि अनेक विद्याओं का तत्त्व जानकर आनन्द भोगें, छपाई उत्तम और कागज बढ़िया रायल आठपेजी है।

३—पूरे भाष्य के स्थायी ग्राहकों में नाम लिखाने वाले सज्जन मूल्य में से २०) सैकड़ा छोड़कर भाष्य पाते हैं। डाक व्यय और कपड़े की पूरी जिल्द बंधवाई के दाम ग्राहक देते हैं।

काण्ड	१ भूमिका सहित	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
मूल्य	१।)	२।-)	१॥-)	२)	१॥।≈)	३)	२।)	२)	२।)	॥)	२।

काण्ड	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	परिशिष्ट	मन्त्र सूची	पद सूची	योग
मूल्य	२≈)	१।≡)	१।)	१-)	॥-)	।≡)	२।≈)	३।)	७।)	।≡)	१-)		४३॥)

सब भाष्य परिशिष्ट और मन्त्र सूची सहित छप गया, पद सूची और छप रही है। जिसके छप जाने पर यह भाष्य सब प्रकार पूरा हो जावेगा। पुराने ग्राहक जिनके पास सब कांड नहीं पहुंचे और नये ग्राहक भाष्य शीघ्र मंगावें पुस्तक थोड़े रहे हैं, ऐसे बड़े ग्रन्थ का फिर छपना कठिन है,

हवनमन्त्राः—धर्म शिक्षा का उपकारी पुस्तक—चारों वेदों के संगृहीत मन्त्र ईश्वर स्तुति, स्वस्तिवाचन, शान्तिकरण, हवनमन्त्र, वामदेव्यगान सरल भाषा में शब्दार्थ सहित संशोधित बढ़िया रायल अठपेजी पृष्ठ ६०, मूल्य ।-)

रुद्राध्यायः—प्रसिद्ध यजुर्वेद अध्याय १६ (नमस्ते रुद्र मन्यव उतोत इषवे नमः) ब्रह्मनिरूपक अर्थ संस्कृत, भाषा अंग्रेज़ी में बढ़िया रायल अठपेजी, पृष्ठ १४८ मूल्य ।≈)

रुद्राध्यायः—मूलमात्र बढ़िया रायल अठपेजी, पृष्ठ १४ मूल्य)॥

वेदविद्यायें—कांगड़ी गुरुकुल में व्याख्यान दिया था। वेदों में विमान, नौका, अस्त्र शस्त्र निर्माण, व्यापार, ग्रहस्थ, अतिथि, सभा, ब्रह्मचर्य्यादि का वर्णन मूल्य -)॥

पता पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी

१५ मई १९२१।

५२, लूकरगंज, प्रयाग। (Allahabad)

॥ ओ३म् ॥

[सूचना—इस परिशिष्ट को अथर्ववेद भाष्य की मन्त्र सूची से पहिले लगा लीजिये ।]

निवेदन ॥

अथर्ववेद भाष्य काण्ड १६ के साथ विज्ञापन [ता० १५ दिसम्बर १९१६] द्वारा निवेदन किया गया था कि विद्वान् वेदपाठी महाशय यदि अथर्ववेद भाष्य में कोई त्रुटि देखें वा किसी प्रकार का सुधार उचित समझें, कृपा करके सूचित करें, विचार करके शुद्धि पत्र द्वारा उन महाशयों के नाम सहित वह ठीक कर दिया जावेगा ॥

इस विज्ञापन के अनुसार श्रीयुत परमहंस परिव्राजकाचार्य **श्री सत्य-प्रकाश** जी वैदिक यति स्थान जेवर ज़िला बुलन्दशहर [संयुक्त प्रान्त] ने अथर्व-वेद भाष्य का संशोधन भेजा है, वह हार्दिक धन्यवाद सहित परिशिष्ट रूप में प्रकाशित किया जाता है कि विद्वान् जन उसे पढ़कर वेदों में अपनी विचार शक्ति बढ़ावें । प्रशंसित सन्यासी जी महाशय की बनाई हुई **ब्रह्म-बोधिनी सन्ध्या** नामक पुस्तक लगभग ३२५ प्रमाण युक्त वेद प्रेमी विद्वानों के लिये उप-योगी, पढ़ने और विचारने योग्य है । मूल्य ।), प्रशंसित महात्मा जी से मिलेगी ।

फाल्गुण कृष्णा १४,
संवत् १९७७ विक्रमीय ।

क्षेमकरण दास त्रिवेदी,
५२ लूकरगंज, प्रयाग ।

अथर्ववेदभाष्ये परिशिष्टम् ॥

(अथ० १ । १ । १) (ये) जो, (त्रिषप्ताः) [त्रि=ज्ञान कर्म उपासना तीनों, सप्ताः=गायत्री उष्णिक् बृहती अनुष्टुप् पङ्क्ति त्रिष्टुप् जगती सातों] तीन स[ात] वा सात त्रिक अर्थात् वेद के तीनों काण्ड जिन में से प्रत्येक उपर्युक्त सातों छन्द[ों] में विभक्त हैं, अथवा तीनों भाग जो [षप समवाये] सर्वत्र [सर्व पदार्थों से] [सम्]बद्ध हैं, (विश्वा) विश्वानि=सब (रूपाणि) दृष्ट वा निरूपित पदार्थों

अथवा (रुङ् गतिरेषणयोः) सर्व सत्य विद्यायों को, (बिभ्रतः) धारण करते [रखते] हुये, (परियन्ति) सब ओर [सर्वत्र] व्याप्त एवं प्राप्त हैं, (वाचस्पतिः) वेद वाणी का यथार्थ अधिपति [पूर्ण रक्षक] नित्य जगत्गुरु निर्भ्रान्त सर्वज्ञ परमात्मा, वा वेदज्ञ अध्यापक उपदेशक एवं वेद रक्षक विद्वान्, (तेषाम्) उन [ज्ञान कर्म उपासना] की, (बला) बलानि= शक्तियों [उनके जानने एवं उन पर चलने की शारीरिक मानसिक और आत्मिक सामर्थ्य और उस से उन के वास्तविक स्वरूप] को (अद्य) वर्तमान काल वा इस जन्म में (मे) मुझ उपासक के (तन्वः) तनौ=शरीरे [स्थूल-सूक्ष्म-कारण तीनों शरीरों के समुदाय इस प्रत्यक्ष] शरीर एवं मुझ आत्मा में, (दधातु) धारण करे ।

भावार्थ—यहां उपदेश है कि हे मनुष्यो ! वेद की तीनों विद्यायें [सात छन्दों वाली] जगत् के सर्व धार्मिक [शारीरिक] कर्मों और मानसिक आत्मिक [वास्तविक] सूक्ष्म विचारों वा क्रियायों एवं सर्व सत्य विद्याओं का आदि स्रोत वा मूलाधार हैं। संसार के कोई भी धार्मिक [वास्तविक सुखप्रद] कर्म विना ज्ञान कर्म और उपासना के पूरे नहीं हो सकते, और न कोई सत्य विद्या जगत् में ऐसी है जिस का मूल वेद में न हो । इस लिये तुम लोक यथार्थ संसार और परमार्थ सुख अर्थात् उभयत्र उभय प्रकार के मोक्षप्राप्ति के लिये वेदज्ञ विद्वान् से वेदाध्ययन करके योगाभ्यास करते हुये साक्षात् जगदाचार्य ज्ञानस्वरूप ब्रह्म से वेद तत्त्वार्थ एवं तत्त्वस्वरूप अनुभूत [प्राप्त] करने जानने को परम पुरुषार्थ करो ।

अङ्क—(त्रिसप्ताः) का अर्थ करते सर्व जगत् समवेत, ३ गुणों [सत्त्व रज तम], ३ कालों, ३ लोकों, ३ विद्यायों, ३ अवस्थाओं [सुषुप्ति स्वप्न जागृति], ३ देहों, ३ धामों [कार्य कारण और उभयासदृश ब्रह्म] अथवा दैविक भौतिक और आत्मिक तीनों गुणों, के ये सात त्रिक माने जा सकते हैं, उन का सम्बन्ध भी सर्व जगत् से है, परन्तु (वाचस्पति) से प्रार्थना पूर्वोक्त तीनों सत्त्वादि अथवा उत्तरोक्त सातों त्रिक [विद्या शून्य के लिये] युक्त नहीं हैं ।

(अथ० १ । १३ । १) हे जगदीश्वर ! (ते) आप की (विद्युते) विद्युताय, बिजुली के लिये (नमोऽस्तु) स्वरक्षा रूप सत्क्रिया हो, वा वज्र हो । (ते) आप के (स्तनयित्नवे) गरजते हुये बादल के लिये, (नमोअस्तु) युक्त कर्म हो, (ते अश्मने) आप के पाषाण [ओलों] के लिये, (नमोऽस्तु) समुचित

व्यवहार हो, (येन=यैः) जिन के द्वारा (दूडाशे=दूडाशम्) दुष्कर्मी मनुष्य को (अस्रसि) तू नष्ट करता वा ताड़ता है।

भाव—परमेश्वर दुष्ट अधर्मियों को घोर आधिदैविक दंड रूप दुःख देता है अतः मनुष्य धर्मानुगामी हों। तथा बिजुली से बचने के अनेक साधन सम्पन्न हों, घरों में लोहे के छड़ आदि लगावें, और बादल एवं पत्थरों से बचने लिये भवन, छत्र आदि नाना पदार्थ बना कर प्रयुक्त करें॥

(अथ० १ । ३० । ३) अन्तरिक्ष=अन्तः—ईक्ष=आत्मनि—ईक्ष्यते यः—"य आत्मनि तिष्ठन्नात्मानमन्तरो—(अन्तर्यामी ब्रा० बृ० आ०)—"तमात्मस्थं येऽनुपश्यन्ति"—कठ, "तस्मिन् हिरण्यये कोशे ...... यद्यक्षमात्मन्वत्" —अथ० १० । २ । ३२ ।

(अथ० २ । ३१ । १) क्रिमि=फैलने वाले रोग वा दोष।

(अथ० २ । ३२ । १) गवि=शरीरे=शरीर में वा नेत्र में, (क्रिमयः) रोग वा शक्तियां।

भाव—जहां इस मन्त्र में प्रातः भ्रमण का विधान है, वहां उदय अस्त होते हुये सूर्य को अनुचित देखने का निषेध भी है, कुतः नेत्र ज्योति का ह्रास होता है।

(अथ० २ । ३२ । ४) (हतमाता) क्षमाहीन, (हतभ्राता) संयमहीन, (हतस्वसा) दयाहीन। "धैर्यंयस्य पिता क्षमा च जननी ......दया च भगिनी भ्राता मनःसंयमः" (क्रिमीणाम्) आक्रमण करने वारों का ।

भावार्थ—जिस आक्रमी में क्षमा, दया, धैर्य और संयम न हो उस का राजा, वह एवं अग्रगन्ता मारा जावे।

(अथ० २ । ३२ । ५) (अस्य) चढ़ाई करनेवाले के (क्षुल्लुका इव) तुच्छ, चाटुकार, (क्रिमयः) चढ़ाई करने वारे।

(अथ० २ । ३२ । ६) (शृङ्गे) दांत। भाव—दुष्ट वृषभ अपने सीगों से, वा दुष्ट सर्प अपने दांतों से।

(अथ० २ । ३३ । ५) (ऊरुभ्याम्) कुक्षीभ्याम्=दोनों कोखों से।

(अथ० ३ । १ । ४) (हरिभ्याम्) अग्नि और वायु से, ग्राहक होने से अग्नि और प्रापक होने से वायु।

(अथ० ३ । १ । ५) (भ्राज्या) आग्नेय एवं वायवीय वाणों से वा वाणों से।

(अथ० ३ । ३ । ३) (श्येनो भूत्वा आपत=)सर्व व्यापक होकर प्राप्त हो।

(अथ० ३ । ३ । ४) (श्येनः) सर्वव्यापक परमेश्वर (इमम्) इस [जीव] को (परस्मात्) सर्वोत्तम से (अन्यक्षेत्रे) भिन्न, अवर शरीर में (अपरुद्धम्) भोगाधीन निरुद्ध वा रुका हुआ (चरन्तम्) भोगते हुये [को] (हव्यम् आनयतु) देय पदार्थ प्राप्त करावे वा आहवनीय [जीव] को अपनी ओर लावे। (अस्य) इस के (पन्थानम्) योग मार्ग को (अश्विनौ) प्राणापान (सुगम् कृणुताम्) सुलभ करें [हे अत्यन्तोपास्य पितः] (ते) आप के (सजाताः) समान चेतन-नित्य होने से साथी [आप को] (अभिसंविशध्वम्) सब ओर से प्राप्त हों। [योग में कहा है—ईश्वरप्राणिधानाद्वा, प्राणायामाद्वा]

(अथ० ३ । ३ । ५) (प्रतिजनाः)=नास्तिकमनुष्याः, (मित्राः)= आस्तिकाः, (अवृषत=वृषेत) दर्शन करें, (अदीधरन्)=धारण करें।

(अथ० ३ । ४ । ७) (दशमी) दशवीं इन्द्रिय [उपस्थ=मूत्रेन्द्रिय] को, (इह)=इस शरीर में

(अथ० ३ । ५ । ५ ।) (आ अरुक्षत्=आरोहते) सब ओर [सृष्टि द्वारा] प्रकट होता है—"कार्यात् कारणानुमानः"

(अथ० ३ । ६ । ६) (वानस्पत्यान्)=चाटुकारी राजनाशकों, (आरोहन्')=दबाकर, चढ़ाई करके।

(अथ० ३ । १० । २, ३, ४) (संवत्सरस्य) कालस्य=काल की, (प्रतिमा) नापने वारी, (पत्नी) रक्षिका प्रकृति, प्रकृति काल को नापती है परमेश्वर को नहीं।

(अथ० ३ । १८ । १) (खनामि)=अत्यन्त यत्न वा समाधि से प्राप्त करता हूं।

(अथ० ३ । १९ । ३) (ब्रह्मणा)=ब्रह्मास्त्र से।

(अथ० ४ । १ । ६) सोता हुआ सा=निष्क्रिय सा—जिन लोकों को रच दिया उनकी अपेक्षा सोता सा कहा है। अन्यथा वह सदैव कोई न कोई लोक रचता रहता है, क्योंकि महा लघु एवं अवान्तर तीन प्रलयें होती हैं [देखो—४ ब्रह्म बोधिनी वैदिक सन्ध्या]

(अथ० ४ । २ । २) (प्राणतः) श्वास लेते हुये ज्ञानवान् मनुष्यादि

जङ्गम, (निमिषतः) वाह्य ज्ञान हीन सुषुप्तिस्थ [गाढ़ी निद्रा में यावत् स्थूल शरीर सोते हुये] वृक्षादि स्थावर।

(अथ० ४ । २ । ६, ८) (आपः) व्यापक द्रव पदार्थों [परमाणुओं] से, [तन्मात्रा अहङ्कार का कार्य होने से नित्य वा सृष्टि के पूर्व नहीं होते— सां० १ । ६१ देखो]

(अथ० ४ । ५ । २) (सर्वाः स्त्रियः) सब इन्द्रियां, (शुनः) अन्तः- करणों (मन आदि) को।

(अथ० ४ । १० । ६) (रथे) जगति = जगत् में,

(अथ० ४ । १६ । ५) (जनानाम्) प्राणियों के—कुतो यदि परमेश्वर प्राणी मात्र के कर्म वा क्रियाओं को एवं उन के भोग मात्र को न गिन सकेगा तो वह व्यवस्थापक एवं ईश्वर भी सर्व प्राणियों का नहीं बन सकता।

(अथ० ४ । १६ । ६) (असत्) अविदित = न जाने हुये, भू सत्तायां— मिन् भूमिः = प्रकृति, भूम्याः प्रकृत्या वा भूमेः = प्रकृतेः = प्रकृति से।

(अथ० ४ । ३० । ४) (मया) मेरे साथ मुझे समर्थ करता हुआ, (विपश्यति) मन [इन्द्रिय] से देखता है, (प्राणति) जीवन सफल करता है।

(अथ० ४ । ३० । ५) (ब्रह्मद्विषे) वेद निन्दक के लिये (धनुः) रोग (आतनोमि) फैलाता हूं।

(अथ० ४ । ३० । ७) (योनिः) संयोजन व्योजन शक्ति।

(अथ० ४ । ३१ । १, २, ३, ४, ५, ६, ७) तथा (अथ० ४ । ३२ । १, २, ३, ४, ५, ६,) (मन्यो मन्यु) राजस बल = शासन शक्ति, प्रताप वा ज्ञान युक्त [राजस] क्रोध। ईश्वर में तामस क्रोध का सर्वथा अभाव है, कुतः तमो- गुण उत्तम मनुष्य के लिये भी दूषण है, फिर जगदीश्वर में तम [अन्धकार] कहां॥

(अथ० ५ । १ । १) (यः) जो (ऋधङ्मन्त्रः) वृद्धिशील वा सत्य ज्ञान वाला, (अमृतासुः) निरालस्य वा नित्य क्रिया शील प्राण वाला (वर्धमानः) बढ़ता हुआ अर्थात् उन्नति शील (सुजन्मा) [मनुष्य शरीर पाने से] अच्छी प्रसिद्धि वाला (योनिम्) गर्भाशय को (आबभूव = आभवति) अच्छे प्रकार [बिना क्लेश के] प्राप्त होता है। उस) (अदब्धासुः) अचूक वा त्रुटि हीन उत्तम बुद्धि वाले (अहा इव अह्ना इव) दिन के तुल्य (भ्राजमानः) प्रकाशमान वा ज्ञान वान् (धर्ता) सब योनियों के धारण करने वाले (त्रितः) [आत्म] रक्षा—वा [ईश्वर] आज्ञा पालन—करने वाले, वा सब [बद्ध जीवों] से बड़े

वा जन्म नाम स्थानों को प्राप्त करने और तीनों से तरने वारे वा तीनों लोकों में जाने वाले, वा तीनों कालों में फैलने = रहने वारे वा तृतीय धाम नाम [कार्य कारण वा जीव प्रकृति से विलक्षण] ब्रह्म मात्र को प्राप्त करने हारे वा स्थूल सूक्ष्म एवं कारण तीनों देहों से [मुक्ति में] पार होने हारे वा ज्ञान कर्म उपासना त्रयी विद्या प्राप्त करने हारे [मुक्त पुनरावर्त्त] जीवात्मा ने(त्रीणि)तीनों [धामों अर्थात् जन्म नाम स्थान वा कारण सूक्ष्म और स्थूल देहों तथा तीनों विद्याओं] को (दाधार) धारित किया है वा करता है। "इह चेदशकद् बोद्धुं प्राक् शरीरस्य विस्रसः । ततः सर्गेषु लोकेषु शरीरत्वाय कल्पते' कठ० ६ । ४ । त्रैङ् पालने यद्वा तॄ प्लवनतरणयोः—इतिन्, यद्वा त्रि + तनु विस्तारे—ड, त्राता पालयिता तीर्णो विस्तीर्णः—देखो भाष्य ।

भावार्थ—जीवात्मा आत्म [अपनी] शक्तियों को विचारें जिस से सांसारिक और मोक्ष सुख को प्राप्त कर सकें—कर्मानुसार ही जीवात्मा सब योनियों एवं सब लोकों में जाता है, तीनों कालों में रहता है । कर्म की स्वतन्त्रता से आत्मरक्षक और भोग की परतन्त्रता से ईश्वर आज्ञा पालक है, मुक्त अवस्था में बद्ध जीवों से ज्येष्ठ, मुक्ति से लौटने पर जन्म नाम स्थान वा कारण सूक्ष्म और स्थूल तीनों देहों का धारण करने वाला, मुक्ति में तीनों से पृथक् वा पार हो जाने वाला और परमात्मदेश में रहने वाला है। मुक्ति से लौटने पर सर्गारम्भ में कर्म योनि पाने और पृथिवी माता से उत्पन्न होने से सुजन्मा वा अक्लिष्ट मनुष्य शरीर पाने वाला और साक्षात् ब्रह्म से त्रयी विद्या प्राप्त करने से अचूक बुद्धि वाला वा पूर्ण ज्ञानी कहा जाता है ।

(अथ० ५ । १ । २) (यः) जो (प्रथमः) [मनुष्य शरीरस्थ होने से] प्रख्यात वा प्रधान जीव, (धर्माणि) धारण योग्य धर्मों वा ईश्वर व्यवस्थाओं को (आ) कर्मानुसार (ससाद = सीदति) प्राप्त करता है (ततः) उस प्राप्ति कर्म से वा उन व्यवस्थाओं से वह (पुरूणि) अनेक (वपूंषि) रूपों वा योनियों एवं शरीरों को (कृणुषे = कृणुते) प्राप्त वा धारित करता है। वही (प्रथमः) [पूर्व भोग हीन कर्म शरीर पाने वाला होने से, भोग—वा उभय—योनिस्थ जीवों में] प्रधान (धास्युः) [देह]धारण करने की इच्छा वाला जीव (योनिम्) कारण और सूक्ष्म देहों एवं पृथिवी के गर्भाशय में (आ) बिना क्लेश के (विवेश = विशति) प्रवेश करता है। (यः) जो मुक्त पुनरावर्त्त जीव (अनुदिताम्) अलौकिक वा लोक अप्रचलित वा अप्रकट (वाचम्) वेद वाणी को

(आ) साक्षात् आत्मस्थ ईश्वर से (चिकेत=चिकेति) जानता है। छन्दसि व्यत्ययो बहुलम् ॥

भावार्थ—मुक्ति से लौट कर जीवात्मा ईश्वर नियम से सृष्ट्यारम्भ में कर्म देह पृथिवी माता के उदर में बिना गर्भ दुःख के पाता है। उस के पश्चात् कर्मानुसार नाना योनियां धारित करता है। सम्यक् [पूरा] ज्ञान होजाने पर मुक्त हो जाता है। मुक्ति से लौट कर कारण और सूक्ष्म शरीरों को प्राप्त करके स्थूल देह प्राप्त करता हुआ वेद को प्राप्त करता है ॥

(अथ० ५।२।३) (स्वादुना) मुमुक्षुना=मुमुक्षु के संग (मधुना) परमार्थ ज्ञान से (योधोः) मिलाया है।

(अथ० ५।४।३) (देवसदनः) मुक्तों के प्राप्ति योग्य, (अश्वत्थः) अत्यन्त पुरुषार्थियों के ठहरने का देश,(देवाः) मुमुक्षुओं ने, सर्व हितैषी=मुक्त।

(अथ०५। १६। १—५) (एकवृषः) एक वेद वा आत्मिक बल (द्विवृषः) दो वेद वा आत्मिक और शारीरिक बल, (त्रिवृषः) तीन वेद वा आत्मिक, शारीरिक और सामाजिक बल, (चतुर्वृषः) चार वेद वा आत्मिक शारीरिक सामाजिक और धनबल (पञ्चवृषः) आत्मिक, शारीरिक, सामाजिक, धनबल और सेनाबल ॥

(अथ० ५।१७।६) (पूर्वे) पहले उत्पन्न हुए, [यत्र ऋषयः प्रथमजा ऋचः—अ० १०।७।१४] (सप्तऋषयः)=अपने से सम्बन्ध [परमाचार्य परमेश्वर] को साक्षात् देखने एवं परमेश्वर से साक्षात् समवेत वेद पढ़ने वारे, अथवा [गायत्र्यादि मुख्य] सात छन्दों वाले [वेद] को साक्षात् करने वाले महर्षि लोक, (तपसा) बिना इन्द्रियों के भोग के, (निषेदुः) [पृथिवी माता के उदर अवकाश में] बैठे थे, [देखो—यथेयं पृथिवी मही भूतानां गर्भमादधे। एवा ते ध्रियतां गर्भो अनुसूतुं सवितवे ॥ अथ० ६।१७।१] (जाया) प्रसिद्धि का द्वारा, (व्योमन्) वि—ओमनि=विशेष अर्थात् उभय संसार और मोक्ष सुख प्राप्त कराने हारे जगदीश्वर के नियम में, वा संसार परमार्थ सुख दोनों के स्थान में, (दुर्धाम्) दुःखदायी दुष्ट रूप को, (दधाति) धारित कर लेती है।

भावार्थ—सर्गारम्भ में (देवाः) मुक्त पुनरावर्त्त सब से श्रेष्ठ कर्मयोनि पाने वारे जीवात्माओं ने [जिन के शरीर पृथिवी गर्भस्थ होने से] पार्थिव रस द्वारा पलते रहने से जो लौकिक विषयों से विरत थे] साक्षात् ईश्वर से वेद प्राप्त करके अन्यों को ईश्वर उपदेश सुनाया कि ब्रह्म विद्या का निरादर

करने से घोर दुःख होते हैं, अतएव सब को वेद का परम आदर करना चाहिये।

(अ० ५ । १७ । ७) (जगत्) चलते फिरते मनुष्यादि प्राणियों का समूह (अपलुप्यते) [पशु समान अपितु इससे भी दुष्टतर कर्म करने से] दुर्दशा को प्राप्त होकर विनष्ट हो जाता है। और (ये) जो, (वीराः) शूरमा लोक शत्रुओं को नष्ट कर स्वदेश की रक्षा, एवं राज्य वृद्धि करने हारे, [ईर्ष्या द्वेषादि में फंस कर] (मिथः) परस्पर एक दूसरे से, (तृहन्ते) लड़ कर कट मरते हैं।

भाव—मनुष्यों के वेद न जानने से यज्ञ हवन नहीं हो सकते, यज्ञों के न होने से आकाश आदि पंच भूत प्राणियों के मलों से दूषित होकर रोगों के साधन दुष्ट अन्नादि पदार्थ, एवं स्वयं भी रोग उत्पत्ति का कारण बनते हैं, और उत्तम सुखदायी अन्न तथा घास आदि पदार्थ नहीं उपजते। इस कारण सब प्राणी दुःखित होते एवं अनिष्ट मृत्यु पाते हैं।

(अथ० ५ । १७ । ८) (उत) वितर्के, क्या, (पूर्वे) अगुवा वा सर्गारम्भ में उत्पन्न हुये, (दश) पूरण संख्या वारे=गिनती भर=समस्त, (अब्राह्मणाः) वेद पढ़े देश एवं जाति रक्षक क्षत्रिय लोक, वेद जानने वारे धन धान्य वर्धक, शिल्पकार तथा पशु आदि पालने वाले वैश्य लोक अथवा मूर्ख वा शूद्र लोक (स्त्रियाः) शब्द रूपा वेद विद्या के, (यत् पतयः) [पतित्वाय यतमानाः] पति होने का विद्या भिन्न यत्न करते हुये, वा लिप्सा मात्र रखते हुये रक्षक हो सकते हैं ? (च) अथवा, (ब्रह्मा) उपदेश से वेद प्रचार बढ़ाने वाले ब्राह्मण ने, (इत्) ही, (हस्तमग्रहीत्) सुदृढ़ प्रतिज्ञा से विधिवत् रक्षा करना अङ्गीकृत किया है, (स एव) वह ही, (एकधा) एक मात्र, (पतिः) यथार्थ रक्षक है ?

भावार्थ—इस मन्त्र में प्रश्न है कि क्या वेदज्ञ क्षत्रिय वैश्य स्व २ कर्म करने वारे अथवा मूर्ख समुदाय मात्र वेद रक्षा कर सकता है और उन ही सब की दी हुई व्यवस्था मान्या हो सकती है, अथवा वेद तत्त्वज्ञ वेद उपदेशक एवं अध्यापक ब्राह्मण [गृहस्थ वा संन्यासी] ही वेद रक्षक और धर्म व्यवस्थापक भी हो सकता है ? देखो—"एकोऽपि वेदविद्धर्मं यं व्यवस्येत् द्विजोत्तमः। स विज्ञेयः परमो धर्मो नाज्ञानामुदितोऽयुतैः ॥ मनु० १२ । ११३

अङ्क—गिनती के अङ्क केवल १ से ९+० [१०] तक हैं अर्थात् १ से १० तक वृद्धि होती है, पुनः ये ही अङ्क मिला २ कर कार्यवाही की जाती है। अतः दश का अर्थ संख्यात वा समस्त करना अयुक्त नहीं है।

(अ० ५ । १७ । ६) (ब्राह्मण एव) वेद वेत्ता ब्राह्मण ही (पतिः) व्याख्यान उपदेश द्वारा रक्षक है, (न राजन्यः) न [भुज बल मात्र से] क्षत्रिय, और (न) न (वैश्यः) कृषि वणिज, व्यापार, शिल्प, कलाकार और पशु पालने वाला तीसरा द्विजन्मा वैश्य [धन धान्य आदि मात्र के द्वारा] (पतिः) रक्षक हो सकता है, (तत्) यह (सूर्यः) उत्तमता से अर्थात् साक्षात् रूप से आत्मा में स्थित होकर प्रेरणा एवं वेद प्रकाश करने हारा अन्तर्यामी परमेश्वर, (पञ्च) मुख्य [सृष्टि आरम्भ में जन्मे] (मानवेभ्यः) मननशील [साक्षात् ईश्वर से पढ़ने वारे] महर्षियों से, (प्रब्रुवन्) कहता हुआ (एति) चलता [आगे उपदेश करता] है।

भावार्थ—सदा की भांति वर्त्तमान जगत् के आरम्भ काल में ईश्वर ने उपदेश किया है कि वेद का प्रचार सप्रेम सत्यता से पढ़ा, सुना और समझा कर करना चाहिये, बलात्कार से दबा वा डरा कर अथवा लोभ देकर नहीं करना चाहिये, ऐसे प्रचार का परिणाम विपरीत वा आशाविरुद्ध और धर्मघातक होता है।

(अथ० ५ । १७ । १०) (पुनर्वै) तदनुसार ही, (सत्यं गृह्णानाः) सत्य स्वरूप ब्रह्म को मानते हुये=श्रद्धा से स्वीकृत करते हुये=आस्तिक (देवाः) आप्त वेदज्ञ विद्वान् ब्राह्मणों वा संयासियों ने, (ब्रह्मजायाम्) वेद विद्या के प्रचार के लिये, (अददुः) आत्म समर्पण किया, (पुनः) फिर वा उस के पीछे, (सत्यं गृह्णानाः) आस्तिक [ईश्वर+मोक्ष+आवागमन+आत्म विश्वासी] (राजानः) क्षत्रियों ने, (ददुः) बल वा रक्षा शक्ति प्रदान की, (पुनः) आगे ऐसे ही [उसी विद्या के प्रचारार्थ] (सत्यं गृह्णानाः) ऊपर कहे हुये परोक्षपदार्थों के मानने वारे (मनुष्याः) तीसरे वर्ण शिल्प वाणिज्यादि का मनन करने वाले द्विज लोकों ने (ददुः) धन धान्य पशु आदि भेंट किये।

भावार्थ—पूर्व मन्त्रोक्त ईश्वर उपदेश के अनुकूल ही ब्राह्मणों ने उपदेश द्वारा वेद का प्रचार किया, क्षत्रियों ने प्रचार बाधकों को राज दण्ड देकर प्रचार में सहायता की, वैश्यों ने धन धान्य आदि द्वारा सहयोग किया, और इस प्रकार वेद विद्या प्रकाशिता होकर सब के सुख का हेतु वा साधन बनी॥

संगति—मन्त्र ६ में उपदेश है कि वेद विद्या के तिरस्कार से विपत्ति पड़ती है, म० ७ में विपत्ति स्वरूप दिग् दर्शित किया है, म० ८ और ६ में वेद जानने

वारे को वेद रक्षक और व्यवस्थापक बताया है, इतरों को इसके विपरीत माना है, म० १० में म० ८+९ के अनुसार ही वेद तत्त्वज्ञ से वेद प्रचार और अन्य क्षत्रियादि से यथायोग्य सहायता पहुंचना निश्चित किया है, म० ११ में उक्त प्रचार से ऐहिक [संसार] सुख, आमुष्मिक [परमार्थ] सुख की प्राप्ति का उपदेश है ॥

(अथ० ६ । १२ । २) (यत्) जो [ज्ञान] (ऋषिभिः) ऋषियों ने [साक्षात् ब्रह्म से] (यत्) जो [वेद] (ब्रह्मभिः) [वेद जानने को समर्थ] अन्य ब्राह्मणों ने (देवैः) विजिगीषु [विजयेच्छुक] क्षत्रियों एवं व्यवहार [लेन देन आदि] कुशल वैश्यों ने [उन ऋषियों से] (यत्) जिस [त्रयी विद्या] को (पुरा) सृष्टि के आरम्भ में (विदितम्) जाना था, (विषम्) [विषयों के राग रूपी] विष को ।

भावार्थ—वेद सृष्ट्यारम्भ में ४ ऋषियों को ईश्वर से और उन से अन्य ब्राह्मणादि को मिलकर नित्य रहता है । उसी को जान कर मनुष्य अपने दोषों को दूर करें ॥

(अथ० ६ । १२ । ३) भावार्थ—ईश्वर उपदेश है कि हे मनुष्य यदि तेरे मुँह में शान्ति एवं तेरे हृदय [मन] में शान्ति [समता] हो तो नदी पहाड़ बस्ती वा जङ्गल सब सुख दायी हो जावें ।

(अथ० ६ । १६ । १) (आबयो) हे सर्वव्यापक, (अनाबयो) सर्वतो अव्याप्त वा सर्वजनक स्वयम्भू , (आबयो) सर्वतः कान्तिमान् ईश्वर, (ते) तेरा = आप का, (रसः उग्रः) आनन्द स्वरूप है, (ते करम्भमद्मसि) तेरे दिये हुये अन्नादि को खाता हूं ।

(अथ० ६ । १६ । ४) (अल''''''साला) अन्धेरे पदार्थों को प्रकाशित वा अभूषितों को [अज्ञानियों को] भूषित [ज्ञानी] वा आलसियों को समर्थ करने वाली प्रधान शक्ति है । परमाणु परमाणु को प्रकट करने वाली और सर्व ब्रह्माण्डों में निरन्तर व्यापिका होकर सब के सब ओर बाहर उतरी हुई अनन्ता है ।

(अथ० ६ । १७ । १) (भूतानाम्) प्राणियों का—पृथिवी स्वयं ५ भूतों के गर्भ में रहकर उन से बनती है । उसे ५ महाभूतों की गर्भधारिका कहना अरोचक है । भाव यह है कि जैसे अमैथुनी सृष्टि पृथिवी के गर्भ से हुई, ऐसे तू हे स्त्रि गर्भ धारण करके प्रजा उत्पन्न कर ॥

(अथ० ६ । ६३ । १) (निर्ऋतिः) अविद्या, (आयुषे) मुक्त जीवन के लिये, (वर्चसे) आत्म प्रकाश के लिये, (बलाय) आत्म बल के लिये, (अन्नम्) मोक्षानन्द को ।

(अथ० ६ । ६३ । २) (नमः) वज्र=तिरस्कार, (अयस्मयान्) लोह रूप मोह कृत । (नमः) नमस्कार=उपासना ।

(अथ० ६ । १३८ । २०) (आण्ड्यौ)=पथरी ।

(अथ० ७ । ४ । १) भावार्थ—महाभूत=सूक्ष्म भूत । २२ योजनायें=१० इन्द्रिय+५ प्राण+४ अन्तःकरण [मन बुद्धि, चित्त, अहङ्कार]+कारण शरीर+ स्थूल शरीर+१ जीव ।

(अथ० ७ । २६ । ७) (सूरयः) विद्वान् योगी लोक ।

(अथ० ७ । २८ । १) (द्रुघणः) उन्नति घातक, (वेदिः) रण भूमेः (परशुः) शत्रुघात, परशुः=पर वज्र ॥

(अथ० ७ । १११ । १) (देवानाम्) सत्य भाषियों का, (मनुष्याणाम् सत्यासत्य मिश्रित भाषियों का ।

(अथ० ८ । १ । ६) (यमस्य) नियन्तुः परमेश्वरस्य=नियामक परमेश्वर के ।

(अथ० ८ । ३ । १६) (विषम्) दुग्ध=रस

(अथ० ८ । ६ । ३) (ऊरू) कोखें—ऊर्णु आच्छादने इस धातु से उदरस्थ यन्त्र को ढकने वाली कुक्षी ।

(अथ० ८ । ७ । १५) (पुरुषाणाम् गवाम्) पुरुषों की इन्द्रियों का ।

(अथ० ८ । ६ । १८) [इन्द्रियां......बुद्धि] बुद्धि=चित्त स्मृति कारण होने से विषय ग्राहक है बुद्धि नहीं ।

(अथ० ८ । ६ । २०) महाभूत=सूक्ष्म भूत, द्यौः वा प्रकाश=जल- [सत्यार्थ प्रकाश पृ० २४२ एकादश संस्करण देखो]

(अथ० ८ । १० (२) । ६) (बृहत्) सब से बड़ा ऋग्वेद, (रथन्तरम्) संसार के रम्य पदार्थों से तारने वाला सामवेद, (यज्ञायज्ञियम्) सर्व यज्ञ हितकर वा उपयोगी यजुर्वेद, (वामदेव्यम्) वामदेव परमेश्वर से प्रकाशित अथर्ववेद ।

भावार्थ—(आकाश......प० भूत)=४ वेद ।

(अथ० ८ । १० (२) । ७) (देवाः) विद्वान् ऋषियों ने, (रथन्तरेण) रम्य संसार से पार करने वाली बुद्धि से, (बृहता) ब्रह्माण्ड से, (आपः) चित्त अहङ्कार, बुद्धि आदि को ।

(अथ० ६ । १ । ११, १२, १३, १६) (मे आत्मनि) मुझ आत्मा में । मेरे आत्मा ऐसा कहना असंगत है क्योंकि उसका अन्तर्यामी ईश्वर होता है । अतः वक्ता आत्मा वा मुझ आत्मा में कहना चाहिये ।

(अथ० ६ । १ । १८) (पर्वतेषु) मुमुक्षुओं में, (गोषु) गोपालक वैश्यों में, (अश्वेषु) अश्ववार क्षत्रियों में ।

(अथ० ६ । ४ । १०) (ते आत्मा) तू आत्मा, (ते ... आभृतः)= तुझे आत्मिक बल दिया है ।

अथ० ६ । ४ । ११) (ऋषभस्य) सर्वशिक्षक विद्वान् के ।

(अथ० ६ । ४ । १२) (अनुमत्याः पार्श्वे) बुद्धि की दो पसुली, (भगस्य अनुवृजौ) ऐश्वर्य की दो कोखें, (अष्ठीवन्तौ मित्रः) दोनों जानु भाग मित्रता को, भाव यह है कि बुद्धि दोनों निचली कोखें [पसलियें] की अनुकूलता के समान, ईश्वर अनुकूल है, दोनों कोखें की ऐश्वर्य के तुल्य ऐश्वर्य और दोनों घुटनों की मैत्री की न्याई सर्वशिक्षक विद्वान् में मित्रता स्वाभाविक है ।

(अथ० ६ । ४ । १३) (भसत्) दीप्तिः, (श्रोणी) गत्या, गति शोभन का साधन,

(अथ० ६ । ५ । २७) (अपरम्) नियोजितं पतिम् (अन्यम्) विवाहितं पतिम् कुतोऽस्मिन् मन्त्रे "न" अक्षरं विशेषतः पठितमस्ति यदपार्थक्य-साधकं वास्ति न तु नियोगे विहितैवं समुचितपार्थक्यसाधकमस्ति । द्वितीये मन्त्रे पुनर्भवा पतेः पूर्वविवाहितपतिना सह समानलोकता उपदिष्टा भवति तदपि नियुक्तपतिना सह न युज्यते किन्तु सर्वथा वियुज्यते । अपरम् का अर्थ नियुक्त नहीं हो सकता किञ्च यह प्रकरण पुनर्भू या पुनर्विवाह का है नियोग का नहीं ।

अथ० ६ । ६ (३) ७) (अतिथिः) नित्य बेरोक आने का अधिकारी पति, (श्रोत्रियः) वेद के गूढ़ मर्मों या सूक्ष्म तत्त्वों का ज्ञाता ।

(अथ० ६ । ६ । १) (अस्य) इस (वामस्य) ग्रहणीय (पलितस्य) रक्षित जगत् का (होतः) [जीवों के भोगार्थ] देने वाला परमेश्वर सच्चिदा-नन्द है । (तस्य) उस का (मध्यमः) बीच का (भ्राता) सहकारी वा जगत्

रचने का कारण [सत्—चित्] जीतात्मा (अश्नः) भोक्ता (अस्ति) है, (अस्य) उस परमेश्वर का (तृतीयः) तीसरा [छोटा=सत् प्रकृति (भ्राता) सहयोगी [उपादान कारण—परमाणु समूह] (घृतपृष्ठः) आकाश स्वरूप ब्रह्म से व्याप्त है । (अत्र) इस प्राकृत] (कारण एवं कार्य) जगत् में (अपश्यम्)= वयं पश्यामः । हम देखते हैं (विश्पतिम्) प्रजाओं के पालक (सप्तपुत्रम्) सर्व व्याप्त जगत् के शोधक जगदीश्वर को ।

भावार्थ—सर्व जगत् तीन प्रकार के पदार्थों का समुदाय है । एक जड़ [ज्ञान हीन] प्रकृति [सत्त्व रज तम तीन प्रकार के परमाणु एक कारण, नाम धारी], जिस से रचे पदार्थों को भोगने वाले दूसरे जीवात्मा अल्पज्ञ हैं और तीसरा जगदीश्वर सर्वव्यापक अनन्त सर्वज्ञ सृष्टिकर्त्ता आप्तकाम [अभोक्ता] अपने सम्बन्ध [व्याप्त] जगत् के पदार्थों का रक्षक एवं संशोधक [शुद्ध करने वाला] और कर्माध्यक्ष है ।

(अथ० ६ । ६ । २) (अश्वः) अश्व रूप गमन शील जीवात्मा । यहां यास्कीय अर्थ [सूर्य के एक देशी सर्वत्र न जानने वाला और ऋतुओं के ६ होने से] युक्त नहीं है ।

(अथ० ६ । ६ । ४) (अनस्था) बिना शरीर वाला अर्थात् निराकार जीवात्मा । कुतः प्रकृति निराकार नहीं है । निराकार प्रकृति से साकार जगत् नहीं बन सकता "कारणगुणपूर्वकाः कार्यगुणा दृष्टाः" ।

भावार्थ—जीवात्मा एकदेशी और अणु स्वरूप हैं और संयोजक वियोजक विभू स्वरूप परमात्मा है, प्रकृति संयोज्य वियोज्य है । जड़ [ज्ञान हीन] में स्वतन्त्रता वा संयोजकता आदि नहीं घटते ।

(अथ० ६ । ६ । ८) (ऋते) क्रिया वती प्रकृति में वा द्रव महत्तत्त्व [ब्रह्माण्ड] में, अर्थात् प्रकृति द्रव [बहता] पदार्थ होता है, इसी लिये उसे अप आदि नाम दिये जाते हैं । जल पर्यन्त सर्व प्राकृत कार्य भी कारण गुण पूर्वक द्रव ही होते हैं ।

जल=व्याप्त प्रकृति को ब्रह्माण्ड रूप में उत्पन्न किया [रचा वा प्रकट किया—देखो भावार्थ "शन्नो देवी" मंत्र का ब्रह्म बोधिनी सन्ध्या में]

आदि कारण=ईश्वर निमित्त कारण है, प्रकृति [जगत् का आदि] उपादान कारण है । जड़ जगत् का आदि उपादान कारण चेतन ब्रह्म नहीं हो

सकता । [देखो "अस्य वामस्य" उपर्युक्त अर्थ एवं मन्त्र "द्वा सुपर्णा" और "त्रयाः सुपर्णा उपरस्य" आदि ।

(अथ० ६ । ६ । २१) (सुपर्णाः) विद्वान् योगी लोक, (निविशन्ते) स्वरूप प्रतिष्ठित होकर अन्तर दृष्टि करते हैं । (सुवते) असंप्रज्ञात समाधि के पश्चात उठते हैं ।

(अथ० ६ । १० । १२) (पिता) गर्भस्थापक वा गर्भदाता (माता) शरीर बनाने में सहायिका ।

(अथ० ६ । १० । १७) [पृथिवी जल तेज वायु आकाश के परमाणु] शब्द स्पर्श रूप रस गन्ध के कण वा दाने, कुतः शब्दादि पूर्व हैं ।

(अथ० १० । १ । ३) (शूद्रकृता) शूद्र से की हुई, (राजकृता) क्षत्रिय से की हुई, (स्त्रीकृता) स्त्रियों से की हुई (ब्रह्मभिः कृता) ब्राह्मणों से की हुई वा वैश्यों से की हुई [हिंसाक्रिया] (कर्तारम्) हिंसक पुरुष को, (बन्धु) स्नेही वा बान्धने वारे के समान (ऋच्छतु) प्राप्त हो वा चली जावे (इव) जैसे (पत्या) पति करके [वा पत्नी से] (नुत्ता) अनुज्ञाता = आज्ञा दी गई वा निकाली हुई [वा अनुज्ञात अथवा निकाला हुआ] (जाया) पत्नी [वा पति] ।

भावार्थ—चारों वर्णों के किसी पुरुष वा स्त्री ने जैसा पाप वा अधर्म किया हो उसे वैसा दण्ड दिया जावे जैसे दुष्टा स्त्री को पति और दुष्ट पति को स्त्री बन्धन में डलवाता वा डलवाती है, अथवा जैसे अयोग्य पुरुष [पति] अपनी पत्नी को उसके स्नेही के पार्श्व भेज देता है एवं अयोग्या पत्नी अपने पति को उसकी स्नेहिनी स्त्री से नियुक्त कर देती है ।

(अथ० १० । २ । ७) (वरीवर्ति) निरन्तर उपस्थित वा व्यापक है ।

(अथ० १० । २ । १३) (प्राण) बाहर जाने वाला परिश्वास, (अपान) आने वाला श्वास, इति महर्षि दयानन्द मतम् एवं (अथ० ६ । १० । १६) ।

(अथ० १० । २ । ३१) (अष्टा चक्रा) आठ विद्युत् चक्र नाभि, हृदय, कण्ठ, चिबुक, जिह्वाग्र, नासिकाग्र, त्रिवेणी [त्रिकुटी वा भ्रूमध्य] और रन्ध्र-स्थान [ब्रह्माण्ड वा ब्रह्म रन्ध्र] [मन और बुद्धि] पायूपस्थौ मल मूत्र इन्द्रियां—बुद्धि और मन छिद्र नहीं हैं ।

(अथ० १० । ५ । २) (क्षत्रयोगैः) दुःख भज्जन के ध्यानों [चिन्तन] से ।

(अथ० १० । ६ । ५) (तस्मै) उस [संन्यासी] के लिये (घृतम्)

उत्तम जल घृतादि गोरस (सुराम्) औषधियों का रस (अन्नम् अन्नम्) नाना रस युक्त अन्न भांति भांति के (क्षदामहे) हम भेंट करें (सः) (मणिः) वह वेद रत्न रूप वेद मर्म का ज्ञाता सर्वोत्तम प्रशंसनीय [यति] (पिता इव पुत्रेभ्यः) पिता पुत्र वत् (भूयोभूयः) बारंबार (देवेभ्यः) [अपनी] इन्द्रियों और अन्तः करणों से (एत्य) प्राप्त किये हुए ज्ञानों वा अनुभूत विचारों को (श्रेयः श्रेयः) [जो हमारे लिये)] एक से एक सुख प्रद हों (श्वः श्वः) नित्य प्रति आये दिन आकर (चिकित्सतु) वैद्य की भांति बताया करें ।

(अथ० १० । ७ । २६) (पुराणम्) पहले वर्तमान कारण [प्रकृति परमाणुओं] को—पुरा-अन् जीवने वर्तने च—अच् ।

(अथ० १० । ७ । ३२) [जैसे जीवात्मा शरीर के ··· है] जैसे आकाश [महाभूत] जगत् में सान्तर व्यापक है । जीवात्मा अणु है । एषोऽणुरात्मा चेतसो वेदितव्यः [मुण्डक ५२] "वालाग्रशतभागस्य शतधा कल्पितस्य च । भागो जीवः स विज्ञेयः सचानन्त्याय कल्पते (श्वेताश्व० ५ । ६)

अथ० १० । ८ । १) (च च) वर्तमान और,(नमः) मेरी क्रिया मात्र हो। अर्थात् हम सब उस की आज्ञा में चल कर सुख भोगें ।

(अथ० १० । ८ । ३) (अर्कम् अभि) पूजनीय परमात्मा में सब ओर । ईश्वर अनन्त स्वरूप है उसके आस पास कहना नहीं बनता ।

(अथ० १० । ८ । ५) (एकजः) एकला गतिमान् ।

(अथ० १० । ८ । ६) (ऊर्ध्वबुध्नः) ऊपर को जड़ [चोटी] वाला ।

(अथ० १० । ८ । १२) (अनन्तम्) अवयव रहित=निरवयव एवं नित्य । (अन्तवत्) सावयव एवं अनित्य । अन्त=अवयव=नाश । (पुरुत्रा) बहुत प्रकार रक्षक (विततम्) । सर्वव्यापक ।

(अथ० १० । ८ । १५) (दूरे) अति दुष्प्राप्य होता हुआ भी ।

(अथ० १० । ८ । १८) (याति) व्यापक है ।

(अथ० १० । ८ । २१) (भोग्यः चतुष्पाद् भूत्वा सर्वं भोजनमादत्त) जीवात्मा जरायुज अण्डज उद्भिज और स्वेदज चार प्रकार के उत्पत्ति द्वारों से नाना योनियां धारित करके सर्व भोगों को प्राप्त करते हैं

भावार्थ—भण्डार है=भण्डार है वही जीवों को जरायुजादि चार द्वारों से नाना भोग देता है ।

(अथ० १० । ८ । २४) (असंख्येयम्)=जिन की गिनती [गणना] मनुष्यों से नहीं हो सकती [उनके लिये अनावश्यक है] ।

भावार्थ—अनन्त=असंख्य=गणनातीत अर्थात् मनुष्यगणनातीत, क्योंकि परमेश्वर के सर्व प्राणी अर्थात् जीवात्मा मात्र गिने हुए हैं—"संख्याता अस्य निमिषो,जनानाम्" [अथ० ४ । १६ । ५]।

(अथ० १० । ८ । २५) (एकम्) एक अद्वितीय प्रकृति वा परमाणु समूह (बालात्) बाल वा केश से (अणीयस्कम्) अधिक सूक्ष्म है (उत) और (एकम्) स्वतन्त्र कर्ता [जीवात्मा] [न इव] नहीं के समान अर्थात् आकार रहित वा निराकार (दृश्यते) दीखता है, (ततः) उस निराकार से [भी अति सूक्ष्मतम] जो [परि=अभि] वाह्याभ्यन्तरतः=बाहर भीतर से (ष्वजीयसी) चिपटने वाली वा व्यापिका है। (सा) वह (देवता) मोक्षानन्द दाता [परमेश्वर] (मम) मेरा (प्रिया) हित साधक वा पूरा करने वाला है ।

भावार्थ—एक नाम स्वतः सिद्धा, एकली उपादान कारण और नित्या प्रकृति [सत्त्व रज तम तीन प्रकार के परमाणु]—देखो ब्रह्मबोधिनी सन्ध्या, जो सब से पतले बाल की नोक के ७२० वें भाग के बराबर कही जा सकती है और साकार है, दूसरे एक नाम स्वयम्भू जीवात्मा "न इव,, प्रकृति की अपेक्षा नहीं के तुल्य, बाल की नोक के दश सहस्रवें भाग=टुकड़े के सदृश निराकार वस्तु हैं, जो मनुष्य गणनातीत पर जगदीश्वर के गणनान्तर [गिने हुये] हैं, उसी निराकार जीव से सूक्ष्मतम [अत्यन्त पतला] परमात्मा सर्व जीवों को अभि व्याप्त करके सर्वव्यापक जगत्कर्त्ता जीवात्माओं का आचार्य पथ दर्शक, कर्म फल दाता और मोक्षानन्द अनुभाविता होने से जीवों का सत्पिता एवं अत्यन्त हितैषी है ।

(अथ० १० । ८ । ३४) (देवाः) सत्यवादी उत्तम पुरुष, (मनुष्याः) सत्यासत्य मिश्रितवादी मध्यम पुरुष (अपाम्) परमाणुओं के, (पुष्पम्) कार्यम्=बने को

(अथ० १० । ८ । ४०) (अप्सु) कारण शरीरों में, (मातरिश्वा) जीवात्मा, (प्रविष्टः आसीत्=आसन्) प्रविष्ट थे, (देवाः) बुद्धि आदि अन्तःकरण चारों और दशों इन्द्रियां आदि, (सलिलानि) सलिले=प्रकृति में, (प्रविष्टाः आसन्)=घुसी [मिली] हुई थीं [तद्रूप होकर लय हो गई थीं]।

भावार्थ—प्रलय के समय सर्व दिव्य पदार्थ जिन सत्त्व रज तम से बने थे,

उस के रूप के होकर उनहीं में [अर्थात् जो जगत् रचना से बचे पृथक रखे थे उनमें] मिल गये थे। और बद्ध जीवात्मा एक एक परमाणु [कारण शरीर] में सुषुप्ति की अवस्था में होगये थे, केवल एक परमात्मा एक रस ठहरा हुआ था ॥

(अथ० १० । ६ । २१) (ऊरू) कोलें, (अष्ठीवन्तौ) कूले कटि के नीचे की हड्डियां।

(अथ० १० । १० । १) (नमः) आज्ञा पालन करें [देखो-ब्रह्म बोधिनी वैदिक सन्ध्या]

(अथ० १० । १० । २) (वशा) स्वयम्भवा क्योंकि अनादि है, जड़ और ईश्वर आधीन होने से स्वाधीना नहीं है। जब कि अल्पज्ञ पराधीन होना है तब सर्वथा ज्ञान हीन की गणना ही क्या।

(अथ० ११ । १ । ५) (देवानाम्) ब्राह्मणों का (पितृणाम्) क्षत्रियों का, (मर्त्यानाम्) मन्दबुद्धि कारी [पशु आदि पालन और वणिक् कर्त्ताओं] वैश्य लोगों का।

(अथ० ११ । १ । १६) (पञ्चदशः) पन्द्रह कला—५ महाभूत, [आकाश, वायु अग्नि, जल पृथिवी] ६ मुख्य प्राण ७ बुद्धि ८ मन ९ दशों बाल कर्मेन्द्रियां, १० सूक्ष्म शरीर ११ स्थूल शरीर १२ अन्न १३ वीर्य १४ ज्ञान वा मन्त्र १५ नाम वाला जीवात्मा, [प्रश्न० ६ । ४]

(अथ० ११ । ३ । १) (तस्यौदनस्य) उस सुख स्रावक परमेश्वर का (शिरः) मस्तिष्क अर्थात् मस्तिष्क से कार्य लेने वाला उपासक ज्ञानी, (बृहस्पतिः) बड़ों का स्वामी वा वेद वाणी का रक्षक, और (मुखम्) मुख से कार्य कर्त्ता वा उपदेशक, (ब्रह्म) महान् वा पूज्य [होजाता है]।

भावार्थ—जगदीश्वर का ध्यान करने वाला अर्थात् आत्मस्थ हो ईश्वर के गुण कर्म स्वभाव का वेद द्वारा चिन्तन करके धारण करने वाला, गृह, ग्राम, नगर, प्रान्त, देश एवं लोक गुरु तथा शासक वेद का रक्षक और पूज्य यथायोग्य बनता है। ध्यान हीन अर्थात् निगुरा से वेद निन्दक और इस लिये शिष्य, सेवक, प्रजा एवं सर्वत्र तिरस्कृत होता है। ध्यान विधि और ईश्वर के गुण धारण करने के प्रकार के लिये ब्रह्म बोधिनी [वैदिक] सन्ध्या देखो।

(अथ० ११ । ४ । १) जब कि इस मन्त्र में प्राण के लिये ईश्वर शब्द का स्पष्ट प्रयोग है फिर प्रश्नोपनिषद् की क्या प्रमाणता। क्या कभी जड़ पदार्थ

प्राण वायु भी ईश्वर हो सकता है। वह तो ऐश्वर्य ही हो सकता है। ईश्वरत्व तो केवल चेतन में घटता है। पुनः म० १२ देखो।

(अथ० ११ । ६ । २२) (द्वादश) बारह नाम बुद्धि सहित ११ इन्द्रियां वा बारह मास, (संवत्सरस्य) नियम से जिस में रहते हैं उस शरीर के अथवा काल (वर्ष) के।

(अथ० ११ । ६ । २३) (मातली) इन्द्र [जीव] की ग्रहण शक्ति।

भावार्थ—जड़ मन, [अन्तः करण अन्तरिन्द्रिय] द्वारा जड़ [प्राकृत] पदार्थों का ही अनुभव हो सकता है अप्राकृत ईश्वर गुण आनन्द का नहीं, वह तो केवल आत्म अनुभव शक्ति वा मन शक्ति से ही अनुभूत हो सकता है। मोक्ष में जड़ पदार्थों का जीवात्मा से सर्वतः सर्वथा पार्थक्य हो जाता है। जैसा प्रमाणों से सिद्ध है "गताः कलाः पञ्चदश प्रतिष्ठा देवाश्च सर्वे प्रतिदेवतासु [मुण्डक० ६]" कस्य नूनं कतमस्यामृतानां को नो मह्या अदितये पुनर्दात् ...... [ऋग् १ । २४ । १]

(अथ० ११ । ७ । २७) (देवाः) ब्राह्मणाः—वेदज्ञ ब्राह्मण (पितरः) क्षत्रिय (मनुष्याः) वैश्य क्योंकि ये तीन ही क्रम से धर्म देश [राज्य] और धन आदि के रक्षार्थ आकाश [अन्तरिक्ष] और भूमि पर आया करते हैं।

(अथ० ११ । ८ । २) (ज्ञान) ज्ञान और (आस्ताम्=आसन्) थे [२]

(अथ० ११ । ८ । ४) उदान=कण्ठस्थ शिर में क्रिया करने वाला वायु,

(अथ० ११ । ८ । ६) [ज्ञ ज्ञ] ज्ञान और (आस्ताम्=आसन्) तीनों थे।

(अथ० ११ । ८ । ८) (इन्द्रात्) सर्व ऐश्वर्यवान् से, (इन्द्र) भोग्य पदार्थ साधन मेघ वा विद्युत, (सोमात्) सर्व जड़ चेतन के प्रेरक परमेश्वर से, (सोमः) सर्व जड़ प्रेरक वायु (अग्नेः) सर्व प्रकाशक प्रकाशेश्वर से (अग्निः) आग (अजायन्त) उत्पन्न किये गये। (त्वष्टुः) सब से अधिक सूक्ष्म स्वरूप सूक्ष्म स्वरूप से (त्वष्टा) सूक्ष्म शरीर का कारण महत्तत्व एवं अहङ्कार (ह) निःसन्देह (जज्ञे) प्रकाशित किया गया और (धातुः) सर्वाधार परमेश्वर से (धाता) धारण करने वाला [आकाश] (अजायत) उत्पन्न किया गया है। भाव यह है कि सत्व रज तम तीनों द्रव्यों से [जिनका यौगिक नाम प्रकृति और स्वारूपिक नाम परमाणु है] सृष्टि कर्ता ने पूर्व सृष्टि के समान ही सब पदार्थ रचे।

(अथ० ११ । ८ । १८) (यदा) यत + आ = यतः समन्तात् = क्योंकि सब ओर से ।

भावार्थ—अथ = क्योंकि, तत = इस लिये ।

(अथ० ११ । १० । ६) (चतुष्पदी) हस्ति, अश्व, उष्ट्र और खच्चर आरूढ़ ।

(अथ० १२ । १ । १) (ब्रह्म यज्ञ) वीर्य निग्रह पूर्वक वेद को नेत्रों से देखते हुये पढ़ना, और पठित अर्थ को ब्रह्म मुहूर्त्त में बुद्धि से मनन करना, पुनः अध्यात्म तत्त्व को निदिध्यासित करके वैसे ही आत्म प्रत्यक्ष करना जैसे मनन से अन्य पदार्थ बुद्धि प्रत्यक्ष वा स्पष्ट निश्चित किये थे ।

(अथ० १२ । १ । १५) (मर्त्याः) मरणशीलेभ्यः = मरने वाले स्थावर जङ्गम, (मानवाः) [मनु इच्छायाम्—अण्] भोगेच्छा युक्त प्राणिमात्र [मनुष्य से वृक्ष पर्यन्त] (येभ्यः मर्त्येभ्यः) जिन मरण धर्मी प्राणि मात्र के लिये, किन्तु पृथवी पर सब प्राणि उत्पन्न होते रहते और ईश्वर की सन्तान हैं ।

(अथ० १२ । १ । २६) (अकरम्) सौंपा है—आप्टे कोश ।

(अथ० १२ । १ । ६१) प्राणियों की = प्राणियों के देहों की । कुतः अन्नादि से देह पलते हैं नकि प्राणी प्राण वाला चेतन ।

(अथ० १२ । २ । ४४) (देवानाम्) परोक्ष प्रिय सत्यवादी उपासकों का (अन्तर्धिः) भीतर धारण करने वाला, (मनुष्याणाम्) प्रत्यक्ष प्रिय मिश्रित सत्यासत्य भाषी प्राणियों का (परिधिः) सब ओर बाहर से धारण करने वाला, (गार्हपत्यः)[उन दोनों के गृह नाम शरीर रक्षकों [जीवात्मओं] से संयुक्त वा संवेत, (अग्निः) सर्व व्यापक ज्ञान स्वरूप जगदीश्वर (उभयान् अन्तरा) दोनों देव मनुष्यों के भीतर (श्रितः) ठहरा है ।

(अथ० १३ । १ । ६) (एकपादः) एक अवयव निरवयव ।

(अथ० १३ । १ । ११) (तृतीये) [अपने] गुण स्वभाव से भिन्न (रजसि) क्रिया वा कर्म क्षेत्र में ।

(अथ० १३ । १ । ४५) (एकचक्षुः) समदर्शी

(अथ० १४ । १ । १) लोक दो प्रकार के हैं = लोक तीन प्रकार के हैं ।

[देखो अथ० १३ । २ । २७ और ब्रह्म बोधनी सन्ध्या]

(अथ० १४ । १ । ६४) (पतिलोके) पति के कुल वा परिवार में ।

(अथ० १४ । २ । ३) जाया कस्मात् पिता वै जायते पुनः यस्यां [आत्मा वै पुत्रनामासि) सा पत्नी......जाया का अर्थ पत्नी उणादि कोश० ४। १११ में भी उपलब्ध होता है। पतिर्भार्यां संप्रविश्य गर्भो भूत्वेह जायते, मनु० ६ । ८ । पतिर्जायां प्रविशति गर्भो भूत्वेह मातरम् बव्हृच ब्राह्मण । माता कही नहीं । उक्त "उत्पत्ति स्थान" का अर्थ माता असंगत है और तत्रस्थ नियोग परक अर्थ ही युक्त है।

(अथ० १८ । २ । ५०) (दिवि) आत्म प्रकाश में, ज्ञान नेत्र से = आत्म दृष्टि से [आत्म दर्शन शक्ति से] एष हि द्रष्टा......(प्रश्न० उ० ४ । ६) "वयं पश्यन्तः" (य० ३५ । ४)

(अथ० १८ । ३ । २) (जीवलोकम्) = जीवित पुरुषों को [सजीव शरीरों को]

(अथ० १८ । ३ । ४) (जीवलोकम्) = जीवित पति के शरीर को (प्रजानती) = सेवती हुई।

(अथ० १८ । ३ । ६५) (अन्तात्) समीप से ।

(अथ० १८ । ३ । ७२) (तेभ्यो) तैः = (धृतस्य कुल्या शतधारा व्युन्दती एतु) = उन से ज्ञान का प्रचार अनेक विधि से होवे, अथवा उन की प्रसिद्धि वा नाम के लिये नाना प्रकार संस्कृत पाठशाला, गुरुकुल, आदि से वेद प्रचार आदि के द्वारा ज्ञान का प्रकाश [प्रचार] पक्षपात छोड़ कर करावें जैसे [जल जल की नालियों में बहता, और उन से उमड़ कर उन के बाहर गिरता हुआ अपने तथा अन्यों के क्षेत्रों में भी पहुंचता है, ऐसी ही जाति, धर्म और देश का पक्षपात तज कर विद्या का प्रचार करावें।

(अथ० १८ । ४ । ५१) (जीवम्)इस जीव अर्थात् अपने को [आत्मा को] 'अपने' और "आत्मा" सम्बन्धक और सम्बन्धित, ये दो पद दो अर्थ वाले, सम्बन्ध कारक नहीं हैं। आप नाम सम्बोधित, एवं वक्ता आत्मा ही है, जड़ शरीर नहीं, यह मिथ्या [तामस] अहङ्कार त्याज्य है, (आरोह) बैठ।

(अथ० १८ । ४ । ६७) (लोकाः) पुरुषाः, लोक का प्राकृत [बिगड़ा] रूप लोग है।

(अथ० १८ । ४ । ७६) अन्तरिक्ष = आकाश (भूत)

(अथ० १६ । ६ । १ (विश्वतश्चक्षुः) सब ओर से एवं सब स्थानों से दर्शन करने वाला वा दिखाई देने वाला,—मुख उपदेश करने वाला,—बाहुः= बल क्रिया वाला,—पात्=गति, वा दर्शन, वचन, ग्रहण, गमन वा प्रापण शक्ति वाला ।

(अथ० १६ । ६ । ५) (पुरुषः) सृष्टि रचन, धारण, एवं संहरण सामर्थ्य से पूर्ण [युक्त] सर्वत्र व्यापक जगत् कर्ता, (अस्य) पुरुष की सृष्टि का, (मुखम्)=मुख्य पदार्थ [शिर सम] (बाहु) भुजाओं (बल पराक्रम) के तुल्य, (ऊरू) [ऊर्णुञ् आच्छादने इस धातु से ऊरू पद बनता है]=कोखें वा कुक्षियें ।

भावार्थ—जिस भांति कुक्षियें अपने अन्तरस्थ यन्त्र द्वारा अन्न आदि पदार्थों का ग्रहण, पाचन, रसादि धातु भावन [बनाना] करके सर्व धातुवें शिर, भुजाओं और पादों (जङ्घा+पैरों) को पहुंचाती हैं, वैसे ही वैश्य लोक धन धान्य रसादि सर्व भोग्य पदार्थों की प्राप्ति, रक्षा, वृद्धि आदि करके ब्राह्मण क्षत्रिय और शूद्रों को यथा योग्य एवं राज नियम से पहुंचाते हैं यह सनातन धर्म है ।

अत एव ऊरू का अर्थ जङ्घा अयुक्त है । जङ्घाओं में जव [वेग] भार वाहन से युक्त है इस लिये शूद्र स्थानी जङ्घा और पाद (पद) हैं । पद गतौ से पाद बनता है । गमन जङ्घा [टांगों] से होता है, पांव मात्र से नहीं अतः पाद= जङ्घा+पांव, नकि पाद मात्र से गमन वा भार वाहन सम्भव है । देखो— ऊर्वोरोजो जङ्घयोर्जवः पादयोः प्रतिष्ठा''—अथ० १६ । ६० । २ । ऊरू और जङ्घाओं में भेद स्पष्ट दिखाया है । ओज जैसे पदार्थ की मुख्य वा विशेष आवश्यकता कुक्षिस्थ यन्त्र में है । जहां शरीर स्थिति का एक मात्र साधन रसादि बनाये जाते हैं न कि जङ्घाओं में जो केवल चलन साधिका हैं, जब ऊरूनाम कुक्षीस्थ यन्त्र [उदर] में पाचन शक्ति अर्थात् रसादि बनाने की सामर्थ्य नहीं रहती, तब शिरादि को रसादि न पहुंचने से न शिर रहता [कार्य करता] है न बाहु बाहुवों का कार्य करते हैं और न पाँव [जङ्घा] पैरों का ऐसे ही जब जङ्घा सदृश वैश्य निज गुण हीन होगा तब ब्राह्मणादि को भोग्य पदार्थ न पहुंचने से वे निज कार्य यथाविधि न कर सकेंगे और आज कल्य की भांति स्वकर्म त्यागकर, परकर्म [अर्थात् ब्राह्मण सेवा, कृषि गो आदि पशुपालन वणिक्, भूमि रक्षा; क्षत्रिय सेवा कृषि आदि, वैश्य सेवा, अध्यापन भूमिरक्षा,

तथा शूद्र ब्राह्मण क्षत्रियादि के कर्म] ग्रहण करते हुए "स्वकर्मणां च त्यागेन जायन्ते वर्णसंकराः,, इस मानवोक्ति को चरितार्थ करेंगे । मनु० १० । २४)

(अथ० १९ । ६ । ६) (मध्यम्) उदर कुक्षियों से आवर्त [मन्त्र ५ देखिये]

(अथ० १९ । ६ । ७) (मनसः) शरीरान्तरस्थ मन के समान ब्रह्माण्ड के मध्यस्थ रज तम बाहुल्य कृत मृतिका विशिष्ट पञ्च भूतों से, (चक्षोः) शरीर बाह्यस्थ नेत्रों के समान विराट् के बाह्यस्थ सत्त्व विशिष्ट कृत अग्नि प्रधान पञ्च भूतों से सूर्य, (मुखात्) अति अधिक मुख्य रूप [तन्मात्र] से दिव्य अग्नि विजुली एवं आकाश वायु में अधिक रूप मिलाकर सामान्य अग्नि [आग] (प्राणात्) शरीरस्थ चालक प्राण के सदृश महत्तत्वस्थ रज बाहुल्य कृत, स्पर्श विशिष्ट पदार्थ से वायुः ।

भाव यह है कि विराट् प्रकाशित ब्रह्माण्ड=अण्डाकार प्रकाशित महत्तत्व में सत् कृत महत्तत्व शरीर की त्वचा वत् बाहर को रखाया गया, राजस तामस [केवल रजका बना वा केवल तम का] महत्तत्व अभ्यन्तर रखा जिस से वह [महत्तत्व] सब ओर से चमकता था,उस महत्व से सात्विक [सत् विशिष्ट] अहङ्कार बना, उससे शब्दादिक ५ तन्मात्रायें, तन्मात्राओं के सात्विक अंश से सत् विशिष्ट आकाशादि ४ महाभूत और तम अतिबाहुल्य युत अंश से पृथिवी पञ्चम महा भूत । ब्रह्माण्ड को शरीर से उपमित करके बताया है कि हे मनुष्यो! तुम्हारे मन स्थानी महत्तत्व के भीतरी रज तम अधिक से परम्परा से बनी अधिक मट्टी युक्त ५ महाभूतों से चन्द्रमा बना है, ऐसे ही नेत्र स्थानी बाह्य सात्विक महत्तत्व कृत अग्न्याधिक्य ५ महा भूतों से सूर्य, अधिक सत् युक्त मुख्य रूप से विजली एवमेव विजुली से कुछ न्यून सात्विक रूप अधिक युक्त आकाश आदि से अग्नि । ऐसे ही राजस महत्तत्व से परम्परा से राजस आकाश और राजस स्पर्श मिला के वायु ।

(अथ० १९ । ६ । १०) वसन्त में घृत, ग्रीष्म में इन्धन और शरद् ऋतु में होम योग्य ओषधियां अच्छी होती हैं, अतः देवयज्ञ के मर्मज्ञ इन वस्तुओं को इन ऋतुओं में वर्ष भर के लिये प्राप्त करके सुरक्षित रखें । इन्ही ऋतुओं में ये पदार्थ उत्तम होने से तीन ही का वर्णन है शेष तीन वा सर्व ऋतुवों का प्रकरण यहां नहीं है । हव्य पदार्थों का प्रकरण है । अतः केवल ३ ऋतु वर्ष के यहां न मानने चाहिये ।

(अथ० १६ । ६ । १५) (पशुम्) प्रकृति को, (अबध्नन्) निश्चित किया अर्थात् अपने से भिन्न एक परमात्मा और जड़ प्रकृति का निश्चय किया।

भाव यह है कि ऋषियों ने संप्रज्ञात समाधि के उत्तर अङ्ग वैचारिक में केवल कारण शरीरस्थ हो कर परमाणु नाम जड़ प्रकृति की सत्ता एवं स्वरूप का निश्चय किया और असम्प्रज्ञात समाधि में आत्माश्रित वा परमात्म स्वरूपस्थ हो कर आत्म परमात्म स्वरूप का साक्षात् दर्शन एवं निर्णय किया है।

(अथ० १६ । ६ । ११) ८ वसुवों में प्रकाश, के स्थान में 'जल, युक्त प्रतीत होता है। किञ्च वसु पद वास दाता वा वास स्थान वाचक है, जल में जलचर जीव रहते हैं, जैसे अन्तरिक्ष आकाश में तद्वासी। किन्तु प्रकाश का स्थान अन्तरिक्ष से बाहर कहीं नहीं है। जिस से उसकी वसुवों में गणना उतनी युक्त हो जितनी जलकी। मर्यादादेवोत्तम महर्षिदयानन्द स्वयमेव एकादश संस्करण सत्यार्थ प्रकाश के ८ समुल्लास के पृ० २४२ पर जल और आकाश दोनों महाभूतों को वसुवों में गिनते हैं यह उनका निज का मत प्रतीत होता है।

(अथ० १६ । २३ । १३) तप सूक्ष्म शरीर [तपो अधिष्ठान] कर्म लोक= चेष्टा [क्रिया] आश्रय स्थूल शरीर।

(अथ० १६ । २३ । १४) (सप्तदशर्चेभ्यः) ८ सिद्धि + ६ ऋद्धि।

(अथ० १६ । ३६ । २) (शृङ्गाभ्याम्) पत्तों से (अर्ध्येन) दण्ठल से।

(अथ० १६ । ३८ । २) गन्ध किया जाता है = हवन किया जाता है।

(अथ० १६ । ५१ । १) (अहम) मैं [जीवात्मा] (मे आत्मा) मेरा अन्तर्यामी आत्मा नाम परमात्मा, कुतः दोनों स्थूल एवं सूक्ष्म शरीर अपितु कारण शरीर [एकपरमाणु] ये तीनो जड़ हैं इनमें भाषण शक्ति जो चेतन [ज्ञानी] का गुण है नहीं हो सकती और न है। अहं पद का वक्ता चेतन आत्मा ही है। उसका [अन्तर्यामी] आत्मा परमात्मा ही हो सकता है और वह ही है। अन्य नहीं। जैसा कि "य आत्मनि तिष्ठन्नात्मनोऽन्तरो—बृ० उ० माध्या० शाखा। एवं "तमात्मस्थं,,—कठ० ५। १२ 'यस्मिन् त्रिचक्रे कोशे अरे त्रिप्रतिष्ठिते। तस्मिन् यद् यक्षमात्मन्वत् तद् वै ब्रह्मविदो विदुः। अथ० १० । २ । ३१।

(अथ० १६ । ५६ । १) (यमस्य) नियामकस्य = नियम में चलाने वाले [परमेश्वर के] (लोकात्) लोकृ दर्शने = दर्शनात् दर्शन होने पर; अथवा यमस्य = जीवके [देखो अथ० ८ । १० (४) । ६) लोकात् = दृश्यमान स्थूल शरीर

[शव] ले, (अधि) अधिकार पूर्वक अर्थात् [देखे सुने वा भोगे पदार्थों के चित्रवत् वा किये कराये कर्मों क्रियाओं और भोगे भोगों के संस्कार रूप] मनाश्रित होकर (आवभूविथ) [स्वप्न] आया है, (धीरः) स्थिर = अविचलित न डिगमिगाने वारा (प्रमदा) प्रमाद के संग (मर्त्यान्) मरण धर्मियों वा आलसियों को, (प्रयुनक्षि) = प्रयुनक्ति = विशेष रूप से [हृदयस्थ हो कर] काम में लगाता है, पूर्व देखे सुने आदि पदार्थों के दर्शनादि में आसक्त करता है, (असुरस्य योनौ) प्राणरक्षक वा उदर पूरक जीव के शरीर में वा अन्तःकरण में, (स्वप्नम्) आलस्य, (मिमानः) करता हुआ, (विद्वान्) चैतन्य ज्ञानवान्, (एकाकिना) असंगी [सम्बन्धी जनों से वियुक्त] एकले जीव के साथ (सरथम्) एक रथ [अन्तःकरण वा कारण शरीर] में, (यासि) = याति, चलता है ।

भावार्थ—जब सर्वनियन्ता जगदीश्वर जीव को उस के स्थूल शरीर से [सृष्टि काल में] वा स्थूल सुक्ष्म दोनों शरीरों से [प्रलय काल में] पृथक् करने को [जीवापेक्ष्य] साक्षात् रूप से उद्यत होता है और जीव उसके दिये देह से अलग होने लगता है । उस समय उसके क्रिया, कर्म और भोग का अभ्यास स्थूल संस्कार रूप, और उनके सम्बन्धी सर्वपदार्थ चित्र रूप से उस के सूक्ष्म शरीर में, वा सूक्ष्म रूप से कारण शरीर में आश्रय पाकर उसके संग दूसरे स्थूल देह वा स्थूल और सूक्ष्म दोनों देहों को प्राप्त होते [पहुंचते] हैं । पत्र पर से चित्र के के समान, अन्तःकरणों से नहीं हटते । आलसी प्रमादी, बहुत खाने वाले बहुत सोने वाले तामसी प्राणी बहुत स्वप्न देखते हैं । सब पदार्थों के मानसिक चित्रों का [जो निद्रावस्था में दीखते हैं अथवा जागृतावस्था में भी जिन के श्रवण दर्शनादि अपितु स्मृति मात्र से हर्ष भय शोक आदि होते हैं] का सामूहिक नाम स्वप्न है । एवं जिस अवस्था में वे मानसिक चित्र दीखते हैं उस का नाम भी स्वप्न है ।

अङ्क—सृष्टि काल में स्थूल शरीर नष्ट होता है । सूक्ष्म और कारण शरीर रहते हैं । प्रलय में सूक्ष्म भी नष्ट होता है केवल कारण रहता है ।

(अथ० १६ । ५६ । २) [हे स्वप्न!] (त्वा) = तं,उस स्वप्न को, (रभसाः) लघु रात्रि वा महा रात्रि वा रात्रि के अन्धकार सम मृत्यु अन्धकार के, (जनितोः) होने से (अग्रे) आगे, (एके अह्नि) केवल दिन (कार्यकाल वा

जीवन समय में] छिपाता हुआ तू= छिपाता हुआ ,(इदम्) यह स्वप्न, (अधि) अन्तः करणों में स्थित होकर पूर्ण स्थिरता से, (आ) सर्वत्र [जगत् में] (बभूविथ) व्यापा है।

भाव यह है कि जो क्रिया कर्म और भोगों के संस्कार वा तत्सम्बन्धी पदार्थों के चित्र मन चित्त एवं अहङ्कार में कार्यकाल में वा जीवन समय में आश्रय लेते हैं वे चिर काल पर्यन्त जीव के साथ रहते हैं, अर्थात् जैसे दिन [जागृतावस्था] के संस्कार रात्रि [स्वप्न अवस्था] में रहते हैं वैसे ही जीवन काल के संस्कार वा उपर्युक्त चित्र अन्य जन्म में जाते हैं। परन्तु प्रलयावस्था में सूक्ष्म शरीरों के नाश से वे संस्कार और चित्र अति सूक्ष्म रूप से कारण शरीर में और उनका ज्ञान आत्मा में सूक्ष्मतम रूप में रहता है, तदनुसार पूर्ण ज्ञानी सृष्टि कर्ता यथावत् प्रकाशक जगदीश्वर उनके अन्तः करणों में वैसे ही संस्कार आदि उपस्थित कर देता है। अतः वे संस्कार आदि वैद्यक [स्थूल दर्शन] विद्या की पहुंच के बाहर हैं। अत एव कर्माधिकारी जीवात्माओं को चाहिये कि आलस्य, प्रमाद, छल, कपट चोरी जारी अन्याय आदि आदि अधर्मों को त्याग कर शुभ वैदिक कर्मों को करें जिस से उक्त संस्कार एवं दुःख से बचकर इस लोक [इस शरीर] और द्वितीय शरीर में संसार सुख और मोक्षानन्द को प्राप्त करें।

(अथ० १६ । ५६ । ३) (बृहद्गावा) महती प्राप्तियुक्त [स्वप्न विद्या] (महिमानम् इच्छन्) अपनी वृद्धि एवं प्रचार के अर्थ, अथवा स्वप्न [गाढ़ निद्रा] प्राकृत साधनों का सर्वथा निष्क्रिय होना [वा सर्वतः सर्वथा पृथक् होना] (बृहद्गावा महिमानम् इच्छन्) महती [ईश्वरानन्द अनुभवरूप] प्राप्ति वाला अपने गौरव=वृद्धि [पूजा वा प्रकाश] को चाहता हुआ, विषयी प्राण रक्षक अयोगियों के समीप से, [हट कर] (देवान्) विरक्त मुमुक्षु योगियों को (उप अवर्तत)=उप वर्तते, प्राप्त होता है, [तब] (स्वः) सुख [समाधि वा मोक्ष आनन्द] (आनशानाः) भोगते वा उपभुक्त कर चुकने पर, [उन समाधिस्थों वा मुक्तों के समाधि से उठने अथवा पुनरावर्तन के समय उन के] (त्रयस्त्रिंशासः) तेतीस [१० इन्द्रिय + १० प्राण + ४ अन्तः करण और ९ गोलकों] वा जीव की २४ शक्तियाँ + काम क्रोधादि + ४ अविवेक, अविद्या, कर्म, वासना) [देवे] [यथाक्रम) (तस्मै स्वप्नाय) उस लौकिक जागृति और सुषुप्ति के,

यद्वा पारमार्थिक जागृति [मुक्ति] और सुषुप्ति [प्रलय] के मध्य [बीच] की अवस्था को, (आधिपत्यम्) शासक पन, (दधुः)=दधति=देते हैं।

भावार्थ—मलिन अन्तःकरण युक्त वेद मर्म अनभिज्ञ उपासना न करने वाले आत्माओं को स्वप्न विद्या नहीं प्राप्त होती, वेद तत्त्व बुभुत्सु शुद्ध अन्तःकरण वाले उपासक मुमुक्षु जीवों को उक्त ज्ञान यथार्थ प्राप्त होता है। ऐसे ही अनुपासक अज्ञानी जीवों को भी यद्यपि गाढ़ निद्रा में अज्ञान पूर्वक ईश्वर प्राप्ति होती है पर वे उसे नहीं समझते, उपासक विद्वान् सुषुप्ति के तात्त्विक स्वरूप को विचार एवं अनुभूत करके, उसी [सुषुप्ति] के सदृश जागृतावस्था में सर्वतः सर्वथा निश्चेष्ट अर्थात् प्राणों की भी गति को रोक समाधिष्ठ होते हैं, तब ज्ञान पूर्वक ईश्वर को साक्षात् प्रत्यक्ष करके उस स्वप्न नाम प्राकृत निश्चेष्टापन का महत्त्व समझते हैं; और उस समय आनन्द पाकर वे [योगी जन] ३३ देव नाम १० इन्द्रिय+१०+प्राण+४ अन्तःकरण और ९ गोलकों [कान+आंख+नाक+मुँह वा मुख+खाल वा त्वक्+हाथ+पाँव+उपस्थ और पायु [मल मूत्र इन्द्रियें] के विषयों [भाग्य जड़पदार्थों] को किंवा २४ आत्मशक्तियों के लौकिक विषयों और काम क्रोधादि+अविवेकादि नवों [९] को व्यर्थ एवं दुःखद मानते हैं एवं विरक्तता पूर्वक समाधि [योग] करते २ परमेश्वर को पूर्णतया साक्षात् आत्म प्रत्यक्ष करके मुक्त होते हैं; और मुक्तावस्था में सर्व प्राकृत साधनों [स्थूल सूक्ष्म और कारण तीनों शरीरों] से सर्वतः सर्वथा पृथक् होकर [देखो "गताः कलाः पञ्चदशाः प्रतिष्ठा देवाश्च सर्वे प्रति देवतासु०......मुण्डक] मोक्षानन्द का अनुभव करते हैं। पुनरावर्तन काल में [मोक्ष सुख पा चुकने एवं मुक्ति समय समाप्त होने पर] अपनी उपर्युक्त २४ दिव्य शक्ति नाम देवता एवं ९ कामादि [प्रवाह अनादि पदार्थों] के संसार सुख भोगार्थ उनको स्वप्न नाम [लौकिक जागृति और सुषुप्ति की मध्यावस्था के समान] पारमार्थिक वा वास्तविक, पूर्ण एवं निरन्तर जागृति [मुक्ति] और वास्तविक, पूर्ण एवं निरन्तर सुषुप्ति [प्रलय] की मध्य दशा नाम ब्रह्म दिन [सृष्टि काल=जगत्] के आधीन करते हैं अर्थात् मुक्ति से लौट कर जगत् में आते हैं।

अङ्क—यहां शतपथीय वा यास्कीय ३३ देवों की अपेक्षा उपर्युक्त दोनों प्रकार के ३३ देव विशेष युक्त हैं। [८ सि० ९ स्न०+१६ कला]=३३ देव कहे जा सकते हैं।

स्वप्न विचार एवं व्याख्या—सर्व साधारण जन जानते हैं कि स्वप्न में सोना [प्रायः सर्व शरीर का अक्रिया होना] और मनादि करणों से जगत् के देखे सुने आदि पदार्थों का देखना सुनना आदि दो कार्य होते हैं। गाढ़ निद्रा में सर्व अङ्ग एवं सर्व इन्द्रियां और सब अन्तःकरण निश्चेष्ट हो जाते हैं। आत्मा निश्चेष्ट केवल अविवेक पूर्वक आनन्द अनुभव करता है। इस के कुछ विरुद्ध समाधि वा योग में सब स्थूल सूक्ष्म शरीराङ्गों की निश्चेष्टता के संग प्रायः प्राण भी अक्रिय होने पर विवेक पूर्वक जीवात्मा ईश्वरानन्द अनुभव करता है । अत एव सामान्य लोकव्यावहारात स्वप्न का तुलनात्मिक अर्थ "समाधि" युक्त है। पूर्व में आत्म-मनन शक्ति मनेन्द्रिय द्वारा कार्य करती है, उत्तर में स्वयं बिना करण। स्वप्न के दो अर्थ हैं—१ गाढ़ निद्रा [सुषुप्ति]—२ सोने में कुछ क्रिया मनादि से करना, सुषुप्ति की तुलना समाधि और मोक्ष के साथ इस लिये करते हैं कि तीनों में प्राकृत शारीरिक हल चल नहीं होती और अविवेक वा विवेक पूर्वक बिना साधनों के आनन्द का अनुभव होता है।

प्रलय में वास्तविक चिर सुषुप्ति होती है क्योंकि दोनों कार्य शरीर नहीं रहते। मोक्ष को वास्तविक, पूर्ण एवं निरन्तर जागृति कहना न्याय संगत है कुतः उस अवस्था में जीवात्मा अपने एवं ब्रह्म स्वरूप का तात्विक एवं यथार्थ ज्ञान रहते हुये ईश्वरानन्द अनुभव करता है और असाधन [बिना इन्द्रियों के] यथेच्छ गतिमान् रहता है [विचरता है], इसी लिये मोक्ष और प्रलय की मध्य वर्ती दशा का उपमानात्मिक एवं यौगिक अर्थ जगत् [सृष्टि काल], फलतः स्वप्न [सोना और जगत् के पदार्थों का मानसिक भोगाभोग] किया गया है, क्योंकि जगत् में रहने की दशा में प्राणी को सामान्यतया अपने स्वरूप का यत् किञ्चित्, कथन भर को वा भ्रम सा एवं उलटा सुलटा ज्ञान रहता है पर इस के विरुद्ध वह जगत् के जड़ पदार्थों में प्रायः पूर्णतया रमा रहता है। कभी ध्यान समाधि में आत्मा परमात्मा का छाया सा भ्रम मूलक देखा अथवा कतिपय दिवस आवागमन में एक स्थूल से दूसरे स्थूल देह तक जाने के मध्य सूक्ष्म शरीर मात्र में रह कर कुछ ज्ञान रहा, पुनः यथा पूर्व दशा होती है । जहां स्वप्न में जीवात्मा शरीर को सर्वतः स्थिरता पूर्वक स्वस्थ करते हुये आनन्द अनुभव करते हैं और किञ्चित् [लोक के] भोग भी मन से भोगते हैं। वहां सम्पूर्ण जगत् काल में सामूहिक

रूप से, वे [जीव] शारीरिक भोगार्थ शरीर को प्रायः सचेष्ट करते हुये शारीरिक सुखादि भोगते हैं और पूर्वोक्त यत् किंचित् ज्ञानानुभव यथा कथा एवं यदा कदा करते हैं। जैसे स्वप्न में जगत् के पदार्थों का किञ्चित् ज्ञान भ्रमात्मिक होता है वैसे ही [मानव दैनिक जागृति के समान] ब्रह्म दैनिक जागृति में यत् किञ्चित् आत्म ज्ञान रहता है, स्वप्न में शारीरिक निश्चेष्टता होती है जागृति में स्वयं आत्मिक। मुक्तावस्था में स्वयं एवं साक्षात् आत्मिक चेष्टा होती है। ["देखो स नो बन्धु ·········· तृतीये धामन्नध्यैरयन्त" य० ३२। १०], प्रलय में सर्वथा विपरीत पूर्ण आत्म स्थिरता होती है। इन दोनों के मध्य वा विलक्षण सृष्टि काल में आत्मा प्रायः शारीरिक चेष्टायें और कभी २ आत्मिक क्रिया [योगादि] करता है। अतः जगत् का अर्थ-स्वप्न किया गया है।

समाधि और सुषुप्ति में अचिरानन्द होता है; मोक्ष में चिर [देखो० द्वयोः सबीजमन्यत्र तद्धति सां०]।

स्वप्न नाम गाढ़ निद्रा पद वाच्य से असंप्रज्ञात समाधि और ब्राह्म मोक्षानन्द स्वरूपता का सादृश्य एवं साम्य है। और स्वप्न नाम अपूर्ण निद्रा [मानसिक क्रिया सहित] से जगद्भास को सादृश्य है। इति स्वप्न विवेकः।

(अथ० १६। ५६। ४) (नैताम्) न [स्वप्न में हुई] इस [प्राप्ति] को, अथवा न एतम्=न इस [उपर्युक्त आनन्द प्रापक स्वप्न] को, (पितरः) क्षत्रिय लोक (उत) और (न) (देवाः) ब्राह्मण [वेद पाठी] लोक (विदुः) जानते हैं; (येषाम्) जिनकी, (जल्पिः) वक्तृता=वाणी=आज्ञा, (इदम् अन्तरा) इस संसार में, (चरति) विचरती, व्यापी वा मानी जाती है। (वरुणेन) श्रेष्ठ ब्रह्मवित्गुरु से वा सर्वश्रेष्ठ उपास्य देव जगत्गुरु ब्रह्म से (अनुशिष्टाः) शिक्षा पाये हुये, (नरः) अपने स्थूल सूक्ष्म शरीरों के यथार्थ नेता, (आदित्यासः=आदित्य—आसः) अनादि अनन्त ब्रह्म में स्थित वा समाधिष्ठ होकर, (आप्तये) यथार्थ सत्य वक्ताओं के हितु वा सर्वथा पूर्ण आप्तकाम [परमात्मा], (त्रिते) तीनों लोकों के विस्तारक एवं तीनों लोकों में व्यापक होकर उनसे बाहर करे वा निकले हुये जगदीश्वर में, (स्वप्नम्) [सर्वथा सर्वतः सर्वदः] अचलत्व=कूट [स्वरूप] स्वप्न एवं तत्फल रूप आनन्द स्वरूपत्व अर्थात सब भांति सब ओर से नित्य न हिलना चलना और इस कारण अत्यनन्त आनन्द होना, अथवा, (आप्तये) आप्त आत्माओं के

सत्कार करने वारे वा समाधिसुख [वा मोक्षानन्द] प्राप्त करलेने वारे, (त्रिते) तीनों [जन्म नाम स्थानों] को प्राप्त किये वा पार किये हुये, तीनों कालों में गति [रहने] वारे, एवं तृतीय धाम नाम ब्रह्म मात्र को प्राप्त किये हुये (देखो—अथ० ५ । १ । १) समाधिष्ठ वा मुक्त जीव में, (स्वप्नम्) विषय प्रापक सर्व प्राकृत साधनों के निश्चेष्ट [स्थिर] होने वा सर्वतः सर्वथा अलग हो जाने पर समाधि सुखानुभव वा मोक्षानन्द अनुभव को, (अदधुः) दधति [ठहराया, निश्चित किया] ठहराते निश्चित करते हैं।

भाव यह है कि शरीरिक बल वा मानसिक [विद्या] बल से स्वप्नसिद्धि वा स्वप्नसिद्ध पदार्थ का ज्ञान बड़े से बड़े सेनाध्यक्ष शूर वा विद्वान् लोक मान्य पण्डित को लौकिक गुरु वा साक्षात् जगत्गुरु जगदीश्वर से सीखकर ईश्वरोपासना किये विना नहीं होसकता ।

जो जीवात्मा उक्त विधि ज्ञान प्राप्तकर योगाभ्यास करते हैं वे ही सुषुप्ति के आनन्द स्रोत को जानकर सर्वथा शरीरिक क्रिया को रोके हुये आत्मस्थ वा परमात्मस्थ होकर [यथा अधिकार] समाधि के आनन्द को पाते हैं, अथवा कार्य और कारण जगत् [स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीरों] से पृथक् [मुक्त] होकर मोक्षानन्द का अनुभव करते हैं। तथा समाधि अवस्थित होकर निश्चित करते हैं कि ऐसा सापेक्ष आनन्द [बन्धन के अन्तर सहित एक अर्थात् बड़े काल तक [जिस के पीछे बन्धन अवर्जनीय है] जीव को मिल सकता है, और निरन्तर निरपेक्षानन्द नित्य मुक्त ब्रह्म को ही नित्य प्राप्त है, स्वप्न नाम गाढ़ निद्रा [सर्वतः निश्चेष्टत्व] का पूर्ण, नित्य एवं वास्तविक स्वरूप तथा भाव ब्रह्म में ही प्राप्त है। जो सर्वतः सर्वथा सर्वदा निश्चेष्ट, कूटस्थ नित्यानन्द स्वरूप है ।

अङ्क—तृतीय मन्त्र वत्, मन की जागृति और शेष सर्व साधनों की सुषुप्ति को यहां भी आत्म जागृति और सर्वकरण सेन्द्रियादि की सुषुप्ति [अक्रियता] से तोला गया वा समता दी गई है, और फिर उत्तर दोनों [आत्मादि] को ईश्वर स्वरूप (जो अनन्त और सर्वव्यापक होने से अचल है] और परमात्म ज्ञान की एकरसता से तुलना की गई है। जैसे लोक प्रसिद्ध स्वप्न में सब इन्द्रियादि स्थिर होजाते हैं और मन द्वारा विषय अनुभव होता रहता है, । ऐसे ही सुषुप्ति और समाधि में मन सहित सर्व साधन अक्रिय, और मोक्ष में वियुक्त होजाते हैं और आत्मा को स्वयं [अकरण = विना

साधनों के] ब्रह्मानन्द का अनुभव होता है, एवमेव ब्रह्म नित्य अक्रिय और आनन्द स्वरूप है। अत एव यह वाक्य सुषुप्ति मोक्षेषु ब्रह्म रूपता, अर्थात् जीव को समाधि सुषुप्ति और मोक्ष में विना करणों के ब्रह्म सदृश (अपाणिपादो जवनो) कर्ता कहा है।

(अथ० २० । १३ । १) विद्वत्सभाराजसभे संगत्य राज्यं रक्षेताम्= विद्वत्सभा और राज सभा दोनों मिल कर राज्य को रक्खावें।

(अथ० २० । ३५ । ६) (रणाय) जड़ चेतन दोनों को संघर्ष समाप्त करने को [मोक्ष प्राप्ति के लिये], (आववक्षे) परमाणुवों को संहत [जगदाकार] किया है।

(अथ० २० ५८ । २) (अनर्शरातिम्) निस्स्वार्थ दानी।

(अथ० २० । ७७ । ५) भावार्थ—परमात्मा अपने अतोल बल⋯कर रहा है=परमात्मा ने अपने अनन्त बल के तुच्छ [अति अल्प] मात्रा से, अपने अनन्त स्वरूप के अल्प देशस्थ सब जगत् को बनाया [रचा] और धारित किया है।

देखो ⋯"पादो अस्य विश्वा भूतानि⋯"(यजु० ३१ । ३),

(अथ० २० । ७९ । १ (इन्द्र) हे परमेश्वर! (नः) हमारे लिये, (क्रतुम्) बुद्धि (आभर) सर्व प्रकार भरदे (यथा) जैसे पिता जनक=बाप (पुत्रेभ्यः) सन्तानों के लिये, (पुरुहूत) हे बहुत बुलाये गये [परमात्मन्] (अस्मिन्) इस (यामनि) समय वा मार्ग [जगत् के व्यापार] में (नः) हम को (शिक्ष) सिखा, [जिस से] (जीवाः) हम जीव लोक (ज्योतिः) प्रकाश को (अशीमहि) पावें। भावार्थ—इस मन्त्र में उपदेश है कि हे शरीरस्थ जीवात्माओ जिस प्रकार तुम अपने शारीरिक पिता एवं माता से संसार के कार्य चलाने को नाना विधि से शिक्षा लेते [उनसे पूछते] हो वैसे ही तुम जगद्व्यापार तथा परमार्थ प्राप्ति मार्ग में, परमात्मा [जगदाचार्य] से शिक्षा प्राप्त किया करो।

(अथ० २० । ८७ । २) (हृदा) हृदय=मनसे, (मनसा) बुद्धि से, ॥

(अथ० २० । १२६ । १) (इन्द्रम्) इन्द्रिय युत शरीरी जीवात्मा को, (मत्सखा) [अहंनाम] मुझ [पद वाच्य) जीवात्मा का नित्य सङ्गी समान प्रसिद्धि वाला (वृषाकपिः) सर्व शक्तिमान् नियामक जगदीश्वर (पुष्टेषु) पुष्ट किये [यथाविधि] बनाकर धारण किये हुये] लोकों में, (अमदत्)

मदति = आनन्दित रहता है (इन्द्रः) परमैश्वर्यवान् परमात्मा, (विश्वस्मात्) सब जगत् से (उत्तरः) परे, उत्तम है ।

भावार्थ—तत्त्वचिन्तन [ध्यान समाधि] त्याग देने से शरीर जीवात्मा को प्राकृत पदार्थों, प्रकृति वा परमाणओं का भी यथार्थ बोध नहीं रहता, अपितु पांचो भूतों को कितने नहीं जानते वा जान नहीं सकते, आत्म स्वरूप का ज्ञान तो हो ही नहीं सकता, अपने को भौतिक शरीर [जड़] मानते जानते हैं, अपनी आयु के वर्ष १०, २०, ३०, ४०, ५० आदि बताने लगते हैं, अपने को दुबला, मोटा [स्थूल] रुग्ण स्वस्थ आदि आदि कहते हैं। शरीरापेक्ष्य छोटा बड़ा आदि आदि जान मान कर प्राणि सर्वांश आत्मघाती सर्वथा मिथ्यावादी बन जाते हैं। अन्यथा तत्त्व निष्कर्ष से स्थूल लोकों [लोक दर्शने—जो कुछ स्थूल नेत्रों से वा अन्य इन्द्रिय गोलकों से देखा वा जाना जाता है अर्थात् सूर्यादि तथा उनके निवासी प्राणियों के शरीरादि एवं अन्य अप्राणि अर्थात् केवल जड़ पदार्थ] और उन के कारण सूक्ष्म स्थूल दशों भूतो एवं सूक्ष्म भूतों के कारण अहङ्कारादि को यथावत् जानकर आत्म [गुण कर्म स्वभाव रूप] शक्तियों एवं निज स्वरूप को भी वे ही प्राणी [मनुष्य शरीरधारी] जान लेते हैं पुनः स्वरूप प्रतिष्ठित होकर ब्रह्म स्वरूप का साक्षात् दर्शन करते हैं जो मोक्षप्रद होने से सर्वोपरि है।

अङ्क—जीवात्मा—चेतन, अल्पज्ञ, स्वयम्भू, कालापेक्ष्य अनादि अनन्त, अणु स्वरूप [अत्यन्त लघु] है, और ब्रह्म चेतन सर्वज्ञ, स्वयम्भू काल एवं देशापेक्ष्य अनादि अनन्त विभू स्वरूप [अत्यन्त महान्], जीव से सूक्ष्मतर [विशेष पतला] होने से उसमें भी नित्य व्यापक है और इस लिये कभी उस से पृथक् न होने से उसका सखा कहा जाता है।

साधुचेतावनी—एक शरीर में दो आत्मा (एक शरीर धारी और दूसरा भीतरी वा अशरीरी) एकैव तदाभिमानी नहीं होते वह रह सकते हैं, यह मत वेद एवं बुद्धि विरुद्ध होने से अग्राह्य और त्याज्य केवल भ्रम मूलक है।

(अथ० २० । १२६ । २) (वृषाकपिः) बल स्वरूप भोग दाता जगन्नियन्ता परमेश्वर से, (अन्यत्र) शरीर से भिन्न [अन्य] शरीर में, (सोमपीतये) ऐश्वर्य प्राप्ति के लिये, (प्रविन्दसि) प्रविन्दति = विशेष रूप से [स्वयम् शरीर छोड़ वा शरीर घात करके] पाता है, (इन्द्रः) जगदीश्वर ।

भावार्थ—हे जीव ! यदि जगदीश्वर के न्याय से मूर्खता वश तू !

असंतुष्ट होकर आत्म [अपने] शरीर का घात अर्थात् स्वतः किसी प्रकार देह त्याग करता है [करेगा] तो तुझे दूसरे लोक [शरीर] में भी सुख नहीं मिलता [मिलेगा] क्योंकि तू अनन्त स्वरूप सर्वशक्तिमान् सर्वज्ञ अत्यन्त निष्पक्ष न्यायी जगदीश्वर से बच नहीं सकता वह सर्वत्र है।

(अथ० २० । १२६ । ३) (वृषाकपिः) अत्यन्त बली सर्वशासक परमेश्वर, (यस्मै) जिस अपकार [हानि] के लिये, (पुष्टिमत्) सर्वपोषक, (वसु) जगन्निवास=संसार के निवास स्थान परमात्मा जगदाधार का, (इन्द्रः) अनन्तैश्वर्य युक्त परमेश्वर।

भावार्थ—सर्व नियामक अत्यन्त निष्पक्ष न्यायी जगदीश्वर ने हे जीव! तुझे अन्याय से हानि वा कष्ट नहीं दिया है उसकी अस्तुति मत कर। वह सर्व दोषों से (उत्तर) अत्यन्त दूर वा परे है।

(अथ० २० । १२६ । ४) (वृषाकपिः) जीवात्मा, बली राजा, (इन्द्र) मुक्त जीव।

(अथ० २० । १२६ । ५ (कपिः) चञ्चल चिन्तन शक्ति ने, (शिरः) शिरस्थ चित्त वा उत्पत्ति स्थान व साधन [दुष्ट संस्कार] (राविषम्) [उपासना द्वारा] नष्ट करदूं। (इन्द्रः) जगदधिपति परमेश्वर, (उत्तरः) उतारने पार करने वाला है। भाव यह है कि—जीव के जो दुष्ट संस्कार मन और चित्त में रहते हैं वे नाना दुष्कर्मों के साधन बनते हैं। किये कराये शुभ कर्मों को भी दुष्ट संस्कारों के वश [स्नान कृत हस्ति के समान धूलि प्रक्षेपण रूप] दुष्ट कार्यों से वह आवर्त कर लेता है। उन दुष्ट संस्कारों को हटा शुभ संस्कारों से आभूषित करने वाला सब जैव दुर्गुणों से नित्य परे जीवों को पार करने वाला "अलसालः" परमेश्वर ही है।

(अथ० २० । १२६ । ६, ७) (इन्द्रः) जगदीश्वर। भाव यह है कि मन्त्रोक्त पदार्थों की सिद्ध्यर्थ एक मात्र यह ज्ञान कि जगदीश्वर ही सर्व पदार्थों का प्रापक [दाता] है, अत्यन्तावश्यक है।

(अथ० २० । १२६ । ८) (वृषाकपिः) सबल प्रबन्धक लौकिक [अनित्य असत्पति] जीवात्मा अत्यन्त बली अध्यक्ष नित्य एवं सत्पति परमेश्वर को (अभीषि=अभिष्यसि) [अभ गतिशब्दसम्भक्तिषु] जानेगी, सम्बोधित करेगी [बुलावेगी] एवं सेवेगी, (इन्द्रः) जीवात्मा वा जगदीश्वर।

भावार्थ—ईश्वर का उपदेश है कि शारीरिक पत्नी शरीरस्थ आत्मा को

चाहिये कि वह अपने शरीर के अशरीर पति को जगत् के सब प्राणियों से उत्तम मान कर पतिवत् केवल उसी की सेवा करे, और ऐसे ही अपने शरीर के एवं अपने [अर्थात् आत्मा के] नित्य पति [जगत्पति] को सर्व जगत् का पूज्य तथा वास्तविक सर्वोत्तम जान कर, ईश्वर उपासना [योग] को निज परम कर्तव्य करे।

अथ० २० । १२६ । ९, १०) (इन्द्रः) बड़े ऐश्वर्य वारा पति, [म० ८ देखो]

(अथ० २० । १२६ । ११) (इन्द्राणी) बड़े ऐश्वर्यवान् [प्राणि] राजा की पत्नी, शक्ति, वा परमेश्वर की विभूति एवं शक्ति को, (इन्द्रः) मनुष्य राजा वा परमेश्वर (अपरम्) दूसरे शरीर धारी वा अशरीरी निराकार जीवात्माओं के समान (मरते) मरता अर्थात् वियुक्त होता है।

भावार्थ—महदैश्वर्यवान पुरुष [जीवात्मा] ऐश्वर्य के सदुपयोग एवं दान से अपने नाम को चिरजीवी करता है। परमैश्वर्य वान् जगत्पिता का ऐश्वर्य प्राणि अप्राणि वा मुक्त बद्ध सब के लिये है, न तो उस ऐस्वर्य का वार पार है और नहीं ऐसे अपार ऐश्वर्य वाला अजर अमर जगदीश्वर कभी मरता वा जीता [प्रकृति से संयुक्त रहता] है, ऐसा जानकर उसी की उपासना [योग] से चक्रवर्ती राज्यादि एवं सर्वोत्तम मोक्ष ख्याति की प्राप्ति करनी चाहिये।

(अथ० २० । १२६ । १२) (इन्द्राणी) बृहदैश्वर्य के स्वामी वीर पुरुष की वीरा पत्नी, (वृषाकपिः) सर्वाध्यक्ष अनन्त शक्तिमद् ब्रह्म (यस्य) जिस ईश्वर का, (इन्द्रः) जगदीश्वर।

भावार्थ—ईश्वर का उपदेश है कि हे बड़े ऐश्वर्य वारे पुरुष शरीर की पत्नी देहस्थ आत्मा तू गर्व मत कर सर्वेश्वर प्राणी अप्राणी का नियामक और शासक है, उस के बिना कोई कार्य नहीं हो सकता, वह ही सर्वव्यापक सर्वाधार हो सब को साधनोपसाधन सम्पन्न करके सर्व क्रियाओं में सहकारी रूप नित्य शुभ कर्म के लिये बलात्कार—हीन, उदासीन रूप से प्रेरणा [उपदेश] करता रहता है [क्योंकि जीवात्मा कर्म करने में स्वतन्त्र है] वह जगदीश्वर किसी पदार्थ को नहीं भोगता। वह सब भोगों से उत्तर [परे]। एवं सब से महान् है।

(अथ० २० । १२६ । १३ (वृषाकपायि) हे सर्व शक्तिमज्जगन्नायक

ब्रह्म की विभूति, (रेवति) हे ऐश्वर्य युक्त, (सुपुत्रे) हे उत्तम पुत्रों की देने वाली वा उत्तमता से पवित्र करने हारी, (सुस्नुषे) हे बहुत सुख वर्षाने वाली, (ते) तेरे (उक्षणः) बढ़ती करते हुये पदार्थों एवं (प्रियम्) प्यारा, बहुत सुख प्रद, (काचित्करम्) सुखों का चयन नाम प्रापण करने वाला, (हविः) दान अर्थात् उत्तम अभीष्ट घृतादि पदार्थों को, (इन्द्र) अनेक शक्ति वा पुरुषार्थ—प्राप्त, सुख सामग्री युक्त राजा वा अन्य मनुष्य, (घसत्) खावे [भोगे] (इन्द्रः) जगदीश्वर, (विश्वस्मात्)=सब जगत् से, (उत्तरः) उत्तम है ।

द्वितीयार्थ—(वृषाकपायि) हे बड़े बलिष्ठ लोक शासक राजा की रानी! (रेवति) प्रचुर धनैश्वर्यधारी, (सुपुत्रे) हे विद्वान् एवं वीर पुत्रों की जननी (सुस्नुषे) हे मनोहर वचनों की वर्षा करने हारी, (ते उक्षणः) तेरे बढ़ते हुये पदार्थ, और (प्रियम्) जन हितकर, (काचित्करम्) सुख साधन, (हविः) दान को, (इन्द्रः) परमेश्वर, (घसत्) ग्रहण करे अर्थात् उसके, उपदेशानुसार हो, कुतः, (विश्वस्मात् इन्द्र उत्तरः) [अस्ति] सर्व जगत के प्राणियों से (इन्द्र) जगदीश्वर ऊपर वा परे है ।

(१) भावार्थ—जगदीश्वर ही सब से बलवान् सब का चालक वा शासक है , सब अभीष्टों, [शारीरिक सुखों, पुत्र पौत्रादि ऐश्वर्यों] का दाता है, मनुष्य पुरुषार्थ करके धर्म एवं न्याय से सर्व सुख एवं सुख साधन ग्रहण करें, अन्यायादि से न लें, अन्यथा दुःख के भागी होंगे ।

(२) भावार्थ—हे बड़े राजा की रानी ! वा शक्ति शाली राजन् ! तू परमेश्वर के उपदेश का अनुसरण करता हुआ निज धार्मिक पुरुषार्थ से प्राप्त किये हुए पदार्थों को ही भोग, जगत् का ऐश्वर्य प्राप्त करके ऐहिक एवं पारमार्थिक सुखार्थ स्वैश्वर्य का न्याय से सुपात्रों को दान दे और जगदुपकार में लगा, नाम के लिये चाटुकारी दुराचारियों को अन्याय से मत दे, क्योंकि जगदीश्वर सर्वोपरि विराजमान अपने पुत्रों के हितार्थ जगत् को रचकर न्याय से सब को देता है ।

(अथ० २० । १२६ । १४) (पञ्चदश) पन्द्रह अर्थात् ५ प्राण और १० इन्द्रियां (विंशतिम) २० अर्थात् ५ सूक्ष्म भूत [शब्दादि] ५ स्थूल भूत [आकाशादि] ४ अन्तःकरण [मन बुद्धि चित्त अहङ्कार] और छह रस [मिष्टादि] (इन्द्र) जगदुत्तर ऐश्वर्य मज्जगदीश्वर, (विश्वस्मात्) उन सब

जगत् के भोगों से (उत्तरः) परे है आप्तकाम [सर्व पदार्थों को नित्य एकरस व्याप्त किये हुए] होने से ।

भावार्थ—जगत् के सब पदार्थ प्राणियों के भोग के लिये जगदीश्वर ने रचे हैं, वह सर्वाधार सर्वाध्यक्ष एवं सब पदार्थों में सदैव बाहिर भीतर से ओत प्रोत प्रविष्ट होने से भोग कल्पना से परे है, भोग की आवश्यकता इस लिये भी नहीं रखता कि भोग अपने स्वरूप से बाहर के शरीर के लिये [जिसमें उपचय अपचय हो] होता है । उस से बाहर कोई वस्तु नाम उस का शरीर नहीं कुतः वह अनन्त है । अतः कोई भी कदापि नहीं चाहिये ।

(अथ० २० । १२६ । १५) (भावयुः) प्रापयषुः = प्राप्त कराने की इच्छा वाला परमात्मा, (इन्द्रः) सब से महानैश्वर्य वाला महेश्वर, (विश्वस्मात्) सब जगत् के भोगों एवं भोगेच्छाओं से, (उत्तरः) उत्तरा हुआ है । क्योंकि वह आनन्द स्वरूप है और जीवों को भोगों से [संसार दुःख सागर से] उतारने वाला है [देखो मन्त्र० १४] ।

(अथ० २० । १२६ । १६) (निवेदुषः) आत्मस्थस्य = स्वरूप प्रतिष्ठितस्य, ईश्वर से योग करते हुये का, अर्थात् स्थूल सूक्ष्म शरीरों को निश्चेष्ट [निष्क्रिया = स्थिर] करके आत्म चिन्तन शक्ति को परमात्म चिन्तन में लगाने वारे योगी का, (इन्द्रः) अलौकिक ऐश्वर्य वाला प्रभु ।

भावार्थ—मनुष्य सर्व ऐश्वर्य प्रद सर्वोत्तम भुवनपति परमात्मा का नित्य न्यून से न्यून द्विकाल सन्ध्यान वा साक्षात् दर्शन कर अपने ऐश्वर्य को बढ़ावें, और एवं विधि सर्व दैहिक,मानसिक और आत्मिक सुखों को भोगते हुये दुःख सुख में समता करके [समान समझ के] मुक्त हों ।

आरसी [आलसी] नास्तिक होकर ईश्वर [दाता] के स्थान में ऐश्वर्य [दान] के चिन्तन (चोरी अन्याय आदि) में न लग कर वा लगे रह-कर निर्धन दुःखी वा साधन दुःखी (दरिद्री दुःखी वा ऐश्वर्यवान् दुःखी) अर्थात् धन, धान्य पुत्र, पौत्र, स्त्री, प्रजा, नाना पशु, महल भवन राज्यादि होते हुए भी शरीर दुःख वा मानसिक दुःख [लौकिक चिन्ता] एवं आत्मिक दुःख रूप अज्ञान, उलटे ज्ञान [भ्रम भंवर] में फंसे रहकर दुष्ट [भोग] योनियों के साधक न बनें ॥

(अथ० २० । १२६ । १७)ध्यान में = ईश्वर उपासना में (इन्द्रः) अतुलित

ऐश्वर्य युक्त स्वयम्भु। भाव यह है कि—ऐश्वर्य दाता कर्माध्यक्ष परमेश्वर के चिन्तन से ऐश्वर्य प्राप्त होता है। अन्यथा नहीं। (म० १६ देखो)।

(अथ० २० । १२६ । १८) (अयं वृषाकपिः) यह बलवान् राजा वा ईश्वर, जब (परस्वन्तम्) पालन कार्य को वा (परसुअन्तम्) दूसरे के सुन्दर [अभीष्ट] परिणाम वा सिद्धि (हतम्) नष्ट किया हुआ, (विदत् = विन्दति) पाता है। [पाया है] प्राप्त कराता है। (इन्द्रः) बड़े ऐश्वर्य वाला महाराजा वा परमात्मा, (विश्वस्मात्) देश, लोक, वा सर्व जगत् से (उत्तरः) विशेष न्यायी शासक है।

(अथ० २० । १२६ । १९) (दासमार्यम्) डाकू वा शूद्र [मूर्ख सेवक] और श्रेष्ठ पुरुषों को, (विचाकशद् विचिन्वन्) साक्षी रूप से पहचानता [विवेचना करता] हुआ, (अयम्) यह मैं [इन्द्र] (एमि) प्राप्त होता हूं। इन्द्र = राजा।

(अथ० २० । १२६ । २०) (च च) बनैलू हिंसक पशु और, (उपपहि) प्यार से आ, यह विचारता हुआ कि (इन्द्रः) परमेश्वर परम पिता, (विश्वस्मात्) सर्व भयों से, (उत्तरः) पार करने वाला है।

(अथ० २० । १२६ । २१) (वृषाकपे) सर्व शक्तिमान् जगन्नियन्ता परमेश्वर, (पुनः) बार बार [प्रातः के पश्चात् सायं वा अनेक बार], (आ इहि) साक्षात् प्राप्त होवे, (कल्पयावहै) हम दोनों [स्त्री पुरुष] विचार पूर्वक करें, (अस्तम) हमारे अन्तःकरणों में, (एषि) साक्षात् प्रत्यक्ष होता है।

(भावार्थ)—आत्मा = आत्मबल।

भावार्थ—पति पत्नी [दम्पति] को चाहिये कि प्रातः सायं ईश्वर को सर्व शक्तिमान् कर्मफल दाता, आलस्यादि दुर्गुणों से छुड़ाने वाला, और उत्तम गुण और ऐश्वर्य प्राप्त कराने, संसार सागर से पार करने वाला जान कर परमेश्वर की उपासना किया करें।

(अथ० २० । १२६ । २२) (वृषाकपे) हे अनन्त बली सर्वनेता सर्वेश्वर परमतामन्! , (इन्द्र) = महदैश्वर्य वाला जीवात्मा, और (इन्द्राणी) इन्द्र (बड़े ऐश्वर्य वारे जीव) के शरीर की पत्नी-शरीरस्थ जीवात्मा वा विभूति रूप बुद्धि, (गृहिम्) स्वस्थिति स्थान को [स्थिरता को] (इन्द्रः) सर्वाधिपति जगत्पिता।

भावार्थ—जब मनुष्य ईश्वर उपासना करता हुआ अपनी शक्तियों, अन्तःकरणों आत्म- स्वरूप और परमात्म—स्वरूप का यथार्थ निश्चय कर लेता है। तब कोई दुष्कर्म वा दुष्ट प्राणी उसे हानि पहुंचाने को उस के समीप भी नहीं पहुंच सकता। सर्व दुष्टात्माओं और दुष्ट पदार्थों से उसको पार करने वाला परमेश्वर है।

(अथ० २० । १२६ । २३) (मानवी) मनुष्य की शक्ति, (ससूव) सवति= प्राप्त करती है (षु ऐश्वर्ये) (भल) उदार विवेकी [जीवात्मा] माता=गर्भ धारिका के लिये, (भद्रम्) कल्याण कर=सुखदाता, (अभूत्) भवति=होता है, (आमयत्)=आमयति=पीड़ित करता है। यह दुःख सुख का द्वन्द्व लोक माता को ही होता हैं, जगन्माता को नहीं क्योंकि (विश्वस्मात् इन्द्र उत्तरः) वह आनन्द स्वरूप होने से इन सब से परे है।

इत्यथर्ववेदभाष्यपरिशिष्टम् ।

इति श्रीमद्राजाधिराज प्रथितमहागुणमहिम—

श्री सयाजीराव गयकवाड़ाधिष्ठित-

बडोपुरीगतश्रावणमासदक्षिणापरीक्षायाम्

ऋक्सामाथर्ववेदभाष्येषु लब्धदक्षिणेन श्री पण्डित

क्षेमकरणदास त्रिवेदिना

कृते अथर्ववेदभाष्ये परिशिष्टं समाप्तम्।

इदं परिशिष्टं प्रयाग नगरे धीर-वीर-चिरप्रतापि-महायशस्वि—

श्री राजराजेश्वर पञ्चम जार्ज महोदयस्य

सुसाम्राज्ये वैशाखशुक्लाचतुर्थ्यां संवत् १९७८ [अष्टसप्तत्यु—त्तरैकोनविंशतिशतके] विक्रमीये संवत्सरे,

(तारीख़ ११ मई १९२१ ईस्वीये) मुद्रितम् ॥

अथर्ववेदभाष्य सम्मतियां ॥

श्रीमती आर्य प्रतिनिधिसभा, पंजाब, गुरुदत्त भवन लाहौर अन्तरंग सभा के प्रस्ताव संख्या ३ तिथि ६-१२-१३ की प्रति।

ला० दीवान चन्द प्रतिनिधि आर्य समाज बटाला का प्रस्ताव, कि पं० क्षेम करणदास को अथर्व वेद भाष्य के लिये ४०) मासिक की सहायता दी जावे, उपस्थित हुआ। निश्चय हुआ कि २५) मासिक की सहायता एक वर्ष के लिये दी जावे और उसके परिवर्तन में उतने मूल्य की पुस्तकें उनसे स्वीकार की जावें॥

श्रीमती आर्यप्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रदेश आगरा और अवध, स्थान बुलन्दशहर, अन्तरंग सभा ता० ४ जून १९१६ ई० के निश्चय संख्या १३ (अ) और (ब) की लिपि।

(अ) समाजों में गश्ती चिट्ठी भेजी जावे कि वे इस भाष्य के ग्रहक बनें तथा अन्यों को बनावें।

(ब) सभा सम्प्रति १ वर्ष पर्यन्त १५) मासिक एक लर्क के लिये पं० क्षेमकरणदास जी को देवे, जिसका बिल उक्त पंडित जी कार्यालय सभा में भेजते रहें। इस धन के बदले में पंडित जी उतने धन की पुस्तकें सभा को देंगे॥

लिपि गश्ती चिट्ठी श्रीमती आर्यप्रतिनिधि सभा जो पूर्वोक्त निश्चय के अनुसार समाजों को भेजी गयी (संख्या ५८७६ प्राप्त २० जूलाई १९७६ ई०)

मान्यवर नमस्ते! ॥ ओ३म् ॥

आपको ज्ञात होगा कि आर्यसमाज के अनुभवी वयोवृद्ध विद्वान् श्री पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी गत कई वर्षों से बड़ी योग्यता पूर्वक अथर्ववेद का भाष्य कर रहे हैं। आपने महर्षि दयानन्द के अनुसार ही इस भाष्य को करने का प्रयत्न किया है। भाष्य काण्डों में निकलता है अब तक ६ कांड निकल चुके हैं। आर्यसमाज के वैदिक साहित्य सम्बन्ध में वस्तुतः यह बड़ा महत्त्वपूर्ण कार्य हो रहा है। त्रिवेदी महाशय के भाष्य की जानकारों ने खूब प्रशंसा की है। परन्तु खेद है कि अभी आर्यसमाज में उच्च कोटि के साहित्य को पढ़ने की ओर लोगों की बहुत कम रुचि है। जिसके कारण त्रिवेदी जी अर्थ हानि उठा रहे हैं। भाष्य के ग्राहक बहुत कम हैं। लागत तक वसूल नहीं होती। वेदों का पढ़ना पढ़ाना और सुनना सुनाना आयमात्र का प्रधान कर्त्तव्य है। अतएव सविनय निवेदन है कि वैदिक धर्मी मात्र श्री त्रिवेदी जी को उनके महत्त्वपूर्ण गुरुतर कार्य में साहस प्रदान करें। स्वयम् ग्राहक बनें और दूसरों को बनावें। ऐसा करने से भाष्यकार महाशय उसे छापने की अर्थ सम्बन्धिनी चिन्ताओं से मुक्त होकर भाष्य को और अधिक उत्तमता से, सम्पादन करने की ओर प्रवृत्त होंगे। आशा है कि वेदों के प्रेमी उक्त प्रार्थना पर ध्यान दे इस ओर अपना कुछ कर्त्तव्य समझेंगे। प्रत्येक आर्य के घर में वेदों के भाष्य होने चाहिये। समाजके पुस्तकालयों में तो उनका रखना बहुत ही ज़रूरी है। भाष्य के प्रत्येक कांड का मूल्य त्रिवेदी जी ने बहुत ही थोड़ा रक्खा है।

त्रिवेदी जी से पत्र व्यवहार ५२ लूकरगंज, प्रयाग के पते पर कीजिये। जल्दी से भाष्य मंगाइये।

भवदीय—

नन्दलाल सिंह,

B. Sc,. LL. B. उपमन्त्री।

चिट्ठी संख्या २७० तिथि १०—१२—१९१४। कार्यालय श्रीमती **आर्य-प्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त आगरा व अवध, बुलन्दशहर।**

आपका पत्र संख्या १०१ तथा अथर्ववेद भाष्य का तृतीय कांड मिला। इस कृपा के लिये अनेक धन्यवाद है। वास्तव में आप आर्यसमाज के साहित्य को समृद्धि शाली बनाने में बड़ा कार्य कर रहे हैं, आपकी विद्वत्ता और कृपा के लिये आर्य संसार ही नहीं, प्रत्युत प्रत्येक शिखा सूत्र धारी को आभारी होना चाहिये। ईश्वर आप को उत्तरोत्तर उस महत्त्व पूर्ण कार्य के सम्पादन और समाप्त करने के लिये शक्ति प्रदान करें, ऐसे उपयोगी ग्रन्थ प्रकाशन को आप सदैव जारी रक्खें यही प्रार्थना है।

भवदीय—

मदन मोहन सेठ

श्रीमान् पण्डित **तुलसीराम स्वामी**—प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्तप्रान्त, सामवेद भाष्यकार, सम्पादक वेदप्रकाश, मेरठ—१९१३।

ऋग्यजुर्वेद का भाष्य श्रीस्वामीदयानन्द सरस्वती जी ने संस्कृत और भाषा में किया है, सामवेद का श्री पं० तुलसीराम स्वामी ने किया है, अथर्ववेद के भाषा की बड़ी आवश्यकता थी। पं० क्षेमकरणदास जी प्रयाग निवासी ने इस अभाव को दूर करना आरम्भ कर दिया है। भाष्य का क्रम अच्छा है। यदि इसी प्रकार समस्त भाष्य बन गया, जो हमारी समझ में कठिन है, तो चारों वेदों के भाषा भाष्य मिलने लगेंगे, आर्यों का उपकार होगा।

श्रीयुत महाशय **नारायणप्रसाद जी**—मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल बृन्दावन मथुरा—उपप्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त। आर्यमित्र आगरा, २४ जनवरी १९१३।

श्री पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी प्रयाग निवासी, ऋक् साम तथा अथर्ववेद सम्बन्धी परीक्षोत्तीर्ण अथर्ववेद का भाषा भाष्य करते हैं, मैंने सम्पूर्ण [प्रथम] कांड का पाठ किया। त्रिवेदी जी का भाष्य ऋषि दयानन्द जी की शैली के अनुसार भावपूर्ण संक्षिप्त और स्पष्टतया प्रकट करने वाला है कि मन्त्र के किस शब्द के स्थान में भाषा का कौनसा शब्द आया, फिर नोटों में व्याकरण तथा निरुक्त के प्रमाण, प्रारम्भ में एक उपयोगी भूमिका दे देने से भाष्य की उपयोगिता और भी बढ़ गई है, निदान भाष्य अत्युत्तम, आर्यसमाज का पक्षपोषक और इस योग्य है कि प्रत्येक आर्यसमाज उसकी एक २ पोथी (कापी) अपने पुस्तकालय में रक्खे।

त्रिवेदी जी ने इस भाष्य का प्रारम्भ करके एक बड़ी कमी के पूर्ण करने का

उद्योग किया है। ईश्वर उन को बल तथा वेद प्रेमी आवश्यक सहायता प्रदान करें निर्विघ्नता के साथ वह शुभ कार्य पूरा हो ''' छपाई और कागज़ भी अच्छा है

श्रीयुत महाशय **मुन्शीराय जी**—जिज्ञासु-मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार—पत्र संख्या ६४ तिथि २७—१०—१६६६।

अथर्ववेदभाष्य आप का दिया व किया हुआ अवकाशानुसार तीसरे हिस्से के लगभग देख चुका हूं आप का परिश्रम सराहनीय है।

तथा—पत्र संख्या ११४ तिथि २२—१२—१६६६।

अवलोकन करने से भाष्य उत्तम प्रतीत हुआ।

श्रीयुत पं० **शिव शंकर शर्मा** काव्यतीर्थ—छान्दोग्योपनिषद् भाष्यकार, वेदतत्त्वादि ग्रंथकर्त्ता वेदाध्यापक कांगड़ी गुरुकुल महाविद्यालय, आदि आदि, सम्पादक आर्यमित्र—८ फ़रवरी १६१३।

अथर्ववेद भाष्य। श्री पं० क्षेमकरण दास त्रिवेदी जी का यह परिश्रम प्रशंसनीय है।''''''आप बहुत दिनों तक सरकारी नौकरी कर और अब वहां से पेन्शन पाके अपना सम्पूर्ण समय संस्कृत पढ़ने में लगाने लगे। अन्ततः आपने वेदों में विशेष परिश्रम कर बड़ौदा राजधानी में वेदों की परीक्षा दी और उनमें उत्तीर्ण हो त्रिवेदी बने हैं। आप परिश्रमी और अनुभवी वृद्ध पुरुष हैं। आप का अथर्ववेदीय भाष्य पढ़ने योग्य है।

श्रीयुत पंडित **भीमसेन शर्मा इटावा**—उपनिषद् गीतादि भाष्यकर्ता वेदव्याख्याता कलकत्ता यूनीवर्सिटी, सम्पादक ब्राह्मण सर्वस्व इटावा, फ़रवरी १६१३।

अथर्ववेदभाष्य—इसे प्रयाग के पण्डित क्षेमकरणदास त्रिवेदी ने प्रकाशित किया है। इसका क्रम ऐसा रक्खा गया है कि प्रथम तो प्रत्येक सूक्त के प्रारम्भ में''''''अभिप्राय यह है कि भाष्य का ढंग अच्छा है'''भाष्यकर्ता के मानसिक विचारों का झुकाव आर्यसामाजिक सिद्धान्तों की तरफ़ है अतएव भाष्य भी आर्य सामाजिक शैली का हुआ है। तब भी कई अंशों में स्वामी दयानन्द के भाष्य से अच्छा है। और यह प्रणाली तो बहुत ठीक है।

श्रीमती पंडिता **शिवप्यारी देवी** जी, १३७ हकीम देवी प्रसाद जी अतरसुइया, प्रयाग, पत्र ता० २१—१०—१६१५॥

महेत्रा के पते से आपका भेजा हुआ पत्र और अथर्ववेद भाष्य चौथा कांड मिला, मैं ने चारों कांड पढ़े, पढ़कर अत्यन्त आनन्द प्राप्त हुआ। आपने हम सभों पर अत्यन्त कृपा की है आपको अनेकों धन्यवाद हैं। आशा है कि पांचवां कांड भी शीघ्र तैयार होकर वी० पी० द्वारा मुझे मिलेगा।

दो पुस्तक हवनमन्त्राः की जिस का मूल ।)॥ है कृपाकर भेज दीजिये मेरी एक बहिन को आवश्यकता है ।

श्रीयुत पण्डित **महावीर प्रसाद द्विवेदी**—कानपुर, सम्पादक सरस्वती प्रयाग, फ़रवरी, १६१३ ।

अथर्ववेद भाष्य—श्रीयुत क्षेमकरणदास त्रिवेदी जी के वेदार्थज्ञान और श्रम का यह फल है, कि आप ने अथर्ववेद का भाष्य लिखना और क्रम क्रम से प्रकाशित करना आरम्भ किया है···बड़ी विधि से आप भाष्य की रचना कर रहे हैं। स्वर सहित मूलमन्त्र, पद पाठ, हिन्दी में सान्वय अर्थ, भावार्थ, पाठान्तर, टिप्पणी आदि से आपने अपने भाष्य को अलंकृत किया है...आपकी राय है कि "वेदों में सार्वभौम विज्ञान का उपदेश है"। आप का भाष्य स्वामी दयानन्द सरस्वती के वेदभाष्य के ढंग का है ।

श्रीयुत पण्डित **गणेश प्रसाद शर्मा**—सम्पादक भारतसुदशाप्रवर्त्तक फ़तेहगढ़, ता० १२ अप्रैल १६१३ ।

हर्ष की बात है कि जिस वेद भाष्य की बड़ी आवश्यकता थी, उसकी पूर्ति का आरम्भ हो गया। वेद भाष्य बड़ी उत्तम शैली से निकलता है। प्रथम मन्त्र पुनः पदार्थयुक्त भाषार्थ, उपरान्त भावार्थ, और नोट में सन्देह निवृत्ति के लिये धात्वर्थ भी व्याकरण व निरुक्त के आधार पर किया गया है, वैदिक धर्म के प्रेमियों को कम से कम यह समझ कर भी ग्राहक होना चाहिये कि उनके मान्य ग्रन्थ का अनुवाद है और काम पड़े पर उस से कार्य लिया जा सकता है ।

बाबू **कालिकाप्रसाद जी**—सिल्क मर्चेन्ट कमनगाढ़ा, बनारस सिटी संख्या ५८६ ता० २७-३-१३ ।

आपका भेजा अथर्ववेदभाष्य का वी० पी० मिला, मैं आपका भाष्य देखकर बहुत प्रसन्न हुआ, परमेश्वर सहाय करे कि आप इसे इसी प्रकार पूर्ण करें। आप बहुत काम एक साथ न छेड़ कर इसी की तरफ़ समाधि लगाकर पूर्ण करेंगे। मेरा नाम ग्राहकों में लिख लीजिये, जब २ अङ्क छपें मेरे पास भेज देना।

श्रीयुत महाशय **रावत हरप्रसाद सिंह जी वर्मा**, मु० एकडका पोस्ट किशुनपुर ज़िला फ़तेहगढ़ हसवा, पत्र ६ दिसम्बर १६१२ ।

वास्तव में आप का किया हुआ "अथर्ववेद भाष्य" निष्पक्षता का आश्रय लिया चाहता है। आप ने यह साहस दिखाकर साहित्य भण्डार की एक बड़ी भारी न्यूनता को पूर्ण कर दिया है। ईश्वर आपको वेद भण्डार के आवश्यकीय कार्यों के सम्पादन करने का बल प्रदान करें ।

श्रीयुत महाशय **पंडित श्रीधर पाठक जी, (सभापति हिन्दी साहित्य सम्मेलन लखनऊ)**—मनोविनोद आदि अनेक ग्रन्थों के कर्ता, सुपरिन्टेन्डेन्ट गवर्नमेंट सेक्रेटरियट, पी० डब्ल्यू० डी० श्री प्रयागराज, पत्र ता० १७—६—१३ ।

आप का अथर्ववेद भाष्य अवलोकन कर चित्त अत्यन्त सन्तुष्ट हुआ। आप की यह पाण्डित्य--पूर्ण कृति वेदार्थ जिज्ञासुओं को बहुत हितकारिणी होगी। आप का व्याख्याक्रम परम मनोरम तथा प्रांजल है, और ग्रन्थ सर्वथा उपादेय है।

प्रकाश लाहौर १२ आषाढ़ संवत् १९७३ (२५ जून १९१६—
लेखक श्रीयुत पं० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर जी)

हम पण्डित क्षेमकरणदास जी का धन्यवाद करने से नहीं रह सकते—स्वामी (दयानन्द) जी ने लिखा है—कि वेद का पढ़ना पढ़ाना आर्यों का परम धर्म है—इसके अनुकूल श्री पंडित जी अपना समय वेद अध्ययन में लगाते हैं—और आर्यों के लिये परम उपयोगी पुस्तक प्रकाशित करने में पुरुषार्थ करते रहते हैं—पंडित जी ने इस समय तक हवन मन्त्रों तथा रुद्राध्याय का भाषा में अर्थ प्रसिद्ध किया है--जो कि आर्यों के लिये पठन पाठन में उपयोगी है—इस सम्बन्ध में यह अथर्ववेद के पांच कांड छपवा कर निःसन्देह बड़ा लाभ पहुंचाया है। आर्यों की जो शिक्षा प्रणाली थी उसको छूटे आज पांच हज़ार वर्ष हो चुके हैं। ऐसे अंधेरे के समय में स्वामी जी ने वेद के ऊपर लोगों के भीतर दृढ़ विश्वास उत्पन्न करके पुनः धर्म का दीपक प्रकाशित किया। परन्तु हमें शोक यह है वेद के पढ़ने में आर्य लोग इतना समय नहीं लगाते जितना वे प्रबन्ध सम्बन्धी झगड़ों की बातों में लगाते हैं। हमारा विश्वास है कि जब तक पं० क्षेमकरणदास जी जैसे वेदाभ्यासी पुरुषार्थी लोग अपना समय वेदों के खोज में न लगावेंगे तब तक आर्य समाज का कोई गौरव नहीं बढ़ सकता। अथर्ववेद के अर्थ खोजने में बड़ी कठिनता है। इसके ऊपर सायण भाष्य उपलब्ध नहीं होता, जो इस समय तक छपा हुआ है वह बड़ी अधूरी दशा में है, सूक्त के सूक्त ऐसे हैं कि जिनके ऊपर अब तक कोई टीका नहीं हुई।............इस समय जो पांच कांडों का भाष्य पंडित जी ने प्रकाशित किया है उसके लिखने का ढंग बड़ा अच्छा और सुगम है। प्रथम उन्होंने सूक्त के तथा मन्त्रों के देवता दिये हैं—पश्चात् छन्द...विद्वानों का यही काम है कि वह जैसे जैसे साधन उनके पास हों वैसा वैसा सोचकर वेद मन्त्रों का अर्थ प्रकाशित करें। ऐसे सैकड़ों प्रयत्न जब होंगे तब सच्चे अर्थ खोज करना आगामी विद्वानों को सरल होगा। परन्तु इस समय बड़ी भारी कठिनाई यह है कि प्रकाशित पुस्तकों के लिये पर्याप्तसंख्या में ग्राहक नहीं मिलते हैं और विद्वानों के पास सम्पत्ति का अभाव होने के कारण हानि के डर से पुस्तकों का प्रकाशित करना बन्द होता है। इस लिये सब आर्यों को परम उचित है कि पं० क्षेमकरणदास जी जैसे विद्वान् पुरुषार्थी के ग्रन्थ मोल लेकर उनको अन्य ग्रन्थ प्रकाशित करने की आशा देते रहें। त्रिवेदी जी कोई धनाढ्य पुरुष नहीं हैं, उन्होंने अपनी सारी सम्पति जो कुछ उनके पास है लगा दी है........त्रिवेदी जी ने जो कुछ किया है वह वैदिक धर्म के प्रेम से प्रवृत्त होकर इस लिये—न केवल सब आर्य पुरुषों का यह कर्त्तव्य है कि इस भाष्य को मोल लेकर त्रिवेदी जी को उत्साहित करें किन्तु धनाढ्य आर्य पुरुषों का यह भी कर्त्तव्य है कि उनकी आर्थिक सहायता करें।

The VIDYADHIKARI (Minister of Education), ***Baroda State letter No 624 dated 6th February*** 1913.

...It has been decided to purchase 20 copies of your book entitled अथर्ववेद भाष्यम्. It has been sanctioned for use of the library and the prize distribution. Please send them ...also add on the address lable " For Encourgement Fund"

RAI THAKUR DATTA RETIRED DISTRICT JUDGE, Dera Ismail Khan Letter dated March 25th, 1914.

The Atharva Veda Bhashya:—It is a jigantic task and speaks volumes for your energies and perseverance that you should have undertaken at an advanced age. I wish I had a portion of your will-power.

Letter dated 30th April 1914.

I very much admire your labour of lore and hope...the venture will not fail for want of pecuniary support.

THE MAGISTRATE OF ALLAHABAD.

Letter No. 912 dated 21st May 1915.

Has the honour to request him to be so good as to send a copy each of the 1st and 3rd Kandas of Atharva Veda Bhashya to this office for transmission to the India Office, London.

THE ARYA PATRIKA LAHORE APRIL 18, 1914.

THE *Atharva Veda Bhashya* or commentary on the *Atharva Veda* which is being published in parts by Pandit Khem Karan Das Trivedi, does great credit to his energy, perseverance and scholarship. The first part contains the Introduction and the first *Kanda* or Book. There is a learned disquisition on the origin of the Vedas and the pre-eminent position in Sanskrit literature......The arrangement is good, the original *mantra* is followed by a literal translation and their *bhavarth* or purport in Arya Bhasha. The footnotes are copious; they give the derivation and meantng in Sanskrit of the various words quoting the authority of *Ashtadhyayi* of Panini, *Unadikosha* of Dayanand, *Nirukta* of Yaska, *Yoga Darshana* of Patanjai and other standard ancient works... The Pandit appears to have laboured very hard and the Book before us does credit to his erudition; scholars may not agree with certain of his renderings, but like a true Arya who venerates the Vedas he has made an honest attempt to find in the Vedic varses something which will elevate and ennoble mankind. Cross references to verses where the word has already occurred in this Veda are also given to enable the reader to compare notes There can be no finality in Vedic interpretation, but honest attempts like these which shall render the task easy to others are commendable. We are glad to call public attention to this scholarly work, and hope that Pandit Khem Karan Das Trivedi will get the encouragement which he so richly deserves ....Our earnest requsest is that the revered Pandit will go on with this noble work and try to finish the whole before he is called to eternal rest......

N.B.—The painting and paper are good, the price is moderate.

All rights reserved.

॥ ओ३म् ॥

प्रियं मा कृणु देवेषु प्रियं राजसु मा कृणु ।
प्रियं सर्वस्य पश्यत उत शूद्र उतार्ये ॥ १ ॥

अथर्व० का० १९ सू० ६२ म० १ ॥

प्रिय मोहि करौ देव, तथा राज समाज में ।
प्रिय सब दृष्टि वाले, औ शूद्र और अर्य में ॥

अथर्ववेदभाष्ये ।

संहितायाः मन्त्राणां वर्णानुक्रम-सूचीपत्रम्

श्रीमद्राजाधिराजप्रथितमहागुणमहिमश्रीरवीरचिरप्रतापि श्री सयाजीरावगायकवाडाधिष्ठित बड़ोदेपुरीगतश्रावणमास-दक्षिणापरीक्षायाम् ऋक्सामाथर्ववेदभाष्येषु लब्धदक्षिणेन

श्री पण्डित क्षेमकरणदासत्रिवेदिना

निर्मितं प्रकाशितं च ।

Make me beloved among the Gods,
beloved among the Princes, make
Me dear to every one who sees,
to Sudra and to Aryanman.

Griffith's Trans. Atharva 19 : 62 : 1.

सर्वाधिकारः स्वाधीन एव भाष्यकारेण रक्षितः ।

अयं ग्रन्थः पण्डित काशीनाथ वाजपेयिप्रबन्धेन
प्रयागनगरे ओंकारयन्त्रालये मुद्रितः ।

प्रथमावृत्तौ १००० पुस्तकानि } संवत् १९७७ वि० सन् १९२१ ई० { मूल्यम् १-)

पता—पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी, ५२ लूकरगंज, प्रयाग (Allahabad)

☞—अथर्ववेद भाष्य पूरा हो गया, यह मन्त्र सूची है, पद सूची और छप रही है।

॥ ओ३म् ॥

आनन्दसमाचार ॥ अथर्ववेद भाष्य छप गया ॥

[आप देखिये और अपने मित्रों को दिखाइये]

१—**अथर्ववेदभाष्य**—जिन वेदों की महिमा सब बड़े २ ऋषि,मुनि और योगी गाते आये हैं और विदेशी विद्वान् जिनका अर्थ खोजने में लग रहे हैं। वे अब तक संस्कृत में होने के कारण बड़े कठिन थे। ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद का अर्थ तो भाषा में हो चुका था परन्तु अथर्ववेद का अर्थ अभी तक नागरी भाषा में न था। और संस्कृत में भी श्री सायण भाष्य पूरा नहीं है। अब परमात्मा की कृपा से अथर्ववेद का भाष्य भी नागरी भाषा (हिन्दी) और संस्कृत में वेद, निघण्टु, निरुक्त, व्याकरणादि सत्य शास्त्रों के प्रमाणों सहित, प्रयाग निवासी पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी ने संवत् १९६६ वि० में आरंभ करके संवत् १९७७ वि० में श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रान्त और पंजाब प्रान्त तथा विद्वान् ग्राहक महाशयों की सहायता से पूरा करलिया।

२—इस वेद के बीसो काण्डों का भावपूर्ण-संक्षिप्त स्त्री पुरुषों के समझने योग्य अति सरल हिन्दी और संस्कृत भाष्य अल्प मूल्य में छपकर उपस्थित है। वेदप्रेमी महाशय सब स्त्री पुरुष स्वाध्याय, पुस्तकालयों और पारितोषिकों के लिये भाष्य मंगावें और जगत्पिता परमात्मा के पारमार्थिक और सांसारिक उपदेश, ब्रह्मविद्या, वैद्यकविद्या, शिल्पविद्या, राजविद्यादि अनेक विद्याओं का तत्त्व जानकर आनन्द भोगें, छपाई उत्तम और कागज बढ़िया रायल अठपेजी है।

३—पूरे भाष्य के स्थायी ग्राहकों में नाम लिखाने वाले सज्जन मूल्य में से २०) सैकड़ा छोड़कर भाष्य पाते हैं। डाकव्यय और कपड़े की पूरी जिल्द बंधवाई के दाम ग्राहक देते हैं।

काण्ड	१ भूमिका सहित	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
मूल्य	१।)	१।-)	१॥-)	२)	१॥।=)	३)	२।)	२)	२।)	२॥)	२।)

काण्ड	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	परि-शिष्ट	मन्त्र सूची	पद सूची	यो
मूल्य	२=)	१।≡)	१।)	१-)	॥-)	।≡)	२।=)	३।)	७।)		१-)		४३-

सब भाष्य मन्त्र सूची सहित छप गया, पद सूची और छप रही हैं। जिसके छप जाने पर यह भाष्य सब प्रकार पूरा हो जावेगा। पुराने ग्राहक जिनके पास सब काण्ड न पहुंचे और नये ग्राहक भाष्य शीघ्र मंगावें पुस्तक थोड़े रहे हैं, ऐसे बड़े ग्रन्थ का फिर छपना कठिन है, नवीन स्थायी ग्राहक बनने का नियम ३० अपरेल १९२१ तक रहेगा।

हवनमन्त्राः—धर्म शिक्षा का उपकारी पुस्तक-चारों वेदों के संगृहीत मन्त्र ईश्वर स्तुति, स्वस्तिवाचन,शान्तिकरण,हवनमन्त्र, वामदेव्यगान सरल भाषा में शब्दार्थ सहित संशोधित बढ़िया रायल अठपेजी पृष्ठ ६०, मूल्य ।-)

रुद्राध्यायः—प्रसिद्ध यजुर्वेद अध्याय १६ (नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः) ब्रह्मनिरूपक अर्थ संस्कृत, भाषा और अंग्रेजी में बढ़िया रायल अठपेजी, पृष्ठ १४८ मूल्य ।=)

रुद्राध्यायः—मूलमात्र बढ़िया रायल अठपेजी, पृष्ठ १४ मूल्य)॥

वेदविद्यायें—कांगड़ी गुरुकुल में व्याख्यान दिया था। वेदों में विमान, नौका,अस्त्र शस्त्र निर्माण, व्यापार, गृहस्थ, अतिथि, सभा ब्रह्मचर्यादि का वर्णन मूल्य -)॥

पता पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी

१० मार्च १९२१।

५२, लूकरगंज, प्रयाग। (Allahabad)

Onkar Press, Allahabad

॥ ओ३म् ॥

अथर्ववेदभाष्ये ॥

अथर्ववेदसंहितायाः ॥

मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची ॥

अ

	कां०	सू०	म०
अग्निर्मा गोता	१७	१	३०
अग्निर्मा पातु वसु	१६	१७	१
अग्निर्यंव इन्द्रो	९	२	१३
अग्निर्वनस्पती	५	२४	२
अग्निर्वासाः	१२	१	२१
अग्निर्वै नः पदवायः	५	१८	१४
अग्निर्होताध्वर्यु	१८	४	१५
अग्निर्ष्टे नि	६	१११	२
अग्निष्वात्ताः पि	१८	३	४४
अग्निस्तक्मा	५	२२	१
अग्निं ते वसुवन्त	१९	१८	१
अग्निं दूतं वृणी	२०	१०१	१
अग्नि ब्रूमो	११	६	१
अग्निं होतारं	२०	६७	३
अग्निं होत्रं च	११	७	९
अग्निः क्रव्याद्	१२	५	४१
अग्निःपचन्तु	१२	३	२४
अग्निः परेषु धाम	६	३६	३
अग्निः पूर्वं आ	१	७	४
अग्निः प्राणान्त्सं	३	३१	६
अग्निः प्रातः	६	४७	१
अग्निः सूर्यश्च	५	२८	२
अग्निः स्रुचो	५	२७	५
अग्नी रक्षस्तपतु	१२	३	४३
अग्नी रक्षांसि	८	३	२६
अग्नीषोमा पथि	१८	२	५३
अग्नीषोमाभ्यां	१२	४	२६
अग्नीषोमावद्	८	९	१४
अग्ने अक्रव्या	१२	२	४२
अग्ने अच्छा वदेह	३	२०	२
अग्ने चरुर्यज्ञिय	११	१	१६
अग्ने जनिष्ठा	११	१	३
अग्ने जातान्प्रणुदा	७	३४	१
अग्ने जायस्वादि	११	१	१
अग्ने सपत्नप्यामह	७	६१	२

	कां०	सू०	म०
अग्ने त्वचं	८	३	४
अग्ने देवाँ इहा	२०	१०१	३
अग्ने पृतनाषाड्	५	१४	८
अग्ने प्रेहि प्रथमो	४	१४	५
अग्ने मन्युं प्रति	५	३	२
अग्ने यत्तेऽर्चिस्तेन	२	१९	३
अग्ने यत्ते तपस्तेन	२	१९	१
अग्ने यत्तेतेजस्ते	२	१९	५
अग्ने यत्ते शोचिस्ते	२	१९	४
अग्नेयत्तेहरस्तेन	२	१९	२
अग्नेरिवास्य दह	६	२०	१
अग्नेरिवास्य दह	७	४५	२
अग्नेर्घासो अपां	८	७	८
अग्नेर्भागस्थ	१०	५	७
अग्नेर्मन्वे प्रथम	४	२३	१
अग्ने वर्म परि	१८	२	५८
अग्ने वैश्वानर	२	१६	४
अग्ने शर्ध महते	७	७३	१०
अग्नेष्टे प्राणममृ	८	२	१३
अग्ने समिधमाहा	१९	६४	१
अग्ने सपत्नानध	१३	१	३१
अग्ने सहस्वान	११	१	६
अग्ने स्वाहा	५	२७	१२
अग्नेः प्रजातं परि	१९	२६	१
अग्नेः शरीरमसि	८	२	२८
अग्नेः सांतपनस्था	६	७६	२
अग्नौ तुषानावप	११	१	२९
अग्नौ सूर्यचन्द्रम	११	५	१३
अग्न्याधेय	११	७	८
अग्रमेष्योषधीनां	४	१९	३
अघद्विष्टा	२	७	१
अघमस्त्वघ	१०	१	५
अघविषा निपत	१२	५	२६
अघशंस दुःशंसा	१२	२	२
अघायतामपि	१०	९	१
अघाश्वस्येदं	१०	४	१०

	कां०	सू०	म०
अनुपूर्ववत्सां	९	५	२९
अनु प्रत्नस्यौक	२०	२६	३
अनु प्रत्नस्यौक	२०	९२	१५
अनुमतिः सर्वमिदं	७	२०	६
अनुमते ग्विदं	६	१३१	२
अनुमन्यतामनु	७	२०	३
अनुव्रतः पितुः	३	३०	२
अनुव्रता रोहिणी	१३	१	२२
अनु सूर्यमुदयतां	१	२२	१
अनुस्पष्टो भवत्ये	२०	९६	४
अनुहवं परिहवं	१९	८	४
अनुहूतः पुनरेहि	५	३०	७
अनृणाअस्मिन्न	६	११७	३
अनृक्षरा ऋज	१४	१	३४
अनेनेन्द्रो मणिना	८	५	३
अन्तकाय मृत्यवे	८	१	१
अन्तकोसि	१६	५	९
अन्तकोसि	१६	५	२
अन्तर्दधे द्यावा	८	५	६
अन्तरा द्यां च	६	३	१५
अन्तरिक्ष आसां	१	३२	२
अन्तरिक्षाय स्वाहा	५	९	३
अन्तरिक्षाय स्वाहा	५	९	४
अन्तरिक्षेण पतति	६	८०	१
अन्तरिक्षेण सह	४	३८	६
अन्तरिक्षेण सह	४	३८	७
अन्तरिक्षे वायवे	४	३९	३
अन्तरिक्षं जाल	८	८	५
अन्तरिक्षं दिवं	१०	६	१०
अन्तरिक्षं धेनु	४	३९	४
अन्तरेमे नभसी	५	२०	७
अन्तर्गर्भश्च	११	४	२०
अन्तर्दावे जुहुता	६	३२	१
अन्तर्देशा अब	१०	६	१९
अन्तर्धिर्देवानां	१२	२	४४
अन्तर्धेहि जात	११	१०	४
अन्तश्चरति रो	६	३१	२
अन्तश्चरति रो	२०	४८	५
अन्तिसन्तं न	१०	८	३२
अन्नाद्येन यशसा	१३	४	५६
अन्नाद्येन यशसा	१३	४	४९
अन्नं पूर्वा रास्तां	१९	७	४
अन्यमूषु	१८	१	१६
अन्यक्षेत्रे न रम	५	२२	६
अन्यत्रास्मन्नुच्यतु	६	२६	३
अन्येभ्यस्त्वा	१२	२	११
अन्वग्निरुषसामग्र	७	८२	४
अन्वग्निरुषसां	१८	१	२७
अन्वद्य नो ऽनुमति	७	२०	१
अन्वांत्र्यं शीर्षण्य	२	३१	४
अन्वारभेथा	६	१२२	३
अन्विदनुमते त्वं	७	२०	२
अन्हाप्रसङ्ब्रा	१५	२	१८
अन्हेचत्वारात्रये	८	१	२
अपः समुद्रा	४	२७	४
अपकामंस्यन्दमा	३	१३	३
अपक्रामति	१२	५	६
अपक्रामन् पौरुषे	७	१०५	१
अपक्राम नानद्	१०	१	१४
अपक्रीताः	८	७	११
अपचितां लोहिनी	७	७४	१
अपचितःप्रपतत	६	८३	१
अपज्योतिषा त	२०	१६	५
अप तस्य हतं तमो	१०	७	४०
अप त्ये तायवो	१३	२	१७
अप त्ये तायवो	२०	४७	१४
अपथेनाजभार्णां	५	३१	१०
अपनःशोशुचदघ	४	३३	१
अपन्यधुपौरुषेयं	१९	२०	१
अप पापं परिक्षवं	१९	८	५

	कां०	सू०	म०
अमावास्येन	७	७९	४
अमासिमात्रां	१८	२	४५
अमित्रसेनां मघ	३	१	३
अमीयेयुध	६	१०	३
अमीषां चित्तानि	३	२	५
अमुकथायश्माद् दु	२	१०	६
अमुत्र भूयादधि	७	५३	१
अमुत्रसन्निह	१३	१	३८
अमुत्रैनमागच्छ	९	३	१०
अमूबश्वत्थ	८	८	३
अमूनहेतिः पतत्रि	६	२९	१
अमूर्येदिवि	३	७	४
अमूर्यावप	१	४	२
अमूर्या यन्ति	१	१७	१
अमूःपारेपृदा	१	२७	१
अमोतं वासो	९	५	१०
अमोहमस्मि	१४	२	७१
अम्बयो यन्त्य	१	४	१
अम्भोअमोमहः	१३	४	५०
अम्भोअरुणं	१३	४	५१
अयज्ञियोहतव	१२	२	३७
अयन्महातेअर्वा	२०	१२९	११
अयमग्निःसत्पति	७	६२	१
अयमग्निरमूमहद्द	३	२	२०
अयमग्निरुपसद्य	५	३०	११
अयमस्तु धनपतिः	४	२२	१
अयमायात्यर्यमा	६	६०	१
अयमिद्वैमति	८	५	१६
अयमिन्द्र वृषा	२०	१२६	१८
अयमु ते समतसि	२०	४५	१
अयमुत्वा विचर्ष	२०	५	१
अयमेमि विचाक	२०	१२६	१९
अयमौदुम्बरो	१९	३१	२४
अयस्मये द्रुपदे	६	६३	३
अयस्मये द्रुपदे	६	८४	४

	कां०	सू०	म०
अयामि घोष इन्द्र	२०	१२	२
अयाविष्ठाजनय	७	३	१
अयाहत्यं माय	२०	३६	६
अयुक्त सप्तशु	१३	२	२४
अयुक्त सप्तशु	२०	४७	२१
अयुतोहमयुतो	१९	५१	१
अयोजाला अ	१९	६६	१
अयोमुखाः सूची	११	१०	३
अयोदंष्ट्रोअर्चि	८	३	२
अयं ग्रावापृथुबु	१२	३	१४
अयं जीवतुमा	८	२	५
अयं त इन्द्रसोमो	२०	५	५
अयं तेअस्म्युप	४	३२	६
अयंतेकृत्यां	१०	३	४
अयं तेयोनि	३	२०	१
अयंदर्भोविमन्यु	६	४३	१
अयंदेवाइहैवास्त्व	८	१	१८
अयंदेवानामसुरो	१	१०	१
अयंनो नभसस्पती	६	७९	१
अयंपन्थाःकृत्ये	१०	१	१५
अयं पिपानः	९	४	२१
अयं प्रतिसरो	८	५	१
अयंमणिःसपत्न	८	५	२
अयंमणिर्वरणो	१०	३	३
अयं मेव रण	१०	३	११
अयंमे वरणो	१०	३	१
अयं मे हस्तो	४	१३	६
अयं यो अभिशोच	६	२०	३
अयंयोभूरिमूलः	६	४३	२
अयं यो वक्रो	७	५६	४
अयं यो विश्वान्	५	२२	२
अयंलोकःप्रियत	५	३०	१७
अयंलोको जालं	८	८	८
अयं वज्रस्तर्पयता	६	१३४	१
अयं वस्ते गर्भं	१३	१	१६

आ

	कां०	सू०	म०
आ ते योनिं गर्भं	३	२३	२
आ ते राष्ट्रमिह	१३	१	१५
आ ते सिञ्चामि	२०	४	२
आ ते स्तोत्रा-	५	११	९
आ तौ दिनौ	७	९५	३
आत्मन्वत्युर्वरा	१४	२	१४
आत्मानं पितरं	९	५	३०
आ त्वागन् राष्ट्रं	३	४	१
आ त्वागमं शं	४	१३	५
आ त्वाग्न इधीम	१८	४	८८
आ त्वा चृतत्व	५	२८	१२
आ त्वा ब्रह्मयुजा	२०	३	२
आ त्वा ब्रह्मयुजा	२०	३८	२
आ त्वा ब्रह्मयुजा	२०	४७	८
आ त्वारुरोह	१३	१	१५
आ त्वा विशन्तु	२	५	४
आ त्वा विशन्त्वा	२०	६९	५
आ त्वा हर्यन्तं	२०	३२	२
आ त्वाहार्षमन्तर	६	८७	१
आ त्वेता निषीद	२०	६८	११
आथर्वणानां	१९	२३	१
आथर्वणीरांगि	११	४	१६
आदङ्गा कुविदङ्गा	२	३	२
आदङ्गिरा प्रथमं	२०	२५	४
आ दत्सेजिनतां	१२	९	५६
आददानमांगिर	१२	९	५२
आ दधामि ते	२	१२	८
आदलाबुकमेक	२०	१३२	१
आदह स्वधामनु	२०	४०	३
आदह स्वधामनु	२०	६९	१२
आ दानेन संदाने	६	१०४	१
आदाय जीतं	१२	५	५७
आदित्से अस्य	२०	७५	३
आदित्य चक्षुरा	५	२१	१०
आदित्य नावमा	१७	१	२५

	कां०	सू०	म०
आदित्पश्याम्यु	३	१३	६
आदित्या रुद्रा वस	११	६	१३
आदित्या रुद्रा वस	२०	१३५	९
आदित्या रुद्रा वस	१९	११	४
आदित्या ह जरि	२०	१३५	६
आदित्येभ्यो	१२	३	४४
आदित्यैरिन्द्रः स	२०	६३	२
आदित्यैरिन्द्रः स	२०	१२४	५
आदिनवं प्रति	७	१०८	९
आ देवानामपि	१९	५९	३
आ देवेषु वृश्चते	१५	१२	१०
आधीपर्णां	३	२५	२
आनन्दा मोदाः प्र	११	७	२६
आनन्दा मोदाः	११	८	२४
आनयैतमा	९	५	१
आनूनमश्विना	२०	१३९	१
आनूनमश्विनो	२०	१४०	२
आनूनं यातमश्वि	२०	१४१	४
आनूनं रघुवर्तनिं	२०	१४०	३
आनूयतः शिख	४	३६	७
आ नो अग्ने सुम	२	३६	१
आनो भरमापरि	५	७	१
आ नो यज्ञंभारती	५	१२	८
आ नो यातं दिवो	२०	१४३	५
आ नो याहि सु	२०	४	१
आ नो विश्वासु	२०	१०४	३
आन्त्राणि जत्रवो	११	३	१०
आन्त्रेभ्यस्ते	२०	९६	२०
आन्त्रेभ्यस्तेगुदा	२	३३	४
आप इद्वा उ	६	९१	३
आप इद्वा उ	३	७	५
आ पप्राथ महिना	२०	८१	२
आ पप्राथ महिना	२०	९२	२१
आ पर्जन्यस्य	३	३१	११
आपश्चित्पिप्यु	२०	१२	५

	कां०	सू०	म०
आ पश्यति प्रति	४	२०	१
आ पस्पुत्रासो	१२	३	४
आपूर्णो अस्य	२०	८	३
आपो अग्निं प्र	१८	४	४०
आपो अग्ने विश्व	४	२	६
आपो अग्रं दिव्या	८	७	३
आपो अस्मान्मा	६	५१	२
आपो न देवीरुप	२०	२५	२
आपो न सिन्धुम	२०	१७	७
आपो निषिञ्चन्न	४	३	१५
आपो भद्रा घृत	३	१३	५
आपो मौषधी	१६	१७	६
आपो यद्वस्तप	२	२३	१
आपो यद्वस्तेज	२	२३	५
आपो यद्वोऽर्चि	२	२३	३
आपो यद्वो हरस्ते	२	२३	२
आपो यद्वः शोचि	२	२३	४
आपो वत्सं जनय	४	२	८
आपो विद्युदभ्रं	४	१५	६
आपो हिष्ठा मयो	१	५	१
आपः पृणीत भेषजं	१	६	३
आपप्रेतीमं लोक	६	६(६)	१३
आ प्र च्यवेथा	१८	४	४६
आ प्रत्यञ्च दाशुषे	७	४०	२
आ प्र द्रव परमस्या	३	४	५
आप्रुषायन्मधुन	२०	१६	४
आबयो अनाबयो	६	१६	१
आभूत्या सहजा	४	३१	६
आमणको मण	२०	१३०	६
आ मध्वोअस्मा	२०	७६	७
आमन्द्रैरिन्द्र	७	११७	१
आ मा पुष्टे च	३	१०	७
आ मारुक्षत् पर्ण	३	५	५
आ माउक्षद्देव	८	५	२०
आमिनोनिति	२०	१३१	१
आ मे धनं सरस्व	१६	३१	१०
आ मे महच्छतभि	१६	७	५
आ मे सुपक्के	५	२६	६
आयत्पतन्त्येन्य	२०	६२	७
आयद्दुवः शत	२०	१२२	३
आयनेते परायणे	६	१०६	१
आयन्ति दिवः	१२	३	२६
आयमगन्त्संवत्सरः	३	१०	८
आयमगन्त्सविता	६	६८	१
आयमगन्पर्ण	३	५	१
आयमगन्युवा	१०	४	१५
आ ययाम सं	६	३	३
आयवनेनतेजनी	२०	१३१	८
आयात पितरः	१८	४	६२
आयतु मित्र	३	८	१
आयात्विन्द्र	२०	६४	१
आयाहि सुषुमा	२०	३	१
आयाहि सुषुमा	२०	३८	१
आयाहि सुषुमा	२०	४७	७
आयुरस्मै धेहि	२	२६	२
आयुरस्यायुर्मे	२	१७	४
आयुर्दद	६	५२	३
आयुर्दा अग्ने	२	१३	१
आयुर्यत्ते अति	७	५३	३
आयुर्विश्वायुः	१८	२	५५
आयुश्च रूपं च	१२	५	६
आयुषायुष्कृतां	१६	२७	८
आयुषे त्वा वर्चसे	१६	२६	३
आयुषोऽसि प्रत	१६	४४	१
आयुष्मतामायु	३	३१	८
आयूथेव क्षुमति	१८	३	२३
आये धर्माणि	५	१	२
आयं गौः पृश्निर	६	३१	१
आयं गौः पृश्निर	२०	४८	४
आयं विशन्ती	६	२	३

	कां०	सू०	मं०
आ रभस्व जातवे	१	७	६
आ रभस्व जातवे	१८	३	७१
आ रभस्वेमा	८	२	१
आराच्छत्रुमप वा	२०	८९	७
आ रात्रि पार्थिवं	१९	४७	१
आरादरातिं	८	२	१२
आरे अभूद्विषमः	१०	५	२६
आरेऽसावस्मदस्तु	१	२६	१
आ रोदसी हर्यं	२०	३२	१
आरोह चर्मोप	१४	२	२४
आरोहत जनित्री	१८	४	१
आरोहत दिव	१८	३	६४
आरोह तल्पं	१४	२	३१
आरोहतायुर्जर	१२	२	२४
आरोहञ्छुक्रो	१३	२	४२
आरोहन्द्याममृ	१३	१	४३
आरोहोरुमुप	१४	२	३९
आर्तिरवर्तिं	१०	२	१०
आर्षेयेषु निदधे	११	१	३३
आलापाश्च	११	८	२५
आलिगी च	५	१३	७
आवक्षि देवाँ इह	२०	६७	५
आवतस्त आवतः	५	३०	१
आ वात वाहि भेषजं	४	१३	३
आवामगन्त्सु म	१४	२	५
आवां प्रजां जनय	१४	२	४०
आविरात्मानं	१२	४	३०
आविष्कृणुष्व रू	४	२०	५
आविष्ठिताघवि	५	१८	३
आविः कृष्णा	१२	२	२
आविः सन्निहितं	१०	८	६
आ वीरामिव	२०	९	१२६
आ वृषायस्व	६	१०१	१

	कां०	सू०	मं०
आ वो वहन्तु	२०	१३	२
आशरीकं विशरी	१९	३४	१०
आशसनं विश	१४	१	२८
आशानामाशा	१	३१	१
आशामाशां	४	१५	८
आशासाना सौ म	१४	१	४२
आशिषश्च प्रशि	११	८	२९
आशीर्ण ऊर्ज	२	२९	३
आशुः शिशानो	१९	१३	२
आशृण्वन्तं यवं	६	१४२	२
आष्ट्रेलाहणि	२०	९	१३४
आसत्यो यातुम	२०	७७	१
आसीनासो अरु	१८	३	४३
आसुरी चक्रे	१	२४	२
आ सुष्वयन्ती	५	१२	६
आसुस्रसःसुस्रसो	७	७६	१
आसो बलासो	९	८	१०
आसंयतमिन्द्र	२०	३६	१०
आस्तेयीश्च वा	११	८	२८
आस्नस्ते गाथा	१०	१०	२०
आस्यै ब्राह्मणाः	१४	१	३९
आ हरयः ससृज्रि	२०	२२	५
आ हरयः ससृज्रि	२०	९२	२
आ हरामि गवां	२	२६	५
आहवनीयस्य च	१५	६	१५
आहार्षमविदं	८	१	२०
आहार्षमविदं त्वा	२०	९६	१०
आहुतास्यभिहुत	६	१३३	२
आहुत्याज्ञा	१५	१४	८
आहं खिदामि ते	६	१०२	२
आहं तनोमि ते	४	४	७
आहं तनोमि ते	६	१०१	३
आहं पितॄन्त्सु	१८	१	४५

इ

	कां०	सू०	मं०		कां०	सू०	मं०
इन्द्र इद्धर्यो:	२०	३८	५	इन्द्रवायू उभाविं	३	२०	६
इन्द्र इद्धर्यो: सचा	२०	४७	५	इन्द्रश्चकार प्र	६	६५	३
इन्द्र इद्धर्यो: सचा	२०	७०	८	इन्द्रश्च मृलयाति	२०	२०	६
इन्द्र उक्थामदान्	५	२६	३	इन्द्रश्च मृलयाति	२०	५७	६
इन्द्र एतमदीधरद्	६	८७	३	इन्द्रश्च सोमं	२०	१३	१
इन्द्र एतां ससृजे	२	२६	७	इन्द्र सेनां मोहयामित्रा	३	१	५
इन्द्र एषां नेता	१६	१३	६	इन्द्र सोमाः सुता	२०	६	४
इन्द्र ओषधी	२०	११	१०	इन्द्र सोमाःसुता	२०	२४	५
इन्द्र क्रतुं न आ भर	१८	३	६७	इन्द्रस्तुजो बर्हणा	२०	११	५
इन्द्र क्रतुं न आ भर	२०	७६	१	इन्द्रस्तुराषाड्	२	५	३
इन्द्र क्रतुविदं सुतं	२०	६	२	इन्द्रस्त्रातोत वृत्र	१६	१५	३
इन्द्र क्रतुविदं सुतं	२०	७	४	इन्द्रस्थातर्हरी	२०	६४	५
इन्द्र क्षत्रमभि	७	८४	२	इन्द्रस्य कुक्षिरसि	७	१११	१
इन्द्र चित्तानि	३	२	३	इन्द्रस्य गृहोसि	५	६	११
इन्द्र जठरं नव्यो	२	५	२	इन्द्रस्य त्वा वर्म्म	१६	४६	४
इन्द्र जहि पुमांसं	८	४	२४	इन्द्रस्य नाम गृह्ण	१६	३५	१
इन्द्र जीव सूर्य जीव	१६	७०	१	इन्द्रस्य नु प्रा	२	५	५
इन्द्र जुषस्व प्र	२	५	१	इन्द्रस्य प्रथमो	१०	४	१
इन्द्र ज्येष्ठं न आ	२०	८०	१	इन्द्रस्य बाहू	१६	१३	१
इन्द्र त्रिधातु शरणं	२०	८३	१	इन्द्रस्य भागस्थ	१०	५	८
इन्द्र त्वा वृषभं वयं	२०	६	१	इन्द्रस्य मन्महे	४	२४	१
इन्द्र त्वा वृषभं वयं	२०	१	१	इन्द्रस्य या मही	२	३१	१
इन्द्र त्वोतास आ	२०	७०	१६	इन्द्रस्य व इन्द्रिये	१६	१	६
इन्द्रन्ते मरुत्वन्त	१६	१६	८	इन्द्रस्य वचसा	६	८५	२
इन्द्र पुत्रे सोम	३	१०	१२	इन्द्रस्य वरूथम	५	६	१४
इन्द्र प्र णो धिता	२०	६	३	इन्द्रस्य वृष्णो वरु	१६	१३	१०
इन्द्र प्रेहि पुरस्त्वं	२०	५	३	इन्द्रस्य वर्मासि	५	६	१३
इन्द्रमहं वणिजं	३	१५	१	इन्द्रस्य शर्म्मासि	५	६	१२
इन्द्रमित्केशिना	२०	२६	२	इन्द्रस्यौज स्थेन्द्र	१०	५	१
इन्द्रमित्था	२०	२४	३	इन्द्रस्यौज०	१०	५	२
इन्द्रमिद् गाथिनो	२०	३८	४	इन्द्रस्यौज०	१०	५	३
इन्द्रमिद् गाथिनो	२०	४७	४	इन्द्रस्यौज०	१०	५	४
इन्द्रमिद् गाथिनो	२०	७०	७	इन्द्रस्यौज०	१०	५	५
इन्द्रमिद्देवतातय	२०	११८	३	इन्द्रस्यौज स्थेन्द्र	१०	५	६
इन्द्र वाजेषु नो	२०	७०	१०				

	कां०	सू०	मं०		कां०	सू०	मं०
इमं होमा यज्ञमवते	१६	१	२	इह पुष्टिरिह	३	२८	४
इयमग्ने नारी	२	३६	३	इह प्र ब्रूहि यतमः	८	३	८
इयमन्तर्वदति	५	३०	१६	इह प्रियं प्रजायै	१४	१	२१
इयमेव पृथवी	११	३	११	इह ब्रवीतु य	६	६	५
इयमेव सा या प्रथ	३	१०	४	इहा यन्तु प्रचेतसो	८	७	७
इयमेव सा या प्रथ	८	६	११	इहेत्थ प्रागपागुद	२०	१३४	१
इयं कल्याण्या	१०	८	२६	इहेत्थ० वत्साः	२०	१३४	२
इयं ते धीतिरिदमु	११	१	११	इहेत्थ० स्थाली	२०	१३४	३
इयं नारी पतिलोकं	१८	३	१	इहेत्थ० स वै पृथु	२०	१३४	४
इयं नार्युप ब्रूते	१४	२	६३	इहेत्थ०आष्टेला	२०	१३४	५
इयं पित्र्या राष्ट्रे	४	१	२	इहेत्थ० अदिल	२०	१३४	६
इयं मही प्रति	११	१	८	इहेदसाथ न परो	३	८	४४
इयं या परमेष्ठिनी	१६	६	३	इहेदसाथ न परो	१४	१	३२
इयं वा उ पृथिवी	१५	१०	६	इहेमाविन्द्र सं नुद	१४	२	६४
इयं वीरुन्मधुजाता	१	३४	१	इहेह यद्वां समना	२०	१४३	७
इयं वीरुन्मधुजाता	७	५६	२	इहैधि पुरुष	५	३०	६
इयं वेदिः परो	६	१०	१४	इहैव गाव एत नेहो	३	१४	४
इयं समित्पृथिवी	११	५	४	इहैव ध्रुवां नि	३	१२	१
इरावेदुमयं दत	२०	१३०	१६	इहैव ध्रुवा प्रति	३	१२	२
इरेव नोप दस्यति	३	२६	६	इहैव सन्तः	६	११७	२
इषिरा योषा युव	१६	४६	१	इहैवस्त मानु	७	६०	७
इषीकां जरतीमि	१२	२	५४	इहैवस्त माप	६	७३	३
इरा पुंश्चली	१५	२	१६	इहैव स्तं प्राणापानौ	३	११	६
इषुरिव दिग्धा	५	१८	१५	इहै वस्तं मावि	१४	१	२२
इष्टं च वा एष	६	(६)३	१	इहैव हवमायात	१	१५	२
इष्वा ऋजीयः	५	१४	१२	इहैवाग्ने अधि	७	८२	३
इह गावः प्र जा	२०	१२७	१२	इहैवाभि वि तनूभे	१	१	३
इह तेसुरिह	८	१	२	इहैवैधि धन	१८	४	३८
इह त्वा गोपरीणसा	२०	२२	३	इहैवैधि माप	६	८७	२

ई

ईङ्खयन्तीरप	२०	६३	४	ईडे अग्निं स्वावसुं	७	५०	३
ईजानश्चित्तमा	१८	४	१४	ईर्माभ्यामयनं	१०	१०	२१
ईजानानां सुकृतां	६	५	१२	ईर्ष्याया ध्राजिं	६	१८	१

उ

	कां०	सू०	म०
उत्तिष्ठत सं नह्य	११	९	२
उत्तिष्ठत सं नह्य	११	१०	१
उत्तिष्ठताव पश्यते	७	७२	१
उत्तिष्ठता प्र तरता	१२	२	२७
उत्तिष्ठ त्वं देवज	११	९	५
उत्तिष्ठ त्वं देवज	११	१०	५
उत्तिष्ठन्नोजसा	२०	४२	३
उत्तिष्ठ प्रेहि	१८	३	८
उत्तिष्ठ ब्रह्मणस्प	१९	६३	१
उत्तिष्ठेतो विश्वा	१४	२	३२
उत्तिष्ठेतः किमि	१४	२	१९
उत्तुदस्त्वोत्तुदतु	३	२५	१
उत्ते स्तभ्नामि	१८	३	५२
उत्थापय सीदतो	१२	३	३०
उत्पुत्रः पितरं	५	१	८
उत्पुरस्तात्सूर्य	५	२३	६
उत् त्वा द्यौरुत्पृथि	८	१	१७
उत् त्वा मन्दन्तु	२०	६३	१
उत् त्वा मृत्योरपी	८	१	१९
उत् त्वा यज्ञा ब्रह्म	१३	१	३९
उत् त्वा वहन्तु मरुत	१८	२	२२
उत् त्वा हार्षं पञ्च	८	७	२८
उत्समक्षितं	४	२७	२
उत्सूर्यो दिव एति	६	५२	१
उदगातां भगवती	२	८	१
उदगातां भगवती	६	१२१	३
उदगादयमादि	१७	१	२४
उदप्रभं परिपाणाद्	४	२०	८
उदङ्जातो हिमव	५	४	८
उदन्वती द्यौरवमा	१८	२	४८
उदपूरसि मधुपूर	१८	३	३७
उदप्रुतो न वयो	२०	१६	१
उदप्रुतो मरुत	६	२२	३
उदराते क्लोम्नो	९	८	१२
उदसौ सूर्यो	१	२९	५
उदस्य केतवो	१३	२	१
उदस्य श्यावौ	७	९५	१
उदह्वमायुरायुषे	१८	२	२३
उदायुरुद्बल	५	९	८
उदायुषा समायु	३	३१	१०
उदितस्त्रयो	४	३	१
उदिन्न्वस्य रिच्य	२०	५९	३
उदिमां मात्रां	१८	२	४३
उदिह्युदिहि सूर्य	१७	१	६
उदिह्युदिहि सूर्य	१७	१	७
उदीचा दिक् सोमो	३	२७	४
उदीचीनैः	१३	२	२४
उदीच्या दिशः	९	३	२८
उदीच्यां त्वा दि	१८	३	३३
उदीच्यै त्वा दि	१२	३	५८
उदीरयत मरुतः	४	१५	५
उदीरतामवर	१८	१	४४
उदीरय पितरा	१८	१	२३
उदीराणा उता	१२	१	२८
उदीर्ष्व नार्यभि	१८	३	२
उदु त्तमं वरुण	७	८३	३
उदुत्तमं वरुण	१८	४	६९
उदु त्ये मधुमत्तमा	२०	१०	१
उदु त्ये मधुमत्तमा	२०	५९	१
उदु त्यं जातवेदसं	१३	२	१६
उदु त्यं जातवेदसं	२०	४७	१३
उदुत्सं शतधारं	३	२४	४
उदु ब्रह्माण्यैरत	२०	१२	१
उदुषा उदु सूर्य	४	४	२
उदेणीव वारण्य	५	१४	११
उदेनमुत्तरं	६	५	१
उदेनं भगो अग्र	८	१	२
उदेहि वाजिन्	१३	१	१
उदेहि वेदिं	११	१	२१
उद्घेदभि श्रुताम	२०	७	१

	कां०	सू०	म०		कां	सू०	म०
उभाजिग्यथुर्न	७	४४	१	उर्वीरासन्परि	१३	१	४६
उभाभ्यां देव सवि	६	१९	३	उलूक यातुं	८	४	२२
उभावन्तौ समर्यं	१३	२	१३	उलूखले मुसले	१०	९	२६
उभे नभसी	१२	३	६	उवे अस्व सुला	२०	१२६	७
उभोभयाविन्नुप	८	३	३	उशती कन्यला इ	१४	२	५२
उयं यकांशलोकका	२०	१३०	२०	उशन्तस्त्वेधीम	१८	१	५६
उरुमूलायादुहि	५	१३	८	उशन्ति घाते	१८	१	३
उरुव्यचसाग्नेर्धा	५	२७	८	उषसे नःपरिदेहि	१९	५०	७
उरुव्यचानो	५	३	८	उषस्पतिर्वाचस्प	१६	६	६
उरुं नो लोकमनु	१९	१५	४	उषा अपस्वसुस्त	१९	१२	१
उरुःकोशो वसु	११	२	११	उषा देवी वाचा	१६	६	५
उरुः पृथुः सुभूर्भु	१२	४	५२	उषाः पुंश्चली	१५	२	१३
उरुःप्रथस्व	११	१	१९	उषो यस्माद् दुष्व	१६	६	२
उरुणसावसु	१८	२	१३	उष्ट्रा यस्य प्रवाह	२०	१२७	२
उर्वश्रमा चमसश्च	१६	३	३				

ऊ

ऊती शचीवस्तव	२०	३३	३	ऊर्ध्वास्तिष्ठा न ऊतेय	२०	४५	३
ऊरुभ्यां ते अष्ठीव	२	३३	५	ऊर्ध्वा अस्य समि	५	२७	१
ऊरुभ्यां ते अष्ठीव	२०	९६	२१	ऊर्ध्वा दिग्बृहस्पति	३	२७	६
ऊरू पादावष्ठी	११	८	१४	ऊर्ध्वा यस्यामति	७	१४	२
ऊर्जं एहि स्वध	८	१० (२)	४	ऊर्ध्वाया दिशः	९	३	३०
ऊर्जमस्माऊर्जं	२	२९	५	ऊर्ध्वायां त्वा दि	१८	३	३५
ऊर्जस्वतीपयस्वती	९	३	१६	ऊर्ध्वायै त्वा दिशे	१२	३	६०
ऊर्जां च वाएष	९	६(३)	३	ऊर्ध्वो नु सृष्टा	१०	२	२८
ऊर्जेत्वा बलाय	१९	३७	३	ऊर्ध्वो बिन्दुरुद्	१०	१०	१९
ऊर्जोभागो निहितो	११	१	१५	ऊर्ध्वो रोहितो	१३	१	११
ऊर्जोभागो य इमं	१८	४	५४	ऊर्ध्वंभरन्तमुदकं	१०	८	१४
ऊर्जं बिभ्रद्वसुव	७	६०	२	ऊर्ध्वःसुप्तेषु जा	११	४	२५
ऊर्ध्वस्तिष्ठतु रक्ष	१९	४६	२	ऊर्वोरोजोजङ्घ	१९	६०	२

ऋ

ऋक्सामयजुरु	११	७	५	ऋचा कपोत	६	२८	१
ऋक्सामाभ्याम	१४	१	११	ऋचा कुम्भी	९	५	५

	का०	सू०	म०		का०	सू०	म०
ऋचा कुंभ्यधिहि	११	३	१४	ऋतुभिष्ट्वार्तवै	५	२८	१३
ऋचां च स साम्ना	१५	६	६	ऋतुभ्यष्ट्वार्तवेभ्यो	३	१०	१०
ऋचो अक्षरे परमे	९	१०	१८	ऋतुभ्यष्ट्वार्तवेभ्यो	१९	३७	४
ऋचं साम यजाम	७	५४	१	ऋतूनां च वै	१५	६	१८
ऋचं साम यद्	७	५४	२	ऋतून् ब्रूम	११	६	१७
ऋचः पदं मात्र	९	१०	१९	ऋतून्यजऋतु	३	१०	९
ऋचः प्राञ्चः	१५	३	६	ऋतेन गुप्तऋतु	१७	१	२९
ऋचः सामानि	११	७	२४	ऋतेन तष्टा	११	१	२३
ऋजीषी वज्री	२०	१२	७	ऋतेन स्थूणा	३	१२	६
ऋणादृणमिव	१९	४५	१	ऋतं शंसन्त	२०	९१	२
ऋतवस्तमबध्नता	१०	६	१८	ऋतं सत्यं तपोरा	११	७	१७
ऋतवः पक्तारं	११	३	१७	ऋतं हस्तावनेज	११	३	१३
ऋतस्य च वै	१५	६	६	ऋधङ्मन्त्रो यो	५	१	१
ऋतस्य पन्थामनु	८	९	१३	ऋभुरसि जगच्छ	६	४८	२
ऋतस्य पन्थामनु	१८	४	३	ऋषिभ्यः स्वाहा	१९	२२	१४
ऋतस्यर्तेना	६	११४	२	ऋषीणां प्रस्तरो	१६	२	६
ऋतावानं वैश्वा	६	३६	१	ऋषी बोधप्रती	५	३०	१

ए

एकचक्रं वर्तत	१०	८	७	एकोनविंशतिः	१९	२३	१६
एकपदी द्विपदी	१३	१	४२	एको बहूनामसि	४	३१	४
एकपाद् द्विपदो भू	१३	२	२७	एको वो देवोऽप्य	३	१३	४
एकपाद् द्विपदो भू	१३	३	२५	एको गौरेक	८	९	२६
एकया च दश	७	४	१	एकं पादं नोत्खिद	११	४	२१
एकरात्रो द्विरात्रः	११	७	१०	एकं रजस एना	५	११	६
एकर्चेभ्यः स्वाहा	१९	२३	२०	एजदेजदजग्रभं	४	५	४
एकशतं ता जनता	५	१८	१२	एत उ त्ये पतयन्ति	८	४	२०
एकशतं लक्ष्म्यो	७	११५	३	एतत्ते तत स्वधा	१८	४	७७
एकशतं विष्कन्धा	३	९	६	एतत्ते ततामह	१८	४	७६
एका च मे दश	५	१५	१	एतत्ते प्रततामह	१८	४	७५
एकादशर्चेभ्यःस्वाहा	१९	२३	८	एतत्तेदेवः सवि	१८	४	३१
एकानृचेभ्यःस्वाहा	१९	२३	२२	एतत् त्वा वासः	१८	२	५७
एकाष्टका तपसा	३	१०	१२	एतदारोह वय	१८	३	७३
एकैकयैषा सृष्ट्या	३	२८	१	एत देवा दक्षिणतः	११	६	१८

ऐ

ओ

औ

अं

क

	कां०	सू०	मं०
कालो ह भूतं भव्यं	१९	५४	३
कालो अश्वो वह	१९	५३	१
कालो भूतिमसृज	१९	५३	६
कालो मू दिवमज	१९	५३	५
कालः प्रजा असृजत	१९	५३	१०
किमङ्ग त्वा मघव	२०	८९	३
किमयं त्वां वृषा	२०	१२६	३
कियता स्कम्भः प्र	१०	७	९
किलासं च पलितं	१	२३	२
किं भ्राता सद्यद्	१८	१	१२
किं स्विन्नो राजा	१८	१	३३
किं सुबाहो स्व	२०	१२६	८
कीर्तिश्च यशश्च	१५	२	८
कीर्तिश्च यशश्च	१५	२१	२८
कीर्तिश्च यशश्चा	१३	४	१४
कीर्तिं च वा एष	९	६(३)	५
कुत इन्द्रः कुतः	११	८	१२
कुतस्तौ जातौ	८	९	१
कुतः केशान् कुतः	११	८	१२
कुम्भीकादूषीकाः	१६	६	८
कुलायेधि कुलायं	९	३	२०
कुलायं कृणवादि	२०	१३२	५
कुवित्सस्य प्र हि	२०	७८	२
कुविदङ्ग यवम	२०	१२५	२
कुहाकं पक्वकं पृ	२०	१३०	६
कुहूर्देवानाममृत	७	४७	२
कुहूं देवीं सुकृतं	७	४७	१
कूटयास्य सं	१२	४	३
कृणुत धूमं	११	१	२
कृणोमि ते प्राजा	३	२३	५
कृणोमि ते प्राणा	८	२	११
कृतव्यधनि विध्य	५	१४	९
कृतं न श्वघ्नी	२०	१७	५
कृतं मे दक्षिणे	७	५०	८
कृत्याकृतं वलगिन	५	३१	१२

	कां०	सू०	मं०
कृत्याकृतो वलगिनो	१०	१	३१
कृत्यादूषण एवा	१९	३४	४
कृत्यादूषिरयं	२	४	६
कृत्याः सन्तु कृत्या	५	१४	५
कृत्रिमः कंटकः	१४	२	६८
कृन्त दर्भ	१९	२८	८
कृष्णायाः पुत्रो	१३	३	२६
कृष्णं नियानं हर	६	२२	१
कृष्णं नियानं हर	९	१०	२२
कृष्णं नियानं हर	१३	३	९
केतुं कृण्वन्नकेतवे	२०	२६	६
केतुं कृण्वन्नकेतवे	२०	४७	१२
केतुं कृण्वन्नकेतवे	२०	६९	११
केन देवाँ अनु	१०	२	२२
केन पर्जन्यमन्वे	१०	२	१९
केन पार्ष्णी आभृ	१०	२	१
केन श्रोत्रियमा	१०	२	२०
केनापो अन्व	१०	२	१६
केनेमां भूमिं	१०	२	१८
केनेयं भूमिर्वि	१०	२	२४
केवलीन्द्राय दुदुहे	८	९	२४
कैरात पृन उपतृ	५	१३	५
कैरातिका कुमारिका	१०	४	१४
को अर्जुन्याः पयः	२०	१३०	३
को अद्य युङ्क्ते धुरि	१८	१	६
को अर्य बहुलिमा	२०	१३०	१
को असिद्याः पयः	२०	१३०	२
को अस्मिन्नापो	१०	२	११
को अस्मिन् प्राण	१०	२	१३
को अस्मिन् यज्ञ	१०	२	१४
को अस्मिन् रूप	१०	२	१२
को अस्मिन् रेतो	१०	२	१७
को अस्मै वासः	१२	२	१५
को अस्य बाहू	१०	२	५
को अस्य वेद प्रथ	१८	१	७
को अस्या नो द्रुहो	७	१०३	१

	कां०	सू०	म०
को ददर्श प्रथमं	९	६	४
को नु गौः क	८	९	२५
को वामया करते	२०	१४३	३
को विराजो मिथु	८	९	१०
कोशं दुहन्ति	१८	४	३०
कोशबिले रजनि	२०	१३५	२
कः काष्यां पयः	२०	१३०	४
कः पृश्निं धेनुं	७	१०४	१
कः सप्त खानि	१०	२	६
क्रन्दाय ते प्राणाय	११	२	३
क्रमध्वमग्निना	४	१४	२
क्रव्यादमग्निं प्र	१२	२	८
क्रव्यादमग्निं श	१२	२	१०

	कां०	म०	सू०
क्रव्यादमग्निमि	१२	२	९
क्रव्यादमग्ने	५	२९	१०
क्रव्यादानुवर्तय	११	१०	१८
क्रूरमस्या आश	५	१९	५
क्रोडआसीज्जामि	९	४	१५
क्रोडौ ते स्तां	१०	९	२५
क्रोधो वृक्कौ मन्यु	११	७	१३
क्लीब क्लीबं त्वाकरं	६	१३८	३
क्लीबं कृध्योपशिन	६	१३८	२
क्वप्रेप्सन्ती युवती	१०	७	६
क्वप्रेप्सन्दीप्यते	१०	७	४
क्वार्धमासाः क यन्ति	१२	७	५
काहतं परास्यः	२०	१२९	६

ख

खड्गूरेऽधिचङ्क्रमां	११	९	१६
खलः पात्रं स्फ्या	११	३	९
खण्वखा३इखैम	४	१५	१५
खे रथस्य खे नसः	१४	१	४१

ग

गणास्त्वोप गायन्तु	४	१५	४
गणेभ्यः स्वाहा	१९	२२	१६
गन्धर्वाप्सरसो	११	६	४
गन्धर्वाप्सरसः	८	८	१५
गन्धारिभ्यो मूजव	५	२२	१४
गमन्नस्मे वसून्या	२०	९४	५
गर्भे नु नौ जनिता	१८	१	५
गर्भो अस्योषधीनां	५	२५	७
गर्भो अस्योषधीनां	६	९५	३
गर्भं ते मित्रावरुणौ	५	२५	४
गर्भं धेहि सिनीवा	५	२५	३
गायत्र्युष्णिग	१९	२१	१
गायत्रेण प्रतिमि	९	१०	२
गावो भगो गाव	४	२१	५

गावः सन्तु प्रजाः	९	४	२०
गिरयस्ते पर्वता	१२	१	११
गिरा वज्रो न संभृ	२	४७	३
गिरा वज्रो न संभृ	२०	१३७	१४
गिरावरगराटेषु	६	६९	१
गिरिमेनाँआ वेशय	२	२५	४
गिरीरज्राँ रेजमा	२०	६४	८
गिर्वणः पाहि नः	२२	६	६
गीर्भिरूर्ध्वान्	१३	१	५४
गुदा आसन्त्सि	९	४	१४
गृहमेधी गृहपति	८	१०(१)	३
गृहाण ग्रावाणौ	११	१	१०
गृह्णामि ते सौभ	१४	१	५०
गोभिष्टरेमामतिं	७	५०	७

	कां०	सू०	मं०
गोभिष्टरेमामतिं	२०	१७	१०
गोभिष्टरेमामतिं	२०	८९	१०
गोभिष्टरेमामतिं	२०	९४	१०
गोभिष्ट्वा पात्वृष	१९	२७	१
गोभ्यो अश्वेभ्यो	६	३	१३
गोसनिं वाच	३	२०	१०
गौरमीमेद्भि	९	१०	६
गौरिन्मिमाम	९	१०	२१
गौरेव तान्	५	१८	११
ग्रामणीरसि	१९	३१	१२
ग्राहिं पाप्मानम	१२	३	१८
ग्राह्या गृहाः सं	१२	२	३९
ग्रीवाभ्यस्त उष्णि	२०	९६	१८
ग्रीवाभ्यस्त उष्णि	२	३३	२
ग्रीवास्ते कृत्ये	१०	१	२१
ग्रीष्मस्ते भूमेव	१२	१	३६
ग्रीष्मो हेमन्तः शि	६	५५	२
ग्रैष्मावेनं मासौ	१५	४	६
ग्रैष्मौ मासौ	१५	४	५

घ

घर्म इवाभि तप	१९	२८	३
घर्मः समिद्धो	८	८	१७
घृतमप्सराभ्यो	७	१०९	२
घृतस्य जूतिः	१९	५८	१
घृतह्रदा मधुकूलाः	४	३४	६
घृतादुल्लुप्तो मधु	१९	३३	२
घृतादुल्लुप्तो मधु	१९	४६	६
घृतादुल्लुप्तं मधुना	५	२८	१४
घृतेन त्वा समुक्षा	१९	२७	५
घृतेन सीता मधुना	३	१७	९
घृतं ते अग्ने	७	८२	६
घृतं प्रोक्षन्ती	१०	९	११
घोरा ऋषयो	२	३५	४

च

चक्षुरसि चक्षुर्मे	२	१७	६
चक्षुर्मुशलं काम	११	३	३
चक्षुषा ते चक्षुर्हं	५	१३	४
चक्षुषो हेते मनसो	५	६	९
चक्षुः श्रोत्रं यशो	११	५	२५
चतस्रश्च मे चत्वा	५	१५	४
चतस्रो दिवः प्रदि	१	११	२
चतुरः कुम्भांश्चतु	४	३४	७
चतुर्दंष्ट्रांछ्याव	११	९	१७
चतुर्दशर्चेभ्यः	१९	२३	११
चतुर्धा रेतो अभवद्	१०	१०	२९
चतुर्नमो अष्टकृ	११	२	९
चतुर्वीरं बध्यत	१९	४५	४
चतुर्होतार आ	११	७	१९
चतुष्टयं युज्यते	१०	२	३
चतूरात्रः पञ्च	११	७	११
चत्वारि वाक्परि	९	१०	२७
चन्द्रमा अप्स्व	१८	४	८९
चन्द्रमा नक्षत्राणा	५	२४	१०
चन्द्रमा नक्षत्रै	१९	१९	४
चन्द्रमा मनसो जात	१९	६	७
चन्द्र यत्ते तपस्तेन	२	२२	१
चन्द्र यत्ते तेजस्तेन	२	२२	५
चन्द्र यत्ते ऽर्चिस्तेन	२	२२	३

	का०	सू०	म०		का०	सू०	म०
चन्द्र यत्ते शोचिस्तेन	२	२२	४	चित्रं देवानामुद	१३	२	३५
चन्द्र यत्ते हरस्तेन	२	२२	२	चित्रं देवानामुद	२२	१०७	१४
चरुं पञ्च बिलमु	११	३	१८	चित्रं देवानां केतुर	१३	२	३४
चरेद्वा नैहायणा	१२	४	१६	चित्रं देवानां केतुर	२०	१०७	१३
चित्तिरा उपबर्हं	१४	१	६	चेतो हृदयं	६	७	११
चित्रश्चिकित्वा	१३	२	३२	च्युता चेयं	६	२	१५
चित्राणि साकं	१६	७	१				

छ

छन्दांसि यज्ञे	५	२६	५	छिन्धि दर्भ	१६	२८	६
छन्दः पक्ष उषसा	८	६	१२	छिन्ध्या च्छिन्धि	१२	५	५१
छिनत्त्यस्य पितृ	१२	५	४३				

ज

जगता सिन्धु	६	१०	३	जायमानाभि जा	१२	४	१०
जङ्गिडोसि जङ्गि	१६	३४	१	जाया इद्वो अप्सरसो	४	३७	१२
जङ्गिडो जम्भाद्	२	४	२	जालाषेणाभि	६	५७	२
जज्ञानः सोम सह	२०	८७	३	जितमस्माकमुद्भिन्नमस्माकम-भ्यष्ठां	१०	५	३६
जनाद्विश्वजनी	७	४५	१	जितमस्माकमु	१६	८	१
जनाय चिद्य ईवते	२०	६०	२	जितमू०।०।स	१६	८	२१
जनियन्ति नाव	१४	२	७२	जितमू०।०।स	१६	८	६
जनीरिव प्रति	१२	३	२३	जितमू०।०।स	१६	८	२६
जनं बिभ्रती	१२	१	४५	जितमू०।०।स	१६	८	२७
जरायुजः प्रथम	१	१२	१	जितमू०।०।स	१६	८	१२
जरायै त्वा परि	३	११	७	जितमू०।०।स	१६	८	१३
जरां सु गच्छ परि	१६	२४	५	जितमू०।०।स	१६	८	२०
जवस्ते अर्वन्निहि	६	६२	२	जितमू०।०।स	१६	८	१५
जहि त्वं काम मम	६	२	१०	जितमू०।०।स	१६	८	१७
जहि दर्भ सपत्ना	१६	२८	६	जितमू०।०।सनि	१६	८	५
जाग्रद् दुष्वप्न्यं	१६	६	६	जितमू०।०।सनि	१६	८	७
जातवेदो नि	६	७७	३	जितमू०।०।सप	१६	८	८
जातो व्यख्यत्	२०	३४	१६	जितमू०।०।सम	१६	८	११
जातोत स्मैनं	६	१२३	२				

त

	कां०	सू०	म०
तदग्निराह तदु	१६	६	२
तदाग्निराह तदु	८	५	५
तदग्ने चक्षुः	८	३	२१
तदद्या चित्त	२०	६१	३
तदमुष्मा अग्ने	१६	६	११
तदस्तु मित्रावरु	१९	११	६
तदिदास भुवनेषु	५	२	१
तदिदास भुवनेषु	२०	१०७	४
तदूषु ते महत् पृथु	५	१	५
तदेकमभवत्	१५	१	३
तद् ब्रह्म च तपश्च	८	१०(४)	१६
तद्भद्राः समगच्छ	१०	१०	१७
तद् यस्मा एवं विदुषे	५	१०(६)	१
तद् यस्यैवं विद्वान् व्रात्य उद्धृते	१५	१२	१
तद् यस्यैवं विद्वान् व्रात्य एकां	१५	१३	१
तद् यद्यस्यैवं विद्वान् व्रात्यश्चतुर्थीं	१५	१३	७
तद्यस्यैवं विद्वान् व्रात्यस्तृतीयां	१५	१३	५
तद् यस्यैवं विद्वान् व्रात्योतिथिः	१५	११	१
तद् यस्यैवं विद्वान् व्रात्यो द्वितीयां	१५	१३	३
तद्यस्यैवं विद्वान् व्रात्योपरि	१५	१३	९
तद्यस्यैवं विद्वान् व्रात्यो राज्ञो	१५	१०	१
तद् वाअथर्वणः	१०	२	२७
तद् वात उन्मथाय	२०	१३२	४
तद् विषं सर्पा	८	१०(५)	१६
तद्विष्णोः परमं पदं	७	२६	७
तद् वै राष्ट्रमास्रवति	५	१९	८
तद् वो गाय सुते	२०	७८	१

	कां०	सू०	म०
तनूनपात् पथ	५	१२	२
तनूष्टे वाजिन् तन्वं	६	९२	३
तनूस्तन्वा मे सहे	१९	६१	१
तन्त्रमेके युवती	१०	७	४२
तन्नस्तुरीयमद्भुतं	५	२७	१०
तस्मो वि वोचोयदि	२०	३६	४
तन्मित्रस्य वरुण	२०	१२३	२
तन्वं स्वर्गो बहुधा	१२	३	५४
तपनो अस्मि पिशा	४	३६	६
तपश्चैवास्तां कर्म	११	८	२
तपश्चैवास्तां कर्म	११	८	६
तपसा ये अना	१८	२	१६
तप्तो वां घर्मो नक्षतु	७	७३	५
तमाहवनीयश्च	१५	६	१४
तमितिहासश्च	१५	२	११
तमिदं निगतं सहः	१३	४	१२
तमिन्द्र मदमाग	२०	२४	३
तमिन्द्रं जोहवीमि	२०	५५	१
तमिन्द्रं वाजयाम	२०	४७	१
तमिन्द्रं वाजयाम	२०	१३७	१२
तमिमं देवतामणिं	१०	६	२६
तमीमह इन्द्रमस्य	२०	३६	३
तमु नः पूर्वे पितरो	२०	३६	२
तमुष्टुहि यो	६	१	२
तमृचश्च सामानि	१५	६	८
तमृतं च सत्यं	१५	६	५
तमृतवश्चार्त	१५	६	१७
तम्वभि प्र गायत	२०	६१	४
तम्वभि प्र गायत	२०	६२	८
तयार्बुदे प्रणुत्ता	११	९	२०
तयाहं शत्रून्त्सा	२	२७	५
तयोरहं परिनृत्य	१०	७	४३
तरणिर्विश्वदर्श	१३	२	१९
तरणिर्विश्वदर्श	२०	४७	१६
तरी मन्द्रासु प्रयक्षु	५	२७	६

	सू०	कां०	म०
तदंहे पतङ्गहे जभ्य	६	५०	२
तदापते वघापते	६	५०	३
तव चतस्रः प्रदिश	११	२	१०
तव च्यौत्नानि	२०	३७	५
तव त्यदिन्द्रियं	२०	१०६	१
तव द्यौरिन्द्र पौंस्यं	२०	१०६	२
तव व्रते निविशन्ते	४	२५	३
तवेदं विश्वमभितः	२०	८७	६
तस्तुवं न तस्तुवं	५	१३	११
तस्मा अभ्रो भवन्	६	६(५)	६
तस्मा अरंगमाम	१	५	३
तस्मा उदीच्या	१५	४	१०
तस्मा उदीच्या	१५	५	८
तस्मा उद्यन्त्सूर्यो	६	६(५)	४
तस्मा उषाहि	६	६(५)	१
तस्मा ऊर्ध्वाया	१५	४	१६
तस्मा ऊर्ध्वाया	१५	५	१२
तस्मात् पितृभ्यो	८	१०(३)	४
तस्मादमुं निर्भजा	१६	८	३१
तस्मादमुं निर्भजा	१६	८	२
तस्मादश्वा अजा	१६	६	१२
तस्माद् देवेभ्यो	८	१०(३)	६
तस्मान्मनुष्येभ्यः	८	१०(३)	८
तस्माद् यज्ञात् सर्व	१६	६	१३
तस्माद् यज्ञात् सर्व	१६	६	१४
तस्माद् वनस्पतीनां	८	१०(३)	२
तस्माद् वै ब्राह्मणा	१२	५	१७
तस्माद् वै विद्वान् पु	११	८	३२
तस्मिन् हिरण्यये	१०	२	३२
तस्मै घृतं सुरां	१०	६	५
तस्मै दक्षिणाया	१५	४	४
तस्मै दक्षिणाया दिशो	१५	५	४
तस्मै ध्रुवाया दिशो	१५	४	१३
तस्मै ध्रुवाया दिशो	१५	५	१०
तस्मै प्रतीच्या दिशो	१५	५	६

	सू०	कां०	म०
तस्मै प्रतीच्या दिशो	१५	४	७
तस्मै प्राच्या दिशो	१५	५	१
तस्मै प्राच्या दिशः	१५	४	१
तस्मै व्रात्यायास	१५	३	३
तस्मै सर्वेभ्योन्न	१५	५	१४
तस्य अनु निभ	२०	१३१	२
तस्य देवजनाः	१५	३	१०
तस्य प्राशं त्वं जहि	२	२७	७
तस्य व्रात्यस्य	१५	१५	१
तस्य व्रात्यस्य	१५	१८	१
तस्य० । एकं तदे	१५	१७	१०
तस्य० । यदादि	१५	१७	६
तस्य० । योस्य चतुर्थोपानः	१५	१६	४
तस्य० । योस्य चतुर्थो व्यान	१५	१७	४
तस्य० । योस्य चतुर्थःप्राणो	१५	१५	६
तस्य० । योस्य तृतीयोपानः	१५	१६	३
तस्य० । योस्य तृतीयो व्यानः	१५	१७	३
तस्य० । योस्य तृतीयः प्राणः	१५	१५	५
तस्य० । योस्य द्वितीयोपानः	१५	१६	२
तस्य० । योस्य द्वितीयो व्यान	१५	१७	२
तस्य० । योस्य द्वितीयः प्राणः	१५	१५	४
तस्य० । योस्य पञ्चमोपानः	१५	१६	५
तस्य० । योस्य पञ्चमो व्यानस्त	१५	१७	५

	कां०	सू०	मं०
तां धृतराष्ट्रः	८	१०(५)	१५
तां पूषं छिवतमा	१४	२	३८
तां पृथी वैन्यो	८	१०(४)	११
तां बृहस्पति	८	१०(४)	१५
तां मायामसुरा	८	१०(४)	४
तां मे सहस्राक्षो देवो	४	२०	४
तां रजतनाभिः	८	१०(५)	११
तां वसुरुचिः	८	१०(५)	७
तां सवितः सत्यस	७	१५	१
तांस्त्वं प्र च्छिन्द्धि	१०	३	१६
तां स्वधां पितर	८	१०(४)	८
तां ह जरितर्नः	२०	१३५	७
तिग्ममनीकं विदितं	४	२७	७
तिग्मो विभ्राजन्	१३	२	३३
तिरश्चिराजेरसि	७	५६	१
तिर्यग्बिलश्चमस	१०	८	९
तिष्ठावरे तिष्ठ पर	१	१७	२
तिस्रश्च मे त्रिंशच्च	५	१५	३
तिस्रो जिह्वा वरुण	१०	१०	२८
तिस्रो दिवस्तिस्रः	४	२०	२
तिस्रो दिवस्तिस्रः	१९	२७	३
तिस्रो दिवो अत्यतृ	१९	३२	४
तिस्रो देवीर्महिनः	५	३	७
तिस्रो मातृस्त्रीन्	९	९	१०
तिस्रो मात्रा गन्धर्वा	३	२४	६
तिस्रो ह प्रजा	१०	८	३
तीक्ष्णीयांसः	३	१९	४
तीक्ष्णेनाग्ने चक्षु	८	३	९
तीक्ष्णो राजा वि	१९	३३	४
तीक्ष्णेषवो ब्राह्म	५	१८	९
तीर्थैस्तरन्ति	१८	४	७
तीव्रस्याभिवयसो	२०	९६	१
तुञ्जेतुञ्जे य उत्त	२०	७०	१३
तुभ्यमग्ने पर्यवहन्	१४	२	१
तुभ्यमारण्याः	११	२	२४
तुभ्यमेव जरिमन्	२	२८	१
तुभ्येदिन्द्र स्व ओक्ये	२०	२४	८
तुभ्येदिमा सवना	२०	७३	१
तुभ्यं वातः पवतां	८	१	५
तुभ्यं सुतास्तुभ्य	२०	९६	२
तुरण्यवो मधुमन्तं	२०	११९	२
तुराणामतुराणां	७	५०	२
तुविग्रीवो वपोदरः	२०	५	२
तृचेभ्यः स्वाहा	१९	२३	१९
तृणानि प्राप्तः	९	७	२२
तृणैरावृता पल	९	३	१७
तृतीयकं वितृतीयं	५	२२	१३
तृतीयेभ्यः शङ्खेभ्यः	१९	२२	१०
तृन्धि दर्भ०	१९	२९	२
तृष्टमेतत्कटुक	१४	१	२९
तृष्टासि तृष्टिका	७	११३	२
तृष्टिके तृष्टवन्दन	७	११३	१
तृष्णामारं क्षुधामार	४	१७	७
ते अधराञ्चः प्र	३	६	७
ते अधराञ्चः प्र	९	२	१२
तेऽवदन् प्रथमा	५	१७	१
ते कुष्ठिकाः सरमायै	९	४	१६
ते कृषिं च सस्यं च	८	१०(४)	१२
ते त्वा मदा अमद	२०	२१	६
ते त्वा मदा इन्द्र	२०	१२	५
ते त्वा रक्षन्तु ते	८	१	१४
ते देवेभ्य आ	१२	२	५०
तेन तमभ्यतिसृ	१५	१	५
तेन भूतेन हविषा	६	७८	१
तेनेषितं तेन	१९	५३	९
तेनैनं विध्याक्य	१६	७	१
तेऽमुष्मै परावह	१६	६	७
ते वृक्षाः सह तिष्ठ	२०	१३१	११
तेषामासन्नानां	९	६(२)	४
तेषां न कश्चना	९	६(६)	८

द

	कां०	सू०	मं०		कां०	सू०	मं०
दिवे स्वाहा	५	६	१	दृढो दृंह स्थिरो	११	७	४
दिवे स्वाहा	५	६	५	दृष्टमदृष्टमतृह	२	३१	२
दिवो नु मां बृहतो	६	१२४	१	दृंह प्रत्नान् जनया	६	१३६	२
दिवा मादित्या	१६	१६	२	दृंह मूलमाग्रं यच्छ	६	१३७	३
दिवो मादित्या	१६	२७	१५	देवजना गुदा	६	७	१६
दिव मूलमव	२	७	३	देव त्वप्रतिसूर्य	२०	१३०	१०
दिवो विष्णु उत वा		२५	८	देवपीयुश्चरति	५	१८	१३
दिवं च रोह पृथिवीं	१३७	१	३४	देवबन्तो यथा	२०	७०	२
दिवं पृथिवी	३	२१	७	देव संस्फान	६	७६	३
दिवं ग्रमो नक्षत्रा	११	६	१०	देवस्ते सविता	१४	१	४६
दिव्यस्य सुपर्णस्य	४	२०	३	देवस्य सवितु	१०	५	१४
दिव्यादित्याय	४	३६	५	देवस्य त्वा सवितुः	१६	५१	२
दिव्या गन्धर्वो	२	२	१	देवस्य सवितुः	६	२३	३
दिव्यं सुपर्णं पयसं	७	३६	१	देवहेतिर्ह्रियमाणा ।।	१२	५	२६
दिशश्चतस्रो	८	८	२२	देवा अग्रे न्यपद्यन्त	१४	२	३२
दिशां प्रज्ञानां	१३	२	२	देवा अदुः सूर्यो	६	१००	१
दिशा ज्योतिष्म	१०	५	३८	देवा अमृतेनोद्	१६	१६	१०
दिशोदिशः शाला	६	३	३१	देवा इमं मधुना	६	३०	१
दिशो धेनवस्तासां	४	३६	८	देवाञ्जन त्रैककुदं	११	४४	६
दीर्घस्त्वे अस्त्वङ्	२०	५	४	देवा ददत्वासुरं	२०	१३५	१०
दीर्घायुत्वाय	२	४	१	देवावामस्थि कृशनं	४	१०	७
दुन्दुभेर्वाचं प्रयतां	५	२०	५	देवानामेतत् परिषू	११	५	२३
दूरदभ्नैनमा शये	१२	४	१६	देवानामेनं घोरैः	१६	७	२
दुरो अश्वस्य	२०	२१	२	देवानां निहितं	१६	२७	६
दुर्णामा च सुनामा	८	६	४	देवानां पत्नीनां	१६	५७	३
दुर्मन्त्वत्रामृतस्य	१८	१	३४	देवानां पत्नीरुशती	७	४६	१
दुर्हार्दः संघोरं	१६	३५	३	देवानां पत्नीः पृ	६	७	६
दुष्ट्यै हि त्वा	३	६	५	देवानां भाग	६	४	५
दुष्वप्न्यं काम	६	२	३	देवानां हेतिः	८	२	६
दुहे सायं दुहे प्रात	४	११	१२	देवान् यन्नाथितो	७	१०६	७
दुह्रां मे पंच प्रदिशो	३	२०	६	देवा यज्ञमृतवः	१८	४	२
दूराच्चकमानाय	१६	५२	३	देवा वशामयाचन्मुखं	१२	४	२०
दूरे चित् सन्त	३	३	२	देवा वशामयाचन्यस्मिन्	१२	४	२४
दूरे पूर्णेन वसति	१०	८	१५	देवा वशां पर्यवदन्	१२	४	४६
दूष्या दूषिरसि	२	११	१	देवा वा एतस्या	५	१७	६

	कां०	सू०	म०
देवास्ते चीतिम	२	९	४
देवाः कपोत इषितो	६	२७	१
देवाः पितरो	११	७	२७
देवाः पितरो	१०	९	९
देवाः पितरः	६	१२३	३
देवी देव्यामधि	६	१२६	१
देवी हनत् कुहनत्	२०	१३२	११
देवेभ्यो अधिजातो	५	४	७
देवेभ्यः कमवृणीं	१८	३	४१
देवैनसात् पित्र्या	१०	१	१२
देवैनसादुन्मदि	६	१११	३
देवैर्दत्तेन मणिना	२	४	४
देवैर्दत्तं मनुना	१४	२	४१
देवो अग्निः संक	१२	२	१२
देवो देवान् परिभू	१८	१	३०
देवो देवान् मर्चय	१३	१	४०
देवो देवाय गृणते	५	११	११
देवो देवेषु देवः	५	२७	२
देवो द्रविणोदा	२०	२	४
देवो मणिः सपत्न	१९	३१	८
दैवा होतार ऊर्ध्व	५	२७	९
दैवीर्विशः पय	९	४	९
दैवीः षदुर्वीरुरु नः	५	३	६
दैव्या होतारा	५	१२	७
दोषो गाय बृहद् गाय	६	१	१
दोहेन गामुहप	२०	८९	२
दौव हस्तिनो	२०	१३१	२०
दौष्वप्न्यं दौर्जीवि	७	२३	१
दौष्वप्न्यं दौर्जीवि	४	१७	५
द्यावा चिदस्मै	२०	३४	१४
द्यावापृथिवी अनु	२	१२	५
द्यावापृथिवी उप	२	१६	२
द्यावापृथिवी उर्व	२	१२	१

	कां०	सू०	म०
द्यावापृथिवी दात्	५	२[illegible]	३
द्यावापृथिवी ओ	११	३	२
द्यावा ह क्षामा	१८	१	२९
द्युत्तं सुदानु	२०	९	२
द्युत्तं सुदानु	२०	४९	५
द्युमन्तस्त्वेधीमहि	१८	१	५७
द्युम्नेषु पृतनाज्ये	२०	१९	७
द्यौर्धेनुस्तस्या आ	४	३९	६
द्यौर्नः पिता जनि	९	१०	१२
द्यौश्च म इदं पृथि	६	५३	१
द्यौश्च म इदं पृथि	१२	१	५३
द्यौष्ट्वा पिता पृथिवी	२	२८	४
द्रप्समपश्यं विषु	२०	१३७	८
द्रप्सश्चस्कन्द	१८	४	२८
द्रुपदादिव मुमुचान	६	११५	३
द्वादशधा निहितं	६	११३	३
द्वादश प्रधयश्च	१०	८	४
द्वादशर्चेभ्यः स्वाहा	१९	२३	९
द्वादश वा एता	४	११	११
द्वादशारं नहि	९	९	१३
द्वारो देवीरन्वस्य	५	२७	७
द्वाविमौ वातौ वात	४	१३	२
द्वा सुपर्णा सयुजा	९	९	२०
द्वितीयेभ्यःशङ्खे	१९	२२	९
द्विभागधनमा	१२	२	३५
द्विषतस्तापयन्	१९	२८	२
द्विषते तत् परावह	१६	६	३
द्विषो नो विश्वतो	४	३३	७
द्वे च मे विंशतिश्च	५	१२	२
द्वे ते चक्रे सूर्ये	१४	१	१६
द्वौ च ते विंशति	१९	४७	५
द्वौ वा ये शिशवः	२०	१३२	१५
द्वयास्याच्चतुरक्षात्	८	६	२२

ध

न

	कां०	सू०	म०
न त्वदन्यः कवि	५	११	४
न त्वा पूर्वा ओष	१९	३४	७
न त्वा वां अन्यो	२०	१२१	२
नदी सूत्री वर्षस्य	९	७	१४
नदीं यन्त्वप्सरसो	४	३७	३
न देवेष्वावृश्चते	१५	१२	६
न द्वितीयो न तृती	१३	४	१६
न पञ्चमो न षष्ठः	१३	४	१७
न पितृयाणं पन्थां	१५	१२	९
नपिशाचैः सं	४	३६	७
न बहवः समशकन्	१	२७	३
न ब्रह्मणो हिंसि	५	१८	६
न भूमिं वातोअति	४	५	२
न मत्स्त्रीसु भसत्त	२०	१२६	६
नमस्कृत्य द्यावा	७	१०२	१
नमस्तस्मै नमो	९	३	१२
नमस्ते अधिवाकाय	६	१३	२
नमस्ते अस्तु नार	१२	४	४५
नमस्ते अस्तु विद्युते	१	१३	१
नमस्ते अस्तु पश्य	१३	४	४८
नमस्ते अस्तु पश्य	१३	४	५५
नमस्ते अस्त्वायते	११	४	७
नमस्ते अस्त्वायते	११	२	१५
नमस्ते जायमानायै	१०	१०	१
नमस्ते घोषिणी	११	२	३१
नमस्ते प्रवतो	१३	१	२
नमस्ते प्राण क्रन्दाय	११	४	२
नमस्ते प्राण प्राणते	११	४	८
नमस्ते यातुधाने	६	१३	३
नमस्ते राजन् वरु	१	१०	२
नमस्ते रुद्रास्यते	६	९०	३
नमस्ते लाङ्गलेभ्यो	२	८	४
नमो गन्धर्वस्य	१४	२	३५
नमो देव वधेभ्यो	६	१३	१
नमो यमाय नमो	५	३०	१२

	कां०	सू०	म०
नमो रुद्राय नमो	६	२०	२
नमो रूराय च्यव	७	११६	१
नमो वः पितर ऊर्जे	१८	४	८१
नमो वः पितरो भा	८१	४	८२
नमो वः पितरो यद्	१८	४	८३
नमो वः पितरो यच्	१८	४	८४
नमो वः पितरः स्व	१८	४	८५
नमोस्तु ते निर्ऋते	६	६३	२
नमोस्त्वसिताय	६	५६	२
नमः शीताय	१	२५	४
नमः सनिस्र	२	८	५
नमः सायं नमः	११	२	१६
नयतामून् मृत्यु	८	८	११
न यत् पुरा चकृमा	१८	१	४
न यस्याः पारं	१९	४७	२
नव च मे नवतिश्च	५	१५	९
नव च या नवतिश्च	६	२५	३
न वनिषदनाततम्	२०	१३२	७
नव प्राणान्नवभिः	५	२८	१
नव भूमीः समुद्रा	११	७	१४
नव यो नवतिं	२१	७	२
नवर्चेभ्यः स्वाहा	१९	२३	६
नवर्षं मैत्रावरुणं	५	१९	१५
न वा उ ते तनूं	१८	१	१४
न वा उ सोमो	८	४	१३
न विकर्णः पृथु	५	१७	१३
न विजानामि	९	१०	१५
नवैतं चक्षुर्ज	१०	२	३०
नवैव ता नवतयो	५	१९	११
न वै वातश्चन	९	२	२४
नवो नवो भवसि	७	८१	२
नवो नवो भवसि	१४	१	२४
नवं बर्हिरोदनाय	१२	३	३२
नवं वसानः सुर	१४	२	४४
नष्टासवो नष्टविषा	१०	४	१२

	कां०	सू०	म०
न सेशे यस्य रम्बते	२०	१२६	१६
न सेशे यस्य रोमशं	२०	१२६	१७
नहि ते अग्ने तन्वः	६	४६	१
न हि ते नाम	३	१८	३
नहि स्थूर्यृतुथा	२०	१२५	३
नाके राजन् प्रति	६	१२३	५
नाके सुपर्णमुप	१८	३	६६
नाधृष आदधृषते	६	३३	२
नाभिरहं रयीणां	१६	४	१
नाभ्या आसीद्	१६	६	८
नाम नाम्ना जोह	१०	७	३१
नामानि ते शतक्र	२०	१६	३
नाल्प इति ब्रूया	११	३	२४
नाष्टमो न नवमो	१३	४	१८
नास्मै पृश्निं वि	५	१७	१७
नास्य केशान् प्रवप	१६	३२	२
नास्य क्षत्ता	५	१७	१४
नास्य क्षेत्रे पुष्करि	५	१७	१६
नास्य जाया शतवा	५	१७	१२
नास्य धेनुः कल्याणी	५	१७	१८
नास्य पशून् न	१५	५	३
नास्य पशून् न	१५	५	१६
नास्य श्वेतः कृ	५	१७	१५
नास्यास्थीनि	६	५	२३
नास्यास्मिल्लो	१५	१२	११
नाहमिन्द्राणिरार	२०	१२६	१२
निक्ष दर्भ सपत्नान्	१६	२६	१
नि गावो गोष्ठे	६	५२	२
निगृह्य कर्णकौ द्वौ	२०	१३३	३
नि तद्दधिषेवरे	५	२	६
नि तद् दधिषेवरे	२०	१०७	६
निधनं भूत्याः प्रजायाः	६	६(५)	३
निधनं भूत्याः प्रजायाः	६	६(५)	१०
निधिं निधिपा	१२	३	४२
निधिं बिभ्रती	१२	१	४४
निन्दाश्च वा अनिन्दा	११	८	२२
निम्रुचस्तिस्रो	१३	३	२१
नि येन मुष्टिह	२०	७०	१८
निरमुं नुद ओकसः	६	७५	१
निररणिं सविता	१	१८	२
निरितो मृत्युं	१२	२	३३
निरिमां मात्रां	१८	२	४२
निर्दुरर्मण्य ऊर्जा	१६	२	१
निर्द्विषन्तं दिवो	१६	७	६
निर्बलासेतः प्र	६	१४	३
निर्बलासं बलासि	६	१४	२
निर्लक्ष्म्यं ललाम्यं	१	१८	१
निर्वै क्षत्रं नयति	५	१८	४
निर्वो गोष्ठादजा	२	१४	२
निर्हस्ताः सन्तु	६	६६	३
निर्हस्तेभ्यो नैर्हस्तं	६	६५	२
निर्हस्तः शत्रु	६	६६	१
निवेशनः संगमनो	१०	८	४२
नि शीर्षतो नि पतत	६	१३१	१
नि ष्वापया मिथू	२०	७४	३
निः सालां धृष्णुं	२	१४	१
नीचैः खनन्त्य	२	३	३
नीचैः पद्यन्ता	३	१६	३
नीलनखेभ्यः	१६	२२	४
नीलमस्योदरं	१५	१	७
नीललोहितं भव	१४	१	२६
नीलशिखण्डवा	२०	१३२	१६
नीलेनैवाप्रियं	१५	१	८
नुदस्व काम प्र	६	२	४
नू इन्द्र शूर स्तव	२०	३७	११
नू चिन्नु ते मन्यमा	२२	७३	२
नू नो रयिं पुरुवीर	२०	१४३	६
नूनं तदस्य काव्यो	४	१	६
नृचक्षा रक्षः परि	८	३	१०
नेच्छत्रुः पाशं जया	२	२७	१

	कां०	सू०	म		क०	सू०	म०
नेमा इन्द्र गावो	२०	१२७	१३	नैनं प्राप्नोति	४	९	५
नेमिं नमन्ति	२०	५४	३	नैनं रक्षांसि	१	३५	२
नेव मांसेन पीवसि	१	११	४	नैवाहमोदनं	११	३	३०
नैतां ते देवा अददु	५	१८	१	न्यग् वातो वाति	६	९१	२
नैतां विदुः पितरो	१९	५६	४	न्यस्तिका रुरोहिथ	६	१३९	१
नैनं घ्नन्ति पर्यायि	६	७६	४	न्यूषु वाचं प्रमहे	२०	२१	१
नैनं घ्नन्त्यप्सर	८	५	१३	न्वेतेनारात्सीरसौ	५	६	५

प

	कां०	सू०	म०		कां०	सू०	म०
पत्नी जायान्यः पत	७	७६	४	पनाय्यं तदश्विना	२०	१४३	९
पञ्च च मे पञ्चा	५	१५	५	पयश्च रसश्चान्नं	१२	५	१०
पञ्च च याः पञ्चा	६	२५	१	पयश्च वा एष	९	६(३)	२
पञ्चदशर्चेभ्यः	१९	२३	१२	पयस्वतीरोषधयः	३	२४	१
पञ्चपादं पितरं	९	९	१२	पयस्वतीरोषधयः	१८	३	५६
पञ्चभिः पराङ्	१७	१	१७	पयस्वतीः कृणु	६	२२	२
पञ्च राज्यानि वी	११	६	१५	पयो धेनूनां रस	४	२७	३
पञ्च रुक्मा ज्योति	९	५	२६	परमां तं परावत	६	७५	२
पञ्च रुक्मा पञ्च	९	५	२५	पराक् ते ज्योतिरप	१०	१	१६
पञ्चर्चेभ्यः स्वाहा	१९	२३	२	पराच एनान् प्रणुद	२	२५	५
पञ्चवाही वहत्य	१०	८	८	पराजिताः प्र	८	८	१९
पञ्च व्युष्टीरनु	८	९	१५	पराञ्चं चैनं प्रा	११	३	२८
पञ्चापूपं शितिपा	३	२९	४	परादेहि शामुल्यं	१४	१	२५
पञ्चापूपं शितिपा	३	२९	५	पराद्य देवा वृजि	८	३	१४
पञ्चारे चक्रे	९	९	११	परामित्रान् दुन्दुभि	५	२१	७
पञ्चौदनं पञ्चभि	४	१४	७	परा यात पितरः	१८	३	१४
पञ्चौदनः पञ्चधा	९	५	८	परा यात पितरः	१८	४	६३
पताति कुण्डृणा	२०	७४	६	परा शृणीहि तपसा	१०	५	४९
पत्नी यदृश्यते	२०	१३५	५	परा शृणीहि तपसा	८	३	१३
पथ्या रेवतीर्बहुधा	३	४	७	परा हीन्द्र धावसि	२०	१२६	२
पदज्ञा स्थ रमतयः	७	७५	२	परि ग्राममिवाचितं	४	७	५
पदा पणींरराधसो	२०	९३	२	परिच्छिन्नः क्षेम	२०	१२७	८
पदोरस्या अधि	१२	४	५	परि श्रयः	२०	१२९	८
पद्भिः सेदिमवक्रा	४	११	१०	परि णो वृङ्धि	६	३७	२

	कां०	सू०	मं०
पृषेमा आशा	७	९	२
पृच्छामि त्वा परमन्तं	९	१०	१३
पृतताजितं सहमान	७	६३	१
पृथक् प्रायन् प्रथमा	२०	९४	६
पृथक् सर्वे प्राजा	११	५	२२
पृथक्सहस्राभ्यां	१९	२२	१९
पृथग्रूपाणि	१२	३	२१
पृथिवी दण्डो	९	१	२१
पृथिवी धेनु	४	३९	२
पृथिवीप्रो महिषो	१३	२	४४
पृथिवी शान्तिरन्त	१९	९	१४
पृथिवी त्वा पृथि	२२	३	२२
पृथिवी त्वा पृथि	१८	४	४८
पृथिव्यामग्नये	४	३९	१
पृथिव्यै श्रोत्राय	६	१०	१
पृथिव्यै स्वाहा	५	९	२
पृथिव्यै स्वाहा	५	९	४
पृदाकवः	२०	१२९	९
पृष्ठात् पृथिव्या	४	१४	३
पृष्ठे धावन्तं	२०	१२८	१५
पैद्व प्रेहि प्रथमो	१०	४	६
पैद्वस्य मन्महे	१०	४	११
पैद्वो हन्ति	१०	४	५
पौरो अश्वस्य पुरु	२०	११८	२
पौर्णमासी प्रथमा	७	८०	४
प्रकेतुना बृहता	१८	३	६५
प्रच्यवस्व तन्वं	१८	३	९
प्रजया स विक्रीणी	१२	४	२
प्रजानन्तः प्रति	२	३४	५
प्रजानत्यघ्न्ये	१८	३	४
प्रजानां प्रजन	९	६ (४)	१०
प्रजापतिरनु	६	११	३
प्रजापतिर्जनयति	७	१९	१
प्रजापतिर्मा	१९	१७	९
प्रजापतिश्च परमेष्ठी	९	७	१

	कां०	अ०	सू०
प्रजापतिश्चरति	१०	८	१३
प्रजापतिष्ट्वा बध्ना	१९	४६	१
प्रजापतिं ते प्रजन	१९	१८	९
प्रजापपितः सलिला	४	१५	११
प्रजापतिः प्रजा	१९	१९	११
प्रजापते न त्वतेता	७	८०	३
प्रजापतेरावृतो	१७	१	२७
प्रजापतेर्वा एष	९	६(२)	१२
प्रजापतेश्च वै	१५	६	२६
प्रजापते श्रेष्ठेन	५	२५	१३
प्रजामृतस्य	२०	१३८	२
प्रजावतीः सूयवसे	४	२१	७
प्रजावतीः सूयसे	७	७५	१
प्रजां च वा एष	९	६(३)	५
प्रणेतारं वस्यो	२०	४६	१
प्र णो यच्छत्वर्यमा	३	२०	३
प्रणो वनिर्देवकृता	५	७	३
प्र तद्विष्णु स्तवते	७	२६	२
प्र तद्वोचेदमृतस्य	२	१४	२
प्रतिघ्नानाश्रुमु	११	९	७
प्रतिघ्नानः सं	११	९	१४
प्रति चक्ष्व वि	८	४	२५
प्रति तमभि चरयो	२	११	३
प्रतितिष्ठ विरा	१४	२	१५
प्रति दह यातुधानान्	१	२८	२
प्रतिष्ठेह्मभवतं	४	२६	२
प्रति स्मरेथां तुज	८	४	७
प्रतीची दिग्वरुणो	३	२७	३
प्रतीची दिशामिय	१२	३	९
प्रतीचीन आङ्गिर	१०	१	६
प्रतीचीनफलो	७	६५	१
प्रतीची सोममसि	७	३८	३
प्रतीचीं त्वा प्रती	९	३	२२
प्रतीच्या दिशः	९	३	२७
प्रतीच्यां त्वा दिशि	१८	३	३२

	कां०	सू०	मं०
प्राजापत्यो वा	६	६(२)	११
प्राण प्राणं त्राय	१९	४४	४
प्राण मा मत् पर्या	११	४	२६
प्राणमाहुर्मातरिश्वा	११	४	१५
प्राणापानौ चक्षुः	११	७	२५
प्राणापानौ चक्षुः	११	८	४
प्राणापानौ चक्षुः	११	८	२६
प्राणापानौ मा	१६	४	५
प्राणापानौ मृत्यो	२	१६	१
प्राणापानौ व्रीहियव	११	४	१३
प्राणाय नमो यस्य	११	४	१
प्राणायान्तरिक्षा	६	१०	२
प्राणे त्वा द्विपदां	८	२	४
प्राणेन प्राणतां	३	३१	९
प्राणेन विश्वतो	३	३१	७
प्राणेनाग्निं सं	१९	२७	७
प्राणेनाग्ने चक्षुषा	५	३०	१४
प्राणेनात्मादेना	१५	१४	२२
प्राणो अपानो	१८	२	४६
प्राणो मृत्युः	११	४	११
प्राणो विराट्	११	४	१२
प्राणः प्रजा अनु	११	४	१०
प्रातरग्निं प्रात	३	१६	१
प्रातर्जितं भगमुग्रं	३	१६	२
प्रातःप्रातर्गृहपति	१९	५५	४
प्रान्यान्त्सपत्ना	७	३५	१
प्रामू जयाभी	६	१२६	३
प्रास्मत् पाशान् वरुण	७	८३	४
प्रास्मत् पाशान् वरु	१८	४	७०
प्रास्मदेनो वहन्तु	१६	१	११
प्रिया तष्टानि मे	२०	१२६	५
प्रिया प्रियाणि	१०	२	६
प्रियास इत्ते मघ	२०	३७	८
प्रियं पशूनां भ	१२	४	४०
प्रियं मा कृणु देवेषु	१९	६२	१
प्रियं मा दर्भ	१९	३२	८
प्रियं प्रियाणां	१२	३	४९
प्रेता जयता नरः	३	१९	७
प्रेतो मुञ्चामि ना	१४	१	१८
प्रेतो यन्तु व्याध्यः	७	११४	२
प्रेतं पादौ प्रस्फुरतं	१	२७	४
प्रेन्द्रस्य वोचं प्रथ	२०	८७	५
प्रेमां मात्रां	१८	२	३८
प्रेरय सूरो अर्थं	२०	७६	५
प्रेव पिपतिषति	१२	२	५२
प्रेहि प्रेहि पथिभिः	१८	१	५४
प्रैणाञ्छृणीहि	१०	३	२
प्रैणाञ्नुदे मनसा	३	६	८
प्रैषा यज्ञे निविदः	५	२६	४
प्रोग्रां पीतिं वृष्ण	२०	२५	७
प्रोग्रां पीतिं वृष्ण	२०	३३	२
प्रोष्ठेशयास्तल्पे	४	५	३
प्रोष्वस्मै पुरोरथ	२०	९५	२

ब

	कां०	सू०	मं०
बट् सूर्य श्रवसा	२०	५८	४
बण्महाँ असि सूर्य	१३	२	२९
बण्महाँ असि सूर्य	२०	५८	३
बतो बतासि यम	१८	१	१५
बद्ध वो अघा इति	२०	१२९	१६
बन्धस्त्वाग्रे	१९	५६	२
बभ्रे रक्षः समदमा	११	१	३२
बभ्रेरध्वर्योमुख	११	१	३१
बभ्रोरर्जुनका	२	८	३
बर्हिर्वा यत् स्वप	२०	२५	६

	कां०	सू०	मं०
बर्हिषदः पितरः	१८	१	५१
बलमसि बलं मे	२	१७	३
बलविज्ञायः स्थविरः	१९	१३	५
बलेनान्नादेनान्नम	१५	१४	४
बहिर्बिलं निर्द्रवतु	९	८	११
बह्वी३दं राजन् वरु	१९	४४	८
बलादेकमणीय	१०	८	२५
बालास्ते प्रोक्षणीः	१०	९	३
बुध्येम शरदः शतम्	१९	६७	३
वृषभं वाजिनं वयं	७	८०	२
बृहच्च रथंतरं	१५	३	५
बृहच्च रथंतरं	८	१०(२)	६
बृहतश्च वै स	१५	२	४
बृहता मन उप ह्वये	५	१०	८
बृहती परि मात्राया	८	९	५
बृहतेच वै स रथ	१५	२	३
बृहतः परि सामानि	८	९	४
बृहत् ते जालं	८	८	७
बृहत् पलाशे सुभगे	६	३०	३
बृहद्न्यतः पक्ष	१३	३	१२
बृहदायवनं रथन्त	११	३	१६
बृहदेवमनु वस्ते	१३	३	११
बृहद्धि जालं	८	८	६
बृहद् गावासुरेभ्यो	१६	५६	३
बृहन्तो नाम ते देवा	१०	७	२५
बृहन्नेषामधिष्ठाता	४	१६	१
बृहस्पतिना०।ते	१४	२	५४
बृहस्पतिना०।प	१४	२	५७
बृहस्पतिना०।भ	१४	२	५५
बृहस्पतिना०।य	१४	२	५६
बृहस्पतिनाव०।व	१४	२	५३
बृहस्पतिनाव०।र	१४	२	५८
बृहस्पतिरमत	२०	१६	७
बृहस्पतिराङ्गिर	११	१०	१३
बृहस्पतिराङ्गिर	११	१०	१०

	कां०	सू०	मं०
बृहस्पतिरूर्जयो	६	६ (५)	२
बृहस्पतिर्नः परि	७	५१	१
बृहस्पतिर्नः परि	२०	१७	११
बृहस्पतिर्नः परि	२०	८९	११
बृहस्पतिर्नः परि	२०	९४	११
बृहस्पतिर्मः आकू	१६	५	४
बृहस्पतिर्म आत्मा	१६	३	५
बृहस्पतिर्मा वि	१६	१७	१०
बृपस्पतिं ते विश्व	१६	१८	१०
बृहस्पतिः प्रथमं	२०	८८	४
बृहस्पतिः प्रथमः	१४	१	५५
बृहस्पतिः समज-	२०	९०	३
बृहस्पतिः सविता	९	४	१०
बृहस्पते परि दीया	१९	१३	८
बृहस्पते या परमा	२०	८८	३
बृहस्पते युवमिन्द्र	२०	१७	१२
बृहस्पते युवमिन्द्र	२०	८७	७
बृहस्पते सवित	७	१६	१
बोधश्च त्वा प्र	८	१	१३
बोधा सु मे मघवन्	२०	११७	३
ब्रध्नलोको भवित	११	३	५१
ब्रध्नः समीची	७	२२	२
ब्रह्मगवी पच्यमाना	५	१६	४
ब्रह्म च क्षत्रं च	६	७	९
ब्रह्म च क्षत्रं तच्च	१२	५	८
ब्रह्म च तपश्च	१३	४	२२
ब्रह्मचर्येण कन्या	११	५	१८
ब्रह्मचर्येण तपसा	११	५	१७
ब्रह्मचर्येण तपसा	११	५	१९
ब्रह्मचारिणं पितरो	११	५	२
ब्रह्मचारी चरति	५	१७	५
ब्रह्मचारी जनयन्	११	५	७
ब्रह्मचारी ब्रह्म भ्रा	११	५	२४
ब्रह्मचारीष्णंश्च	११	५	१
ब्रह्मचार्येति समि	११	५	६

	कां	सू०	मं०		कां०	सू०	मं०
ब्रह्म जज्ञानं प्रथमं	४	१	१	ब्रह्मवादिनो वद	११	३	२६
ब्रह्म जज्ञानं प्रथमं	५	६	१	ब्रह्म श्रोत्रियमा	१०	२	२१
ब्रह्मज्येष्ठा संभृता	१९	२२	२१	ब्रह्म स्रुचो घृतव	१९	४२	२
ब्रह्मज्येष्ठा संभृता	१९	२३	३०	ब्रह्म होता ब्रह्म	१९	४२	१
ब्रह्मज्यं देवबन्ध्या	१२	५	६३	ब्रह्माणस्त्वा वयं	२०	३	३
ब्रह्मणाग्निः	२०	९६	११	ब्रह्माणस्त्वा वयं	२०	३८	३
ब्रह्मणाग्नी	१३	१	४९	ब्रह्माणस्त्वा वयं	२०	४७	९
ब्रह्मणा तेजसा	१०	६	३०	ब्रह्मापरं युज्यतां	१४	१	६४
ब्रह्मणा ते ब्रह्म	२०	८६	१	ब्रह्माभ्यावर्ते	१०	५	४०
ब्रह्मणाग्नादेना	१५	१४	२४	ब्रह्मास्य शीर्षं	४	३५	१
ब्रह्मणा परिगृही	११	३	१५	ब्राह्मण एव पतिर्न	५	१७	९
ब्रह्मणा भूमिर्वि	१०	२	२५	ब्राह्मणाँ अभ्या	१०	५	४१
ब्रह्मणा शालां	९	३	१९	ब्राह्मणेन पर्युक्ता	५	१९	२
ब्रह्मणा शुद्धा	११	१	१८	ब्राह्मणेभ्य ऋषभं	९	४	११
ब्रह्मणे स्वाहा	१९	२२	२०	ब्राह्मणेभ्यो व	१०	१०	३३
ब्रह्मणे स्वाहा	१९	२३	२९	ब्राह्मणो जज्ञे	४	६	१
ब्रह्म देवाँ अनु	१०	२	२३	ब्राह्मणो स्य मुख	१९	६	६
ब्रह्म पदवायं	१२	५	४	व्रीहिमत्तं यव	६	१४०	२
ब्रह्म प्रजापति	१९	९	१२	ब्रूमो देवं सवितारं	११	६	३
ब्रह्म ब्रह्मचारि	१९	१९	८	ब्रूमो राजानं वरुणं	११	६	२

भ

भग एव भगवाँ	३	१६	५	भद्रात् प्लक्षान्नि	५	५	५
भग प्रणेतर्भग	३	१६	३	भद्रासि रात्रि च	१९	४९	८
भगमस्या वर्च	१	१४	१	भद्राहं नो मध्य	६	१२८	२
भगस्ततक्ष चतुरः	१४	१	६०	भरद्धस्तुरिवस्तुः	१३	४	५४
भगस्ते हस्तमग्र	१४	१९	५१	भरूजि पुवर्थौ	२	२४	८
भगस्त्वेतो नयतु	१४	१९	२०	भव एनमिष्वासः	१५	५	२
भगस्य नावमारोह	२	३६	५	भव राजन् यजमा	११	२	२८
भगेन मा शांशपेन	१	१२९	१	भवारुद्रौ सयुजा	११	२	१४
भगो मा भगेनाव	१९	४५	९	भवाशर्वावस्यतां	१०	१	२३
भगो युनक्त्वाशि	५	२६	९	भवाशर्वाविदं	११	६	९
भद्रमिच्छन्त ऋष	१९	४१	१	भवाशर्वौ मन्वे	४	२८	१
भद्राद्धि श्रेयः	७	८	१	भवाशर्वौ मृडतं	११	२	१

	का०	सू०	म०
भवेम शरदः शतम्	१९	६७	६
भवो दिवो भव	११	२	२७
भसदासीदादित्या	९	४	१३
भाग्यो भववंथो	१०	८	२२
भिन्धि दर्भ सप	१६	२८	४
भिन्धि दर्भ सप	१९	२८	५
भिन्धि विश्वा	२०	४३	१
भीमा इन्द्रस्य हेतयः	४	३७	८
भीमा इन्द्रस्य हेतयः	४	३७	९
भुगित्यभिगतः	२०	१३५	१
भुवो जनस्य	२०	३६	९
भूतपतिर्निरज	२	१४	४
भूतिश्च वा अभूति	११	८	२१
भूते ह विष्मती	९	८४	२
भूतो भूतेषु पयः	४	८	१
भूतं च भविष्यच्च	१५	२	७
भूतं च भव्यं च	१३	४	२३
भूतो भूमो भूतपतिं	११	६	२१
भूमिर्मातादिति	६	१२०	२
भूमिष्ट्वा पातु	५	२८	५
भूमिष्ट्वा प्रति	३	२९	८
भूमे मातर्नि धेहि	१२	१	६३
भूमेश्च वै सो	१५	६	३
भूम्यां देवेभ्यो	१२	१	२२
भूयसी शरदः श	१६	६७	८
भूयानरात्याः श	१३	४	४७
भूयानिन्द्रो नमु	१३	४	४६
भूयेम शरदः शतं	१६	६७	७
भूरि त इन्द्र वीर्यं	२०	१५	५
भ्रातृव्यक्षयणम	२	१८	१

म

	का०	सू०	म०
मखस्य ते तविष	२०	११	२
मङ्गलिकेभ्यः	१९	२३	२८
मज्जज्ञा मा सं	४	१२	४
मतयः सोमपामुरुं	२०	२३	५
मत्स्वा सुशिप्र	२०	७१	९
मदेमदे हि मो ददि	२०	५६	४
मधु जनिषीय मधु	६	१	१४
मधुमतीरोषधी	२०	१४३	८
मधुमती स्थ मधुम	१६	२	२
मधुमन्मूलं मधु	८	७	१२
मधुन्मेनिष्क्रमणं	१	३४	३
मधुमान् भवति	६	१	२३
मधोरस्मि मधुतरा	१	३४	४
मधोःकशामजन	९	१	५
मध्यन्दिन उद्गा	९	६(५)	५
मध्यमेतदनुड्हो	४	११	८
मध्वा पृञ्चे नद्यः	५	१२	३
मध्वा यज्ञं नक्षति	५	२७	३
मनसस्पत इमं	७	९७	८
मनसाश्नादेना	१५	१४	२
मनसा सं कल्पयति	१२	४	३१
मनसा होमैर्हरसा	६	९३	२
मनसे चेतसे धिय	६	४१	१
मनो अस्या अन	१४	१	१०
मन्त्रमखर्वं सुधि	२०	५९	४
मन्थ दर्भ०	१६	२६	५
मन्युनाश्नादेना	१५	१४	२०
मन्युरिन्द्रो मन्यु	४	३२	२
मन्वे वां द्यावापृ	४	२६	१
मन्वे वां मित्रावरु	४	२९	१
मम त्वा दोषणि	६	९	२
मम देवा विहवे	५	३	३
ममाग्ने वर्चो	५	३	१
ममैवमस्तु पोष्या	१४	१	५२

	का०	सू०	म०
मेष इव वै सं च	६	४९	२
मैतं पन्थामनु	८	१	१०
मैनमग्ने वि दहो	१८	२	४
मो षु ब्रह्मेव तन्द्र	२०	६०	३
मो षु णो अत्रवद्	२०	६७	२
म्रोकानुम्रोक	२	२४	३
म्रोको मनोहा	१६	१	३

य

	का०	सू०	म०
य आक्रोशः	२०	१२८	७
य आगरे मृग	४	३६	३
य आत्मदा बलदा	४	२	१
य आत्मदा बलदा	१३	३	२४
य आत्मानमति	८	६	१३
य आदित्यं हन्त्रं	१५	१०	११
य आमं मांस	८	६	२३
य आर्षेयेभ्यो या	१२	४	१२
य आशानामाशा	१	३१	२
य आस्तेयश्चरति	४	५	५
य इन्द्र इव देवेषु	६	४	११
य इन्द्र सोमपातमो	२०	६३	७
य इन्द्रेण सरथं	३	५१	३
य इमां देवो मेखला	६	१३३	१
य इमे द्यावापृथिवी	५	१२	६
य इमे द्यावापृथिवी	१३	३	१
य इह पितरो जीवा	१८	४	८७
य ईशे पशुपतिः	२	३४	१
य ईं चकार	९	१०	१०
य उग्रीणामुग्रबाहु	४	२४	२
य उग्रः सन्ननिष्टृत	२०	५३	३
य उग्रः सन्ननिष्टृत	२०	५७	१३
य उत्तरतो जुह्वति	४	४०	४
य उद्घानट् परायणं	६	७७	२
य उदृचीन्द्रगोपा	२०	२१	११
य उपरिष्टाज्जुह्वति	४	४०	७
य उभाभ्यां प्रहरसि	७	५६	८
य उशता मनसा	२०	९६	३
य ऊरू अनुसर्प	९	८	७
य ऋते चिदभि	१४	२	४७
य ऋष्णावो देव	१९	३५	५
य एक इद्धव्यश्च	२०	३६	१
य एक इद्विदयते	२०	६३	४
य एकश्चर्षणीनां	२०	७०	१५
य एतं देवमेकवृतं	१३	४	१५
य एतं देवमेकवृतं	१३	४	२८
य एनामवशामा	१२	४	१७
य एनां वनिमायन्ति	१२	४	११
य एनं परिषीदन्ति	६	७६	१
य एनं हन्ति मृदुं	५	१८	५
य एतापरिमिताः	१५	१३	१०
य एवं विदुषे	१२	४	२३
य एवं विदुषो	१२	५	४६
य एवं विद्यात्स	१०	१०	२७
यश्चक्षुषा मनसा	६	९६	३
यच्च प्राणति प्रा	११	७	२३
यच्च वर्चो अक्षेषु	१४	१	३५
यच्चिद्धि त्वा जना	२०	८५	३
यच्चिद्धि सत्य	२०	७४	१
यच्छक्रा वाचं	२०	४९	१
यच्छयानः पर्यावर्ते	१२	१	३४
यजमानब्राह्मणं	९	६(२)	१
यजूंषि यज्ञे	५	२६	१
यज्ञामद्द यत् सुतो	१६	७	१०
यज्ञामयो यद्	१४	२	६१
यज्ञ इन्द्रमवर्धयद्	२०	२७	५

	कां०	सू०	मं०
यत् प्राण ऋतावा	११	४	४
यत् प्राण स्तनयि	११	४	३
यत् प्रेषिता वरुणे	३	१३	२
यत्र ऋषयः प्रथम	१०	७	१४
यत्र तपः पराक्र	१०	७	११
यत्र देवा ब्रह्मविदो	१०	७	२४
यत्र देवाश्च	१०	८	३४
यत्र नाव प्र भ्रंशनं	१९	३९	८
यत्र ब्रह्मविदो	१९	४३	१
यत्र ब्रह्मविदो	१९	४३	८
यत्र ब्रह्म०। आपो	१९	४३	७
यत्र ब्रह्म०। इन्द्रो	१९	४३	६
यत्र ब्रह्म०। चन्द्रो	१९	४३	४
यत्र ब्रह्म०। वायु	१९	४३	२
यत्र ब्रह्म०। सूर्यो	१९	४३	३
यत्र ब्रह्म०। सोमो	१९	४३	५
यत्र वः प्रेङ्खा	४	३७	५
यत्र लोकांश्च	१०	७	१०
यत्र स्कम्भः	१०	७	२६
यत्रादित्याश्च	१०	७	२२
यत्रामूस्तिस्रः	२०	१२९	७
यत्रामृतं च	१०	७	१५
यत्राश्वत्था	४	३७	४
यत्रा सुपर्णा	९	९	२२
यत्रा सुहार्दः सुकृतो	३	२८	५
यत्रा सुहार्दः सुकृतो	६	१२०	३
यत्रा सुहार्दः सुकृता	३	२८	६
यत्रेदानीं पश्यसि	८	३	५
यत्रैषामग्ने	१	८	४
यत् त्वा क्रुद्धाः प्र	१२	२	५
यत् त्वाभिचेरुः	५	३०	२
यत् त्वा शिक्वः परा	१०	६	३
यत् त्वा सोम प्रति	१४	१	४
यत् त्वं शीतो ऽथो	५	२२	१०
यत् समुद्रो अभ्य	१९	३०	५

	कां०	सू०	मं०
यत् सभागयति	९	६(६)	६
यत् समुद्रमनुश्रितं	१३	२	१४
यत् सुपर्णा विवक्षवो	२	३०	३
यत् सोममिन्द्र	२०	१११	१
यत् संयमो न वि	४	३	७
यत् स्वप्ने अन्न	७	१०१	१
यथा कलां यथा शफं	६	४६	३
यथा कलां यथा शफं	१९	५७	१
यथा खरो मघवं	२	३६	४
यथाग्ने त्वं वनस्पते	१९	३१	९
यथा चक्रुर्देवासुरा	६	१४१	३
यथाज्यं प्रगृहीत	१२	४	३४
यथा त्वमुत्तरो सो	१९	४६	७
यथादित्या वसुभिः	६	७४	३
यथा देवा असुरान्	९	२	१८
यथा देवेष्वमृतं	१०	३	२५
यथा द्यां च पृथिवीं	१	२	४
यथा द्यौश्च पृथिवी	२	१५	१
यथा नकुलो वि	६	१३९	५
यथा नडं कशिपुने	६	१३८	५
यथा पसस्तायादरं	६	७२	२
यथा प्रधिर्यथो	६	७०	३
यथा प्राण बलि	११	४	१९
यथा बीजमुर्व	१०	६	३३
यथा ब्रह्म च क्षत्रं	२	१५	४
यथा भूतं च भव्यं	२	१५	६
यथा भूमिर्मृतमना	६	१८	२
यथा मक्षा इदं	९	१	१७
यथा मधु मधुकृतः	९	१	१६
यथा मनो मनस्केतै	६	१०५	१
यथा मम स्मरादसौ	६	१३०	३
यथा मांसं यथा	६	७०	१
यथा मृगाः सं वि	५	२१	४
यथा यमाय हर्म्य	१८	४	५५
यथा यशश्चन्द्र	१०	३	१८

	कां०	सू०	मं०		कां०	सू०	मं०
यथा यशो अग्नि	१०	३	२२	यथा सोमस्तृतीये	९	१	१३
यथा यशो यजमा	१०	३	२३	यथा सोमो द्वितीये	९	१	१२
यथा यशः कन्या	१०	३	२०	यथा सोमः प्रातः	९	१	११
यथा यशः पृथि	१०	३	१९	यथा हम ते विराह	४	४	३
यथा यशः प्रजाप	१०	३	२४	यथा हव्यं वहसि	४	२३	२
यथा यशः सोम	१०	३	२१	यथा हस्त्य वाशी	२	१५	२
यथायाद् यमसाद	१२	५	६४	यथा हस्ती हस्तिन	६	७०	२
यथायं वाहो अश्विना	६	१०२	१	यथाहान्यनुपूर्वं	१२	२	२५
यथा वाणः सुसं	६	१०५	२	यथेदं भूम्या अधि	२	३०	१
यथा वातश्च्या	१०	३	१४	यथेन्द्र उद्वाचनं	५	८	८
यथा वातेन	१०	३	१५	यथेन्द्रो द्यावापृ	६	५८	२
यथा वातो	१०	३	१३	यथेमे द्यावापृथिवी	६	८	३
यथा वातो यथा	१	११	६	यथेयं पृथिवी मही	५	२५	२
यथा वातश्च्या	१०	१	१३	यथेयं पृथिवी मही	६	१७	१
यथा वृकादजावय	५	२१	५	यथेयं पृथिवी मही	६	१७	२
यथा वृक्षमशनि	७	५०	१	यथेयं पृथिवी मही	५	२५	३
यथा वृक्षं लिबुजा	६	८	१	यथेयं पृथिवी मही	६	१७	४
यथा वृत्र इमा	६	८५	३	यथेषुका परापतद्	१	३	९
यथा शेपो अपा	७	९०	३	यथोदकमपपुषो	६	१३९	४
यथा शेवधिर्नि	१२	४	१४	यदन्तु वदा यत्	१२	३	५२
यथा शाम्याकः	१९	५०	४	यदन्न यथा समिति	१८	१	२६
यथा श्येनात् पतत्रि	५	२१	६	यदग्निरापो अदहत्	१	२५	१
यथाश्वत्थ निरभ	३	६	३	यदग्ने अद्य मिथुना	८	३	१२
यथाश्वत्थ वानस्प	३	६	६	यदग्ने अद्य मिथुना	१०	५	४८
यथा सत्यं चानृतं	२	१५	५	यदग्ने तपसा तप	७	६१	१
यथा सिन्धुर्नदी	१४	१	४३	यदग्ने यानि कानि	१९	६४	३
यथासितः प्रथयते	६	७२	१	यदग्नौ सूर्यं विषं	१०	४	२२
यथा सुपर्णः प्रपतन्	६	८	२	यद्दीव्यन्नृणमहं	६	११९	१
यथा सूर्यश्चन्द्र	२	१५	३	यद्द्योऽद्यो अभय	१६	७	९
यथा सूर्यस्य रश्मयः	६	१०५	३	यद्दो देवा असु	४	१९	४
यथा सूर्यो नक्षत्राणा	७	१३	१	यद्दः संप्रयति	३	१३	१
यथा सूर्यो मुच्यते	१०	१	३२	यदद्य कच्च वृत्रहन्	२०	११२	१
यथा सूर्यो अतिभाति	१०	३	१७	यदद्य त्वा प्रयति	७	९७	१
यथा सो अस्य परि	५	१९	३	यदद्य वां नास.	२०	१४०	४
यथा सोम ओषधी	६	१५	३	यद्वा राजि सुभ	१९	५०	६

	कां०	सू०	म०
यदि पञ्चवृषोसि	५	१६	५
यदि प्रेयुर्देव	५	८	६
यदि प्रेयुर्देव	११	१०	१७
यदि वासि त्रैककुदं	४	६	१०
यदि वासि देव	५	१४	७
यदि वासि तिरो	७	३८	५
यदि वाहमनृतदेवो	८	४	१४
यदि वृत्तादभ्य	६	१२४	२
यदि शोको यदि	१	२५	३
यदि षड्वृषोसि	५	१६	६
यदि सप्तवृषोसि	५	१६	७
यदि स्त्री यदि वा	५	१४	६
यदि स्थ क्षेत्रियाणां	२	१४	५
यदि स्थ तमसा	१०	१	३०
यदि हुतां यदि	१२	४	५३
यदीदिदं मरुतो	४	२७	६
यदीदं मातुर्यदि	६	११६	३
यदीमे केशिनो	१४	२	५९
यदीयं दुहिता	१४	२	६०
यदीयं हनत् कथं ह	२०	१३२	१०
यदुदञ्चो वृषा	२०	१२६	२२
यदुदरं वरुणं	१०	१०	२२
यदुदीरत आज	२०	५६	३
यदुपरिशयनमाह	६	६(१)	६
यदुपस्तृणन्ति	६	६(१)	८
यदुवक्थानृतं	१	१०	३
यदुषो यासि भानुना	२०	१४२	३
यदुस्त्रियास्वाहुतं	७	७३	४
यदेजति पतति	१०	८	११
यदेनमाह व्रात्य	१५	११	३
यदेनमाह व्रात्यो	१५	११	४
यदेनमाह व्रात्य	१५	११	५
यदेनमाह व्रात्य	१५	११	६
यदेनमाह व्रात्य	१५	११	८
यदेनमाह व्रात्य	१५	११	१०

	कां०	सू०	म०
यदेनसो मातृकृता	५	३०	४
यद्गायत्रे अधि	६	१०	१
यद्गिरामि सं गिरा	६	१३५	३
यद्गिरिषु पर्वतेषु	६	१	१८
यद् दण्डेन यदिष्वा	५	५	४
यद् दक्षिणे प्रदिवि	२०	८७	२
यद् दारुणि बध्यसे	६	१२१	२
यद् दुद्रोहिथ शेपिषे	५	३०	३
यद् दुर्भगां प्रस्नपि	१०	१	१०
यद् दुष्कृतं यच्छमलं	७	६५	२
यद् दुष्कृतं यच्छमलं	१४	२	६६
यद् देवा देवहेडनं	६	११४	१
यद् देवा देवान्	७	५	३
यद् देवासो ललाम	२०	१३६	४
यद्ध प्राचीरज	२०	१३७	४
यद्धस्ताभ्यां च	६	११८	१
यद् धावसि त्रियो	६	१३१	३
यद्धिरण्यं सूर्येण	१६	२६	२
यद् ब्रह्मभिर्यदृषि	६	१२	२
यद् भद्रस्य पुरुष	२०	१२८	३
यद्यग्निः क्रव्या	१२	२	४
यद्यज्ञाया पचति	१२	३	३६
यद्यत् कृष्णः शकु	१२	३	१३
यद्यन्तरिक्षे यदि	७	६६	१
यद्यर्चिर्यदि	१	२५	२
यद्यष्टवृषोसि	५	१६	८
यद्ग्रामं चकुनर्नि	६	११६	१
यद्द्याव इन्द्र ते शतं	२०	८१	१
यद्द्याव इन्द्र ते शतं	२०	६२	२०
यद्येकवृषोसि	५	१६	११
यद्येकादशोऽसि	५	१६	११
यद्येयथ द्विपदी	१०	१	२४
यद् योधया महतो	२०	८७	४
यद् राजानो विभ	३	२६	१
यद् रिप्रं शमलं	१२	२	४०

	कां०	सू०	म०
यस्त्वा स्वप्ने नि	८	६	७
यस्त्वोवाच	१०	१	७
यस्मा ऋणं यस्य	६	११८	३
यस्मात् कोषादुद	१९	७२	१
यस्मात् पक्वादमृतं	४	३५	६
यस्मादृचो अपात	१०	७	२०
यस्माद् वाता ऋतु	१३	३	२
यस्मान्न ऋते विज	२०	३४	९
यस्मान्मासा	४	३५	४
यस्मिन् षडुर्वी	१३	३	६
यस्मिन्त्समुद्रो	११	३	२०
यस्मिन्त्स्तब्ध्वा	१०	७	७
यस्मिन् देवा अमृ	१२	२	१७
यस्मिन् देवा मन्म	१८	१	३६
यस्मिन् देवा विद	१८	१	३५
यस्मिन्नुक्थानि	२०	४४	२
यस्मिन् भूमिरन्त	१०	७	१२
यस्मिन् वयं दधिमा	२०	८९	६
यस्मिन् विराट्	१३	३	५
यस्मिन् विश्वा	२०	११०	२
यस्मिन् वृक्षे मध्वदः	९	९	२१
यस्मै त्वा यज्ञवर्धन	१०	६	३४
यस्मै हस्ताभ्यां	१०	७	३९
यस्य कुरमो	६	५	३
यस्य कूरमभजन्त	१९	५६	५
यस्य चतस्रः	१०	७	१६
यस्य जुष्टिं	४	२४	५
यस्य तक्मा कासि	११	२	२२
यस्य ते वासः	२	१३	५
यस्य ते विश्वमा	२०	४३	३
यस्य त्रयस्त्रिंशद् दे	१०	७	१३
यस्य त्रयस्त्रिंशद् दे	१०	३	२७
यस्य त्रयस्त्रिंशद् दे	१०	७	२७
यस्य देवा अक	११	३	२१
यस्य द्यौरुर्वी	४	२	४
यस्य द्विबर्हसो बृह	२०	६१	५
यस्य द्विबर्हसो बृह	२०	६२	९
यस्य नेशे यज्ञप	४	११	५
यस्य ब्रह्म मुख	१०	७	१९
यस्य भीमः प्रतीका	९	८	६
यस्य भूमिः प्रमा	१०	७	३२
यस्य वशास	४	२४	४
यस्य वातः प्राणा	१०	७	३४
यस्य विश्वे हिम	४	२	५
यस्य व्रते पशवो	७	४०	१
यस्य शिरो वै	१०	७	१८
यस्य सूर्यश्चक्षु	१०	७	३३
यस्य संस्थेन	२०	१६९	२
यस्य हेतोः प्रच्यव	९	८	३
यस्याश्वतस्रः	१२	१	४
यस्याङ्ग्जन प्रसर्प	४	९	४
यस्यामन्नं व्रीहि	१२	१	४२
यस्यामापः परि	१२	१	९
यस्यामितानि	२०	६५	३
यस्याश्वासः	२०	३४	७
यस्यास्त आसनि	६	८५	१
यस्यां कृष्णमरु	१२	१	५२
यस्यां गायन्ति	१२	१	४१
यस्यां पूर्वे पूर्वजना	१२	१	५
यस्यां पूर्वे भूतकृत	१२	१	३९
यस्यां वृक्षावान	१२	१	२७
यस्यां वेदिं परि	१२	१	१३
यस्यां सदोह	१२	१	३८
यस्यां समुद्र उत	१२	१	३
यस्याः पुरो देव	१२	१	४३
यस्येदमारजो	६	३३	१
यस्येदं प्रदिशि	४	२३	७
यस्येदं प्रदिशि	७	२५	२
यस्योरुषु त्रिषु	७	२६	३
या अकृन्तन्नव	१४	१	४५

	कां०	सू०	म०
युनक्त सीरा वि युगा	३	१७	२
युनक्तु देवः सविता	५	२६	२
युनज्मि त उत्तरा	४	२२	५
युवं भगं संभरतं	१४	१	३१
युवं श्रियमश्वि	२०	१४३	२
युवं सुराममश्वि	२२	१२५	४
यूयमग्ने शतमाभि	१८	४	१०
यूयमुग्रा मरुतः	१३	१	३
यूयमुग्रा मरुतः	५	२१	११
यूयमुग्रा मरुतः	३	१	२
यूयं गावो मेदयथा	४	२१	६
यूयं नः प्रवतो	१	२६	३
ये अग्नयो अप्स्व	३	२१	१
ये अग्नजा ओष	१०	४	२३
ये अग्निदग्धा ये	१८	२	३५
ये अग्रवः शशमा	१८	२	४७
ये अङ्गानि मदयन्ति	९	८	१९
ये अग्रयो अङ्गिर	१८	३	२०
ये अन्ता यावतीः	१४	२	५१
ये अपीषन् ये	३	६	७
ये अमृतं बिभृथो	४	२६	४
ये अग्नो जातान्	८	६	१९
ये अर्वाङ् मध्य	१०	८	१७
ये अर्वाञ्चस्ताँ	९	९	१९
ये उस्रिया बिभृथो	४	२६	५
ये कीलालेन तर्पय	४	२६	६
ये कीलालेन तर्पय	४	२७	५
ये कुकुन्धाः कुकू	८	६	११
ये क्रिमयः पर्वतेषु	२	३१	५
ये क्रिमयः शिति	५	२३	५
ये गन्धर्वा अप्सर	१२	१	५०
ये गर्भा अवपद्यन्ते	५	१७	७
ये गव्यता मनसा	२०	८३	२
ये गोपतिं पराणी	१२	४	५२
ये ग्रामा यदरण्यं	१२	१	५६

	कां०	सू०	म०
ये ग्राम्याः पशवो	२	३४	४
ये च जीवा ये च मृता	१८	४	५७
ये च देवा अयज	२०	१२८	५
ये च धीरः ये चाधी	११	९	२२
येचित् पूर्व ऋत	१८	२	१५
ये त आरण्याः	१२	१	४९
ये त आसन् दश	११	८	१०
ये त आसीद् भूमिः	११	८	७
ये तातृषु देवत्रा	१८	३	४७
ये ते देवि शमिता	१०	९	७
ये ते नाड्यौ देवकृते	६	१३८	४
ये ते पन्थानो व दिवो	७	५५	१
ये ते पन्थानो बहवो	१२	१	४७
ये ते पाशा वरुण	४	१६	६
ये ते पूर्वे परागता	१८	३	७२
ये ते रात्रि नृचक्ष	१९	४७	३
ये ते रात्र्यनड्वाह	१९	५०	२
ये ते शृङ्गे अजरे	८	३	२५
येत्र पितरः पितरो	१८	४	८६
ये त्रयः कालका	६	८०	२
ये त्रिषप्ताः परि	१	१	१
ये त्वा कृत्वा	१२	१	९
ये त्वामिन्द्र न तु	२०	११५	३
ये त्वा श्वेता	२०	१२८	१६
ये दक्षिणतो जुह्व	४	४०	२
ये दस्यवः पितृषु	१८	२	२८
ये दिवि पुण्या	१५	१३	६
ये दिशामन्तर्देशे	४	४०	८
ये देवा अन्तरिक्ष	१९	२७	१२
ये देवा दिविषदो	१०	९	१२
ये देवा दिविषदो	११	६	१२
ये देवा दिवि ष्ठ ये	१	३०	३
ये देवा दिव्येकाद	१९	२७	११
ये देवानामृत्वि	१९	११	५
ये देवानामृत्वि	१९	५८	६

	कां०	सू०	म०
यो दाधार पृथिवीं	४	३५	३
यो देवाः कृत्या	४	१८	२
यो देवो विश्वाद्य	३	२१	४
यो न इदमिदं	२०	६२	३
यो न इदमिदं	२०	१४	३
यो न जीवोसि	६	४६	१
यो नस्तायद् दिप्सति	८	१०८	१
योऽनाक्ताक्षो	२०	१२८	६
यो नो अग्निगार्हि	१९	३१	२
यो नो अग्निः	१२	२	३३
यो नो अश्वेषु	१२	२	१५
यो नो दिप्सद्	४	३६	२
यो नो धुर्वे धनमिदं	३	१०९	५
यो नो द्वेषत् पृथि	१२	१	१४
यो नो भद्राहमकरः	६	१२८	४
यो नो मर्तो मरुतो	७	७७	२
यो नो रसं दिप्सति	८	४	१०
यो नः पाप्मन् न	६	२६	२
यो नः शपादशपतः	६	३७	३
यो नः शपादशपतः	७	५९	१
यो नः सुप्तान् जाग्र	७	१०८	२
यो नः सोम सुशं	६	६	२
यो नः सोमाभि	६	६	३
यो नः स्वो यो	१	१९	३
योऽन्तरिक्षे ति	११	२	२३
योऽप्स्वग्नि	१६	१	७
योऽभि यातो नि	११	२	१३
यो भूतं च भव्यं च	१०	८	१
यो ममार प्रथमो	१८	३	१३
यो मा पाकेन	८	४	८
यो माभिच्छाय	१२	१	५७
यो मायातुं यातु	८	४	१६
यो मारयति प्रा	१३	३	३
यो यज्ञस्य प्रसा	१३	१	६०
यो रक्षांसि निजू	६	३४	२

	कां०	सू०	म०
यो रध्रस्य चोदि	२०	३४	६
यो राजा चर्षणी	२०	९२	१६
यो राजा चर्षणी	२०	१०५	४
यो रायोऽवनिर्म	२०	६८	१०
यो रोहितो वृषभः	१३	१	२५
यो व आपोऽग्नयः	१६	१	८
यो व आपोऽपाम	१०	५	२०
यो व आपोऽपाम्	१०	५	१६
यो व आपोऽपां भा	१०	५	१५
यो व आपोऽपां व	१०	५	१७
यो व आपोऽपां वृष	१०	५	१८
यो व आपोऽपां हि	१०	५	१९
यो व अभिभुवं	९	५	३६
यो वा उद्यन्तं	९	५	३५
यो वाचा विवा	२०	७३	६
यो विद्यात् सप्त	१०	१०	२
यो विद्यात् सूत्रं	१०	८	३७
यो विद्याद् ब्रह्म	९	६(१)	१
यो विश्वचर्षणि	१३	२	२६
यो विश्वाभि	६	३४	४
यो वेतसं हिरण्य	१०	७	४१
यो वेदानडुहो	४	११	९
यो वेहतं मन्यमा	१२	४	३८
यो वै कशायाः	९	१	२२
यो वै कुर्वन्तं	९	५	३२
यो वै तां ब्रह्मणो	१०	२	२९
यो वै ते विद्यादर	१०	८	२०
यो वै नैदाघं	९	५	३१
यो वै पिन्वन्तं	९	५	३४
यो वै संयन्तं	९	५	३३
यो वः शिवतमो	१	५	२
यो वः शुष्मो	६	७३	२
योव्यतीँरफाणयत्	२०	९२	१०
योऽस्मान् द्वेष्टि यं	७	८१	५
योऽस्मान् द्वेष्टि त	१६	७	५

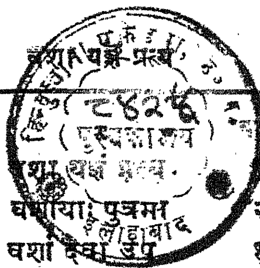
	कां०	सू०	म०
योऽस्मान् ब्रह्मण	६	६	१
योऽस्मांश्चक्षुषा	५	६	१०
योस्य दक्षिणः	१५	१८	२
यो हत्वा हि मरि	२०	३४	३
यो हरिमा जाया	१९	४४	२
यौ त ऊरू	१०	९	२१
यौ त ओष्ठौ	१०	९	१४
यौ ते दूतौ	६	२९	२
यौ ते बलास	६	१२७	२
यौ ते बाहू	१०	९	१९
यौ ते मातोन्म	८	६	१
यौ ते श्वानौ यम	१८	२	१२
यो भरद्वाजमवथो	४	२९	५
यौ मेधातिथी	४	२९	६
यौ व्याघ्रावववरूढौ	६	१४०	१
यौ श्यावाश्वमवथो	४	२९	४
यं क्रन्दसी अवत	४	२	३
यं क्रन्दसी संयती	२०	३४	८
यं ग्राममाविशत	४	३६	८
यं ते मन्थं यमो	१८	४	४२
यं त्वमग्ने समदह	१८	३	६
यं त्वा पृषती	१३	१	२१
यं त्वा वेद पूर्व	१९	३९	९
यं त्वा होतारं	३	२१	५
यं देवा अंशुमा	७	८१	६
यं देवाः पितरो	१०	६	३२
यं देवाः स्मर	६	१३२	१
यं द्विष्मो यश्च	१६	६	४
यं निदधुर्वनस्पतौ	३	५	३
यं परिहस्तमबि	६	८१	३
यं बल्वजं न्यस्यथ	१४	२	२२
यं ब्राह्मणे निदधे	९	५	१९
यं मित्रावरुणौ	६	१३२	५
यं मे दत्तो भागं	१४	२	४२
यं याचाम्यहं	५	७	५

	कां०	सू०	म०
यं वयं मृगयामहे	१०	५	४२
यं वातः परि शुम्भ	१३	१	५१
यं वां पिता	१२	३	५
यं विश्वे देवाः	६	१३२	२
यं स्मा पृच्छन्ति	२०	३४	५
यः कीकसाः प्रशृ	७	७६	३
यः कुक्षिः सोमपा	२०	७१	३
यः कुमारी पिंग	२०	१३६	१६
यः कृणोति मृत	८	६	९
यः कृणोति प्रमो	९	८	४
यः कृत्याकृन्मूल	४	२८	६
यः कृष्णकेश्यसुर	८	६	५
यः परस्याः परा	६	३४	३
यः परुषः पारुषे	५	२२	३
यः पर्वतान् व्यदद्	२०	१२८	१४
यः पौरुषेयेण	८	२	१५
यः पृथिवीं बृहस्त	१५	१०	९
यः पृथिवीं व्यथ	२०	३४	२
यः प्रथमः कर्म	४	२४	६
यः प्रथमः प्रवत	६	२८	३
यः प्राणतो निमिष	४	२	२
यः प्राणदः प्राण	४	३५	५
यः प्राणेन द्यावा	१३	३	४
यः शतौदनां	१०	९	४
यः शम्बरं पर्यत	२०	३४	१२
यः शम्बरं पर्वतेषु	२०	३४	११
यः शश्वतो मह्येनो	२०	३४	१०
यः श्रमात् तपसो	१०	७	३६
यः सपत्नो यो	१	१९	४
यः सप्तरश्मिर्वृष	२०	३४	१३
यः सभेयो विद	२०	१२८	१
यः समाभ्यो ३ वरु	४	१६	८
यः सहमानश्चरसि	३	६	४
यः सुन्वते पचते	२०	३४	१८
यः सुन्वन्तमवति	२०	३४	१५

र

ल

व


८४२६ (पुस्तकालय) लाहाबाद

	का०	सू०	म०
वशा यज्ञं प्रत्यं	[illegible]०	१०	२५
वशायाः पुत्रमा	२०	१३०	१५
वशा देवा उप	१०	९०	३४
वषट्कारेण	१५	१४	१८
वषट् ते पूषन्नस्मि	१	११	१
वषड्ढुतेभ्यो	७	९७	७
वसवस्त्वा दक्षिणत	१०	९	८
वसोरिन्द्रं वसु	२०	७१	१५
वसोर्या धारा	१२	३	४१
वस्यो भूयाय	१६	९	४
वाङ्म आसन्न	१९	६०	१
वाचमष्टापदीमहं	२०	४२	१
वाचस्पत ऋतवः	१३	१	१८
वाचस्पते पृथिवी	१३	१	१७
वाचस्पते सौमन	१३	१	१९
वाजस्य नु प्रसवे	३	२०	८
वाजेषु सासहिर्भ	२०	१९	६
वाजस्य नु प्रसवे	७	६	४
वाङ्क मे तन्वं	६	९	१
वात इव वृक्षान्नि	१०	१	१७
वातरंहा भव	६	९२	१
वाताज्जातो अन्त	४	१०	१
वातात् ते प्राणमविदं	८	२	३
वातं ब्रूमः पर्जन्य	११	६	६
वानस्पत्या ग्रावा	३	१०	५
वानस्पत्यः संभृत	५	२१	३
वायुरन्तरिक्षस्या	५	२४	८
वायुरन्तरिक्षेणा	१९	१९	२
वायुरमित्राणा	११	१०	१६
वायुरेनाः समाकर	६	१४१	१
वायुर्मान्तरिक्षे	१६	१७	२
वायुं तेऽन्न ह्य	१६	१८	२
वायो यत् ।प	२	२०	१
वायो य तेज	२	२०	५
वायो ः ऽर्चि	२	२०	३
वायो यत्ते शोचि	२	२०	४
वायो यत्ते हर	२	२०	२
वायोः पूतः पवित्रेण	६	५१	१
वायोः सवितुर्वि	४	२५	१
वारिदं वारयातै	४	७	१
वार्ण त्वा यव्या	२०	१००	२
वार्त्रहत्याय शवसे	२०	१९	१
वार्षिकावेनं	१५	४	९
वार्षिकौ मासौ	१५	४	८
वाव्रात च महिषी	२०	१२८	११
वावृधानस्य ते वयं	२०	२७	६
वावृधानः शवसा	२०	१०७	५
वावृधानः शवसा	५	२	२
वासन्तावेनं	१५	४	३
वासन्तौ मासौ	१५	४	२
वि ग्राम्याः पशव	३	३१	३
वि चिद्वृत्रस्य दो	२०	१०७	३
विचिन्वतामाकि	४	३८	२
वि जिहीष्व बार्हं	५	२५	९
वि जिहीष्व लोकं	६	१२१	४
विजेषकृदिन्द्र	४	३१	५
वि ज्योतिषा बृहता	८	३	२४
वि तर्तूर्यन्ते मघव	२०	८५	४
विततौ किरणौ द्वौ	२०	१३३	१
वि तिष्ठध्वं मरुतो	८	४	१८
वि तिष्ठन्तां मातुर	१४	२	२५
वि ते भिनद्मि	१	११	५
वि ते मदं मदावति	४	७	४
वि ते मुञ्चामि	७	७८	१
वि ते हनव्यां	६	४३	३
वि त्वा ततस्रे मिथु	२०	७२	२
वि त्वा ततस्रे मिथु	२०	७५	१
विदुष्टे अस्य वीर्य	२०	७५	२
विद्वस्त्वा महान	२०	१२६	१४
वि देवा जरसा	३	३१	१
विश्व ते सभे नाम	७	१२	२

	कां०	सू०	मं०
विद्म ते सर्वाः परि	१९	५६	६
विद्म ते स्वप्न जनित्रमभूत्याः	१६	५	५
विद्म ते स्वप्न जनित्रं ग्राह्याः	१६	५	१
विद्म ते स्वप्न जनित्रं देवजामीनां	६	४६	२
विद्म ते स्वप्न जनित्रं देवजामीनां	१६	५	८
विद्म ते स्वप्न जनित्रं निर्ऋत्याः	१६	५	४
विद्म ते स्वप्न जनित्रं निर्भूत्याः	१६	५	६
विद्म ते स्वप्न जनित्रं पराभूत्याः	१६	५	७
विद्म वै ते जायान्य	७	७६	५
विद्मा शरस्य पितरं चन्द्रं	१	३	४
विद्मा शरस्य पितरं पर्जन्यं भूरि	१	२	१
विद्मा शरस्य पितरं पर्जन्यं शत	१	३	१
विद्मा शरस्य पितरं मित्रं शत	१	३	२
विद्मा शरस्य पितरं वरुणं	१	३	३
विद्मा शरस्य पितरं सूर्यं	१	३	५
विद्मा हि त्वा	२०	२४	६
वि द्यामेषि रजस्पृ	१३	२	२२
वि द्यामेषि रजस्पृ	२०	४७	१९
विद्याश्च वा अवि	११	८	२३
विद्युज्जिह्वा मरुतो	९	७	३
विद्युत् पुंश्चली	१५	२	२५
विद्योतमानः	९	६(५)	७

	कां०	सू०	मं०
विद्रधस्य बलास	६	१२७	१
विधु दद्राणं	९	१०	९
विध्य दर्भ सपत्नान्	१९	२८	१०
विध्याम्यासां प्र	७	७४	२
वि न इन्द्र मृधो जहि	१	२१	२
विपश्चितं तरणिं	१३	२	४
विभिद्या पुरं शय	२०	६१	५
विभिन्दती शत	४	१९	५
विभ्राजं ज्योति	२०	६२	७
वि मिमीष्व पय	१३	१	२७
विमृग्वरीं पृथि	१२	१	२९
विमोकश्च मार्द्रप	१६	३	४
वि य और्णोत्पृथि	१३	३	२२
वि रक्षो वि मृधो	१	२१	३
विराजश्च वै स	१५	६	२३
विराजाम्नाद्या	१५	१४	१०
विराडग्नेसमभ	१९	६	९
विराड् वा इदमग्र	८	१०(१)	१
विराड् वाग् विराट्	९	१०	२४
वि रोहितो अमृश	१३	१	८
विलपन्तु यातुधा	१	७	३
विलिप्ती या बृह	१२	४	४६
विलिप्त्या बृहस्प	१२	४	४४
विलोहितो अधि	१२	४	४
विवस्वान् नो अभयं	१८	३	६१
विवस्वान् नो अमृ	१८	३	६२
विवाहां ज्ञातीन्त्स	१२	५	४४
विशां च वै स सब	१५	८	३
विशंविशं मघवा	२०	१७	६
विश्वकर्माणं ते	१९	१८	७
विश्वकर्मा मा सप्त	१९	१७	७
विश्वजित् कल्या	६	१०७	३
विश्वजित् त्रायमा	६	१०७	१
विश्वमन्यामभी	१	३२	४
विश्वम्भर विश्वेन	२	१६	५

	कां०	सू०	मं०
विश्वम्भरा वसुधानी	१२	१	६
विश्वरूपां सुभगाम	६	५९	३
विश्वरूपं चतुरक्षं	२	३२	२
विश्वव्यचा घृत	१२	३	१९
विश्वव्यचाश्चर्मौ	९	७	१५
विश्वस्वं मातरमो	१२	१	१७
विश्वानि शक्रो	२०	७७	६
विश्वान् देवानिदं	११	६	१९
विश्वान्येवास्य	१५	३	११
विश्वामित्रजमद	१८	३	१६
विश्वाहाते सद्मि	३	१५	८
विश्वाः पृतना	२०	५४	१
विश्वे देवा उपरिष्टा	८	८	१३
विश्वे देवा मरुत	६	४७	२
विश्वे देवा वसवो	१	३०	१
विश्वेषु हि त्वा सव	२०	७२	१
विश्वं वायुः स्वर्गो	९	७	४
विषमेतद् देवकृतं	५	१९	१०
विषमेवास्याप्रियं	८	१०(६)	४
विषाणा पाशान् वि विषासहिं०।०।०	६	१२१	१
ह इन्द्रमायुष्मान् विषासहिं०।०।०	१७	१	१
ह इन्द्रं प्रियो देवा विषासहिं०।०।०	१७	१	२
ह इन्द्रं प्रियः पशू विषासहिं०।०।०	१७	१	४
ह इन्द्रं प्रियः प्रजा विषासहिं०।०।०	१७	१	३
ह इन्द्रं प्रियः समा	१७	१	५
विषासहौ स्वाहा	१९	२३	२७
विषितं ते वस्तिबिलं	१	३	८
विषुविश्वा अरा	२०	९५	४
विषूच्येतु कृन्तती	१	२७	२
विषूवृदिन्द्रो	२०	१७	३

	कां०	सू०	मं०
विषेण भङ्गुरा	८	३	२३
विषं गवां यातुधाना	८	३	१६
विषं प्रयस्यन्ती	१२	५	३१
विष्टारिणमोदनं	४	३४	३
विष्टारिणमोदनं	४	३४	५
विष्णुर्युनक्तु	५	२६	७
विष्णुर्योनिं	५	२५	५
विष्णोर्नुकं	७	२६	१
विष्णोः कर्माणि	७	२६	६
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	२५
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	२६
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	२७
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	२८
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	२९
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	३०
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	३१
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	३२
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	३३
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	३४
विष्णोः क्रमोसि	१०	५	३५
विष्वञ्चो अस्म	१	१९	२
विष्वपङ्क्तस्तस्माद्	१९	३८	२
विसल्पस्य	९	८	२०
विहूलो नाम ते	६	१६	२
वि हि सोतोरसृक्ष	२०	१२६	१
वि हृदयं वैमनस्यं	५	२१	१
विंशतिः स्वाहा	२३	२३	१७
वी३दुं मध्यमवा	१९	४४	७
वी३मां मात्रां	१८	२	४१
वीमे देवा अक्रंस	२०	१२५	४
वीमे द्यावापृथिवी	३	३१	४
वीहि स्वामाहुतिं	६	८३	४
वीलुचिदारुज	२०	७०	१
वृकश्चिदस्य	२०	९७	२
वृक्षं यद् गावः	१	२	३

श

	का०	सू०	म०
शक्रधूमं नक्षत्राणि	६	१२८	१
शकबलिः	२०	१३१	१३
शकमयं धूममारा	९	१०	२५
शक्वरी स्थ पशवो	१६	४	७
शक्रो वाचमधृष्टा	२०	४९	२
शक्रो वाचमधृष्णु	२०	४९	३
शग्ध्यू षु शची	२०	११८	१
शङ्खेनामीवाममतिं	४	१०	३
शचीव इन्द्र पुरु	२०	२१	३
शणश्च मा जङ्गि	२	४	५
शतकाण्डो दु	१९	३२	१
शतधारं वायुमर्कं	१८	४	२९
शतमाश्वा हिर	२०	१३१	५
शतमहं दुर्णाम्नी	१९	३६	६
शतवाजं स यजते	९	४	१८
शतवारो अनीन	१९	३६	१
शतस्य धमनीनां	१	१७	३
शतहस्त समाहार	३	२४	५
शतानीका हेतयो	२०	५१	४
शतानीकेव प्रजिगा	२०	५१	२
शतापाष्ठां निगिरति	५	१८	७
शतेन पाशैरभि	४	१६	७
शतेन मा परि पाहि	४	१९	८
शतं कंसाः शतं दो	१०	१०	५
शतं च न प्रहरन्तो	१९	४६	३
शतं च मे सहस्रं चाप	५	१५	११
शतं जीव शरदो वर्ध	३	११	४
शतं जीव शरदो वर्ध	२०	९६	९
शतं ते दर्भ वर्माणि	१९	३०	२
शतं ते युतं हा	८	२	२१
शतं वा भेषजानि	६	४४	२
शतं वा भारतीश	२०	१३१	४
शतं वीरानजय	१९	३६	४
शतं सहस्रमयुतं	१०	८	२४
शत्रूषाण्नीषाड्	५	२०	११
शन्तिवा सुरभिः	१२	१	५९
शपतारमेतु शपथो यः	२	७	५
शफेन इव ओहते	२०	१३१	७
शमग्नयः शमिद्धा	१८	४	१२
शमग्ने पश्चात् तप शं	१८	४	११
शमीमश्वत्थ आरू	६	११	१
शम्या ह नाम दधिषे	१९	४९	७
शयो हत इव	२०	१३१	१६
शरदे त्वा हेमन्ताय	८	२	२२
शरव्या मुखे पिन	१२	५	२५
शर्कराः सिकता	११	७	२१
शर्म यच्छन्त्वोषधिः	६	५९	२
शर्म वर्मैतदाहरा	१४	२	२१
शर्व एनमिष्वास	१५	५	५
शर्वः क्रुद्धः पिश्य	१२	५	३६
शश्वाद् विश्वं निरवोचं	४	९	५
शवसा ह्यसि श्रुतो	१८	१	३८
शाचिगो शाचि	२०	५	६
शान्ता द्यौः शान्ता	१९	९	१
शान्तानि पूर्वरूपा	१९	९	२
शान्तो अग्निः	३	२१	९
शारदादेनं मासा	१५	४	१२
शारदौ मासौ	१५	४	११
शास इत्था महाँ	१	२०	४
शिक्षेयमस्मै दित्से	२०	२७	२
शिक्षेयमिन्महय	२०	८२	२
शिखिभ्यः स्वाहा	१९	२२	१५
शितिपदी सं द्यतु	११	१०	६
शितिपदी सं पत	११	१०	२०

ष

स

	कां०	सू०	मं०		कां०	सू०	मं०
स नो ददातु तां	६	३३	३	सप्त होमाः समिधो	८	९	१८
स नो नियुद्भिः	२०	३६	११	सप्तार्धगर्भा	९	१०	१७
स नो भवः परि	११	२	८	सप्तास्यासन् परि	१९	६	१५
स नो रक्षतु जङ्गि	१९	३५	२	स प्रजापतिः सुवर्ण	१५	१	२
स नो वृषन्नमु चरुं	२०	७०	१२	स प्रजाभ्यो विप	१३	४	११
स नः पर्षिः पारया	२०	४६	२	स बन्धुश्चासबन्धु	६	१५	२
स नः पिता जनिता	२	१	३	स बन्धुश्चासबन्धु	६	५४	३
स नः सिन्धुमिव	४	३३	८	स बुध्न्यादाष्ट्र	४	१	५
स पचामि स ददामि	६	१२३	४	स बृहतीं दिशमनु	१५	६	१०
सपत्नक्षयणमसि	२	१८	२	सभा च मा समिति	७	१२	१
सपत्नक्षयणो	१	२९	६	सभायाश्च वै	१५	६	३
सपत्नक्षयणं दर्भ	१९	३०	४	समग्नयो विदु	१२	३	५०
सपत्नहनमृषभं	६	२	१	समध्वरायोषसो	३	१६	६
सपत्नहा शतका	१९	३२	१०	स मन्द्स्वा	२०	२३	६
स परमां दिशमनु	१५	६	१३	समस्मिँल्लोके	१२	३	३
सप्तऋषीनभ्या	१०	५	३९	समस्य मन्यवे	२०	१०७	१
सप्त क्षरन्ति शिशवे	७	५७	२	समहमेषां राष्ट्रं	३	१९	२
सप्त चक्रान् वहति	१९	५३	२	स महिमा सद्रु	१५	७	१
सप्त च मे सततिश्च मे	५	१५	७	समाचिनुस्वा नु	११	१	३६
सप्त च याः सप्ततिश्च	६	२५	२	स मा जीवीत् तं प्रा	१६	७	१३
सप्त च्छन्दांसि	८	६	१९	समानलोको भव	९	५	२८
सप्त जाता न्यर्बुद	११	९	६	समानां मासा	१	३५	४
सप्त त्वा हरितो	१३	२	२३	समानी प्रपा सह	३	३०	६
सप्त त्वा हरितो	२०	४७	२०	समानी व आकूतिः	६	६४	३
सप्तदशर्चेभ्यः स्वाहा	१९	२३	१४	समानो मन्त्रः	६	६४	२
सप्त प्राणानष्टौ	२	१२	७	समानौ बन्धुर्वरुण	५	११	१०
सप्त प्राणाः सप्त	१५	१५	२	समास्त्वाग्न ऋत	२	६	१
सप्त मर्यादाः	५	१	६	समाहर जातवेदो	५	२९	१२
सप्तमाष्टमाभ्यां	१९	२२	३	सम्राडस्यसुराणां	६	८६	३
सप्त मेधान् पशवः	१२	३	१६	समिद्धो अग्न आ	१२	२	१८
सप्त युञ्जन्ति	९	९	२	समिद्धो अग्निर	७	७३	२
सप्त युञ्जन्ति	१३	३	१८	समिद्धो अग्निर्वृष	७	७३	१
सप्तर्चेभ्यः स्वाहा	१९	२३	४	समिद्धो अग्निः	१३	१	२८
सप्तर्षीन् वा	११	६	११	समिद्धो अग्ने स	११	१	४
सप्त सूर्यो हरितो	१३	२	८	समिद्धो अद्य	५	१२	१

	कां०	सू०	मं०
समिन्द्र गर्दभं	२०	७४	५
समिन्द्र नो मनसा	७	९७	२
समिन्द्र राया	२०	२१	५
समिन्धते अमर्त्यं	१८	४	४१
समिन्धते संकसु	१२	२	११
समिमां मात्रां	१८	२	४४
समीक्षयन्तु	४	१५	२
समीक्षयस्व	४	१५	३
समीं रेभासो अ	२०	५४	२
समुत्पतन्तु प्रदिशो	४	१५	१
समुद्र ईशे स्रव	६	८६	२
समुद्राज्जातो	४	१०	५
समुद्रो नदीभि	१९	१९	७
समुद्रं वः प्रहिणो	१०	५	२३
स मृत्योः पड्वीशा	१६	८	३२
समृद्धिरोज आ	११	७	१८
समेत विश्वे वचसा	७	२१	१
समोहे वा य आशत	२०	७१	२
समं ज्योतिः सूर्ये	४	१८	१
सम्यञ्चं तन्तुं प्रदि	१३	३	२०
सम्राडेधि	१४	१	४४
स य एवं विदुष	११	३	५४
स य एवं विदुषा	१५	१२	४
स य एवं विद्वानुद	९	६(४)	९
स य एवं विद्वान्न	९	६(२)	७
स य एवं विद्वान्क्षीर	९	६(४)	१
स य एवं विद्वान्त्स	९	६(४)	३
स य एवं विद्वान्मधूप	९	६(४)	५
स य एवं विद्वान्मांस	९	६(४)	७
स य ओदनस्य	११	३	२३
स यत् पशूननु	१५	१४	११
स यत् पितॄननु	१५	१४	१३
स यत् प्रजा अनु	१५	१४	२१
स यत् प्रतीचीं दि	१५	१४	५
स यत् प्राचीं दिश	१५	१४	१

	कां०	सू०	मं०
स यत् सर्वानन्तर्दे	१५	१४	२३
स यदुदीचीं	१५	१४	७
स यदूर्ध्वां दिशमनु	१५	१४	१७
स यद् दक्षिणां	१५	१४	३
स यद् देवाननुव्यच	१५	१४	१९
स यद् ध्रुवां दिशम	१५	१४	९
स यन्मनुष्याऽन	१५	१४	१५
स यज्ञस्तस्य यज्ञः	१३	४	४०
स यज्ञः प्रथमो	१३	१	५५
सरस्वति या सारथं	१८	१	४३
सरस्वति या सरथं	१८	४	४७
सरस्वति व्रतेषु ते	७	६८	१
सरस्वतीं देवयन्तो	१८	१	४१
सरस्वतीं देवयन्तो	१८	४	४५
सरस्वतीं पितरो	१८	१	४२
सरस्वतीं पितरो	१८	४	४६
सरस्वतीमनुमतिं	५	७	४
स राजसि पुरुष्टुतं	२०	६१	६
स राजसि पुरुष्टुतं	२०	६२	१०
स रुद्रो वसुवनि	१३	४	२६
सरूपा नाम ते माता	१	२४	३
सरूपौ द्वौ विरूपौ	५	२३	४
सर्पानुसर्प	२	२४	४
सर्वज्यानिः कर्णौ	१२	५	२२
सर्वदा वा एष युक्तग्रा	९	६(२)	१०
सर्वाण्यस्यां क्रूरा	१२	५	१४
सर्वाण्यस्यां घो	१२	५	१३
सर्वानग्ने सहमा	१२	२	४६
सर्वान् कामान् पूरय	३	२९	२
सर्वान् कामान् यम	१२	४	३६
सर्वान् देवानिदं	११	६	२०
सर्वान्त्समागा	१२	३	३६
सर्वा दिशः	१३	२	४१
सर्वांल्लोकान्त्स	११	१०	१२
सर्वास्याङ्गा पर्वा	१२	५	४२
सर्वास्याङ्गा पर्वा	१२	५	७१

	कां०	सू०	म०
सोमो युनक्तु	५	२६	१०
सोमो राजाधिपा	१०	१	२२
सोमो राजा प्रथमो	५	१७	२
सोमो राजा मस्ति	९	७	२
सोमो वधूयुरभ	१४	१	९
सोमो मा विश्वैर्दे	१८	३	२८
सोमो वीरुधा	५	२४	७
सोमं ते द्रवन्त	१९	१८	३
सोमं मन्यते पपि	१४	१	३
सोमं राजानमवसे	३	२०	४
सोऽरज्यत ततो	१५	८	१
सोऽरिष्ट न मरिष्यसि	८	२	२४
सोऽर्यमा स वरुणः	१३	४	४
सोऽवर्द्धत स महान्	१५	१	४
सोषामविन्दत्	२०	१६	९
संकर्षन्ती करूकरं	११	९	८
संकसुको विकसुको	१२	२	१४
संकाशयामि	१४	२	१२
संक्रन्दनेनानि	१९	१३	३
संक्रन्दनः प्रवदो	५	२०	९
सं क्रामतं मा	७	५३	२
सं क्रोशतामेनान्	८	८	२१
सं ख्याता स्तोकाः	१२	३	२८
सं गच्छस्व पितृ	१८	३	५८
सं गोभिराङ्गिरसो	२०	१६	२
सं गोमदिन्द्र वाज	२०	७१	१३
सं चेध्यस्वाग्ने	२	६	२
सं चेन्नयाथो	२	३०	२
सं चोदय चित्रम	२०	७१	११
संजग्माना अबि	३	१४	३
संजयन् पृतना	५	२०	४
सं जानीध्वं सं पृच्य	६	६४	१
सं जानामहै मनसा	७	५२	२
संजीवा स्थ सं जी	१९	६९	३
संज्ञपनं वो मनसो	६	७४	२

	कां०	सू०	म०
संज्ञानं नः स्वेभिः	७	५२	१
सं ते मज्ज्ञा मज्ज्ञा	४	१२	३
सं ते शीर्ष्णः कपा	९	८	२२
सं ते हन्मि दतादतः	६	५६	३
सं त्वा नह्यामि	१४	२	७०
संदानं वो बृहस्पतिः	६	१०३	१
संदंशानां पलदानां	९	३	५
सं परमान्त्समवमा	६	१०३	२
सं पितरावृत्विये	१४	२	३७
सं बर्हिरक्तं हविषा	७	९८	१
संभले मलं साद	१४	२	६७
सं माग्ने वर्चसा	७	८९	२
सं माग्ने वर्चसा	९	१	१५
सं माग्ने वर्चसा	१०	५	४७
सं मा सिञ्चन्तु	७	३३	१
सम्राडस्यसुराणां	६	८६	३
संयतं न वि ष्परद्	१०	४	८
सं राजानो अगुः	१९	५७	२
संवत्सरस्य प्रतिमां	३	१०	३
संवत्सरीणं पय	८	३	१७
संवत्सरीणा मरुतः	७	७७	३
संवत्सरो रथः	८	८	२३
संवत्सरे शशयाना	४	१५	१३
संवननी समुष्पला	६	१३९	३
सं वर्चसा पयसा	६	५३	३
सं वसव इति	७	१०९	६
सं विशन्त्विह	१८	२	२९
सं वो गोष्ठेन सुषदा	३	१४	१
सं वो मनांसि सं	३	८	५
सं वो मनांसि सं	६	९४	१
सं वोऽवन्तु सुदानव	४	१५	७
सं वः पृच्यन्तां	६	७४	१
सं वः सृजत्वर्यमा	३	१४	२
संशितं म इदं	३	१९	१
संसमिद् युवसे	६	६३	४

	का०	सू०	म०
स्वासदसि सूषा	१६	४	२
स्वासस्थे भवतमि	१८	३	३९
स्वाहाकृतः शुचिः	७	७३	३
स्वाहाकारेणाग्ना	१५	१४	१६

ह

हतासो अस्य वेशसो	२	३२	५
हतासो अस्य वेशसो	५	२३	१२
हतास्तिरश्चिराज	१०	४	१३
हतो येवाषः क्रिमीणां	५	२३	८
हतो राजा क्रिमीणा	२	३२	४
हतो राजा क्रिमीणा	५	२३	११
हतं तर्दं समङ्कमा	६	५०	१
हन्त्वेनान् प्रदह	१३	१	२९
हन्वोर्हि जिह्वाम	१०	२	७
हरिणस्य रघुष्य	३	७	१
हरिक्निके किमिच्छ	२०	१२९	४
हरितेभ्यः स्वाहा	१६	२२	५
हरिमाणं ते	९	८	९
हरिश्मशारुर्हरि	२०	३१	३
हरिं हि योनिमभि	२०	३०	२
हरिः सुपर्णो दिव	१३	६५	१
हर्यश्वं सत्पतिं	२०	१४	४
हर्यश्वं सत्पतिं	२०	६२	४
हविर्धानमग्निशालं	९	३	७
हस्ताभ्यां दशशा	४	१३	७
हस्तिवर्चसं प्रथ	३	२२	१
हस्ती मृगाणां	३	२२	६
हस्तेनैव ग्राह्यः	५	१७	३
हिङ्करिक्रती	६	१	८
हिङ्कृण्वती वसुप	७	७३	८
हिङ्कृण्वती वसुप	९	१०	५
हिमवतः प्र स्रवन्ति	६	२४	१
हिमस्य त्वा जरा	६	१०६	३
हिमेव पर्णा मुषिता	२०	१६	१०
हिमं घ्रंसं चाधाय	११	१	५७
हिरण्य इत्येके	२०	१३२	१४
हिरण्यगर्भं पर	१०	७	२८
हिरण्यगर्भः समव	४	२	७
हिरण्यपाणिं सवि	३	२१	८
हिरण्यया: पन्थान	५	४	५
हिरण्ययी नौरचर	५	४	४
हिरण्ययी नौरचर	६	९५	२
हिरण्ययी नौरच	१६	३९	७
हिरण्येन पुरुभू	२०	१४३	४
हिरण्यवर्णाःशुचयः	१	३३	१
हिरण्यवर्णा सुभगा	५	७	१०
हिरण्यवर्णे सुभगे सूर्य	५	५	६
हिरण्यवर्णे सुभगे शु	५	५	७
हिरण्यवर्णो अज	१९	२४	८
हिरण्यशृङ्ग ऋष	१९	३६	५
हिरण्यस्रगयं	१०	६	४
हिरण्यानामेको	४	१०	६
हुवे सोमं सवितारं	३	८	३
हृदयात् ते परि	२	३३	३
हृदयात् ते परि	२०	९६	१६
हृदा पूतं मनसा	४	३६	१०
हेडं पशूनां न्येति	१२	४	२१
हेतिः पक्षिणी	६	२७	३
हेतिः शफानुत्खिद	१२	५	१९
हैमनावेनं मासौ	१५	४	१५
हैमनौ मासौ	१५	४	१४
हंसैरिव सखिभिः	२०	९१	३
ह्वयन्तु त्वा प्रतिजनाः	३	३	५
ह्वयामि ते मनसा	१८	२	२१

क्ष

	कां०	सू०	मं०
क्षत्रेनाग्ने स्वेन	२	६	४
क्षिप्रं वै तस्य पृच्छ	१२	५	५०
क्षिप्रं वै तस्य वास्तु	१२	५	४९
क्षिप्रं वै तस्यादहनं	१२	५	४८
क्षिप्रं वै तस्याहनेन	१२	५	४७
क्षीरे मा मन्थे	५	२९	७
क्षुत् कुक्षिरिरा	९	७	१२
क्षुद्रेभ्यः स्वाहा	१९	२२	१६
क्षुद्रेभ्यः स्वाहा	१९	२३	२१
क्षुधामारं तृष्णामार	४	१७	६
क्षुरपविरीक्षमा	१२	५	२०
क्षुरपविर्मृत्यु	१२	५	५५
क्षेत्रियात् त्वा	२	१०	१

इति मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची ॥

इति श्रीमद्राजाधिराजप्रथितमहागुणमहिम **श्रीसयाजीरावगायवाड़ाधिष्ठित**बड़ोदेपुरीगतश्रवणमासदक्षिणापरीक्षायाम् ऋक्सामाथर्ववेदभाष्येषु लब्धदक्षिणेन श्री पण्डित

क्षेमकरणदास त्रिवेदिना

कृते अथर्ववेदभाष्ये अथर्ववेदसंहिताया मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची समाप्ता ॥

इयं मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची प्रयागनगरे माघमासे शुक्लपक्षे वसन्तपञ्चम्यां तिथौ १९७७तमे (सप्तसप्तत्युत्तरैकोनविंशतिशतके) विक्रमीये संवत्सरे धीर-वीर-चिरप्रतापि-महायशस्वि-

श्री राजराजेश्वर पञ्चमजार्ज महोदयस्य

सुसाम्राज्ये सुसमाप्तिमगात् ।

मुद्रितम्—माघशुक्ला १४ संवत् १९७७
तारीख़ २१ फ़र्वरी १९२१ ईस्वी ॥

अथर्ववेदभाष्य सम्मतियां ॥

श्रीमती आर्य प्रतिनिधिसभा, पंजाब, गुरुदत्त भवन लाहौर अन्तरंग सभा के प्रस्ताव संख्या ३ तिथि ६-१२-१३ की प्रति ।

ला० दीवान चन्द प्रतिनिधि आर्य समाज बटाला का प्रस्ताव, कि पं० क्षेमकरणदास को अथर्ववेद भाष्य के लिये ४०) मासिक की सहायता दी जावे, उपस्थित हुआ । निश्चय हुआ कि २५) मासिक की सहायता एक वर्ष के लिये दी जावे और उसके परिवर्तन में उतने मूल्य की पुस्तकें उनसे स्वीकार की जावें ॥

श्रीमती आर्यप्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रदेश आगरा और अवध, स्थान बुलन्दशहर, अन्तरंग सभा ता० ४ जून १८१६ ई० के निश्चय संख्या १३ (अ) और (ब) की लिपि ।

(अ) समाजों में गश्ती चिट्ठी भेजी जावे कि वे इस भाष्य के ग्राहक बनें तथा अन्यों को बनावें ।

(ब) सभा सम्प्रति १ वर्ष पर्यन्त १५) मासिक एक क्लर्क के लिये पं० क्षेमकरणदास जी को देवे, जिस का बिल उक्त पंडित जी कार्यालय सभा में भेजते रहें । इस धन के बदले में पंडित जी उतने धन की पुस्तकें सभा को देंगे ॥

लिपि गश्ती चिट्ठी श्रीमती आर्यप्रतिनिधि सभा जो पूर्वोक्त निश्चय के अनुसार समाजों को भेजी गयी (संख्या ५८७६ प्राप्त २० जुलाई १८१६ ई०)

॥ ओ३म् ॥

मान्यवर, नमस्ते !

आप को ज्ञात होगा कि आर्यसमाज के अनुभवी वयोवृद्ध, विद्वान् श्री पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी गत कई वर्षों से बड़ी योग्यता पूर्वक अथर्ववेद का भाष्य कर रहे हैं । आप ने महर्षि दयानन्द के अनुसार ही इस भाष्य को करने का प्रयत्न किया है । भाष्य काण्डों में निकलता है अब तक ६ कांड निकल चुके हैं । आर्यसमाज के वैदिक साहित्य सम्बन्ध में वस्तुतः यह बड़ा महत्त्वपूर्णकार्य हो रहा है । त्रिवेदी महाशय के भाष्य की जानकारों ने खूब प्रशंसा की है। परन्तु खेद है कि अभी आर्यसमाज में उच्च कोटि के साहित्य को पढ़ने की ओर लोगों की बहुत कम रुचि है । जिसके कारण त्रिवेदी जी अर्थ हानि उठा रहे हैं । भाष्य के ग्राहक बहुत कम हैं । लागत तक वसूल नहीं होती। वेदों का पढ़ना पढ़ाना और सुनना सुनाना आर्यमात्र का प्रधान कर्त्तव्य है। अतएव सविनय निवेदन है कि वैदिक धर्मी मात्र श्री त्रिवेदी जी को उनके महत्त्वपूर्ण गुरुतर कार्य में साहस प्रदान करें । स्वयम् ग्राहक बनें और दूसरों को बनावें । ऐसा करने से भाष्यकार महाशय उसे छापने की अर्थ सम्बन्धिनी चिन्ताओं से मुक्त होकर भाष्य को और अधिक उत्तमता से सम्पादन करने की ओर प्रवृत्त होंगे । आशा है कि वेदों के प्रेमी उक्त प्रार्थना पर ध्यान दे इस ओर अपना कुछ कर्त्तव्य समझेंगे । प्रत्येक आर्य के घर में वेदों के भाष्य होने चाहिये । समाजके पुस्तकालयों में तो उनका रखना बहुत ही ज़रूरी है । भाष्य के प्रत्येक कांड का मूल्य त्रिवेदी जी ने बहुत ही थोड़ा रक्खा है ।

त्रिवेदी जी से पत्र व्यवहार ५२ लूकरगंज, प्रयाग के पते पर कीजिये जल्दी से भाष्य मंगाइये ।

भवदीय—

नन्दलाल सिंह,

B. Sc., LL. B. उपमन्त्री ।

चिट्ठी संख्या २७० तिथि १०—१२—१६१४। कार्यालय श्रीमती **आर्य-प्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त आगरा व अवध, बुलन्दशहर।**

आपका पत्र संख्या १०१ तथा अथर्ववेद भाष्य का तृतीय कांड मिला। इस कृपा के लिये अनेक धन्यवाद है। वास्तव में आप आर्यसमाज के साहित्य को समृद्धि शाली बनाने में बड़ा कार्य कर रहे हैं, आप की विद्वत्ता और कृपा के लिये आर्य संसार ही नहीं, प्रत्युत प्रत्येक शिखा सूत्र धारी को आभारी होना चाहिये। ईश्वर आप को उत्तरोत्तर उस महत्त्व पूर्ण कार्य के सम्पादन और समाप्त करने के लिये शक्ति प्रदान करें, ऐसे उपयोगी ग्रन्थ प्रकाशन को आप सदैव जारी रक्खें यही प्रार्थना है।

भवदीय—

मदन मोहन सेठ

(एम० ए० एल० एल० बी०) मन्त्री सभा।

श्रीमान् पण्डित **तुलसीराम स्वामी**—प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्तप्रान्त, सामवेद भाष्यकार, सम्पादक वेदप्रकाश, मेरठ—मार्च १६१२।

ऋग्यजुर्वेद का भाष्य श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने संस्कृत और भाषा में किया है, सामवेद का श्री पं० तुलसीराम स्वामी ने किया है, अथर्ववेद के भाष्य की बड़ी आवश्यकता थी। पं० क्षेमकरणदास जी प्रयाग निवासी ने इस अभाव को दूर करना आरम्भ कर दिया है। भाष्य का क्रम अच्छा है। यदि इसी प्रकार समस्त भाष्य बन गया, जो हमारी समझ में कठिन है, तो चारो वेदों के भाषा भाष्य मिलने लगेंगे, आर्यों का उपकार होगा।

श्रीयुत महाशय **नारायणप्रसाद जी**—मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल वृन्दावन मथुरा—उपप्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त। आर्यमित्र आगरा २४ जनवरी १६१२।

श्री पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी प्रयाग निवासी, ऋक् साम तथा अथर्ववेद सम्बन्धी परीक्षोत्तीर्ण अथर्ववेद का भाषा भाष्य करते हैं, मैंने सम्पूर्ण [प्रथम] कांड का पाठ किया। त्रिवेदी जी का भाष्य ऋषि दयानन्द जी की शैली के अनुसार भावपूर्ण संक्षिप्त और स्पष्टतया प्रकट करने वाला है कि मन्त्र के किस शब्द के स्थान में भाषा का कौन सा शब्द आया, फिर नोटों में व्याकरण तथा निरुक्त के प्रमाण, प्रारम्भ में एक उपयोगी भूमिका दे देने से भाष्य की उपयोगिता और भी बढ़ गई है, निदान भाष्य अत्युत्तम, आर्यसमाज का पक्षपोषक और इस योग्य है कि प्रत्येक आर्यसमाज उसकी एक २ पोथी (कापी) अपने पुस्तकालय में रक्खे।

त्रिवेदी जी ने इस भाष्य का आरम्भ करके एक बड़ी कमी के पूर्ण करने का

उद्योग किया है। ईश्वर उनको बल तथा वेद प्रेमी आवश्यक सहायता प्रदान करें निर्विघ्नता के साथ यह शुभ कार्य पूरा हो...छपाई और काग़ज़ भी अच्छा है।

श्रीयुत महाशय **मुन्शीरामजी**—जिज्ञासु मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार—पत्र संख्या ६४ तिथ २७-१०-१६६६।

अथर्ववेदभाष्य आप का दिया व किया हुआ अवकाशानुसार तीसरे हिस्से के लगभग देख चुका हूं आप का परिश्रम सराहनीय है।

तथा—पत्र संख्या ११४ तिथि २२-१२-१६६६।

अवलोकन करने से भाष्य उत्तम प्रतीत हुआ।

श्रीयुत पं० **शिव शंकर शर्मा** काव्यतीर्थ—छान्दोग्योपनिषद् भाष्यकार वेदतत्त्वादि ग्रंथकर्त्ता वेदाध्यापक कांगड़ी गुरुकुल महाविद्यालय, आदि आदि, सम्पादक आर्यमित्र—८ फ़रवरी १६१३।

अथर्ववेद भाष्य। श्री पं० क्षेमकरण दास त्रिवेदी जी का यह परिश्रम प्रशंसनीय है।......आप बहुत दिनों तक सरकारी नौकरी कर और अब वहां से पेन्शन पाके अपना सम्पूर्ण समय संस्कृत पढ़ने में लगाने लगे। अन्ततः आपने वेदों में विशेष परिश्रम कर बड़ौदा राजधानी में वेदों की परीक्षा दी और उन में उत्तीर्ण हो त्रिवेदी बने हैं। आप परिश्रमी और अनुभवी वृद्ध पुरुष हैं। आप का अथर्ववेदीय भाष्य पढ़ने योग्य है।

श्रीयुत पंडित **भीमसेन शर्मा इटावा**—उपनिषद् गीतादि भाष्यकर्ता वेदव्याख्याता कलकत्ता यूनीवर्सिटी, सम्पादक ब्राह्मण सर्वस्व इटावा, फ़रवरी, १६१३।

अथर्ववेदभाष्य—इसे प्रयाग के पण्डित क्षेमकरणदास त्रिवेदी ने प्रकाशित किया है। इस का क्रम ऐसा रक्खा गया है कि प्रथम तो प्रत्येक सूक्त के प्रारम्भ में.... अभिप्राय यह है कि भाष्य का ढंग अच्छा है...भाष्यकर्ता के मानसिक विचारों का झुकाव आर्यसामाजिक सिद्धान्तों की तरफ़ है अतएव भाष्य भी आर्य सामाजिक शैली का हुआ है। तब भी कई अंशों में स्वामी दयानन्द के भाष्य से अच्छा है। और यह प्रणाली तो बहुत ठीक है।

श्रीमती पंडिता **शिवप्यारी देवी** जी, १३७ हकीम देवी प्रसाद जी अतरसुइया, प्रयाग, पत्र ता० २१-१०-१६१५॥

श्रीयुत पण्डित जी नमस्ते,

महेवा के पते से आप का भेजा हुआ पत्र और अथर्ववेद भाष्य चौथा कांड मिला, मैं ने चारों कांड पढ़े, पढ़कर अत्यन्त आनन्द प्राप्त हुआ। आपने हम सभों पर अत्यंत कृपा की है आप को अनेकों धन्यवाद हैं। आशा है कि पांचवां कांड भी शीघ्र तैयार होकर वी० पी० द्वारा मुझे मिलेगा।

दो पुस्तक हवनमन्त्राः की जिस का मूल्य ।)॥ है कृपाकर भेज दीजिये मेरी एक बहिन को आवश्यकता है।

श्रीयुत पण्डित **महावीर प्रसाद द्विवेदी**—कानपुर, सम्पादक सरस्वती प्रयाग, फ़रवरी १६१३।

अथर्ववेद भाष्य—श्रीयुत क्षेमकरणदास त्रिवेदी जी के वेदार्थज्ञान और श्रम का यह फल है, कि आप ने अथर्ववेद का भाष्य लिखना और क्रम क्रम से प्रकाशित करना आरम्भ किया है...बड़ी विधि से आप भाष्य की रचना कर रहे हैं। स्वर सहित मूलमन्त्र, पद पाठ, हिन्दी में सान्वय अर्थ, भावार्थ, पाठान्तर, टिप्पणी आदि से आप ने अपने भाष्य को अलंकृत किया है...आप की राय है कि "वेदों में सार्वभौम विज्ञान का उपदेश है"। आपका भाष्य स्वामी दयानन्द सरस्वती के वेदभाष्य के ढंग का है।

श्रीयुत पण्डित **गणेश प्रसाद शर्मा**—संपादक भारतसुदशाप्रवर्त्तक फ़तेहगढ़, ता० १२ अप्रैल १६१२।

हर्ष की बात है कि जिस वेद भाष्य की बड़ी आवश्यकता थी, उसकी पूर्ति का आरम्भ होगया। वेद भाष्य बड़ी उत्तम शैली से निकलता है। प्रथम मन्त्र पुनः पदार्थयुक्त भावार्थ, उपरान्त भावार्थ, और नोट में सन्देह निवृत्ति के लिये धात्वर्थ भी व्याकरण व निरुक्त के आधार पर किया गया है, वैदिक धर्म के प्रेमियों को कम से कम यह समझ कर भी ग्राहक होना चाहिये कि उनके मान्य ग्रन्थ का अनुवाद है और काम पड़े पर उस से कार्य लिया जा सकता है।

बाबू **कालिकाप्रसाद जी**—सिल्क मर्चेन्ट कमनगढ़ा, बनारस सिटी पत्र संख्या ५८६ ता० २७-३-१३।

आप का भेजा अथर्ववेदभाष्य का वी० पी० मिला, मैं आप का भाष्य देखकर बहुत प्रसन्न हुआ, परमेश्वर सहाय करे कि आप इसे इसी प्रकार पूर्ण करें। आप बहुत काम एक साथ न छेड़कर इसी की तरफ़ समाधि लगाकर पूर्ण करेंगे। मेरा नाम ग्राहकों में लिख लीजिये, जब २ अङ्क छपें मेरे पास भेज देना।

श्रीयुत महाशय **रावत हरप्रसाद सिंह जी वर्मा**, मु० एकडला पोस्ट किशुनपुर ज़िला फ़तेहपुर हसवा, पत्र ६ दिसम्बर १६१३।

वास्तव में आप का किया हुआ "अथर्ववेद भाष्य" निष्पक्षता का आश्रय लिया चाहता है। आप ने यह साहस दिखाकर साहित्य भण्डार की एक बड़ी भारी न्यूनता को पूर्ण कर दिया है। ईश्वर आप को वेद भण्डार के आवश्यकीय कार्यों के सम्पादन करने का बल प्रदान करे।

श्रीयुत महाशय **पंडित श्रीधर पाठक जी, (सभापति हिन्दी साहित्य सम्मेलन लखनऊ)**—मनोविनोद आदि अनेक ग्रन्थों के कर्ता, सुपरिन्टेन्डेन्ट गवर्नमेंट सेक्रेटरियट, पी० डब्ल्यू० डी० श्री प्रयागराज, पत्र ता० १७-६—१३।

आप का अथर्ववेद भाष्य अवलोकन कर चित्त अत्यन्त सन्तुष्ट हुआ। आप की यह पाण्डित्य-पूर्ण कृति वेदार्थ जिज्ञासुओं को बहुत हितकारिणी होगी। आप का व्याख्याक्रम परम मनोरम तथा प्रांजल है, और ग्रन्थ सर्वथा उपादेय है।

प्रकाश लाहौर १२ आषाढ़ संवत् १९७३ (२५ जून १९१६— लेखक श्रीयुत पं० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर जी)

हम पण्डित क्षेमकरणदास जी का धन्यवाद करने से नहीं रह सकते— स्वामी (दयानन्द) जी ने लिखा है- कि वेद का पढ़ना पढ़ाना आर्यों का परम धर्म है—इसके अनुकूल श्री पंडित जी अपना समय वेद अध्ययन में लगाते हैं—और आर्यों के लिये परम उपयोगी पुस्तक प्रकाशित करने में पुरुषार्थ करते रहते हैं—पंडित जी ने इस समय तक हवन मन्त्रों तथा रुद्राध्याय का भाषा में अर्थ प्रसिद्ध किया है-जो कि आर्यों के लिये पठन पाठन में उपयोगी है—इस सम्बन्ध में यह अथर्ववेद के पांच कांड छपवा कर निःसन्देह बड़ा लाभ पहुंचाया है। आर्यों की जो शिक्षा प्रणाली थी उसको टूटे आज पांच हज़ार वर्ष हो चुके हैं। ऐसे अंधेरे के समय में स्वामी जी ने वेद के ऊपर लोगों के भीतर दृढ़ विश्वास उत्पन्न करके एक धर्म का दीपक प्रकाशित किया। परन्तु हमें शोक यह है वेद के पढ़ने में आर्य लोग इतना समय नहीं लगाते जितना वे प्रबन्ध सम्बन्धी झगड़ों की बातों में लगाते हैं। हमारा विश्वास है कि जब तक पं० क्षेमकरणदास जी जैसे वेदाभ्यासी पुरुषार्थी लोग अपना समय वेदों के खोज में न लगावेंगे तब तक आर्य समाज का कोई गौरव नहीं बढ़ सकता। अथर्ववेद के अर्थ खोजने में बड़ी कठिनता है। इसके ऊपर सायण भाष्य उपलब्ध नहीं होता, जो इस समय तक छपा हुआ है वह बड़ी अधूरी दशा में है, सूक्त के सूक्त ऐसे हैं कि जिनके ऊपर अब तक कोई टीका नहीं हुई।............इस समय जो पांच कांडों का भाष्य पंडित जी ने प्रकाशित किया है उसके लिखने का ढंग बड़ा अच्छा और सुगम है। प्रथम उन्होंने सूक्त के तथा मन्त्रों के देवता दिये हैं—पश्चात् छन्द...विद्वानों का यही काम है कि वह जैसे जैसे साधन उनके पास हों वैसा वैसा सोचकर वेद मन्त्रों का अर्थ प्रकाशित करें। ऐसे सैकड़ों प्रयत्न जब होंगे. तब सच्चे अर्थ खोज करना आगामी विद्वानों को सरल होगा। परन्तु इस समय बड़ी भारी कठिनाई यह है कि प्रकाशित पुस्तकों के लिये पर्याप्त संख्या में ग्राहक नहीं मिलते हैं और विद्वानों के पास सम्पत्ति का अभाव होने के कारण हानि के डर से पुस्तकों का प्रकाशित करना बन्द होता है। इस लिये सब आर्यों को परम उचित है कि पंडित क्षेमकरणदास जी जैसे विद्वान् पुरुषार्थी के ग्रन्थ मोल लेकर उनको अन्य ग्रन्थ प्रकाशित करने की आशा देते रहें। त्रिवेदी जी कोई धनाढ्य पुरुष नहीं हैं, उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति जो कुछ उनके पास है लगा दी है.........त्रिवेदी जी ने जो कुछ किया है वह वैदिक धर्म के प्रेम से प्रवृत्त होकर-इसलिये न केवल सब आर्य पुरुषों का यह कर्त्तव्य है कि इस भाष्य को मोल लेकर त्रिवेदी जी को उत्साहित करें किन्तु धनाढ्य आर्य पुरुषों का यह भी कर्त्तव्य है कि उनकी आर्थिक सहायता करें।

The VIDYADHIKARI (Minister of Education), *Baroda State* *etter No* 624 *dated 6th February* 1913.

....It has been decided to purchase 20 copies of your book entitled अथर्ववेद भाष्यम्. It has been sanctioned for use of the library and the prize distribution. Please send them ...also add on the address lable " For Encourgement Fund.

RAI THAKUR DATTA RETIRED DISTRICT JUDGE, Dera Ismail Khan Letter dated March 25th, 1914.

The Atharva Veda Bhashya:—It is a jigantic task and speaks volumes for your energies and perseverance that you should have undertaken at an advanced age. I wish I had a portion of your will-power.

Letter dated 30th April 1914.

I very much admire your labour of lore and hope...the venture will not fail for want of pecuniary support.

THE MAGISTRATE OF ALLAHAABD.

Letter No. 912 dated 21st May 1915.

Has the honour to request him to be so good as to send a copy each of the lst and 3rd Kandas of Atharva Veda Bhashya to this office for transmission to the India Office, London.

THE ARYA PATRIKA LAHORE APRIL 18 1914.

THE *Atharva Veda Bhashya* or commentary on the *Atharva Veda* which is being published in parts by Pandit Khem Karan Das Trivedi, does great credit to his energy, perseverance and scholarship. The first part contains the Introduction and the first *Kanda* or Book. There is a learned disquisition on the origin of the Vedas and the pre-eminent position in Sanskrit literature......The arrangement is good, the original *Mantra* is followed by a literal translation and their *bhavarth* or purport in Arya Bhasha. The footnotes are copious; they give the derivation and meaning in Sanskrit of the varions words quoting the authority of *Ashtadhyayi* of Panini, *Unadikosha* of Dayananda, *Nirukta* of Yaska, *Yoga Darshana* of Patanjai and other standard ancient works......The Pandit appears to have laboured very hard and the Book before us does credit to his erudition ; scholars may not agree with certain of his renderings, but like a true Arya, who venerates the Vedas, he has made an honest attempt to find in the Vedic verses something which will elevate and ennoble mankind. Cross references to verses where the word has already occurred in this Veda are also given to enable the reader to compare notes. There can be no finality in Vedic interpretation, but honest attempts like these which shall render the task easy to others are commendable. We are glad to call public attention to this scholarly work, and hope that Pandit Khem Karn Das Trivedi will get the encouragement which he so richly deserves.....Our earnest request is that the revered Pandit will go on with this noble work and try to finish the whole before he is called to eternal rest......

N.B.—The printing and paper are good, the price is moderate.

All rights reserved.

॥ ओ३म् ॥

प्रियं मा कृणु देवेषु प्रियं राजसु मा कृणु ।
प्रियं सर्वस्य पश्यत उत शूद्र उतार्ये ॥ १ ॥

अथर्व० का० १९ सू० ६२ म० १ ॥

प्रिय मोहि करौ देव, तथा राज समाज में ।
प्रिय सब दृष्टि वाले, औ शूद्र और अर्य में ॥

अथर्ववेद भाष्ये

संहितायाः पदानां वर्णानुक्रम सूचीपत्रम्

श्रीमद्राजाधिराज प्रथितमहागुण महिम-धीर-वीर-चिर प्रतापि श्री
सयाजीरावगायकवाडाधिष्ठित बड़ोदेपुरीगत श्रावणमास-
दक्षिणापरीक्षायाम् ऋक्सामाथर्व वेदभाष्येषु
लब्धदक्षिणेन

श्री पण्डित क्षेमकरणदासत्रिवेदिना
निर्मितं प्रकाशितं च ।

Make me beloved among the Gods,
beloved among the princes, make
Me dear to every one who sees,
to Sudra and to Aryanman.
Griffith's Trans. Atharva 19. 62. 1.

सर्वाधिकारः स्वाधीन एव भाष्यकारेण रक्षितः ।

अयं ग्रन्थः पण्डित बद्रीप्रसाद पाण्डेय प्रबन्धेन
प्रयागनगरे नारायण यन्त्रालये मुद्रितः ।

प्रथमावृत्तौ १००० पुस्तकानि | संवत् १९७८ वि० सन् १९२१ ई० | मूल्यम् ४)

☞ अथर्ववेद भाष्य विषय सूची मन्त्र सूची और पद सूची आदि सहित सब प्रकार पूरा छप गया, परमात्मा को धन्यवाद है॥

पता—पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी, ५२ लूकरगंज, प्रयाग (Allahabad).

॥ ओ३म् ॥

आनन्द समाचार ॥ अथर्ववेद भाष्य पूरा छप गया, शीघ्र मंगाइये ॥

१—**अथर्ववेद भाष्य**—अथर्ववेद का अर्थ अभी तक हिन्दी में न था, और संस्कृत में भी श्री सायण भाष्य पूरा नहीं है। अब परमात्मा की कृपा से उस का हिन्दी और संस्कृत भाष्य वेद, निघण्टु, निरुक्त, व्याकरणादि सत्य शास्त्रों के प्रमाणों से प्रयाग निवासी पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी का किया हुआ संवत् १९६९ में आरंभ होकर संवत् १९७८ में श्रीमान् राजाधिराज धीर-वीर-चिरप्रतापी श्री सयाजी राव गयकवाड़ बड़ोदाधीश, तथा श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रान्त और पंजाब प्रान्त तथा विद्वान् ग्राहक महाशयों की विशेष प्रचार सहायता से पूरा होकर छप गया।

२—इस वेद के बीसों काण्डों का भावपूर्ण-संक्षिप्त स्त्री पुरुषों के समझने योग्य अति सरल हिन्दी और संस्कृत भाष्य विषय सूची, मन्त्रसूची, पदसूची आदि सहित अल्प मूल्य में उपस्थित है। वेदप्रेमी महाशय सब स्त्री पुरुष स्वाध्याय, पुस्तकालयों और पारितोषिकों के लिये भाष्य मंगावें और जगत्पिता परमात्मा के पारमार्थिक और सांसारिक उपदेश, ब्रह्मविद्या, वैद्यकविद्या, शिल्पविद्या, राजविद्यादि अनेक विद्याओं का तत्त्व जानकर आनन्द भोगें, छपाई उत्तम और कागज़ बढ़िया रायल आठपेजी है।

३—पुराने ग्राहक जिन के पास सब कांड नहीं हैं और नये ग्राहक भाष्य शीघ्र मंगावें, पुस्तक थोड़े रहे हैं, ऐसे बड़े ग्रन्थ का फिर शीघ्र छपना कठिन है। बोझ आठ नौ सेर है, रेल से मंगाने वाले महाशय रेलवे स्टेशन लिखें।

काण्ड	१ भूमिका साहित			२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११
मूल्य	१।)			१।-)	१॥-)	२)	१॥।=	३)	२।)	२)	२।)	२॥)	२।)
काण्ड	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	परि-शिष्ट	मन्त्र सूची	पद सूची	योग
मूल्य	२=)	१।≡)	१।)	१-)	॥-)	।≡)	२।=)	३।)	७।)	।≡)	१-)	४)	४७॥)

पूरा भाष्य २३ भाग कपड़े की पांच जिल्दों में ५२॥) डाकव्यय लगभग ४)

हवनमन्त्रः—धर्म शिक्षा का उपकारी पुस्तक—चारों वेदों के संगृहीत मन्त्र ईश्वर स्तुति, स्वस्तिवाचन, शान्तिकरण, हवनमन्त्र, वामदेव्यगान सरल हिन्दी में शब्दार्थ सहित, गुरुकुलों, डी०ए०वी० कालिजों और स्कूलों में प्रचलित संशोधित ।-)

रुद्राध्यायः— प्रसिद्ध यजुर्वेद अध्याय १६ (नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः) ब्रह्मनिरूपक अर्थ संस्कृत हिन्दी और अंग्रेज़ी में मूल्य ।=)

रुद्राध्यायः—मूलमात्र बढ़िया रायल अठपेजी, पृष्ठ १४ मूल्य)॥

वेदविद्यायें—कांगड़ी गुरुकुल में हिन्दी व्याख्यान। वेदों में विमान, नौका, अस्त्र शस्त्र व्यापार, ग्रहस्थ, अतिथि, सभा, ब्रह्मचर्य्यादि का वर्णन मूल्य -)॥

माघ संवत् १९७८,
३० दिसंबर १९२१॥
नारायण प्रेस, प्रयाग।

पता—पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी
५२, लूकरगंज, प्रयाग।

ओ३म् ॥

अथर्ववेदभाष्ये

अथर्ववेदसंहितायाः

पदसूचीपत्रम् ॥

अ

अकर्ताम् ६. १४१, २.
अकर्म १८. ३, २४.
अकर्म ७. ६७, ४; २०. १६, १२.
अकल्पत १३. १, ४६; ५३.
अकल्पन्त ११. ३, २१.
अकल्पयत् १०. २, १५२; ६, २१; १३. १, ५३; १४. १, ५५.
अकल्पयथाः १२. १, ५५.
अकल्पयन् २०. १२८, १.
अकल्पयन् ९. ४, १४.
अकल्पयन् ६. १०९, १; १९. ६, ५; ८.
अकल्पयन्त १८. ४, ७.
अकवचः ११. १०, २२.
अकामः १०. ८, ४४.
अकाम-कर्शनः २०. २१, २.
अकामाः ६, ११४, ३.
अकारि २०. १५, ३.
अकारिषम् ७. ७, १; २०. १३७, ३.
अकुप्यन्तः २०. १३०, ८,
अकुर्वत ६. १२८, १.
अकुर्वन् १५. ४. २; ५; ८; ११; १४; १७.
अकुर्वन् १५. ५, १; ४; ६; ८; १०; १२; १४.
अकूपारः ५. १७. १.
अकृणोः १४. १, ४१; २०. १३५, १२,
अकृणोः ७. ८४, २,
अकृणोत् १०. ७, ६; १९. ४, १; २०. १७, ८.
अकृणोत् ९. १०, ६; २०. ११, ३; १६, ६.
अकृण्वत २०. ९४, ६.
अकृण्वत ८. ५; १४.
अकृण्वन् १. २५, १; ४. २३, ६; ७. ७९, १; ११. १, २४.
अकृण्वन् १०. २, २.
अकृतम् २०. ९७, ३.
अकृत्त-रुक् ४. ३१, ४.
अकृन्तत् २०. ६१, ५.
अकृन्तन् १४. १, ४५.
अकृपयत् २०. १६, १०.
अकृपेताम् २०. ४२, २.
अकृप्रन् १८. ३, २३.
अकृष्ट-पच्ये ५. २९, ७.
अकेतवे २०. २६, ६; ४७, १२; ६९, ११.
अक्तम् ७. ९८, १[२],
अक्तु-भिः १३. २, १७; २२; १७. १, ९; १८. १, ५५; २०. ४७, १४; १९.
अक्तून् १८. १, ३५.
अक्रत २०. १३८, ३.
अक्रत ३. १२, ५; ५. ३, १०; ६. २८, २; ४९, ३.
अक्रतुः ४. ३२, ५.
अक्रतुम् ३. २५, ६.
अक्रन् २. २६, ७; ३. ४, ७; ४. २१, १; १८. १, ५५; ३, २२; २०. ३५, १६.
अक्रन्दयत् ८. ९, २.
अक्रंसत २०. १३५, ४.
अक्रमत ४. ११, ७[२]; ९. ५, २०.
अक्रमन् ४. ३, १.
अक्रमीत् १. १७, ४; ३. ७, २; ६. ३१, १; ८. १, २१; १९. ३६, ५; २०. ४८, ४.
अक्रव्य-अत् १२. २, ३; ४२.
अक्रामत् ८. १० (१), २[२]; ४[२]; ६[२]; ८[२] १०[२]; १२[२]; १० (२) १; (१०) १[२]; ३; ५; ७; १० (४) १; ५; ९; १३; १० (५), १; ५; ९; १३; १९. ६, २; १६, १;–११.
अक्रामन् १९. १९, १०.
अक्रीणन् ४. ७, ६.
अक्षः ९. ९, ११; १४. १, १२; १९. ५३, २.
अक्ष-कामाः २. २, ५.
अक्षण्-वान् ९. ९, १५.
अक्षतः १२. १, ११.
अक्ष-द्रुग्धः ५. १८, २.
अक्षन् १८. ४, ६१.
अक्षन् १८. ३, ४२; ४, ६५.
अक्ष-पराजयम् ४. १७, ७.
अक्षम् २०. १२२, २; ३.
अक्षये १९. ५२, ३.
अक्षरन् २०. १३७, ४.
अक्षराः १३. ३, ६.
अक्षरे ९. १०, १८.
अक्षरेण ९. १०, २; १८. ३, ४०.

अगमम् २. ३०, ५[२]; ४. १३, ५; ६. १२, १; ७. ८६, १; ८. ६, २२; ९. १, १४; १०. ५, ४६; १९. ३५, ३.

अगर्स्तिम् ४. २६, ३.

अगस्त्यः ४. ३७, १: १८. ३, १५.

अगस्त्यस्य २. ३२, ३; ५. २३, १०.

अगाः ८. १, २०; १४. २, १६; १९. २७, ८; २०. ९६, १०.

अगात् १. २८, १; २९, ५; २. ९, २[१]; ३; ५. २८, ९; ६. ३७, १; ९. ६, १७; १०. ४, २६; १२. २, ४३; १३. १, ४१; २, ३५; १४. २, १३; १७. १, २४; २०. १०७, १४.

अगाताम् २. ८, १; ६. १२१, ३.

अगाम् १. ३४, ५; ४. १४, ३; १८. २, ४५; १९. १४, १.

अगाम ३. १५, ४.

अगाम १२. २, २२.

अगायत् २०. ९१, ३.

अगाहथाः २०. १२८, १४.

अगुः २. ५, २; ३. १२, ७; ४. २४, १; ८. ६, १३[२]; १०. ३, ९; ११. १, १०; १४; १३. १, १०; १४; १९. ५७, २[१]; २०. २४, ३.

अगृह्णन् १८. २, ३३.

अगृभ्णाः २०. १३५, ७.

अगृभ्णान् २०. १३५, ७.

अगृह्णन् १२. ३, १६.

अगृह्णात् १०. १०, २५.

अगोताम् ४. १७, ६.

अगो-रुधाय २०. ६५, २.

अगोह्यः २०. ६४, १.

अग्नम् २०. १३६, ११.

अग्नयः २. ३५, १; ३. २१, १; ७. ६९, १; ८. १, ११; ९. ४, १८; १०. ५, २१; १२. १, १९; ३७; ३, ५०; १३. २, १८; १६. १, १; १८. ४, १२; १३; १९. ९, ११; १२; १६, २; २७, १५; २०. ४७, १५.

अग्नये ४. ३९, १[२]; ६. १०, १; ३४, १; ७. ८७, १; ९. ३, १२; ११. ८, ३१; १२. ३, ५५; ४, ३४[२]; १४. २, ४; १८. ४, ७१; १९. ४, १; ४३, १; ५५, ५; २०. १, ३.

अग्नायी ७. ४९, २.

अग्नाविष्णू इति ७. २९, १; २.

अग्नि-आधेयम् ११. ७, ८.

अग्निः १. ७, ४; ९, १; २; १६, १; २; २५, १; २८, १; ३३, १; २. १, ४; १०, २; १२, ८; २८, २; २९, १; ३४, ३[२]; ३. १, १; २; ३; ६; २, १; २; ४, ३; ८, १; ३; ११, ४; १५, ६; २१, ९; १०; २६, १; २७, १; ३१, ६; ४. ११, ७; १५, १०; ३६, १; ३९, २; ९; ५. ३, ३; ८, ३; १२, १०; ११; १७, २; १८, ६; १४; २२, १; २३, १; २४, २; २५, ४; २६, १; २७, ३; ५; ११; २८, २; ५; ३०, ११; ३१, १२; ६. ३, २; २७, २; ३४, २; ५; ३५, १; २; ३६, ३; ३९, ३; ४५, २; ४७, १; ५३, १; ५८, ३; ७१, १; २; ७३, १; ७६, १; ८६, २; ८८, २; ९४, ३; ९७, १; १०६, ३; १११, २; १२०, १; १२१, २; ७. १७, ४; २०, १; २४, १; ३३, १; ५३, २; ३; ६; ६२, १; ६३, १; ६४, २; ७३, १; २; ८२, ४; ५; ११४, २; ८. ३, १; २४; २६; ५, ५; १०; १८; ८, २३; ९, ६; ९. २, १३; २०; २४; ३, २१; २२; ४, ३; ५, ६; ७; ७, १; १९; १०. ३, १४; ४, २६; ६, ६; ७, २; ४; १२; ८, ३९; ९, २६; १०, ७; ११. १, २; ३३; २, ८; ७, १; ८, ८; ९; ९, २५; १२. १, १९[२]; २०; ५३; २, ४; ७; ११; १२; १५; १६; ३३; ३५; ३८; ४४; ५०; ५२; ३, २; २४; २५; ४३; ५, ४१; ६१; ७२; १३. १, ११; १७; २०; २७; २८[२]; ४८; ५३; २, ४१; ३, ५; १३; ४, ५; ३६; १४. १, ८; ४८; ४९; २, २; ३; ४; ५९—६२; १५. ४, १५; ६, २; १०, ७; १४, १५; १५, ३; १८, ३; १६. १, ७; ८; ४, ४; ७; ९, २; १७. १, ३०; १८. १; २७,

२८; ३६; २, २८; ५४; ३, ११; ५५; ६५: ४, ८: ६: १५; ६४; १९. ४, १; ६, ७; १०, ४; १७, १: २४, ८: ३१, २: ३३, १: ३७, १: ४३, १²: ४४, ६: ५५, ३: ४: ५६, २: ३: २०. २, २: ६२, ८: ६६, ६: ११: १२: १०२, १; २.

अग्निः-इव २. २५, ४: ४. ३१, २: ५. १४, १३: १८, ४: २२, २: ६. ३७, २.

अग्नि-जाः १०. ४, २३.

अग्नि-जिह्वाः ११. ६, १६.

अग्नितपः-भिः २०. १६, ६.

अग्नि-तप्तेभिः ८. ४, ५.

अग्नि-तेजाः १०. ५, २५.

अग्नि-दग्धाः १८. २, ३५.

अग्नि-दंतः २. १२,—७: १८. २, १.

अग्नि-धानात् १२. ३, ३५.

अग्नि-धाने ६. २७, ३.

अग्निना ३. १२, ६: ४. १४, २: २३, ५: ३६, २: ५. २३, १३: ६. ८५, ३: ८. ८, १७: ९. ३, २३; ५, ५: ११. २, २६: १३. १, २६: १९. ३७, १: ४५, ६.

अग्नि-भिः ३. २०, ५: २०. १०३, २.

अग्नि-भ्यः ३. २१, १—७.

अग्निम् १. ६, २: ३३, १: २: ३: २. १६, १: २०, ४: २१, ८²: ३०, ६: ४. २३, ३: ४: ७: ४०, १: ५. १८, ५: ३०, १२: ६. १८, १: २८, २: ७. ५०, ३: ६३, १: ८२, २²: ११०, २: ८. २, ६: ८, २: ९. ३, १४: १०, २८²: १०. १, २०: २१: ७, ३३: ८, १७: ११. ६, १: १२. १, ६: १६: २०: २, ८: ६: १०, ५४: १३. १, २५: ४०: ५२: ५७: १४. १, ३६: २, १८: २०: २३: २४: २५: १५. ४, १४: १०, ६: १८. १, २०: २१: ३, २२: ६०: ४, १४: ४०: १९. १८, १: २७, ७: २०. १६, ६: ३४, ३: ६७, ३: १०१, १: १०३, १²: ३.

अग्निम्-अग्निम् २०. १०१, २.

अग्निमान्-इव ८. ४, २.

अग्निम्-इव ७. ४५, २: ८: २, ४.

अग्नि-महानाम् ६. ६७, २.

अग्नि-रूपाः ४. ३१, १.

अग्नि-वासाः १२. १, २१.

अग्नि-शालम् ९. ३, ७.

अग्निषु १५. १२, २.

अग्नि-स्तोमः ११. ७ ७.

अग्नि-स्तोमम् १०. ६, ८.

अग्नि-स्तोमेन ९. ६ (४) २.

अग्निस्तोमैः १२. ३, ३३.

अग्नि-स्वात्ताः १८. ३, ४४.

अग्नि-होत्रम् ११. ७, ९.

अग्निहोत्र-हुताम् ३. २८, ६.

अग्नि-होत्राः ६. ९७. १.

अग्नि-होत्रे १०. ३, २२, १५. १२, २.

अग्नीः २०. १३६, १२: १४.

अग्नी इति ११. ५, ११, १३. १, ४६: ४७: ४२, ५०: ५१: २०, १३६, ५—११.

अग्नीन् १२. २, ४, १९. १ १३.

अग्नीषोमा १. ८. २, १८. २, ५३.

अग्नीषोमा ६. ९३, ३.

अग्नीषोमाभ्याम् १२. ४, २६.

अग्नीषोमीयः ९. ६ (१) ६.

अग्नीषोमौ ३. १३. ५: ८. ६, १४.

अग्नीषोमौ ६. ६१, ३.

अग्नीषोमौ ६. ५४, २.

अग्ने १. ७, २: २. १६, ४: १९, १:—५: ३. ३, १: १५, ५: २०, २: २२, ३: ४. १४, ५: ३३, १: ५. ३, २: ८, १: १४, ८: २७, १२: २९, १: ४: १३: ६. ५, १: ६३, ४: १०८, ४: ११०, ४: ७. ३४, १: ६१, २: ७३, १०: ११०, १: ८. ३, ४: ७: २०: २३; ९. २, ४: ९: १०. ६, ३५: ११. १, १: ३: ६: १६: १२. २, ४२: १३. १, ३१: १४. २, १: १८. १, ३४: २, ३६: ३, ५: ४. ३०: १९. ३, २: ३: २७, ५: ६४, १: २०. १३, ३: १०१, ३: १०२, ३: १०३, २.

अग्ने १. ७. १: ३: ६: ७: ८, ४²: ९, ३: ४: २. ६, १: २²: ३²: ४²: ५: १३, १²: २८, ५: ३६, १: ३: ३. १५, ३: ४: ८: २०, १: ५: २१, १: ४. ४, ६: ३३, ४: ५. ३, १: ६, १०: १२, ३: २५, ७: २८, ४: २९, २:

अजनयन्त ९. १, ५.
अजनयम् ६. ६१, २: ३.
अजनि २०. २५, ५: ११५, १.
अजनिष्ट ४. १४, १: ९. ५, १३.
अजनिष्ठ ६. ११०, ३: ७. ९, १: १२. ३, ४७.
अजनिष्ठाः ११. १, ३.
अजन्तु ८. ५, ५: ६: १४. १, ३९.
अज-बभ्रु ५. ५, ८.
अजम् ४. १४, ६: ९: ९. ५, ७^{२}: ११: १२: २२: २४–२८: ३१: ३७: १८. २, ९.
अजयः २०. २९, ३.
अजयत् ७. ६२, १: ८. ५, ३^{२}: १४: १०. ६, ९: १०: १३: १९. १३, २: २०. ९०, ३.
अजयन् ७. ११०, २.
अजयन् १०. ६, १६: ११. १०, १२.
अजरः ८. ३, २०: १९. २४, ८: ५३, १: २०. ३६, ३.
अजरन्ताम् ७. ६, २.
अजरम् ३. १९, १: ५: ६. ६८, २: ९. ६, २: १४: १०. ८, ४४: १३. ३, १८: १८. ४, ८८: २०. १०५, ३.
अजरा १०. ८, २६.
अजराम् २. २९, १: १२. २, ३२.
अजरासः ८. ३, १९.
अजरे इति ८. ३, २५: ६, १२.
अजरेभिः ८. ४, ५.
अजर-शृङ्गि ४. ३७, २.
अज-शृङ्गी ४. ३७, ६.
अजस्यै ४. ४, ८: १४, ७: ८: ९. ५, १९: ६, ७.
अजस्राः ७. ७८, १: १९. ३, २.
अजस्रम् ६. ३६, १: १३. २, ३६: १९. २, ५.
अजस्रा १८. १, ३५.
अजहात् १८. २, ३३: ४, ६४.
अजागार २०. १२९, १७.
अजाताः ११. ८, ५.
अजातान् ६. १३६, २: ७. ३४, १: ३५, १.
अजानन् ९. ५, १६: १४. १, १५.
अजानये ६. ६०, १.
अजानात् ११. ८, १७.
अजाम् ६. ७१, १.
अजामन्नि २. १४, २: १२. २, २: ३.
अजामि १८. १, १०: ११.
अजामि ३. २५, ५.
अजायत ६. ३४, ५: १२. १, ५७: ४, २४.
अजायत २. २५, २: ६. ३९, ३: ५८, ३: १०. ४, ७: १०, १८: १९: ११. ८, ८^{२}: ९^{२}: १३. १, ४८: ५५: ३, २६: ४, २९^{२}–३३^{२}, ३४, ३५^{२}: ३६^{२}: ३७: ३८: ३९^{२}: १५. १, ३: ८, १: १८. १, २१: १९. ६, ६[?]: ७^{२}: १३, ३०. ५: ३९, ६: ७: ८: ५३, १०: ५४, ३.
अजा-थाः ५. ४, १: ७. ८४, २.
अजायथाः ४. १६, ४: २०. २६, ६: ४७, १२: ६९, ४: ११.
अजायन्त ११. ८, ३: १३. ४, ३४: ३७: ३८: १९. ६, १२: १६.
अजावि-भिः १०. ६, २३.
अजिनम् ६. ६७, ३.
अजिनेन ५. २१, ७.
अजिनैः ४. ७, ६.
अजिर-अधिराजौ ७. ७०, ३.
अजिरः ३. ४, ३.
अजिरम् ८. ८, ३.
अजिर-यते २०. २८, ४: ३९, ५.
अजीगमत् ६. ३२, २: ७४, १.
अजीगमम् २. २५, ५: ११. ३, ३२–४९.
अजीगरिति २०. ७६, १.
अजीजनः ५. ११, ११.
अजीजनन् ११. १, ३.
अजीजसम् ७. ५६, ५.
अजीतः १२. १, ११.
अजीता १. २७, ४.
अजीवनः १८. २, ३०.
अजीहिडत् १२. ४, ८.
अजुरम् २०. ८५, २.
अजुर्य २०. ३६, ९.
अजुर्यम् ५. १, ४.
अजुषे ६. ६१, ३.
अजुष्टा ७. ११५, २.
अजुष्टानि ६. ४५, २.
अजुष्टाम् १०. ३, ६.
अजे ५. ३१, २.
अजे ५. ११, २.
अजेन १८. २, २२.
अजैत् १२. ३, ५४.
अजैश्रवसः २०. १२८, १६.

अधराञ्चः ३. ६, ७: ९. २, १२.

अधराञ्चम् ५. २२, ३: ४: ६. १२७, ३: १०. ५, ३६: १६. ८, ४–२६: ३३: १९. ३९, १०.

अधराक् २०. १२८, २.

अधरात् ७. ५१, १: २०. १७, ११: ८९, ११: ९४, ११.

अधरात् २. १४, ३: ६. ४०, ३: ८. ३, १९: २०: ४, १९: ५, १७: ११. २, ४१: १२. १, ३१: ३२: २, ४१: १८. ४, ११: १९. १५, ५: ४८, ४.

अधरान् २. ३९, ३: ३. ६, ६: ५. ८, ८: २८, १४: ६. ८८, ३: १०. ३, ३: ६, १९: ३०: १३. १, ३१: १९. ३३, २.

अधरास्यः ३. १८, ४.

अधरे १. ९, २: ४, ३. १९, ३: ४. २२, ६: १३. १, ३१.

अधरौ १०. २, २.

अधस्तात् ४. ४०, ५.

अधात् ९. १०, १०: १०. ४, २६: ५, ४३: १२. ७, ६.

अधाताम् २. २९, ५: १८. २, १२.

अधाम् ३. १८, ६[२]: ७. ३५, २.

अधायि २०. ७६, १.

अधारयत् १०. ७, ७: २०. १३७, ९.

अधारयत् १०. १०, २५: १३. २, १२: २०. ९४, ८.

अधारयत ४. ११, ७.

अधारयन् १८. ३, ६८: ४, २५: १९. २४, १.

अधारयन् ३. ९, २: ५. १९. १३: १४: ९. ४, १६: १४. २, ५३–५८.

अधि १. ३, ६: ९: ९, २: ४: १४, १: १६, १: २: २४, ४: ३२, ४: ३४, १: ३५, ३: २. १, ५: ३, १: ४: ५: ७, १: ३: ९, १: ३[२]: ४: १०, ८: १४, ४: २७, ७: ३०, १: ३३, १: ४: ३. ६, १: ७, १: १२, ६: २६, १–६: ४. २, ६: ४, ७: ६, ४: ७, १: ८, २: ४: १०, २: ६: १९, ४: ७: २७, १: २८, ७: ३४, १: ५. ४, ७: ६, ४: १२, ६: २०, १०: २१, ४: २५, ८: ३०, ६: ६. ५, ३: ७, २: २१, १: ३०, १: ६३, ३: ७०, १: २: ३[२]: ७३, ३: ७६, १: ८४, ४: ८७, १: ३: १०१, ३: १०९, २: १११, १: ११८, ३: १२१, १: १२४, ३: १३३, ४: १३६, १: १३८, ४: ५: १४१, १: ७. ८, १: ५३, १: ६५, १: ८२, ३: ११५, ३: ८. २, ७: ८: २७: ६, २४[२]: ७, २: ७: १३: १४: १६: १९: ९, ४[२]: ५: १९: ९. १, १०: १६: १७: ३, २०: ५, ४: ५: ६[२]: ८: १५: ८, १२: ९, २: ३: ६: १८: २१: १०, १: ७: १८: २१: १०. २. ५: ७: १३: १४: १७: २६: ६, ३१: ३२: ७, १[२]: २: १२: १५[२]: २९: ३०: ४३: ८, १९: ४१: ९, २: १२: १०, ५: १३: १६: १९: २१: ११. १, ४, ७: १३: १६: २४: २६: ३०: ३६: २, २०: ४, ४: ५, ११: १५: २४: ७, ८: ९: १४: १८: ८, १: ३०: ३४[२]: ९, १०: १२. १, ८: ११: ५२: ५६: ५९: २, ४१: ३, १: ३: २६: ३६: ४७: १३. १, ११: १४: २५: ३७[२]: ४२: २, ७: ३, २: ६: १८: २६: ७, ५: १४. १, १: २, ९: २३: ३७: ४३: ४८: ४९: १८. १, १: २, ३२: ४७: ३, ४: ४५: ४, ३: ४: १९. ३, १: ५, १: ६, ९: १६: २४, २: ३: २६, १: २७, १०: ३१, १२: ३४, ६: ४५, ३: ४८, ६: ५३, ३: ५४, ५: ५६, १: २: ३: ५: २०. ५, ५: १७, २: २२, ५: २५, ३: ३०, ४: ७०, ५: ६: ७४, ६: ९२, २: १२: ९३, ५: ९५, २: ३: ४: ९६, १७: २०: ११०, २: १११, २: १४१, ४.

अधि-अक्षः ९. २, ७: १०. १, ६.

अधि-अक्षेण ५. ३, १.

अधि-अक्षस्यः २. ३१, १.

अधि-इताः २. ९, ३.

अधि-पति ७. ६०, ३: १४. १, ३०.

अधि-क्षियन्ति ७. २६, ३.
अधि-गम्यते ७. १०१, १.
अधि-गवम् ९. ६ (३) ९.
अधि-चङ्क्रमाम् ११. ९, १६.
अधि-जानन् ९. १४, ६.
अधि-तिष्ठति १०. ८, १.
अधि-तिष्ठन् १३. २, ३१; २०. ८६, १.
अधिथाः २. १३, ३; १९. २४, ६.
अधि-देवने ५. ३१, ६; ६. ७०, १.
अधि-धीयमाना १२. ५, ३०.
अधिध्वनः २०. १२७, १४.
अधि-निर्दध्मसि ६. १३८, ३.
अधि-निर्धेहि २. २६, २.
अधि-पतयः ५. २४, ६.
अधि-पतये ६. १०, १; २; ३; १२. ३, ५५–६०.
अधि-पतिः ३. २७, १–६; ४. ८, १; ३५, ६; ५. २४, १; २; ४; ७–१४; ३०, १५; ७. ५, २; १२. ५, ४; १३. २, २५; ४१.
अधिपति-भ्यः ३. २७, १–६.
अधिपती इत्यधि-पती ५. २४. ५.
अधिपत्नी इत्यधि-पत्नी ५. २४, ३.
अधि-पाः ४. १५. १०; ३१, ५; ६. ११९, १; ७. ५३, २; १०. १, २२; १२. ३, ९; १९. ३१, २; ६; ११; ५६, ६.
अधि-रज्जुः ६. ११८, २.
अधि-राजः ६. ९८, १; २; ९. १०, २४; १९. ४६, ४.
अधि-राजम् ५. ३, १०.
अधि-वाकाय ६. १३, २.
अधि-विकर्तनम् १४. १, २८.
अधि-शेमहे १२. १, ३४.
अधि-श्रिते १५. १२, १.
अधि-सवने ६. २०, १०.
अधिस्थाता ४. १६, १.
अधि-स्थानात् १२. ४, ४; ५.
अधि-स्थाने १२. ४, २३.
अधि-हिता ११. ३, १४.
अधीरः ५. ११, १०.
अधीराः ११. ९, २२,
अधूनुथाः २०. २६, ४.
अधूषत १८. ४, ६१.
अधृष्टम् २०. ९२, १८.
अधृष्णाः १९. ५८, ४.
अधृष्टाय २०. ४६, २.
अधृष्णुहि २०. ४६, २; ३.
अधेतवे ६. ५९. १.
अधोक् ८. १०(४), ३[२]; ७[२]; ११[२]; १५[२]; १० (५) ३[२]; ७[२]; ११[२]; १५[२].
अध्रि-गवे २०. ३५, १.
अध्रि-गुः २०. ९२, १६; १०५, ४.
अध्रि-गुम् २०. ६३, ८.
अध्व-गतः १३. १, ३६; ४३.
अध्वनः ४. ११, २; ७. ७२, २; २०. ७७, २.
अध्व-भिः १. ४, १.
अध्वरः ४. २४, ३; ७. ५८, १; ११. ७, ७; १८. २, ३२.
अध्वरम् १. ४, २; ५. १२, २; २७, ८; ९; १४. १, ४६.
अध्वराणाम् १९. ४२, ४.
अध्वरान् १९. ५९, ३.
अध्वराय ३. १६, ६.
अध्वरि-यताम् १. ४, १.
अध्वरे ८. ४, १८; १८. १, २१; ४१; ४, ४५; १९. ३३, ३; २०. १५, ३; १०३, ३; ११८, ३.
अध्वरेषु ५. २७, ५; ६. ११०, १; १४. १, ३७.
अध्वर्यः २०. १३५, ४.
अध्वर्यवः २०. ८७, १.
अध्वर्युः ७. ७३, ५, १८. ४; १५, १९. ४२, १.
अध्वर्यु-भिः २०. ६७, ७.
अध्वर्यो इति ११. १, ३१; २०. ६४, ४; १३५, ४.
अध्वा १३. २, १४.
अध्वानम् ३. १५, ४.
अन ३. ३१, ९.
अनः १४. १, १०; १२; २०. १२६, १८.
अनक्ति ५. २७, २; २०. १६, २.
अनक्तु ५. २८, ३.
अनक्तु १०. ३, १७–२५; १३. १, ८; १४. २, ४०; १८. ३, ११[२]; १२; २०. १०३, २.
अनग्नाः १२. ३, ५१.
अनग्नि-दग्धाः १८. २, ३५.
अनङ्गुरेः ८. ६, २२.
अनज्मि ४. १४, ६.
अनडुत्-भ्यः ६. ५९, १.
अनडुहः ४. ११, ३; ८; ९; ११.
अनडुहि ४. ११, ७.
अनड्वान् ४. ११, १; २;

अनाधृष्यः ७. ८४, १.
अनाधृष्या २०. ६४, ५.
अनधृष्याः १६. २, १६.
अनापिः २०. ११४, ६.
अनाप्ताः ४. ७, ७; ५. ६, २.
अनाबयो इति ६. १६, १.
अनामगः १६. ४५, २
अनामनात् १२. ४, ५; ८.
अनामया २०. १२६, २०.
अनामयाः ६. ८, १३–१८.
अनामयित्नु-श्यामू ४. ११,७.
अनायतनः ११. ३, ४६.
अनारभ्भणे ८. ४, ३.
अनार्षेयाणाम् ११. १, ३३,
अनावन् २०. १६, १.
अनावयाः ७. ६०, ३.
अनावृत्ताम् १५. ६, १६.
अनाव्याधाम् १४. १, ६४.
अनावस्कः १२. ४, ४७.
अनाशयः २०. २६, ५.
अनाशवः २०. ११६, २.
अनाशस्ताः-इव २०. ७४, १.
अनाशुरः २०. १२८, १०.
अनास्माकः १६. ५७, ५.
अनास्माकम् १६. ५७, ४.
अनास्त्रावम् २. ३, २.
अनि-ओकाः १२. २, ४.
अनिः-आहितः १२. २, ३५; ३६.
अनिः-स्तृतः २०. ५३, ३; ५७; १३.
अनिजम् १०. ४, १६.
अनिध्मः १४. १, ३७.
अनिन्द्राः ११. ८, २२.
अनि-पद्यमानम् ६. १०, ११.
अनि-भृष्टः १६. ६०, २.
अनि-मानः २०. ३६, ७.
अनि-मिषः १६. १३, २.
अनि-मिषेण १६. १३, ३.
अनि-मेषम् ६. ६, २२.
अनिराम् २०. १३५, १३.
अनि-स्तृतः ७. ८२, ३.
अनि-हत्य १२. ३, ४४.
अनीकम् ४. २७, ७; ६. १२५, ३; ७. ३६, १; १३. २, ३४; ३५; २०. १७, ४; १०७, १३; १४.
अनीक-शः ५. २१, ८; ६; ६. १०३, ३.
अनीनशः ६. ८, २२.
अनीनशत् १. २४, २.
अनीनशत् २. ३, ३; ५; ३. ७, १; ७. ५६, १; ८. ६, ६; ८; १६, ३६, १; ३; २०. ६६, १२.
अनीनशन् ८.७, ३; १२.२, १४.
अनीनशम् १. २३, ४; ७. ११५, ४; ६. ८, २१.
अनीश्वराः १२. ३, ४२.
अनु १. २२, १; ३५, ४; २. ५, ५; १२, ५[२]; १३, ५; २७, २; ३४, ३; ३. ७, २; ८, ६; ६, ६; १३, २; १७, ५; १८, ६; २१, ७; २३, ३; ४. ८, १; १५, ४; ७; ८; ६; १२; २१, ४; ३८, ५; ५. १, ३; २, १; ८, ६; १४, १; १७, ५; २१, १०; २७, ७; २८, ११; २६, ११; ३०, १; ६; १७; ६. ११, २; १७, १–४; २६, २[२]; २६, ३; ३६, १; ४८, १; २; ३; ५३, १; ३; ६६, २; ७२, १; ७३, ३; ८६, २; ६०, २; ६४, २; ६७, ३[२]; १०५, १; २; ३; ११२, १; ११३, २[२]; ११८, १; २; १२१, ४; १२२, १; २; १३०, १; २; ३; ४; १३१, १; २[२]; १३४, ३[२]; ७. ६, २; १६, १; २०, १; २; ३; ६; २१, १; २७, १; ३५, १; ४१, १; ५७, १; ५६, १; ६०, ७; ८२; ४[५]; ६७, ४; ११८, १[२]; ८. १, ७; १०; १५; २, २१; ३, १८; ६, ८; १२; १३[२]; १५[२]; १६; १७; २३; ६. १, १६; २४[१]; ४, २०; २४; ५, २; ४; ६, ६; १०. १, १६; २, १६[२]; १६; २२; २३; ४, ६; २६; ५, २५–३५; ३७; ४५; ५०; १०, ७[२]; ११. १, ३१; ३६; २, १०; ४, १०; २४; २५; ५, २; १२; ८, ११; १६–२२; २४; २७; ६, ४; २१; १०, १; १२, १, १७; ५१; २, २१; ४३; ४६; ३, १७; ४, १; १३. १, ४; ७; १०; २, १४; १८; २१; ४०; ३, १; ११; २०; ४, १६; १४. १, १५; ४६; ५६; ६०; २, १०; ७४; १५. २, १; ६; १५; २१; ४, ३, ६; ६; १२; १५; १८; ५, २; ५; ७; ६; ११; १३; १५; ६, १; ४; ७; १०; १३; १६; १६; २२[२]; २४; ६, १; १४, १; ३; ५; ७;

३; ७. २०, १; ५; ६; १४, १.
अनु-मतिम् ५. ७, ४.
अनु-मतो ६. १३१, २; ७. २०, ४; ६.
अनु-मते २. २६, २; ७. २०, २.
अनु-मत्याः ९. ४, १२.
अनु-मदन्ति ५. २, ४; २०. १०७, ७.
अनु-मन्यमानः ७. २०, ३.
अनु-मन्यमानौ १४. २, ४२.
अनु-माद्यो १४. १, ४७.
अनु-मेयाः ६. ११७, २.
अनु-मृश्य २०. १६, ५.
अनु-म्रोक २. २४, ३.
अनु-याजाः १. ३०, ४.
अनु-राधम् १९. १५, २.
अनु-राधा १९. ७, ३.
अनु-रोधनम् ६. १०२, ३.
अनु-वपते १२. २, ५०.
अनु-वर्तते १२. २, ३७.
अनु-वर्तयन् ११. १०, १८.
अनु-वर्त्मानः ३. ८, ५; ६. ६४, २.
अनु-वाकैः १९. २२, १.
अनु-विक्रंसते ९. ६(२), १२.
अनु-विद्यते १९. ५०, ४.
अनु-विद्वान् १२. २, २८; ५२.
अनु-विसिच्यते ८. १०, (६) ४.
अनु-वृजौ ९. ४, १२.
अनु-व्रताः ३. ३०, २.
अनु-व्रता ३. २५, ४; १३. १, २२; १४. १, ४२.
अनु-व्यचलत् १५. १४, १; ३; ५; ७; ९; ११; १३; १५; १७; १९; २१; २३.
अनु-व्यचलन् १५. २, २; १०; १६; २२; ६, २; ५; ८; ११; १४; १७; २०; २५; ९, २.
अनुव्य-वर्तयन्त १५. ७, २.
अनु-शिष्टाः १९. ५६, ४.
अनु-शेरते ८. ६, १९.
अनुष्ठु १२. ४, ४५.
अनु-संक्राम १८. २, ५७.
अनु-संचरन्ति ३. २१, ७; ४. ३८, ५.
अनु-संचरन्ती १८. ३, ४.
अनु-संदह १२. ५, ६२.
अनु-संदिशामि ४. १६, ९.
अनु-संप्रयाहि ११. १, ३६.
अनु-संयन्ति ११. ५, २.
अनु-संरभेथाम् ६. १२२, ३.
अनु-संवहन्ति १०. ८, ८.
अनु-संविदुः १०. ७, १७; २६.
अनु-संविशस्व १८. ३, ९.
अनु-सर्प २. २४, ५.
अनु-सर्पति ९. ८, ७.
अनु-सर्पन्ति ९. ८, १७.
अनु-सूर्यम् १९. ४९, ५.
अनु-स्तुप् ८. ९, २०; १९. २१, १.
अनु-स्तभम् ८. ९, १४.
अनु-स्थाता १५. ५, २; ५; ७; ९; ११; १३; १५.
अनु-स्थातारम् १५. ५, १; ४; ६; ८; १०; १२; १४.
अनु-स्थातारौ १५. ४, २; ५; ८; ११; १४; १७.
अनु-स्पष्टः २०. ९६, ४.
अनु-स्फुरम् १. २, ३.
अनु-स्वधम् २०. ११, ४.
अनु-हवम् १९. ८, ४.
अनुहार्य ५. १८, ९.
अनु-हूतः ५. ३०, ७.
अनूकम् ४. १४, ८.
अनूकात् ९. ८, २१.
अनूक्यम् ९. ६ (१), १.
अनूक्यात् २. ३३, २; २०. ९६, १८.
अनूक्ये ३ इति ११. ३, ९.
अनूचः ३. १, ४.
अनूची १०. १०, १०.
अनूच्ये ३ इति १५. ३, ५.
अनूनः ७. ८१, ३.
अनूनम् ७. ८१, ३; १२. ३, ४८.
अनूप्याः १. ६, ४; १९. २, २.
अनूर्मिम् २०. ९६, १.
अनूपत २०. १४२, ४.
अनूषत २. १, १; २०. १७, १; ३८, ४; ४७, ४; ७०, २; ७; ९२, ८; १०४, १; ११९, १.
अनृक्षरा १८. २, १९.

अनृत्तराः १४. १, ३४.
अनृणः ६. ११७; १; २.
अनृणाः ६. ११७, ३[३].
अनृत-देवः ८. ४, १४.
अनृतम् १. १०, ३; २. १२, ५; ४. ६, ७; १६, ६; ६. ६१, २; ३; ७. ८६, ३; ६. १०, २३; १०. २, १४; ५, २२; १२. १, ५२; १८. १, ४; १६. ४४, ८.
अनृत-वाक् ४. १६, ७.
अनृतस्य २०. ६१, ४.
अनृतेन ६. ७१, ३; ७. ७०, २; ८. ३, ११.
अनृतेसिः ८. ४, ८.
अनृत्यत् १०. १०, १४.
अनेन १. १६, ३; ३. १६, २; ५. २८, २; ६. ६५; २; ८. ५, ३[४]; १०. ५, १५[२]; १६[२]; १७[२]; १८[२]; १६[२]; २०[२]; २१[२]; १८. ४, ५०.
अनेव १६. ७, ४.
अनेषतः ६. २८, २;
अनेहसम् ७. ६, ३; २०. ६२; ११.
अनेहा ६. ८४, ३.
अनैषीत् २. ७, १.
अनोनवुः २०. ६२, १६[२].
अन्तः ६. १०, १४.
अन्तः १. २, ४[२]; ४, ४; ६, २; १३, ३; ३०, ३; २. १०, ५; ३१, ५; ३२, १; ३. ६, ३; १०, ४; २०, ८; २१, १; २[२], ७[२]; २२, ३; ४. ८, ७; १०, ७; ११, ३; २६, ५; २८, ५; ३०, ७; ५. ११, ८; ६; ३०, १६; ६. १, २; ३१, २; ५३, २; ७१, २; ८०, ३; ८७, १; १३२, १; २; ३; ४; ५; ७. ३६, १; ४२, १; ८७, १; ८. १, ११; ४, ३; ५, ६; ६, ११; ६. ३, ६; १४; १२; ८, ७; ६; ६, ६; १०, १०; ११; १२; १०. २, ७; ५, १५; १६; १७; १८; १६; २०, २१; ७, १०; ८, १३; २८; १०, २५; २८; ११. २, ११; २४; ४, २०; ५, ३; ७, १; ६; ८, २; ६; १०, ४; १२. १, १६; ३७; ६०; २, ३३; १३. १, १; २; ४०; ५६; २, ३०; ३, १५; २०; १४. १, ३७; १७. १, ८; ११; २६; १८. ४, ८६; १६. ३, २; २७, १०; ४८, १; ७२, १; २०. ३४, ३; १२; ४८, ५; ५६, ६; ८६, ८; ६६, १४; १२६, १५.
अन्तःकोशम्-इव १. १४, ४.
अन्तः-दधानाः ५. २८, ८.
अन्तः-दावे ६. ३२, १.
अन्तः-देशाः ८. ८, २२; १०. ६, १६.
अन्तः-देशात् १५. ५, १; २; ४; ५; ६; ७; ८; १०; ११; १२; १३.
अन्तः-देशात् १५. ६, २४; १४, २३.
अन्तः-देशेभ्यः ४. ४०, ८; ५. १०, ७; १५. ५, १४; १५.
अन्तः-धिः १२. २, ४४.
अन्तःपात्रे ११. ६, १५.
अन्तः-वान् ६. ४, ३.
अन्तः-हस्तम् ७. ५०, २.
अन्तः-हितम् १६. ४२, १.
अन्तः-हिताः ११. ६, १६.
अन्तकः ६. ४६, २; ८. १० (४), ७; १६. ५, २; ४; ५; ६; ७; ६; १६. ६, ७.
अन्तकाय ८. १, १.
अन्ततः १४. १, ६४.
अन्तम् ६. १०, १३; १०. ७, ४२; १२. ३, ३४; १५. ७, १.
अन्तमः २०. ८३, २.
अन्तमानाम् २०. ५७, ३; ६८, ३.
अन्तरम् १. १६, ४; २. ३०, ४[२]; ७. १००, १.
अन्तरा ३. १५, २; ४. १६, ५; ५. २०, ७; ६. ५५, १; ७. १०६, ३; ८. ६, ३; ६. ३, १५; ८, ६; १०. ७, २८; ८, ३६; ११, ४, १४; ५, ११; ८, ३४[२]; १२. २, ४४; १३. १, ५७; ५८; २, ६; १४. २, ३४; १६. ५६, ४; २०. ६, ६; ६६, १४; १२६, १६; १७.
अन्तरिन ६. १३०, ४.
अन्तरिक्षम् २. १२, १[२]; ३. २१, ७; २६, ८; ४. २, ४; ११, १; १४, ३; २०, १; ३५, ३; ३६, ४; ५. ३,

अन्न-अद्येन १३. ४, ४६—५३; ५६,
अन्न-तेजाः १०. ५, १४.
अन्न-पतये १९. ५५, ५.
अन्न-पतिः १३. ३, ७.
अन्न-भागः ३. ३०, ६.
अन्न-भागम् १२. १, २९.
अन्नम् ३. २७, ३; ४. ३०, ४; ५. १८, ४; ७; ६. ६३, १; ७१, १; ३^२; ११६, १; ७. १०१, १; ८. २, १६; ७, १२; ९. ६ (२), ७; ८; ९; १०. २, २७; ५, ४५; ८, २२; १०, ८; ११. ५, २५; १२. १, ३; ४; ४२; ५, १०; १३. ४, १४; २२; १५. ७, ४; ५; ८, २; १४, २; ४; ६; ८; १०; १२; १४; १६; १८; २०; २२; २४; १९. ७, ४; २०. ८७, २.
अन्नम्-अन्नम् १०. ६, ५; ३३.
अन्न-वान् १८. ४, २१.
अन्न-विदः ६. ११६, १.
अन्नस्य ५. २८, ३; ७. ६०, ५; १५. ८, ३; १९. ३१, ८.
अन्ना १०. ३५, ७.
अन्नानाम् १८. ४, ४५.
अन्नानि १९. ३१, ४.
अन्नाय १२. ३, ५७.
अन्ने १०. ५, ४४; १२. १, ४; २०, ७६, ४.
अन्नेन १०. ६, २३; १२. १, २२.
अन्नैः २०. ७६, ३; ५.
अन्यः २. ४, ५^२; ३. २, ६; ३०, १; ५; ४. ११, २^२; ५. ११, ४; ७. ७९, ४; ८०, ३; ८१, १^२; ८. ९, १९; ९. ९, २०^२; १०, २६; १०. ८, २३; ११. ४, २६; ५, १०^२; ११^२; १२. ३, ५०; १३. १, ५०^२; २, ११; १४. १, २२^२; १८. १, १६; १९. ३५, ५; २०. १५, ४; १७, ५; १२१, २.
अन्यकेषाम् २०. ९५, २; ३; ४.
अन्य-क्षेत्राणि ५. २२, ८.
अन्य-क्षेत्रे ३. ३, ४; ५. २२, ९.
अन्यत् ५. ११, ५; ६; ६. १२, १; १०. २, २२; २३; ७, ३१; ११. ८, २३; १३. २, ४३^२; १८. २, ३१; ५१; १९. ५३, ४; २०. १८, २; ८२, २; ८५, १; १२३, २^२.
अन्यतः १३. ३, १२^२; २०. ६८, ५.
अन्यत्र ३. २३, १; ६. ११, ३; २६, ३; ४०, २; ६३, २; १४०, ३; ७. १११, १; ११५, २; ९. २, २५; १०. १, १६; ११. २, १९; २१; २६; २०. १२६, २.
अन्य-नाभिः १. ३०, १.
अन्यम् ३. २, ६; ३०, १; ४. १८, २; ६. २०, १; २६, २; ९. ५, २७; १०, १६^२; १२. ३, ५०; १३. २, ११; १८. १, ११; १६; ४०.
अन्यया ११. ३, ३६; ४९.
अन्य-वर्णाम् १२. ३, ५४.
अन्यस्मिन् ८. ९, १९; १२. ४, १५.
अन्यस्मै ३. ३०, ५; १२. ३, ४६.
अन्यस्य १०. ८, २३.
अन्यस्याम् १. ३२, ४^२.
अन्या ६. ३०, २; १०. ७, ४२^२; १८. १, १५.
अन्याः ६. ६०, २; १०. ८, ३.
अन्यान् १. १०; २; ३०, ३; २. २९, ३; ४. ५, ७; ३६, ३; ७. ३५, १; १२. १, ५८; १९. ३३, ५; ५०, ६.
अन्याभ्याम् ११. ३, ३३; ३४; ४४-४८
अन्याम् १. ३२, ४; १२. ४, १३.
अन्याम्-अन्याम् २०. ७५, ३.
अन्यासाम् ६. ६०, २; ७. ३७, १; ३८, ४.
अन्ये २. ६, २; २८, १; ३. ११, ५; ७; ९. ९, १२; १२. ३, ४२; ५१; ४, २२; २०. ६६, १; १४३, ५.
अन्येद्युः १. २५, ४; ७. ११६, २.
अन्येन ११. ३, ३२; ३५; ३९; ४०; ४१; ४२; ४३; १८. १, ९; १३; १९. ६, ४.
अन्येभिः ८. ५, ९.
अन्येभ्यः १२. २, १६.
अन्येस्यः १२. ४, २३.
अन्येषाम् १२. २, ५१; १४. २, ८.

अबिभेत् ८. १० (१), १.
अबिभ्यत् १६. ६५, १.
अबिभ्युषा २०. ४०, १; ७०, ३.
अबिभ्युषीः ३. १४, ३.
अबुध्यमाने इति १०. ७४, ३.
अबूबुधत् २०. १२७, ११.
अबोधि १३. २, ४६.
अब्रवीः ५. ११, १.
अब्रवीत् २०. १३२, १४; १३६, ६.
अब्रह्मा २०. १२८, ६.
अब्रवीत् १. ६, २; ५. ११, ९; १९, १०; ६. ११, २; ८२, २; ९. ४, १२; १०. ४, ४; १२. ४, ४२; १३. १, ५४; १५. ३, २.
अब्रवीत् २०. १२८, ३.
अब्राह्मणः १२. ४, ४३; ४४; ४६.
अब्राह्मणाः ५. १७, ८; ११. १, ३२.
अब्रुवन् ५. १९, १२; ८. १०, (२), २; ९. ४, १४[२]; १२. ४, ११; २२; १५. ३, १; २०. १३७, ५.
अब्रुवन् २०. १२८, १५.
अब्रूताम् १५. १०, ३.
अभक्ति २. २५, १.
अभगः ५. ३१, ११.
अभजन्त १९. ५६, ५.
अभजन्त ११. १०, ११.
अभय-समेन ७. ९. २.
अभयम् ४. २१; ४; ६. ३२, ३; ४०, १[४]; २; ५०, १; ७. ९१, १; ८. १, १०; ११. २, ३१; १३. १, ५; १८. ३, ६१; १९. ३, ४; ८, ७; ९, १३; १४, १; १५, १; ४; ५[४]; ६[६]; १६, १; २७, १४; ४४, १; २०. २०, ७; ५७, १०; १२५, ६.
अभयम्-करः १. २१, १; ८. ५, २२.
अभयाः १९. ४५, ४.
अभरः २०. ५५, २.
अभरत् ६. ६१, १; १६७, १; १०. २, ५; ८, २१; ११. ५, १९; ८, १२[२]; १६; १७; १३. २, ३९; १८. १, २१; २, ३३; १९. ५३, ४.
अभरन् १५. ३, ३.
अभरन्त १९. ३३, ३.
अभवः २०. ४२, २.
अभवः ४. ६, ३; २०. ६८, ८; ९३, ८; १३७, १०.
अभवत् १९. ६, ४.
अभवत् ३. १०, १; १२; ४. १९, ६; ५. १२, ११; ७. १, २[२]; ८. ४, २१; १० (३), १; ३; ५; ७; ९. १, ५; ४, ५; ५, २०; १०. २, १८; ८, २१; १०, २४; २६; २९; ३४; ११. ५, १६; ८, १; २; ८; १२. १, ६०, ४, ४९; १३. २, ३९; ४०; १४. १, ९; १५. १, ३[७]; ४[२]; ५; ६; ७, १, १८. ४, ३२[२]; १९. ६, २; ६; ९; ५३, ४; २०. ११, १०; ३०, ४; ८७, ५.
अभवतम् ४. २६, १; २.
अभवन् १०. ७, १८; ३४.
अभवन् ५. १८, १०; १२; १९, १; ११; १०. १०, २०; २४; १९. ५४, १. ३.
अभागः ४. ३२, ५.
अभारिषम् ४. १३. ५; ६. ५२, ३.
अभावयत् ८. ५, ३,
अभि १. १, ३; ६, १; २७, ३; २९, १; २[३]; ३[२]; २. १, १; ४, ५; १०, ४; ११, ३; १३, १; ३. १, २; ३; २, ५; ६; ११, ८; १२, ८; १७, ४; १८, ६; २१, ५; २२, ६; २४, ६; २५, ४; ३०, १; ४. १; ३; ५; ८, २; ५; ६; १०, ७; ११, १०; १३, ७; १४, ६; ९; १५, ६; १६; १६, ७; ९; १९, ८; २१, ४; २७, ४; ३२, ३; ६; ७; ३६, १०; ५. १, ५; ६; २, ३; ३, ४; ४, २; ५, ९; ८, ९; ११, ७; १३, ४; १९, ४, ९; १५; २०, १; ३; ७; २१, ४; ५; ६; ९; २७, ९; ६. २५, १; २; ३; ३४, ४; ४०, २; ४१, ३; ४२, ३; ४७, ३; ५७, २; ७८; १; २[२]; ७९, १; ९७, १; ९९, १; १०२, १; १२४, १; १२६, २; ३; १३६, ३; ७. ९, १; १४, १[२]; ३५, ३; ३७, १; ७३, १०;

अभि-भूते २०. २१, ३; १२५, १.
अभि-भूयाय १९. ३७, ३.
अभि-मनुस्येत ११. ३, २५.
अभि-मन्यते ६. ६, १,
अभि-मातयः २. ७, ४.
अभिमाति-जित् २. ६, ३.
अभि-मातिम् ४. ३१, ३; १९. ३२, ६,
अभि-मातिषु २०. १९, ७,
अभिमाति-सहः ४. ३२, ४; ५. ३, ९; २०, १; ११,
अभिमाति-सहो २०. १९, २,
अभि-मातीः १८. २, ५९,
अभिमोद-मुदः ११. ७, २६; ८, २४.
अभि-यन्ति १०. ७, ४; ६.
अभि-यन्ती ७. ४६, ३.
अभि-यन्तौ ५. १, ५.
अभि-यातः ११. २, १३.
अभियाति ४. २९, ७,
अभि-युजः ७. ७३, ९.
अभियुध्याः २०. ८७, ४.
अभि-रक्षथ १०. ७, २३.
अभि-रक्षमाणाः २०. ९३, २; १२४, ५.
अभि-रक्षसि २०. १२६, ४.
अभि-राष्ट्रः १. २९, ६.
अभि-रूपाम् ८. ९, ९.
अभिरेपात् ४. ३५, १.
अभि-रोरुदम् ७. ३८, १.
अभिलाप-लपः ११. ८, २५.

अभि-वदति ९. ६ (१), ४.
अभि-वयसः २०. ९६, १.
अभि-वर्गात् ११. २, ४.
अभि-वर्गे ३. ५, २; ६. ५४, २.
अभि-वर्तः १. २९, ३; ४.
अभि-वर्तेन १. २९, १.
अभि-वर्धे १. २९, १.
अभि-वारे १. ३२, ४.
अभि-वीरः १९. १३, ५.
अभि-वृता ९. १०, ७; १०. १०, १६.
अभि-वृत्य १. २९, २.
अभि-वृधाः ११. ४, ६.
अभि-व्याधिनः १. १९, १.
अभि-शस्ता ५. १८, १.
अभिशस्ति-पाः २. १३, ३; ४. २९, ९; ५. १८, ६; ८. ७, १४; १९. २४, ५; ६.
अभि-शस्तिम् ३. १, १; २, १.
अभि-शस्तेः ७. ५३, १.
अभि-शस्त्या ६. १२०, २; १२. ५, ५८.
अभि-शार्चः १८. ४, ४४.
अभि-शोकः १. २५, ३.
अभि-शोचति ४. २६, ७.
अभि-शोचनम् ४. ९, ५.
अभि-शोचनात् २. ४, २.
अभि-शोचयिष्णुः ६. २०, ३.
अभि-शोचान् ४. ३७, १०.
अभि-श्रावे १८. १, २९.

अभि-श्रियौ ८. २, १४.
अभि-श्रियः १४. २, ४७.
अभि-श्रुता ६. १३८, १.
अभिष्णक् २०. १२५, ५.
अभिष्टये १. ६, १; ६. ३, २; २०. ५१, ३.
अभिष्टिः २०. ११, ४; ७१, ७.
अभिष्टौ २०. ३७, ८; ९; ७७, ४.
अभि-संगत्य ११. १, १६.
अभि-संतपाति २. १२, ६.
अभि-संबभूव ३. २८, ५; ६.
अभि-संभूय ५. २८, ८.
अभि-संयन्ति ११. ५, ३.
अभि-संविशध्वम् ३. ३, ४; ६. ६४, २; ८. ५, २०; २१.
अभि-संविशन्ति १५. १७, ९.
अभि-संविशस्व ९. २, २५.
अभि-सत्वा १९. १३, ५.
अभि-सवनीः ९. ६ (१), १६.
अभि-साचः १९. ११, २.
अभि-सिक्तः १९. ३१, १२.
अभि-सिञ्चामि ६. १२२, ५; १०. ९, २७; ११. १; २७.
अभि-सिञ्चेत् ८. १० (६), १.
अभि-स्कन्दम् ५. १४, ११.
अभि-स्तुतः ९. २, १.
अभि-स्तुताः ८. ७, ११.
अभि-स्थितः ५. १४, १०; २०. १३५, १.
अभि-स्वरन्ति ९. ९, २२.

१, २५; ३५; १९. ३६, ६; ७; ८.
अमृता १०. ८, २६.
अमृताः ३. ११, ११; ४. २, ६; १३. १, २४; १८. ३, ५३; १९. ११, ५.
अमृतात् ८. २, ११.
अमृतानि ४. ८, ३; ५. १, ३; ६. १, ३; ८. १, ५.
अमृताम् १८. २, ३३.
अमृताय १४. १, ४२; २०. ११, २.
अमृतासः ७. ७३, ३; १२. ३, २७; १८. १, ३; ३, ३९.
अमृते १०. ८, ४१; ११. ७, ११.
अमृतेन ३. १२, ८[2]; ९; ५. २८, ८; ७. ११८, १; ९. ३, २३; १०. २, २६; ११. ५, ५; २२; १८. ५, ४; १९. १९, १०.
अमृतेभ्यः १. ३१, १.
अमृतौ ९. ३, १६.
अमृध्राम् २०. ३६, १०.
अमृशत् १३. १, ८.
अमेनयः ५. ६, ९.
अमेनीन् ५. ६, १०.
अमोक् १२. २, १२.
अमोक्यैः ३. ६, ५.
अमोचि १३. २, ८.
अमोते २०. १२७, ५.
अमोतं २०. १२७, ५.
अम्नः ८. ६, १६.
अम्ब २०. १२६, ७[2].
अम्बयः १. ४, १.
अम्भः १३. ४, १४; २२; ५०; ५१.
अयः ११. ३, ७; १८. ३, २२; १९. ५०, ६.
अयः ७. ९७, १.
अयः-जालाः १९. ६६, १.
अयः-दंष्ट्रः ८. ३, २.
अयः-पात्रम् ८. १० (४), २.
अयः-मुखाः ११. १०, ३.
अयक्ष्म-तातिम् ४. २५, ५.
अयक्ष्मम् ५. २९, १३.
अयक्ष्मम्-करणीः १९. २, ५.
अयक्ष्माः ३. १२, ९; ९. ३, २३; १२. १, ६२.
अयक्ष्मान् ६. ५९, ३.
अयच्छत् २०. ३५, ११.
अयच्छत् १. १६, २; २. १३, २; ५. १७, २; १०. २, १५; ११. ५, १५; १९. २४, ५.
अयच्छन् ६. १२८, १; ११. ८, ३१.
अयजन् ७. ११५, २.
अयजन्त ७. ५, ३; ५.
अयजन्त २०. १२८, ५.
अयजन्त ७. ५, १; ५; १९. ६, ११.
अयज्ञियः १२. २, ३७.
अयज्युम् २०. ७५, २.
अयज्वनः ३. २४, ३; ११. २, २३.
अयत् २०. १२९, ११.
अयत् ४. ३, ६. ६. ११८, २.
अयताम् १. २१, १.
अयति १३. १, ५८; १९. ४९, १०.
अयति ४. ३, ५; ६. ६, २; २०, १; १०. १, १३; १९. ४९, १०[2].
अयन् १८. ३, २१; २०. ९४, ६.
अयनम् ५. ३०, ७; १०. १, ८; १०, २१; १८. ४, ८[2]; १५; १९. ७, २.
अयना १०. १, १६.
अयन्ताम् ११. १०, ८.
अयन्या २०. १२८, ८.
अयम् १. ७, ४; ८, २; १०, १; २; २२, २; २. ४, ३[2]; ६; ९, २; ३; २८, १. २९, २; ३; ३६, ७; ३. २, २; ४, ५[2]; ६; ५, १; ८, ३; १०, ८; १३, ७; १४, ६; २०, १; ४. ५, ६; १३, ४; ६[2]; २२, २; ३[2]; ४; ३२, ६; ३८, ७[2]; ५. ९, ७; २२, २; २६, १२; २७, ४; २८, ९; २९, ६; ७; ८; ९; १२; १३; ३०, ११; १७; ६. ५, ३; १६, ३; २०, ३; ३१, १; ४३, १[2]; २; ४४, १; ६०, १; ६८, १; ३; ७२, १; ७४, १; ७८, १; ७९, १; ८१, १; ८५, १; ८६, १; ८७, ३; ८८, १; १०२, १; १११, १; ११२, १;

१२०, १; १११, २; १३०, १; १३४, १; ७. २२, १; ३०, १; ३३, १; ५३, ५; ६; ५६, ४; ६२, १; ७३, ४; ८. १, १; १८^{२}; २, ५; ८; ५, १; २; ४; १६; ८, ८; १७; ९. ४, २१^{२}; १०, ७; १४^{२}; १०. १, ८; १५; ३, १; ३; ४^{२}; ५; ६; ८; १०; ११; ४, १५; ६, २; ४; २२—२८; ३१^{२}; ३२; ११. १, २; १५; २, ११; १०, ५; १२. २, ८; ४३; ३, १४; १३. १, १६^{२}; ३, १५; १४. १, ३३; १५. १०, ७; १५, ३; ६; १८, ३^{२}; १७. १, २४; १८. १, ४८^{४}; ३, ४; १४; १५; ५३; ४, १५; ३७; १९. २७, १०; ३१, १०; १४; ३२, ९; १०; ३३, १; ३४, ४; ३६, ५; ३९, २; ३; ४; ५४, ५; २०. ५, १; ५; ६; ८, २; ४५, १; ४८, ४; ५३, १; ५७, ११; १०४, २; १२६, ३; ९; १८; १९; १३६, १०; १३९, ४^{२}; १४०, १; १४२, ३.

अयंसा ५. २८, ५.

अयंसि ५. २८, १.

अयंसे २०. १५, ३.

अयस्मयंम् ५. २८, ९.

अयस्मयान् ६. ६३, २; ८४, ३.

अयस्मयीः ४. ३७, ८.

अयस्मयें ६. ६३, ३; ८४, ४.

अयस्मयेन ७. ११५, १.

अयस्मयैः १९. ६६, १.

अया ७. ३, १; १९. १२, १; २०. ३६, ६; ६३, ३; १२४, ६.

अयाः २. १२, ७.

अयाचन् १२. ४, २०; २४.

अयात् १२. ५, ६४; १४. १, ६; १०.

अयातम् १०. ८, ८; १४. १, १४; १५.

अयातुम् ८. ४, १६.

अयाम १२. ३, १८.

अयामः १९. ९, १४.

अयामि २०. १२, २.

अयाशवः ८. ६, १५.

अयास्यः २०. ९१, १.

अयुक्त १४. २, २४; २०. ४७, २१; १२३, १.

अयुक्त १३. २, ८.

अयुञ्जन् २०. २३, २.

अयुतः १९. ५१, १^{१}.

अयुतम् १९. ५१, १^{१}.

अयुतम् ८. २, २१; ८, ७; १०. ८, २४.

अयुंबन्त ४. २३, ५.

अयैः ४. ३८, ३.

अयोध्यः ५. २०, १२; १९. १३, ७.

अयोध्या १०. २, ३१.

अयोध्येन १९. १३, ३.

अरंसत १. १७, ३; १४. २, ५.

अरंगरादेषु ६. ६९, १.

अरज्यत १५. ८, १.

अरणः १. १९, ३; ५. ३०, २; ७. १०८, १.

अरणम् ५. २२, १२.

अरणाः-इव २०. ११६, १.

अरणाय ६. ४३, १.

अरणिम् १. १८, १.

अरणी ७. १०८, १.

अरणी इति १०. ८, २०.

अरणेभिः ७. ५२, १.

अरण्यम् १२. १, ११; ५६.

अरण्यात् २. ४, ५.

अरण्याण्याः १२. २, ५३.

अरताम् १४. २, १६.

अरलीन् १९. ५७, ५.

अरत्नी २०. ९६, ४.

अरथाः ११. १०, २४.

अरन्धनायः २०. २१, १०.

अरन्धयः २०. ३७, २.

अरन्धयत् १०. ४, १०; १६; १७.

अरपः १८. १, ५१.

अरपाः १. २२, २; ४. १३, ४.

अरंम् १. ५, ३; २०. ३१, २.

अरम्-कृतः २. १२, ७; १८. २, १.

अरम्-कृतम् १२. १, २२.

अरम्-गमः ३. ११, ५.

अरम्-गमासः १३. २, ३१.

अरम्-गरः २०. १३५, ११.

अरम्-घुषः १०. ४, ४.

अरंरुणात् २०. ३४, २.

अरंरुः ६. ४६, १.

अरंरुषीः १९. १५, २.

अरंस ६. १३८, ३.

अरस ४. ६, ६.
अरसः ४. ६, ६; ५. १६, १–१०; २२, २.
अरस-तमम् ५. १३, ९.
अरस-तराः ७. ७६, १.
अरसम् ४. ६, १; ६²; ७, २²; ५. ४, ९; ८, ६; १३, ८; १०; ११; ६. २९, ३; १००, ३; १३८, ३; ७. ५६, ३; ७; १०. ४, ३; ४; ११. १०, १७; १९. ३४, ३.
अरसस्यं ४. ६, ६; ७. ५६, ५.
अरसा १०. ४, ८.
अरसाः ५. १३, ७.
अरसाः २. ३१, ३; ४. १८, १; ९. २, १०; १९. ३४, ३.
अरसान् २. २७, १–६; १९. ३४, २; १०; ३५, ५.
अरसासः १०. ४, ९.
अराः ३. ३०, ६; १०. ८, ३४.
अरांजन् ५. १८, १०.
अराजिषुः २०. २८, ४; ३९, ५.
अराट्की ४. ३७, ६.
अरातयः १. २९, २; ५. २३, २; ६. १२९, १; २; ३; ११. ८, २१; १३. १, ५९; १४. २, ११; १९. ५०, ३; २०. ७४, ४; ९५, ४; १३९, १.
अरात्यै ५. ७, १; ३.
अरातिः २. ७, ४; ६. १२४, ३; १२. ३, १७.
अराति-दूषणः १९. ३४, ४.
अराति-दूषिः २. ४, ६.
अरातिम् १. १८, १²; २. १०, ७; ३. १, १; २, १; १५, १; ५. ७, ३. ६; ८. २, १२; १२. २, ३; ४५; १९. ३१, ११.
अराति-यात् ४. ३६, १.
अराति-योः १०. ६, १.
अराति-हम् १९. ३५, २.
अरातीः १. २, २; १०. ५, ३६; १३. १, २०; १६. ९, १.
अराते ५. ७, ८.
अराते ५. ७, १; २; ७; १४. २, १९.
अरात्या ३. २१, १.
अरात्याः १०. ३, ७; १३. ४, ४७.
अरात्यै ५. ७, १०.
अरात्सीः ५. ६, ५; ६; ७.
अराधसः १२. ५, ६०; ६५; २०. ९३, २.
अराधसम् ५. ११, ७; ८; २०. ९३, ५.
अराम ११. २, २७.
अरामहि ११. २, ७; २०.
अराय-क्षयणम् २. १८, ३.
अराय-चातनम् २. १८, ३.
अरायम् २. २५, ३.
अरायाः १२. १, ५०.
अरायान् ८. ६, ४; ५; ६; १२; ११. ६; १६; १६. ६, ७.
अरायेभ्यः ८, २, २०.
अराय्यः १. २८, ४; २. १४, ३; ४. १७, ५; १८, ७; ८; ७. २३, १.
अराल-अगुर्द-भत्संथ २०. १३४, १.
अराल्यो २०. १८, ५.
अरिः ७. ८८, १²; १३. १, २९.
अरिः २०. ६८, ६; ७१, १६.
अरिच्यत १९. ६, ९.
अरिणात् २०. ३४, ३; ९१, १२.
अरिंशाणि ५. ४, ५.
अरिप्राः १०. ५, २३; १६. १, १०.
अरिप्रे इति ५. २, ९; २०. १०७, १२.
अरिष्ट १९. ७, ३.
अरिष्ट ८. २, २४.
अरिष्टः ४. ५, ७; ७. ५३, ५; ८. २, ८; १०. ३, १०.
अरिष्ट-गुः १०. ३, १०.
अरिष्ट-तातये ३. ५, ५; ५. ३०, १२; ६. १९, २; ८०, २; ८. २, ६; ५, २०; ७, ६; २७; १९. ३८, ३.
अरिष्टताति-भिः ४. १३. ५.
अरिष्ट-नेमिम् ७. ८५, १.
अरिष्ट-वीराः ३. १२, १.
अरिष्टाः ५. ३, ५; १०. ५, २३.
अरिष्टानि १९. ६०, २.
अरिष्टासः ७. ५०, ७; १९. ४७, २; २०. ८९, १०.

अरिंष्टासु इत्यरिंष्ट-असु १४. २, ७२.
अरिंष्यन्तः २. ४, १; १६. ५०, ३; २०. १४३, ८.
अरुः ५. ५, ४.
अरुः-स्राणम् २. ३, ३; ५.
अरुस्तुः १७. १, ८; २५; २६.
अरुंस्तत् २०. ६१, १०.
अरुस्तत् ३. ५, ५; ८. ५, २०; ११. १, १३; १६; १२. ३, ४२; १८. ४, १४.
अरुस्राम् १४. २, ८.
अरुणः ५. २२, ३; ११. ५, १२.
अरुणम् १२. १, ५२; १३. २, ३६; ४, ५१; २०. ८७, १.
अरुणाः १०. २, ११; ११. १०, ७.
अरुणार्य ६. २०, ३;
अरुणीः १८. ३, २१.
अरुणीनाम् १८. ३, ४३.
अरुणौः ११. १०, २.
अरुंदत् १४. २, ६०.
अरुध्नन् १८. २, २७.
अरुन्धति ४. १२, १; ५. ५, ५; ६; ६. ५६, १.
अरुन्धती ६. ५६, २.
अरुन्धतीम् ८. ७, ६.
अरुंन्धते १६. ३८, १,
अरुषः २०. १७, ६,
अरुषम् २०. २६, ४; ४७, १०; ६६, ६; ६१, १३.
अरुषासः ३. ३, २.
अरुंषीः २०. २२, ५; ६२, २.

अरुहः १६. ६५, १.
अरुहत् १२. २, १२; १३. १, २६; २, ८; २५; १६. ४६, २.
अरुहन् १८. १, ६१[२].
अरुहन्त १६. ४६, २.
अरुहम् ४. १४, ३[२],
अरूरुपः ४. ६, ३.
अरेपसः ७. २२, २.
अरोगणम् २. ३, २.
अरोचथाः ३. २०, १.
अरोचथाः १३. ३, २३.
अरोचयः २०. ६२, ६.
अरोचयत् २०. ११, ४; ११८, ४.
अरोदयत् २०. ६१, ६,
अरोहत् १४. १, १२; २, ३०; १५. ३, ६; १८. ३, ४०; १६. ६, २.
अरौत् १०. ४, २६.
अर्क-अश्वमेधौ ११. ७, ७.
अर्कः ४. १५, ५; २४, ५; ६. ७२, १; १३. ३, २३; २०. १६, ४; २५, ६.
अर्कम् ३. ३, २; ६. १०, २; १०. ८, ३; १२. २, ५५; १३. १, ३३; १८. ३, ४०; ४, २६, २०. ३५, ५; ८; ६३, ३; ६१, ५; ६३, ७; ११०, १; ११६, २; १२४, ६.
अर्कस्य २०. ७२, ३.
अर्काः २०. १६, १.

अर्किणः २० ३८, ४; ४७, ४; ७०, ७.
अर्केण ६. १०, २; २०. १६, ६.
अर्केभिः २०. ३८, ४; ४७, ४; ७०, ७.
अर्कैः १८. ३, ४७; २०. ११, १; १२, ६; १६, ६; ७७, ४; ६०, ३; १४३, ३.
अर्च २०. ५१, ३.
अर्च २. १६, ३; २०, ३; २१, ३; २२, ३, २०. २२, ४; ५१, १; ६२, १.
अर्चत २०. ६२, ५[२];
अर्चत २. २३, ३; ७. ८२, १; १८. ३, ६३; ४, ५४; २०. ३०, २; ६२, ५[२]; ६५, २.
अर्चति २०. ११७, ३.
अर्चति २०. ४०, २; ७०, ४; ७१, १६.
अर्चनानाः १८. ३, १५.
अर्चन्ति १. २, ३; १२. १, ३८.
अर्चन्ति १३. १, ३३; २०. १२, ६.
अर्चन्तु २०. ६२, ५.
अर्चन्तु २०. ११०, १.
अर्चात् २०. ७७, ३.
अर्चाम ६. २७, १.
अर्चामि ७. १४, १; १८. १; ३१.
अर्चिः १. २५, २; २. १६, ३; २०, ३; २१, ३; २२,

२; २३, ३; १२. १, ४१; १८. २, ८.
अर्चि-भिः ८. ३, २३.
अर्चिषा ५. २६, १४, ६. ३२, ३; ८. ३, २; ११; १३; १७; २४; १०. ५, ४६; १३. २, २; १९. ६५, १².
अर्चींर्षि ११. ५, ११.
अर्चे २०. ३६, १.
अर्जुनः १३. १, २६.
अर्जुन-काण्डस्य २. ८, ३.
अर्जुनम् २. ३२, २; ५. २३, ६; २८, ५; ६.
अर्जुनाः ४. ३७, ५.
अर्जुनि २. २४, ७.
अर्जुन्याः २०. १३०, ३.
अर्णवत् ५. २, ८; २०. १०७, ११.
अर्णवम् ७. ८१, १; १३. १, ३६; २, ११; १४. १, २३; १८. १, १.
अर्णवस्य २०. ६१, १२.
अर्णवात् १. १०, ४; १३. १, २६.
अर्णवे ३. ६, ३; ११. ८, २; ६; १२. १, ८; ६०; १३. १, ४०; २, २.
अर्णवेन ५. ६, ४.
अर्णांसि २०. ३५, १२; ७७, ७.
अर्तिव्ये १४. १. ५६.
अर्त्व्यैः ८. १०(४), ३.
अर्थम् १२. २, २३; १५. १७, ८; २०. ७६, ५; ६२, १४.
अर्थाय १. ७, ६.
अर्थति १२. ४, ३.
अर्दय ४. १५, ६.
अर्दय ६. ६५, १.
अर्दयन् ६. ४६, २.
अर्दयाति ४. १५, ११.
अर्ध-ऋचेन ९. १०, १९.
अर्धः ८. ९, १.
अर्धक-घातिना ११. २, ७.
अर्ध-गर्भाः ९. १०, १७.
अर्ध-भाक् ६. ८६, ३.
अर्धम् ९. ९, १७; १३. १, ४१.
अर्धम् ५. १, ९; १०. ८, ७; १३; ११. ४, २२.
अर्ध-मासाः १०. ७, ५; ११. ७, २०; १५. ६, १७.
अर्ध-मासानाम् १५. ६, १८; १६. ८, २३.
अर्ध-मासे ८. १०, (२) ५; ६.
अर्धयन्ति ७. ८०, ४.
अर्धे ४. १, ६; ९. ९, १२.
अर्धेन ५. १, ९²; १०. ८, ७; १३; ११. ६, २२.
अर्पणेन १२. ३, २२.
अर्पय ५. २२, ६; ६. ६६, १; १०. ३, १५; ९, १.
अर्पयतम् ८. ४, १.
अर्पितम् ९. ९, १२.
अर्पिपम् १२. १, ३५.
अर्बदस्य २०. ६१, १२.
अर्बुदिः ११. ९, ४; २३.
अर्बुदे ११. ९, ५; १०, ५.
अर्बुदे ११. ९, १; २; ३; ७–११; १३; १४; १५²; १८; २०; २२; २४; २५; १०, २३.
अर्भकः २०. ९२, १२.
अर्भकम् ७. ५१, ६; ११. २, २९.
अर्भकाः १. २७, ३; १९. ३६, ३.
अर्भस्य ७. ५६, ३.
अर्भे २०. ५६, १; ७०, ११.
अर्य २०. १३०, १.
अर्यः ६. ६३, ४; १८. ३, २३; २०. १८, ५; ३४, ४; ५; ५६, ६; ६६, १; ८५, ४; ८९, १; ९५, ४; १२६, १; ३.
अर्य-पत्नीः २०. १७, ८.
अर्यमणम् ३. २०, ७; १४. १, १७; २०. १६, २.
अर्यमन् ६. ६०, २².
अर्यमा १. ११, १; १८, २; ३. १४, २; २०, ३; ५. ५, १; २८, १२; ६. ४, २; ६०, १; १०३, १; ९. ७, ७; ११. ६, ४; १३. ४, ४; १४. १, ५०; २, १३; ४०; १९. ९, ६; १०, २.
अर्यम्णः ३. ५, ५; १४. १, ३९; २, ५.
अर्यम्णा २. ३६, १; १४. १, ३४.

१९. ३, ४; ९, ८; ३६, ४; ५; ४४, ७; ४६, २; ९५; १; ७२, १; २०. १५, ६; २९, ४; ६७, १²; ७३, ५; ७७, २; ७९, २; ९२, ६; ९३, १; ९५, ३; १२६, १०; १३१, ९; १३३, ४; ५; १३७, ७; ११.

अव ३. १६, ३; ७. ५०, ४; १३. १, ४३; २०. ७०, १०; ८१, २; ९२, २१.

अव-अतिरः २०. ७५, २².

अव-अमृक्षत् ७. ६४, २.

अव-असृजत् १४. १, १३; २०. ३४, १३.

अव-असृजन् ४. ६, ७.

अवः २०. ४४, २; १४१, ३.

अवः ९. ९, १७; १८²; १३. १, ४१; २०. २५, २; ९१, ४.

अवः-भिः ७. ९१, १; १९. १०, १; २०. १२५, ६.

अवका-अदान् ४. ३७, ८; ९; १०.

अवका-उल्बाः ८. ७, ९.

अव-केशाः ६. ३०, २.

अव-क्रक्षिणम् २०. ८५, २.

अव-क्रामन् ४. ११, १०; १३. १, २०.

अव-क्रामी ५. १४, १०.

अव-क्षामम् ६. ३७, ३.

अव-क्षिपन् २०. १६, ४.

अव-क्नती ११. १, ९.

अव-चरन्तिका ५. १३, ९.

अव-चाकशत् ६. ८०, १; १३. २, १२; ४, १; २०. १७, ६.

अवत १९. १, २; १३, ११; ७२, १.

अवतः ४. २, ३.

अव-ततम् २. ७, ३.

अवतम् ६. ४, ३; १४. १, ३५; ३६; २०. ९१, १२.

अवतस्थि-वांसम् २०. १३७, ८.

अवताः २०. ८८, ३.

अवताम् ५. २४, ३; ५; २७, ८; ७. १२, १; १८. ३, ३८.

अवति ८. ७, २१; २०. ३४, १५.

अवति १. १६, २; ८. ४, १२.

अव-तिष्ठति ६. ४३, २; ७. ७६, ३.

अवतु २. १२, ४; ५. २४, १; २; ४; ७–१४; ७. २०, ५; १९. १३, ७; ४५, ६; ७; ८; ९.

अव-तोकाम् ८. ६, ९.

अवत्-कम् २. ३, १.

अवत्-तरः १८. ३, ५.

अवथ २०. ९१, ११.

अवथः ४. २९, १; २; ३²; ४²; ५²; ६².

अव-दधुः ५. ३१, ८.

अवदन् ७. १, १.

अवदन् ५. १७, १; १२. ४, ४९.

अवदन्त ५. १७, ६; ६. १०९, २.

अवद्यते २०. १३६, ८.

अवद्यम् ७. ८९, ३; १८. ३, ५८.

अवद्य-वत्याः ७. १०३, १.

अवद्यात् २. १०, ६; ५. ६, ८; १२. २, ४७; ४८.

अवद्यानि ५. ११, ७.

अव-धावति २. ३, १.

अवधिषम् ७. ७०, ४; ५.

अवधीत् ९. २, ११.

अवधीत् २०. ७, २.

अव-धीयमाना १२. ५, ३०.

अवध्वंसः-इव ५. २२, ३.

अव-नद्धम् ९. ३, ८.

अवनिः २०. ६८, १०.

अवनीः २०. ३५, १०.

अवन्ति १८. ३, २४.

अवन्तु १८. ३, १५.

अवन्तु २. १३, ५; ३. १९, ५; २३, ६; ४. १५, ७; ९²; २७, १; ५. २४, ६, १५; १६; १७; ७. ४९, १²; १८. १, ४४; ४७; ३, ४५; १९. ४५, १०.

अवन्वत ५. ४, ३; ४; ६. ९५, १; २.

अवपत् ६. ६८, ३.

अवपत् ८. ८, ५; १९. ३६, ४.

अव-पद्यते ६. १३६, ३.

अव-पद्यन्ते ५. १७, ७.

अव-पद्यमानाम् ५. १७, ४.

अवपन् १८. ४, ५५.

अवपन् ६. १०९, ३.

अव-पश्यन् १. ३३, २.

अव-पानम् २०. १७, २; ८७, १.
अव-प्रभ्रंशनम् १९. ३९, ८.
अव-भृथम् ९. ६ (६), ५.
अवमम् ५. १३, २; १०. ७, ८.
अवमा १८. ३, ४८.
अवमाः १९. ४७, ५.
अवमान् ६. १०३, २.
अव-मुञ्चन् ८. २, २.
अव-मुञ्चमानः ८. १, ४.
अवयत् १०. २, १३.
अवयन् १४. १, ४५.
अव-याः २. ३५, १.
अव-याता २. २, २.
अव-यानम् ८. १, ६.
अवरः १८. २, ३२.
अवर-परम् ११. ३, २०.
अवरम् १. ८, ३; ५. ११, ५; ७. ३५, ३; ८. ३, ३; १०. ८, ८.
अवरा ७. ४१, १.
अवरान् १२. २, २९.
अवराय १. १२, ४.
अव-रुन्द्धे ९. ६ (४), २; ४; ६; ८.
अव-रूढौ ६. १४०, १.
अवरे ५. २, ६; २४, १६; १०. ७, २१; १८. १, ४४; २०. ३४, ८; १०७, ९.
अवरे १. १७, २.
अवरेण ९. ९, १७; १८; १०, २५; १३. १, ४१.
अव-रोचते ३. ७, ३.
अवर्चसम् ४. २२, ३.
अवर्जुषीणाम् ८. ५०, २.
अवर्तत ४. २, ७; १९. ६, ८; ५२, १; ५६, ३.
अवर्तयः २०. २९, ३.
अवर्तयत् २०. २७, ५.
अवर्तिः ४. ३४, ३; १०. २, १०; १२. ५, ३७.
अवर्तिम् ९. २, ३; ४; ४, १७.
अवर्त्या १२. २, ३५.
अवर्धत २०. ३१, ३.
अवर्धत १५. १, ४.
अवर्धन्त ५. १९, ३.
अवर्धयत् २०. २७, ५.
अवर्माणः ११. १०, २३.
अववृत्रन् ६. २२, १; ९. १०, २२; १२. २, २१; ४१; १३. ३, ९; २०. ८, ३.
अवशः ६. ४२, ३; ४३, ३.
अवशत् २०. ९५, १.
अव-शसा ६. ४५, २.
अवशा १२. ४, ४२.
अवशाम् १२. ४, १७.
अवश्लक्ष्णम् २०. १३३, ६.
अव-श्वसम् ४. ३७, ३.
अव-सद्यते २०. १३६, ३.
अव-सर्जनाय ६. ८४, ३.
अवसा ५. २, ६; १८. १, ४१; २०. १०७, ९.
अवसान-दर्शः ७. ४१, १.
अव-सानम् १८. १, ५५; २, ३७; १९. १४, १.
अव-सृष्टा १. ३, ९; ३. १९, ८.
अव-सृष्टाः १७. १, २८.
अव-सृष्टाम् १४. २, ५३-५८.
अवसे ३. २०, ४; ५. २५, २; ६. १०८, २; ७. ६, २; ४०, १; ८. ७, २३; २४; २०. ३४, ९; ८०, २; ९२, १७; १०३, १; १०५, ५; १३६, १.
अवस्कवम् २. ३१, ४.
अवस्त १४. १, ५६.
अवस्यस्य ७. ९०, ३.
अवस्यवः २०. १४, १; २४, ९; ६२, १; ७२, २; ७५, १.
अवस्रन् १८. ३, २४.
अवस्वन्तः ३. २६, ६.
अवहत् २०. ७६, २.
अव-हतः ६. १३४, २.
अवहन् ११. ८, ४; १४. २, १.
अव-हाय ७. ५३, ४; १६. ४, २.
अव-हितम् ४. १३, १.
अवाचीः १०. २, ११.
अवाचीनम् १०. ४, २५.
अवाचीनान् १३. १, ३०.
अवाट् १८. ३, ४२; ४, १.
अवात् ८. १, २१.
अवाताय २०. ११६, ३.
अवात्सीः १५. ११, २; ३.
अवादिरन् ११. ४, ६.
अवादिषम् ४. ६, २; ५. ७, ४.
अवादिषुः ४. १५, ११.
अवारयन्त १०. ३, २.
अवास्तुम् १२. ५, ४५.

अविं-अनत् ५. २, २.
अविं-अनत् २०. १०७, ५.
अविं-ऋद्धिः १०. २, १०.
अविं-पश्यत् १२. ४, ९.
अविंः ३. २९, १; २; ५. १९, १; १०. ८, ३१; १२. २, ५३.
अविक्षत ६. ५२, २.
अविं-चाचलत् ६. ८७, १; २.
अविं-चाचलाः १०. ८, ४.
अविं-छेदाय ९. ६ (३), ८.
अविं-जानन् ९. ९, ६.
अविंज्ञात-गदा १२. ४, १६.
अविता १९. १३, ८; २०. ३४, ६; ३७, १०; ४६, ५; ६३, २; १२४, ३; ५.
अवितारम् ७. ८६, १; २०. १४, २; ६२, २.
अविंत्तेः १६. ६, १०.
अवित्सि १८. १, ४५.
अविंदः २. १०, ७.
अविंदत् २०. २१, १.
अविंदन् २. ९, ४.
अविदन् २. ९, ४.
अविदन्त १८. २, ४७.
अविंदम् ८. १, २०; २०. ९६, १०.
अविदम् ८. १, २०; २, ३; २०. ९६, १०.
अविंदाम ८. ५, ११.
अविदाम १०. १, १९; १८. १, १५.
अविंदुः-तरासः १९. ५९, २.
अविंदुषः ४. १८, २.
अविंद्याः ११. ८, २३.
अविंद्वांसः ६. ११५, २.
अविं-द्विषे १. ३४, ५.
अविं-द्वेषम् ३. ३०, १.
अविंधत् ४. ३२, १.
अविधवाः १२. २, ३१; १८. ३, ५७.
अविनक् ११. ३, ४.
अविन्दः २०. ७०, १.
अविन्दः २०. १३७, १०; ११.
अविंन्दत् १३. २, ३६; २०. ११, ४; १७, ८.
अविन्दत् २. २७, २; ५. १४, १; १७, ५; २०. १६, ९; ९१, १.
अविन्दत २०. २५, ४.
अविन्दन् १३. १, ४; ७.
अविंम् ३. १७, ३; २९, ३; ४; ५; ५. १, ९; ८, ४; ६. ७१, १; ७. ५०, ५.
अविं-मतः ६. ३७, १.
अवि-मोक्यम् ६. ६३, १.
अविं-राधयन्ती २. ३६, ४.
अविवेदीः २०. ३७, ५.
अविशत् १०. १०, ७; २५; ११. ८, ११; २३; ३०; १२. १, ५५; १५. १०, ५.
अविशन् ११. ८, १३; १८; १९—२२; २४; २५; २७; २९.
अविशन्त १०. ८, ३; २०. ९४, ६.
अविंश्व-मिन्वाम् ९. ९, १०.
अविषत् २०. ५६, १.
अविषम् ८. २, १९.
अविष्टम् २०. १३९, ५.
अविष्यवंः ३. २६, २; ११. २, २; २०. २२, २.
अविं-हृतम् ६. २६, १.
अवीः २०. १२७, ६.
अवीनाम् १९. ४७, ६.
अवीर-घ्नीः ६. ८३, २; १४. १, ३९.
अवीर-हा १. १६, ४; ६. १४, ३.
अवीराम्-इव २०. १२६, ९.
अवीवरत ३. १३, ३.
अवीवरन् ६. ८५, १; १०. ३, ५.
अवीवृतन् ७. ५७, २.
अवीवृताम् १४. २, ३६.
अवीवृधः १३. ४, ४१.
अवीवृधत् १. २९, ३.
अवीवृधन् २०. ९९, ६.
अवृक् १३. २, ९.
अवृकम् २०. १३९, १.
अवृकाः १८. १, ४४.
अवृकेभिः २०. ३७, ७.
अवृणक् २०. २१, ९.
अवृणीत २. ५, ७; ९. ४ ५; १४. १, १५; १८. ३, ४१[२].
अवृणीध्वम् ६. ७, ३.
अवृणीमहि ७. ९७, १.
अवृणोत् २०. ११, ३.
अवृतः २०. ९७, १.
अवृतन् ३. ३१, १.
अवृश्चम् १२. ४, ५०.
अवृषत ३. ३, ५.

अश्नुते ४. ६, ५; २१, ४, ९. ५, २६; १०. १०, ३३; १९. ३८, १.
अश्नुवन्ति २०. ७३ २.
अश्नवे ९. १०, १४.
अश्नुहि २०. २२, १.
अश्मनः ६. ४२, २; २०. १६, ४.
अश्मना ५. २३, १३; ६. १३८, ५; ७. ६५, २; १२. १, २२.
अश्मने १. १३, १.
अश्मनोः २०. ३४, २.
अश्मन्-मयानि २०. ६१, ३.
अश्मन्-वती १२. २, २६; २७.
अश्म-वर्म ५. १०, १–७.
अश्म-सु ३. २१, १; १२. १, ४६.
अश्महन्म-भिः ८. ४, ५.
अश्मा १. २६, १; २. १३, ४, ४. १२, ७; १०. ५, २०; १२, १, २६; १८. ४, ५४.
अश्मानः ४. १८, ३; ११. ७, २१.
अश्मानम् १. २, २; २. १३, ४; ७. ३५, ३; ८. ४, १६; १३. ४, ४१; १४. १, ४७; २०. ७७, ६.
अश्यमाना १२. ५, ३७.
अश्रद्धा ११. ८, २२.
अश्रद्धाः १२. २, ५१.
अश्रमत् ६. ६०, २.
अश्रयन् ११. १०, १०.
अश्रवन् ७. ६६, १.
अश्रवम् २०. १२६, ११.
अश्रातम् ७. ७२, १.
अश्रान्तस्य १९. २५, १.
अश्रीरम् ४. २१, ६.
अश्रु-मुखी ११. ९, ७.
अश्रेणि ५. १६, १३.
अश्रेष्माणः ३. ९, २.
अश्रैत् १३. २, ९.
अश्लीला १४. १, २७.
अश्लोणः १. ३१, ३.
अश्लोणाः ६. १२०, ३.
अश्व-अभिधान्या ४. ३६, १०; ५. १४, ६.
अश्व २०. १२८, १५.
अश्वः २. ३०, ५; ५. ५, ८; ८. २, २५; ९. ९, २; १०. १०, १६, ११. ५, १८; १३. ३, १८; १९. ५३, १; २०. १०२, २.
अश्वः-इव १०. १, १९; १२. १, ५७; २, ५०; १९. ५७, ४२.
अश्व-क्षुभा १९. ४९, १.
अश्व-जित् ५. ३, ११; ७. ५०, ८.
अश्वतरस्य ४. ४, ८.
अश्वतर्यः ८. ८, २२.
अश्वत्थ ३. ६, ५.
अश्वत्थ-पलाशम् २०. १३५, ३.
अश्वत्थ ३. ६; २; ३; ४; ६; ८. ८, ३.
अश्वत्थः ३. ६, १; ५. ५, ३; ६. ११, १; ९५, १; ८. ७, २०; १९. ३९, ६.
अश्वत्थः २०. १३१, १४.
अश्वत्थस्य ३. ६, ८.
अश्वत्थाः ४. ३७, ४.
अश्वत्थात् ५. ५, ५.
अश्व-पर्णाः ६. १२६, ३.
अश्वम् १. १६, ४; ४. ९, ७; ५. २९, १; ६. ७१, १; ८. ७, ११; १०. १, १७; २९; २०. १६, ११; २७, ३; ५५, ३; ९८, २.
अश्वम्-इव ४. ३६, १०; ५. १४, ६.
अश्व-यन्तः २०. ९६, ५; १२१, २; १२५, ३.
अश्व-युजौ १९. ७, ५.
अश्व-वत् १८. ३, ६१; २०. ७, ३.
अश्व-वति २०. २५, १.
अश्व-वती ३. १२, २.
अश्व-वतीः ३. १६, ७.
अश्ववतीम् १८. २, ३१.
अश्व-वत्या २०. २१, ५.
अश्व-वन्तम् २०. २५, ४,
अश्व-वान् ६. ६८, ३.
अश्वस्य ४. ४, ८; १५, ११; ५. ५, ९; ६. ३८, ५; ७२, ३; ९. १०, १३; १४; १०. ४, २; १९. ४९, ४; २०. २१, २; ४१, २; ११८, २; १३७, २.
अश्वस्य २०. १२९, १८.
अश्वस्य-इव ११. २, २२.
अश्वाः २०. १२७, १२.
अश्वाः २०. १२९, १.

७५; १९. ४६, ७; २०. ९४, ४.

असः ३. १२, ५; ६. १३१, ३; १८. २, ३०.

असत् १. २२, २; २. २८, ५; ३. २०, ६; २३, ५; ४. १३, ४; १६, ६; ६. ७५, ३; ७. ४२, २; ६०, ३; ८. ४, १२², १३; ५, २१; ७, २२; १०. ७, १०; २५; १६. ६, ११; १८. २, ३०; १९. ३१, २; २०. ७१, ११; ७६, २.

असत् १. २६, १; २. १, २; ३. १७, २; ६. ५, २; ७. ५६, ८; ९. ९, १५; १०. ४, १८; १४. २, १५; २१; १८. १, १२; १९. ४६, ७; २०. १५, २.

१, ंत १८. ४, ५५.

अशमहन्माः ४. १, १; ५. ६, १;

अशुसा १८. ४, ८; १०. ७, २५.

४ ति ६. ६४, ३; १११, १;

२० ३; ७. ३६, १; १४. १,

४, १८; १७. १, १६.

सतीभ्यः ७. ७६, १.

असत्-तराः ७. ७६, १.

असत्-मन्त्रात् ४. ९, ६.

असत्वम् १९. ४८, ३.

असत्-शाखाम् १०. ७, २१.

असदः १८. ४, ५२.

असदत् ६. ३१, १; २०. ४८, ४.

असदन् ७. ९५, १.

असदन् ६. ५२, २; २०. १०, ४.

असन् ८. ४, ८; ११. १, १३; ७, ३; १२. २, २६; २७; २०. ७६, ४.

असनत् २०. ९१, १०.

असनम् १९. २२, ७.

असनाम १६. ६, १.

असनाय १. १३, ४.

असनोत् २०. ११, १०².

असंतापे इत्यसम्-तापे ४. २६, ३; ८. २, १४.

असपत्नः १. १९, ४.

असपत्नः १. २९, ५; १०. ६, ३०; १९. ४६, ७.

असपत्नम् ८. ५, १७³ ९. २, ७; ८; १२. १, ४१; १९. १६, १; २७, १४.

असपत्नाः १९. १४, १.

असंपर्यैत् १४. २, २०.

असबन्धुः ६. १५, २; ५४, ३.

असमः १२. ३, ३८.

असमातिम् ६. ७९, १.

असम्-ऋद्धयः १४. २. ४९.

असम्-ऋद्धये ५. ७, १.

असम्-ऋद्धाः १. २७, २; ३.

असम्-ऋद्धे ५. ७, ७.

असम्-ख्याताः १२. ३, २८.

असम्-ख्येयम् १०. ८, २४.

असम्-ज्ञा १२. ५, ३४.

असम्-तापम् १६. ३, ६.

असम्-बाधम् १२. १, २.

असम्-बाधे १८. २, २०.

असम्-मल्यम् ५. १८, १२; १६, ११.

असम्-यत् १८. १, १४.

असम्-यत्तः २०. २५, ३.

असत्-स्थितम् ६. ५०. २.

असयः १०. १, २०.

असरन् २. १४, ६; ३. ३१, ३.

असर्व-वीरः ९. २, १४.

असवः ८. २, २६; १८. ३, ६२.

असवे १९. ४४, ४.

असश्चतः ५. ६, ३.

अससि १. २९, ३; २. ३, १; ६. १११, २; ४; ७. ११३, २.

असहन्त ११. १, २.

असहन्त ३. १०, १२.

असहिष्ट २०. ८७, ५.

असात् ६. १२८, १.

असाथ ३. ८, ४; १४. १, ३२.

असादयन् ११. ८, २८; २९.

असादाः ११. १०, २४.

असानि १. २९, ५; ३. ५, ५; ८, २; ६. ६७, १; ७. ३८, २; ८. ५, १९.

असानि १९. ३१, ६.

असाम १९. ४९, ६; २०. २१, ११.

असामि २०. ३०, ५.

असाविषुः १. १८, २.

असि २०. १३५, ४.

असि १. २३, ३; २५, २; ३; ४. ९, १०; ३३, ६; ५. ५, २; ११, ९; १४, ७; १६, १–११; ६. ४६, १; ७. ३८, ५; ४६, १; ३; ९. ३, ९; १०. १, २९; ११. ४, १८; १३. ४,

अस्तौ ६. ६३, १; ८. ३, ५; १९. १३, ५; २०. ३५, ७; ६५, ४.

अस्तौ-इव १९. ३४, ३; २०. ८९, १.

अस्ताः १. १६, २.

अस्तानीत् ५. २०, ३.

अस्ताम् ६. ५६, ३; १२. २, ४७; ४, ५२.

अस्तारम् २०. ७, १; १२७, ६.

अस्ताविं २०. ११९, १.

अस्ति १. १८, ३; ४. १२, २; ५. ६, १२; १३; १४; ११, ६; ७. ५, ४; ९७, २; १०. ७. ३१; ११. १०, २७; १२. ३, ४८; १४. २, १२; १८. १, ३३; १९. ५, १; २०. ६५, १; ३; ८२, २; ११७, २; १२५; ३; १४१, ५.

अस्ति ३. ६, ७; ४. १९, २; ५. ६, ११; ११, ५, ७. ७, १; ५६, ६; ८. ९, २२; ९. २, १२; ९, १; ११. १, ३३; २, २५; १२. २, ३६; १९. ५३, ४; २०. २७. ४; ३४, ५; ९७, ३.

अस्तु २०. १२८, १४.

अस्तु २०. १३५, १०[२].

अस्तु १९. ७, २.

अस्तु १. १, २; ३; ३, १–५; ९, २; १०, २; १२, ४[२]; १३, १[२]; ३; ४; २५, ४; २६, १; २; ३१, ४[२]; २. २, १; १०, २; ३५, ४; ३६, १; ४; ३. १०. २; ६; १४, ४; १५, १[२]; ४[२]; १६, ५; १९, १; ५; २१, १–७; २७, १–६; ३०, ७; ४. २२, २; ३[२]; ३४, ८; ३८, ६; ५. ३, १; ३; ४; ५; ७, १; ३; २०, ७; २८, ६; २९, ६–९; ३०, १२; ६. १२, ३; १३, १; १५, १; २०, १; २; २७, १; २; ३; २८, ३; २९, २; ३२, ३; ४०, १[३]; ५६, २; ५७, ३[२]; ६१, २[२]; ६४, ३; ६६, १; ६८, ३; ७१, ३; ७३, २; ३; ८४, ३; ९७, २; ९८, २; ११६, १; ३; १२८, २[२]; १४१, २; ७. ८, १; ४१, २; ७९, ४; ८०, ३; ८२, ३; ८७, १; १०१, १; १०६, १; ८. १, १; १८; २, १; ७; १६; ४, ३; ८; ११[२]; ९. ४, २०; ५, १२; १०. १, ५; ३, २; ११. १, १५; २, ८; १५[२]; १८; २२; ४, ७[२]; ८; २३; १०, ४; १२. १, ११; ४२; २; ९; ३, ११[२]; ३२; ३९; ४, ४५; १३. १, १७; १८; १९; २७; ४, ४८; ५०; ५१–५३; ५५; १४. १, १९; ५२; ६०; २, ६३; १५. ११, २[२]; ६; ८; १०, १६. २, ६; १८. १, ४६; २, ३१; ३६[२]; ३, ६१; ७१; ४, १५; ४८, १९. ३, ४; ४, २[२]; ७, ३; ८, २; ३; ७[२]; ९; २[२]; ३; ४; ५; ९; १३[२]; १४; १०, २[२]; ३; ४; ५[२]; ६; ७; ९[२]; १०; ११, २; ३[२]; ६[२]; १४, १; १५, ३; ५; ४६, ५; ४९, ५; ५८, १; ६४, ३; २०. ४, ३[२]; ५, ४; १७, २; ३९, १; ४५, २; ७०, १६; ७१, १; ८९, ३; ९४, ९; १४३, ८.

अस्तृतः १८. ४६, १; २[२]; ३; ४; ५; ६; ७; २०. ४७, ३; १३७, १४.

अस्तृतः १. २०, ४; ५. ६, ७.

अस्तृतम् १९. ४१, १; २०. ६८, ४.

अस्तृते १९. ४६, ५.

अस्तृ-भिः २०. ७०, २०.

अस्तोषत १८. ४, ६१.

अस्तौत् २०. ९१, ३.

अस्त्रम् ११. १०, १६.

अस्त्रा ११. २, ७.

अस्त्रा ६. ९३, २.

अस्त्रैणाः ८. ६, १६.

अस्थन्-वन्तम् ९. ९, ४.

अस्थ-भिः २०. ४१, १.

अस्थात् २. ३४, २; ६. ४४, १[२]; ७७, १[२].

अस्थात् ९. ९, १७; १०. १०, १३; १३. १, ११; ४१; २, ३३; १९. १३, १०.

अस्थाना २०. ११६, ५.
अस्थाम् १०. ५, ३६; १२. १, ११; १६. ९, १.
अस्थाम ३. ११, ११.
अस्थि ४. १०, ७; १२, ३; ४; ५; १०. ९, १८; ११. ८, ११; २९.
अस्थि-जस्य १. २३, ४.
अस्थितु ७. २७, १.
अस्थि-भूयात् ५. १८, १३.
अस्थि-भ्र्यः २. ३३, ६; २०. ९६, २२.
अस्थिरः २०. १३०, १९.
अस्थिरन् ४. २५, ७.
अस्थि-स्रंसम् ६. १४, १.
अस्थीनि ९. ५, २३; ११. ८, १२; १२. ५, ७०.
अस्थुः १. १७, ३; ६. ४४, १.
अस्थुः ६. ७७, १; ७. ९६, १; २०. १२, १.
अस्थ्नः ४. १२, १.
अस्नः ५. ५, ९; १९, ३.
अस्ना ५. ५, ८.
अस्पर्शम् ३. ११, २, २०. ९६, ७.
अस्पृंक्षत् ६. १२४, २.
अस्पृशन् ५. १९, १.
अस्पृशन्त १४. २, ३२.
अस्फुरत् २०. ३४, १३.
अस्मत् १. २, ३; ९, २; ४; १८, ४; १९, १; २; २०, २; २६, १; ३. ७, ७; ४. १७, ५; ६. २०, १; २६, ३; ४५, २; ७३, ३; ८४, ३; ९३, २; ९७, २; १२१, १[२]; १२४, ३; ७. २३, १; ४२, १; २[२]; ५३, १; ६०, ४; ६; ७७, ३; ८३, ३; ४[२]; ९२, १; ११५, २; ८. ७, १४; १०. १, १६; ५, २३; २४; ११. २, १९; २६; १२. १, ४९; ५०; ३, ५०; ५३; १३. १, ३१; १४. २, ४८; १६. १, १०; ११; १८. १, ४०; ४; ६९; ७०; १९. ११, ११; ३३, ३; २०. २३, ८; ३४, १६; ६७, २[२]; १२५, ७.
अस्म-त्रा २०. ९४, ३.
अस्मत्-सखा ६. १२५, १.
अस्मद्र्यञ्चः २०. ३७, १०.
अस्मभ्यम् १. १६, १; १८, २; २६, २; २. ६, ५; ३. ५, ३; ८, १; १२, ५; ४. १८, ६; ३१, ७; ५. ३१, ११; ६. ९२, ३; ११०, १; १२८, ३; ७. १४, ३; २४, १; ५०, ४; ७८, २; ११५, ३; ८. ४, १४; ९. २, ३; ४, ६; २२; ५, १२; १२. १, ६२; १४. १, ६२; १८. २, ३३; ३, १४; ४, ६२; १९. ११, ६; २०. ७०, १२.
अस्म-युः २०, २३, ७; २४, १.
अस्माकं १. ७, ६; ३. २४, ४; ७. ७७, १.
अस्माकम् २. १२, २; ३; २६, ४; ५; ३१, ५; ३. १०, १३; ४. ३१, ५; ५. ३, ११; ६. १५, १; ९३, १; १२६, ३; ७. ४१, २; ५०, ४; १०. ५, ३६[२]; १२. ३, ५५–६०; १६. ८, १[१०]; ५[१०]–३०[१०]; ९, १[२]; १८; ५, ६८; १९. ११, ७; ८; ११[३]; १४, १; ५७, ५; २०. ४, १; ३९, १; ६३, २; ७०, १६; ८५, ३; ९५, २; १११, २; १२४, ५.
अस्माकासः ४. ३१, ३.
अस्माकेन २०. १७, १०; ९४, १०.
अस्मात् ८. १, ४; ७, ५; ९. २, १७; १८; १२. ५, ३८; १८. २, २८; ४, ४९.
अस्मान् १. १, ४; १९, ३; २१, २; २९, १; २. ११, ३; १९, १–५; २०, १–५; २१, १–५; २२, १–५; २३, १–५; ३५, ४; ३. १, ३; २, ६; २७, १–६; ४. १०, ५; १९, ५; ४०, १–८; ५. ६, ८; ९; १०; १४, २; ६. ६, १; १५, १; २; १९, ३; २७, ३; ४७, १; २; ५१, २; ५४, ३; ६६, १; ११६, ३; ७. ९, २; २७, १; ६६, १; ७५, २; ८०, ५; ६; १०९, ४[२]; ८. ४, २३; ५, ४; ९. २, २५; ४, ७; १०. १, ७; २१;

५, १५–३५; १२. १, २५;
२, १२, ३३; १६. १, ५;
७, ५; १८. ३, ४५; ४,
८१; १९. ४, ४; १३, ११;
२०, १; ३; ३५, ४; ४५,
५; ४९, ३; ५०, ४; ६;
५८, २; ६४, २; २०.
१२, २; ३७, ९; ५६, ३;
७१, १२; ८१, २; ९२,
२१.

अस्माभिः ६. १२२, १; १२.
३, ४२.

अस्मासु ४. ३२, ४; ५. ६,
८; ६. ८४, २; ७. ५, २;
५२, १; ७६, ६; ८२, १;
१०. ५, ७–१४; ११.
५, २५; १२. २, ४६;
१९. ३, ३; ३१, ३; ४५,
२; ५७, २; ४; ६४, ४;
२०. ६७, २.

अस्मिं ३. १९, १; ४; ५.
११, १०; ६. ११७, १;
१२३, ३; १३३, ३; ८.
४, १४; १५; ९. १०, १५.

अस्मि १. ७, ४; ३४, ४; ३.
१८, ५; ४. ३२; ५; ६;
३६, ६; ५. ९, ७; ११,
३; १०; ६. ३९, ३; ५८,
३; १२३, ३; ७. ७९, २;
८. ४, १६; ९, २२; ११.
१, १९; १२. १, ५४^{२};
५८; १४. २, ७१^{२}; १६.
३, ६; १८. १, १३; १९.
३२, ५; २०. १२६, ९.

अस्मिन् १. ९, १; ११, १;
१५, २; २०, १; ३०, १;
३५, ३; २. २६; १; ३.
१४, ३; १८, ३; ४. ४,
४; ८; १६, ३; २२, ३;
५. ३, ८; २४, १^{२}–
१७^{२}; २६, २; ३; ७–
११; २८, ४; ६. ४७, २;
८५, १; ११७, ३; ७.
४३, १; ४७, १; ५८, २;
९७, १; ८. ५, २१; ७,
११; ९. १, ६; ४, २३;
५, २; ७; ११; १९, १७;
१०. ३, ५; १९; २०; २३;
२४; ४, ८; १२. २, १३;
१३. १, ४१; १४. १, २१;
२, ४८; ४९; १५. १२,
७; ११; १८. १, ४२;
५९; ३, २०; ६७; ४,
४६; १९. २७, १०; ४६,
५; २०. ११, ११; १२,
५; १३, १; १७, २; ४५,
३; ७७, २; ७९, १; ९४,
५; ९.

अस्मिन् ५. १९, ३; १०. २,
११; १२^{२}; १३^{२}; १४^{२};
१७^{२}; १९; ३, १७; ८,
२४; ११. ८, १६; १७;
३२; १२. ३, ३; १३. ४,
१३; २१; १९. ४६, ५;
२०. ५, ७; ७०, ५.

अस्मृति ७. १०६, १.

अस्मे-इति ४. २१, १; ५. १,
३; १८. १, ३; ४२; ४,
४६; १९. ४०, ४; २०.
१३, १; ७१, १३; १४;
८९, ६; ७; ९४, ५;
११९; २^{२}; १४३, ६; ७.

अस्मैं २०. १३९, १.

अस्मै १. ३०, ३; ४; २. २९,
१; २^{२}; ५; ३. ८, ४;
१७, ५; २८, ३; ४. २२,
२; ४; ३१, ३; ५. ३, ३;
४, ७; २६, ९; ३०, १२;
६. ४०, २; ५४, २^{२};
८०, २; ७. ७८, २; ९७,
३; ८. २, ६; ८; ५, १०;
७, ६; २३; २४; २७;
१०. ५, ७–१४; १२. २,
४५; १४. १, ३३^{२}; २,
२४; ३१; १८. १, ५५;
४, ३४; १९. ३०, २; ३८,
२; ५५, १; २०. १५, ३;
३५, १–६; ८; १२; १५.

अस्मै २. ५, ६; २८, ५; २९,
५^{२}; ३. ३, २; ४. ६, ३;
२२, १; ५. १, ९; १४,
४; १७, १७; १९, १५;
६. ७८, १; १२३, २;
१२८, १; ७. १४, ३^{२};
१८, २; ८. २, ५; १०;
१०(२), ९; ९. ५, २४;
२५; २६; १०. २, १५^{२};
५, ५०; ६, ६–११; १३;
१५; ११. २, ८; १८; २२;
१२. ४, १८; १९; ३५^{२};
१८. १, १०; ५५; २, १२;
१९^{२}; ३७; ३, ५०; ५१;
१९. ४१, १; ५२, ३;
२०. २१, १०; २७; २;
३१, १; ३४, ५; १४;
३७, २; ७६, ७; ८; ८९,
१; ५; ६; ९५, २; ९६,
३^{२}; ४. १३५, १२.

अस्य १. ९, २; ३२, २; २.

२; ११४, १; ८. २, ३; ६; ४, १४; ७, ६; १८; ८, ८; ९, २२; ९. २, २; ३, २; १५; ८, १०; ११; १२; १९; २०; १०. १, ४; १२; २, १०; ४, २१; ५, २५–३६; ७, ४३; ८, १६; ३८[२]; ९, २७; १०, ३[२]; ११. १, १९; २७; ३, १०; ३, १२–४९; ९, ४; १०, ९; ११; १२. १, ११; १२; ५४; २, १२[२]; ३३; ३, ४७[२]; १३. १, १९; ३८; २, ४४; ४५; १४. १, ३८; ५१; ५७; २, १९; ७१[२]; १६. ३, १; ४, १; ७, ८; १७. १, ६; २०; २१; २४; २७; २८; २९[२]; १८. १, ११; ४५; ३, ५२; १९. ९, १४; ३१, ४; ५; ६; १३; ३२, ४; ५; ७; ३६, ६; ४०, २; ५१, १[२]; ७०, १; २०. २७, १; २; ४२, १; ८२, १; ११५, १[२]; २; १२६, ९; ११; १२; १४; १२८, ४; १४१, ३; १४२, १.

अहम्-उत्तरे १२. ४, ५०.

अहम्-उत्तरेषु ४. २२, १.

अहंयः ६. ६७, २; १०. ४, ९.

अहंये ८. ४, ९.

अहंरत् १०. १०, ११.

अहरत् १०. १०, १०; १२.

अहंरितः १. २२, २.

अहर्यत् २०. ३१, ५.

अहर्यथाः २०. ३०, ५.

अहंल २०. १३१, ६.

अहा १८. १, ३१; २०. ८५, ३.

अहा-इव ५. १, १.

अहाः २. १०, ७.

अहाः ६. १०३, २; ३; ७. ५३, ३; १३. १, ४.

अहानि ७. ६९, १; ८२, ४; ५; १२. २, २५; १८. १, २७; २८; १९. ७, १; २०. ११, ४; १०.

अहानेतरसम् २०. १३५, ७.

अहार्षम् २. २६, ५; ३. ११, ३; ४; ६. ८७, १; ८, १, २०; २, १५; ७, २८; १९. ६४, १; २०. ९६, ८; ९; १०.

अहार्षीत् १३. १, ५.

अहासत २०. ७१, १०.

अहिंसतीम् ९. ३, २२.

अहिंसन्तः ६. ५०, २; १२. ३, ३१.

अहिंसन्तीः ९. ८, १३–१८.

अहिंः ४. ९, ८; ६. ५६, १; १०. ४, २६; १९. ११, ३.

अहि-घ्न्यः १०. ४, ७.

अहित ३. ११, ८.

अहिम् २. ५, ५; ६; ४. ३, ४; २४, ६; ६. १३९, ५; ७. ८८, १; १०. ४, ९; १०[२]; १६; १७; १९. ४७, ८; ५०, १; २०. ७, २; ३०; ४; ३४, ३; ११; ९१, १२; ९५, ३.

अहिरत्यर्थः २०. १२८, ६.

अहि-हत्ये २०. ३५, ८.

अहि इति १०. ४, ८.

अहीन् १०. ४, ६.

अहीनाम् २. ५, ७; ६. १२, १; १०. ४, १; ३; ४; २०; २१.

अहुत-अदः १. ३०, ४; १८. २, २८.

अहुतम् ६. ७१, २.

अहुतम् १५. १२, १०.

अहुताम् १२. ४, ५३.

अहुतेभ्यः ७. ९७, ७.

अहुवे २०. ६७, ७.

अहुमहि २०. ६४, ६.

अहूणीयमानः ५. १७, २; ६. ७४, ३; १८. ४, ६.

अहूणीयमानाः १. ३५, ४; ६. ७४, ३; ८. २, २१.

अहे ५. १३, ४; १०. ४, २१.

अहे ६. ५६, ३; १०. ४, १८.

अहेः १०. ४, १९; २६.

अहोता ९. ६ (६), ४.

अहोरात्रयोः १५. ६, १८; १६. ८, २४.

अहोरात्राः ४. ३५, ४.

अहोरात्राभ्याम् ६. १२८, ३; १३. २, ४३; १४. २, ४०; १९. ८, २; ७.

अहोरात्रे इति १०. ७, ६; ८, २३; ११. ५, २०; ६, ५; ७; ७, १४; १२. १, ९; ३६; ५२; २, ४९; १३. २, ५; ३२; १५. ६, १७; १८, ४.

अहोरात्रैः १३. ३, ८.

अह्नौ ३. १३, १.
अह्नः ८. ९, ६; १३. ४, २९; १६. ४, ४; १८. १, ७; २०. ८९, ५.
अह्ना ४. १८, १; १५. १८, ५; २०. ७७, ३.
अह्नाम् ३. १६, ४; ५. १२, ४; ६. १२८, २; ७. ८५, ४; ८१, २; १४. १, २४; १८. ४, ५८; २०. ११, ४.
अह्नि ६. ११०, ३; १९. ४६, २.
अह्नो ८. २, २०; १९. ४८, २; ५०, ७.
अह्नोः १६. ८, २५.
अह्यम् ४. १, २.
अह्रुता ६. ९२, ३.
अह्रुताः ६. १२०, ३.
अह्वत् ३. ४, ५; ६.
अह्वम् १८. २, २३.
अह्वयत् १०. १०, १०; २२.
अह्वयन् ५. १, ८.
अह्वयन्त ८. १०(२), ३; १०(४), १; ५; ९; १३; १०(५), १; ५; ९; १३.
अह्वयेथाम् ४. २, ३.
अह्वि ४. १७, २.
अह्वे ४. २७, १; ६. ८०, २.

आ

आ १. १, २; २, २; ७, १; ४; ५; ६; ७; ८, १; २; ९, ३; ४; १०, ४; १४, १; ३; १५, २[२]; २३, २; ३१, ३; २. २, ३; ५, १; ४[४]; ७; ६, १; ९, २; १०, ५; १२, ४; ५[२]; ८; १३, ४[२]; २५, ४; २६, १; २[२]; ५[३]; २९, १; २; ४; ७; ३०, ५[३]; ३५, ५; ३६, १; ५; ६; ८; ३. १, ६; ३, १; २; ३; ४; ४, १; ५[२]; ५, १; ४; ५; ८, १; ४; ६[२]; ९, ३; १०, ७[३]; ८; ११, २; ३; ४; १२, ३[२]; ७[४]; १३, १; ५; ६; ७; १४, ४; १५, १; ६; १६, ६; १७, २; २०, १; १०; २२, ४; २३; २[२]; ५; २४, १; ७; २५, ५; २९, ७; ३०, ५; ३१, ११; ४. ४, ६; ७; ८, १; २; ३; ९, १; ११, १; ४; १३, २[२]; ३; ५[२]; १४, ३[२]; ४; १५, ६; ११[२]; १४; १७, १; १९, १; ८; २०, १; ३; ४; ६; २१, १; ३; २२, २; ६; ७; २३, २; २४, १; २५, ५; ३०, ५[२]; ३१, ३; ३२, ३; ५; ६[२]; ३३, १; ३४, ५; ३७, ६; ३८, ३; ५; ६; ५. १, २[३]; ३; ४; २, ४; ६; ७; ३, ५; ४, १; ६; ५, ३; ५; ९; ७, १; ६; ८, १; २; ३; ७; ९; ११, ८; ९; १२, १; ३; ६; ८[२]; १३, ५; १४, ४; १७, २; १२; १९, ८; २०, ४; २१, १०[२]; २२, ११; २५, १; २; ३; ५; ७; ८[२]; ९; १०; ११; १२; १३; २६, ६; १२[२]; २७, ८; ९; २८, १२[३]; १४; २९, ५[२]; १२; १३; ३०, ७; १३[३]; ३१, १०; ६. २, १; २, २; ७, १; ११, १; १६, १; २२, १; २६, १; २८, २; २९, ३[२]; ३१, १; ३३, १; २; ३; ३५, १; २; ३; ३८, १; २; ३; ४; ४८, १; २; ३; ५०, ३; ५१, २; ५२, ३; ५३, २[२]; ५५, २[२]; ६०, १; ६१, १; ६२, २; ३; ६३, ४[२]; ६५, १; ६७, ३; ६८, १[२]; ७३, १[२]; ७६, २; ७७, ३; ७८, १; ७९, २[२]; ८१, २[२]; ३; ८२, २; ८७, १; ९२, १; ३; ९४, २[२]; १०१, १; २; ३; १०२, २; १०४, १; २; ३; १०८, १; ३; ५; ११०, १; ११७, ३; ११८, २; १२६, २[२]; १३३, ४; १३५, १; १३७, १; ३; ७. १, २; ५, २[२]; ६, ३; ८, १; ९, १; ४; १२, ३; ४; १३, १; २; १४, ३; १५, १; २०, ५; २२, १; २६, २; ८; २९, १; ३९; १; ४०, २; ४१, १; ४९, २; ५३, ३[२]; ६; ५५, १; ५७, १; ५८, २; ५९, १; ६०, १; ७; ६७, १; ७३, २; ४; ६; ९; १०; ७४, २; ७५, २; ७६,

१: ४; ६; ७६, २: ३२;
८१, ५२; ६; ८२, ४;
५: ६: ८४, ३; ८५, ९:
८६, ९; ६२, ५: ९१०,
३: ११४, १४: ११५, ६:
११६, २: ८, ९, ९२: ८४;
६: ११; २०१: २, ९२;
३: ७: १४: ३, ९: २: ८;
९: ३, ६; ५, २०:७,
४: ७: १०: २६; ८, २:
१८: ६, ६: १३२: २२:
१०(२), ४२: १०(१), २:
३: ५: ७; १०(४, ९२:
५: ६: १३: १०(५);
९२: ५२; ६२: १३: ६,
१, १४: २, ७: ११: ३,
२: १०: २१: ४, ९: ३:
६: १४: ४, १२: ३२: ५:
६: ३२—३६: ६(२), ३:
६(३), ९: ६, ८: १३:
१५: २२: १०, ८: १०:
११२: १२: १२: १३२:
१०, २, ५: ३: १: २८:
३३: ३, ९: २: ४, ३: १५:
२२: २४: ५, ४२: ३६:
६, २: ३२—३३: ८, ३५:
८, ३: २२: ४: १०, ५:
२०, ११; १२: १२, १,
४: १०: १३: १४२: १५:
२०: २६: २६: ३२: २,
२७: ४, ११: ५, ६: ११:
१३: १६: ६, १८: ७,
१४: ८, ४: १२२: १३:
१६: १७: १८: २६: ६,
३: ११: १०, ३: १०:
१६: १२, १, २०: २६:
४०: ४५: ११: २, १२:

६: १०: १२: १३: २२१:
२४: २८: ३०२: ३१:
४१: ४२: ४३: ४६: ४८:
५०: ५२: ३, ७: १३:
१४: १५: १७: २०२:
२२: २६: ३१: ३३:
४५: ४८: ५५—६०: ४,
६: १२: १३: १६: २६:
३४: ५१: ५, १५: ५१:
५६: ६३: ६३. १, २२:
३: ४२: ५: १०२: १४:
१५४: २०: २४: २६:
३०: ३३: ४५: ४६: २,
८: १: १०: १६: २५२:
३३: ३५: ३६: ३, ६:
२३: ५, ७: ११. २, ४:
१२: २०: २१: २५: ३६:
४७: ६१: ६२: ६, ५: ८:
११: १२: ११: १६: २१:
२२: १४: ५०: ३१: ३६:
३८: ३६: ५०२: ४८: ७०:
७१: ७३: ९४. १, ६: २,
३: ८२: ११: १४२: १७:
२०२: २३: २८२: ३, ६:
७, ३२: ५४: १०, २२:
८: १०: ११, ७: ६: ११:
१२, ६: १०: १६. १, ११:
४, २: १७. १, ८: ११:
२५: २६: ३०: १८. १,
२: ३: ८: ११: २१: २३:
२४: २५: २७: २८: ३७:
४२: ४५: ४६: ५२: ५३:
५७: ५६२: ६०२: ६६२:
७, ३: २१: २३: ३४:
५७: ६०: ३, २: २४:
२६: २३: ३०—३५: ३८:
४१: ४४: ४५: ४७:

४८: ५७: ५८: ६२२;
६४: ६५: ६७: ७१: ७३;
४, १२: १२: १२: १४;
१६—१४: १७: ४२: ४८—
५३: ६२: ६३: ६४: ६७:
८८२: ८६: १६. २, ५:
३, १: २: ४, ३: ७, ४;
५२: १३, ५: १४, १: १६,
१—११: २२, २१: २३,
३०: ३१, ७: ६: १०: ३२,
२: ३३, २: ५: ३४, ६:
३५, ३: ३७. १: २: ३६,
१: ४२, ३: ४४, १०: ४५,
५२: ४७, १२: ४६, १;
३: ४: ५०. ७: ५१, २;
५२, २: ३: ४२: ५३, १:
४: ५६, १: २: ५८, ५:
५६, १२: २: ३: ३४,
१: ३: ६५, १२: ६०, ३,
१२: २: ४, १: २: ५, ५:
७: ६, २: ८: ६: ७, ४;
८, २२: ३: ११, १२: ५:
१२, १: १३, १: २२:
४२: १२, ४: १५, ३: ५:
१६, ५२: १६, ४: ८;
१८, २: १६, १: २०,
२: ४२: २१, ३: २२,
२: ५: २३, १: ३: २४,
१: २: २५, ४: ५२: २६,
२: २७, ६: ३०, १: २:
३: ३१, ५: ३२, १: २:
३: ३४, ५: १८२: ३५,
६: १६: ३६, ३: ८: १०:
११२: ३८, १२: ३: ५:
६: ४३, १: २: ४४,
३: ४७, ५: ६: ७२: ८;
११: ४८, ४: ४६, २: ५०,

२; ५२, २; ३; ५३, २; ३; ५५, १; २; ५६, ४; ६; ५७, २; ३; ५; ७[२]; १२; १३; १५; १६; १९, ४; ६१, ४; ६२, ४; ८; ६३, ६; ६४, १; ४; ६७, ४; ५; ६; ६८, २; ३; ४; ७; ११[२]; ६९, १[२]; ५; ७०, ५; ८; ९; १७, १९; ७१, ७; ८; ९; १६; ७२, ३; ७३, ४; ७४, १—७; ७६, २; ३; ४; ७[२]; ८[२]; ७७, १; ५; ८; ७९, १; ८०, १[२]; ८१, २; ८२, २; ८४, १; २; ३; ८५, ४; ८७, ३; ८८, ३; ८९, २; ३; ९०, १; ९१, ४; ६; १०; ९२, २; ७; ११; २१; ९३, ८; ९४, १; २; ३[२]; ४; ५[२]; ९६, २; ७; ८; ९; १०[२]; २४; ९७, १; २[२]; १०१, ३; १०३, २[२]; १०४, ३; ४; १०७, ७; ९; १०; १४; १०८, १[२]; ११३, १; ११७, ३; ११८, २; १२०, २[२]; १२२, २; ३[२]; १२४, १; १२६, २०; २१; १२७, १; ७; ९; १२८, १५; १२९, १; १३५, १; ३; ५[२]; १३७, २; १३९. १; १४०, २[२]; ३[२]; १४१, ४; १४२, १; ३; १४३, ३; ५.

आ २०. १३३, १.

आ-अंक्ता १०. १, २५.

आ-अजिंयन् १२. १, ५७.

आ-अगन् ६. ११६, २; ३; ९. १०, १५; १८. ३, ३७.

आ-अच्यं १८. १, ५२.

आ-अजन्या ३. २५, ५.

आ-अञ्जल ४. ९, ३; ४; ५; ६; ७; १०; १९. ४४, १; १०; ४५, १.

आ-अञ्जनम् ४. ९, ९; १९. ४४, २; ३; ४५, ३; ४.

आ-अञ्जनस्य ४. ९, ८; ६. १०२, ३.

आ-अञ्जनेन १२. २, ३१; १८. ३, ५७.

आ-अदिंपि ७. ५६, ५.

आ-अपृणात् ४. ३५, ३.

आ-अबंभ्रन् १. ३५, १.

आ-अभंरत् ११. ८, ११.

आ-अभंरन् ४. २३, ६.

आ-अभिनात् २०. १३१, १.

आ-अयं २०. १३१, ८.

आ-अयंति ४. ३, ५; ६. ६०, २; ७५, २; ३; १९. ४६, ९.

आ-अयंनेन ६. १२२, २.

आ-अयंसि ६. १३०, ३.

आ-अवंहः ७. ९७, ३.

आ-अवंहत् ११. ८, १.

आ-अवाक्षुः ६. ७८, १.

आ-असिञ्चन् ६. १००, २;

आ-अस्थात् १३. २, २८.

आ-इतः ६. २९, २.

आ-इत्यं १. ७, ४; १०. ६, ५; १९. ५८, ६.

आ-इत्यं १०. १, २४; २८.

आ-ईमसि १०. ४, ६.

आ-ईरिरे २०. ४०, ३; ६९, १२.

आ-उंतम् ११. ७, १०.

आ-उंता ५. २३, १; ६. ६४, ३.

आ-उंताः ६. २३, २; १०. ८, ३७; ३८.

आ-उंतौ ५. २३, १; ६. ६४, ३.

आ-उत्सूयंम् ४. ५, ७.

आ-उप्यमानाः १२. ३, २८.

आ-एतिं ३. २, ६; ९. १, २.

आ-एतोः १२. ३, ५५–६०.

आः १४. १, ६[२].

आकरः २०. १२८, १३.

आ-किरन्तीम् ४. ३८, २.

आ-कूतयः ३. २, ४.

आ-कूंतये ६. ४१, १.

आ-कूंतिः ४. ३६, ४; ५. ३, ४; ६. ६४, ३; ७३, २; ११. ७, १८.

आकूति-प्रः ३. २९, २.

आ-कूंतिम् ५. ७, ८; ८, २; ११. ८, ४; १९. ४, २; ४.

आ-कूंताः ३. ८, ५; २०, ९; ६. ६४, १.

आ-कूंते ६. १३१. २.

आ-कूंत्या ३. २, ३; ५. ६, १०; १९. ५, ३[२].

आ-कूंत्यान् ५. २४, १–१७.

आ-कूंतिः १४. १, ४.

आ-कृत्यं १०. १, ६.

आक्तार्थः २०. १२८, ७.

आ-कंस्यमानः ९. ५, ८.

आ-क्रन्दः १२. १, ४१.
आ-क्रमणम् ५. ३०, ७; १२. १, ५४.
आ-क्रम्य ८. ८, १६.
आ-क्रियते १०. ५, ४५.
आ-क्रियन्ते १८. ४, ४६.
आक्ष्वेडन २०. ४, ६.
आ-क्षाः ७. ३३, १.
आ-खरे ६. ४६, ३.
आखुम् ६. ५०, १.
आगः ४. १३, १: १२. ३, १-२४: १८. १, ५२.
आ-गच्छतः ६. ८२, १.
आ-गच्छेत् १५. १०, १: ११, १: १२, २: १३, ११.
आ-गतम् १०. ४, ६.
आ-गतस्य ६. ८२, १.
आ-गताः १४. २, १०.
आ-गते ७, ५२, २; १२. ४, ४: १६. १३, १.
आ-गतेन १६. ५३, ७.
आ-गत्य २०. २४, ७.
आ-गमत् २०. २४, ४.
आ-गमिष्ठाः १८. १, ४५.
आ-गमे ६. ८१, २.
आ-गरे ४. ३६, ३.
आगसः १२. ४, ५०.
आग्नीध्रात् २०. २, २; ६७, ५.
आ-ग्राहाः ४. ३७, ५.
आघृणिः ७. ६, २.
आ-घोषते २०. २५, ६.
आ-घ्नानाः ११. ६, १४; १२. ५, ४८.
आङ्गिरसः ६. ४५, ३; ८. १०, १४; १०. १, ६; ११. १०, १०; १२; १३; १६. ४. ४; २०. १६, ७; ६०, ६.
आङ्गिरसम् ५. १६, २.
आङ्गिरसानाम् १६. ८, १५; १६. ३०, ३.
आङ्गिरसानि ११. ५; ५७.
आङ्गिरसीः ८. ५. ६; ७, १७; २४; ११. ४, १६.
आङ्गूषम् २०. ३५, २; ३.
आचरत् २०. १२७, ८.
आचार्यः २०. ४८. १.
आ-चरतम् २. ३४, ५.
आ-चरन्तो ७. ७३, ११; ६. १०, ५०.
आ-चरन्तोः २०. १३७, ६.
आ-चरिष्णुः ११. ५, ६.
आ-चार्यः ११. ५, ३; ८; १४-१७.
आ-चार्यम् ११. ५, १.
आ-चार्याय १६. ६४, ४.
आ-चितम् ४. ७, ५; २०. १२६, १८.
आ-चुच्युत्सिहि २०. १४०, ४.
आच्छत्-विधानैः १४. १, ५.
आ-जगन्थ १४. २, १६.
आ-जगाम ६. २७, १; ७१, २.
आ-जग्मुः ७. ६७, ४.
आ-जग्मुषः २. २६, २.
आजत् २०. १६, ५; ७; २४, ५; २८, २; ३६, २; ८८, ५.
आजत् १२. ४, २४.
आजि-बीलहासः २०. १४३, ६.
आजयः २०. ५६, ३.
आजिम् ६. ६७, २; ७. ८२, १; १३. २, ४; ५; २०. ८२, ५.
आजिषु २०. ५६, १.
आजौम् २. १४, ६.
आ-जुहोमि ६. ४, ६; १८.
आ-जुह्वानः ५. १२, ३.
आ-जुह्वानस्य २०. ६७, ३.
आजौ २०. १६, २; १३७, ८.
आज्यम् ५. ८, १; ६. ११५, ३; ७. ७०, २; ३; ६. ७, ८; ४, १; ५, ३८; ६(१), ११; १०. ६, ६; ११. ५, १३; ८, २६; १२. ४, ३४; १३. १, ५३; १६. ६, १०.
आज्यस्य १. ७, २.
आज्यानि ६, ११४, ३; ८. ६, १८.
आज्याय ११. १, ३१.
आज्ये ५. २१, २; ११. ६, ६.
आज्येन २. २६, ४; ५. २१, ३; ६. २, १; १०. ६, २५; १२. २, २३; १३. १, ५२; १६. २७, ५.
आञ्जन-अभ्यञ्जनम् ६. ६(१), ११.
आण्ड-अदः ८. ६, २५.
आण्डा-इव २०. १६, ७.
आण्डात् १४. २, ४४.
आण्डीकम् ५. १७, १६.
आण्डौ ६. ७, १३.
आण्ड्यौ ६. १३८, २.

९. ७३, २: ७४. १: २:
५१, २: ५८. २: ६१, १:
६८. ७: ८५, ३: ९१,
३²: १२५, ७: ७. १८,
२: ४०, १: ६४, १; ८३,
२: १०७, १: ११७, १:
८. १, ५: २, १४: ७, ३:
९. १, ९²: ७, २०: ३,
२२: २३: ६(१), ५: १६:
१०. २, ११: १६: ५,
२२: २३: ६, ३: १४: ७,
६: १०: ११: ३७: १०,
४: २९: ११. १, १७: २,
२४: ५, १३, ६, २३: ७,
२, २०: ८, २९: ३०:
१२. १, ३: ९: १९: २३:
३०: ५३: २, ४०: ३, ४:
१३. १, ४५: ३, ६: ४,
३७: १४. १, ३९: ४०²:
२, १६: ४५: १५. २, १६:
६, २: ३: १५, ७: १६.
१, १०: १८. १, १७: ३,
११: ४, ३९²: ४०: १९.
२: १²: ७²: ३: ९, १:
१४: १०, ८: १७, ६:
२७, ३: ९: ४०, २: ४३,
७: ४४. १: ९: ५४, १:
२०. १२, ५: १५. २: १७,
७: २५, १: २: ५२, १:
५७, १४: ७१, ३: ९२,
८: १०६, ७: १४३. ८.

आपः १. ३३, ४: ३. १३,
२: ७: ७. ८९, ३: १०.
५, ६–२१: १२. ३, १३:
२७: २९: १९. १, ८:
१२: ४, ६.

आपः-इव ८. ४, ८; ११. २,
८.

आपत् १. ३०, १; ११. १,
२२: १४. २, ६६⁴; १७.
१, २९; १९. २०, ४.

आ-पतन्तम् १२. २, ४७.

आ-पद्य ११. १, ३०.

आपन् १७. १, २८.

आपम् १२. ३, ४५.

आपाके-स्थाः ८. ६, १४.

आपि-त्वम् २०. ११४, १.

आपित्र १३. ७, ३०.

आ-पीतासः २०. १४२, ४.

आ-पीनाम् ९. १, ९.

आपुः ४. ३५, ४.

आपुः ९. ७, १९; १२. ३,
१८; १७. १, १२.

आ-पूर्णः २०. ८, ३.

आ-पृणासि १२. १, ९; १८.
२, ९.

आपेः ४. ३२, ६.

आपेयम् ३. २०, ९.

आप्तः २०. १२२, २.

आप्तम् ५. ७, ७; २०. १०७,
१०.

आप्त्यानाम् ५. २, ७; २०.
१०७, १०.

आप्त्ये १९. ५६, ४; २०.
१११, १.

आप्नुहि २. ११, १; २; ३;
४; ५.

आप्नोत् ३. १३, २.

आप्नोति ९. ५, २२; ६(६),
१२².

आप्नोति ४. ९, ५; ११, ६;
९. २, २४; ५, १४; १०.
२, २०; २१; ६, ६; १०;
१३. २, १५.

आप्नोतु ७. २८, ३.

आप्यम् २०. ८२, २.

आ-प्यायमानाः १८. ३, १७.

आ-प्याययन्ति ७. ८१, ६.

आ-प्रयच्छ ७. २६, ८.

आप्रियः ११. ७, १९.

आ-प्रुषायन् २०. १६, ४.

आ-बधे ५. २८, ११.

आ-बबन्ध ६. ६३, १; १३३,
१.

आ-बभूथ ४. ३१, ५.

आ-बभूव ५. १, १.

आ-बभूवुः १०. ४, २२.

आबयो इति ६. १६, १.

आबयो इति ६. १६, १.

आ-बेधुः ९. ३, ६.

आ-बेधे ५. २८, ११.

आ-भगः २०. ६४, ९.

आ-भगम् ४. २३, ३.

आ-भरन्तीम् ८. ९, १४.

आ-भवन् ३. २९, २.

आ-भाति १३. २, २.

आभिः २०. ३६, १.

आभिः २. २, ३; २०. ३६,
११.

आ-भुवम् २०. ६७, १².

आभूकम् ६. २९, ३.

आ-भृतः ११. ४, २०.

आ-भृत्या ४. ३१, ६.

आ-भूषति ७. ११, १.

आ-भूषन्तः २०. ९६, ५.

आ-भृतः २. ४, ५; ४. १०

आयुः-कृतम् ३. ३१ ८; १९. २७, ८.
आयुः-ददम् ६. ५२, ३.
आयुः-दाः २. १३, १.
आयुः-प्रतरणः ४. १०, ४.
आ-युजः ११. ८, २५.
आयुधम् ६. १३३, २; १०. १०, १८; ११. ९, १; २०. १३८, ३.
आयुधा ३. १९, ५; ४. ३१, १; ५. २, ५; २०. १०७, ८.
आयुधानि ५. १०, ८; ८. ८, २०; २०. ३५, १२.
आयन् २०. २१, १०.
आ-युजे २०. ९४, ७.
आयुषः १०. ३, १२; १९. ४४, १; ५८, १.
आयुषा ३. ५, ३; ३१, १–९; १०³; ११; ७. ८९, २; ९. १. १५; १०. ५, ४७; १२. २, ३२; ५५; १३. १, १७; १८; १९; १४. २, २; १९. २७, ८; ३३, १.
आयुषे १. ३५, १; २. २८, ५; ४. १०, ७; ५. २८, ६; १३; ६. ५३, १; ७६, २; ४; १८. २, २३; १९. २४, २; ३; २६, ३; ३२, १; ४०, ३; ४५, ६; ७; ८; ९; १०; ४६, १.
आयुष्पत्नी इत्यायुः-पत्नी ५. ९, ८.
आयुष्मत् ६. ९८, २.
आयुष्मतः ८. २, १३.
आयुष्मताम् ३. ३१, ८.
आयुष्मती १४. १, ४५.
आयुष्मतीम् ३. १०, ३; ८.
आयुष्मन्तः ६. ४७, १; २; ७. ६१, १; २.
आयुष्मान् ८. ५, १९; २१; १०. २, १०; १२; १७. १, १; १८. २, ४५; १९. २६, २; २७, ८.
आयुष्यम् २. २९, १; १९. २६, ४.
आयुषि २. ४, ६; ४. १०, ६; ५. २८, ७; ६. ७८, ३; ७. १४, ४; १२. २, १३; २५; १४. २, ६७; १९. ३४, ४; २०. १३७, ३.
आयोः ५. १, ६; १८. ३, २३
आरं ४. २७, ६.
आरण्याः ५. २१, ४; ६. ५०, ३; ११. २, २४; ५, २१; ६, ८; १२. १, ४९; १९. ६, १४.
आरण्यैः ३. ३१, ३.
आरत् १०. ४, १.
आरत् २०. ६८, ५.
आ-रधः ५. १८, ४.
आ-रधान् ८. ३, ७.
आ-रभमाणा ४. ३०, ८.
आ-रभ्य २०. १५, ४.
आरात् १. १९, १; २. ३, ६; ६. ३०, २; ३२, १; ७. ९२, १; ८. १, १२; २, ९; १२; ९. १०, २५; १०. १, १; २; १९. ३१, ११; ५६, ६; २०. ८९, ६; ७; १२५, ७.
आ-रुजन्तः ४. ३१, १.
आरुजत्नु-भिः २०. ७०, १.
आ-रुजासि २०. ९४; ९.
आ-रुजे २०. १२४, २.
आ-रुरुहतः २०. २९, ४.
आ-रुरुहुः ४. ११, ६.
आ-रुह १३. १. ९.
आरुहन् २०. ४९, १.
आ-रुहम् २०. ९४. ६.
आ-रुह्य ८. ५, ७,
आ-रुरोज ४. २४. २.
आ-रूढः ६. ११, २.
आरे १. २६, १²; ६. ४५, २; १०. ४, २६; २०. २३, ८.
आ-रेभाणान् ८. ३, ७.
आरेभाथे इत्या-रेभाथे ४. २८, ४.
आ-रेभे १. २८, ३; ४. १७, ३.
आ-रेलिय २०. ९६, १४.
आरे-शत्रुम् ७. ८, १.
आ-रेहणम् ६. ९, ३.
आ-रोचयन् १३. २, ३२.
आ-रोहणम् ५. ३०, ७.
आरोहन् ३. ६, ६; १३. १, ४३; २, ४२; १७. १, १०, १९. ३६, १.
आ-रोहन्तः ४. १४, ६; ११. १, ३७.
आ-रोहन्तम् २०. ३४. १३.
आर्चन् १३. ३, २३.
आर्जुनेयाय २०. ३७, २.

८७, १; १२. १, २४; २, ३३; ५५; १६. १, ८; १८. ३, ५५; १९. ३, ३; ५६, ७.
आ-विशतें ४. ३६, ८.
आ-विशन् १८. ४, ५८.
आ-विशे ४. ३६, ७.
आविंपुः २०. १३६, ४.
आ-विंष्टः ३. २१, २; ६. ८५, १; १०. ३, ५.
आ-विंष्टिता ५. १८, ३.
आ-विंस्थितानि ५. २८, १.
आ-वृणानः १९. ४२, ३.
आ-वृंतः १०. २, ३१; १३. ४, २–७; ९; १७. १, २७.
आवृतः ६. ७७, ३; १०. ७, ५.
आ-वृंतम् ६. १२५, २; ९. ९, १४; १०. ८, ४३; ११. ९, ४; १२. १, ८; २०. ९, २; ४९, ५.
आ-वृतम् १०. ५, ३७[२].
आ-वृंता ९. ३, १७; १०. १, ३०; १२. १, ५२; ५, २; १२; ५३.
आ-वृंताम् १०. २, २९.
आ-वृतें २०. २४, ३.
आ-वृंत्तः ९. ७, २३.
आ-वेशयन्तः ४. ३०, २.
आ-वेशयन्ती ७. ७९, ३.
आ-वेशितम् २०. १३६, ९.
आ-व्युषम् ४. ५, ७.
आ-शंसंत १२. ४, ४४; ४६.
आशंत २०. ७१, २.
आशत २०. ६२, १५.
आ-शयें २०. ९६, ११; १२.
आ-शरीकम् १९. ३४, १०.
आशवः ३. ६, ५; २०. ९६, ५.
आशवें १०. ६, ११–१७; २०. ६८, ७.
आ-शसनम् ५. १६, ५; १२. ५, ३९; १४. १, २८.
आ-शसा ७. ५७, १.
आ-शशानाः १८. २, २१.
आशाः ५. ७, ९; ६. ६२, २; ७. ९, २; ९. २, २१; १०. ५, २९; ८, ३६; ११. ६, ६; १९. १५, ६; ५२, ३.
आशानाम् १. ३१, १; २; ३.
आशा-पालः १. ३१, ३.
आशा-पालाः १. ३१, २.
आशा-पालेभ्यः १. ३१, १.
आशाभ्यः १०. ५, २९; २०. २०, ७; ५७, १०.
आ-शाम् ६. ११९, ३; १९. ४, २.
आशाम्-आशाम् ४. १५, ८; १२. १, ४३; ५४.
आशार-एषी ४. १५, ६.
आशा-संशितः १०. ५, २९.
आ-शासाना १४. १, ४२.
आ-शिरम् २०. २२, ६; ६१, ६; ६२, ३.
आ-शिषः ४. २५, ७; ५. २६, ९; ८. ९, २५; २६; ११. १०, २७; १२. ५, ५६.
आ-शिषम् २०. ६१, ११.
आशिषम् ११. ३, ३२–४९.
आ-शिषा १४. २, ९.
आ-शिषि ५. २४, १–१७.
आ-शीः २. २९, ३; ५. ३, ५.
आशीरः ११. ३, २६.
आशीरः ११. ३, २६.
आशीत् ८. ३, १७; ११. ३, ३१.
आशीविषः १२. ५, ३४.
आशुंगः ६. १४, ३.
आशु २०. १३५, ८.
आशुः २. १४, ६; १३. २, ३१; १९. १३, २.
आशुपत्वाः २०. १३५, ८.
आशुम् ७. ८५, १; १३. २, २; २०. ६८, ७; १०५, ३.
आशु-मत् ६. १०५, १; २; ३.
आशू इति २०. ८६, १.
आशून्-इंव ४. २७, १; २०. १६, २.
आ-शृण्वती ५. २०, ५.
आ-शृण्वन्तम् ६. १४२, २.
आश्नात् २. २७, ४.
आ-श्रावयन्तः ५. १३, ५.
आ-श्रेषम् ८. ६, २.
आश्वाः २०. १३१, ५.
आश्विनम् ६. १३१, ३.
आर्षम् ८. ८, १८.
आष्टें २०. १३४, ५.
आष्ट्र ४. १, ५.
आष्ट्री इति ६. २७, ३.
आ-श्लेषाः १९. ७, २.
आसं ७. ६६, १.
आस् ४. ३२, २; ५. २, १; २०. १०७, ४.

२१, ३; ७; २४, ८; २५,
१; ६; २७, १; २९, २;
३५, १–१५; ३६, १; ३७,
८; ३८, ४; ५; ४७, ४;
५; ५५, २; ५६, १; ५७,
२; ५८, १; ५९, २; ३;
६२, २; ६३, ३; ४; ६४,
४; ६५, १; ६७, १; ७;
६८, २; ५; ६; ७०, ७;
८; ७१, ११; १६; ७३,
१; ४; ५; ६; ७५, ३; ७६,
१; ८२, १; २; ८५, १;
८७, १; २; ५; ८९, ९;
९२, ८; १०; ११; ९७,
५; ९६, ३; ९८, १; ९९,
२; १०७, ४; ११०, ३;
१११, २; ११२, २; ११४,
१; २; ११५, १; २; ३;
११६, २; ११८, ३; १२३,
१; १२४, ६; १२६, ३;
१४; १६; १७; १२७,
११²; १३५, ४; १३६, १;
१३७, ११; १३९, ३;
१४०, ४; ५; १४३, ४; ६.

इत ३. १, २; २, ४; ८, ६²;
१३, ७; १९, ७; ३०, ५;
४. ३७, ३; ४; ५; ६.
६४, २²; ७. ७५, २;
९७, ७; ८. ७, १६; ११.
६, १८; १२. २, ३०;
३५; १८. १, ५५²; ४,
३७; २०. ६८, ११.

इतः १. ३०, ३; ३३, २; ३;
२. १४, ४; ५; ६; ३.
११, ६; ३१, ४; ४. ३,
१; ६, २; १४, ९; १७,
२; २५, ४; ३७, ११; ५.
४, १; ३; २२, १; ३१,
१०; ६. १४, ३; २३, २;
२५, १; २; ३; ८३, ३;
९५, १; १२६, २; ७.
२६, ५; ६५, १; ८३, २;
९५, ३; ११४, २; ११५,
१²; २; ३; ८. १, १८;
२, ८; ६, ७; ११; १४;
२३; २५; ८, २४²; ९,
६; १०. १, १४; १७;
२०; २४; ३०; ११. २,
१२; १४; २७; ५, ११;
८, ७; १०, ९; १४; १२.
१, ४९; २, २; ३; १३.
१, ३९²; २, १३; १४.
१, १७; १८; २०; २,
१९; ३३; ३६; १८. १,
६१; २, २७; ५१; ५४;
३, ३८; १९. ३४, ३;
३९, ६; ४४, ७; २०.
२४, ३; ७०, ६; ९६,
११; १३–१६; १०५, ३.

इतन ३. १४, ४; ५. ८, ३;
६. ८३, २; १०. ५, २३.

इतस् १. २७, ४; ६. ११८,
३; १२. ३, ४४; १८. ४,
४९.

इतरः १२. २, ८; २१.

इतर-जनाः ११. १०, १.

इतर-जनाः ८. १०(५), ९;
१२; ९. ७, १७; ११. ९,
१६.

इतर-जनान् ८. १०(५), ९.

इतरम् ११. ८, ३१; १२. २,
७.

इतरा ११. १, १३.

इतरान् ३. ११, ५; ७.

इतराभिः १८. २, ९.

इतरासु ३. १०, ४; ८. ९,
११.

इताम् ७. ५३, ३; १४. २,
११.

इति १. ३, १–९; ७, ४; ३.
१३, ४; १६, २; ३१, ५;
४. १७, २; २०, ६; ५.
१७, ३; ४; १८, ७; १९,
९; २३, १; ६. ८१, ३;
८२, २; ८४, १²; १२८,
१; १३०, २²; ७. ७४,
१; ८३, २²; १०९, ६;
८. ४, १५; १६²; ९,
१८; १०(१), १; १०(२),
२; ४; १०(४), १; ५; ९;
१३; १०(५), १; ५; ९;
१३; १०(६), २; ९. १,
२४; ४, १२; ६(२), १;
२; ९, १६; १०. १, ७;
१५; २, ५; १७; १०,
२३; ११. १, ७; २, २८;
३, २४³; २६; २७; २८;
२९; ३, ३२–४९; ६, ७;
८, २२²; ३३; १२. ४, १;
६; ४२²; ४८; ४९; ५२;
५, ५०; १३. ४, ४७;
५०–५४; १५. १, ४; ८;
३, १; २; १०, ३; ४;
११, २; ३; ५; ६; ८;
१०; १२, २; १३, १३;
१७, १०; १८. १, ४९;
२, २२; ४८²; ४, ७; १९.
३४, ६; ४४, ९²; २०.
३४, ५²; ११२, २; १२८,

२; ४; १२६, १३; १५; १६; १३०, १७; १८; १३१, १०; १३२, ५.

इति २०. १३१, १.

इति २०. १३२, १४; १३६, ६; ७.

इंति २०. १३५, १[२].

इतिह-आसः १५. ६, ११.

इतिह-आसस्यं १५. ६, १२.

इत्थ २०. १३४, १–६.

इत्थम् ३. १३, ७; ६. १३५, १; ८. ६, २२; २०. १३६, ६.

इत्था १. २०, ४; ४. १, ६; २०. २४, ३; ४१, ३; ७७, ३; ६२, १४; ६४, ७; १०६, १.

इदत्-वंसुः १३. ४, ५४.

इदम् १. ७, ३; ५; ८, १[२]; १६, ३[२]; २३, १; २४, २[२]; ३; ४; २६, ५; ३०, २; ३१, १; ३२, १; २. १, १; ३, ३; ५; १२, २[२]; ३[२]; १३, ३; २६, ५; ३०, १; ३६, ७; ३. ४, ५; ८, २; १३, ७[२]; १५, ४; १६, १; २३, १; २४, ४; २६, ७; ८; ३१, ५; ४. ४, २; ५, ५; ६, ८; ७, १; २; ८, १; ६, ७; १२, १; १६, १; ४; २३, ७; २६, ७; २७, ६; २८, १; ३०, ३; ३६, ८; ३८, ३; ५. ८, २; १२, ८; २६, १२; २७, ६; १२; २८, ६; २६, १; ६. १३, २; ३; २७, १; २६, २; ३[२]; ३३, १; ४४, १; ४७, ३; ५१, ३; ५३, १; ५४, १; ५७, १[२]; ६८, ३; ७७, १; ८३, ४; ८८, १; ८६, १; ६०, १; ६४, ३; ६७, १; १००, २; १०४, २; १०६, २; ११६, ३; ११७, १; २; १२२, ५; १२८, १; १३१, २[२]; १३६, ३; ७. १, २; ११, १; १७, ४; १८, १; २०, ६; २५, २; २६, ४; ३५, १; ३८, १; ५८, २; ६४, १; २; ६८, २[२]; ७४, २; ७५, २; ७७, १; ८६, ३; १०६, १; ५[२]; ८. २, २५; ३, ८; ८, १६; ६, २२; १० (१), १[२]; ६. १, १७; २, ८; ३, ५; ५, २०; ३८; ६(२), १; १०, १५; १०. १, ६; २, २२–२५; ४, ७[२]; १०; ५, १५–२१; ३६[२]; ६, १३; ७, ३५; ८, २; ५; ६; ६, २७; १०, ११; २६; ३४; ११. १, ११; २७[२]; २८[२]; २, १०[२]; ३०; ३, २४; ४, १; ८; १८; ५, १४, ६, ५; ६; ११; १६; २०; ८, १६; ३२; १२. १, ३; ५३; २, १; ३, ४४; ४५; ५, ५०; १३. १, १[२]; २०; २३; ५४, ५५[२]; २, ४४; ४५; ३, १५; ४, १२; २०; १४. १, ३८; ४५; ४६; ५६; २, ६; १६; ४६; ७४; १६. १, ४; ७, ८; ८, ४[७]–२६[२]; ३३[२]; १८. १, ४६; ५२; ५३; २, २; ५०; ५१; ३, २; ७; ६४; ४, ३५; ३७; ४४; ५१; ५२; ५६; १६. ६, ४; ६, १; ४; ११, ४; ६; १४, १; २४, ६; २७, ११; १२; १३; ३७, १; ४४, ७; ८; ४८, ३[२]; ५२, ५; ५६, २; ४; २०. ३, १; १६, १२; २१, २; ३; ७; ३२, ३; ३४, १५; ३८, १; ४७, ७; ६७, ७; ८५, ३; ८७, ६; ६६, २; ११३, २; १२६, १२; १२७, १; १३१, १०; १३५, ६[२].

इदम्-इंदम् ६. ५, २३; २४; २०. १४, ३; ६२, ३.

इदा २०. ६७, १.

इदानीम् ३. १६, ४; ८. ३, ५.

इदाह्नम् ६. ६(२) १.

इदावत्सरायं ६. ५५, ३.

इद्ध-अंग्नयः २०. २५, ४.

इद्धः ३. ८, ३; १६. ६४, ४.

इधीमहि १८. १, ५६[२]; ५७[२]; ४, ८८; २०. १०२, ३.

इध्मः १६. ६, १०.

इध्मम् १०. ६, ३५; १२. २, ५४.

इध्मेन ३. १५. ३; ५. ८, १; १६. ६४, २.

इन्द्र॑-इषिताः ७. ७०, २.

इन्द्र॑-ऋषभा १२. १, ६.

इन्द्र॑: १. ७, ३; ४; ७; ९, १; १६, २; २१, १; २६, २; २९, १; २. ५, ३; १४, ४[२]; २७, ३; ४; ५; २९, ७; ३. १, ६; ३, ३; ८, २; ११, ३; ४; १२, ४; १३, २; ३; १४, २; १५, ६; १७, ४; २२, २; २७, २; ४. ३, ५; ११, २; ३; ७; १९, ८. २१, २; ५[२]; २३, ५; ३२, २; ५. ८, ८; १८, ५; ६; १४; २१, ८; ११; २३, १; २४, ११; २५, ४; ६; २६, ३; ११; २९, १०; ३१, १२; ६. ३०, १; ३३, ३; ३९, ३; ४०, २; ४७, २; ५८, १; २; ३; ६५, ३; ६६, २; ६७, १; २; ७५, १; २; ८७, ३; ८८, २; ९४, ३; ९७, १; ९८, १; १०३, २; ३; १०४, ३; १११, ४; १२२, ५; १३८, २; १४१, १; ७. २४, १; ४४, १; ५१, १; ६१, ६; ८६, १; ८९, २; ९१, १; ९२, १; ९४, १; ११०, १; ८. १, १५; ४, १६; २१; २५; ५, ३; ५; १०; १४; १८; २१; २२; ८, १; १८; २३; १०(२), ५; १०(५), २; ९. १, १५; २, १३; १७; १८; ४, २१; ७, १; २०; ९, १९; १०. ३, ११; ४, १०; १२; १६; १७; १८; ५, ४७; ६, ७; ८, ४२; १०, ९; ११. १, २७; ५, ७; १६; १९; ६, २३; ७, १; ८, ८; ९; ९, २०; २५; १०, ११; १६; २७; १२. १, १०; १८; ४०; २, ५४; ३, २४; १३. १, २७; ५१, ३, १३; ४, ४६; १४. १, ३७; २, ४२; १५. १०, ६; १४, ३; १७. १, १८; १८. ३, १२; २५; ४, १५; १९. ५, १; ६, ७; ९, ६; १२; १०, ६; १३, २; ४; ७; ९; ११; १५, ३; १७, ८; १९, ९; २०, ३; २४, ८; २६, ४; २७, १; ९; ३४, ८; ९; ४३, ६[२]; ४५, ७; ४६, ३; २०. २, ३; ५, २; ७, ३; ११, १; ३; ४; ५; ७; ९; १०; १२, ३; ७; १३, १; १७, ३; ११; १२; २०, ५; ६; ७; २५, ६; २८, १; ३४, १–१७; ३५, ९; १०; १५; ३६, ७; ३८, ५[२]; ६; ३९, २; ४१, १; ४६, २; ४७, २; ५[२]; ६; ५३, ३; ५६, १; ५७, ८; ९; १०; १३; ५९, ३; ६३, १[२]; २; ४; ५; ६; ६७, १; ६९, ७; ७०, ८[२]; ९; १५; ७१, १; ७३, ४; ५; ७६, १; ८; ७७, ५; ८७, १; ७; ८९, ११; ९१, ६; १२; ९२, ४; ८; ११; ९४, १; ११; ९६, ३; ८; ९; ९९, २; १०४, ३; १०७, २; ११३, १; ११५, २; ११८, ४[२]; १२४, ४[२]; ५; १२५, ६; ७; १२६, १–२३; १२७, ११; १३७, ७; ९; १३; १३८, १.

इन्द्र २०. १२७, १३.

इन्द्रः २०. १२७, १३; १२८, १४.

इन्द्र॑ः-इव ४. ५, ७; ३१, ५; ६. ८७, २; ९. ४, ११; १९. २८, ३; ४६, २.

इन्द्र॑-गुप्ताम् १२. १, ११.

इन्द्र-जाः ४. ३, ७.

इन्द्र-जालेन॑ ८. ८, ८.

इन्द्र॑-जूतम् ६. ३९, १; २.

इन्द्र॑-ज्येष्ठाः ३. १९, ६; ७. ७९, २.

इन्द्र-धनुः १५. १, ६.

इन्द्र॑-पत्नी २०. १२६, ९; १०.

इन्द्र॑-पुत्रे ३. १०, १३.

इन्द्र॑म् ३. ३, २; १०, १२; १५, १; १६, १; २०, ७; २१, ८; ४. २१, ५; २२, ५; २४, ७; ५. २, ९; ३, ११; ६. ३८, १; २; ३; ४; ३९, २; ५४, १; ९७, ३; ७. ३८, २; ४६, ३; ८६, १[४]; ९८, १; ११०, २; ८. ४, २०; ९. ४, ९; १०, २८; १०. ७, ३०; १०, १०;

१५, ३; ५०, १; १०६, १.

इन्द्रिय-वान् १५. १०, १०.

इन्द्रियाणि १. ३५, ३; १९. ६, ५; २०. २०, २; ५७ ५.

इन्द्रियाय १९. ३७, २,

इन्द्रियेण ६. १२४, १; १६. १, ६; १९. ३३, २; ४२, ४; ४५, ७.

इन्द्रियैः १९. २७, १.

इन्द्रे १०. ७, २९; ३०[३]; २०. ३०, ३; ५६, ४; ६८, ५; ८९, ६; ११८, ४[२]; १२२, १.

इन्द्रे-इव १. ३५, ३.

इन्द्रेण २. २९, ४; ३. ५, ४; ६, २; २१, ३; ५. १४, ७; २०, १२; २१, ११; ६. ६५, ३; १०४, २; १२६, १; १२९, १; ७. ४१, १; ९०, २; ९३, १; ९८, १; ९. ३, ३; १०. ४, १२; ९, १; ११. १०, ९; १२. ४, ५०; १३. १, ३; १८. ३, ४८; १९. १३, ३; ३१, ७; २०. २१, ४; २८, ३; ३९, ४; ४०, १; ७०, ३; १०९, १; १४१, २.

इन्धते ४. २३, १; ८. १, ११.

इन्धते ११. ३, १७; १२. १, २०; २, ११; १३. १, ४०; १८. ४, ४१.

इन्धानाः ५. ३, १; १९. ५५, ३; ४.

इन्धाम् १२. २, ७; ३, २५.

इन्धे ५. १८. ५; ७. ८२, ६; ११. ३, १८.

इन्वत ५. २, ६; २०. १०७, ९.

इन्वथ ४. २७, ३.

इभः ११. २, १८.

इमम् १. ८, २; ९, १-४; १०, १; १५, १; २; ३०, १[३]; २. ६, २; ९, १; १३, १; २; २६, २; २८, १; ३[२]; ५; ३५, ५; ३. ३, ४; ६; २१, ८; ४. १३, ४; २२, १; २; २७, १; ३४, ८; ३८, ५; ५. ३, ११; ४, ६; ५, ४; २७, ८; २८, ४[३]; ३०, १४; ६. ५, २; ३०, १; ३५, २; ५४, २; ६३, ३; ८४, ४; ९१, १; ९५, ३; ९७, ३; ११[illegible], १; १३८, १; ७. २, १; ५, ५; ८, १; २०, ५[२]; २८, १; ५३, ४; ५८, १; ७३, ९; ७५, २; ७८, २; ८२, १; ९७, ८; ११६, २; ८. १, ६; १८; २, ५; ७; ८; १०; २०; ५, १२; १३; २०; २१; ७, २; ५; ७; १९; २२; ९. २, ७; ५, १७; ६(६), १३; ९, ३; १०. २, २०[२]; २१[२]; ३, १२; ६, १७; २९; ११. १, ४; १६; १८; ९, २६; १२. २, ४; ७; २३; ४३; ४७; ३, ४; ३२; ३७; १४. १, ३२; ३३; २, ८; १३; १८; २३; २५; ४०; ७०; ७३; १७. १, ११; १८. १, ६०; २, ५; २७; ३, ५२; ५३; ६०; ४, २८; ४०; ५५; १९. १, १; २[३]; ३; १३, ६; २४, १; २; ३; ४; २८, १; ३०, १; ४२, ३; ४६, २; ५४, ५; ५८, ५; ६; २०. ३, १; ११, ५; १३, ३; २४, ७; ३८, १; ४७, ७; ६९, ७; ९४, ९; ९७, २; १२६, ४; १४३, ४.

इमा ३. २०, ८; ५. २, ८; २२, ८; ७. ८७, १; ८. ४, ६; ९. ९, २; ७; ११. २, ११; १३. ३, १८; १७. १, १६; १८. १, ५१; १९. १३, १; ५३, २; ३; २०. २३, ३; ३४, ४; ६३, १; ७३, १; १०७, ११; ११७, ३; १२४, ४; १४१, ४.

इमाः २०, १२७, १३.

इमाः १. १७, ३; २. १०, ४; ३. ३, ३; ४, २; १२, ९; २४, ३; ४. २, ५; २०, २; २१, ५; ५. १३, ९; २८, १०; ६. २१, १; ८५, ३; ९८, २; १२२, ५; ७. १९, २; २०, १; ३५, २; ८. ७, १३; ९. ३, २३; ४, ६; १०. १, ११; ६, ९; ८, ३१; ३८; १०, ४;

११. १, १४; १७; २७; ४, १६; १२. १, ४२; २, ३१; ३, ३०; १४. २, ५२; १५. १५, ७; ९; १६, ७; १८. ३, ५७; ४, ३९; १९. ८, ६; ३२, ४; ४५, ४; ५३, ५; ७; २०. ६, ८; ११, ५; १७, ८; ७५, २^{२}; १०४, १; १३६, ११.

इमान् ६. १७, २; ५०, २; ७४, ३; ८४, २; ११. १, ११; १२. २, ३२; ५५; १४. १, ४६; २, २६; १८. २, २१; ३, ६२; ४, ५०.

इमानि ७. ६८, २; १०. ४, ७; १३. १, १४; १९. ९, ५.

इमाम् २०. १२७, ६.

इमाम् १. १८, २; २. ३६, १; ३. १२, ४; ७^{२}; ८; १५, ३; ४; १६, ३; १७, ७; १८, १; ६. १२५, ३; १३३, १; ८. २, १; ६, ९; १६; १० (२), २; ९. ३, १५; १०. २, १८; ६, १२; ८, ३६; ११. १, ५; ९; ५, ९; १०, १४; २६; १४. १, ३५; ३६; ५३; ५४; ५५; ५९, २, ४; २८; ५३–५८; १५. १३, १३^{२}; १८. २, ३८–४४; ४, ५; २०. ११, ८; ९१, १; ११७, ३.

इमाशु २०. १३५, ९.

इमे २. ६, ३; ३. १, २; ४. २४, १; ३८, ६; ५. ८, २; ६. ८, ३; २८, २^{२}; ८८, १; १२६, ३; ७. ६०, २; ७९, २; ८. ८, १६; २४; ९, ७; ९. ९, १२; १०. ४, ११; ६, ३१; ७, ४४; ८, ३१; ९, १२; ११. १, १८; २, ९; १२. १, १५; २, २१; २२; १३. ४, १०; २७; १४. २, ५९; १५. १५, ८; १८. ३, ६१; २०. ६, ४; १५, ४; १७, ३; २४, ५; ६९, ३; ८४, १; ८५, ३; ९६, १; १३५, ४; १४०, ३; १४१, ४^{२};

इमे इति ३. ३१, ४; ५. १२, ९; २०, ७; ६. ५८, १; ८. ५, [illegible]; १०. ७, ३५; ८, २; ११. ५, ८; ११; १३. ३, १; १९. १५, ५; ३१, ११; २०. ८०, १.

इमौ ४. १३, २; ६. ७८, २; १०. २, ६; १४. २, ६३; १८. २, ५६.

इयंक्षति १८. १, २३.

इयंक्षमाणाः ४. १४, ५.

इयथ ८. १, १०.

इयन्-इयन् २०. १३०, १७.

इयन् २०. १३०, १८.

इयम् १. ३४, १; २. ८, २; २५, २; ३०, ५; ३६, ३; ४; ३. १०, ४; ४. १, २; ४, ३; १६, ३; ३७, ६; ३८, ६; ५. २५, २; २६, ६; ३०, १६; ६. १७, १; २; ३; ४; ६०, २; १०९, १; ७. ३८, ५; ५६, १; २; ७३, ८; ८. ४, ६; ९, ११; १० (१), १; १० (२), २; ९. २, १५; ४, ८; ५, २०; ६ (१), १७; १०, ५; १२; १४; १०. २, २४; ५, ४३; ८, २६; ११. १, १; ६; ८; ११; ३, ११; ५, ४; ९, ४; १०, ४; ६; १२. २, २७; ३, ९; ११; १४. १, १८; ५२; २, १३; १४; २०; २८; ६०; ६३; ७४; १५. १०, ६; १७, १; १८. ३, १; ४, ५०; १९. ९, ३; २०. १५, ५; १३२, १०; १४३, ७.

इयर्त ६. २२, ३.

इयर्ति २०. ७०, १४.

इयर्मि २०. ११, २.

इयर्मि २०. २५, ७; ३३, २.

इयानः २०. १२२, २; १२७, ७.

इयानासः २०. ९१, ८.

इयारम् १२. ४, ४२.

इयाय १०. ७, ३१.

इरज्यति २०. ७०, १५.

इरज्यन्त २०. १२, २.

इरस्यसि २०. १२६, ३.

इरा ९. ७, १२.

इरा १५. २, १९.

इष्णानः २०. ३५, १३.

इष्णामि ८. ८, १४; १५.

इष्यति १८. १, २३.

इष्यन् २०. ३५, १२.

इष्यामि २०. १३७, ८.

इष्वा ५. ५, ४; १०. १, २७.

इष्वाः ५. १४, १२.

इह १. १, ३; ५, २; ७, ७; ८, १; ९, ३; १०, ४; १५, २^{२}; ३१, ३; २. ५, १; ४; ६, ४; १२, १; २६, १; ३. ३, १; ६; ४, १; ७; ८, ४; ११, ६; १२, १; २; १३, ७; १४, ४^{२}; ५; ६; १६, ५; १७, २; ७; २०, २; ६^{२}; २४, ३; ५; ७; २८, ३; ४^{३}; ३१, ९; ४. २१, १; २५, ५; ३१, ५; ३८, १; २; ४; ६^{२}; ७^{२}; ५. ३, ४; ६; ६, ५; ६; ७; ८, १; ११, १; १२, ८; ९; २०, ११; २५, ७; २६, १; ४; ५; २८, ३; ३०, १; ६; ११; १७; ६. ११, ३; २७, ३; ३२, ३; ४०, १; ५५, १; ५८, १; ६२, ३; ६३, ३; ७३, १^{२}; ३; ७४, ३; ८४, ४; ८७, २^{३}; ८८, ३; ९७, २; ९८, १; ११४, २; ११७, २; १२१, ३; ७. २, १^{२}; ४, १; ५, ५^{२}; ९, ३; १०, १; १२, ४^{२}; ४०, २; ५०, ३; ५२, १; ५३, २; ५; ६०, ५; ७; ६७, १; ७३, २; ७४, ४; ७८, १; २; ८२, ३; ८४, १; ८५, १; ९७, १; १११, १^{२}; ८. १, १^{२}; ३^{४}; ७; १८; २, ६; ७; ३, ८; ७, ६; ७; १०; ९. २, ८; ४, ६; २३; ९, ५; १८; १०. १, २०; ४, ९; ११. १, १; ४; १०; ८, ३३; १०, ९; १२. २, ८; २१; ३, १२^{२}; १३; ४३; १३. १, २; ४; ५^{२}; १०; १७; १८; १९; ३९; १४. १, २१; २२; ३२^{२}; २, १५; १८; १९; २४; २५; २९; ३१; ३२; ३७; ३९; ६३; ७१; ७४; १८. १, ७; ९; २५; ३९; ४५; ५९^{२}; २, १३; २१; २४; २६; ३७^{२}; ५७; ५९; ३, १; १४; २५—३५; ४३; ४४; ४५; ६१; ७३; ४, १२; १३; १६^{२}—२४^{२}; ३८^{२}; ६६; ८७^{२}; १९. ६, २; ९, १४^{३}; १०, ६; ४८, ४; ४९, ३; ५२, ४; ५३, ६^{२}; ७२, १; २०. ६, ९; २०, ४; २२, ३; २३, ८; २४, ४; २५, ७; ३३, १; २; ५७, ७; ६७, ५; ७७, १; ९२, ८; ९६, १; २; ९७, १; १०१, ३; १२७, १२^{३}; १३४, १; २; ३; ४; ५; ६; १३७, २.

इह-इह २०. १२५, २; १४३, ७.

इह-क्रतुः १८. ४, ३८.

इह-चित्तः १८. ४, ३८.

इह-भोजनौ १८. ४, ४९.

इहि १९. ४९, ७.

इहि १. १, २; २. ५, ४; १३, ४; २५, ४; ३. २, ५^{२}; ४, १; ५; ६; ४. ८, २; ९, १; १२, ६; १४, ५; १५, ११; ३१, ३; ३२, ३; ५; ६; ७; ३८, ६; ५. ४, १; ५, ५; ९; ७, ७; २२, २; ३०, ६; ७; ६. १६, ३; ४५, १^{२}; ६८, १; ७. ८, १; ८८, १; ११७, १; ८. १, ८; ९; १०(२), ४^{४}; १०(४), १; ५; ९; १३; १०(५), १; ५; ९; १३; ९. ५, ८; १०. १, ७; १६^{२}; २०; २४; २५; २६; २८; ४, ६; ९, ३; ११; ११. १, १३^{३}; १०, १८; १२. २, १^{२}; २१; ३, १; १३. १, २०; १४. २, ३४; ३५; १७. १, ६^{२}; ७^{२}; १८. १, ५४^{२}; २, ११; २१; ६०; ३, २; ८; ५८; ७३; १९. ३, १; २; २०. ५, ३; ५; ८, २; ६८, ४; ७१, ७; ९६, २४; १२६, २०; २१.

इहो २०. १२७, १२.

(इहउइति) इहो इति ३. १४, ४.

ई

ईळते ९. ६(१), ३.

ईक्षन्ते ४. १४, ४; १४. १, ३६.
ईक्षमाणः ९. ७, २३.
ईक्षमाणा १२. ५, २०.
ईक्षयन्तु ४. १५, २.
ईक्षयस्व ४. १५, ३.
ईक्षे १२. १, ५८.
ईङ्खयन्ति ९. १०, २७.
ईङ्खयन्तीः २०. ९३, ४.
ईजाते इति १३. १, ४७; ४९; ५०; ५१.
ईजानः १८. ४, १४.
ईजानम् १८. ४, १; १०; १३.
ईजानाः १८. ४, २.
ईजानानाम् ९. ५, ८; १२.
ईजिरे ७. ५, ४.
ईडते १४. १, ३७.
ईडते ४. ३२, २.
ईडानः ५. २७, ४.
ईडामहे १४. २, ३३.
ईडितः १८. ३, ४२.
ईडिता ४. ३१, ४.
ईडे ७. ५०, ३.
ईडे ४. २३, ३; ५. १, ८; १४. २, १९.
ईड्यः २. २, १; ५. १२, ३; ६. ९८, १; ११०, १; ८. ३, २६; १९. ५९, १; २०. १०१, ३.
ईड्यम् १७. १, १–५.
ईदृक् ४. २७, ६.
ईदृशे ३. १, २; ७. १०९, १; ७.
ईप्सन् ९. ५, १२.
ईम् ४. ३०, ४; ९. ९, ५; १०; १५; १०, १०[२]; १८. १, ७; २०; २, ४; २०. ५, ५; १८, २; ३४, ५; ५१, ४; ५३, १; ५४, २[२]; ५६, १; ५७; ११. ६८, ७; ७१, ८; ९१; ५; ७; ९२, १४; ९४, ३; ९५, १.
ईम् २०. १३५, ८.
ईमसि १०. ४, ६.
ईमहे २०. ७०, ६.
ईमहे ४. २३, १; ६. ३६, १; १८. ४, ६१; २०. ९, २; १९, ३; ६; २४, ६; ३६, ३; ४९, ५; ५२, ३; ५७, १६; ६३, ७; ८; ९; १०३, ३; १०८, २.
ईयतुः २०. १०५, २.
ईयते १२. १, ५१; २०. ३१, २.
ईयते ४. ३४, ४; १९. ५३, २; ५४, ५.
ईयन्ते ११. ८, २६.
ईयमानः १५. १, १.
ईयमानम् ११. २, १७.
ईयसे ४. १३, ३.
ईयसे ५. ६, ४.
ईयुः १८. १, ४४; ४६; २, ५५.
ईयुः ९. ९, ८.
ईरताम् ३. १९, ६; १८. १, ४४.
ईरते २०. १२१, ५.
ईरते १९. ८, ६.
ईरते ४. २५, ३; १३. २, १; १९. ३८, २; २०. १०, १; ५९, १.
ईरय ५. ३०, १४; ६. ३४, १; ७. ९७, ३; १८. १, २३; २०. ७६, ५.
ईरयत ४. १५, ५.
ईरयन् ४. १५, ११.
ईरयन्ताम् ५. १, ३; ६. ६१, १.
ईरयस्व १४. २, ३८; १७. १, ११.
ईरयामः ५. २९, ५.
ईरयामसि ८. २, ५.
ईरयेथाम् ५. १, ४.
ईर्त्सीः ५. ७, ६.
ईर्मा २०. ९४, ६.
ईर्माभ्याम् १०. १०, २१.
ईर्ष्याम् ६. १८, ३; ७. ४५, २; ७४, ३.
ईर्ष्यायाः ६. १८, १; ७. ४५, १.
ईर्ष्योः ६. १८, २.
ईर्ष्व १८. ३, २.
ईळते २०. १०२, २.
ईळय ६. १६, ३;
ईळिष्व २०. १०३, १.
ईळेन्यः २०. १०२, १.
ईवतः २०. १२, १.
ईवते २२. ९०, २.
ईशत ४. २१, ७; ७. ७५, १; १९. ४७, ६[२].
ईशत २०. १२७, १३.
ईशते ५. २१, ७.
ईशते २०. १७, ३.
ईशा ११. ८, १७.

उ

९; १८. ३, २३; १६. १३, ५; ७; ३२, १; ३४, ७; ६; ५२, २; ६५, १; २०. १४, २; ५३, ३; ५७, १३; ६२, २; ७०, १०; ७६, ३; ८६, ७; १०७, ४.

उग्र-जितौ ६. ११८, १.

उग्रतम् २०. १३६, १३.

उग्र-धन्वा ८. ६, १८; १६. १३, ४.

उग्र-बाहवः ३. १६, ७.

उग्रबाहुः ४. २४, २.

उग्रम् ३. ५, ४; १६, २; ४. १३, ५; २७, ७; ३०, ३; ३१, ३; ३६, ८; ५. २, १०; १७, १; ६. ५७, २; ६७, ३; ६६, १; ८. ५, १६; १०. ४, ३; ४; ६, ६; ७; ८; ६; १०; १२. १, १; १५. ५, ८; १८. १, ४०; १६. १३, ६; १०; ३३, ४; २०. ११, ११; ५४, १; ५५, १; ६३, ६; ८०, २; ६२, १६; ६४, ३; १३२, ६.

उग्रम्-पश्याः ७. १०६, ६.

उग्रंपश्ये इत्युग्रम्-पश्ये ६. ११८, २.

उग्रपश्ये इत्युग्रम्-पश्ये ६. ११८, १.

उग्रस्य १. १०, १; ६. ७२, १; २०. १२७, ११.

उग्रा २. २५, १; ८. ८, ६; ६. १, ३; १०; १६. १५, ४.

उग्राः ३. १, २; १६, ७; ५. २१, ११; ६. ७४, ३; ८. ७, ४; १०; १३. १, २; १६. ३४, ८.

उग्राभिः २०. ७०, १०,

उग्राम् २०. २५, ७; ३३, २.

उग्राय ७. १०६, १.

उग्रासः २०. ६४, २.

उग्राणाम् ४. २४, २.

उग्रेण ५. १३, ३; २२, २.

उग्रैः ५. १३, १.

उग्रौ ४. २८, ३; ६; ८. ६, २०; ११. २, १४.

उग्रौ ४. २८, ७.

उच्चा १३. २, ३६.

उच्चैः ४. १, ३.

उच्चैः-घोषः ५. २०, १.

उच्चैः-घोषा ६. १, ८.

उच्यत २. १४, ३; ६. २६, ३.

उच्यते ६. ६ (१), २; १०. २, २८; ३०.

उच्यते ३. १३, ४; ४. २१, ६; ५. १८, १४; ६. ४३, १, २; ६. २, ५; १०. २, २२; २३; ११. ४, १३[२]; १५; ८, ३४; १३. ५, १७–१८.

उच्यसे ४. ६, १०; १२. ४, ४; ५, ५३.

उच्यसे १६. ४४, १.

उच्येते इति १८. ६, ५.

उच्छतु २. ८, २[२]; ३; ४; ५; ३. ७, ७; ६. ८३, १; ७. ६८, १; ८. ४, २२; १४. २, ४८; १६. ६, २.

उच्छन्तु २. ८, २; ३. १६, ७.

उच्छ्रेत् ११. ४, २१.

उच्छोचन-प्रशोचनौ ७. ६५, १.

उत् १. १०, १; २२, १; २६, ५[२]; २. ३, ४; ६, २; ८, १; ६, १; २; १०, ६; ३. ४, १; ६, ५; ६; ११, ८; १२, २; १३, ४; १६, ३; १७, ३; ६; १६, ३; ६[२]; २४, ४; २५, १; ३१, १०[२]; ११; ४. १, ३; ३, १; ४, २[४]; ४; १२, ६; १३, १; १४, ७; ६; १५, ३; ५[२]; १६; २०, ८; २७, ४; ५. ६, ८[६]; १३, २; ३; १४, ११; २०, ८; ११; २२, ६; ३०, ११; ६. ५, १; २२, १; ३६, २; ५१, २; ५२, १; ७६, १; १०२, ३; १०६, ३; ११२, २; ११६, १; १२०, १; १२१, २; ३; १२७, १; १३०, ४[२]; १३४, २; १४२, १; २; ७. २६, २; ५०, ४; ५२, २; ५३, ७; ७२, १; ८०, १; ८३, ३; ६५, १; २; १०३, १; ११३, १; ८. १, २[४]; ३; ४; १६[२]; १७[४]; १८; १६; २, ८; ६; १५; २३; ४, ४; ७, २१; २८; ६, १; ६; १४, १; ५; ६; १३; १०(१), २; ४; ६;

८; १०; १२; १०(२), १;
१०(३), १; ३; ५; ७;
१०(४), १; ५; ६; १३;
१०(५), १, ५; ६, १३;
९. २, ३; ५, ६; ६(२),
२; ६(५), २; ५; ७; ८;
९, १७; २१; १०, २२;
१०. १, १७; २०; २९;
३१; ७, ४३; ८, २९;
१०, १९; २२; ११. १,
७; ९; १४; ४, २१; ५,
५; ९, २; ३; ५; ६; १२;
१३; १८; २१²; २६; १०,
१; ५; १२. १, ३०; ३९;
२, ५; २६; २७²; ३,
१५; २९; ३०; ३५; ३६;
४६; ५३; ४, २४; ५,
७२; १३. १, २; २३;
३६; ४१; ४३; २, १;
९; १६; २०; ३५; ३,
१-२५; १४. १, ३८;
३९; ५७; ५९; २, १६;
१९²; ३३; ३६; १५. २,
१; ९; १५; २१; १०, ३;
१७. १, ६²; ७²; २४;
१८. १, १०; २३; ४४²;
६१; २, २२; २३; ४३;
३, २; ८; ५०; ५२; ६५;
४, ६९; १९. १०, ८;
१३, १०; १९, १-११;
२७, ८; ५४, १; ६३, १;
२०. ७, १; १०, १; १२,
१; १६, ७; १७, ९; ११;
२०, ३; २८, २; २९, ३;
३९, ३; ४७, १३; १७;
५७, ९; ५९, १; ३; ६५,
५; ७१, १०; ७३, २; ५;
८८, ५; ९१, ३; ४; ८;
९२, ४; ९३, २; ६; ९४,
११; १०७, १४; १३७, २.

हुत १. ४, ४; ८, ३; ९, १;
२; ४²; ११, २; १२, ३;
१५, २; १७, २; १८, ४;
१९, ३; २२, ३; २८,
४; ३०, १²; ४; ३१, ४;
३५, ३; २. १, ३; ९, ३;
४; १२, १; २८, ३; २९,
३; ३२, ४; ३४, १; ३.
५, ५; ६, ८; ७, ७; १०,
९; ११, १; १३, ६; १४,
४; ५; १६, १; ४⁴; १९,
४; २०, ३; ८; २१, ३;
२८, २; ३०, ३; ४. २;
७; ८; ३, २; ४, ५²;
६, ३; ५; ६; ७, ६;
८, ५; ९, ३²; ६; १०,
३; ११, १; १३, १²;
१४, ५; १५, ७; ९; १६,
३²; ४; १९, ३; २०,
४; ८²; २१, १; २२, ५;
२५, ५; २८, २; ५; २९,
५; ६; ३०, १; ३; ६; ७;
३२, ६; ३७, ५; ५. १,
७²; ८; ७, ८; १२, २;
१३, १; १७, ८; १८, ९;
१०; २१, ११; २२, १३;
२३, ७; ८; ११; ३०, १२;
३१, ५; ६. ३, १; ३;
१८, १; २; २१, ३; २७,
३; ३८, १; ४१, १;
५९, २; ६०, १; ३; ६१,
१; २; ३; ७१, १; ३;
९२, २; ९३, २; ९५,
३; ९६, २; ९८, ३;
१०९, १; ११३, २; ११९,
१; १२०, १; १२६, ६;
१४१, ३; ७. ५, ५²;
११, १; २६, ८²; ३५,
२; ३; ३८, ३; ४९, २;
५०, ५; ६; ५१, १²;
५६, ६; ७३, ७; ७४, २;
८०, १; ९५, ३; ९७, १;
१११, १; ११२, २; ८.
३, ३; ५²; ७²; १९;
२०; ४, २२²; २४; ५,
६²; ६, १; ५; ६; १७;
२१; ७, १; २७; २८; ८,
१४; ९, २४; ९. १, २;
२, १४; २४; ३, १; ५,
१५; १०, ४; १०. १,
२७²; ३, १३; १४; १५;
४, ५; ७, १९; ३२; ८,
१२; १७; २३; २५; २७;
२८⁴; १०, १; ३४; ११.
१, १८; ३४; २, ४; १५;
२९²; ४, ७; १६; ५, ४;
६, १; ३; ८; १७; २१;
९, १५; २१; २४; १२.
१, ३; २५; २८; ३२; २,
१७; ३, ११; १२; १६;
२७²; ४, १८; ५०; १३.
१, १५; ३८; २, २६²;
३, ७; १४. १, १०; २८;
४४²; २, ४८; ६९; १७.
१, १२; २९; १८. १, ५;
४८²; २, ३३; ४९; ३,
५३; ५५; १९. १, २; ६,
४; ११, ४; ६; १५, ३;
२२, २१; २३, ३०; ३२,
४; ३५, ४; ४४, ६; ४८,
४; ५०, ५; ५३, ५; ५६,

८. ६, १६; ९. २, ११; १०. ७, ३५; १३. १, ४; ४६; ३, १; ६; १८. २, ६; २०. ७१, ३.
उर्वीः ५. ३, ६.
उर्वीभिः १२. २, ४८.
उर्वीम् १८. ३, २२.
उर्व्यः ११. ७, १८.
उलपेषु ७. ६६, १.
उलम् १२. १, ४९.
उलुलयः ३. १९, ६.
उलूकः ६. २९, १.
उलूक-यातुम् ८. ४, २२.
उलूखलम् ११. ३, ३; १२. ३, १३; २०. १३६, ६.
उलूखल-मुसलानि ९. ६(१), १५.
उलूखले १०. ९, २६.
उल्का १९. ९, ८; ९.
उल्काः १९. ९, ९.
उल्काम्-इव २०. १६, ४.
उल्कुषी-मान् ५. १७, ४.
उल्बः ४. २, ८.
उवक्थ १. १०, ३.
उवाच १०. १, ७.
उवाच २०. ८७, ३.
उवास ३. १०, १; १८. १, २०.
उवे २०. १२६, ७.
उशतः ७. ६७, ३; १८. १, ५६.
उशता २०. ९६, ३.
उशताम् १८. १, २०.
उशती ७. ४७, २; १४. २, ३८; १९. ४९, २; ४; ८.
उशतीः ७. ४९, १; १४. २, ५२; २०. १७, १.
उशतीः-इव १. ५, २.
उशत्-भिः १८. ३, ४६.
उशधक् २०. ११, ३.
उशन् १८. १, ५६; ३, ४६; २०. ६७, ५; ८७, २.
उशना २०. २५, ५.
उशना-इव २०. ७७, २.
उशनाम् ४. २९, ६.
उशन्तः १४. २, ३८; १८. १, ५६[२].
उशन्तम् १८. १, २०.
उशन्ति १८. १, ३.
उशिक्-भिः २०. ११, ४.
उशिजः २०. ३३, ३; ७५, ३; ७७, ६.
उषः १६. ६, २; २०. १५, ३.
उषः १६. ६, ६[२].
उषः २०. १४२, २; ३.
उषत्-भिः २०. २६, ६; ४७, १२; ६९, ११.
उषसः ३. १६, ६; ७; ४. २१, १; ७. २२, २; ७३, ६; ८२, ४; १०. १, ३२; ७, ३१; ८, ३०; १४. २, ३१; ४३; ४४; १६. ४, ६; १७. १, ३०; १८. १, २७; ३, २४; १९. १०, १०; ४९, ६; २०. ७२, ३; ७६, २.
उषसम् १०. २, १६; १३. २, ४६; २०. ३४, ७; ९१, ५; १०७, १५.
उषसा ८. ९, १२; १६. ६, ५.
उषसानक्ता ५. १२, ६; २७, ८; ६. ३, ३.
उषसाम् ३. ७, ७; ७. ८१, २; ८२, ४; ५; १४. १, २४; १८. १, २७; २८; ४, ५८.
उषसे १९. ४८, २; ५०, ७.
उषाः ४. ४, २; ७. ६९, १; ९. ६(५), १; ११. ६, ७; १५. २, १३; १६. ६, ५; १८. १, २०; १९. १२, १; ४८, २; ५०, ७.
उषाम् २०. १६, ९.
उष्ट्रस्य २०. १३२, १३.
उषाम्-उषाम् १२. २, ४५.
उष्ट्रा २०. १२७, २.
उष्णान् ८. ९, १७.
उष्णिक् १९. २१, १.
उष्णिहा ६. १३४, १.
उष्णिहा-अक्षरः १३. १, १५.
उष्णिहाभ्यः २. ३३, २; ९. ८, २१; १०. १०, २०; २०. ९६, १८.
उष्णीषम् १५. २, ५; ११; १६; २५.
उष्णेन ६. ६८, १.
उष्पलानि १४. १, ६०.
उस्रा १२. ३, ३७.
उस्राः २०. ९१, ४.
उस्रियः १. १२, १; ९. ४, १.
उस्रियाः ४. २६, ५; १४. १, ३२; २०. १६, ७; ७०, १; ८८, ५; ९१, ८.
उस्रियाणाम् २०. १६, ६.
उस्रियाभिः ३. ८, १; ५. २०, ३; २१, १.

उस्रियायाः ७. ७३, ५; ६; ८. ३, १७.

उस्रियासु ७. ७३, ४.

उह्यते १४. १, १३.

उह्यमानम् १४. २, ६.

ऊ

ऊं इति १. ६, ४[२]; ११, १; १४, ३; २४, ४; २. २, ३; ३, ३; ४; ५; ६, २; १३, २; ३; २६, ३; ३०, २; ३. ४, ६; ७, ५; ११, ४; २१, ४; २३, ५; ४. ३, ४; ६; ४, २; १२, ३; १६, ६; ३०, ५; ३६, १०; ३६, ६; ५. १, ५; ४, ६; ६, ४; ११, ११; १२, ४; १३, २; ३; १४, २; ६; २२, ६; ६. १, २; ११, ३; २१, १; २६, २; ३; ५६, ३[२]; ५७, १; ७४, १; ८५, १; ८७, २; ६१, ३; १२४, २; ३; १३३, १[२]; १३६, २; ७. ५, २; ६, २; २०, ६; ३१, १[२]; ५६, ८; ७०, २; ७३, ३; ७; ७४, ३; ८४, २; ८५, १; १०३, १; ८. २, १३; ४, १३; २०; २१; ५, ५; ६; ६, ३; ६, १०; १६; १७; २३; २५; ६. १, ६; ७; ४, ४; ७; ५, ७; ६(३), ६; ६, ६; १५; १६[२]; १०, ४; ६; १०. २, २; ३; ७; १३; ३, ५; ४, १८; ७, ३८; ८, ४; १६; २८; १०, १३; १४; १५; ११. १, ११; ४, २०; ८, १; १२. १, १२; २, ३[२]; ३, ३; २६; ४७; १३. २, १६; २५; ४, ५[२]; ४१; १४. १, ४०[२]; १५. १०, ६; ७; १६. ६, २; १८. १, ७; १२; १४; १६[२]; ३७; ५०; २, ८; २६; ३०; ३३; ५०; ५१; ३, ६; ७; २०; ३८; ७१; ७३; ४, ११; ४४; १६. २, १[२]; ६, ६[२]; १०, २[२]; ३; ७[२]; ८; ६[२]; ११, १; २; २४, ४; ५; ६; ८; ३४, ६; ५३, ६, २०. ५, १; ८, ३; १०, १; १२, १; १४, १; ३; १८, १; २; २०, ४; २१, १; ३५, १–८; ११–१५; ३६, २; ४५, १; ४७, १३; ५०, २[२]; ५७, ७; ५६, १; ६१, १; ४; ६२, १; ३; ८; ६४, ४; ६७, ७[२]; ७६, ४; ६०, २; ६२, ११; ६५, २; ६६, २; ५; ६; ६७, १; ३; १०४, १; ११८, १; १२६, ३; १३; १२८, ३; १३५, ६; ७; १४२, १.

ऊचिम ७. ८३, २; १६. ४४, ६.

ऊचुः १८. ४, ४६.

ऊतयः २०. ६०, ५; ७१, ५.

ऊतये ४. १८, १; २५, ६; २७, १; ६. ३५, १; ८०, २; १६. २४, ७; २०. ११, ११; १४, २; ३; १७, १; २०, १; २६, १; ४५, ३; ५७, १; ४; ६२, २; ३; ६८, १; ७०; ७१; ७१, १५; ८५, ३; ४; १३७, २; १४३, ३.

ऊति-भिः ७. ३१, १; १७. १, १०; १६. १५, १; २०. २१, १०; २५, १; २६, २; ३७, ३; ५४, २; ७०, १०; ८१, २; ६२, २१; ११८, १; १२४, २.

ऊतिम् २०. २७, ४.

ऊती ७. ७७, १; १८. १, ५१; २०. ३३, ३; ३४, १५; ३७, ११; १०५, ३; १२४, १.

ऊदिम १०. ५, २२.

ऊधुः ६. २२, १; ६. १०, २२.

ऊधः ४. ११, ४; ८. १०(२), ५; ६. ७, १४; १०. ७, १६; ६, २२; १०, ७; १२. ४, १८.

ऊधनि ७. ७२, ३.

ऊधः-भिः २०. १४२, ४.

ऊनः १०. ८, ४४.

ऊनम १२. १, ६१.

ऊनयीः २०. २१, ३.

ऊनेन १०. ८, १५.

ऊपे २२. १६, ३.

ऊबध्यम् ६. ४, १६; ७, १७; ११. ३, १२; १२. ५, ३६.

ऊर्माः ५. २, १; ३; २०. १०७, ४; ६.

ऋ

एकं ... १२; ७. ११५, ३; ८. २, २१; ११. ६, १६; १९. ४६, ५.
एकं-शफे ५. ३१, ३,
एकं-शीर्षाणः १३. ४, ६.
एकं-शृङ्गाः ८, ७, ४.
एकं-श्नुष्टिन् ३. ३०, ७.
एकस्मिन् १२. ३, ३६; १८. १, १७.
एकस्य ९. १०, २६; १८. १, ३.
एका ५. १५, १; ६. ८३, २²; ७. ४३, १; ८. ९, १३²; ९. ५, १०.
एका २०. १२९, ३.
एकाः ७. ४३, १².
एकाकिना १९. ५६, १.
एकादश १९. २७, ११; १२; १३; ४७, ५.
एकादश-ऋचेभ्यः १९. २३, ८.
एकादशाः ५. १६, ११.
एकाम् ५. १, ६; १५. १३, १.
एके ६. १२२, २²; १०. ७, २७; ८, ३६; १०, ३२²; १८. २, १४, १९. ५६, २; २०. १३२, १४.
एके इति १०. ७, ५२.
एकेन ५. ११, ६; ११. ८, ३३²; १९. ५५, ५.
एकेन-एकेन १०, ८, ३०.
एकेभ्यः १८. २, १४.
एकोनविंशतिः १९. १३, १६.
एजत् ९. १०, ८; १६; १०. ८, ६; १२. १, ३; ४; १३. २, ३१.
एजतः २०. १३६, १.
एजति ७. २०, ६; ८. ९, ८; १०. ८, ११; १२. १, ४६; १९. ४७, २.
एजतु ४. ४, २.
एजत्-एजत् ४. ५, ४.
एजत्-काः ५. २३, ७.
एजथ ६, २२, २.
एजथुः १२. १, १८.
एजाति ६. २२, ३.
एणी-इव ५. १४, ११.
एत ११. १, १८.
एतत् १. ३५, २; २. १३, २; ३. ११, १; २१, १–७; २२, १; २९, ७; ४. ७, ७; ११, ८; ५. ३, ५; ६, २; १०, १;–७; १९, १०; ६. २९, १; ३२, १; ११३, १; ११८, २; १२३, ५; ८. १, १०; ९. ५, ११; ६(२), १; ६(३), ९; ७, २५; ९, ४; १०. १, २८; ८, २४; ११. १, ३१; ३, ५०; ५, २३; १२. ३, ८; ३०; ३७; ४८; ४, १४; १५; ४८; १३. २, १३; ३, १–२५; १४. १, १४; २९²; २, २१; ४१; ६९; १५. १७, ८; १६. १, ८; १८. १, २; ३; १२; १३; २, ३७²; ५७²; ३, ३९; ७३; ४, ३१; ६४; ७५; ७६; ७७; १९. २४, ४; ३३, ४; ५०, ६; २०. ९६, ६.
एतत् १८, ३, ४०.
एतम् १. ३०, २; २. २९, ६; ३. १२, ८; ४, १, २; १४, ७; ६. ८७, ३; १२२, १; ३; १२३, १; ८. १, १०; ९. ४, ८; २४; ५, १; ६; १२; ३७; ३८; १०. ६, ३५; ९, १; ११. १, २९; ३, ३२–४९; १२. २, २३; ३, ७; १९; ३४; ३८; ४४; ४६; ५३; ५५–६०; १३. ४, १५–२१; २२; २४, १८. १, ५५; ३, २; १३, २०. १३०, ५.
एतवे ६. २३, २; २०. ९२; १४.
एतशम् २०. ३५, १५.
एतस्मात् ११. ३, ५२.
एतस्य ७. ४५, २; ९. ६(२), ११; १९. ५२, ५.
एतस्याः १९. १७; २; ४; ६; ८; १८, २; ४; ६; ८.
एतस्याम् ५. १७, ६.
एताः ४. ११, ११; ३४, ५; ६; ७; ५. २१, १२; २९, १४; ७. ११५, ४; ९. ५, १५; ११, १, १५; १८, ४, ३३; १९. ६४, ४; २०. १२९; १.
एतान् १. १९, ३; ५. २२, ११; ६. ११९, २; १३. १, ५३; २०. २१, ९.
एतानि ५. २२, ८; ७. ४२,

२; ७९, ४; ८०, ३; १९. ८, १.

एताभिः १२. ४, ४९.

एताम् २. २९, ७; ५. ११, २; १८, १; ७. ४५, २; ७३, ७; ९. ५, ४; १०, ४; ११. १, २४; २, २६; १२. २, ४८; ३, २१; ४, २४; १४. १, ३१; १७. १, ८; १८. २, ५; ३, ४९; ५२; १९. ४, १; ४, ४; ५६, ४.

एतावत् ४. ११, ८; २०. ८२, १.

एतावतः ५. १२, ७.

एतावती ४. ३०, ८.

एतासु ५. १३, २.

एति ४. २४, १; ९. ४, ११; ८, ७; ११. २, २२; १२. ३, ४८; १९. ८, १.

एति १. १२, १; ४. १९, ६; ३४, ४; ५. १७, ९; १४; १८, १३; २३, ६; २७, ४; ६. २०, १; ५२, १; ८. ५, २; ९, ९[२]; २१; ९. ६(१), ४; ९, ९; १०, १६; २३; १०. २, १९; ८, १६; १०, ६; ११. ५, ६[२]; १२. २, ११; ४, २०; २१; १३. २, २५; २७; ४३; ३, २५; ४, १–९; १४. १, ७; १८. १, ५३; ४, १३; १५; ३७; ६०; १९. ५४, १; २०. १०७, १५.

एतं ६. ७५, ३[२].

एतु १. ११, ४; १५, २; २१, १; २७, २; ४; २. ७, ५; १०, ५; ३४, १; २; ३. १, १; ४; ६; १५, १; १९, ६; २३, २; ५; ४. १, २; ३, २; ५; १५, ६[२]; ३८, ३; ५; ५. १२, ८; १३, ३; ४; १४, १३; २२, ४; ३०, ११; १३[२]; ६. २९, १; ३८, १; २; ३; ४; ५३, २[२]; ७६, १; ७९, २; ८९, २; १२१, ३; १४०, ३; ७. ९, २; ६७, १; १०८, १; ११६, २; ८. २, ८; ३, ११; १४; ४, १०; २१; ७, १५; ९. ४, ७; १०. १, १; २; १०; १९; ४, २२; २५; ११. १, १७; १२. १, ४०; ३, १७; १३. १, २०; १४. १, ३९; ५९; १८. ३, ६२[२]; ७२; ४, ५७; १९. ४, ४; १०, ८; १३, ९; ३९, १; ५२, ४.

एते २. ३६, ७; ५. १, ४; २, ३; ७. ९९, १; ८. ४, २०; ९. ६(२), ६; १३. ४, १३; १८. १, ९; ६१; २०. ३७, १०; ५६, ६; १०७, ६.

एते इति ७. ५४, १.

एतेन ४. १५, ११; ५. ६, ५; ६; ७.

एतेभ्यः १८. २, ५४.

एतैः ११. १, ३६; १२. ३, २९.

एतो इति २०. ६५, १.

एतौ ७. ८१, १; ८. २, १८[२]; ९. ४, १२; ११. १, ६; १२. २, ३२; १३. १, ४६; २, ११; १४. १, २३.

एधः ७. ८९, ४; १२. ३, २.

एधति २०, १२७, १०.

एधतुः ११. ७, २२.

एधतुम् ९. २, ११.

एधन्ते १४. १, २६.

एधस्य २०. १२६, १८.

एधस्व १८. २, २५.

एधि ३. २८, ३; ४. ३१, २; ६; ५. ३०, ६; ६. ८७, २; १४२, २; ७. ७८, १; ११. १, ७; २२; १२. २, १०; ४९; १४. १, ४३; ४४[२]; २, १८; १८. ३, ७; ४, ३८[२]; १९. १३, ८; ५५, ३; ४.

एधिषीमहि १४. २, १७.

एधिषीय ७. ८९, ४.

एधिषीय ७. ८९, ४.

एनः २. ३५, ३; ५. ३, ४; ६. ९७, २; ११३, १; ११५, २; ११६, २; ३; ११९, ३; ७. ४२, १; २; १०. ३, ८; ५, २४; १२. २, ११; १६. १, ११ २०. ३४, १०.

एनश्चित्पङ्क्तिका २०. १३०, ११.

एनत् ६. ११३, १; ११७, २[२]; ८. ९, ३; १०. ७,

४३[२]; १६. ६, ४; १९. २६, १.

एनम् १. ६, ३; १२, ३; ३०, २; ३५, २; २. ५, ७; ६, १[२]; २८, १; २; ३. ११, १[२]; २; ३[२]; ४; ४. ६, ५[२]; ११, ४; १६, ७; ५. २, १; १८, ५[२]; ६; ६. ५, १[२]; ७५, १; ७६, १; ४; ११०, २[२]; ११२, १; १२३, २; १३३, ३; ७. १४, ४; १६, १[२]; ३५, १; ५३, ४[२]; ५६, ५; ८. १, २[२]; ३, ४[२]; ८; ११; १४; ५, १३; ९. १, २४; २, १३; १९; ३, १०; ४, १८; ५, ४[२]; ५; २३; २४; ७, २६; १०. ३, १६; ५, ३६; ८, २३; ११. १, १६; २४; ३०; ३, २८[२]; २९[२]; ३, ३२[४]–४९[४]; ५६; ५, २; १२. ३, ३४; ३६; ३८; ४२; ४३[२]; ४, १९; ४८; ५, ४५; ७२; ७३; १३. ३, ११; १५. २, ८; १४; २०; २८; ४, ३; ६; ९; १२; १५; १८; ५, २[२]; ५[२]; ७[२]; ९[२]; ११[२]; १३[२]; १५[२]; ७, ३[२]; ५[५]; १०, २; ८; १०; ११, २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२, २; १३, १२[२]; १३; १६. ७, १[६]; २; ३; ११; ८, ४–२९; ३३; १८. ३, ४[२]; ५; ८; १२; ५०;

५१; ३, ४; ५०; ७१; ४, ११[२]; ६६; १९. १, ३; २४, २; ३; २६, १; ३६, २; ३८, १; ७२, १; २०. ३४, ५; ७१, ८; ९४, ३; ९५, १; ९६, ६[२]; ७; ८[२]; ९; ९७, १; १०७, ४; १४३, ८.

एनयोः ७. ४४, १.

एनंसः २. १०, ८; ५. ३०, ४; ६. ५१, ३; ८४, २; ११५, ३; ७. ६४, २; ७७, ३; १२. २, १२; ४, ९; १४. २, ४४; ५९; ६०; ६१; ६२.

एनंसा २. ३५, २.

एनस्यः ६. ११५, २.

एनस्यम् ८. ७, ३.

एना ४. ८, ७; ३०, ८; ५. ११, ५[२]; ६[२]; ९. ६, ६; १७; १८; २२; १०, २५; १२. ३, ३३; १३. १, ४१; १४. १, २१; १८. १, ५०; ६०.

एनांसि ६. ११५, १.

एनाः ५. २९, १४; ६. १४१, १; ७. ११५, ४.

एनान् २. २५, ४; ५; ३. ६, ५; ८[२]; ४. ३४, ३; ४; ४०, १–८; ५. ३, १०; ८, ९[२]; १२, ३; २१, १; ६. १०४, ३; ७. ७, १; ८. ३, १६; ८, ३; ४; १०; ११; २१; ९. २, ५; १०; १६; १०. ३, २; ११. १, २०; २५; १२. ३, ३०;

४, १५; १३. १, २६; ३२.

एनाम् ३. १२, ८; २५, ६; २८, २; ५. ३१, १०; ७. ७३, ७; ८. ९, ९; ९. १०, ४; १०. १, १; २; १०, ३२; ११. १, ७; २१[२]; २२[२]; १२. ४, १; ११[२]; १७; २२; २५; ५०; १४. २, ३७; १८. ३, ३; १९. ४, २.

एनी ६. ८३, २; १८. १, ३२.

एनीः ८. ३, ७; १८. ४, ३३; ३४.

एने इति ५. २, ९; २०. १०७, १२.

एनेन ९. ६(४), २; ४; ६; ८; १२. २, ३७.

एनौ ७. ६५, २; १४. २, ६४.

एन्यः २०. ९२, ७.

एभिः २०. २१, ४[२].

एभिः २०. १३, ४.

एभ्यः ८. ८, २४.

एभ्यः २. ३५, ४; ३. २७, १; २; ३; ४; ५; ६; ६. ९३, २; १०. ६, १६; ९, ७; ११. १, २६; ३२; २०. ७५, ३; ८३, १.

एमि ४. २८, ३; ५. १, ७; ६. ८, ३; ५१, २; ७. ६०, १; ९. ३, २२; ११. ९, ४; १९. ४, २; १७, १–१०; २०. १२६, १९.

एरुम् ६. २२, ३.

एतसमानः ६. ११८, २.

एव २०. १३०, ११.

एवु २०. १३६, २.

एवु २०. १३६, ६; ७.

ए॒व १. १, २; ३^२; २, ४; ३, ६; ७; ८; ९: ११, ६: १३, ३; १५, २; ३१, ४: २. १, ३; २, १; २; ४, १; ९, ५^२; १०, २–८; १५, १–६; २८, १; ३०, १: ३६, ४; ३. ६, ३; ६; ८, ३; १०, ४; ११, २; ६; १२, १; २; १४, ४^२; ५^२: १६, ५: १८, ३: २५, ४: २५, ६: ३१, ९: ४. २३, २: ३०, ३: ८: ३२, २; ३९, १; ३: ५; ७: ५. २, ९^२; ६, ३; ८, ३: ९; १७, ३; ८: ९; १८, ४; ११: १९, ११: २१, ४: ५; ६; २५, २: ३०, १; ६. ८, १; २; ३; १७, १; २: ३: ४: १८, २; २९, ३: ४६, ३: ५८, २; ७०, १; २; ३: ७१, १; ७२, १: ७३, ३; ७४, ३; ८५, ३; ८७, २; ८९, २: ९७, १; १०२, १; १०५, १; २; ३; ११७, २; १२२, २; १२४, २: ३: १३८, ५: १३९, ४; ५: १४१, ३; ७. १३, १; २७, १: ५०, १: ५: ६०, ७; ६७, १: ७८, १; ७९, २; ८२, ३; ८८, १: ११०, २; ८. १, १८; २, ७: ९, ११; १०(१), १: १०(२), २: ७: ९; १०(४), ३; ७; १०(५), ३; ७: ११: १५; १०(६), ३: ४; ९. १, ११: १२: १३; १६: १७; २४: २, ७: ८: ५, २२: २४: ३१–३६^२: ६(१), ५^२–१५; १७; ६(२), २: ६(३), ९: ६(६), १: २; ३; ५; ६; ९, ११: १०. १, १३: २०; ३२; ३, १३; १४: १५; १७–२५; ६, ३३; ७, ४–७; १०–१६: १८; १९; २०; २२; ३९; ८, ११; १६; १७; २४; ३०: ४४; १०, २६; ११. १, २०; ३, ११; ३०; ३१; ३, ३२–४९: ४, १९: २१; ८, २; ६; १२. २, १०; १८: २५; ३९: ४६; ३, २०; २६; ४९; ४, १; १५; १६: १८; ३४; ५, ६५; १३. १, १७; १८; १९; ४, ५; १२; २०; २५; १४. १, २२; ४३; १५. १, १; ६; ८; ३, ११; १०, ४; ५: ६; ११, ३; ४; ५; ६; ८: १०; १३, २; ४; ६; ८; १०^२: १४; १७, ९; १०; १६. ७, ४; १७. १, २०; २१: १८. १, १५; २, १४; १६; १७; ५९: ४, ३८; ५५; १९. २, ५; ६, ४; ७, ४; ९, २;° ३^२; ४^२: ५^२: १४: ३१, ९: ३४, ४: ५०, ४: ५३, ४^२: ५७, ६: २०. ८, १; १२, ६; ३४, १: ३५, ९: १०: १६; ६०, १^२; २; ४; ५; ६: ६४, ४: ६६, ४; ७१, ४; ५: ६: ८८, ६: ९४, ४; ६; ७^२; ९६, ७; १०७, १२^२: १३३, ५; १३९, ३; १४०, ४: ५.

एवति २०. १३६, ६; ७.

ए॒वम् ८. १०(१), ३; ५; ७; ९; ११; १३; १०(२), १०; १०(३), २; ४; ६; ८; १०(४), ४; ८; १२; १६; १०(५), ४; ८; १२; १६; १०(६), १; ४; ९. १, २३; २४; ६(२), ७; ६(४), १; ३; ५; ७; ९; १०: ६(५), ३; ५; ७; १०: ६(६), १४; ७, २६; १०. १०, २७; ३२; ११. ३, ३२–४९; ५१; ५४; १२. ४, २२; २३; ५, ४६; १२, ८; १३. ३, १–२५; १५. २, ३; ८; ११; १४; १७; २०; २३; २८: ३, ११; ४, ३; ६; ९: १२; १५; १८; ५, ३; १६; ६, ३; ६; ९; १२; १५; १८; २१: २३: २६; ७, ३; ५; ८, ३; ९, ३; १०, १; ११, १; ७; ९; ११: १२, १; ४: ७; ११; १३, १: ३: ५; ७; ९; १४; १५, २; ४; ६; ८; १०; १२; १४; १६; १८; २०; २२; २४.

एवैः ८. ४, ७: ९; २०. ९१, ११.

ऐ

ऐलवः ६. १६, ३.

ऐलव-कारेभ्यः ११. २, ३०.

ऐलवम् १२. ५, ४७; ४८; ४९.

ऐलयाल् ६. १६, ३.

ओ

ओ इति ७. ७२, २; १८. १, १.

ओकः ५. २२, ५[२]; १८. ३, ८; २०. ५२, २; ५७, १५.

ओकसः ३. २, २; ६. ७५, १; २०. २६, ३; ९२, १५.

ओक्यम् २०. ९४, ९.

ओक्ये २०. २४, ८.

ओजः १. १२, १; ३५, २; ३; २. १७, १[२]; ३. ५, १; १९, २; ४. २४, ५; ३१, २; ३२, १; ४; ६. १२५, २; ३; १२६, २; ७. ५४, २; ८४, २; ९०, १; ९. १, १७; ४, ८; १०. ३, १२; ५, १; २; ३; ४; ५; ६; ११. ७, १८; ८, २०; १२. ५, ७; १८. ४, ५३; १९. ३३, ४; ३४, ५; ३७, १; २; ४१, १; ४२; ५२, २; ६०, २; २०. ६७, ६; ९४, ४; १०७, २; १०८, १; १३७, ११.

ओजसः १९. ४५, ३; २०. ९३, ५.

ओजसा ३. १, ६; २, ६; ६. ९७, ३; ७. २५, १; ८. ८, १२; १३; १०. ३, १३; ६, १; ११. १०, १३; १९. १३, ६; ३३, ३; ३४, ५; २०. ५, ३; २१, ७; ३१, ५; ४२, ३; ५३, १; २; ५४, २; ५७, ११; १२; ५८, १; ७०, १४; ७१, ७; ९३, ६; ९७, ८; १३७, ५; १३८, १.

ओजसे ८. ५, २०; १०. ६, ६; ७[२]; ८; ९; १०; ११, १०, ११; १९. २६, ३; ३७, ३; ४५, ६; ७; ८; ९; १०; ४६, १; २०. १५, ५; ११३, ३.

ओजस्वान् ८. ५, ४; १६.

ओजांसि ६. ८, ३,

ओजायमानम् २०. ३४, ११,

ओजिष्ठः २०. ४७, २; १३७, १३.

ओजिष्ठम् २०. ५४, १; ८०, १.

ओजीयः ५. २, ४; ७. ५, ४; २०. १०७, ७.

ओजीयसः १०. ३, ७.

ओज्मानम् ४. १९, ८; ६. १२५, २; १९. ३४, ९.

ओणिम् २०. ३५, १४.

ओण्याः ७. १४, १.

ओतवः १४. २, ५१.

ओतवै ९. ९, ६.

ओते इत्या-उते ५. २२, १; ६. ९४, ३.

ओदन ११. १, ३३'

ओदनः १०. १०, २५; ११. ३, ३०; ३१; ३, ३२–४९; ५०; १२. ३, ५.

ओदनम् ५. १४, ७; ३४, ३; ४; ८; ३५, १; ११. १, २३; ३, २६; २७; ३०; ३१; १२. ३, ४; १२; २७; १८. २, ३०; ४, ४२; २०, ९२, ११.

ओदनस्य ४. ३४, १; ११. १, १७; २४; ३, १; ११; २२; २३; १२. ३; ५१.

ओदना ३; ११. ३, २७.

ओदनात् ११. ३, ५२.

ओदनान् ९. ५, ३७.

ओदनानाम् ९. ५, १९.

ओदनाय १२. ३, ३२.

ओदनेन ४. ३५, १–६; ११. २, १९.

ओपशः १४. १, ८.

ओपशम् ९. ३, ८; २०. २७, ५.

ओपशिनम् ६. १३८, १; २.

ओप १९. २९, ७[१].

ओप ८. ३, २१.

ओपतम् ८. ४, १.

ओपतु १२. ५, ७२; ७३.

ओषधयः २. ३, ६; ३. २३, ६; २४, १; ४. १५, २; १६; ६. ९६, १; ८. १, १७; २, १५; ७, ३; ९; १६; ९. ७, १५; ११. ४, ६; १६; १७; ५, १४; २०; ७, २१; १२. १, २३; १४. २, ७; १५. ६; २;

१८. १, १७; ३, ५६; १९. ९, १४; ३४, ७; ४४, ६.
ओर्षधिः ४. ४, ३; ६. ५९, २; ७. ३८, ५; १९. ३२, २.
ओषधि-जाः १०. ४, २३.
ओर्षधिम् ३. १८, १; ४. ४, १; १४. १, ३.
ओर्षधीः ३. १७, ५; २१, १; २६, ५; ४. १७, २; २३, ६; ६. २२, २; २३, ३; ७. ८७, १; ८. २, २७; ७, १; ४; १०; १३; १७; १९; २४; २५; ८, १४; ९, २२; १०(२), ७; ९; ९. ४, १३; १०. १, ११; ५, ३२; ११. ४, ३; ४; ६, १; ९, २४; १२. १, २; ३, ३१; ५०; १३. १, २; ४, ४३; १५. १४, ११; १९. ९, १; १०, ५; २०. ११, १०; १४३, ८.
ओषधीः ८. ७, ५; २१.
ओर्षधीनाम् ३. ५, १; ३१, १०; ४. ४, ४; १५, १०; १७, ८; १९, ३; २२, ४; २७, ३; ३७, ६; ५. २५, ७; ६. १५, १; ३; ९५, ३; ७. ३९, १; ८. ३, १६; ५, ११; ७, २५; ९. ४, ५; १०. ४, २१; १२. १, १७; ५७; १४. २, ७०; १५. ६, ३; १९. ३१, ५; ३२, १०; ३९, ४.
ओर्षधीभिः २. १०, २; ४. १५, २; १२. ३, २८; १५. १४, १२; १९. ११, ५; २७, २.
ओर्षधीभ्यः ६. २०, २; १०. ५, ३२; १२. ३, ५९; १९. ३, १.
ओर्षधीम् ८. २, ६; ७, ६.
ओर्षधी-मतीः १९. १७, ६; १८, ६.
ओर्षधीषु १. ३०, ३; २. ३१, ५; ४. २७, २; ६. ५८, २; १०. ४, २२; १२. १, १९; १८. २, ७; १९. ३, २; २०. १३९, ५.
ओर्षधी-संशितः १०. ५, ३२.
ओषधे १. २३, १; ३; २४, ३. २. २७, १–६; ३०, ४; ३६, ८; ४. ६, ८; ७, ६; १२, ५; १७, १; १९, २; ४; २०, २; ६; ३७, १; १०; ५. १४, १; २; १५, १–११; ६. १२७, १; १३६, १; १३७, ३; १३८, १; ८. ६, ९; १०; १९. ३२, ३; ३४, ९.
ओर्षध्या ४. १८, ५; १०. १, ४.
ओर्षन्ती १२. ५, ५४.
ओषम् २. ३६, १; ७. ७३, ६; १२. ३, ३१.
ओष्ठौ १०. ९, १४.
ओहते २०. १३१, ७.
ओहते २०. ५०, २; ९२, ११.
ओहम् २०. ३५, १.
ओहसे २०. ४५, १.

औ

औक्षः २. ३६, ७.
औक्ष-गन्धिः ४. ३७, ३.
औचन् १९. ६, ११.
औचैः-अवसम् २०. ११८, १५.
औदनम् २०. १३६, ११; १३.
औदुंम्बरः १९. ३१, २; ६; ७; १०; ११; १३; १४.
औदुम्बरम् १९. ३१, ४.
औदुम्बरस्य १९. ३१, ३.
औदुम्बरेण १९. ३१, १.
और्णोत् ११. ३, २२.
और्णोत् ७. १, २; १०. २, १८.
औहत् १०. २, १७.
औहत ९. १०, ७.
औहताम् ७. ५३, १.
औहत् ५. २८, ८; १२. २, २९.

क

कंसाः १०. १०, ५.
कः ३. १९, ८; २९, ७; ४. ५, २; २५, २; २८, ५; ५. १९, १०; ६. २८, २; ७. ७, १; ७०, ३; ७६, ३; १०३, १[४]; १०४; १; ८. ८, १९; ९, १०[५]; २५[२]; ९. १, ६[२]; ६(६), ४; ९, ४[२]; १८; १०, २३; १०. २, १–७; ११–१५[४]; १७[४]; ४, १८; ७,

कपालम् १०. २, ८.
कपालानि ९. ८, २२.
कपिः ६. ४९, १; २०. १२६, ५.
कपिः-इव ३. ९, ४; ४. ३७, ११.
कपृत् २०. १३६, १६; १७; १३७, २.
कपृथम् २०. १३७, २.
कपोत-उलूकाभ्याम् ६. २९, २.
कपोतः ६. २७, १; २; ३; २९, १.
कपोतः-इव २०. ४५, १.
कपोतम् ६. २८, १.
कपोताय २०. १३५, १२.
कफोडौ १०. २, ४.
कबन्धम् ९. ४, ३; १०. २, ३.
कब्रु ११. ३, ६.
कम् २. १, ५; ३. ११, १; ४. ९, १; ५. ११, २; ६. २०, १; ६१, १; ८४, १; ११०, १; ८. २, २५; ९. ३; ६; ९, १७; १०. ६, ७; ११. ८, ५; ११; १३. १, ४१; १४. १, ४२; ४३; २, ३०; १५. १०, ३; १८. ३, ४१; १९. ४६, १; २०. ५६, ३[२]; ६३, ६; १२६, २२.
कम् १. १७, ४; ३. १२, ३; ७. २६, १; २०. ६३, १; ६७, ३; १२४, ४.
कमलम् ८. ६, ९.
कम्बले १४. २, ६६; ६७
कम्बूकान् ११. १, २९.
कया २०. ७६, ५; १२४, १[२].
कर १९. ५७, ३.
करः २०. ३६, १०.
करः ४. २०, ७; ५. १५, १–११; २०. २३, ६.
करञ्जम् २०. २१, ८.
करणः ६. ४६, २; १९. ५, १; ४; ५; ६; ७; ८.
करत् ४. २२, ५; ६. ५९, २; १९. ६४, १.
करत् २. ९, ५; ४. ८, ६; ५. ४, १०; ६. १०३, १; ७. ३०, १; १९. ३१, १; ३४, २; १०; ३५, ५; ४५, ३; ४६, ७; २०. २०, ७; ५७, १०; १३७, ३.
करति १९. १५, ५.
करत २०. ७७, १; १४३, ३.
करन् ६. २४, २.
करम् १. ३, १; २; ३; ४; ५; १४. १, १८.
करम्भम् ४. ७, ३; ६. १६, १.
करम्भेण ४. ७, २.
करवः १३. १, ५६; ५७.
करवात् १०. २, ५.
करसि १८. २, ४.
करसे २०. ७६, ४.
कराम १८. १, ५२.
करामहे ७. ९, ४.
करिक्रत् २०. ७२, २; ७५, १.
करिक्रतम् १०. ४, १३.
करिक्रति ४. १८, ३.
करिति कः २०. ३५, ११.
करिष्यति ९. १०, १८; १०. ६, २.
करिष्यथ ५. १३, ७.
करिष्यन् २०. ३७, ८.
करिष्यामि ५. ८, २.
करीषिणीः ३. १४, ३.
करीषिणीम् १९. ३१, ३.
करुणे १२. ३, ४७.
करुमाः ८. ६, १०.
करूकरम् ११. ९, ८.
करेणुं १२. २, २.
करेणु-इव २०. ९१, ६.
करोति १२. ५, ४५.
कर्क-धूके २०. १३६, ३.
कर्करिकः २०. १३२, ३.
कर्करी २०. १३२, ८.
कर्क्यः ४. ३७, ५.
कर्की ४. ३८, ६.
कर्कीम् ४. ३८, ६; ७.
कर्णाः १५. १८, ३[२];
कर्णकौ २०. १३३, ३.
कर्णतः ९. ८, ३.
कर्णयोः ६. १४१, २; १९. ६०, १.
कर्ण-शूलम् ९. ८, १; २.
कर्णा ५. १३, ९.
कर्णाभ्याम् २. ३३, १; ९. ४, १७; ८, २; २०. ९६, १७.
कर्णिनी १०. १, २.
कर्णौ २०. ५४, ३; १२६, ४.
कर्णौ १०. २, ६; ९; १३;

३१, १३; ३२; ८; ४७, ७; ५०, १; ६२, १².
कृणुत ११. १, २.
कृणुत १. १०, ३; २. १३, २; २३, ५; ३. ६, १; ६. ५५, ३; १२३, २; १२. २, ३४; १८. ४, ३७; १९. २४, ४; २०. ६१, ११.
कृणुतम् ६. ५४, २; १४१, २.
कृणुतम् ३. २५, ६; ६. ५०, १.
कृणुताम् २. २८, २; ४; ३. ३, ४; ७. ६२, १.
कृणुते १. ३५, २; ६. २७, ३; ८. ३, २४; ९. ४, १६; ११. ५, ३; १०; १५; १२. ४, ६; ३०²; १३. २, २८; ४२; २०. ८९, ४; १२३, २.
कृणुध्व ४. २१, ६²; ६. २२, २.
कृणुध्वम् १९. ५८, ४²; २०. ७३, ३.
कृणुषे ३. ६, ६; ८. २, १६.
कृणुषे ५. १, २; १९. ४९, ४.
कृणुष्व २०. ९३, १.
कृणुष्व ३. ४, ४; ४. २०, ५; ७. ३४, १; ३६, १; ७२, १०; १०. १, १६; १२. ४, २९; १४. २, ५०; १८. १, १६; ३, ८; १९. ४५, ५.
कृणुहि २०. ८, १.
कृणुहि ३. १, ४; ४. २२, ३; ५. ११, ११; १२, २; २७, १२; ७. ८, १; ११. १, ३१; २०. १२५, २.
कृणोत ५. ३, ६.
कृणोति २. ३६, ३; ६. २९, १; ८. ३, ८; ६, १६; ९. ८, ४².
कृणोति ६. ६(५), १; ४; ६; ८; १२. ४, २५; १८. १, ५३; ३, ५४; २०. ९६, ३.
कृणोतु ६. ८३, १; ८. ६, १८; ९. २, ७; १९. ४४, ३.
कृणोतु १. ११, १; ३. १५, ४; ४. ४, ३; ६. ४०, १; २²; ५३, ३; ५८, १²; ७१, १; २; ७२, १; ७३, ३; ७८, ३; १०४, ३; १०६, ३; ७. ३२, १; ३३, १; ५१, ८६, १; ९१, १; ११८, १; ८. ८, २; ४; ९. ४, २; १०, २४; १०. ६, ३१; ९, २६; ११. १, ६; १२. १, १; २१; २२; ४१; ४३; १४. १, ४७; ४९², २, १२; ३९; ७५; १८. ३, १२; ५२; ५५; ६१; १९. ३१, १४; २०. १७, ११; ५५, १; ८९, ११; ९४, ११; १२५, ६.
कृणोमि २. ३६, २; ३. ९, २; २३, ५; ४. १८, १; ६. ९, २; १११, २; ३; ११९, १²; ८. २, ५; ११; ६, ३; १२. २, ३२; १४. १, ५८.
कृणोमि १. २५, ४; ३०, ४; २. २, ४; ३, १; १०, १–८; ३. ८, ६; ३०, १; ५; ७; ४. ३०, ३; ५; ५. १, ५; २८, ११; ३०, ५; ८; ६. २०, ३; ९३, २; ९४, २; ७. ३५, ३²; ८. १, ६; २, १३; १९; ७, ५; २२; ९. २, १९–२४; १४. २, ३४; १९. ३०, ४; २०. ७३, १.
कृणोषि ६. २२, २; ६. २०, ३; ३०, २; ७. ५६, ४; १३. ४, ४३; २०. ११४, २.
कृण्मः ६. ५, ३; ७. ७६, ५.
कृण्मः १. १३, ३; ३. ३०, ४; ५. ७, २; ८. २, १६; २१; ९. ३, १२; ११. २, ३; ४; १४. १, ६३; २, ३५.
कृण्मसि १९. ५२, ५.
कृण्मसि ४. ३१, ४; ५. २८, १३; ८. २, १०.
कृण्महे १९. ६८, १.
कृण्वत् ५. २८, १४.
कृण्वती १४. १, ६०.
कृण्वतीः १४. २, ६१.
कृण्वते ८. ५, ७.
कृण्वन् ६. १, ७; ६. ७२, १; १२. १, ५१; १८. १, २९; १९. ३३, २; २०. २६, ६; २८, २;

१६; २१; २३; १८. २; ३१; ३, ४२; १९. ८, ६; ३०, १.

कृधि २०. ८९, ७.

कृधि १. २, ७२; १३, २; २४, ३; २६, ४; ३४, १; २. २७, ७; ३. १८, २; ५. ४, ६; ९; ५, ४; ८, ६; ७; ६. ५, १; २; ४०, ३; ६५, १; ६७, ३; ७४, ३; ७७, २; ९५, ३; १०६, २; १२८, ३; १३६, २; १३८, १; २२; १३९, ३; १४१, २; ७. २०, २; २६, ३; ५०, ४; ८१, ३; ८. ५, १७; ११. १०, १७; १७. १, ७; १८. २, ९; १९. ८, ६; १५, १; ३२, ६; २०. ३२, १; ८०, २.

कृधु २०. १३६, १.

कृधु-कर्णी ११. ९, ७; १०, ७.

कृन्त १९. २८, ८४.

कृन्तती १. २७, २.

कृन्तत्रम् २०. १२६, २०.

कृपणाः ११. १०, २८.

कृपमाणस्य ५. १९, १३.

कृपा १८. ४, ५९; २०. ६७, ३.

कृपात् ७. १४, २.

कृपे २०. १२०, २.

कृश-गुः ४. १५, ६.

कृशनः ४. १०, १; ३.

कृशनम् ४. १०, ७.

कृशनेभिः २०. १६, ११.

कृशम् ४. २१, ६; ६. १०१, २.

कृशस्य २०. ३४, ६.

कृषतु ३. १७, ६.

कृषन्ते १२. २, ३६,

कृषिम् ३. १२, ४; ८. १० (४), ११; १२; १०. ५, ३४; ६, १२.

कृषि-संशितः १०. ५, ३४.

कृष्यः ३. २४, ३; १२. १, ३; ४; ४२; २०. ६८, ६; १०७, १.

कृष्ट-राधिः ८. १०(४), १२.

कृष्टीः २०. ३७, १; ६५, १; ७०, १४.

कृष्टे १०. ६, ३३.

कृष्ण-अजिनम् ९. ६(१), १७.

कृष्णाः ७. ६४, १; २; ८. ६, ५; १२. ३, १३; १८. ३, ५५; २०. २३७, ७.

कृष्ण-कर्णाः ५. १७, १५.

कृष्ण-द्रम् ९. ७, ४.

कृष्णम् ६. २२, १; ९. १०, २२; ११. २, १८; १२. १, ५२; १३. ३, ९; २०. १२३, २; १३७, ८.

कृष्ण-वर्तने १. २८, २.

कृष्ण-शकुनेः १९. ५७, ३.

कृष्णा ६. ८३, २; ७. ७४, १; १२. २, ५३.

कृष्णाः ६. ४९, ३.

कृष्णाः ५. २३, ५; ८. ७, १; ११. २, २; १८. ४, ३४.

कृष्णात् ५. ३०, ११.

कृष्णाम् १२. १, ११; ३, ५४.

कृष्णायाः १३. ३, २६.

कृष्णौ १. २३, १.

कृष्णौ ५. २३, ४.

कृष्ण्या ११. ४, ४१.

कृष्ण्याः २. ४, ५; ८. २, १९; १०. ५, ३४; १२. २, ३७.

कृष्व २०. ९४, ४.

के ४. २२, ६; ५. २३, ५; ६. ५०, ३; ७. १२, २; ११७, १; १०. ७, ३८; ११. ८. १२; १९. ६, १२.

केतवः ११. १०, ७; १३. २, १; १६; १८; २०. ४७, १३; १५.

केतुः ७. ११, १; ८१, २; १०. ८, १३; ११. ४, २२; १३. २, ३४; १४. १, २४; २०. ३०, ४; १०७, १३.

केतुना १३. २, ९; ३१; १८. ३, ६५.

केतु-भिः ११. १०, १; २; १३. ३, २३,

केतुम् १०. २, १२; २०. ११, ४; १६, ६; ४७, १२; ६९, ११.

केतु-मत् ६. १२६, ३.

केतुमती इति केत-मती ८. ९, १२.

केत-मन्तः ३. १९, ६; १३. १, २४.

केतु-मान् १३. २, २८.

ग

गच्छे ५. २२, १२; १८. ४, ७.

गच्छ २. ३४, ५; ५. १४, १०^२; २२, ७; ६. ११३, २; ७. ९७, ५^३; १०. १, ८; ११. १, ३५; १२. ३, ५३; १४. १, २०; २, ७५; १८. २, ७^२; ४६; ३, ९; ४, ६; १९. २४, ५.

गच्छत १८. ३, ४४.

गच्छतः ४. ११, १०.

गच्छतस् १८. २, ५३.

गच्छतात् २. ३०, ३; ९. ३, १०; १८. २. १४; १५; १६; १७; १८; ५६.

गच्छताम् १८. २, १०; ३. ५८.

गच्छति ५. २३, ३; १०. ८, १६; ११. ८, ३३; २०. १२६, १२.

गच्छति ३. १३, ६; ६. ७६, ४; ९. ६ (४), १०; ११. ८, ३३^२; १२. ४, ३१; ३२; १५. २, ८^२; १४^२; २०^२; २८^२; ७, ३^२; ५^४; १०, ८; १०; ११, ७; ९; ११; १८. २, १; २०. २५, १; १२६, १०.

गच्छतु २. १२, ८; ७. ९८, १; ९. ५, १; ५; १२. २, ४; ८; १८. ३, २३.

गच्छथः ४. २९, ७; २०. १४०, १.

गच्छन्ति २. २५, ५; १०. ८, ३३.

गच्छन्तु १२. २, ४५; २०. १३७, ४.

गच्छसि २०. ११२, ३.

गच्छस्व १८. २, २१; ३, ५८.

गच्छात् ४. १, ७.

गच्छाति १८. २, ५.

गच्छान् १८. १, ११.

गच्छासि ५. ५, ६.

गच्छेम ६. १२१, १; ७. ८२, ४; ११. १, ८; ३६.

गणः १३. ४, ८.

गणाः ४. १३, ४; १५, ४.

गणेन १९. १३, ४; २०. ८८, ५.

गणेभ्यः १९. २२, १६.

गणैः १९. ४५, १०; २०. ४०, २; ७०, ४.

गत १८. १, ५१.

गत-असुम् १८. ३, २.

गत-असोः १८. २, ५९.

गतम् ७. ७३, २; ४.

गताः १०. १०, ३२.

गतान् १८. ४, ४१.

गतानाम् ८. १, ८.

गत्तुम् ६. ११८, १.

गत्वा २. ३६, ३; ४. १४, २; १२. ३, १३; १९. ८, ३.

गत्वाय २०. १२८, ५.

गद ५. २२, ६.

गधि २०. ६४, १.

गन् ३. ४, १; १२. १, २.

गन्तम् २०. १३९, २.

गन्तवे ९. ५, १७.

गन्तारम् २०. ७१, १५.

गन्धः १२. ३, ८; १२. १, २३; २४; २५; १९. ३८, १.

गन्धम् ८. १० (५), ७; ८; १२. १, २४.

गन्धर्व-अप्सरसः ८. ८, १५; १० (५), ५^२; ८; १०. ९, ९; ११. ६, ४; ७, २७; ९, १६; २४; १९. ५४, ४.

गन्धर्व-अप्सरसाम् १९. ३६, ६.

गन्धर्व-ऋतुना १४. २, ३४.

गन्धर्वः २०. १२८, ३.

गन्धर्वः २. १, २; २, १; २; ३; ४. ४, १; ३७, ११; १४. २, ३; ४; १८. १, ४.

गन्धर्व-पत्नीभ्यः २. २, ५.

गन्धर्वम् २. २, ४; १४. २, ३६.

गन्धर्वस्य ४. ३७, ७; ७. ७३, ३; १४. २, ३५.

गन्धर्वाः ४. ३७, १२.

गन्धर्वाः ८. ५, १३; ७, २३; ९. ७, १०; ११. ५, २; १२. १, २३; ५०; १३. १, २३; १४. २, ९.

गन्धर्वाणाम् ३. २४, ६.

गन्धर्वान् ४. ३७, २; ८; ९; ८. ६, १९.

गन्धर्वाय १४. २, ४.

गन्धर्वीः १८. १, १९.

गन्धर्वैसिः ७. १०९, ५.

गायत्र्याम् १३. ३, २०.
गायन्ति १२. १, ४१.
गायन्तु ७. १५, ४.
गार्दभम् ६. ७२, ३.
गार्हपत्यः ६. १२०, १; १२१, २; ७. ६४, २; ९. ६(१), १३; १२. २, ४४; १५. ६, १४; १८. ४, ८; ९; १९. ६१, २.
गार्हपत्यम् १४. २, १८; २०.
गार्हपत्यस्य १५. ६, १५.
गार्हपत्यात् १२. २, ३४.
गार्हपत्याय १४. १, २१; ५०.
गार्हपत्ये ५. ३१, ५; ८. १०(१), २; १०. १, १८.
गार्हपत्येन १२. २, ९.
गावः १. २, २; ४, ३; ४; २२, ३; २. २६, ४; ४. २१, १; ४; ५४; २४, २; ६. ९, ३; ५२, २; ७. ६०, ५; ८२, ६; ९६, १; ८. ७, २५; ९. ४, २०; ९, ५; ११. २, ६; ३, ५; ८, ३२; १४. १, १३; १९. ६, १२; ९, ८; ११, १; ५८, ३; २०. १२, ४; २२, ६; ३४, ७; ९२, ३; १२७, १३; १४२, ४.
गावः २०. १२७, १२.
गावः ३. १४, ४; ६; ४. २१, ६; १४. १, ३२; ३३.
गावः इव २०. १२७, ५.
गावौ ७. ६५, २; १४. १, ११.
गाष्ठाम्-इव २. १४, ६.
गाहथाः २०. १२८, १२.
गाहमानः १९. ११, ७.
गाहेथाम् १२. ६, ३६.
गिरः २. ५, ४; २०. ६, ८; १०, १; १५, ४; २१, १; २४, ३; ३०, १; ३५, ४; ५९, १; ६३, ५; ६९, ६; ७०, २; ५; ७१, १०; ७६, ३; ५; ७८, २; ९६, २; १०४, १; ११०, १; ३; ११५, २.
गिरः २०. ४८, ९.
गिरः २०. १२७, १४.
गिरः १. १५, २; १९. १, १; २.
गिरति ५. १८, ७.
गिरयः ६. १२, ३; १२. १, ११; २०. ३५, १४.
गिरा २०. २२, ४; ४७, ३; ९२, १; ११; १३७, १४.
गिराम् ६. १३५, ३.
गिरामि ६. १३५, ३.
गिरामि ६. १३५, ३.
गिरिः ४. ६, ८; २०. ५१, ४; ६४, १.
गिरि-भ्रजः २०. १६, १.
गिरिम् २. २५, ४; २०. ९, २; ४९, ५.
गिरिषु ५. ४, १; ९. १, १८.
गिरि-स्थाः ७. २६, २; ८४, ३.
गिरिणाम् १०. ४, १४.
गिरीन् ६. २७, ३; २०. ६१, ५; ६२, ९; ६४, ८.
गिरेः ५. १३, ९.
गिरेः-इव २०. ५१, २.
गिरौ ५. ४, २; ६. ६९, १; २०. ३४, १२.
गिर्वणः २०. ६, ६.
गिर्वणः २०. १५, ४; २२, ४; ६९, ५; ८; ८३, २; १००, १.
गिर्वाहः २०. ४५, २.
गिर्वाहसम् २०. १४३, १.
गिर्वाहसे २०. ३५, ४.
गीः २०. ३६, ५.
गीः-भिः ३. २०, ४; ७. ११०, ३; १३. १, ५३; ५७; १९. ७, १; २०. ८, १; ९, १; १६, ३; ३६, १; ४४, १; ४९, ४; ५५, १; ६१, ४; ६२, ८; ७१, १५.
गुः ५. १, ४.
गुः ५. ८, ३; १८. १, ३२; ३, ६२; १९. १५, २.
गुणेभिः १०. ८, ४३.
गुदाः ९. ४, १४; ७, १६; ८, १७; १०. ९, १६; ११. ३, १०
गुदास्यः २. ३३, ५; २०. ९६, २०.
गुपितः २. २८, ४; १४. १, ५.
गुपितम् ५. १७, ३.
गुपिताः १०. १०, ५; १८. ४, ७०.

गृहाण ३. २, ५; ११. १, १०.
गृहाण ५. २६, १४.
गृहाणाम् ३. १०, ६; ६. ३७, १; ६. ६ (२), १; २; ३; ४; ५; ६; १४. २, २६.
गृहात् ११. ८, १; १४, २, १६.
गृहान् १. २७, ४; ३. १०, ११; १२, ६; ७. ६०, १; २; ६. ३, २३; ६ (६), ५; १४. १, २०; २, २६; ७५; १५. १०, १; ११, १; १२, २; १३, ११; १८. २, २१; ४, ३०; ६३; २०. १२६, २०.
गृहासः १८. ३, ५१.
गृहीत्वा १६. ५८, ३२.
गृहे १. १४, २; ३. २४, २; ३०, ४; ६. ५, ३; २६, ३; ७. ७६, ५; ८. १० (३), ८; १०. १, २०; ६, ४; ८, २६; १२, ४, २७; ४८; १४. १, २१; २, ५६; ६०; ६१; १५. १३, १; ३; ५; ७; ६; १६. ३१, ३; ४५, २; ५७, ४; २०. ४१, ३.
गृहेभ्यः २. १४, २; ६. १३७, १; १४. २, १७; २७; १८. २, २७.
गृहेषु ६. ४५, १; ७६, १; २; ७. ६१, ५; १४. २, ६२; १८. ३, १७.
गृहैः ७. ८१, ४; ५; १४. २, १२.
गृह्णते १८. ३, १८.
गृह्णन्तः १६. ३५, १.
गृह्णन्तु २. ३४, ५; ६. ५, ३७.
गृह्णाति ६. ७६, ४; १३. ३, ११.
गृह्णातु ११. १, ११.
गृह्णातु ३. १७, ४; २६, ८; ५. १४, १२; ११. १, ८; १८; १४. १, ४६.
गृह्णानः ५. २०, ४; ६. ८१, १.
गृह्णानाः ५. १७, १०.
गृह्णानाम् ४. ३८, २.
गृह्णामि ५. १३, २; १२. ३, १७; १४. १, ५०.
गृह्णामि ३. २६, ७; ६. ८२, १; ७. ८२, २; ६. ३, १५२; १२. २, ३३; १४. १, ४८; १६. ३७, २.
गृह्णाहि ३. १०, १३; ५. २६, १५.
गृहीतम् ११. ६, ११.
गृहीतात् ११. १, १३.
गृह्णीयात् १०. १०, २; २७.
गृह्ये १६. ३१, ४.
गृह्णन्ति २०. १३१, ६.
गृह्याः ५. २०, ४.
गेष्म ४. ११, ६; १४, ६; ११. १, ३७.
गो-अग्रया २०. २१, ५.
गो-अजम् १६. ५०, ५.
गो-आशिरम् २०. २४, १; ७.
गो-इषे २०. ६५, २.
गो-इष्टौ ४. २४, ५; २०. १४३, ६.
गो-एषणः ५. २०, ११.
गो-एषणाम् २०. १२, ३.
गोः १. २२, १; ७. ५, ५; २२, २; १२. २, ३७; १८. १, ३२; २०. २१, २; ३२, १; ३५, १२; ४१, ३; १४३, १.
गोगतीः २०. १२६, १३.
गो-जाताः १६. ११, ४.
गो-जित् ५. ३, ११; ७. ५०, ८.
गो-जितम् ६. ६७, ३; १७. १, १–५; १६. १३, ६.
गो-जिति १३. १, ३७.
गोतम १८. ३, १६.
गोतमम् ४. २६, ६.
गोतमासः २०. ३५, १६.
गोत्रस्य ५. २, ८; २०. १०७, ११.
गोत्रा २०. ७७, ८.
गोत्राणि १६. १३, ७.
गो-दाः २०. ५७, २; ६८, २.
गो-दुहे २०. ५७, १; ६८, १.
गोधा ४. ३, ६; २०. ६२, ६.
गो-धायसम् २०. ६१, ७.
गोधुक् ७. ७३, ६; ७; ६. १०, ४.
गोप २०. १२७, १३.
गोनाम् २०. १२७, ३.
गो-पतये १२. ४, ३७; ३६.
गो-पतिः ४. २१, ३; १२. ४, २७; १८. ३, ४; २०. २७, २; ८७, ६.

९, २५; २६; ९. ६, १७; १०, ६; ७; २१; १२. ४, ३९; ५, १७; १३. १, ४१; २०. ४८, ४.

गौः-इंव ३. १८, ६; ६. ४९, १; ८. ६, १७.

गौरः २०. २२, ३.

गौरात् २०. ८७, १.

गौर्यः २०. १०९, १.

ग्नाः ७. ४९, २; २०. ३५, ८.

ग्नाभिः १९. १०, ६.

ग्मन् २०. ७६, ५.

ग्रन्थिः ९. ३, २.

ग्रन्थीन् ९. ३, ३.

ग्रन्थ्यैधानम् २०. १३५, २.

ग्रभीता १. १२, २.

ग्रसते १९. ३४, ८.

ग्रहाः ११. ७, १८; १९. ९, ७; १०.

ग्रामम् १४. १, ३८.

ग्राम-घोषी ५. २०, ९.

ग्राम-जितम् ६. ९७, ३; १९. ११, ६.

ग्राम-नीः १९. ३१, १२².

ग्राम-न्यः ३. ५, ७.

ग्रामम् ४. ३६, ७; ८; ५. १७, ४.

ग्रामम्-इव ४. ७, ५.

ग्रामाः १२. १, ५६; २०. ३४, ७.

ग्रामात् १८. २, २७.

ग्रामान् ५. २०, ३.

ग्रामाय ६. ४०, २.

ग्रामे ४. २२, २; ८. ७, ११.

ग्राम्याः २. ३४, ४; ३. १०, ६; ३१, ३; ११. ५, २१; १९. ६, १४.

ग्राव-भिः २०. २४, २.

ग्राव-भ्याम् ६. १३८, २.

ग्रावा ५. २०, १०; २२, १; ६. ३, २; १०. ९, २; १२. ३, १४; २१; २०. २५, ६.

ग्रावाणः ३. १०, ५; ४. २४, ३; ८. ४, १७; ९. ६(१), १५; १९. १०, ७.

ग्रावाणौ ११. १, ९; १०.

ग्राव्णाम् १४. १, ५.

ग्राहिः ३. ११, १; ६. ११३, १; ३; २०. ९६, ६.

ग्राहिम् ८. ३, १२; १२. ३, १८.

ग्राह्यः ५. १७, ३.

ग्राह्या ३. २, ५; १२. २, ३९; १६. ७, १.

ग्राह्याः २. ९, १; १०, ६; ८; ६. ११२, १; २; १६. ५, १; ८, ३; १९. ४५, ५.

ग्रीवाः ६. ३२, २; १३४, १; ९. ७, ३; १०. १, २१; २, ४; ९, २०; ११. ८, १५; १९. ४९, ९.

ग्रीवाभ्यः २. ३३, २; २०. ९६, १८.

ग्रीवासु ६. ६३, १.

ग्रीष्मः ६. ५५, २; १२. १, ३६; १५. ३, ४; १९. ६, १०.

ग्रीष्माय ८. २, २२.

ग्रैव्याः ६. २६, २; ७. ७६, २.

ग्रैष्मम् ५. २२, १३.

ग्रैष्मौ १५. ४, ५; ६.

ग्लपयन्त ९. ९, १०.

ग्लहंनम् ७. १०९, ५.

ग्लहात् ६. ३२, ३.

ग्लहे ४. ३८, १; २.

ग्लौः ६. ८३, ३.

घ

घ ५. १३, १०; ११; ६. १, ३; १८. १, ३; ११; ४, ८८; २०. ७, १; १७, ३; १८, २; २१, ७; २६, २; ५२, १; ५७, १४; ६९, १; ७८, २; ९२, १४; १११, २; १२२, २.

घनः २०. ६८, ८.

घना २०. ७०, १९.

घनाघनः १९. १३, २.

घनेन १०. ४, ९.

घर्मः ४. ११, ३. ७. ७३, १; २; ५; ७; ८. ८, १७; ९. ७, ३; १०, ४; ११. ३, १८; २०. १३९, ४.

घर्मः-इंव १६, २८, २; ३.

घर्मदुघे इवेति घर्मदुघे-इव ४. २२, ४.

घर्मम् ४. १, २; ११, ५; ६. ३६, १; ७. ७३, ४; ९७, ४; ९. १०, ६; ११. ५; १२. २, ७; २०. १४०, २.

घर्म सत्-भिः १८, ३, ४७; ४८.

घर्मस्य ४. ११, ६.

घर्म-स्वेदेभिः २०. ९१, ५.

घर्माः ८. ९, १३.

च

२, ३: १५^{३}; ३, २; ४:
५; ९: १२^{२}; १५^{२}; २२;
४, २२^{२}; २४; ५, ६; १४;
१९: २१^{२}: २७; ३७^{२};
६(२), ६^{२}; ६(३), १^{२}—
६^{२}; ६(६), ३^{२}: ७, १^{२}:
७^{४}; ९^{२}; १०^{२}: ८, १७:
१८: २२: ९, १३; १९:
२१: १५, ११^{२}; १०. १,
१३: २१: २२; ३२; २,
९: १२^{२}: १९^{२}; २४; २५;
२६: २९^{२}: ३, ८; १२^{३};
१४^{२}; १६; १८; ४, ३^{२};
८^{२}; ९; १०: १५; १६^{२};
१७; ५, २२; २३; ७, ८;
१०^{४}; ११^{२}; १५^{२}; १७;
२२^{४}; ३३; ३८: ८, १^{४};
२^{३}, ४; १०^{२}; ११^{२}; १२;
१६; १७: ३४^{२}; ९, ६;
७; ९: १२^{२}; १३; १४;
१६: १७; १८; १९; २०;
२१: २७; २३; २६; १०,
३; २१: ३०; ३१; ११.
१, ६; ३३: ३४; २, २;
३: १६^{२}; २९; ३१; ३,
३४^{२}; २८; २९; ३,
३२^{२}—४९^{२}; ५५; ५६; ४,
१०^{२}; १५; १७; १८; ५,
१; ५; ८; ९; २१^{३}; २३;
६, ६: ९: १२; ७, १^{३};
३^{३}: ५: ९^{३}; ११^{२}; १२^{२};
१५; १७^{२}; २०^{२}; २२;
२३^{२}; २५^{२}; २६; २७; ८,
२^{२}; ४^{२}; ६^{२}; १५; २०^{२};
२१^{५}; २२^{५}; २३^{३}; २४;
२५^{३}—२८^{३}; ३०; ९, १^{३};
४^{२}: ७: १३: १५; १६:
१७; १८^{२}; २२^{५}; २३^{२};
२४; २५^{२}; १०, २; ७;
९; ११^{३}; १८; २२^{३};
२३; २४; १२. १, ५;
१२; २३; ३१; ४७; ५०;
५१; ५२; ५३^{४}; २; २^{३};
१४; १८; १९; ३६^{२};
४०^{२}; ३; ५^{२}; ६; ९;
१२; २५^{२}; २७; २९;
३४; ३६; ४६; ५०; ४,
१; २; ७; १२; १३; १४;
१६; १८; १९; २१; २५;
२६; २८^{२}; ३८^{२}; ४४;
४८; ५३; ५, ७^{२}; ८^{२};
९^{२}; १०^{२}; १३; ३८^{२};
५६; १३. १, ८; १२^{२};
१३; १९; २५; ३४^{६};
३७; ३८; ४६; ४७; ५४—
५८^{३}; २, ५^{२}; १४^{२};
३५; ४, ११^{२}, १४^{७};
१९^{२}; २२^{६}; २३^{६}; १४.
१, ३३; ३५^{२}; ३९; ४५;
४८^{२}; ५३; २, ४^{२}; ९;
२०; २२; २९; ३४; ३५;
३७; ४१; ४२^{२}; ४६;
५१; ५९; ६०; ६१; ६२;
६६; ६९; ७४; १५. २,
२^{४}; ३^{४}; ४^{४}; ६^{२}; ७^{२};
८^{२}; १०^{५}; ११^{५}; १२^{५};
१४^{६}; १६^{४}; १७^{४}; १८^{४};
२०^{४}; २२^{४}; २३^{४}; २४^{४};
२६^{२}; २७^{२}; २८^{२}; ३,
४^{४}; ५^{४}; ४, २^{८}; ३^{८};
५^{८}; ६^{८}; ८^{८}; ९^{८};
११^{८}; १२^{८}; १४^{८}; १५^{८};
१७^{८}; १८^{८}; ६, २^{६};
३^{६}; ५^{५}; ६^{५}; ८^{४}; ९^{४};
११^{४}; १२^{४}; १४^{६}; १५^{६};
१७^{७}; १८^{७}; २०^{४}; २१^{४};
२२^{२}, २३^{३}; २५^{४}; २६^{४};
७, २^{६}; ४^{५}; ८, ३^{४};
९, २^{४}; ३^{४}; १०, ३^{८};
१२, ३^{८}; १३, १२; १७,
८; ९^{८}; १८, ४^{८}; १९.
२, ५^{८}; ३, २^{४}; ३^{४};
४^{४}; ४, ६; ६, ४; १७.
१, ६^{८}; ७^{८}; २१^{८}; २४;
२७; २८; २९^{८}; १८. १,
४; १५; १९; २६; २८;
४५^{८}; ४७^{८}; ५४; ५५;
२, २; ७^{८}; १२; ३४;
३७; ५६; ५८; ३, १;
१४^{८}; १९; ३८^{८}; ४४;
५५; ७२; ४, २८^{८}; २९;
५७^{३}; ६२^{८}; ७५; ७६;
१९. ६, ३; ४; ७^{८}; ११;
१२^{८}; १४; ७, २; ३;
५; ८, २^{८}; ५; ९, २^{८};
८; १०; १९, १^{८}—११^{८};
२०, २; २४, ५^{२}; ६;
२५, १; २६, ३^{२}; २७,
१०; ३१, ३; ४^{२}; ५;
७^{८}; १०^{८}; ११; १३;
१४; ३२, ७; ८^{४}; ९;
३३, २; ३४, २; ३६,
३; ३७, १; ३९, १; ५;
६; ७; ८; १०; ४०, १;
४१, १; ४२, २; ४४,
१०^{८}; ४५, २^{२}; ४; ४६,
१^{२}; ३; ६^{३}; ४७, ४^{४};
५^{२}; ४८, १^{२}; ३^{२}; ५;
४९, ५; ५३, ५; ५४, ३;

चक्षते ९. १०, २६; १८. ४, २९.

चक्षसा १३. २, २१; २०. ४७, १८; ५४, ३; ८७, ६.

चक्षते १. ५, १; ६. १९, ३; ३९, १; ४१, १; ६८, २; ७६, १; १७. १, ८; २०. ३८, ६; ४७, ६; ७०, ९.

चक्षुः २. १७, ६२; ३५, ४; ५; ३. २२, ५; ४. ५, ४; १४, ५; २०, ७; ५. ९, ७; १०, ८; ११, ४; २१, १०; ३०, १३; ६. ५३, २; ७. २६, ७; ८. १, २०; २, ३; ३, २१; ९. ९, १४; १०. २, २६; ३०; ६; ३५; ७, १८; ३३; ३४; १०, २४; ११. ३, ३; ५, २५; ७, २५; ८, ४; २६; ३१; १२. १, ३३; ३, २; ५, ९; १३. १, ४५; २, ३५; १४. १, ६; १६. ७, ५; १८. १, १०; २, ४६; १९. ३५, ३; ४३, ३; ४४, ५; ४६, ३; ५१, १; ५३, ६; ५८, १; ५; ६०, १; २०. १९, २; ९६, १०; १०७, १५.

चक्षुः-अनन्तस्य २. ७, ५; १९. ४५, १.

चक्षुपः ४. ९, ६; ५. ६, ९; ९. २, २; १२. ३, ३२.

चक्षुषा १. ३३, ४; २. १६, ३; ३४, ३; ५. ६, १०; १३, ४; २१, २; ३०, १४; ६. ९६, ३; ७. ६०, १; ८. ३, ९; ७, १८; ९. ४, १७; १०. ७, ३९; ८, १४; १०, १५; ११. ७, २३; १३. ३, ६; १४. २, १२; १६. २, १२; १८. २, ७.

चक्षुषाम् ५. २४, ९.

चक्षुषी इति ९. ५, २१.

चक्षुषे ५. ४, ७; ६. १०, ३; ८. २, ४; ३, ८; १४. २, ३५; १८. ३, १०.

चक्षुष्मती १९. ४६, ८.

चक्षुष्मते १२. २, २१.

चक्षूंषि ३. १, ६; ११. २, ५.

चक्षे ५. ११, २.

चक्षोः १९. ६, ७.

चक्ष्व ५. २०, ४; ८. ४, २५२; २०. ९६, २४.

चचृत॰ १४. १, ५६.

चचार ९. ५, ३.

चराईस्य २. १४, १.

चतस्रः १. ११, २२; २. ६, १; १०, ३; ४; ३. २२, ५; २४, ६; ५. ९, १; १५, ४; ६. ४०, २; ८. ५, ३; ८, २२; ९. २, ११; १०, १९; १०. ७, १६; ११. २, १०; ५, १२; १२. १, ४; ५५; १३. ३, ६; १७. १, १६; १९. १, ३; १०, ८; ३३, ५.

चतुः ११. २, ९.

चतुः-अक्षम् २. ३२, २.

चतुः-अक्षात् ८. ६, २२.

चतुः-अक्षौ ५. १९, ७.

चतुः-अक्षौ १२. २, ११; १८. २, १२.

चतुः-अक्ष्याः ४. २०, ३.

चतुः-उत्तराणि ८. ९, १९.

चतुः-ऋचेभ्यः १९. २३, ६.

चतुः-इन्द्राम् ११. ९, १८.

चतुः-धा ४. ३४, ७; ८. ९, २४; १० (२). १; १०. १०, २९.

चतुः-पक्षा ९. ३, २१.

चतुः-पदः ३. २१, २; ४. ७, १; ७८, १-६; ६. २८, ३; ११. २, १; १२. १, १५; १३. १, २; ३, २४.

चतुः-पदा ९. १०, २; १९. १५, २.

चतुः-पदाम् २. ३४, १; ८. २, ४; २३; १९. ३१, ५.

चतुः-पदी ९. १०, २१; १०. १, २४; ११. १०, ६; १३. १, ४२.

चतुः-पदीम् १८. ३, ४०.

चतुः-पदे ६. ९७, १; ५९, १; ११. २, २८; १४. २, ४०.

चतुः-पात् ४. ११, ५; ६. १०७, १-४; ८. ८, १४; १०. ८, २१; १३. ३, २५; १९. २१, ४; ३९, १.

चतुः-पादः १०. २, ६.

चतुः-बिलम् १८. ४, ३०.

चतुः-भिः ३. ७, २; ४. १४, ९.

चतुः-भृष्टिम् १०. ५, ५०.

चतुः-स्र्यः १. १२, ४; ३१, १; १९. ३५, ५.

चतुः-रात्रः ११. ७, ११.
चतुः-वीरम् १९. ४५, ३; ४; ५.
चतुः-वृषः ५. १६, ४.
चतुः-श्रोत्रा ४. १९, ७.
चतुः-हनुः ५. १९, ७.
चतुः-होतारः १९. ७, १९.
चतुरः ४. १५, १४; ३४, ७; ८. ९, २४; १४. १, ६०; १९. २७, ३.
चतुर्थः १३. ४, १६; १५. १५, ६; १६, ४; १७, ४.
चतुर्थम् ८. ९, ३.
चतुर्थीम् १५. १३, ७.
चतुर्दश-ऋचेभ्यः १९. २३, ११.
चतुष्टयम् १०. २, ३.
चतुष्पत्तम्-इव ३. ७, ३.
चत्तः ९. ५, ९.
चत्वारः १. ३१, २; १९. ४७, ४.
चत्वारि ८. २, २१; ९. १०, २७; १४. १, ६०.
चत्वारिंशत् ५. १५, ४; १९. ४७, ४.
चत्वारिंश्याम् २०. ३४, ११.
चन १. २०, ४; ३. १९, ८; ४. ५, २; [illegible], २; २६, ६; २८, ५; ३४, ३; ५. ३, ४; १९, १०; ६. ५७, ३; १२७, १; १३०, ३; ७. ७, १; ९, ३; ३७, १; ३८, ४; ४४, १; ८. ४, ३; ८, ६; १९; ९. २, १०; २४; ६ (६), ४; १०. ५, २३; ७, ३७; ८, १६; ४४; ११. ४, २१; २५; ९, १३; २०; १०, १९; १२. १, १८; २३; २४; २५; १८. १, ४८; २, २४; ३२; २०. ५९, ४; ८२, २; ९३, २; १२६, ११; १२७; १४.
चनः २०. ८४, ३.
चनिष्कदत् २०. ९२, ६.
चन्द्र २. २२, १–५.
चन्द्रः २. १५, ३; ३. ३१, ६; ४. ३९, ८; १५. ६, ५; १९. २७, २; ४३, ४[२].
चन्द्रम् १. ३, ४; १२. २, ५३; १३. ३, १०; १४. २, १०; १९. २६. २.
चन्द्रमः ७. ८१, २; १४. १, २४.
चन्द्रमसः २०. ४१, ३.
चन्द्रमसा १३. ४, २८.
चन्द्रमसि १०. ३, १८; ११. ५, १३.
चन्द्रमाः ५. २४, १०; २८, २; ६. ८३, १; ८६, २; ८. १, १२; ८, २३; ९. २, २४; १०. ६, १०; ७, २; १२; ३३; ११. ४, १२; ६, ७; ७, २; १०, १६; १५. १५, ५; १८, २; १८. ४, ८९; १९. ६, ७; ८, १; १९, ४.
चन्द्रस्य १५. ६, ६; १९. २७, ५.
चन्द्राय ४. ३९, ७[२]; १९. ४३, ४.
चन्द्रासः २०. ६, ४.
चन्द्रे १९. २७, १०.
चन्द्रेण ४. ३९, ८.
चमस-अध्वर्यवः ९. ६ (६), ३.
चमसः ७. ७३, ३; ८. १० (५), २; १०. ८, ९; १६. ३, ३; १८. ३, ५३; १९. ४९, ८; ५८, ४.
चमसम् ६. ४७, ३; १८. ३, ५३; ५४; २०. १६, ८.
चमसे २०. ३१, ४.
चमसेन ७. ११०, ३.
चमू इति २०. ४२, ३.
चम-सदः २०. १७, ४.
चम्वोः ९. १०, १२.
चयत् ७. ५०, ३.
चयनेन १८. ४, ३७.
चर २. ११, ३; ३. २, ३; ४. १७, ८; ६. ४५, १; १३९, २; ४; ८. १, १२; १८. ४, ३१; २०. ७३, ३; ९६, २४.
चर २०. १२७, ११.
चरणीनाम् २०. ६६, २.
चरणे ७. १०६, १.
चरण्यात् ७. २९, १; २.
चरत् १३. २, ४०.
चरत ६. ६७, २; ९. ४, २४.
चरतः ७. ५७, १; १०८, २; ८. २, ११.
चरतः ७. ८१, १; ८. ९, १२; ११. २, १४; १३. २, ११; १४. १, २३; १८. १, ३५; २, १३.
चरति ४. ५, ५; १६, २[३];

छ

१३. १, ६: १९. ३१, ११.
जजार १०. ८, २६.
जजाम्‌ ५. १३, १.
जज्ञानः ५. २, १: २०. ८७, ३: १०१, ३: १०७, ४.
जज्ञानम्‌ ४. १. १: ५. ६, १.
जज्ञानाः १८. १, ४०.
जज्ञिरे १०. ७, २५.
जज्ञिरे १०. १०, २१: ११. ७, ११; २३–२७: १९. ६, १२: १३?.
जज्ञिषे ४. १०, २: ५. ३०, १७: १९. ३१, ९.
जज्ञिषे १. ७, ६: ४. १०, ६; १०. १०, १९: १९. ५६, ५: २०. ९५, ३.
जज्ञे ४. १, ३: २४, ६: ५. २, १: ९. १, १: ३: १०; २०. १०७, ४.
जज्ञे ४. १, ६: ६, १: ७. ५, २; ८. ९, ५: ९. २, १९: १०. १०, २०: ११. ८, ६: ९: १३. १, ५५: १९. २२, २१: २३, ३०.
जठरम्‌ २. ५, २: १३. ३, ४: २०. ३३, १.
जठरे ११. १, २५: २०. ६, ५: ८, २: २४, ५: ३२; ३.
जत्रवः ११. ३, १०.
जत्रु-स्यः १४. २, ४७.
जत्वः ९. २, २२.
जन-अयनाः १२. १, ४७.
जनः १. ८, १: ३. २०, ६, ४. ५, ६: ५. ११, ४; ३०, २; १०. १, ८; २०. १, २.
जनः २०. १२७, १०: १३.
जनताः ५. १८, १२.
जनत्वात्‌ ६. १०९, २.
जनम्‌ ४. ५, ७: ५. ४, ८: ७, ८: ८, ७: २२, १२: ७. ८४, २: १२. १, ४५.
जनम्‌ २०. ३४, १२.
जनम्‌ २०. १२७, ११.
जनमाने २०. ५८, १.
जनम्‌-इव ५. २२, १४.
जनय ६. १३६, २: १३. १, १९.
त्वनय ३. १६, ३: २३, ३: ७. १११, १: १४. २, ७४: ३१.
जनयः ५. १२, ५: १२. २, ३१: १८. ३, ५७: २०. १७, १.
जनयन्‌ १४. २, १४: २०. ९१, १.
जनयति ७. १९, १.
जनयतु १४. २, ४०.
जनयथ १. ५, ३.
जनयन्‌ ७. ३, १: ११. ५, ७: २४: १३. १, ११; २, २६; २०. ११, ४.
जनयन्त ८. ३, १२; १०. ५, ४८.
जनयन्ति ३. २३, ४.
जनयन्तीः ४. २, ८.
जनयाः ३. २३, ३.
जनयावहै १४. २, ७१.
जनयै १४. १, ४६.
जन-योपनः १२. २, १५; २०. १२६, २२.
जन-राज्ञः २०. २१, ९.
जनस्य १. २९, ६; १८. २, ३०: २०. ३६, ९.
जना २०. ७२, २: ७५, १.
जनाः ५. १९, २: ६. ३३, १; ८४, १: ७. ६, १; ८. ५, ७: १०. ७, १०; २१; २५: २८; ९, ७; १४. २, ५९: २०. ८५, ३: ८९, ४.
जना २०. १२७, १.
जनान्‌ ६. ८१, ३: ७. ४५, १.
जनान्‌ ३. ५, ६: ७: ४. ५, १: ६. ६९, २: ७४, ३; ७५, ३: ७. ५७, १: ९. १, १९: १२. १, ५७; २, ९: १३. २, १८: २१; १४. २, १०; १८. २, १३: १९. २६, ३: ३२, ७: २०. ४७, १५: १८.
जनानाम्‌ १. ३३, २: ४. १६, ५; २२, ५: ५. ५, २; ६. ९८, २: ७. २१, १; १२. १, ६१: १३. २, ४६: १८. १, ४०: ४९; ३, १३: २०. १७, ६; ३२, २, ५६, ६: ८५, ४: ९३, ३.
जनाय ४. ३०, ५: ८. ४, १२: २०. ३६, ८: ९०, २; १४३, ४.
जनासः ४. २५, ३: ५. ११, ७: ८: २०. ३४, ९.
जनासः १. ३२, १: ४. २१,

जवानि १९. ७, १.
जषाः ११. २, २५.
जसुम् २०. १६, ६.
जहरुः ३. ६, ६.
जहाति १०. १, ३२; १२. २, ११; २५.
जहाति १०. २, ३०; ८, ३२; ११. ३, ५६.
जहातु ५. २९, १५.
जहातु ७. ३१, १; १०. ५, २५–३५; १६. ७, १३.
जहानि १३. १, १२.
जहामि १०. १, ३२.
जहासि ६. २६, २.
जहि १. ८, ४; ३. १, ४; १६, ८; ८. ४, २२; २४; ९. २, १०; ११. १०, २१; १९. २६, ९⁴; २४, ९; २०. ८, १; ४३, १.
जहि १. ८, ३; २१, २; ३; २. २७, १–७; ३. २, ४; ४. १७, ४; ३२, ३; ५. १४, १; ७³; ९; २१, १; २३, २; २९, १०; ६. २, २; ६, २; २६, ३; ३७, २; १०१, १; १३४, ३; ७. ८८, १; १०९, ४; ८. ३, ७; २३; ४, १९; ५, १५; १०. १, ६; ११; ४, ३; १३; ६, ६–१७; २०; २१; ११. १, ९; २, २१; १०, २१; १२. ५, ६०; ६७; ७०; १३. १, ३०; ३२²; १६. ७, १२; १९. १५, १; ३०, १; ४७, ८; ५०, १; ६५, १; २०. ५, ३; ७४; ७; ९३, १.
जहिमः ६. २६, २.
जहीत १२. २, २६; २७.
जहीतम् ७. ५३, २.
जहीतात् ११. १, १३.
जह्याः १९. ५०, १.
जह्युः ६. ४७, २.
जा ५. ११, १०².
जाः-प्रत्यम् ७. ७३, १०.
जागरत् १९. २४, २; ३.
जागरासि १४. २, ३१.
जागार ५. १९, १०; ११. ४, २५.
जागृत १. ३०, १.
जागृतम् ८. ४, २५.
जागृतात् ४. ५, ७.
जागृताम् ५. ३०, १०.
जागृविः ५. ३०, १०; ८. १, १३.
जागृविम् २०. २०, १; ५७, ४.
जागृहि १९. ४७, ९.
जागृहि २. ६, ३; ३. १५, ७; १२. २, १०; १३. १, ९; १४. १, २१.
जाग्रत् ६. ११५, २; १६. ७, १०.
जाग्रतः ६. ४५, २; ९६, ३; ७. १०८, २.
जाग्रति १९. ४८, ५.
जाग्रति १९. ४८, ५²; ६.
जाग्रताम् ८. ६, ८.
जाग्रत्-दुस्वप्न्यम् १६. ६, ९.
जातः १. २४, १; ३३, १; ३. २०, १; ४. १, ४; २; ७; १०, १; ४; ५²; ११, ३; ३४, १; ५. ४, ७; ८; १२, ११; २२, ५; ६. ११०, २; ९. १, ५; १०. ६, २; ७; ३६; ८; २७; २८; ११. ५, ५; १९. ६, ७; ९; ३९; ५; ४२, १; २०. ३४, १; १६; ९३, ५; १२१, २.
जातम् १. २८, ३; ४. ६, ८; ९, ९; १७; ३; २३, ७; ५. ४, २; २८, ६; ७. ६, १; ८. २, ४; ६, १८; ९. १, ५; १०. १०, २१; ११. ५, ३; ५; २३; १९. ६, ११; ४१, १; ४४, ३; ४५, ३; ५३, ९; २०. २५, ५; ४८, २; ८१, १; ९२, २०; ९३, ४; ९६, १३.
जातम्-इव ३. ३०, १.
जात-वेदः १. ७, २; ३. १०, ६; ५. ८, २; ६. ७७, ३.
जात-वेदः १. ७, ५; ६; ८, ४; ९, ३; २. २९, २; ३. १५, ८; २२, ४; ४. २३, २; ३९, १०²; ४०, १–८; ५. १२, १; २७, १२; २९, १; २; ३; १०; १२; १३; १४; ६. १४०, १; ७. ३४, १; ३५, १; ७४, ४; १०६, १; १०८, २²; ११५, ३; ८. ३, २; ४; ५; ७; ११; २५³; ४, १४; ११. १, ३; ४; १०, ४; १३. १, १४; १८.

२, ४; ५; ८; ६; ३५; ३, ४२; ७१; ४, ११; १६. ६४, २; ६५, १; ६६, १.

जात-वेदसः ८. २, १३; १८. ४, १; १२; १३; १६. ४५, ३.

जात-वेदसम् ४. २३, ४; १२. २, ७; १३. २, १६; २०. ४७, १३; ६७, ६२.

जात-वेदसि २. १२, ८. १०. ३, १६; ६, ३५; ११. १, २६.

जात-वेदसे १६. ६४, १; २०. १३, ३.

जात-वेदाः ३. १, १; २, १; ४. १५, १०; ३२, २; ३४, २; ५. ११, २; ३; ६. १२३, १; ७. ८२, ४; ८४, १; ८. १, ११; ६. ४, ३; १२. २, ८; १३. १, १२; १४. १, ४६; १८. १, २७; २८; ४, ६४; ६५; १६. ३, १; ४, १; १६, २; २७, १५; ६४, १.

जातस्य १६. ६, १६.

जाता ५. १३, ८; ६. १३३, ४; १३६, १; ८. ६, १६; २१; १०. ८, ३०; १६. ४, १; ४६, ३.

जाताः २. १४, ५; २८, ३; ७. ११५, ३; १०. २, ११; ११. ५, २०; २१; ८, १०; १२. १, १५; १८. ४, ५७; १६. ६, १२.

जातान् ६. १३६, २; ७. ३४, १; ८. ६, १६; १०. ३, १३; १५; ११. १, २६; ६, ६.

जातानाम् ३. २३, ३.

जातानि १. १६, ३; १०. ४, २३; २०. ६३, ८.

जातायाः ८. ६, १; १० (१) १.

जातायै १०. १०, १.

जाताल्: १८. १, ३२.

जाते २०. ५८, १.

जातेन ५. ११, २; ३.

जातौ ८. ६, १.

ज्ञात्रोः २०. ४८, २.

जानताम् ६. ६४, १.

जानते ४. ३६, ८.

जानन् ३. २०, १.

जानन्तु ६. ११२, १; ७. ६०, २; ३; १०. ५, ५०; १८. ४, ५१; ५२.

जानम् ७. ७६, ५.

जानान् ३. २, ६.

जानाति ८. १० (२) ४; ६; १५. १२, ५; ६.

जानातु १६. ४, ४.

जानानाः १२. ३, ४०.

जानामहे ७. ५२, ५.

जानामि ६. १०, १४; १०. ७, ४३.

जानीत ६. १२३, २.

जानीत ६. १२३, १.

जानीतात् ६. ५, १६.

जानीध्वम् ६. ६४, १; ११. १, ५.

जानीमः ८. ७, १८.

जानीहि १०. १, २५.

जानीहि १०. ८. ५.

जानु १८. १, ५२.

जानुनोः १०. २, २.

जानु-श्याम् ६. ८, २१. १०. २, ३.

जामयः १. ४, १; १४, ४; १७, १; १४. २, ६१; १८. १, ११; ४, ६६.

जामि १८. १, ४; २०. १३८, २.

जामिः ५. ३०, ५.

जामि-कृत् ४. १६, १.

जामिम् ६. १२०, २; ७. ६६, १; १४. २, ३३.

जामि-शंसस्य ६. ४, १५.

जामि-शंसात् २. १०, १–८.

जाम्याः २. ७, २; २०. १२८, २.

जाम्यै ५. १, ४.

जायताम् ६. १०६, १.

जायताम् ३. २३, २; ३; १३. १, ५४; १४. २, १५; २१; २०. १७, ६.

जायते ८. ३, १२; ६. ८, ८; १०. ५, ४८; १२. ४, १४.

जायते ५. १७, १३; १६; १६, ४; ६. ३, २०; १०. ८, १३; ११. ४, १४; २०; १२. ४, ६; १०; १३. २, २५.

जायध्वम् ३. १४, ४; ५.

जायन्ताम् २. १३, ५; ४. १५, २; ३.

जायन्ते ११. ४, २; १६; १७.

जायमानः ६. ११०, ३; ७. ८१, २; १३. ३, २२; १४. १, २४; १६. ३३,

९; २०. ८८, ५; ११७.
१०.
जायमानम् ३. ११, ८; ८.
६, २५; ६. ६, ५.
जायमानस्य ४. २, ८.
जायमाना १२. ४, १०.
जायमानाः २. १, १; १४. २,
२५.
जायमानात् १०. १०, २३.
जायमानायै १०. १०, १.
जायमाने २०. ६२, १६.
जायया १२. ३, १७; २०.
१२७, ८.
जायसे ७. ७६, ५; १३. २,
३.
जायसे ७. ८१, १; १४. १,
२३.
जायस्व ११. १, १.
जाया ३. ३०, २; ५. १७, ६;
१२; ६. २२, ३; १०. १,
३; ११. ८, १७; १२. ३,
३९; ४७; १४. १, २५;
३०; २, ३; १८. १, ५३;
३, ५१.
जाया-इव १८. १, ८.
जायाः ३. ४, ३; ४. ३७, १२;
१४. २, ३५; २०. १२७,
९.
जायान्य ७. ७६, ५³.
जायान्यः ७. ७६, ४; १९.
४४, २.
जायान्यम् ७. ७६, ३.
जायाम् ५. १७, ५; ६. ६०,
१; ७८, १; ३; ८२, २;
३; ११८, ३; ९. ५, ३०;
११. ८, १; १४. १, ५६;
२, १; ३९.
जार्ये १२. २, ३९.
जार्येतु इति १०. ८, २२.
जार्येमहि ४. ३२, ४.
जारः १८. १, २३; २०. ६६,
१५.
जारम् २०. ८९, २.
जारिषुः २०. ६७, २³.
जाल-दण्डम् ८. ८, १२.
जाल-दण्डाः ८. ८, ५.
जालम् ८. ८, ५; ६; ७; ८.
जालाषम् ६. ५७, २.
जालाषेण ६. ५७, २³.
जालेन १०. १, ३०.
जाल्मः ४. १६, ७.
जाल्माः १२. ४, ५१.
जाष्कमदाः ११. ९, ९.
जिगत्नुम् ५. २, ६; २०.
१०७, ९.
जिगात २०. १३, २.
जिगाति ८. ४, १७.
जिगाति २०. ५१, २.
जिगाय ४. ३३, ५; २०. ११,
४.
जिगाय ३. १०, ४; ७. ८०,
१; ८. ९, ११.
जिगीषति ११. ५, १८.
जिगीवान् ४. २२, ६; ७;
८, ५, २२; २०. ३४, ४.
जिगृथुः ७. ४४, १.
जिग्युः ५. २६, ११; ८. ३,
१८.
जिग्युषः २०. २७, ६; ५९, ३.
जिग्युषे २०. ६८, २.
जिग्ये ७. ४४, १.
जिघत्सुः ५. १८, १.
जिघत्सतः ६. १४०, १.
जिघत्साति ५. १९, ६.
जिघत्सु-अवः ८. २, २०.
जिघत्-स्वम् २. १४, १.
जिघर्मि ८. ३, १.
जिघांसति ४. १८, ३; ७.
७७, २; ८. ५, १५;
१२. ४, २९; ३०; २०,
९५, ४; ९६, १३; १५;
१६.
जिघांसन् ६. ९९, २.
जिघ्रते २०. ५, २.
जिघ्र से २०. ६१, ६; ६२,
१०.
जिज्ञासे १४. १, ५६.
जिज्यासतः १. २१, ४.
जितम् ६. ९८; ३; १०. ५,
३६; ११. ९, ४; १६. ८,
१; ५; ६–३०; ९, १;
१९. १३, १.
जिता १. २४, १.
जिताः ४. २४, २; ११. १०,
१५.
जितिम् १०. ६, १६.
जिते ११. १०, ७.
जिनतः ६. १३४, ३; १२.
५, ५; ११.
जिनताम् १२. ५, ५६.
जिनाति ६. १३४, ३³; १३.
३, १; २५.
जिनीयात् १२. ४, १५.
जिन्व ७. ३१, १.
जिन्वत् १३. १, ४६.
जिन्वतम् ८. ४, ६.

जुहुयात् १५. १२, ३.

ज्योक् १. ६, ३; १४, १; ३; १४, १; ३; ३१, ४; ४. ३१, ३; ६. ६२, ३; १२. २, १८; ४६; १८. २, २६; १६. २४, २; ३.

ज्योतये ७. ११, १.

ज्योत्स्न ४. ३७, १०.

ज्योतिः १. ६, २; ३५, ३; २. ११, ५; ४. १४, ३; १८, १; ५. १२, ७; १३, ३; ६. ६२, ३; ७. २२, १; ५३, ७; ८. १, ८; २१; २, २; ५, १७; ६, १४; ६. ५, ७; ११; २६; १०. १, १६; ११. १, २८; १२. १, १५; ३, ५०; १३. २, ६; ३६; ३, ११; १७; १८. २, ५; १८. १, ३५; ३, ६४; ६७; १६. १५, ४; २०. ११, ४; १५, ३; १६, ११; १७, ४; ८; ४६, १; ५८, ४; ६५, ३; ७७, ४; ७६, १; ६१, ४; १०.

ज्योतिः-अग्राः १४. २, ३१.

ज्योतिः-अनीकः १६. १०, ४.

ज्योतिः-कृत् १३. २, १६; २०. ४७, १६.

ज्योतिषः ४. १, ५; १०, १; ६. ३६, १; २०. ८८, ४.

ज्योतिषा ८. ३, २१; २४; १०. २, ३१; ११. १, ३७; १३. १, ११; २, ४५; १६. ६, ३; १७. १, २७; २८; १८. ३, ७; २०. १६, ५; १७, ६; ६२, ७.

ज्योतिषा-इव ४. १६. २.

ज्योतिषि १. ६, १.

ज्योतिषी-मान् १८. ४, १४.

ज्योतिषे ६. ६१, १.

ज्योतिष्मतः ६. ६(६), १४.

ज्योतिष्मती १६. ४०, ४.

ज्योतिष्मतीः ४. ३५, ५; १०. ५, ३८.

ज्योतिष्मन्तम् ६. ५, ६.

ज्योतिष्मान् १२. ३, ६; १६; १३. २, ३३; ३४; २०. १०७, १३.

ज्योतींषि ६. ५, ८; १०. ७, ४०; १०, १५; २०. ६१, २.

त

तं स्तवीहि ५. २०, १.

तक्मन् ५. २२, ६; ७; १२.

तक्मनम् १. २५, १; २; ३; ५. २२, २; ५; ७; १०; ११.

तक्मनः ५. ३०, १६.

तक्मना ११. २, २६.

तक्म-नाशन ५. ४, १.

तक्मनाशनम् ५. ४, २.

तक्मने १. २५, ४[२]; ५. २२, ४; ८; ६. २०, १; २; ३.

तक्मा ४. ६, ८; ५. २२, ६; ११. २, २२; ४, ११; १२. ५, ३१.

तक्मानम् ५. ४, १; ६; २२, १; ३; १३; १४; ६. ८, ६; १६. ३४, १०; ३६, १; ५; ६; ७; ८; १०.

तकः २०. ६२, १०.

तदुकः ८. १०(५), १४.

तष्टुत् २०. ३५, ६.

तद्दुतम् ८. ५, ४.

तष्टं ६. १०, २१.

तष्टा १०. ६, ३.

तङ्क्त्वात् ८. ६, २१.

तण्डुलः १०. ६, २६.

तण्डुलम् १२. ३, १८.

तण्डुलाः ११. १, १८; ३, ५; १२. ३, ३०.

तण्डुलैः १२. ३, २६.

तत् १. १६, २; १८, ३; २४, १; ३२, १; २; ३; ४; ३५, १; ३; २. १, १; २; ३, १; ३[२]; ४[२]; ५[२]; ७, २; २५, ५; २८, २; ३०, ४[२]; ३१, ५; ३. २, ४; ४, ५; ६, २; ३; १३, २; १५, ५; २२, १; ५; २३, १[२]; ३०, ४; ४. १, ६; ७, ७; ८, ३; १०, ७[२]; ११, ११; १२, २; १६, २; ५; १७, ६; ७; १८, ८; १६, ६[२]; २०, १; ३७, ३; ४; ५; ५. १, ५; ७; २, १; ६; ४, १०; ६, २; ४; ८, २; ६; ११, ६; १०[२]; १३, २; ६; १७, ६; १८, १४; १६, ५; ६; ८[२]; १२; २२, ११; २५, ६; २७, १०; २८, ६; २६, २; ३; ५; ६; ७; ८; ६; ३०, १३; ६. ११, १[२]; २[२]; २३, १; २४, १; २; २६, २; ५४, १; ६३,

२; ५. १७, ६; १८. ८;
९; २८, १; ६. १०४, २;
१२७, ५; १३३, ३; ७.
३१, १; ७७, २; ८. ३,
२३; ९, ३; १०. ५, ४९;
११. १, १६; ५, १; २;
४; ५; ८; १०; ११; १७;
१९; १२. १, ३९; ५, १;
१३. ८, २५; १७. १,
२४; १८. २, १६^{२}; १९.
४३, १—८; ७२, १.

तपंसि १०. ७, ३८.

तपसि १७. १, १७.

तपंसे १२. ३, ४६.

तपस्व १८. २, ८.

तपंस्वतः १८. २, १५; १८.

तपंस्वान् ५. २, ८; २०. १०७, ११.

तपस्वी १३. २, २५.

तपांसि ५. २६, ७.

तपाति ८. १, ५.

तपासि ६. १३२, १; २; ३; ४; ५.

तपिंष्ठः ११. १, १६.

तपिंष्ठाः ८. ३, १९; ११. १, १६.

तपिंष्ठेन ७. ७७, २.

तपुः ८. ४, २.

तपुः-अग्रामिः ८. ३, २३.

तपुः-वधाय ६. २०, १.

तपः-वधेभिः ८. ४, ५.

तपुषे १. १३, ३.

तपूंषि २. १२, ६.

तमः ४. ११, ३; ७. ७३, १; २; ५.

तमम् ७. ७३, ४.

तमाः १२. ३, २९.

तमात् ९. ५, ६.

तम्यते ९. ९, ११.

तम्यन्ताम् २. १२, १.

तम्यमानः ११. ५, २६.

तम्यमानस्य १९. ५६, ५.

तम्यमाना ३. १०, १२.

तम्यमाने २. १२, १.

तम्यामहे ७. ६१, २^{२}.

तम् १. ११, २; १६, ४; १९, ४; २०, २; २. १, ३; २, १; ११, ३; १२, ३; १३, ५^{२}; १९, १—५; २०, १; २; ३; ४; ५; २१, १—५; २२, १—५; २३, १—५; २४, १^{२}—८^{२}; ३५, ३; ३. ३, ६; ५, ३; ४; ११, २; ८; १६, ५; २०, १; २१, ९; २३, १; २४, २; २७, १—६; २८, ५; ६; ४. ३, ५; १६, ६; १८, २; १९, ५; २०, ९; २२, २; ३०, ३३; ३१, ५; ३२, ५; ३६, २; १०; ३७, ११; ५. ४, ६^{२}; ६, ११^{२}—१४^{२}; ७, ५; ८, ५; १२, ९; १३, ३; १४, २; ९^{२}; १२^{२}; १९, ९; १३; १४; २३, ३; २९, ४; १०; ३०, १२; ३१, १२; ६. १, २; ५, ३; ६, १; १८, १; २६, २; ३^{२}; ३७, ३; ४६, २; ५४, ३; ७५, २; ७७, २; ८१, २; ३; ८५, १; १२३, १; १२७, ३; १३२, १—५; १३३, ३; १३४, ३^{२}; १३६, ३; ७. २, १; ५, ५; १०, १; २१, १; ३१, १; ४०, १; ५०, ६; ७३, ३; ७४, ३; ४; ७६, ३; ७७, २; ८८, १; ८९, १; ८. १, १०; ३, ५; ७; ८; ११; १७; ४, १६; ५, ११; १५; ६, ९; १८; १०(५), ८; ९. १, ५; ६^{२}; १४; ४, ३; ७; १८; ५, १६; १०. १, ७; ८; २८; २, ३०; ३, ५; १०; ५, १५^{५}—२१^{५}; २५^{२}—३५^{२}; ४२^{२}; ४३^{२}; ४६; ६, ६—१०; १३—१९; २१; २९; ३४; ७, ४; ५; ६; ७; १०—१६; १८; १९; २०; २२; २३; ३९; ८, ४४; १०, १२; ११. २, १३; ३, २२; ३२—४९; ४, २१; ५, ३^{२}; १२. १, १४; ३०; ४७; २, ३^{२}; ४; ७; ९; ३३^{२}; ४३; ५४; ३, १२; ३५; ५५—६०; ४, ४०; १३. १, १७; १८; १९; ४०; ६०; २, ४; १५; ४, ६; १२; २०; १४. १, ३८; ४७; १५. २, २; १०; १६; २२; ३, १; ६, २; ५; ८; ११; १४; १७; २०; २२; २५; ७, २; ४; ९, २; १६. १, ४^{२}; ५; ७; ५, ३; ४; ५; ६; ७;

१०; ७, ५: १२: १३: १८. १. ३५: २, ८³: ७१: ३, ४: ६: ६३: ४, १३: ५४: १९. ६, ११: ३०, २: ३२, १: ३३, ४: ३५, ६: ३८, १: ४५, २: ४७, ८: ५०, १: ५३, १: ३²: ५७, ४: ५८, ४: २०. ९, १: १४, ३: १५, ६: २१, २; २४, २; २५, १: ३६, १: २: ३²: ५: ७: ३४, ३: ४७, १: ४९, ४: ५५, १: ३: ५६, १: ५९, ३: ४: ६१, १: ४: ६२, ३: ८: ६३, ७: ८: ९: ६४, ६: ६७, ७: ६८, ९: ७२, १: ७५, २: ८७, ४: ८८, १: ८९, ९: ९१, ९: ९२, ८: ९४: १७: १८: ९५, ३: ९६, ४: ७: १२–१६: ९९, २: १०२, २: १०५, ५: ११०, ३: ११३, २²: १३७, ७: १२: १४३, १.

तमः १. २१, २: ८. १, १०: १६: २१: २, १: २४: ९. २, १७: १८: १०. ३, ९; ७, ४०: १२. ३, १८; ४९; ५, २६: १३. १, ३२: २, ८: ९: १९. १२: १: ४०, ४; ४७, १; २०. १६, ५: ११.

तमः २०. १२७, ८.

तमः-इव ८. २, १२.

तमः-वृधः ८. ४, १.

तमसः २. १०, ८: ५. ३०, ११: ७. ५३, ७: ८. १, ८: १०. १, ३२.

तमसः-इव ५. १३, ३.

तमसा ३. २, ५: ६: ८. ८, ८: १०. १. ३०: ११. १०, १९: १९. ७, १: १८. ३, ३: २०. ९६, १६.

तमसाः ११. ९, २२.

तमसि ८. ४, ३: २०. ९१, ४.

तमस्वति १९. ४७, २.

तमांसि २. २५, ५: ९. २, ४: ९: १०: ५, १: ३; ७: ११: १३. २, ३४; २०. १६, ९: ७७, ४: ८८, ४: १०२, १: १०७, १३.

तमिषीचयः २. २, ५.

तम्-तम् ४. ३०, ३.

तया २. २५, २: २७, ५: २९, ७: ३१, १: ३६, ५: ३. २४, ६: २५, १; ३: ४. १७, ४: २०, ४; ५. १८, १५: ६. ६३, २: १०८, ४: १३९, १: ८. ३, १२; ९. २, ५: १०. ५, ४८: ११. ३, ३६²: ४९²; ९, २०; १०, ९; २७: १३. १, २२²; १५. ११, २; १७. १, १३; १९. ३, ३; ९, ३: ५५, २.

तयोः ८. ४, १२: ९. ९, २०; १०. ७, ४३; ११. ५, ९; ११.

तर २. ६, ५: १८. २, ३१.

तरणिः १३. २, १९; २०. ४७, १६.

तरणिम् १३. २, ४: ३६.

तरत १२. २, २६: २७; २०. ८९, १.

तरन्तु ७. ४१, १.

तरन्ति ६. १२२, २: १८. ४, ७: १९. ३४, ७; ४४, ६; २०. ५९, ४.

तरसाम् १०. १०, २४.

तरसे ३. १५, ३.

तरस्विनः २०. ५४, ३.

तरस्विनम् २०. ५४, १.

तरांसि १०. १०, २४.

तराणि ४. ३५, १–६.

तराथः १४. २, ४३.

तरामसि २०. ७९, २.

तरा ५. २७, ६.

तरुणः ३. १२, ७.

तरुणम् ९. १, ५: १२. ३, ३७.

तरुता २०. ९२, १६; १०५, ४.

तरुतारम् ७. ८५, १.

तरुष्यतः २०. १०५; १.

तरूणकम् १०. ४, २.

तरेम १९. ५०, ३.

तरेम ६. १२२, १; ७. ५०, ७: १२. २, २६; २७; ४८; २०. १७, १०; ८९, १०; ९४, १०.

तरेयुः १९. ५०, ३.

तर्तूर्यन्ते २०. ८५, ४.

तर्द ६. ५०, २.

तर्द-पते ६. ५०, ३.

तर्दम् ६. ५०, १.

२४: ६(३), ७: १०, १०; १०. ५, २२: ६, ३; ८, २४: १०, १०: ११. ५, ५: २३; ८, ३२: ३४; १२. २, ४०: ४, ९: १०; ४६: ५०: ५, १७: १३. १, १४; २५; ४८^{३}: ५५: ४, २६—३६: १४. २, ५६; ६०; ६१; ६२; १६. ७, ११; ८, २: ५—२९; ३१: १९. ६, १२^{३}; १३^{३}: १४; ३८, २: ४४, ८: ९: ४८, ३: ५३, ४: २०. १२८, १४.

तस्मिन् ३. १५, ६; ४. २८, ६; ५. १७, १३; ९. २, ३: ६ (३), ७—११; १०. २, ३२^{२}: ६, ३५; ७, ३८; ४०; ८, ५; ९; ४३; ११. ५, १; ८; २४; ८, ३४: १२. २, १७: ३, ६: ८; ३२; ३८; ५२; १३. १, ५८; १८. ३, ५३; ५४^{२}; १९. १७, १^{२}—५^{२}; ७^{२}; ८^{२}; ९^{२}; १०^{२}; ४६, ३; ५३, ९; ७२, १; २०. ५५, ३.

तस्मै १. ५, ३; २. १२, ६; ३. २३, ५; ४. १, २; ५. ७, २: ११, ११; १४, ६: २५, २; २८, ११; ६. ५, ३; २०, ३: २७, १: २८, ३: ५५, १; ६३, २: ८४, २, ८७, ३: १२८, ४; ७. १७, ३; ८७, १: ९. २, १९—२४; ३, १२: १५: ६ (५), १; ४: ६: १०. २, २९: ६, ५: ७, ३२: ३३: ३४; ३६: ८, १: १५: ११. २, २१: २७: ४, १८: १९: २३: १२. ४, १७: २३: १३. १, ५. १५. ३, ३; ४, १: ४: ७: १०: १३: १६: ५, १; ४: ६: ८: १०: १२: १४: १६. ६, ४; १८. ४, १५. ३७; ८३^{२}; ८४^{२}; १९. १७, १—५: ७: ८: ९: १०; ५६, ३: २०. ३७, ९: ६८, १०; ६९, २: ७७, १: ८९, ५; ९७, १.

तस्यै १. ५, २: २४, १: २. २७, ७, ३. ७, ६: २२, ६; ४. १, ५; २, ८: ८, १: २०, ३; २१, ४: २७, ६; २८, १; ५. ५, ४: ८; ६, ३: ८, ३; १८, ५; ६. ४, २; ६, ३: २४, ३: ३९, २: ७९, ३^{२}; १२२, ३; १२७, २, ७. २०, ३; ८१, ५: ९२, १; ८. ३, १०^{२}; १७; ७, २२; ९. ४, ११; ५, २०: ९, १; ११: २१; १०, २४, १०. ५, ४५; ७, ४०; ११, ३, १; ४, ९: १२. ३, ७; ४, २८; ५, ४७—५०; १३. १, ५६; ५७: ३, १—२५: ४, ८; १०; २७; २८; ४०; १४. १, ३:२, ३३; ५०; १५. २, ४; १२; १८; २४: ३, १०; १५, १; ३—९: १६, १—७; १७, १—१०: १८, १; १९. ७, १२; ८, ४—२९; ३३, १८. १, १६; ३, ४१: १९. ४९, ९: ५३, १: २०. ८, २; १७. ३; २५, ६: ९६, ३: १२५, ७; १३१, २.

तस्याः ३. ११, १; ४. ३९, २; ४; ६; ७. २०, ६; ८. १०(१), १; १०(२), ५; १०(४), २; ६: १०; १४: १०(५), २; ६: १०; १४; ९. १, ५: १०, २१; १०. ८, ३१: ११. १०, २७: १२. ४, ३३; ४४; ४६; ५, ३९; १३. १, ४२: १५. ३, ४; २०. ९६, ६.

तस्याम् ४. १८, ३; ७. ८०, १; १०. २, ३१: १०, ५; १२. ३, ९; १४. २, १४; १५. १३, १४.

तस्यै १. १३, ४: ५. ७, ९; १०; ७. ४६, २; ११. २, १२: १२. १, २६; १८. ३, १.

ता ३. १३, १; ५. ११, ४; ९. ९, १५; १०, १६; १८. १, ११; २, ६; २०. ३१, १; ३७, ६; १२६, २०.

ताः १. ४, २; ५, १; १८, ४: ३३, १—४; २. १४, ४; ३. ४, ७; ७, ५: १३, ५; २३, ६; ४. ५, ३; १७, ५; २१, ३: ४^{३};

३९, ८; ५. १, ८; १८, १२; १९, ११; २८, १०^{२}; २९, १४; ६. २५, १; २; ३; ९१, ३; ९६, १; ७. ४, १; २३, १; ४९, १; ७४, १; १०७, १; १०९, ३; १११, १; ११२, १; ११५, ४; ८. ५, ९; ७, ३; १०; १३; १७; २३; २४; ९, १५; १८; ९. ५, ३८; ६(१), ५^{२}; १०. ५, ३८^{२}; ८, ३३; ११. १, १०; ६, ९; ८, २८; ९, १५; १२. १, १६; ३१; २, ४१; ३, २५; २६^{२}; २७; ४१; ४, ४३; ४७; १३. १, १०^{२}; १४. १, ४५; २, ७; ३४^{२}; ४५; ४९; १५. १५, ७; ९; १६, ७; १८. १, ११; २, ९; २०; ३, ६९^{२}; ४, २६^{२}; ४३^{२}; १९. २, ५^{२}; ८, ६; १३, ११; १७, ६^{२}; २७, ३; ९; २०. ४८, २; ७१, १४; १०९, २; ३.

ताजद्भङ्ग:-इव ८. ८, ३.

ताडम् १९. ३२, २.

ताढि ७. ८४, ३.

ताइत् १२. ५, ५०.

तादुरि ४. १५, १४.

तान् १. ८, ४; ३०, ४; २. १२, ७; २५, ४; २६, १; ३४, ३; ४; ३. १, ३; ५; २, ३; ६, २; ३; ८, ५; ४. ४, ८; ११, १२; १६, ९; २२, १; ३६, १; ३; ९; ५. ६, १०; ८, १; ७; १७, ७; १८, ११; २२, ७; २३, ५; ६. २२, ३; ५०, ३; ७३, २; ८०, २; ९४, १; १०३, २^{२}; ३^{२}; १०४, २; ११३, २; ७. ९७, ३; १०८, १; २; ११७, १; ८. ४, ९; ६, ७; ८; १०; ११; १४; १५; २३; ९, २३; ९. २, १७; १८; ५, २; ३०; ९, १५; १९^{२}; १०. ३, ३; १६; ५, २१^{२}; ७, २४; २७; ९, ६; ११. १, ५; ५, ११; २२; ८, ३; ९, २२; २४; १०, २३; २४; १२. १, ५०; ५७; २, २४; ३, १६; १८; ३६; ४०; १४. २, १०; १५. १३, २; ४; ६; ८; १०; १८. २, १४; १६; १७; २८; ३४; ३५; १९. ६, १४; ८, ४; ३५, ३; ५; ४९, ७; ६५, १; ६६, १; २०. २४, ५; ३६, ८; ८७, ४; ११२, ३; १४३, ९.

तान्य ४. ४, ६; ६. १०१, २.

तानि १. १८, १; २. १, २; ४. १६, ५; ६. ९६, ३; ७. ५, १; ५६, ४; ८. ९, १९; ९. ३, ६; ९, १९; १०, २५; २७; ११. ५, २६; १२. ५, ११; १३. १, ३९; १४. १, २८; १५. १७, ४; १८. १, १७; १९. २०, २; ३७, १; ४८, १; २०. ११, ७; १२, २; २०, २; २१, ६; ३७, ५; ५७, ५; ६७, २.

तापर्यन् १९. २८, २^{२}.

तावुर्वम् ५. १३, १०^{३}.

तावुर्वेन ५. १३, १०.

ताभिः १. २२, ३; ४. २१, ३; ३७, ८; ९; ५. २२, १०; ६. ७७, ३; ७. ४८, २; ८. ३, ६; ९. २, २५; १३. १, ४; २, २४; १८. २, ८; १९. ३, २; ४, १; ९, १४; २०. ४७, २१.

ताभ्यः २. २, ४; ५; ९. ५, ३८; १९. १७, ६.

ताभ्याम् ४. ९, १०; १३, ७; ८. ३, २५; ११. २, १४; ३३, ३३^{२}; ३४^{२}; ४४^{२}–४८^{२}; ९, ४; १८. २, १२; ५६; १९. ६८, १.

ताम् १. १४, ३; २. २५, १; ३५, १; ३. २, ६; १२, १; १७, ४; २५, २; ४. ४, १; ६, २; २०, ४; ३०, २; ३८, १; २; ४; ५. १४, ६; ७; १८, ७; २२, ६; ३१, १–१०; ६. ३३, ३; ७८, १; ९०, १; १०८, ३; १०९, १; ११३, १; ३; १३६, १; १३७, १; ७. १५, १; ३८, ३; ११५, २; ८.

९, ७; १०(२), २; ३; १०(३), १; ३; ५; ७; १०(४), १; ३^2; ४; ५; ७^2; ८; ९; ११^2; १३; १५^2; १०(५), १; ३^2; ४; ५; ७^2; ९; ११^2; १२; १३; १५^2; ९. १, १; २०; १०. २, २९; ८, १०; १०, २३; ११. ८, ७; १२. ३, २१; ५४; ४, १४; २४; ४२^2; ५, ५; १३. १, २३^2; १४. १, ५६; २, १३; ३८; ४८; ६५; ७४; १५. ३, ९; १८. ४, ३२; १९. ४, १; १७, १–१०; १६, १^2–११^2; ४०, ४; ४८, ६; २०. १३५, ६^2; ७^2, १४३, २.

ताम्र-धूम्राः १०. २, ११.

तायत् ४. १६, १; ७. १०८, १.

तायताम् १०. २, १७.

तायते १०. ८, १०.

तायते १७. १, १८.

तायमाने १८. १, ४१; ४, ४५

तायवः १३. २, १७; २०. ४७, १४.

तायादरम् ६. ७२, २.

तारका ५. १७, ४.

तारके इति २. ८, १; ३. ७, ४; ६. १२१, ३.

तारम् ४. ३७, ३.

तारयन्तः १८. ३, १०.

तारयन्ति ७. १०७, १.

तारिषत् २. ४, ६; ४. १०, २०

६; १२. २, १३; १४. २, ६७; १९. ३४, ४; २०; १३७, ३.

तारिषुः २. ७, ४.

तारीत् २. ७, ४; ६. १२४, ३; १२. ३. १७.

तार्क्ष्यम् ७. ८५, १,

तार्ष्ट्यम् १८. ४, ३१.

तार्ष्टाऽघीः ५. २९, १५.

तावत् ३. २२, ४; ५; ६. ७२, २; ३; ९. ६ (४), २; ४; ६; ८; १२. १, ३३; ३, २^2; ४, २७.

तावतीः ८. ७, २५; २६.

तावन्तः १९. ६, ३.

तावान् ५. २२, ५; १३. ४, ४४.

तासाम् १. २७, १; ३. २४, ६; ४. ८, ५; ३९; ८; ५. १, ६; १३, ९; ६. २१, १^2; ९०, २; ७. ३५, २; ४३, १; ११५, ३; १०. १०, २८; ११. १, १३; ५, १३^2; १२. ३, ४; ४, ४१; १३. १, ९.

तासाम् २०. १२९, ३.

तासु २. १०, ५; १२. १, १२; १९. १७, ६^2.

तिग्म-आयुधौ ५. ६, ५; ६; ७.

तिग्म-इषवः ४. ३१, १.

तिग्मः १३. २, ३३.

तिग्म-तेजः ६. ६३, २.

तिग्म-तेजसः १९. ९, १०.

तिग्मम् ४. २७, ७; ७. ८४, २.

तिग्म-शृङ्गः १३. १, २५, २०. ३७, १; १२६, १५.

तिग्महेती इति तिग्म-हेती ५. ६, ५; ६; ७; ८. ३, २५.

तिग्मेन ६. ३४, २; ८. ३, २३; १३. १, ११.

तितिक्षन्ते ८. ६, १२.

तितिक्षुः १२. १, ४८.

तितृप्सात् ८. ३, १७.

तित्विषाणः २०. १३७, ९.

तित्विषे २०. १०७, २.

तिर २०. ६, ३.

तिर ६. ६, ३; ७. २६, ३; १२. २, ४५; १३. २, ३७.

तिरः ४. २०, ७; ६. ३४, ३; ७. ३८, ५; ७७, २; ८. १, ७; १० (५), १२; १२. २, २३; ३, ३९; १३. १, ३६; १८. १, १; १९. ४०, ४; २०. ३५, ७; १०२, १.

तिरः-जनम् ७. ३८, ५.

तिरः-धाम् ८. १० (५), ११; १२.

तिरः-धे ८. १० (५), ९.

तिरतः १३. २, ३२.

तिरते १०. ७, ४२.

तिरश्चा २०. ३५, १२.

तिरश्चि-राजयः १०. ४, १३; २०.

तिरश्चि-राजये ६. ५६, २; १२. ३, ५६.

तिरश्चि-राजिः ३. २७, २.

तिरश्चि-राजिम् १०. ४, १७.
तिरश्चि-राजेः ७. ५६, १.
तिरश्चीः ९. ८, १६, १०. २, ११.
तिरश्चीन् १९. १६, २; २७, १५.
तिरश्चयेइति १५. ३, ५.
तिरसे ७. ८१, २; १४. १, २४.
तिराति १८. ४, ४८.
तिरामसि २०. २०, ३; ५७, ६.
तिरामि २. ३१, ३; ६. १३१, १.
तिरीटिनः ८. ६, ७.
तिर्यक् ११. २, २४; २५.
तिर्यक्-बिलः १०. ८, ९.
तिर्यङ् १०. २, २८; ८, १९; ११. ४, २५.
तिर्यञ्चः १५. ३, ६.
तिर्यम् ४. ७, ३.
तिलः १८. ४, ३२.
तिल-पिञ्ज्या २. ८, ३.
तिलम् ६. १४०, २.
तिल-मिश्राः १८. ३, ६९; ४, २६; ४३.
तिल-वत्साः १८. ४, ३३; ३४.
तिलस्य २. ८, ३.
तिलपिञ्जम् १२. २, ५४.
तिष्ठ १. १७, २²; ४. ७, ५.
तिष्ठ १. १७, २; १९, २; २. ६, २; १३, ४; ३४, ५; ३, १२, २; ४. ८, २; १२, ६²; १४, ९²; ५. ८, ९; ६. ८७, १; २; १२३, ५; ७. ७३, १०; १०. १, २०; ११. १, १४; ९, ५; ६; १०, ५; १२. ३, १; १३. २, ७; १४. १, ४७; २, १५; १९²; ३३; १८. २, ७; ३, ८; १९. १३, ५; ४६, ५; ६३, १; २०. ४५, ३; ७६, ८; ९२, १३.
तिष्ठः ८. १, ९; १०. १, २६.
तिष्ठत् २०. ९२, १२.
तिष्ठत १. १७, ४.
तिष्ठत ७. ७२, १; ११. ९, २; २६; १०, १; १२. २, २७; १८. २, २.
तिष्ठतः ६. १२७, २; ७. १०८, २; ९. २, २३; ११. १०, ११.
तिष्ठतः १०. ८, २; १५. ४, ३; ६; ९; १२; १५; १८; १९, ५४, ५.
तिष्ठतम् ११. ९, ३.
तिष्ठताम् १८. २, ३७.
तिष्ठति १. २, ४; १७, २; ४. १६, २; ६. १३८, ४; ७. २०, ६; १०, ८, ११; ११. २, २३.
तिष्ठति २०. १३१, ११.
तिष्ठति १०. ७, १²; ३⁴; ११. ५, ११; १२. ४, ३५; १५. ५, २; ५; ७; ९; ११; १३; १५; १९. ३९, ५; ६; ७; ८; २०. ७३, ४.
तिष्ठतु १. २, ४; १५, ३; २. १४, ४; ५. ३०, १३; ६. १२३, ५; १०. १, १०; ११. ४, २४; १८. ३, ५१; १९. ४३, ७; ४६, २.
तिष्ठते ३. १५, ८; ११. २, १५; ४, ७; १९. ५५, १; ६.
तिष्ठते १९. ४९, २; ५३, ५.
तिष्ठथः २०. १४१, २.
तिष्ठध्वम् ८. ४, १८; ११. ९, २६.
तिष्ठन् ४. ५, ५; ७. १०२, १; ९. ७, २०²; २१²; १२. २, ४९.
तिष्ठन्तः ७. ६०, २; १२. १, २८.
तिष्ठन्तम् ८. ३, ५; १०. ७, ४१; ११. १, ३६.
तिष्ठन्ताम् १४. २, २५.
तिष्ठन्ति ४. १६, ६; १०. ७, १२; १६; १२. १, २७.
तिष्ठन्ति ८. ९, १९; ९. ७, २६; १०, १७; १३. ४; ६; १४. १, १; १८. १, ९; १९. ४८, ३.
तिष्ठन्ती २०. १३३, ४.
तिष्ठन्तीः २०. ९१, ४.
तिष्ठन्तु १. १७, १.
तिष्ठन्तु ४. ३४, ५; ६; ७; १०. ५, ६; १८. ४, ३३.
तिष्ठसि ५. ५, ५; ९. ३, १७; १४. १, ५; १५. ३, १.

तिष्ठसे १७. १, १६; १९. ४७, १.
तिष्ठान् १. १७, २; ३. ४४. १.
तिष्ठाति ३. १२, १; ६. ४३, २.
तिष्ठाथः २०. १४०, ३.
तिष्ठामि ६. ४७, ३.
तिष्ठासि १९. ४५, ४.
तिष्ठेत् ४. ३०, ७; ६. १, ७४.
तिष्ठु-भिः २. १२, ४; ७. ४, १.
तिस्तिर २०. ७३, २.
तिस्रः ३. २४, ६; ४. २०, २[२]; ५. ३, ७; १२, ८; १५, ३; २७, ९; २८, १०; ६. २१, १; ७५, ३[२]; १००, १; ७. ४३, १; ८. ४, ११; ९, १३; ९. ६, १०; १०, ३; १०. ८, ३; १०, २८; ११. ५, ३; १३. ३, २१[२]; १९. २७, ३[२]; ३२, ४[२]; २०. ६१, ५.
तिस्रः २०. १२९, ७.
तीक्ष्ण-इषवः ३. १९, ७; ५. १८, ९.
तीक्ष्णः १९. ३३, ४.
तीक्ष्ण-तराः ३. १९, ४.
तीक्ष्ण-शृङ्गः १९. ५०, २.
तीक्ष्ण-शृङ्गी ४. ३७, ३.
तीक्ष्ण-शृङ्ग्य: ८. ७, ९.
तीक्ष्णीयांसः ३. १९, ४[२].
तीक्ष्णेन ८. ३, ९; १२. ५, ३३.
तीतृपाम ६. ३२, १.
तीर्त्वा ९. ५, १; ३.
तीर्थम् १४. २, ६.
तीर्थः १८. ४, ७.
तीर्थैः १९. ६, ८.
तीव्रः ३. १३, ५; १८. १, ४८.
तीव्रान्त्यं २०. ९६, १.
तीव्राः १२. २, ११; २०. ८९, ८.
तीव्रान् २०. ८९, ५.
तीव्रैः २०. १७, ६.
तु ४. १८, ६; १९. ३१, ४; २०. १४, ४; १८, ४; २३, १; ६२, ४; ६८, ११; ७४, १–७; ९२, १३.
तुग्र-वृधम् २०. १०५, ३.
तुग्रः २०. ११, ५.
तुग्रता २०. ३५, ६.
तुग्रम् २०. ३५, ६.
तुग्रयत्-भिः ८. ४, ७.
तुग्र्यै ७. ४९, १.
तुजे ६. ३३. १.
तुजेते इति २०. ३५, १४.
तुञ्जते २०. ७२, १.
तुञ्जे-तुञ्जे २०. ७०, १३.
तुण्डिकः ८. ६, ५.
तुण्डेलम् ८. ६, १७.
तुदन् २०. ३०, ४.
तुदन्तु ३. २५, १.
तुदन्त ३. १७, ५.
तुन्दाना ६. २२, ३.
तन्ना ६. २२, ३.
तुभ्यं २०. २४, ८; ७३, १.
तुभ्यम् १. १३, ३; २. ६, ५; २८, १; ३. २३, ५; ४. ८, ७; ५. १८, १; ६. ९७, ३; ११२, १; ७. ४६, ३; ८२, ३; ६; ८. १, ५[२]; २, २२; ७, २५; ९. ५, ३८; ११. २, २४[३]; ४, १९; १२. १, ६२; १४. १, ५८; २, १; १७. १, १८[२]; १९. ४८, २; ५०, ७; २०. २५, ७; ३३, १; २; ३७, १०; ६७, ६[२]; ७३, १; ८८, ३; ९६, १; २[२].
तुभ्रम् २०. ३६, ५.
तुरः ५. २, ८; २०. १०७, ११.
तुरः ३. १६, २; ६. १०२, ३; २०. ५०, १.
तुरः-श्रीः २०. ३१, ३.
तुर-गातु ९. १०, ८.
तुरयन्तः २०. ११९. २.
तुरयन्तम् २०. १०५, २.
तुरस्यं २०. ३५. १३.
तुरा २०. ३१, २.
तुराणाम् ७. ५७, २.
तुराय २०. ३५, १.
तुराषाट् २. ५, ३; २०. १२, ७.
तुरीयम् ५. २७, १०.
तुरीयः १. १६, १; ३१, ३; १४. २, ३.

तृण्म् ५. १९, ५; ८. ३, १२; १०. ५, ४८; २४. १, २९.

तृर्ण-वन्दने ७. ११३, १.

तृष्टा ५. १८, ३; ७. ११३, २.

तृष्टानाम् १९. ५७, ३.

तृष्टिका ७. ११३, २.

तृष्टिके ७. ११३, १.

तृष्टिके॒ ७. ११३, १.

तृष्णया ३. ३१. २.

तृष्णाः ११. ८, २१.

तृष्णा-मारम् ४. १७, ६; ७.

तृष्यन्ताम् १. २८, ४.

तृष्यन्तौ ५. १७, ७.

तृष्यमाणानाम् १०. ४, १८.

ते १. ७, ५; ३०, ३; ३१, २; ३५, ४; २. १२, १; ३२, ५; ३. ३, ५; ६, ७; १५, २; २१, १०; २२, २; २६, १^{२}–६^{२}; ४. ६, ७; ९, ८; २७, १–७; ३०, ४; ३५, ७; ३६, ६; ४०, १–८; ५. ३, १०; ६, ३; १७, १; १८, १०; १९, ३; २३, ४; १२; २४, ६; १५; १६; १७; २८, ३; ३०, १५; ६. २२, १; ४७, ३; ६३, १; ११८, ३; ७. ५, १; १२, २; २८, १; ३४, १; ५३, ४; ६०, २; ३; ७०, २; ७७, ३; ८०, ४; १०९, ७; ८. १, १४^{२}; २, २१; ४, २४; ५, ५; ६; १० (४), १२; ९. १, ९^{२}; २, १०; १२; ३, ३; ४, १६; ५, २९; ६ (१), १०; १४; १५; ६ (६), ३; १०, १; १७^{२}; १८; २२; १०. २, ४; ३, ९; ५, ३९^{२}; ४१^{२}; ७, १७^{२}; ८, १७; ३५; ९, ७; ९; १०, ५; ३१; ३२; ११. १, १; ३; ५, २०; २१; ६, १–६; ८; १०–२२; ८, २^{२}; ४; ५; ६; १०^{२}; १३; २६; १०, २; १२. १, ४९; २, १४; ५०; ५१; ३, ४९; १३. १, ३२; २, २७; ३, ९; १४. २, ७३; १५. १५, ८; १७, ५; ६; १६. ६, ७; १८. १, ३; ४४; ४५; ४७; ५१; २, ३५; ४७; ५५; ३, १९; ४२; ४३; ४५^{२}; ५१; ६८; ४, २५; २९^{२}; ४०; ४२; ४४; ६५; ८६; ८७; १९. १८, १; २; ४; ५; ६; ७; ९; १०; २०, ३; २७, ११; १२; १३; ४८, ५^{२}; २०. १२, ५; १५, ४; २१, ६^{२}; ७५, ३; ९१, ८; ९४, ६; १२८, १४; १३१, ११; १३५, ९.

ते॒ १. ३, १^{२}–५^{२}; ६; ७^{२}; ८^{२}; ७, ५; १०, २; ११, १; ५; १३, १^{२}; २; ३; ४; १४, २; ३^{२}; ४^{२}; १८, ३; २२, १; ४^{२}; २३, ३; २४, ३^{२}; २५; १; २; ३५, १; २. २, १^{२}; ३, १; २; ६, २^{२}; ८, ३; ४; ९, ४^{२}; १०, १; २^{२}; ३^{२}; ४–८; १२, ७; ८; १३, ४^{२}; ५; १९, १–५; २०, १; २; ३; ४; ५; २१, १–५; २२, १–५; २९, ६; ७^{२}; ३०, १; ३२, ६^{२}; ३३, १^{२}–७^{२}; ३५, ४; ३६, ८; ३. १, ४; ३, ४; ६; ४, ५; ७; ७, ३; ११, ४; ८; १२, ६; १५, ८^{२}; १८, ३; ६^{२}; २०, १; २२, ४; २३, २^{२}; ५^{२}; २४, ७; २९, ७; ४. ३, ३^{२}; ६; ४, ३^{२}; ७; ६, ४; ६^{२}; ८; ७, १; ४; ९, १०; १०, ७; १२. २^{२}; ३^{२}; ४; ५; १३, २; ५^{२}; १६, ६; ७; ९; १७, ४; ८; १८, ५; १९, ६; ८; २२, ५; ६^{२}; ३०, ४; ३१, ३; ५; ३२, १; ६; ७; ३३, ४^{२} ३८, ६^{२}; ३९, ९; ५. १, ३; ५; ८; २, २; ५^{२}; ४, ९; ५, १; ७; ६, ९; ७, २; ७; ८, ५; ११, ६; ८; ९; १०^{२}; १३, १^{२}; २^{२}; ३^{२}; ४^{२}; १८, १; १९, १२; १३; १४; २०, २^{२}; ७; २२, १०; २५, २; ३; ४^{२}; ५; ९^{२}; २८, ५; ६; ७; २९, ११; १४; ३०, १^{२}; २; ३; ४; ५^{२};

९; १०; ११; १५; ३१,
१; २^{२}; ३; ४^{२}; ५; ६;
७; ८; ९; ६. ८, २; ३;
९, १; १२, १; २; १३,
१; २^{४}; ३^{२}; १६, १^{२};
२^{२}; १७, १; २; ३; ४;
१८, १; ३^{२}; २०, ३;
२९, २; ३०, २; ३९, २;
४२, १; २^{२}; ३; ४३,
३^{२}; ४४, २; ४६, १; २;
४९, १; ५६, ३^{२}; ६३,
१^{२}; २; ७०, १; २; ३;
७२, १; २; ३; ७७, ३^{२};
७९, ३; ८०, १; ३^{४};
८२, ३; ८४, १; २; ८५,
२; ३; ८८, २^{२}; ३; ८९,
१; २^{२}; ९०, १; २^{२};
३; ९१, १; २; ३; ९२,
१; २; ३; ९८, २; ३;
१०१, ३; १०२, १; २^{२};
१०६, १; १११, १; २^{२};
११२, ३; ११३, १; ३;
१२५, १; १२६, १; १२७,
२; १२८, ४; १३१, १;
१३२, १–५; १३६, ३;
१३७, २; ३; १३८, ४^{२};
५; १३९, १; २; १४२,
३; ७. ८, १; ९, ३; १०,
१; ११, १; १२, २^{२};
२०, ४; ६; ३५, २^{२};
३^{२}; ३८, २; ४३, १^{२};
४८, २; ५०, ५; ५३,
२^{२}; ३^{२}; ६^{२}; ५५, १;
५६, ३; ६; ८^{२}; ६४, २;
६८, १; २^{२}; ३; ७०,
४^{२}; ५^{२}; ७४, ३^{३}; ७६,
५; ७८, १; ७९, १; ४;

८०, ३; ८२, ३; ६^{२};
८३, १; ९०, २; ९७, ६;
१०७, १; १११, १^{२}; ११४,
१^{४}; ११८, १^{२}; ८. १, १;
३^{२}; ५; ६^{२}; ७; ८; १०;
१५; २०^{२}; २१; २, १^{२}; २;
३^{२}; ४^{२}; ९; १०; ११;
१३^{३}; १४^{३}; १५; १६^{३};
१८; १९; २१; २६; ३,
११; १८; १९; २५; ४,
१४; ५, २२; ६, १;
१८^{२}; २०; ७, ३; ४;
८, ७; ९. १, १०; २०;
२, ५; १६; १९–२५;
३, २; ४^{२}; ६^{२}; १०;
१२; १३; १४; १५; १८;
४, ६; १०^{३}; ५, ३७;
३८; ८, १; २^{२}; ३; ४;
५; ७; ९; १२; १६; २१;
२२; १०. १; ४; ८^{३};
११; १६^{२}; १८; २०; २१;
३, २; ३; ४; ४, २१;
२२; २४; २५; ५, ४५;
७, २१; २५; ९, २^{२};
३; ७^{२}; १३^{३}; १४^{२};
१५; १६^{२}; १७^{२}; १८;
१९^{२}; २०; २१^{२}; २२^{३};
२३^{२}; २४; २५; १०,
१^{३}; ७^{२}; १०, ११; २०;
११. १, ६; १०^{२}; ११^{२};
१९; २०; २५; ३२; २, २^{२};
३^{३}; ४^{२}; ५^{३}; ६^{३}; ९; ११;
१५^{३}; १९; २५^{२}; ३१^{३}; ३,
३२; ३५; ३६; ३७; ४४;
४, २^{४}; ७^{३}; ८^{४}; ९^{२};
१८; २३, १२. १; ११^{२};
१२^{२}; १८; २३; २४; २५;

३१^{२}; ३३; ३५^{३}; ३६^{२};
४६; ४७; ५६; ६१^{२};
६२; २, १^{२}; ३; १४;
२१^{३}; ५३^{२}; ३, १; २२;
५४; ४, ४५; ५२; १३.
१, ५^{३}; ८; ९^{२}; १०;
१४; ३५; ३७; ४४^{३};
५६; ५७; २, ३; ६^{२};
७; २९; ३७; ३, १०;
२१; ४, ४४^{२}; ४५; ४८;
५०–५३; ५५; १४. १,
५; ११^{२}; १२; १६; १९;
२१; ४०^{२}; ४७^{२}; ४८–५१;
२, ३^{३}; ९; २४; ३३;
३४^{२}; ३५; ५९; ६१;
६२; ७५; १५. ११, २^{३};
६; ८; १०; १६. ५, १;
४; ५; ६; ७; ८; १७.
१, ८; ११; १२; १३^{२};
१८. १, २; ३; १३^{३};
१४; १५; २४; ३२; ४०;
५४; ५९; २, ७; ८^{३};
९; १०; १२; २०; २१;
२३; २४^{२}; २६^{३}; ३०^{२};
३६; ५६; ५७; ३, ४; ७^{२};
९; २४; ४५; ५२^{३}; ५५;
६०^{२}; ६८^{२}; ६९^{३}; ७१;
७२; ४, ९; १५^{२}; २५^{२};
२६^{३}; ३१; ३३; ३४;
४२^{३}; ४३^{३}; ४४; ५२;
५६; ५९; ६६; ७५; ७६;
७७; ८८; १९. २, १^{४};
२^{३}; ५; ३, २; ३^{२}; ४,
१; ८, ५; ११, ५; १५,
४; १८, ३; ८; २६, ४^{२};
२७, ४; २८, १; ३०,
१^{२}; २^{२}; ४; ३२, १;

६; ८; १०; १३, २; ४; ६; ८; १०; १६. १, ५; ७, १; १२; १८. १, ६; ५३; २, ३०; ३, ५६; १९. ६, ११; ९, ४; २२, २१; २३, ३०; २४, १; २७, १०; ३०, १; ३२, ७; १०; ३९, ९; ४७, ८; ५०, १; ५३, ९²; ७२, १; २०. ८९, ७; १३९, ५; १४१, ५.

तेनो इति ९. १, २०; १८. ३, १९.

तेभिः १. १५, ३; ४; २. ३५, २; ५. ८, २; १८, ८; ७. ५५, १; ६८, २; ११. ९, ६; १८. ३, ४६; ४, २; ३; १९. ४७, ५; ५०, २; २०. ३३, १.

तेभ्यः ३. २१, १–७; २६, १²–६²; २७, १–६; ४. ३९, १०; ६. १३, १; ७. १०९, ६; ८. १, १४²; ८, १०; १०. ४, २३; ९, १३; ११. १, ४; १२. ४, २६; १४. २, ४६; १८. २, २९; ४९; ३, ५९; ७२; ४, ५७.

तेषाम् १. १, १; २. ३, २; ३५, १; ३. ९, ६; १०, ६; २६, १–६; ४. ५, ५; ५. १९, २; ६. १५, २; ५५, १; ३; ६५, १; ६७, २; ११६, ३; ७. ७, १; ८. ३, १५; ६, २४; ९. २, ४; ९; ६ (२) ४; ६ (६), ४; ९, १६; १०. ४, १८²; ११. ३, ५३; ९, २६; १२. ३, ६; ४, ११; २०; १८. १, ५८; ६८; ८६; ८७; २०. ३७, १०; ५६, ६.

तेषु ८. ९, १९; १२. १, ५६; ४, २६; १७. १, ७.

तैः ३. २३, ४; ४. १६, ९; ३६, ५; ५. २१, ८; ८. ८, ९; १०. ५, २१; ६, २०; ११. ३, ३७²; ३८²; ५, १४; १३. १, ३५; १९. ९, ५; १२.

तैमातस्य ५. १३, ६; १८, ४.

तैलकुण्डम्-इम २०. १३६, १६.

तोकम् १. २८, ३; ४. १७, ३.

तोकस्य २०. ७१, २.

तोकानि ५. १९, २.

तोकाय २०. १४१, १.

तोकेभ्यः १. १३, २; २६, ४.

तोशमाना ३. १७, ५.

तोता २०. १२८, ६; ७; ८; ९; १०; ११.

तौ ३. २४, ७; ४. २५, १–७; २८; १–७; २९, १–७; ५. २४, ५; ३०, १०; ६. १४०, १; ७. ५३, ३; ८. ९, १²; ९. १, ७²; ३, ९; ५, २७; ६ (१), १२; १०. ४, ८; ९, २५; ११. ५, १०; १२. २, ३२; १४. २, ७१; १८. २, १३; १९. १३, १; ४४, १०; २०. १३३, १.

तौर्दी १०. ४, २४.

तौलस्य १. ७, २.

तौविलिके ६. १६, ३.

त्मना ५. २७, ११; ७. ४८, १; २०. १६, ७; १२२, २.

त्मनया ५. १२, १०.

त्यजसम् १८. १, ३.

त्यत् २०. १६, ७; ३५, १५; ३७, २; १०६, १; १३७, १०; ११.

त्यम् ७. १४, १; ८५, १; १३. २, १६; १८. १, २१; २०. ३५, ३; ३६, ६; ४७, १३.

त्यस्यै २०. १२६, २३.

त्याः २०. ७४, ४.

त्ये ८. ३, १९; ४, २०; १३. २, १७; २०. १०, १; ४७, १४; ५९, १.

त्रपु ११. ३, ८.

त्रयः २०. १२९, ८.

त्रयः ४. ३, १; ९, ८; ५. २८, ३; ८; ६. ८०, २; ११२; २; ८. ९, १३; ९. १०, २६; १०. ६, ३१; ११. १, १०; ३, २०; १२. ३, २०; १३. ३, ६; १८. ४, ४; १९. ४७, ४.

त्रयः-त्रिंशत् ६, १३६, १; १०. ७, १३; २३; २७²; ११. ५, २; १२. ३, १६; १९. २७, १०; ३७, १.
त्रयः-त्रिंशतम् ११. ३, ५२.
त्रयः-त्रिंशाः १९, ५६, ३.
त्रयः-त्रिंशेन ८. ९, २०.
त्रयः-दश ३. २१, ५.
त्रयः-दशः ५. ६, ४.
त्रयः-दशम् १२. ३, ८.
त्रयान् ४. ११, २.
त्रयोदश-ऋतुस्थः १९. २३, १०.
त्रसत ८. ८, १९.
त्रसदस्युम् २०. ३७, ३.
त्रसन्तु ५. २१, ८.
त्राता ४. १६, ३; १९. १५, २.
त्रातारम् ७. ८६, १.
त्रातुः ६. ९९, ३.
त्राम-सिः २०. २१, १०.
त्रायताम् ६. ९९, ३.
त्रायताम् ८. ५, १९.
त्रायध्वम् ६. ९३, ३.
त्रायन्ताम् ४. १३, ४²; ८. ७, २; ११.
त्रायमाणः ८. १, १५; ७, १४; १९. १०, १०; ३९, १.
त्रायमाणम् ४, ९, १; ६. ४, १.
त्रायमाणाम् ८. २, ६.
त्रायमाणायै ६. १०७, १.
त्रायमाणे ६. १०७, १; २.
त्रायसे ५. ५, २.
त्रायस्व २०. ३७, ७.
त्रायस्व १९. ४४, ४; ४९, ३.
त्रासय ५. २१, ५.
त्रा नय ५. २१, ४; ६.
त्रि-अरे १०. २, ३२.
त्रि-आयुषम् ५. २८, ७².
त्रिंशत् ५. १५, ३; ६. ३१, ३; १९. ४७, ४; २०. ४८, ६.
त्रिंशत्-अक्षम् १३. ३, ८.
त्रिंशतम् २०. १३, ४.
त्रिंशत्-अराः ४. ३५ ४.
त्रिंशता ७. ४, १.
त्रिः ५. ७, ३; ८. ३, ११; १२. २, २९; १४. १, ४१; १९. ६, १५; ३४, ६; ३६, ५²; २०. ९२, ४; १०७, ६.
त्रि-ककुत् ४. ९, ८.
त्रिककुदम् ५. २३, ९.
त्रि-कद्रुकेभिः १८. २, ६.
त्रि-कद्रुकेषु २. ५, ७; २०. ९५, १; ११०, ३.
त्रिचक्रेण १४. १, १४.
त्रितः ५. १, १; ६. ११३, १.
त्रितस्य ६. ११३, ३.
त्रिते ६. ११३, १; १९. ५६, ४; २०. १११, १.
त्रि-दिवम् १०. ९, ५; १०, ३२; १७. १, १०.
त्रि-दिवे ९. ५, १०.
त्रि-धातु २०. ८३, १.
त्रि-नाके ९. ५, १०.
त्रि-नाभि ९. ९, २; १३. ३, १८.
त्रि-नामन् ६. ७४, ३.
त्रि-पञ्चाशीः १९. ३४, २.
त्रि-पात् ९. १०, १९; १९. ६, ३.
त्रि-पादम् १३. २, २७; ३, २५.
त्रि-पृष्ठे ९. ५, १०.
त्रि-प्रतिस्थिते १०. २, ३२.
त्रि-सिः ६. ११२, २; १०. ८, ४३; १२. ३, ४२; १९. ६, २.
त्रि-भुजम् ८. ९, २.
त्रियोजनम् ६. १३१, ३.
त्रि-वरूथम् ७. ६, ४; ८. ५. २०; ९. २, १६; २०. ८३, १.
त्रि-वृत् ५. २८, ४; ६; ११.
त्रि-वृतः १९. २७, ३.
त्रि-वृतम् ८. ९, २०; १० ८, १७; १९. २७, ३.
त्रि-वृता ५. २८, ७; ८; १९. २७, ३; ९.
त्रि-वृति ५. २८; ३.
त्रिवृत्-सिः १९. २७, ३; ९².
त्रि-वृषः ५. १६, ३.
त्रि-शताः ११. ५, २.
त्रि-शारीराम् ५. २३, ९.
त्रि-शोकः २०. ७६, २.
त्रि-शोकम् ४. २९, ६.
त्रिषु ७. २६, ३; ९. ९, ६; १०. १०, ११; १२; २०, ६७. ५.
त्रि-संधिः ११. ९. २३
त्रि-संधिना ११. १०, ३; २७.

त्रि-सं॑धिम् ११, १०, १०; ११.

त्रि॒-सं॑धे ११. १०, २; १८; १६.

त्रि॒-सं॑धेः ११. १०, २; ४; ५; ६; ७; १५.

त्रि॒-स॒ध॒स्थः २०. ८८, १.

त्रि॒-स॒ताः १. १, १; २७, १.

त्रि॒-स॒प्तासः १३. १, ३.

त्रि॒-स्तुप् ८. ६, २०; १८. २, ६; १६. २१, १.

त्रि॒स्तुप्-छ॑न्दाः ६. ४८, ३.

त्रि॒-स्तुभ॑म् ८. ६, १४.

त्रीणि॑ २. १, २; ५. १, १; २८, १[२]; ७; ७. २६, ५; ८. २, २१; ३, १०; ६, ३; ६. १५, ८; १०, २७; १०. ७, ४०; ८, ४[२]; १२. ४, ४७; १३. ३, २१; १८. १, १७; ३, ४०; १६. २७, ३; १०; ३६; २; २०. ६१, ५; १२७, ३; १३२, १३.

त्रीन् ६. १, ८; ६, १०; १२. ३, ४२; १६. २७, ४[६]; २०. १३, ४.

त्रे॒धा १. १२, १; ४. १६, ६; ५. २८, ६; ७; ७. २६, १; ४; ४४, १; ८. ३, १०; ११. १, ५; ८, ३३; १३. ३, २१[२]; १८. ४, ११; २०. १३५, १३.

त्रैक॑कुदम् १६. ४४, ६.

त्रैक॒कु॒दम् ४. ६, ६; १०.

त्रैस्तुं॑भम् ६. १०, १.

त्रैस्तुं॑भात् ६. १०, १.

त्रैस्तुं॑भेन ६. १०, २.

त्रै॒हा॒य॒नात् १०. ५, २२; १२. ४, १६.

त्व॒चः ६. २१, १; १२. ३, ५३.

त्व॒च॒ः ५. १४, ३.

त्वच॑म् १. २४, २; ३३, ४; ४. १२, ५; ८. ३, ४; ६. ४, १४; ५, ४; १२. ३, २१; ५, ६८; १६. १, १२; १८. २, ४; २०. १६, ४.

त्वच॑म्-इव १६. २८, ४.

त्व॒च॒स्य॑म् २. ३३, ७; २०. ६६, २३.

त्व॒चा ४. १२, ५; १४, ६; ११. ८, १५.

त्व॒चाम् १२. ३, ५१.

त्व॒चि १. २३, ४.

त्व॒चे ११. २, ५.

त्वत् ३. ७, ६[२]; २३, १[२]; ५. ११, ४[२]; ६. ३०, २; ८७, १; ६०, १; ७. ७६, ४; ८०, ३; ८. १, २१[२]; ६. ८, १०; ११; १२; १६; २०; १२. १, १५; ३, ३६[२]; १८. ३, ५२; २०. १५, ४; ८२, २; ११६, १.

त्वत्-यो॑नयः १३. १, २.

त्व॒द्रिक् २०. १७, २.

त्वप्रतिसूर्य २०. १३०, १०.

त्वम् १. ७, १; ७; ८, ४; ६, ३; ११, ३[२]; ६; १७, २; २४, १; ३; ३४, ४; २. ३, २; ६, ५; २५, ४; २७, ७; २८, ३; २६, ७; ३६, ८; ३. ४, १; ५, ६; ७; १२, ५; १८, ५; २०, २; ५[२]; २३, ४; ५[२]; ३१, १; ४. १, ७; ६, ८; ७, ६; ६, ३; १०, ६[३]; १३, ३; १७, ८; १८, ४; १६, ४; ५; ७; २०, ५; २२, १; ६; ३१, ३; ३२, ३; ४; ३३, ६; ५. ३, २; ५, २; ४; ६, १०; ८, ७; ११, १; २; ४; ५; ७; १२, १; ३; १३, १०; ११; १४, १; २; २०, २; २१, ४; ५; ६; २२, १०; २८, १०; २६, १; ५; १४; ३०, १७; ६. ५, ३; १६, २[२]; ३०, २; ३२, १; ५६, १[२]; ६३, ३; ६५, १; ७६, २; ८१, २; ८४, ३; ४; ८६, १; २; ३; ६२, २; ६८, २[३]; ३; १०३, २; ३; १०४, २; १०५, १; २; ३; १०८, १[३]; ११२, २; ११७, १; १२८, ३; १३०, ४; १३१, ३; १३३, ५; १३४, ३; १३८, १; ७. २०, २; ३८, ४[३]; ५६, ४; ६५, १; ७४, ४; ७६, ५; ७८, १; ८१, ५; १०६, १; १०६, २; ८. २, १६; ३, १६[२]; २०; ५, १५; ६, ६; १०; ६,

७; ९. २, १; ४; ९; १०; १७–२५; ३, ९; १०. १, २६; ३, १; १५; १६; ५, ४५; ६, ६–१७; २०; २१; ३४; ८, २७^{५}; ९, ३; १२; १०, ८^{२}; १९; ११. १, १०; ३, २७; ४, १४; १६; ९, १; ५; ६; १५; १८; २२; २४; १०, ५; १९; १२. १, १५^{२}; ६१; २, १; १०; १७; ४५; ४, ४३; ५, ५५; ६५; १३. १, ३२; २, २१; २९; ३, २३; ४, ४७; १४. १, २०; ४३; ५१; ६१; २, ५०; ७१^{३}; १७. १, ६–२१; २४; १८. १, १६; २, ३५; ५९; ६०; ३, ६; ८; ४२^{२}; ४, ३१; ५९; ६५; १९. १५, १; २८, २; ३०, ३; ३१, ९; ११^{२}; १३; ३२, ५; ३३, ३^{३}; ५; ३५, ३; ४४, १; ४६, ७; ४८, ३; ४९, ८; ५२, २^{२}; ५५, ६; ५७, ४; ५९, १^{२}; ६४, २; ४; २०. ५, ३; १२, ४; १५, ६; १८, ६; २१, ८^{२}; ९; १०^{२}; २३, ७; २७, १; २९, १; ३०, ५; ३७, २; ३; ४^{२}; ४६, ३; ४७, १८; ५५, ३; ६२, ६^{२}; ६४, ३; ६७, ६; ६९, ४; ७३, १; ८२, १; ९३, ३^{३}; ५^{२}; ६; ७; ८; ९४, ५; ९५, ३; ९८, २; १०४, ४; १०५, १^{२}; १०८, १; २^{२}; ११४, १; १२६, ४; ८; १२८, १३; १३५, ११; १२; १३७, १०; ११^{३}.

त्वम्-त्वंम् २०. ३०, ५.

त्वया १. ७, ५; ३. ६, ४; ४. १५, ६; १७, ६; ७; १८, ८; १९, ४; २०, २; ३१, १; ४; ३२, १; ३७, १^{३}; २; ५. २, ५; ३, १; २९, १; ३०, १६; ७. ५०, ४; ६५, २; ३; ९. ५, १६; ११. २, २०; १२. २, ५; ५, ६१; १४. २, १७; १८. ४, ७०; १९. ३२, ३; ४; २०. १८, ६; २१, ११; ७०, २०; ७९, २; ८७, ४; १०७, ८.

त्वयि ४. २५, ३; ८. २, ३; १२. १, १५; १३. १, ५४; १८. २, ५२; ३, ७०; १९. ३१, ११^{२}; ४७, ९.

त्वरणाः ११. ८, २८.

त्वरयं १२. ३, ३१.

त्वर्णः ५. २५, ११.

त्वषः २. २९, २; ५. २७, १०; ९. ३. ३.

त्वष्टा २. ५, ६; २६, १; ३. ८, २; २०, १०; ३१, ५; ५. २५, ५; २६, ८; ६. ४, १; ५३, ३; ७८, ३^{२}; ८१, ३; ९२, १; १४१, १; ७. १७, ४; ९. ४, ६; ६ (५), २; ७, ७; ११. ८, ८; ९; १८; १२. २, २४; १४. १, ५३; ६०; १८. १, ५; ५३; १९. १०, ६; २०. ३५, ६.

त्वष्टारम् ४. ३०, ६; ५. १२, ९; ११. ६, ३.

त्वष्टुः ९. ४, १०; ११. ३, ४२; ८, ९; १८; २०. ४१, ३.

त्वष्ट्रा-इव १२. ३, २३.

त्वा २०. १३५, ९; १३६, १२; १४.

त्वा १. १०, ३; ४; १२, २; १३, ४; १६, ४; १८, ३; २२, १; २; ३; २३, २; २९, ३^{२}; ३१, ३^{२}; ३४, १; ५; ३५, ४; २. २, १; ५, २; ४; ६, १; १०, १^{२}; २; ३; ४; ५^{२}; ६; ७; ८; १२, ३; १३, ५^{२}; २७, २^{२}; ३, २८, ४; ३. ३, १; ३^{२}; ५; ४, १^{२}; ३; ४^{२}; ५; ६; ७; ५, ८; ७, २; ५; ६; ९, ५; १०, ३; १०; ११, १; ७^{३}; ८^{२}; १२, १; ३; १५, ७; १६, ५; १७, ८; २१, ५; २३, ६; २४, ६; २५, १^{२}; २; ३; ५; २९, ७; ८; ४. ४, १^{२}; ६, ३; ७, ३; ४; ६; ८, ४; ५; ६^{२}; ९, ५; १०, ७; १३, ५; ७; १५, ४; १६, ९; १७, १^{२}; २०, ६; २२, ५; ३२, ५; ३४, ५^{२}; ६^{२}; ७^{२}; ५. २, ४^{२};

३, १; ५, २; ६, ११[२]–१४[२]; ७, ७; ८, ६; ११, ७; १३, ४; १४, १[२]; ७; २२, ११; २५, ८; २८, ५; ६[२]; १०; १२[२]; १३[२]; २९, ११; ३०, २; ५; ८; १५; १७; **६.** ६, २; २६, २; २९, ३; ४५, १; ४६, २; ४८, १; २; ३; ८४, १[२]; ८७, १[२]; ८९, ३[२]; ९२, १; ९९; १[२]; १०६, ३; १०९, ३[२]; १११, ४[२]; ११३, १; ३; ११३, ५; ११६, १; ११८, ३[२]; १४२, १; २; **७.** ३५, ३[२]; ३७, १; ३८, ३; ४५, १; ५०, ५; ५६, ७; ७१, १; ७२, २; ७४, ४; ७८, २; ८२, ३; ९७, ६; ११०, ३; ११५, १; ११७, १; ११८, ६[२]; **८.** १, ३; ७; ९; ११[२]–१३[२]; १४[२]–१७[२]; १९[२]; २०; २, ३; ४; ९[२]; १४; १५[२]; २०; २२; २६; ३, ९; १८; २२; ५, १४[२]; १५[२]; २२; ६, ७; ८[२]; २१; ७, २८; ९, १; ७; १०(६), २; **९.** १, २; ३; ९; ११[२]; २२; २४; ४, १०; ५, २; १५; १०, १३; **१०.** १, ७; ९[२]; ११; १२; १५[२]; १८; २६; २८; २९; ३, ३; ४; ७; १३; १४; १५; ४, ६; ६, ३[२]; ३४; ७, २९; ३०; ८, १०; ३४; ९, २[२]; ७; ८[२]; ९; १० ७[२]; ९; १०; १६; २२; **११.** १, १; ३; १३; १४; १६; २२; २५; २६; ३२; ३३; ३४; ३, २२; २८; २९; ३८; ४०; ४२; ४७; ४, १९; २६; **१२.** १, १८; २९; ३४; ५५; २, ५[२]; ६[२]; १६[२]; ३, २२; २३; २४[३]; ३५[२]; ५५–६०; ४, ४३; **१३.** १, १; १०; १२; १५[३]; १७; १८; १९; २०[२]; २१; ३६[२]; ४३[२]; २, ४; ५; १२; २३; ३६; ४; ४७; ५०–५४; **१४.** १, ४; १९[२]; २०[२]; ४६; ५०; ५२; ५८[२]; २, ७; १९; ३३; ५९; ६०; ६१; ६२; ७०[३]; **१६.** ५, ३–७; १०; **१७.** १, ८; **१८.** १, ५६; ५७; ६०; २, २१; २२; २५; ३१; ५२; ५४[२]; ५५[३]; ५७; ५८; ३, १; २९–३५; ४९; ६६; ४, ९; ३३; ४४; ४८; ५१; ५२; ६७; ८८; **१९.** १४. १; २५, १; २६, २; ३[२]; २७, १[४]; २[२]; ३; ५; ९; ३४, ६[२]; ७[२]; ३७, २; ३[४]; ४; ३९, २; ३; ४; ९[२]; ४४, ६; १०[२]; ४६, १[२]–७[२] ४९, ५; ५१, २; ५५, ३; ४; ५६, २; ५७, ४; ६४, २; ६५, १; **२०.** १, १; ३, २; ३; ५, १; ६, १; ८, १; २; ९, ३; १२, ५; १४, २; १५, ४; १८, १; १९, १; २१, ६; २२, १; २; ३; २३, ९; २४, ६; ३०, १; ३२, २; ३८, २; ३; ४२, २; ४७, ८; ९; २०; ४८, १; ४९, ६; ५२, १; २; ५३, २; ५६, ५; ५७, १२; १४; १५; ६२, २; ६३, ६; ६८, ९; ६९, ५; ७२, १[२]; २; ७५, १; ७६, ३; ८१, १; ८५, ३; ८९; ३[२]; ९२, २०; ९३, १; २; ९५, ३; ९६, १; ५[२]; ६; १०; १५; १६; ९९, १; १००, १; २; १०२, ३; १०३, २; ३; १०४, १; १०७, ७[२]; ११७, १; ११८, १; १२०, २; १२१, १; २; १२४, २; १२५, ५.

त्वा २०. १२८, १६; १३०, १४.

त्वा-ऊतासः २०. ७०, १८; १९.

त्वा-दातम् २०. ६, ६.

त्वाम् २. ६, ३; १०, २–८; ३६, ७; **३.** ४, २[२]; ९, ६. **५.** १४, ९; २५, २; **६.** ६३, २; ७८, ३; ८४, ३; **७.** ३८, २; ५; ८०, ४; ८२, ६; **८.** १, ५; २, २३; २७; ५, १४; ७, २६; **९.** ४, ९[२]; **११.** १, ११; २, १३; ३, २७; **१३.** १, ५८; **१७.** १, १४; **१८.** १, १५; १६; ४,

दधिषे ५. २, ६; २०. १५, ६; ३१, ५; १०७, ६.
दधिषोः १८. ३, २.
दधिष्व २०. ६, ५.
दधिष्व २०. २०, ३; २४, ५; ५७, ६; ८४, ३.
दधीचः २०. ४१, १.
दधात १८. १. १.
दधुः १९. ५६, ३.
दधृक् १८. २, ४८.
दधृषते ६. ३३, २.
दधृषन्त ३. ३, २.
दधृषम् २०. २४, ६.
दधृषुः १. २७, ३.
दध्न २०. ११५, २.
दधे ४. ७, ७; २७, २; ३४, ८; ५. ६, २; ९, ७; ३०, १२; ७. २६, ४; ८. ५, ६; ११. १, २८; ३३; १७. १, २९; १९. ४, २; २०. ५३, १; २; ५७, ११; १२.
दधेते इति ५. १, ३.
दधौ ९. ४, १०; १०. २, ५; १७; १९. ३४, ९.
दध्नः ३. १२, ७; ७. ७२, ३.
दध्ना ४. ३४, ६; ७.
दध्मः ३. २७, १–६; ४. ५, ५; ९. ४, २४; १२. १, ३०; १९. ७२ १.
दध्मसि १९. ६४, ३.
दध्मसि १. २२, १–४[२]; ३. २३, १; ५. २१, १; ८. १, २१; १४. २, ६५; ६६.

दध्रे १८. ३, ६३; १९. २६, १.
दध्रे १२. १, ३७; २०. ५, ७.
दन्ताः ४. ३, ६; ५. १८, ८; ९. ७, ३; ११. ३, ३५; १९. ६०, १.
दन्तैः ११. ३, ३७[२].
दन्तौ ६. १४०, १; ३.
दन्तौ ६. १४०, २; ३.
दभन् ४. ७, ५; ५. २, ४; ६, २; ८. ३, ९; ६, २५; १३. २, ५; १७. १, ८; १९. २७, ५; ६; ४६, २; २०. २२, २; १०७, ७.
दभन्ति २०. ५६, ३.
दभाति ४. २१, ३; ६. २७, ३.
दभायत् ४. १, ७.
दभीतये २०. ३७, ४.
दभ्नुहि १०. ३, ३.
दभ्रम् ८. ४, १०.
दभ्रस्य २०. ५६, २.
दमयन् ५. २०, १.
दमिता २०. ११, १०.
दमूनाः ७. १४, ४; ७३, ६; १९. ४६, १.
दमे २०. ३५, ६.
दमे-दमे ७. २६, १; २.
दंपति-भ्याम् १२. ३, २७.
दंपती इति दम्-पती १२. ३, १४; ३५; १४. २, ९; ११; ६४; १८. १, ५; २०. १६, २; ९६, १४.
दंपती इति दम्-पती ६. १२२, ३; १२. ३, ७.
दम्-पते २०. ९२, ११.

दम्भय ७. ६०, १.
दयताम् ८. १, ५.
दयमानः २०. ११, १.
दयसे २०. १२, ४; ५.
दयसे २०. ३६, ६.
दयस्व ८. २, ८.
दयामसि १९. ५७, ५.
दये १६. ७, ११.
दरयन्तः २०. २१, ४.
दर्ता २०. ६४, ३.
दर्दः २०. ७७. ८.
दर्दरीति २०. ६०, २.
दर्दर्षि २०. ३४, १८.
दर्भ १९. ३३, २.
दर्भ १९. २८, २–१०; २९, १–९; ३०, १–५; ३२, ८.
दर्भः ६. ४३, १; २; ८. ७, २०; १०. ४, २; ११. ६, १५; १९. ३०, ५; ३२, १; ९; १०; ३३, १.
दर्भम् १९. २८, १; ३३, ५.
दर्भेण १९. ३२, २; ७; ३३, ५.
दर्भेषु १०. ४, १३.
दर्माणाम् २०. ३५, ५.
दर्विः ९. ६(१), १७; ११. १, २४; ३, १६; १२. ३, ३६.
दर्विम् १०. ४, १३.
दर्वे ३. १०, ७.
दर्व्या ४. १४, ७.
दर्श ७. ८१, ३.
दर्शः ७. ८१, ४.
दर्शतः ४. १०, ६; ७. ८१,

८७, २; १००, २; ११७, ६.

दिवे॑-दिवे २०. १३५, १०.

दि॒व्य २. २, १.

दि॒व्यः २. २, १; ७. ४१, २; ८. १, ११; ९. १०, २८; १०. ५, २०; १३. २, ६; २०. १२१, २.

दि॒व्यम् ४. १४, ६; ७. १८, १; ३९, १; १८. १, ३२; २०. ३०, २.

दि॒व्यस्य॑ ४. २०, ३; ६. ८०, १; ३; ७. १८, १; २०. १७, १२; ३६, ९; ८७, ७.

दि॒व्या ६. १४२, १; १९. ४९, ८.

दि॒व्याः ४. ८, ४; ५; ६; ७. ८९, १; ८. २, १४; ७, ३; २४; ९. ५, १४; १०. ५, ४६; ९, ६; ११. २, २४; ५, २१; ६, ८; १६. १, १; १९. ११, २; ४.

दि॒व्यात् ८. ४, २३.

दि॒व्याना॑म् १९. २, ४.

दि॒व्यानि॑ २०. ३६, ८.

दि॒व्याम् ११. २, १९.

दि॒व्ये ७. ८२, ६.

दि॒व्ये इति॑ ५. १२, ६.

दि॒व्येन॑ २. ६, ३; ११. २, २६; २०. १७, ७.

दि॒व्येषु॑ ७. ६८, १.

दिशः॑ ४. ८, ४; ३९, ८; ५. २१, ६; २८, २; ६. ८८, ३; ८. ५, ११; ८, ५; २२; ९, १५; ९. २, २१; ५, २०; ३७; १०. २, २८; ५, २८; ३८; ६, ९; ७, ३४; ८, ३५; ९, १०; ११. ६, ६; १३. १, ३८; २, २; ४१; ३, ६; १९; ४, ३४; १५. ६, २२; १८. ४, ६; ७; १९. ६, ८; २०, २; ४५, ३; ४; ५४, १.

दि॒शः ४. ४०, १–७; ५. १०, १–६; ६. ९८, ३[२]; ९. ३, २५–३०; १५. ४, १; ३; ४; ६; ७; ९; १०; १२; १३; १५; १६; १८; ५, १; २; ४–१३; १८. ३, २५; २६; २७; २८; १९. १७, २–१०; १८, १–१०.

दि॒शः-दि॑शः ४. १५, ८; ९. ३, ३१; १०. ३, १०; १८. ४, ९; १९. ३५, ४.

दि॒शतु १२. १, ४०.

दि॒शन्ती॑ ५. १२. ७.

दिश॑म् १२. ३, ८; १५. २, १; ९; १५; २१; ६, १; ४; ७; १०; १३; १६; १९; १४, १; ३; ५; ७; ९; १७.

दिश॑म्-दिशम् ३. ३१, ४.

दि॒शाम् ४. ४०, ८; ५. १०, ७; १२. ३, ९; १०; १३. २, २.

दि॒शि ३. २६, १–६; ४. १४, ७[२]; ८[२]; ११. २, १२; १४; २७; १५. २, ४; १२; १८; २४; १८. ३, ३०–३५.

दि॒शे १२. ३, ५५–६०.

दि॒ष्टः ५. ३०, १७.

दि॒ष्टम् १२. ३, ५५–६०.

दि॒ष्टात् १०. ३, १६.

दि॒हानः ८. ३, ६.

दी॒क्षया॑ १२. ५, ३; १९. ४३, १–८.

दी॒क्षा ११. ७, ८; १२. १, १; १५. १६, ५.

दी॒क्षाः ८. ९, १७.

दी॒क्षाभि॑ः ८. ५, १५,

दी॒क्षाम् ९. ६ (१), ४; १४. २, ५२; १९. ४०, ३; ४१, १.

दी॒क्षि॒तः १०. १०, १२; १७; ११. ५, ६.

दी॒दय॑त् १४. १, ३७.

दी॒दयत् ३. ८, ३.

दी॒दय॑ति १८. ४, ८८.

दी॒दय॑न्ते १८. ३, ७३.

दी॒दि॒हि ७. ७८, २,

दी॒दि॒हि २. ६, १; ४; ७. ७४, ४; ८४, १; १२. २, १८.

दी॒द्य॑तम् २०. १०२, ३.

दी॒द्यति १०. १०, २८.

दी॒धा॒था॒म् २. १२, ५.

दी॒धि॒म २०. ५८, १.

दी॒धी॒थाः ८. १, ८.

दी॒ध्यः ८. १, ९.

दी॒ध्य॑तः १८. ३, २१.

दीध्यानः १८. १, १.
दीध्यानाः २. ३४, ३; १८. २, ४७; २०. ८८, १; ९१, २.
दीध्युः १४. १, ४६.
दीने २०. १६, ८.
दीप्य: २०. ३६, ८.
दीपयामसि १२. २, ५.
दीप्यते १०. ७, २; ४.
दीय १९. १३, ८.
दीयते १२. ४, ३.
दीयमानः ९. ५, ९; १०.
दीर्घ-आयुः १४. २, २; ६३.
दीर्घः २७. ५, ४.
दीर्घ-तमाः २०. १४०, ५.
दीर्घम् १. ३५, २; २. १३, २; ३. ८, ३; ६. ७८, ३; ७. ३२, १; ३३, १; ८१, २; १०३, १; ८. २, ११; ११. १, ३४; १२. १, ६२; १३. २, ३७; १४. १, २४; ४७; २, ३९; ७५; १८. २, ३; १९. २४, ४.
दीर्घ-श्मश्रुः ११. ५, ६.
दीर्घ-श्रवसः २०. ७३, ४.
दीर्घाम् १४. १, ४६.
दीर्घाय ६. ३९, १; २०. ३८, ६; ४७, ६; ७०, ९.
दीर्घायु-त्वाय १. २२, २; ३५, १; २. ४, १; ३. ५, ४; ४. १०, ७; ५. २८, १; ६. ६८, २; ११०, २; १३३, ५; ८. ५, २१; १२. २, ६; १४. २, ७५; १८. ४, ५३; १९. २८, १.
दीर्घेण १२. २, ३२; ५५.
दुः ६. १११, ४२.
दुः-अमन्यः १६. २, १.
दुः-आधर्षा १२. ५, १७.
दुः-आध्यः २०. ७९, २.
दुः-इतम् ६. १२१, १; ७. ८३, ४; ८. २, ७; ७, ९; ९. २, ३; १०. १, २५; ३२; ५, २४; १४. २, ६६; ६७.
दुः-इतस्य ३. ११, ३; २०. ९६, ८.
दुः-इता २. ६, ५; ६. २८, १; १२६, २; १२. २, २८; २०. ३१, ३.
दुः-इतात् २. १०, ६; ५. ६, ८; ६. ४५, ३; ७. ६४, १; ८. ७, ७; १९; १०. ५, २२; १२. २, ४७; ४८.
दुः-इतानि ५. २८, ८; ६. ५३, २; ११०, २; ११२, ३; ११३, २; ७. ६३, १; १३. १, ५८; २, ३४; १९. ३३, ३; २०. १०७, १३.
दुः-इते २. १२, २.
दुः-इष्टिः २. ३५, १.
दुः-एवाः ८. ३, १६; २४; १२. २, २६.
दुः-एवाम् ७. ५०, ७; २०. १७, १०; ८९, १०; ९४, १०.
दुः-एवासः ५. २, ४; २०. १०७, ७.
दुः-कृतः ८. ४, ३; १९. ५६, ५.
दुः-कृतम् ४. २५, ४; ७. ६५, २; ११. ८, २०; १२. २, ४०; १४. २, ६६.
दुः-कृतात् ४. ९, ६.
दुः-कृतानि ६. ४५, २.
दुः-कृते ८. ४, ७; १०. १, २३; २०. १२६, ५.
दुः-गन्धीन् ८. ६, १२.
दुः-गम् १४. २, ११.
दुः-गहानि २०. ३६, ७.
दुः-गा १२. ४, २३.
दुः-गाः १०. १, १६.
दुः-गान् १३. २, ५.
दुः-गानि ७. ६३, १; ९. ५, ९; १९. ५०, २.
दुः-चरितम् ९. ५, ३.
दुः-चितः ५. ३१, ५.
दुः-चितम् ११. १०, २६; १२. ५, ६१.
दुः-च्यवनः १९. १३, ७; ३२, १.
दुः-च्यवनेन १९. १३, ३.
दुः-दाशे १. १३, १.
दुः-धरम् २०. १५, १.
दुः-धाम् ५. १७, ६.
दुः-ध्यः २०. ९४, ७.
दुः-नशम् ५. ११, ६.
दुः-नामा ८. ६, १; ४; २०. ९६, ११, १२.

दुः-नामानः ११. १०, २.
दुः-नाम्नः १६. ६, ७; १९. २६, ४; ५.
दुः-नाम्नाम् २. २५, २.
दुः-नाम्नीः ४. १७, ५; ७. २३, १.
दुः-नाम्नीनाम् १९. ३६, ६.
दुः-पदा २९. २१, ९.
दुः-प्रतिग्रहा १०. १०, २८.
दुः-भगाम् १०. १, १०.
दुः-भूतम् ३. ७, ७; ८. २, १२; १०. १, १३; ३२.
दुः-मतिम् १४. २, ६.
दुः-मत्यै ६. १३, २.
दुः-मन्तु १८. १, ३४.
दुः-युजः २०. ९४, ७.
दुः-वाचः ४. १७, ५; ७. २३, १.
दुः-शंसः ६. ६, २; १९. ४७, ६.
दुः-स्तुतिः २०. २१, १.
दुः-स्वप्न्यम् ६. ४६, ३; १२१, १; ७. ८३, ४; ९. २, २; ३; १०. ५, २४; १२. ५, ३२; १३. १, ५८; १६. १, ११; ७, ८; १९. ४५, २; ५७, १; २[२]; ४; ५.
दुः-स्वप्न्यात् ४. ९, ६; ६. ४६, २; ७. १००, १; १६. ५, ३–७; १०; ६, २.
दुः-हार्दः २. ७, ५; ४. ९, ६; १०. ६, १; १४. २, २९; १९. २८, २; ५; ७; ९; १०; २९, १–९; ३२, ४; ६; ३९, ३; ४५, १; २.
दुः-हार्दम् ८. ३, २५.
दुः-हार्दान् १९. २८, ६; ८.
दुः-हितान् ४. ३६, ९.
दुः-हृणायुः ७. ७७, २.
दुः-हृणायून् १८. १, ६.
दुग्धम् १०, ६, ३१; १०, ३०; ३१; १४. २, १४; २०. ८७, १.
दुग्धस्य ७. ७३, ५.
दुग्धा ८. ९, १; १२. ५, २३.
दुघानाम् २०. ९१, ६.
दुच्छुना ५. १९, ८; ६. ४, ३.
दुच्छुनाम् ५. १७, ४; ६. १२६, २; १२. १, ४९.
दुच्छुने १०. १, २४.
दुदुहे ८. ९, २४; १८. १, १८.
दुदुह्रे २०. २२, ६; ९२, ३.
दुद्रोहिथ ५. ३०, ३.
दुधिता २०. ७७, ४.
दुध्रवे १२. १, ५७.
दुधूर्षति २०. १२८, २.
दुध्र २०. ३६, ४.
दुध्रः २०. ३४, १८.
दुनोति ५. १७, ४; १८, ४.
दुन्दुभयः ५. २१, ९.
दुन्दुभिः ५. २०, १; ६. १२६, ३; १२. १, ४१.
दुन्दुभिम् २०. १३२, ९; १३५, १.
दुन्दुभिना ५. ३१, ७.
दुन्दुभे ५. २०, ४; ६[२]; १०; २१, १[२]; ४; ५; ६; ६. १२६, १; २.
दुन्दुभेः ५. २०, ५.
दुन्दुभौ ५. ३१, ७; ६. ३८, ४.
दुन्वन्ति ९. ४, १८.
दुरः २०. ७६, ३.
दुरः २०. २१, २[२].
दुर्दृश्ना १२. ४, ४; १९.
दुरश्रवसे २०. १३५, ११.
दुरस्यतः ४. ३१, ४; १०. ३, १.
दुरस्यति १. २९, २.
दुरस्यतीः ७. ११४, २.
दुरस्यवः ५. ३, २.
दुरस्यात् ४. ३६, १.
दुराहा ८. ८, २४.
दुरोणे ५. २, ६; १२, १; ७. १७, ३; ७३, ९; २०. ३३, ३; १०७, ९.
दुरोषासः २०. ११६, १.
दुर्नाम-चातनः १९. ३६, १.
दुर्नाम-चातनम् ८. ६, ३.
दुर्नाम-हा १९. ३६, ३.
दुर्निहित-एषिणीम् ११. ९, १५.
दुर्यान् १४. २, ५.
दुर्वः २०. ६८, ५; १२२, ३.
दुष्क्यै ३. ९, ५.
दुस्तनो इति दुः-तनो ४. ७, ३.

दे॒व॒-र॒थस्यं ८. ८, २२.

दे॒व॒-व॒धेभ्यः ६. १३, १.

दे॒व॒-व॒न्दैः १८. ३, ४७.

दे॒व॒-वर्मं १९. ३०, ३.

दे॒व॒-वाहनः २०. १०२, २.

दे॒व-वीतये ७. ५८, १.

दे॒व-वीतौ २०. ३७, ४.

दे॒व॒-सदनः ५. ४, ३; ६. ९५, १; १९. ३९, ६.

दे॒व॒-से॒नाः ५. २१, १२.

दे॒व॒-से॒नानाम् १९. १३, ९.

दे॒वस्यं २. ३६, २; ४. १, ६; ६. २३, ३; १३३, १; ७. १७, २; २५, २; ७०, ४; ७४, १; ९. ४, १३; १०, ९; १०. ५, १४; ८, ३२; १२. १, २०; १३. ३, १–२५; १८. १, ३२; १९. ६, १६; ४९, १; ५१, २.

दे॒व-हितम् ७. ९७, २; १९. १२, १; २०. ९३, ३; १२४, ६.

दे॒व-हूतयः २०. ९४, ६.

दे॒व-हूतिः ५. ३, ५; १२. २, २२.

दे॒व-हूतिम् ८. १० (१), ५.

दे॒व-हूतिषु ५. ७, ४.

दे॒व-हूतौ २०. ९०, २.

दे॒व-हूत्याम् ५. २४, १–१७.

दे॒व॒-हेडनम् ६. ११४, १.

दे॒व॒-हे॒तिः ११. २, १२; १२. ५, २९.

दे॒व॒-हे॒तिम् १०. १, २३; ११. २, १९.

दे॒व॒-हे॒त्याः ८. १, १२.

दे॒वा ६. ३, ३.

दे॒वा २०. १४०, १.

देवाः ४. १३, १^{२}; ६. २७, १; १२३, २; ३^{२}; १३०, १; २; ३; १३१, १; २; ७. ९७, ७; १९. ७०, १; २०. १३५, १०.

दे॒वाः १. ९, १; ११, २; १३, ४; १८, २; १९, ४; ३०, ४; ३३, ३; ३५, ४; २. १, ५; ९, ४^{२}; १०, ८; १२, ४; ५; २९, ५; ३५, ५; ३. ३, २; ५; ४, ४; ५, ३^{२}; ८, ४; १०, २; १२; १९, ५; ६; २२, १; ३; २६, १–६; ३०, ४; ३१, १; ७; ४. २, १; ८, २; ११, ६; १३, ४; १४, १; १६, १; १९, ४; २३, ६^{२}; ३०, २; ३५, ७; ३६, ५; ५. ३, ३; ४; ५; ९; ४, ३; ४; ८, ३; १२, ११; १७, ६; १०; १८, १; १९, १२; १३; १४; २१, ७; २५, ९; २७, १२; ६. ३०, १; ४७, २; ६१, १; ६४, १; ८५, १; ९५, १; २; १००, १; २; १०९, १; ३; १११, ४; ११२, १; ११३, १^{२}; ३; १३२, १; २; ७. ५, १^{२}; ३; ४; ५; ६, १; १६, १; १७, ३^{२}; २४, १; ३५, १; ७०, २; ७९, १; २; ८१, ६; ८९, २; १०९, २; ११८, १; ८. १, २; ७; २, २१; २७; ३, १४; ५, ५; ६; १०; १४; १९; ८, १३; १० (१), ५; १० (२), ७; १० (३), ५; १० (५), १; ४; ९. १, ५; १५; २, ७^{२}; १३; १७; १८; १९; ४, १५; १८; २०; ५, १३; ६ (५), २; १०, १८; १०. २, ४; ३, २; ५; ५, ४७; ५०; ६, १६; ३२; ७, १३; २३; २४; २५; २७; ३८; ३९; ८, ३४; ३५; ४०; ९, ९; १२; १०, ५; २६; ३४; ११. १, २; १०; ३३; ३७; २, २८; ३, २१; ४, ११; ५, १; २; ३; ५; ८; १९; २३; २४; ६, १२; १३; १८^{२}; २२; ७, २३–२६; २७^{२}; ८, ३; १०; १३^{२}; १७; १८; २९; ३१; १०, ११; १२; १४; १५; २७; १२. १, ५; ७; ५३; २, १७; ३, ३२; ३८; ५०; ४, २०; २२; २४; २८; ४१; ४२; ४९; ५०; १३. १, ७; १३; २५; ३५; २, १३; ३, १२; २३; २४; ४, १३; ५, ८; १४. १, १५; ३२; ५०; २, १०; ३२; ५३–५८; १५. २, २; ३, १; ६, ३२; १७, ८; १६. ६, ११; १८. १, ३१; ३२;

३५; ३६; ४७; ३, १०; ११; २२; २४; ५३; ६८; ४, २; २५; १९. ४, ५; ६, १०; ११; १५; ९, ११[२]; १२[२]; १४[२]; ११, २; १९, १०; २०, ३; ४; २४, १; २७, ६; ७; ३०, २; ३४, ६; ३५, १; २; ४१, १; ४६, ४; ५६, ४; ५८, ५; ६; २०. १८, ३; ४९, १; ६२, ७; ६३, १; २[२]; ९२, ८; १२४, ४; ५[२]; १२८, १; ५; १३५, ४.

दे॒वाः १. ९, २; ३०, १; २; ३; ३१, २; २. १२, २; २८, ५; २९, १; ३४, २; ३. ९, १; १५, ५; ६; ४. १३, १[२]; १८, २; २७, ६; ५. ८, ३; १४, ३; १७, ५; ६. ७, ३; २७, २; ३; ५५, १; ५६, १; ६५, २; ७१, ३; ९३, ३; ११४, १; ३; ११५, १; ११८, ३; ७. ९७, ४; ८. १, १८; ४, ११; ९. ४, ७; १०. ७, २३; १९. २७, ११; १२; १३; ५९, २; ७२, १.

दे॒वाः-इ॑व ३. ९, ४; ३०, ७; ६. ८०, २.

दे॒वात्या २०. ६७, ३.

दे॒वान् ३. ४, ६; १०, ११; १५, ५; २१, ८; ४. २१, ३; ३४, ३; ५. १२, १; ७. ५, ३; ३८; ३; ९७, २; १०९, ७; ८. ४, १४; ८, १५; ९, २४; १०(३), ५; १०(५), १; १०. २, २२; २३; ७, २७; ८, १८; ९, ११; १०, ६; ११. १, ४; ५, २; ६, १९; २०; ९, २४; १०, ९; १२. ३, ५३; ४, १०; ३१; ५३; १३. १, ४०; २, ३८; ३, १४; १४. २, २५; १५. १४, १९; १८. १, ३०; ३३; ४७; १९. ५६, ३; ६३, १; २०. १३, ४; ३४, १; ६७, ५; १०१, ३; १२८, ४; १३७, ४.

दे॒वाना॑म् १. १०, १; ३५, २; २. १, ३; २८, २; ३४, २; ३. ५, १; १०, ७; १६, ४; ४. १, ३; १०, ७; ११, २; १३, ३; १४, ५; ३०, ३; ३९, ९; ५. ५, १; ७, ४; १२, ३; १०; ११; १७, ५; २८, ११; ३०, १७; ६. ४६, १; ४७, २; ८५, २; ८६, ३; १००, ३; १०८, २; ७. ५, २; ७, १; ४६, १; ४७, २; ४९, १; ५३, १; ९७, २; १११, १; ८. २, ९; १०(१), ५; ९. ३, ७; ४, ५; ७, ६; ९, ६; १०. २, ३१; ४, १; ११. १, ५[२]; ५, २३; १२. २, ४४; ४, २; १२; १७; २१; २९; १३. १, २७; २, १५; २०; २५; ३४; ३५; ३, १९; २१; १४. १, ३३; २, ६९; १५. १, ५; २, ४; ६, २३; १६. ७, २; १७. १, २; १८. १, ९; २५; २, ५; ३, ४; ७; २३; २५–३५; ५३; ४, १६–२४; १९. ३, ४; १०, ३; ११, ५; १३, १; २७, ९; ३३, ४; ४६, ४; ५७, ३; ५८, ६; ५९, ३; २०. ३४, १६; ४७, १७; ५८, ४; ६७, १; १०७, १३; १४; १२८, १६.

दे॒वार्य॑ ४. २, १–८; ५. ११, ११.

देवा॑सः ६. ११४, १.

दे॒वास॑ः ३. २२, २; ७. २८, १; २०. २५, २; ११०, ३; १२६, ४; १३७, ५.

दे॒वा॒सः १. २६, १; २. १२, ५; ५. ३, ६; ८. ५, २१; १२. ३, ३७; १९. १३, ११; २७, ११; १२; १३.

दे॒वि॒ १. १३, ४; २. २५, ४; ४. ४, ६; २०, १; २; ७. २०, २; ६; ४६, १; ३; ६८, १[२]; ९. ३, ७; १०. ९. ७; २५; १२. १, ५५; ३, ११; ५, ६४; ६५; १८. १, ४३; ४, ४७; २०. १४२, १; २.

दे॒वी २. २५, १; ३. १२, ५; २०, ३; ५. २३, १; २५, ६; ६. ३, २; ३८, १; २; ३; ४; ६३, १; ८९, ३; ९४, ३; १३६, १; ७. ४६, ३; ९. ४, २; १०.

५, ४३; ८, २०; ६, ११; १०, १२; १२. १, ८; १३. १, ४४; १६. ६, ५२; १८. १, २६; २, २५; १९. ७, ४; ९, ३; २०. १३२, ११.

देवी इति ४. २६, २.

देवीः ५. १२, ५.

देवीः १. ४, ३; ६, १; २. १०, ४; ३. ४, २; २०, ३; ५. १२, ८; १७, १; २७, ७; ९; ६. २३, १; २५, १; ५१, २; ५९, २; ७. ४९, २; ८२, ६; ११२, १; ९. ५, १५; १०. ५, ७; ९, २७; ११. ६, ११; २२; १४. १, ४५; २, ६; ४५; १८. ४, ३९; २०. ११, ८; २५, २.

देवीः २. २, ४; ३. १३, ३; ५. ३, ७; ७. ४९, २; ७५, २; १०. ५, ८–१४; १६. १, १३.

देवीम् ३. ८, २; १५, ३; ७. ४७, १; १२. २, ५; १९. ४, २; २०. १०७, १५.

देवीषु ४. २, ६.

देवु-कामा १४. २, १७; १८.

देवृधं १४. १, ४५.

देवे ८. ४, १८.

देवेन १. १, २.

देवेभिः ३. १२, ५; ४. १४, २; ७. ७५, २; २०. ६, ३.

देवेभ्यः ४. २३, २; ५. ४, ७; ८, १; १२, ४; ५; २०, ११; ७. ३८, २; ८१, २; ८४, २; ८. १० (३), ६; ९. ३, २५–३१; १०. ६, ५; २२–२८; ११. ५, १९; ८, ३; १०; १२. १, २२; २, ८; ५०; १४. १, २४; २, ४६; १५. २, ३; १८. २, ५३; ५४; ३, ४१; ४, ५१; १९. ५४, ४; २०. ११, ७; ८७, ३.

देवेषु ३. १७, १; ४. २८, ५; ५. २७, २; ६. २१, २; २८, २; ५८, २; ७. २०, १; ५४, १; ७३, ३; ९७, ८; १०३, १; ९. ४, ११; ५, १७; ६(६), १०[२]; १०. ३, २५; १२. ४, ६; १२; १३. १, ६०; १५. १२, ६; १०; १८. १, २६; १९. ३, ३; ६२, १; २०. ८०, २; १२६, १२.

देवैः २. ५, ४; १६, ४; ३. १७, ९; ४. ९, १; ५. १७, ११; २९, २; ३; ६. १२, २; १२६, १; ७. ८०, १; ९८, १; १२. १, ५५; ३, १५; ४, २४; १४. २, ४१; १८. २, २८; ४८; ४, १०; १९. १७, १०; ४०, १; २०. ९१, १२.

देवौ ३. २९, ६.

देव्या २०. २१, ५; १४२, १.

देव्याः १४. १, ४७; ६२.

देव्यास् ६. १३६, १.

देशोप-सर्गाः १९. ९, ९.

देष्ट्रायं १४. १, १४.

देष्ट्री १०. १०, १७; ११. ४, १२.

देहि ५. ११, ९.

देहि ६. १०७, १–४; १४. १, २५; १८. ३, ७०; १९. ४८, २; ५०, ७.

देहिनः १९. २०, ३.

दैव २०. १३५, १; ३; ५[२].

दैव्यः ७. ११, १.

दैवः ४. १६, ८.

दैव-जनाः १०. २, २२; २३.

दैवम् ५. ४, १०.

दैवाः ५. २७, ९.

दैवाः ५. ३, ५; ११. १, १६; २५.

दैवात् ७. २६, ७.

दैवानाम् ११. १, २३.

दैवाय १६. २, ६.

दैवीः १. १९, २; ३. २३, ६; ५. ३, ६; ६. ९८, २; ९. ४, ९; ११. ४, १६.

दैवीः १२. ३, ३२.

दैवीनाम् २०. ११, २.

दैवीम् ५. २०, ४; ६. ६१, २; ७. ६, ३.

दैव्यम् ६. ४, १; ७. १०५, १.

दैव्यस्य २. २, २.

दैव्या ५. १२, ७; ८. १, ३.

दैव्याः ६. ४१, ३; ८. ९, २१; १७. १, २८.
दैव्यायाः ५. २९, ११; ८. ३, १८.
दैव्ये ६. ५१, ३.
दैव्येन २. १२, ४; ४. २७, ६; ७. ५२, २; ७८, २; ८. ३, २१; १९. २७, ६.
दो॒बधार॑ः १०. १०, ५.
दोधतः १२. १, ५८; २०. १०७, ३.
दो॒प॒णि॒-श्रिर्षम् ६. ९, २.
दो॒पणी॒ इति॑ ९. ७, ७; १०. ९, १९.
दो॒प॒ण्य॑म् २. ३३, २; २०. ९६, १८.
दो॒पसः॑ १६. ४, ६.
दो॒पा १६. ७, ९.
दो॒पो इति॑ ६. १, १.
दोह॑सा १८. १, १८.
दोह॑ः ४. ११, ४.
दो॒ह॒त् ७. ७३, ७; ९. १०, ४.
दो॒ह॒ते॒ २०. ७, ३.
दोहम् ५. १७, १७.
दोहाः ४. ११, ९.
दोहे॑न २०. ८९, २.
दौः-जी॑वित्यम् ४. १७, ५; ७. २३, १.
दौः-सा॑व्यैः १४. २, २८.
दौः-स्वं॑प्न्यम् ४. १७, ५; ७. २३, १.
दौवे॑ २०. १३१, २०.
द्यु॒ ६. १०३, २; ३; १०४, २.
द्यु॒ता॒म् ६. १०४, ३.
द्यु॒ति॒ १२. ५, १५.
द्यु॒तु॒ ११. १०, ६.
द्यवि॑ ६. ४९, ३; १२. २, १८; १८. ४, ८८.
द्यवि॑-द्यवि २०. ५७, १; ६८, १.
द्याम् १. २, ४; ४. १, ४; २, ७; ११, १; १४, ४; १६, ४; ३०, ७; ६. १०, ३; ६१, २; ३; १२०, १; १२६, १; ७. १, २; ६, ३; ९. ३, १५; ५, १५; ९, १३; ११. १, ३७; १३. १, ४३; ४५; २, २२; ४५; ३, २६; १८. १, ६१; २, ४७; ४९; ३, ५; ४, ५; ६; २८; १९. ६, २; २०. ११, ८; १६, ११; २९, ४; ३४, २; १३; ४७, १९; ९१, १०; ९३, ६.
द्यु॒म॒सि॒ ६. १०४, १.
द्यु॒ासि॒ ६. १०३, २.
द्याम्-इ॑व ६. १२, १; ६९, ३; ७. ९५, १; १८. ३, २५–३५.
द्याव॑ः २०. ८१, १; ९२, १९; २०; १४३, ८.
द्यावा॑ १८. १, २९; २०. ३४, १४; ३५, १४.
द्यावा॑पृ॒थि॒वी इति॑ २. १, ४; १०, १–८; १२, १; २९, ५, ३. ४, ५; १५, २; ३१, ४; ४. ६, २; २६, ७; ३०, ५; ५. १२, ९; २३, १; २४, २; ६. ३, २; ८, ३; ५५, १; ५८, १; ६२, १; ९४, ३; ७. ३०, १; ८२, ४; ५; ११२, १; ८. २, १४; ५, ३; ६; १८; ८, २१; २२; ९. २, २०; ४, १०; १०. ७, ३५; ८, ३९; ११. ३, २; ७, २; १३. १, ५; ६[२]; ७; ३७; २, २६; ३५; ३, १; ४; १४. १, ५४; २, ४५; १८. १, २७; २८; १९. १०, ५; १४, १; १५, ५; २०, ४; ४९, १; ५८, ३; २०. ३५, ८; १०७, १४; १३७, १०.
द्यावा॑पृ॒थि॒वी॒ इति॑ २. १२, ५; १६, २; ४. २६, २–६; ५. १४, १२.
द्यु॒ावा॒पृ॒थि॒वी॒ इति॑ २. २९, ४; ४. २२, ४; २६, १; ६. ४०, १; २०. ९१, १२.
द्यावा॑पृ॒थि॒वीः ८. ९, १६.
द्यावा॑पृ॒थि॒वीभ्याम् ५. ९, ७; ७. १०२, १; ११. ३, ३३; १९. १७, ५.
द्यावा॑पृ॒थि॒वी-व॑न्तम् १९. १८, ५.
द्यावा॑पृ॒थि॒व्योः ६. ५८, २; १६. ८, २६.
द्यावा॑भूमी॒ इति॑ १८. १, ३१.
द्यु॒मत्तम् २०. ९, २; ४९, ५; ९२, ११.
द्यु॒मत्ता॑य २०. ६५, २.
द्यु॒मत्ता॑सः २०. ६, ५.
द्यु॒ता १८. ४, ५८.
द्यु॒त्तम् ४. १२, २; १२. ३, २१.
द्यु-भिः॑ ६. ११, ३; २०. ११, ४; ४८, ६.

द्यु-मत् २. ३५, ४; ५. २०, ६; ६. १, १.
द्यु-मतः १८. १, ४७.
द्युमत्-तम २०. २१, ३.
द्युमत्-तमा ५. २७, १.
द्यु-मन्तः ४. १, ५; १८. १, ४७[२].
द्यु-मन्तम् ४. ३१, ४; १८. ४, ८८.
द्यु-मान् १८. १, २४; ४७.
द्युम्नम् ६. ३५, ६; २०. २०, ३; ५७, ६; ७१, १४; ७६, ४.
द्युम्ना २०. ८९, ६.
द्युम्नानि ७. ७३, १०; २०. ६, ७; ६७, २.
द्युम्नाय २०. १४२, ५.
द्युम्निनम् २०. २०, १; ५७, ४.
द्युम्नी २०. ३०, ३; ४७, २; १३७, १३.
द्युम्नेषु २०. १९, ७.
द्युम्नैः १३. २, ३४; २०. १०७, १३.
द्यु-राजयः १९. २०, ३.
द्युवम् ७. ५०, ९.
द्युवे ७. १०९, ५.
द्युते १२. ३, ४६.
द्यून् १८. १, २४.
द्योः २०. १६, ४; १२३, २.
द्योतताम् ४. १५, ८.
द्योतते १३. ४, ४१.
द्योतनिम् १८. १, ३५.

द्यौः २. १२, ६; १५, १; २८, ४; ३. ९, १; २३, ६; ४. २, ४; १६, ३; ३९, ६; ५. २८, २; ६. ३, १; ४, ३; ६, ३; ४४, १; ५३, १; ७७, १; ८८, १; १००, १; १२०, २; ७. ६, १; ८. १, १२; १७; ७, २; ९, ६; ९. १, २१; ५, २०; ७, २; १०, १२; १०. २, २४; २५; ७, ३; १२; ८, २; १०, ४; ३०; ११. २, १०; ३, ११; २०; ५, ४; १२. १, ५३; ३, २०; १३. ४, २३; १४. १, १; ६; १०; २, ७१; १५. ४, १८; १०, ६; १७, ३; १८. १, ५; २, ४८; १९. ६, ८; ९, १; १४; ५४, २; २०. १५, ५; ७१, १; ७६, ६; ९१, ५; ९४, ८; १०६, २.
द्यौः-इव ६. १४२, २.
द्यौ-संशितः १०. ५, २७.
द्रः ११. ७, ३.
द्रप्सः १८. ४, २८; २०. १३७, ७; ९.
द्रप्सम् १८. १, २१; ४, २८; २०. १३७, ८.
द्रप्स-वान् १८. ४, १८.
द्रव २०. ५, ५.
द्रव ३. ४, ५; ४. १२, ६; ७. ७३, ६; १०. १, २१; ९, ८; ९; १८. २, ११; २३; ३, ८.

द्रवतः १०. ७, ६.
द्रवतु ९. ८, ११.
द्रवन्तु २०. ७७, १.
द्रवन्तु ९. ८, १३–१८.
द्रविणः-दः २०. ६७, ७.
द्रविणः-वाः १९. ३, २; २०. २, ४.
द्रविणः-देषु २०. २१, १.
द्रविणम् २. २९, ३; ४. ३६, ४; ५. ३, ५; ७. ५, २; १७, ४; ६७, १; १०. १, १०; ५, ३७–४१; १२. ५, ८; १३. १, ३४; १४. २, ७४; १८. ३, १; १९. ७१, १; २०. ९१, ७.
द्रविणस्य १२. १, ४५.
द्रविणा ४. ३०, ६; ७. ७८, २; १८. ३, १४.
द्रविणानि ७. ८२, १; १९. ३१, ६; ११.
द्रविणे ६. ४७, १; १२. १, ६.
द्रविणेन ९. १, १५; १०. ६, २६.
द्रवित्नुम् १८. १, २५.
द्रष्टारः १९. ४७, ३.
द्रष्टुम् ११. ५, ३.
द्राघीयः ८. २, २; १२. २, ३०; २०. २१, ११.
द्रातु ६. ६६, १.
द्रान्तु ६. १२९, १; २; ३; १४. २, ११.
द्रापिम् १३. ३, १.

द्राहि ६. १४, ३.
द्रुघम् १. १०, २.
द्रु-घनः ७. २८, १.
द्रुतः ६. ५१, १.
द्रुपदात्-इव ६. ११५, २; ३.
द्रु-पदे ६. ६३, ३; ८४, ४; १९. ४७, ८; ५०, १.
द्रुवयः ५. २०, २.
द्रुवये ११. १, १२.
द्रुहः २. १०, १–८; ७. ७७, २; १०३, १; ८. ४, ७; १६. ६, १०; १९. १५, २.
द्रुहः ९. ५, ४.
द्रुहन् २०. ६६, ८.
द्रुह्वः ८. ४, ७; १७.
द्रुह्वणः ४. २६, १; २.
द्रुह्वणे २०. ३६, ८.
द्रोघ-वाचः ८. ४. १४.
द्रोण-कलशाः ९. ६ (१), १७.
द्रोण-साचम् २०. ९४, ४.
द्वया १९. ७, ५.
द्वयानि ४. २४, ७.
द्वयाविनः ९. २८, १.
द्वयोः २०. २५, ३.
द्वा ९. ६, २०; १८. २, ३३; २०. ७२, २; ७५, १.
द्वाः ९. ३, २२.
द्वादश ४. ११, ११; १०. ८, ४; ११. ६, २२.
द्वादश-अरः ४. ३५, ४.
द्वादश-अरम् ९. ९, ११.
द्वादश-अहः ११. ७. १२.
द्वादश-अहेन ९. ६ (४), ८.
द्वादश-आकृतिम् ९. ९, १२.
द्वादश-ऋचेभ्यः १९. २३, ९.
द्वादश-धा ६. ११३, ३.
द्वाभ्याम् ७. ४, १; २०. ९१, ४.
द्वारः ५. २७, ७.
द्वारः ५. १२, ५.
द्वारम् १४. १, ६३.
द्वि-आस्या ५. १९, ७.
द्वि-आस्यात् ८. ६, २२.
द्विः ५. २, ३; २०. २१, ९; १०७, ६.
द्विक्षत् ३. ३०, ३.
द्विक्षत १२. १, १८; २३; २४; २५; २, ३३.
द्विजानाम् १९. ७१, १.
द्वि-जिह्वा ५. १९, ७.
द्विता २०. ९२, १७; १०५, ५.
द्वितीयः १३. ४, १६; १५. १५, ४; १६, २; १७, २.
द्वितीयम् १०. ८, १७.
द्वितीया ११. ५, ४.
द्वितीयाम् ११. १, २४; १५. १३, ३.
द्वितीये ६. ४७, २; ९. १, १२.
द्वितीयेभ्यः १९. २२, ९.
द्वि-पक्षा ९. ३, २१.
द्वि-पदः १३. २, २७; ३, २५.
द्वि-पदः ३. २१, २; ४. २, १; २८, १–६; ६. २८, ३; १०. २, ६; ११. २, १; १२. १, १५; १३. १, २; ३, २४.
द्वि-पदा ९. १०, २; १९. १५, २.
द्वि-पदाम् २. ३४, १; ८. २, ४; २३; १३. ३, २५; १९. ३१, ५.
द्वि-पदी ९. १०, २१; १०. १, २४; १३. १, ४२.
द्वि-पदे ६. २७. १; ११. २, २८; १४. २, ४०.
द्वि-पात् १३. २, २७[२]; ३, २५.
द्वि-पात् ६. १०७, १–४; ८. ८, १४; १९. ३१, ४; ३४, १.
द्वि-पादः १२. १, ५१.
द्विबर्ह-ज्मा २०. ९०, १.
द्वि-बर्हसः २०. ९१, ५; ९२, ९.
द्वि-भाग-धनम् १२. २, ३५.
द्वि-मूर्धा ८. १० (४), ३.
द्वि-राजे ५. २०, ९.
द्वि-रात्रः ११. ७, १०.
द्विर्दश २०. १२७, २.
द्वि-वृषः ५. १६, २.
द्विषः २. ६, ५; ४. ३३, ७; ६. ३४, १; २; ३; ४; ५; १९. १५, १; २०. ४३, १; ४६, २; ६७, १[२]; ९२, ११.
द्विषः ५. ६, ४.

ध

धनस्य १९. ३१, ९; २०. ११८, ३.
धना ५. २, ४; १९. ४९, ७; २०. ५६, ३; १०७, ७.
धना-इव १९. ३५, ३.
धनात् १८. ०, ३७.
धनानाम् ४. २२, ३; १०. ८, ४२; २०. ११, ११; ३८, ९.
धनानि ७. ५०, ७; २०. १०, १०; २७, ६; ८९, १०; ९४, १०.
धनुः ४. ६, ६; ३०, ५; ७. ५०, ९; ११. २, १२; १५. १, ६; १८. २, ६०.
धनुः-इव ४. ४, ६; ६. १०१, २.
धनुः-भिः ५. १८, ८.
धनूः १. १७, ४.
धनैः २०. ६, ३; ४९, ६.
धनेन ३. १५. ५२; ६२; ७. ३३, १; ८१, ३; ४; ५; १४. १, ४८; २, ७०; १८. ३, १७; १९. ३१, ७; ६४, ७.
धनैः ५. ४, २.
धन्व ६. ३४, ३; २०. १२६, २०.
धन्व ५. ६, ४.
धन्व-इव ७. ११७, १.
धन्वन् ५. १३, १.
धन्वनः १. ३, ९; ४. ६, ४; ५. १३, ६; ६. ४२, १.
धन्वनाम् ११. ९, १.
धन्वनि ४. ४, ७; ६. १००, २; १०१, ३.
धन्वन्याः १. ६, ४; १९. २, २.
धन्व-सु २०. ९५, २; ३; ४.
धन्वानि ७. ४१, १.
धमतु ३. २, २९.
धमन्तः ६. ९०, २.
धमनिः १. १०, २.
धमनि-भ्यः २. ३३, ६; २०. ९६, २२.
धमनीः ७. ३५, २.
धमनीनाम् १. १७, ३.
धमन्तः १८. ३, २२.
धमन्तम् २०. १३७, ७.
धमन्तु ८. १, १९.
धमन्तः २०. १२९, १०.
धमाति १८. २, २८.
धमामि ८. ७, ४.
धयेत् ९. ५, २३.
धरिष्ये ५. ११, ३.
धरुणः १६. २, ३; १८. ३, २९; ३६.
धरुणम् ४. ३२, ७; ७. ३, १.
धरुणाय ६. ९२, ३.
धरुणी ३. १२, ३.
धरुणे १२. ३, २४; ३५; २०. ९४, ४.
धरुणेषु ५. २, ६.
धर्ता ५. १, ९; १२. ३, ३५; १६. ३, ३; १८. ३, २९; ३६; १९. १०, ३.
धर्तारः १८. १, २.
धर्तारा ७. ७३, ४.
धर्म ६. ५१, ३.
धर्मः ११. ७, १७; १२. ५, ७.
धर्म-कृते २०. ६२, ५.
धर्मणा ६. १३२, १–५; ७. २५, २; १२. १, १७; १४. १, ५१; २०. ९४, १; ५.
धर्माणि ७. १४, ४.
धर्म-धृतः १. २५, १.
धर्मन् २०. ४९. ३.
धर्म-भिः १८. ७, ७.
धर्मम् १८. ३, १.
धर्माणि ५. १, २; ७. ५, १; २५, ५; ९. १०, २५.
धुवः २०. १३१, १४.
धुवान् ५. ५, ५.
धाः ५. २५, ७; ६. १२६, २; ७. ११५, २; २०. ३५, १६; १३७, १०.
धाक् ८. १, ११.
धाणिकाम् २०. १३६, १०.
धान् २. १०, ३; २६, १; ६. ६१, १; १३. १, २०; १६. ६, २; १८. ३, ६३; ४, ५४; २०. १६, १२.
धातः ५. २५, १०.
धातः ७. १८, १; १२. २, २५.
धातवे ६. ८१, २; ७. १०, १.
धाता ३. ८, २; ४. १२, २; ५. ३, ९; २५, ४; ५; ६. ६०, ३३; ७. १७, १–४; १९, १; ८. १, १५; ५, १८; ९. ७, १०; २१; १०. ६, ३१; ११. ८, ५; ८; ९; ६, २५; १३. ४, ३; १४. १, ३३; ३४; ५९; २. १३; १८. ३,

२६; ४, ४८; १९. ६, १२; १०, ३; २०, १; ३१, ३.
धातारम् ११. ६, ३.
धातु १८. १, १६; २०. १२, ६.
धातुः २. ३६, २; ११. ८, ६.
धातृ-भिः २०. ६०, २.
धात्रे ३. १०, १०; १९. ३७, ४.
धानाः १८. ३, ६६; ४, २६; ३२; ३४[२]; ४३.
धान्यम् २. २६, ५; ३. २४, २; ४; ६. ११७, २; ८. २, १६; १९. ३१, ५; १०.
धान्यस्य २. २६, ३.
धान्याय ६. ५०, १.
धान्ये ५. २९, ७.
धापयाथः १२. ३, ५१.
धापयामः १९. ४६, ४.
धाम् ७. ६७, ८.
धाम १. १३, ३; २. १, २; ४. १, ६; ६. ३१, ३; ७. ८, १; २६, २; ८. ९, १०; २५; २६; १५. २, ४; १२; १८; २४; ६, ३; ६; ९; १२; १५; १८; २१; २३; २६; ८, ३; ९, ३; १८. १, ७; २०. १५, ३; ४८, ६; ४६, ३; ६१, २.
धामन् ४. २५, ७.
धामनि-धामनि १२. १, ५२.
धाम-भिः १९. ४७, १; २०. १६, ४.
धाम-शः ९. ९, १६.
धाम-छत् ६. ३१, ३; ७. ६८, १.
धामानि २. १, ३; १४, ६; ७. ८३, १.
धाम्नः-धाम्नः ७. ८३, २.
धाम्ना ५. २७, ८; १०. ५, ७–१४.
धायि ५. ३०, १५; १८. १, ३; २०. ३०, ४; ६०, २; ६२, १७; १०५, ५.
धारय ६. ७६, २; ८१, २; ८७, २; ७. ८२, ३; १९. ३१, १२.
धारयतम् ६. ५४, २.
धारयतात् ३. ५, २.
धारयताम् ६. ८८, २.
धारयति १०. ७, ११.
धारयतु ८. ६, २०.
धारयन् ७. २५, ५.
धारयन्तम् ७. ७८, २; ८. ४, १३.
धारयन्ति १२. १, १; १८. ३, ५२.
धारयन्तु १. ९, १[२];
धारयन्ते १८. १, ३५.
धारयन्तो १८. १, ३२.
धारया ७. ५०, ९; १०. ६, २५.
धारयातै १८. ३, २९.
धारयामः १. ३५, ३.
धारयामि ८. २, ३; १४. १, ४७.
धाराः ४. ११, ४; ३४, ५; ६; ७; ७. ८२, १; १०७, १; ९. ५, १५; १२. १, ४५; ३, ४१.
धाराभिः २०. ६, ६.
धाराम् ३. १२, ८.
धारुः-इव ४. १८, २.
धाव १२. ५, ५५; २०. ७६, ३.
धावत ४. ३७, ११; ५. ८, ४; २१, १०; ६. २, १; ८. ८, १६; ११. १०, १; १९. २७, ६.
धावतात् १९. २५, १.
धावति २०. १३६, १०; ११; १४.
धावतु ६. ९२, ३.
धावतु ३. १८, ६[२]; ५. २०, ५; १९. ४७, ७; २०. ४, २.
धावते १८. ४, ८९.
धावथ ६. ६६, २.
धावन्तम् २०. १२८, १५.
धावन्तम् २०. १३६, ११.
धावन्ति ५. २१, ५.
धावन्ति १०. ६, १४.
धावन्ति १२. ५, १८.
धावन्ती १२. ५, १८.
धावन्तु ५. २१, २.
धावन्तु ११. ९, १४.
धावमानम् १३. २, ३७.
धावसि ६. १३१, ३; २०. १२६, २.
धावात् १०. ३, ६.
धास्यवे ४. १, २.
धास्युः २. १, ४; ५. १, २.
धित-वानम् २०. ६, ३.
धियः ८. २, २५; १९. ४२, ४; २०. ११, ५; ३५, २; ६५, ४.
धियम् ३. १५, ३; १६, ३; २०. ३५, १६; ८९, ७; ९१, १.

धृष्णुः ५. २९, १०; १८. २, ५८.

धृष्णुना १९. १३, २.

धृष्णुम् १. १३, ४; २. १४, १.

धृष्णु-या २०. २१, ७; ५१, २; ८३, २; ९८, २.

धृष्णु-सेनः ५. २०, २.

धृष्णु इति २०. २६, ५; ४७, ११; ६६, १०,

धृष्णो इति २०. ३७, ३; ५२, ३; ५७, १६; ७७, ७; १२२, २.

धेनवः २. ५, ६; ३. १२, ३; ४. ३९, ८; ७. ७३, २; ९. ५, २५; १८. ४, ३३; ३४; २०. ९, १; ३०, २; ४८, १; ४९, ४; ९२, १९; १०९, २; १२१, १.

धेनाः २०. ११, ३; १७, ६.

धेनाभिः २०. २५, ७; ३३, २.

धेनुः ३. १०, १; ४. ३४, ८; ३९, २; ४; ६; ५. १७, १८; ९. १, २२; २, ५; ५, १०; १२. १, ४५; ३, ४९; १३. १, २७; १८. ४, ३२; २०. २७, ३.

धेनुका ३. २३, ४.

धेनु-स्यः ६. ५९, १.

धेनुम् ३. १०, २; ७. ७३, ७; १०४, १; ९. ४, २१; ५, २९; १०, ४; ११. १, ३४; १८, २, ३०; ४, ३०.

धेनुम्-इव १३. २, ४६.

धेनू इति ४. २२, ४.

धेनूनाम् ४. २७, ३.

धेनाः ७. १, १.

धेहि १. ९, ३; २. २९, २; ३६, ८; ४. ४, ४; ८; १२, ५; १४, ७[२]; ८[४]; १६, ७; २२, ३; ३२, ४; ५. १४, ४; २५, ३[२]; ८; १०; ११; १२; १३; ६. १, १; २६, १; ७९, ३; ८१, २; ८२, ३; १३३, ४[२]; १३९, ५; ७. २०, ४; ५५, १; ७६, ६; ७९, १; ८९, ४; ९९, १; ८. ३, ३[२]; २१; ९, ७; ९. ५, ५; ११. १, २१; २३; ४, ९; ५, २५; १०, ४; १२. १, १२; १६; ६३[२]; २, ४५; ४६; १३. १, १२; १४. २, ६; १६. ९, ४; १७. १, ६–१९; २४; १८. १, ४२; ४३; २, १२[२]; ३, १; ७१; ४, ११; ४६; ४७; १९. ३, ३; ४, ३; ३१, १२; १३; ३७, २; ५२, १; २; ६४, ४; २०. ५५, ३; ७१, १३; १४; ८९, ७.

ध्राजिः ९. १०, २६.

ध्राजिम् ६. १८, १.

ध्राज्यौ ३. १, ५; २, ३.

ध्रियताम् ६. १७, १–४; १४१, १; ९. १, ११; १२; १३; १६; १७.

ध्रियस्व १२. ३, ३५.

ध्रुवः ६. ८७, १; २; ८८, १; ३; १९. ४५, ४.

ध्रुवम् ६. ८७, ३; ८८, १; २[४]; ७. ९४, १; ९७, १[२]; ९. १०, ८; १४. १, ४७.

ध्रुवयः १९. १०, ८.

ध्रुवा ३. १२, २; २७, ५; ६. ८८, १[२]; १२. ३, ११; १८. ४; ५.

ध्रुवा-इव १२. १, ४५.

ध्रुवाः २. २६, ४; ८. ७, ८; १२. १, २७; १७. १, ३०.

ध्रुवाम् ३. १२, १; १२. १, ११; १७; १५. ६, १; १४, ९.

ध्रुवाय ६. ८८, ३.

ध्रुवायाः ४. ४०, ५; ६; ५. १०, ५; ९, ३, २९; १५. ४, १३; १५; ५, १०; ११; १९. १७, ९; १८, ९.

ध्रुवायाम् ३. २६, ५; ४. १४, ८; १८. ३, ३४.

ध्रुवायै १२. ३, ५९.

ध्रुवासः ६. ८८, १.

ध्रुवे १८. ४, ६.

ध्रुवेण ६. ८७, ३; ७. ९४, १.

ध्वजेषु १९. १३, ११.

ध्वनयः ५, २०, ७.

ध्वसनौ ९. १०, ७.

ध्वाङ्क्षः १२. ४, ८.

ध्वाङ्क्षाः ११. ९, ९.

न

न १. ११, ४; २०, ४[२]; २७, ३[२]; ३२, १; २; ३४, ५; ३५, २[२]; २. ५, २[३]; ३[२]; १५, १[२]–६[२]; २७, १; ३०, १; ३५, १; ३; ३. २, ६; ६, ७; ८, ४; २९, २; ३; ६[२]; ३०, ४; ४. १, ७; ३, ७[२]; ५, २[२]; ६, ३[२];

१०; १३७, ८; १४; १४०,
१; ३; १४२, ४.
नु २०. १३५, ७[२].
नु-ईव १. ११, ४[२]; १०. ८,
२५.
नुः १. २, २; ४, २; ३; ५,
१; २; ३; ६, १[२]; ४[२];
७, ३; ५; ६; १०, ४;
१२, १; १३, २; ४; १[२],
४[२]; १८, १; १९, १; ३;
४; २०, १[३]; २१, १; २;
२५, १; २; ३; २६, ३;
४; २९, २[२]; ३१, २; ३;
४[२]; ३३, १; २; ३; ४;
३४, १; २. १, ३; ३, ६;
४, २; ३; ६; ५, ४; ६,
३; ७, २; ३; ४[२]; ५; १२,
४; ६; १३, २; २५, १;
२७, ७[२]; २९, ३; ४; ३५,
१; २; ३६, १[२]; ३. १,
१; २, १; ४, २; ४; १०,
१; २; ३; ७; ८; ११; १२,
४; १५, १[२]; ४[२]; ७; १६,
३[२]; ५; ७[२]; १७, २; ४;
८[२]; ९; १९, ३; २०, १;
२[४]; ३; ५[२]; ६[२]; ८; २६,
१[२]–६[२]; २८, ३; ५; ६;
४. ७, ७; ९, ६; १०;
१०, १; ३; ४; ६; ११,
५; १५, १०; १२; १७,
२; २३, १; २[२]; ३; ४; ५;
६; ७; २४, १–७; २५,
१–७[२]; २६, १–७; २७,
१–७; २८, १–७[२]; २९,
१–७; ३१, २; ६; ३२,
२; ३; ५; ६[२]; ७; ३३,
१[२]–८[२]; ३६, १[२]; २;
३८, ३[३]; ५; ५. ३, २;
५; ६[३]; ७[२]; ८[३]; १०[२];
११; ५, ५; ९; ६, २; ५;
६; ७; ७, १[२]; ३; ६[३];
११, ११; १२, २; ८; १८,
१४; १९, ९; २१, ८;
१२; २२, ९; १०; २७,
८; ९[२]; १०; २९, २; ६.
१, ३; ३, १[२]; २[३]; ३[२];
४, १; ३[२]; ६, २; ३; ७,
१; २[२]; ३; २३, ३; २४,
३; २६, १; २; २७, १; २[४];
३[२]; २८, १; २९, २; ३२,
१; ३; ३३, ३; ३४, १; २;
३; ४; ५; ३५, १[२]; २;
३७, २[२]; ३[२]; ३८, १–
४; ३९, २[२]; ४०, १[४];
२[२]; ३[३]; ४१, ३[४]; ४५,
३; ४६, २; ४७, १; ३;
५१, २; ३; ५३, १; २[४];
३[२]; ५५, २[२]; ५६, १;
५७, २; ३[५]; ५९, ३; ६२,
१[२]; ६३, ४; ६५, १; ७७,
३; ७९, १[२]; २; ३[२]; ९१,
३; ९६, १; ३; ९९, २;
३; १०४, २; ३; १०६,
२; ३; १०७, १[२]–४[२];
१०८, १[३]; ११४, १; २;
११५, १; ११६, १; २;
३; ११८, १; २[२]; ११९,
१; १२०, १; २[३]; १२१,
२; १२३, ५; १२५, ३;
१२६, २; ३; १२८, २[४];
४; १३१, ३; १३३, १[३];
४[२]; ७. २, १; ५, ५; ६,
४; ९, ४; ११, २; १७,
१[२]; ४; १८, १; २०, १;
२[२]; ४[२]; ६; २२, १; २४,
१; २६, ३; २८, १; ३१,
१[२]; ३९, १; ४१, २;
४२, १; २; ४६, १; ४७,
१; २[२]; ४८, १; २; ४९,
१[३]; ५०, ३; ५१, १[२];
५२, १; ५३, ६; ५५, १;
५९, १[२]; ६०, २; ३; ५;
६३, १; ६८, १; ३;
६९, १[४]; ७०, ३; ७३,
७; ९; ७७, २; ७९, १[२];
३; ४; ८०, २; ३; ८२,
१; ८३, २[२]; ८४, १;
८६, १; ९१, १; ९४, १;
९७, २; ८; १०३, १;
१०४, १[२]; १०८, १[३];
२; १०९, १; ५[२]; ७;
११०, ३; ११२, १; ११५,
२; ८. २, १७; ३, १;
१९; २०; ४, १०; २२[२];
५, १७[३]; ७, १७; ९, ७;
१७; ९. ३, ६; २४; ४,
२; २२[२]; २३; २४[२]; ५,
२; १७; १९; १०, ४;
१२[२]; १०. १, ६; २०;
२२; २९; ३, ८; ५, २३;
४५; ६, ४; ५; ११. १,
१७; २, १; ८[२]; ११;
१९[२]; २०; २१[२]; २६[२];
२९[३]; ३१[२]; ४, ५; ६[२];
९; ६, १–६; ८–२३; ९,
२; २३; १०, २६; १२.
१, १[२]–१०; १२[३]; १३;
१४[२]; १६; १८[२]; २२; २३;
२४; २५; ३०[२]; ३२[२];
३४; ३६; ४०; ४१; ४३;
४४; ४६[२]; ४७; ५२; ६२;
२, ३[२]; ७; १३; १५[२];
१८; २२; २३; ४९; ३,

१०; ११; १२³; १४; १६; १७²; २६; ३१; ४५; ४६; ४८; ५५³—६०³; ४, ४९; १३. १, १७²; १८; १९²; २९; ५९; २, ३७; १४. १, ६४; ६०; २, १; ३८; ४०; ४५; ५१; ६७; १६. ५, ३; ४; ५; ६; ७; १०; ६, ४; १७. १, ६—१९; २४; १८. १, १९²; २५²; २६; ३०; ३१; ३३; ३६; ३९²; ४४; ४७; ५०²; ५१; ५२²; ५८; २, ३; २९; ४९; ३, १४; १५; १६²; २१; २२; ३९; ४४; ४५; ४६; ५९²; ६१; ६२²; ६३; ६७²; ४, ४०; ४८; ५०; ५३; ५४; ६२; ६३; १९. ३, १; २; ४; ४, २; ३³; ८, ७²; ९, १—११; १४; १०, १³—११; १³; २³; ३³; ४; ५²; १४, १; १५, १²—६; १६, १; २४, ४; २७, १४; ३१, २; ३; १३; १४²; ३२, ६; ९; १०; ३३, १²; ३४, ४; ५; ३५, २; ४०, २; ३³; ४; ४४, ४; ८; ९; ४५, २; ४७, ५; ६²; ९; ४८, ३²—६; ४९, ५; ६; ५०, २; ७²; ५२, ५; ५५, २; ३; ४; ५६, ६; ५७, ४; ५८, १; २०. ३, २; ४, १; ६, ३; ६; ८²; ७, ३; ८, २; १२, ४; ९²; १३, ३; १४, २; ३; ४; १५, ४; १६, १२; १७, ११²; १२; १८, ४; ५; २०, १; ४; ९³; २३, १; २; ४; २४, १; ७; २६, २; ३६, २; ४; ७; १०; ११; ३७, ७; ११²; ३८, २; ४५, १; ३; ४६, २; ३²; ४७, ८; ५५, १; ५६, १; ४; ५; ६; ५७, २; ३; ४; ७; ९³; ६२, २; ३; ४; ६३, १; ५; ६४, १; ६८, २; ३; ५; ६; ६९, १²; ६; ८; ७०, १०; १२; ७२, ३; ७४, १—७; ७६, ४; ७७, १; २; ८; ७८, ३; ७९, १²; २; ८०, १; २; ८२, २; ८३, २; ८४, ३; ८७, ७; ८८, २; ८९, ३; ११²; ९०, १; ९१, १; १२; ९४, ११²; ९५, ४²; ९७, २; ९८, २; १०१, ३; १०४, ३; १०८, १; २; ३; ११०, १; ३; ११३, १; १२२, १; १२४, १; ३; ४; १२५, ६; १२६, ८; १२७, १४; १२८, ५; १३०, १४; १३५, ७², १३७, ३²; १४१, १²; १४३, ५; ६; ८².

नकिः २. ३१, ३; १८. १, ५; २०. ५३, २; ५७, १२; ६४, ५; ९२, १८; ११४, २; ११८, २.

नकुलः ६. १३९, ५; ८. ७, २३.

नक्त-भिः ८. ४, १८.

नक्तम् ५. ७, ३; २६, ९; ३०, १०; ६. २२, १; १२८, ४; ८. ३, १; ४, ११; १७; ५, २२; १६. ७, १०; १९. १५, ६.

नक्तम्-जाता १. २३, १.

नक्षति ५. २७, ३.

नक्षतु ७. ७३, ५.

नक्षते २०. ३६, ५.

नक्षत्-दाभम् २०. ३६, २.

नक्षत्र-जाः ६. ११०, ३.

नक्षत्रम् १०. २, २२; २३; १९. ९, ९.

नक्षत्र-राज ६. १२८, ४.

नक्षत्रा १३. २, १७; ४, २८; २०. ४७, १४.

नक्षत्राणाम् ३. ७, ७; ५. २४, १०; ६. ८६, २; ७. १३, १; १४. १, २; १५. ६, ६.

नक्षत्राणि ६. १२८, १; ९. ७, १५; ११. ६, १०; १५. ६, ५; १७, ४; १९. ८, १.

नक्षत्रिये २. २, ४.

नक्षत्रेभिः २०. १६, ११.

नक्षत्रेभ्यः ६. १०, ३; १२८, ३.

नक्षत्रैः १९. १९, ४; २७, २.

नक्षन् २०. १२, ४.

नक्षमाणः २०. १६, २.

नक्षमाणाः १८. २, २९.

नक्षमाणौ १२. ३, ८.

नक्षस्व १०. १, १४.

नखान् ४. ३, ३.

४, ४८; ५०–५३; ५५; १४. २, २०; ३४; ३५[२]; ४६; ४८; १५. १८, ५; १६. २, ६; १७. १, २२[१]; २३[१]; १८. १, ४६; २, २; ४, ७१; ७२; ७३; ७४; ८१[२]–८५; १९. ८, २; ७; ११, ६; ५५, ५; २०. १६, १२; १२८, १४; १४३, ३.
नमः ७. ५६, ४.
नमः-कारेण ५. २६, ६.
नमः-कृतास्यः ११. २, ३१.
नमः-कृत्यं ७. १०२, १.
नमः-भिः ३. ८, ३; ७. ५०, ३; १८. ३, ६६; ६६.
नमः-वाके १३. ४, २६.
नमः-वृक्तिम् २०. १२५, २.
नमन्त ३. १६, २; २०. १०७, १.
नमन्ताम् ५. ३, १; ६. २, ११; २०. ८६, ६.
नमन्ति २०. ५४, ३.
नमन्तु ४. ३, १; ३६, १; २; ५; ७; ५. ८, २.
नमयामसि ३. ८, ५; ६. ६४, १.
नमसा ३. ३, १; १५, ७; ४. १, ७; ३६, ६; ५. २७, ४; ७. ७, १; १०. ४, २३; १४. २, ३३; १८. २, ४६; २०. १५, ३; ८८, ६; १०६, ३.
नमसानाः ६. ३६, २.
नमसे १४. २, ३५.
नमस्य २०. १२८. ११.
नमस्यः २. २, १; २; ३. ४, १; ६. ६८, १; २०. १०२, १.
नमस्यन्तः १. १२, २.
नमस्य इहति ४. २६, ३.
नमस्येभ्यः ६. ६३, २.
नमस्वन्तः ६. ६, ८.
नमस्विनः २०. ६२, १४.
नमांसि १. २५, १.
नमामसि ३. ८, ५; ६. ६४, १.
नमुचिम् २०. २१, ७; ३७, ५.
नमुचेः २०. २६, ३.
नमुचौ २०. १२५, ४.
नमुरात् १३. ४, ४६.
नमे ते इति २०. ३४, १४.
नम्यां २०. २१, ७.
नम्रम् २०. १२८, १३.
नय २. ६, १; २८, ५; ३. ३, १; ५. १४, ४; ६. ५, १; २; ८. ३, ६; ९. ५, १; १०. १, २६.
नयत ८. ८, ११.
नयत ७. ८२, १.
नयति ४. २४, ७; ५. १७, ४.
नयति ६. ६ (१), ४.
नयतु २. २६, २[२]; ३६, ८[२]; ३. ३, ४; ६. ५६, ३; १२. २, २४; १४. १, २०; १९. ४३, १–८.
नयते ५. १६, १५.
नयथ ४. १३, १.
नयन्ति ५. ३०, १२; ८. १, ८.
नयन्ति १३. १, २३; १४. १, ४६; २०. २५, २.
नयन्ती ६. ६२, ३.
नयन्तु १४. २, १०.
नयन्तु ६. ४७, ३; ६३, ३; १२. ३, २६; १९. ४६, ४.
नयस्व १. ८, ३.
नयाति ३. ११, ३; २०. ६६, ८.
नयाति ६. ११६, १; १२०, १; १२१, २.
नयाथः २. ३०, २.
नयाम् १९. २४, २; ३.
नयामः ६. २८, १; १०. १, १५.
नयामसि १. १८, १; ५. ७, ७; १४, ६; ७; २५, ८; ६. ४३, ३; ४६, ३; ७. ६४, १; १९. ५७, १.
नयामि १०. ४, २१.
नयासि १. १०, १; ३. १६, २; ८. ८, १०; ९. ५, २; १९. १६, १–११.
नयासि १२. ३, १७.
नयासै ४. ३१, ३.
नरः ३. १७, ६; ४. ३१, १; ६. १२६, ३; ९. १, ३; १४. १, ४६; १९. ५६, ५; २०. २५, ४; ३७, ८; ६; ४२, २; ५७, १५; ७१, २; ७६, ५; ६८, १; १०३, १; १०७, १५; १४३, ६.
नरः ३. १६, ७; ६. २२, २; १४. २, ६; १४; १९.

१३, ३; २०. ६७, ४; १३७, २.
नरकम् १२. ४, ३६.
नरम् २०. २६, ३; ४४, १; ५४, १; ६५, १.
नराच्याम् ५. ३१, ४.
नराम् २०. ३७, १०.
नराशंसः ५. २७, ३.
नराशंसः २०. १२७, १.
नरिष्टा ७. १२, २; ११. ८, २४.
नर्य-अपसम् २०. ७, १.
नर्यः २०. ७६, १; ७.
नर्या २०. ११, ५.
नर्याणि १९. ४९, ३; २०. ७७, ६.
नलदस्य ६. १०२, ३.
नलदी ४. ३७, ३.
नव ५. १५, ९; १९, ११; २८, १; ६. २५, ३; ११. ७, १४; १३. ४, १०; १९. ४७, ३; ५७, ५; २०. ७, २; २१, ९; ३७, ५; ४१, १.
नव-ऋचेभ्यः १९. २३, ६.
नवः ७. ८१, १; १४. १, २३.
नवः-नवः ७. ८१, २; १४. १, २४.
नव-गत् ३. १०, ४; ८. ९, ११.
नव-नवाः १८. १, ५८; ३, २०; २०. ३६, २.
नव-नवैः १४. १, ५६.
नवत् २०. १३६, १२.
नवतयः ५. १९, ११.
नवतिः ५. १५, ९; ६. २५, ३; १९. ४७, ३.
नवतिम् ८. ५, ९; १०. १, १६; २०. ७, २; २१, ९; ३७, ५.
नवतिम् २०. १२७, १.
नवतीः २०. ४१, १.
नव-द्वारम् १०. ८, ४३.
नव-द्वारा १०. २, ३१.
नव-धा १३. ४, १०.
नवन्त ५. २, २; ९. ९, ३; २०. १०७, ५.
नव-पदी ९. १०, २१; १३. १, ४२.
नव-भिः ५. २८, १.
नवम् १२. ३, ३२; १४. २, ४४; २०. ६६, २; ९२, १२; १२६, १८.
नवमः १३. ४, १८.
नव-वृषः ५. १६, ९.
नव-स्रक्तिम् २०. ४२, १.
नवाः १२. २, ४१; १९. ३४, ७.
नवानि ९. ५, २५.
नवामहे २०. ९, १; ४९, ४.
नवायाम् २०. ९६, ५.
नविष्ठौ २०. १८, २.
नवीयः ७. ७२, ३; १८. २, ३१; ३, १७; १९. ११, ४.
नवीयसः २०. ७२, ३[२].
नव्यः ६. ११०, १; २०. ३५, १३; ५०, १.
नव्यः २. ५, २.
नव्यम् २०. ४४, १; ६७, २.
नव्यम्-नव्यम् २०. ३२, १.
नव्यस्या २०. ३६, ७.
नशत् ९. ९, २१; २०. २०, ६; ५७, ९; ९२, १८.
नशन्त २०. ९५, ४.
नशन्ति ४. २१, ३.
नशिष्यति ६. ८३, ३.
नश्य ७. ११५, १.
नश्य ६. ११३, २.
नश्यत २. १४, ५; ६.
नश्यन्ति ८. ३६, ७; ८.
नश्यन्तु ६. २५, १; २; ३.
नष्ट-असवः १०. ४, १२.
नष्टम् ७. ९, ४.
नष्ट-विषाः १०. ४, १२.
नष्टे २०. १२७, ४.
नष्टेन ७. ९, ४.
नसा २. २७, २; ५. १४, १.
नसोः १९. ६०, १.
नस्वती १०. १, २.
नहना २०. ९१, ३.
नहनानाम् ९. ३, ४.
नहि ३. १८, ३; ६. ४९, १; ७. १०१, १; ९. ९, १३; १७; १३. १, ४१; २०. १२, २; १५, ४; ५०, १; ८२, २; ९३, २; १२५, ३; १२६, ११.
नह्य ६. ६७, ३; १०. ९, १.
नह्यत ५. ८, ४; ७. ५०, ९.
नह्यतम् ६. ५०, १.
नह्यध्वम् ११. ९, २; २६; १०, १.
नह्यस्व १४. १; ४२.
नह्यामि १. १४, ४; ७. ७०, ४; ५[२]; ९५, ३; १४. २, ७०[३].
ना २०. १२७, ६.
नाकः १०. १०, ११; १३. १, ७.

नारदः १२. ४, ४१; ४२.
नाराशंसी १४. १, ७.
नाराशंसीः १५. ६, ११.
नाराशंसीनाम् १५. ६, १२.
नारि ३. १२, ८; २३, ५; ११. १, १३; १४; २३; १४. २, २०; ३२, १८. १, २.
नारिषु २०. १२६, ११.
नारी १. ११, १; २, ३६, ३; ४; ५. २०, ५; १४. २, १३; १४; ६३; १८. ३, १; २०. १२६, १०; १३६, ४.
नारीः ४. ५, ३; १२. २, ३१; १८. ३, ५७.
नारीम् १४. १, ५३; ५४; ५५; ५६.
नार्याः ५. २५, १०—१३.
नार्यै १४. २, २१.
नार्पत्येन ४. १६, २.
नावः ५. ४, ५.
नावम् २. ३६, ५; ६. १६, ८; ७. ६, ३; ९. २, ६; १२. २, ४८; १७. १, २५; २६; २०. ७२, १; ९४, ६.
नावा ४. ३३, ८; २०. ४६, २.
नावा-इव ४. ३३, ७.
नाव्याः ८. ५, ९; ७, १५; १०. १, १६.
नाशय ५. ४, ९.
नाशय १. २३, २; ३; २. २५, ३; ३. १, ५; २, ३; ४. ३७, २; ५. २२, १३; ६. १४, १; ८. ६, ९; १०; १३; १५; १९. १५, २; ३५, ३; ३९, १—८.
नाशयन् १९. ४४, ७.
नाशयत ११. १०, १६.
नाशयन् ५. ४, १.
नाशयन्तु ६. ११३, १; ३.
नाशयामः २. १४, १.
नाशयामसि ३. २३, १.
नाशयामसि १. १८, ४; ३. ७, ३; ४. १७, ५; ३७, ११; ७. २३, १; ८. ६, ११; १२; १४; २३; २०. ९६, १३—१६.
नाशयामि ३. ७, ६.
नाश्राः ८. २, २७.
नासत्या २०. १४०, १; ४; १४१, ५; १४३, ४; ७.
नासिकाभ्याम् २. ३३, १; २०. ९६, १७.
नासिकाम् १९. ८, ५.
नासिके इति १०. २, ६; ९, १४; १५. १८, ४.
नासे इति ५. २३, ३.
नाहुषाणि २०. ३६, १०.
नि १. १, २; ३; १४, २; २२, ४; २. १२, २; १४, ३; २६, १; २; ३१, ३; ३. ११, ७; १२, १; ४[२]; १५, ५; १७, ४; २०, ८; २३, १; ४. ५, १; ७; १६, ५; २१, २; २५, ३; ६; २८, ६; ३१, ७; ३४, ८; ३८, ७; ५. २, १; ६; ३, ४; ६, ३; ९, ७; १२, ६; १३, १[२]; ५; १८, ७; २०, ८; २१, १; २३, ८; २९, ४[२]; ६. ८, २; २६, ३; २९, १; ४९, ३; ५२, २[४]; ३; ७०, १; २; ३; ७६, ३; ७७, ३; १०९, ३; १११, २; ११७, २; १२१, १[२]; १३९, २, ४; ७. ६, ४; २४, १; २६, ४; ३८, २; ४१, २; ४७, १; ५२, १; ८२, ३; ९०, ३; ११५, ३; ८. १, २१; ३, ७; ११; २१; ४, १[३]; ५; १०; ५, २१; ६, २४; ८, ६; ९, १७; १०(१), २; ४; ६; ८; १०; १२; ९. ४, ६; १०, ७; १६[२]; २३; १०. १, १७; २७; २, २; १७; ३, १५; १७—२५; ५, ३६; ८, ३; ७; ११. १, ३; ६; ९; ११; २८; ३३; ४, २२; २५; ८, ३३; १०, १३; १२. १, २९; ३०; ३१; ६३; २, ९; ३, ८; १४; ५५—६०; ४, २०; २१; ५, ७३; १४. २, ५; ३२; ६५; ६९; १६. ८, ४—२६; ३३; १७. १, १४; १८. १, ३; ९; १९; ४०; २, २०; ३, १; ११[२]; १२; ५०; ४, ४०; १९. ११, ५; ६; ८; १३; १४; ३२, ४; ४७, २; ४९, ५; ५४, १; २०. ५, ७; १३, १; १७, २; २१, १; ६; ९; ३०, ३; ३७, २; ४; ८[२]; ५३, २; ५६, १; ५७, १२; ६३, ७; ६७, ५; ६८, ११;

नुवन्तम् २०. ७४, ५.
नुवन्तोम् २०. ७४, ५.
नूतनः २०. १७, ५.
नूतनस् ७. २१, १.
नूतना २०. ८१, ५.
नूनम् ४. १, ६; ७. ७३, २; ८. ४, २०; १८. १, ४; ४६; २०. ६६, २; ६७, १; १२६, १; १४०, २; ३; १४१, ४; ५; १४२, ६.
नृ-चक्षः १. ७, ५; ४. १६, ७; ८. २, ६; १७.
नृ-चक्षसः ८. ३, ८; १३. २, १; १८. ४, २६; १९. ४८, ३.
नृ-चक्षसा १८. २, १२.
नृ-चक्षसि १०. ३, १८.
नृ-चक्षसौ ४. २९, २.
नृ-चक्षाः ७. ४१, १; २; ८. ३, १०.
नृणाम् २. ९, २; १९. ४७, ७; २०. ३७, १०; ७६, १; २.
नृतः १०. २, १७.
नृ-तम २०. ३७, १०.
नृ-तमः २०. ७६, १; ७७, ४.
नृ-तमम् २०. ११, ११.
नृ-तमस्य २०. ७६, २.
नृ-तमाय १८. १, ३७.
नृतये १२. २, २२.
नृतौ २०. ७६, २.
नृत्तानि ११. ८, २४.
नृत्य ५. २०, १०.

नृत्यतु १०. ६, २.
नृत्यन्ति १२. १, ४१.
नृत्यन्ति १२. ५, ४८.
नृ-पतिम् २०. ६४, ३.
नृपती इवेति नृपती-इव ८. ४, ६.
नृ-पते ५. १८, १; १५; २०. ६४, २.
नृ-पानः १९. ५८, ४.
नृ-पाय्यम् २०. १४२, ३.
नृ-भिः ३. १६, ३; ५. १२, ३; १८. ४, ६५; २०. १६, १२; ३३, १; ३७, ४; ५६, १; ७३, १; ८७, ४; १००, १.
नृ-म्णः २०. ७७, ४.
नृ-मनः २०. ३७, ४.
नृ-मनाः १९. ३, ५; २०. १३७, ७.
नृ-मादनम् २०. ६८, ७.
नृम्णम् ४. २४, ३; ८. ५, २१; १०. ५, १; २; ३; ४; ५; ६; २०. १०८, १; १३९, २.
नृम्ण-वर्धनः २०. ६७, ६.
नृम्णस्य २०. ३४, १.
नृ-वत् २०. ११, ५.
नृ-वतः २०. ३६, ३.
नृ-वन्तः ३. १६, ३.
नृ-वाहसा २०. ७१, ५; ४७, ११; ९९, १०.
नृ-सदम् २०. ४४, १.
नृ-सहाय २०. १४२, ५.
नृ-सूतः २०. १२०, १.

नृन् १८. १, ७; २०. ७६, २; ४.
नेक्षणम् ९. ६(१), १७.
नेता १९. १३, ९; २०. ३४, ७; ७७, ८; ९२, १०.
नेतारः १०. ८, ३५.
नेत्रम् १०. १०, २२.
नेदिष्ठम् २०. ८५, ४.
नेदीयः ३. १७, २; १०. ८, ८.
नेदीयसः २०. १२६, २०.
नेनिग्धि ६. ५, ३.
नेमिम् २०. ५४, ३.
नेमे २०. १५, ५.
नेशत् ५. ३, २; १३, २.
नेष ७. ९७, २; १२. ३, १६.
नेषत् ६. ११०, २; ७. ९, २; १२. ३, ५५; ५६; ५७; ५८; ५९; ६०.
नेषि १९. १५, ४; २०. ४६, ३.
नेष्ट्र ३. ११, ७.
नेष्यति ७. १०३, १.
नैः-स्रुतेयः १९. ५५, ५.
नैः-बाध्येन ६. ७५, १.
नैः-हस्त्यम् ६. ६५, २; ३.
नैदाघः ९. ५, ३१.
नैदाघम् ९. ५, ३१.
नो-इति १. ३२, १; ३. १८, २; १०, ४; ८. २, २४; १८. २, ३८–४५; २०. ३४, १६; १२६, २.

८७, ३; ७. १७, १; ३०, १; ८. ५, २२, ९. ४, २; ४; १७; ५, २८; ११. ९, २५; १२. २, ६; ३९; ३, ३९; १३. १, ५१; ३, ७२; ४, ४७; १४. १, २६; २७; २, २; ३२; ६३; १६. ६, ६२; १८. १, ३; १९. १०, ५; १०; २०, २; २०. २१, २; ६४, १; २; ३; ७३, ४; ७७, ७; ९१, ७; ९६, १५; १२६, ११; १३७, ५; ६; १४३, ८.

पतिः २०. १२७, ८.

पति-कामा २. ३०, ५.

पतित्वा ४. १२, ७.

पतिना १६. ६, ६२.

पति-भ्यः २. ३६, ७; ५. १२, ५; १४. १, ४६; ६१; २, १; १२.

पतिम् २. ३६, ३२; ३. १६, १; १८, १; २; ५. १, ४; ६. ३६, १; ६०, १; ३; ७८, ३; ७. २१, १; ४६, ३; ९. ५, २७; ११. ५, १८; ६, ४; ९, ८; १२. ३, २९; १४. १, ६; १०; १२; २५; ३१; ५९; २, २२; ५२; १८. १, ११; १९. ३०, ३; २०. १७, १; २३, ५; ६४, ६; ७१, १०; ९४, ४.

पतिम् २०. १२७, ९.

पतिम्-इव १८. २, ५१.

पति-लोकम् १४. २, ४०; १८. ३, १.

पति-लोके १४. १, ६४.

पति-वेदनम् २. ३६, २; १४. १, १७.

पति-वेदनौ ८. ६, १.

पतिष्यति ६. ८३, ३२.

पती इति ६. ३, २.

पती इति ६. ६९, २; ९. १, १९; १४. १, १५; २, ५; ६; २०. १२५, ४.

पते १. १, २२; २९, १; ३. २०, २; ४. ४, ६; १९, ८; ६. ६, १; ४५, ३; ७९, २; १०१, २; १४०, १; ७. ५६, ४; ७४, ३; ८१, ३; ९७, ८; ८. ६, १५; १०. ५, ४५२; १३. १, १७; १८; १९; १४. १, ३१; १९. ८, ६; २४, १; ६३, १; २०. ४५, २; ६०, ३; ७४, २; ७५, २; ९६, २४.

पतौ ३. १८, ३.

पत्-घोषैः ५. २१, ८.

पत्ततः ६. १३१, १.

पत्तीन् ७. ६२, १.

पत्थाः ८. १, ४; १०.

पत्नि ३. १२, ५; ७. ४६, ३; ९. ३, ९.

पत्नी २. १२, १; ३. १०, २; ७. ४७, २; ९. ३, ६; १२. १, १; १४. १, ५१.

पत्नी २०. १३५, ५२.

पत्नीः २. २६, ५; ७. ४९, १; ९. ७, ६; १४. २, ३२.

पत्नीनाम् ९. ३, ७.

पत्नीनाम् १९. ५७, ३.

पत्नी भिः ५. २६, ४; ११. ६, १९; २०; १४. २, ५१; १९. ८, ६.

पत्नीम् ७. ६, २; ९. ३, २१; १४. १, ४९; २, २.

पत्नी-वतः २०. १३, ४.

पत्न्याः ९. ३, ५.

पत्-भिः ३. ७, २; ४. ११, १०; १४, ९; १९. ६, २.

पत्-भ्याम् ५. ३०, १३; १२. १, २८; १९. ६, ६; ८.

पत्यते २०. ३६, १; ६७, ७.

पत्यते २०. ६३. ६.

पत्यमाने इति ५. २७, ८.

पत्या २. ३६, १; ४; १०. १, ३; ११. १, १४; १४. १, २१; ४०; ५०; ५२; २, ३२.

पत्या-इव ६. २२, ३.

पत्युः १४. २, ४२; ४३; १८. ३, २.

पत्यै ३. ३०, २; ८. ६, २१; १४. १, ९; ४९; ५५; २, ७; २४; २६; २७; ३१; १८. १, ८; २०. ३५, २.

पत्यैते इति ७. २५, १.

पत्-वता १०. १०, १३.

पत्-वती ९. ३, १७; १४. १, २५.

पत्-वतीनाम् ९. १०, २३.

पत्-सङ्गिनीः ५. २१, १०.

पृतिम् ६. १२०, २.
पृत्-सु ६. ९२, १.
पथः ५. १२, २; २७, २; ३०, ७; ६. ११७, ३; १२१, ४; ८. २, १०; १०. ४, ६; ११. १, ३६; १३. १, ५९; १५. ११, ३; २०. २५, ५; १२७, १०.
पथा ३. १८, ६; ४. ३, २; ५. ३१, १०; ६. ७, १; ८२, २; १८. १, ६१; २, ११; ४६; ४, ६०; २०. १२६, २१.
पथाम् ४. ३, ५; ५. १, ६; ६. २६, २; ७. ९, १.
पथि १४. १, ६३.
पथि-कृतः १८. ३, २५–३५; ४, १६–२४.
पथि-कृता १८. २, ५३.
पथिकृत्-भ्यः १८. २, २.
पथि-भिः २. ३४, ५; ९. ४, ३; १०, ११; १२. २, १०; २९; ४१; १८. १, ५४; २, ५३; ४, २; ३; ६२; ६३; १९. २७, ९; ४७, ७.
पथिरक्षी इति पथि-रक्षी ८. १, ९.
पथिष्ठाः ६. २८, १.
पथिसदी इति पथि-सदी १८. २, १२.
पथि-स्थाम् १४. २, ६.
पथीनाम् ९. ५, १९.
पथ्यां इव १८. ३, ३९.
पथ्याः ३. ४, ७; १८. १, ५०.
पदः ४. १५, १४; ९. ४, १४; ५, ३.
पद-ज्ञाः ८. ७५, २.
पदज्ञोः-इव ११. २, १३.
पदम् २. १२, ८; ३. १०, ६; ६. २७, ३; २९, १; ७०, २; ७६, २; ३; ७. २६, ७; ९. ६, ५; १०, १; १९; १०. १, २६; ४, २४; ८, ६; १२. २, ३०; १८. ४, ८९; २०. ९१, २.
पद-योपनाम् ५. १९, १२.
पदयोपनेन १२. २, २९.
पद-वायः ५. १८, १४.
पद-वायम् १२. ५, ४.
पद-वीः १२. ५, ५८.
पदा ७. २६, ३; ५; ८. ६, १७; ९. ९, ५; १७; १०. ४, ३; ७; १३. १, ४१; ५६; २०. ६३, ५; ९३, २.
पदात् ६. २८, १.
पदानि २. १, २; ६, २८, १; ९. ९, ६; १०, २७; १२. २, २८; १८. ३, ४०.
पदाय ३. १६, ६.
पदीष्ट ७. ३१, १; ८. ४, १६; १७.
पदे ६. ६३, ४; ७. २७, १; २०, ९२, ४.
पदेन ६. ७०, २.
पदे-पदे ५. ६, ३.
पद्भिः १. १८, २; १२. ४, ५.
पद्वताम् १. ११, ४; ५; ६; ४. १८, २; ६. २६, २; १०. ६, २७.
पद्यते ११. ४, २५; १८. २, १.
पद्वन्ताम् ३. १९. ३; ८. ८, १८; २०; १३. १, ३१.
पद्यम् २०. १३६, ५.
पद्वस्वं ३. १९, ८; ११. १०, १८.
पद्भिः २०. १३५, ८.
पद्व ५. ६, ११; १२; १३; १४; १९. ८, २२.
पनयन्ति २०. ११, ६.
पनस्यते २०. ५८, ३.
पनस्यवे २०. ६२, ५.
पनाय्यम् २०. १४३, ९.
पनिप्रतन् ७. ३२, १.
पनिष्पदा ५. ३०, १६.
पनीयसी १८. ४, ८८.
पनीयसे २०. १५, ३.
पन्थाः ४. २, ३; १०. १, १५; १३. १, २३; १४. १, ११; १८. ४, १४.
पन्थानः ३. १५, २; ३१, ४; ५. ४, ५; ६. ५५, १; ७. ५५ १; १२. १, ४७; १४. १, ३४.
पन्थानम् १२. १, ४७.
पन्थाम् ३. ३, ४; ६. २८, ३; ८. १, १०; ९, १३; १० (३), ४; ६; ११. १, २८; ३०; ३१; १०, १६; १२. २, २१; ५५; १४. १,

१०. ७, ३१; ८, ८; ११. १, ३०; १२. २, २१; १८. २, ३२; १९. ५३, ४.
परमः १९. ५४, ५.
परम-ज्याः २०. १०४, ३.
परमम् १. १३, ३; २५, १; २. १, १; २; ५. ११, ११; ७. २६, ७; ९. १०, १३; १४; १०. ७, ८; २८; ११. १, ३०; १३. २, ३६; १८. १, ४; १९. ५४, ५.
परमम्-इव १०. ७, २१.
परमस्य १३. ३, ५.
परमस्याः ३. ४, ५.
परमा २०. ८८, ३.
परमात् ७. ६३, १.
परमान् ६. १०३, २.
परमाम् ६. ७५, २; १५. ६, १२.
परमे ५. १७, ६; ६. १२३, १; २; ७. ५, ३; ८. ९, ८; ९. १०, १८; १२. १, ८; २, ७; १३. १, ४४; १७. १, ६–१९; २४; १८. ३, ५७; ५८; ४, ३०; १९. ४३, ३; २०. ८८, ४.
परमेण ४. ३, २; १९. ५६, ५.
परमेभिः १९. ४७, ७.
परमे-स्थिन् १. ७, २; १३. १, १७; १८; १९.
परमे-स्थिनः १०. ५, ४२; १५. ६, २६.
परमे-स्थिनम् १०. २, २०; २१; ७, १७[२]; ११. ५, ७; १९. ९, ४; ५३, ९.
परमे-स्थिनि १०. ३, २४.
परमे-स्थिनी १९. ९, ३.
परमे-स्थी ४. ११, ७; ८. ५, १०; ९. ३, ७; १२, १; १२. ३, ४५; १३. १, ६; ३, ५; १५. ६, २५; ७, २; १४, २३.
परशुः ७. २८, १[२]; ८. ४, २१; २०. १७, ९.
परशून् ११. ९, १.
परशोः ३. १९, ४.
परस्तात् ४. १६, ४; ५; ६. ७३, ३; १२२, १; ४; ७. ९, ४; ८. १, १०; १०. ७, ४३; ८, २९; १३. २, ८; ३१.
परस्फानः १९. १५, २.
परस्मात् ३. ३, ४.
परस्मिन् ६. ११७, ३.
परस्मै १. १२, ४.
परस्य १३. ३, ५; २०. ३४, १६.
परस्याः ६. ३४, ३; ७. २६, २; ८४, ३.
परस्वतः ६. ७२, २.
परस्वतः २०. १३१, १९.
परस्वन्तम् २०. १२६, १८.
परा १. २३, २; २. २, ३; ३. २, ५; ४, ६; १०, ७; १८, २; १९, ८; ४. १२, ५; २०, १; ३७, ३; ४; ५; ५. ३, ८; १४, ४; १८, १०; १२; १९, १; ६; ११; २१, ७; २२, २; ३; २८, ६; ६. २६, ३; ४५, १; ६६, २; ७५, १; ९८, १; १२७, ३; १४०, ३; ७. ९, १; ४४, १[२]; ५३, ४; ६; १००, १; ८. ३, १३[४]; १४; १६[२]; ४, १; ५, ३; ९; ८, २४; ९. ६, १७; १०, ११; १०. १, ७; १६; २०; २४; २५; २६; ४, २०; ५, ४९[४]; ११. १, ११; १३; १२. १, ३७; २, १; २१; ५५; ४, ४९; ५, ४३; १३. १, ४१; १४. १, २५; २, ३४; ३५; १६. ४, ३; ६, ३[२]; ७; ११; १८. ३, १४; ६२; ४, ६३; १९. ८, ४; ३९, १०; २०. ६८, ४; ७७, ७; ९६, ३; १२६, २.
परा-अपतत् १. ३, ९.
परा-अयनम् १. ३४, ३; ६. ७७, २; १०. ४, ७.
परा-अयने ६. १०६, १.
परा-अवधीत् १०. ६, ३.
परा-इतः ३. ११, २; ४. ३२, ५; १८. २, २६; २०. ९६, ७.
परा-इतम् १८. ४, ५१; ६२.
परा-इताः १२. २, २६; १८. १, ५०; ५४; ४, ४४.
परा-इत्य ५. २२, ८; १०. ४, १९; १४. १, ४३.
परा-ईयुः २. २६, १; १८. २, ४७.

परा॑-उताः १८. २, ३४.
परा॑क् १०. १, १३.
प॒रा॒के २०. १४१, ५.
परा॑क्-अवाः ८. १, ९.
प॒रा-क्रम्य॑ १०. ७, ११.
परा॑-क्रान्तः १०. ७, १६.
परा॑-गतम् ७. १२, ४.
परा॑-गताः १८. ३, ७२.
परा॑ङ् ६. २९, ३; ६७, ३; १७. १, १७.
परा॑चः २. २५, ५; ३. १, ४; ९. ९, १९.
प॒रा॒चीना॑ ६. १०६, २.
प॒रा॒चीना॑य ११. ४, ८.
परा॑चीम् ६. २९, ३.
प॒रा॒चैः २. १०, ५; ६. ६७, २; १२४, २; ७. ४२, १; ४३, ३; ८. ९, २; १८. २, २६.
प॒रा-जय॑न्ते ४. २२, ५.
परा॑-जिता ३. १, ६.
परा॑-जिताः ५. २१, ९; ८. ८, १९.
परा॑-जितासः ४. ३१, ७.
परा॑ञ्चः ४. ४०, १-८; ९. ९, १९; ११. ९, २२.
परा॑ञ्चम् ६. ६५, १; ११. ३, २६; २८; ३, ३२-४९.
प॒रा-द॒दिः २०. ५६, २.
परा॑ददिः २०. १२८, ५.
प॒रा-दृ॒श्य॑ ८. ८, २.
प॒रा-दैः २०. ३७, ७.
प॒रा-नीय॑ १२. ४, ५२.
प॒रा-नुदे॑ २०. २८, ३; ३९, ४.
प॒रा-पत॑ति ६. १०५, १; २.
प॒रा-पत॑न्ति ६. १०५, ३.
परा॑-परैता १८. ४, ४८.
प॒रा-पुरः॑ १८. २, २८.
प॒रा-अव॑न् १२. ४, ४५.
प॒रा-भुवे॑ ६. २९, ४.
परा॑-भूतिः १२. ५, ३५.
परा॑-भूत्या १६. ७, १.
परा॑-भूत्याः १६. ५, ७; ८, ८.
परा॑-भूतम् ५. २९, ५; १२; ७. ४१, २; २०. ४३, २.
परा॑म् ३. १८, ३.
परा॑-मृष्टा १२. ५, २५.
प॒रा-य॑तः ७. ३८, १.
प॒रा-य॑ते ११. २, १५; ४, ७.
प॒रा-वत् २०. ८८, ३.
प॒रा-व॑तः ३. ४, ५; ४. ११, २; ५. ३०, १; ६. ३४, ३; ३५, १; ७५, ३; ७. २६, २; ८४, ३; ८. ५, ९; १०. १०, २; ३; १२. ५, ६४; १८. ४, ४१; २०. ६, ८; २०, ४; ५७, ७.
प॒रा-व॑तम् ३. १८, ३; ६. ७५, २; ८. १, ८; २०. ६, ९.
प॒रा-व॑ति २०. २१, ७; १११, २; ११२, ३.
प॒रा-वा॒काय॑ ६. १३, २.
परा॑-शर ६. ६५, १.
प॒रा-श॑रः ८. ४, २१.
प॒रा-श॑सा ६. ४५, २.
परा॑सः १८. १, ४४; ३, २१.
परा॑स्यः २०. १२९, ६.
परि॑ २०. १२७, ९.
परि॑ १. २, २; १०, १; ४; १४, ३; १७, ४; २०, २; २२, १; २; ३; २५, १; २; ३; ३०, २; ३; ३४, ५; २. १, ४; ५; ४, २; ७, ३; ४[२]; १३, २; ३; १४, ६; ३३, ३; ३४, ५; ३. २, ४; ११, ७; २५, ५; ४. ७, ५; ६; ८, ३; ९, ९; १०, १; ४; ११, १२; १५, १०; १९, ८; २१, ७; ३४, ४; ५. ३, २; ४, २; ६, ४[२]; ७, १; १४, ३; २२, १०; १४; ३०, ११; ६. ८, १; ३; १२, १; २७, २; २८, १; २[२]; ३७, २, ५५, १; ६१, २; ६७, १; ८४, १; ८९, १; ९२, १; ९९, २; ३; १०३, २; ३; १०६, ३; १०७, १; २; ३; ४; १०८, ५; ११०, २; १११, ३; ११२, १; ११६, ३; १२२, १; १२३, १; १२५, २[२]; १३३, ५; १३७, २; ३; ७. ९, ४; ३८, २; ४५, १; ५१, १; ५३, ४; ७; ५६, १; ७१, १; ७२, ३; ७५, १; ८१, १; ८४, १; ९९, १[२]; ८. २, ९; २०[२]; २२; २६; ३, ३; १०; २०; २२; ४, ५; ६; ६, २१; २२; ९, ४; ५[२]; १८; ९. २, ५[२]; १६[२]; ४, १०; ५, २; ६; ८, ८; २१; ९, १३; २०;

परिपद्वाम्-इव २०. ६६, ३.
परि-पन्थिनः १. २७, १; १२. १, ३२; १४. २, ११.
परि-पन्थिनम् ३. १५, १.
परि-पानः ८. ५, १; १६; १९. ३४, ७; ३५, ३.
परि-पानम् २. १७, ७²; ४. ९, २²; ३; ५. ८, ६; ११. १०, १७; १९. ३५, २.
परि-पानात् ४. १०, ८.
परि-पानाय ४. ९, २.
परि-बेधिरे ६. १३३, ५.
परि-ब्रवीमि १९. ३६, २; ३; ४.
परि-भुवः ९. १०, १७.
परिभू इति परि-भू ४. २५, १.
परि-भूः ३. २१, ४; ४. ३३, ६; ७. ७९, ४; ८०, ३; १३. २, १०; १८. १, ३०.
परि-ममृशुः २०. १३६, ३.
परि-मर्धिषत् २०. ११८, २.
परि-मिता ९. १०, २७.
परि-मिताम् ९. ३, १.
परि-यन्तः ४. ३५, ४.
परि-यन्ति १. १, १.
परि-यान्तम् १३. २, ४; ५.
परि-यासि १३. २, ६.
परि-रथ्यम् ८. ८, २२.
परि-रापिणः १२. ४, ५१.
परि-रापिणम् ५. ७, २.
परि-रुजन् १६. १, २.
परि-वत्सरः ८. ८, २३.
परि-वत्सराय ६. ५५, ३.
परि-वत्सरीणाम् ३. १०, ५.
परि-वर्ग्यः ९. २, १४.
परि-वर्तमाने ९. ९, ११.
परि-वादम् १९. ८, ४.
परि-वित्तः ६. ११२, ३.
परि-विष्टम् ६. १२२, ३; १२. ३, ७; २०. १६, ६.
परि-विष्ये ९. ६ (६), ५.
परि-वीतः ९. १०, १०.
परि-वृक्ता ७. ११३, २.
परिवृक्ता २०. १२८, १०.
परि-वृजम् २०. ६६, ३.
परि-वृतः १७. १, २८.
परि-वृता १०. ८, ३१; १२. ५, २.
परि-वेशसः २. ३२, ५; ५. २३, १२.
परि-वेषात् ९. ६ (१), १२.
परि-वेष्टारः ९. ६ (६), ३.
परि-शासम् ५. १४, ३.
परि-शुम्भन्ति १३. १, ५१.
परिष्कृता ९. ३, १०; १४. १, ७.
परिष्ठौ २०. ३७, ७.
परि-सदम् १८. ३, २२.
परि-सर्पति ५. २३, ३².
परि-सर्पन्ति ८. ६, २४.
परि-सस्वजानः १. २, ३; ४. ८, ७.
परि-सस्वजे ६. ८, १.
परि-सिक्तम् ७. ५८, २.
परि-सिञ्चते १०. ८, २९.
परि-सीदन्ति ६. ७६, १.
परि-स्रुतम् ११. ५, २३.
परि-स्रुता २०. २१, ८.
परि-सृष्टम् ८. ६, २०.
परि-स्कन्दाः १५. ३, १०.
परि-स्कन्दौ १५. २, ६; १४; २०; २६.
परि-स्तरणाम् ९. ६ (१), २.
परि-स्था ११. २, २५.
परि-स्रुतः ३. १२, ७.
परि-स्वजीयसी १०. ८, १५.
परि-स्वजे १४. १, ४६.
परि-स्वञ्जल्यस्य ९. ३, ५.
परि-ह्वृतम् १९. ८, ४.
परि-हस्त ६. ८१, २.
परि-हस्तः ६. ८१, १.
परि-हस्तम् ६. ८१, ३.
परि-हिता १२. ५, ३.
परि-हिनोमि ८. ४, ६.
परि-हुता १२. ९, २.
परीणसः २०. ६७, १.
परीत्तः ६. ९२, २.
परुः ४. १२, २; ३; ७.
परुः-परुः १. १२, ३; ४. ९, ४; ९. ३, १०.
परुः-स्रंसम् ६. १४, १.
परु-शः ९. ५, ४.
परुष-आह्वः ८. ८, ४.

पशुः २०. १२६, २३.
पशुम् १२. ३, ३१.
पर्प ४. ३३, ८.
पर्षिणम् २०. ७२, १.
पर्षत् ६. ३४, १–५; ७. ६३, १.
पर्षि २०. १२, २.
पलदान् ९. ३, १७.
पलदानाम् ९. ३, ५.
पलाल-अनुपलालौ ८. ६, २.
पलाल्या २. ८, ३.
पलावान् १२. ३, १९.
पलितः ९. १०, ९.
पलितम् १. २३, १; २.
पलितस्य ९. ९, १.
पलीजकम् ८. ६, २.
पल्प २०. १२९, १५.
पल्पूलनम् १२. ४, ९.
पवताम् ५. २, ३; ८. १, ५.
पवते ४. २४, ४.
पवते १०. ७, २; ४; १३. ३, १९; १८. २, १; ६; १४; ३, ५४; ४, ५८; १९. ५४, २; २०. १३७, ५; ६.
पवनेन ४. ३४, २.
पवनैः १८. ३, ११.
पवन्ताम् ७. ८२, १.
पवन्ते १३. ३, २.
पवन्ते १२. ३, २५.
पवमानः ३. ३१, २; ४. ११, ४; ६. १९, १; २; ९. ७, ८; १०. २, २६; ८, ४०; ९, २६; १५. २, ७; १४; २०; २७; १५, ६; १८, ३; १९. ६१, १.
पवमाने १७. १, १३.
पवस्तैः ४. ७, ६.
पवस्व १२. १, १२.
पविता ६. ११९, ३.
पवित्रम् ९. ६(१), १६; १९. ३३, ३.
पवित्र-वन्तः २०. १३७, ४.
पवित्रस्य २०. ५२, १; ५७, १४.
पवित्रा ६. १२४, ३.
पवित्रेण ६. १९, ३; ५१, १; १२. १, ३०.
पवित्रेण-इव ६. ११५, ३.
पवित्रैः १२. ३, ३; १४; २५.
पवि-नसात् ८. ६, २१.
पविम् ७. ८४, ३.
पवीर-वत् ३. १७, ३.
पशवः २. २६, १; २; ३; ३४, ४; ३. १०, ६; ३१, ३; ७. ४०, १; ६६, १; ९. १, २०; २, ५; १६; ७, २६; १०. ६, ३३; १०, २६; ११. २, ९; २४; ४, ५; ५, २१; ६, ८; १२. १, ४९; ३, १६; ५१; ५, १०; १४. २, २५; १५. २, १०; ६, १४; १५, ८; १६. ४, ७; ८, १; ५–३०.
पशव्यम् २०. ८७, ६.
पशुः १. १५, २; ८. २, २५; ९. ६(१), ६.
पशुना ८. ३, १५.
पशु-पतिः २. ३४, १; ११. २, २८; ६, ९; १५. ५, ७.
पशु-पतिम् १५. ५, ६.
पशुपती इति पशु-पती ११. २, १.
पशु-पते ११. २, २; ५; ९; ११; १९; २४.
पशु-बन्धाः ११. ७, १९.
पशु-भिः ४. ३६, ५; ७. ८१, ४; ५; ९. ३, १४; १०. १, १०; ११. १, २२; १२. ४, २; १७. १. ६–१९; २१; २४.
पशु-भ्यः ४. ११, २; १४. २, १८; १५. २, ११.
पशुम् ८. ७, ११; १८. ३, १८; १९. ६, १४; ७१, १; २०. २५, ४.
पशु-वित् ११. १, १५.
पशुषु १. ३०, ३; २. ३१, ५; १०. ३, १६; १४. २, ६२; १९. ३, २; ४८, ५.
पशून् ३. २८, १–६; ९. ६(३), ४; १०. ३, १२; ६, ३५; ११. १, १७; १५. ५, ३; १६; १४, ११; १९. ६, १४; ४८, ५; ६३, १.
पशूनाम् १९. ३१, १.
पशूनाम् २. २८, ३; ३४, १; ४. २२, ४; ५. २४, १२; २८, ३; ३१, ३; ९. ४,

४६; २, ५; १०; २१; ४६; ५४; ३, ४८; ४, ३६; ५०; ५१; ६५; ७३; ७८; ७६; ८०.

पितृ-मंते १८. ४; ७२; ७४.

पितृ-कृतायं १२. २, ७.

पितृ-यानेम् ५. १८, २३; ८. १०(३), ४; १५. १२, ५; ६.

पितृ-यानाः ६. ११७, ३.

पितृ-यानैः १२. २, १०; १८. ४, १; ६२.

पितृ-लोकम् १८. ४, ६४.

पितृ-लोकात् १४. २, ५२.

पितृषु १. १४, १; ३; ५. १६, ५; ७. ४१, २; ११. १, २८; ३१; १२. २. १०; १८. २, २५; २८; ५२; ४, ४८; ४६; १६. ३, ३.

पितृ-सदनाः १८. ४, ६७.

पितृ-सदने १८. ४, ६७.

पितृ-सदम् १४. २, ३३.

पितृणाम् २. १२, ४; ३. २६, ४; ५. २४, १४; ६. ४४, ३; ७. ३८, २; १०. ५, ३३; ११. १, ५; १२. २, ६; ४५; १८. २, ६३; ७३.

पितॄन् ५. ३०, १; ८. १, ७; ८, १५; १० (३), ३; १० (४), ५; ६. ६, १०; ११. ६, ११; १६; ६, २४; १४. २, ६६; १५. १४, १३; १८. १, ४५; ५६; ५७; २, ४; ११; २३; ३४; ४६; ४, ४०; ४१.

पित्रम् १. २४, १; १८. ३, ५.

पित्रे १. ३१, ४; ५. ११, १; ७. १४, ३; ५७, २; २०. ८८, ६; ६२, १२.

पित्रोः २०. २४, १६.

पित्र्यम् ६. १२२, २.

पित्र्या ४. १, २.

पित्र्यात् ६. १२०, २; १०. १, १२.

पित्व्यः ८. ४, १०; १८. २, ४५.

पिनष्टि २०. १३२, १०

पिनष्टन ८. ४, १८.

पिनष्टि २. ३१, १; ३२, ३; ५. २३, १०.

पिनाकम्-इव १. २७, २.

पिन्वत ६. २२, २.

पिन्वतम् ६. ६७, २.

पिन्वतीम्-पिन्वतीम् ६. ५, ३४.

पिन्वते २०. ७१, ३.

पिन्वते २०. ५१, ४.

पिन्वन् ६. ५, ३४.

पिन्वन्तम् ६. ५, ३४.

पिन्वमानाः ४. २४, ८; १८. ४, ३५.

पिन्वमाना ३. १०, ६.

पिन्वमानाः ४. ३५, ५; ६; ७.

पिन्विरे २०. ५१, २.

पिपतिपति १२. २, ५२.

पिपर्ति २०. १३५, ८.

पिपर्ति ६. १०, २३; १३. ३. ४.

पिपृर्ति ६. १, ५; २०; ११. ५, १; २; ४.

पिपृतु ५. २८, ५; ६. ५३, १; १२. १, १२.

पिपर्मि १. ३५, ४.

पिपानः ६. ४, २१.

पिपीलः १८. ३, ५५.

पिपीलिका २०. १३५, ३.

पिपीलिकाः ७. ५६, ७.

पिपृग्धि १८. १, १२.

पिपृतन ५. २६, ५.

पिपृहि ७. ३५, १.

पिपृहि ७. २०, ४; ७६, १.

पिपेश १४. १, ६०.

पिपेष २०. ११, ६.

पिप्यति २०. १३६, ७.

पिप्पलम् ६. ६, २०; २१.

पिप्पली ६. १०६, १.

पिप्पल्यः ६. १०६, २.

पिप्युः २०. १२, ४.

पिप्युषी २०. २७, ३.

पिप्रीतः २०. १३८, २.

पिप्रायं स्व ६. ११०, १.

पिब २. ५, १; ७. ७२, ३; ७३, ११; ६. १०, २०; २०. ३, १; ४, १; ५, ५; ६, २; ७, ५; ३२, ३; ३३, १; ३८, १; ४७, ७; ६०, ५; ७; ११७, १.

पिब ५. २५, ६; ७. २६, ३; ७६, ६; १६. ४५, ५; २०. ८, २; ११, ३; २४, ७; ५७, २; ६१, ३; ६८, २.

पिबत २०. ६७, ४.
पिबतम् ७. ५८, १; ७३, ४; २०. १३, १.
पिबताम् २. २६, ६.
पिबति ५. ५, २.
पिबति ५. १८, ४.
पिबतु १३. १, २७; २०. २, १–४.
पिबध्यै २०. ८, ३; १४३, ६.
पिबन्तम् २०. ५३, १; ५७, ११.
पिबन्ति १. ४, ३.
पिबन्ति २०. १०६, १.
पिबन्तीः ४. २१, ७; ७. ७५, १.
पिबसि ८. २, १६.
पिबात् ७. १४, ४.
पिबाथः २०. १४३, ४.
पिबामः ६. १३५, २.
पिबामि ६. १३५, २; २०. १२६, १६.
पिबामि ६. १३५, २.
पिबाव ४. ३२, ७.
पिब्दना २०. ८०, २.
पियारुः १६. ५७, ५.
पियारुम् १६. ५७, ४.
पियारूणाम् ११. २, २१.
पिशङ्गम् १४. २, ४८.
पिशङ्ग-रूपः ६. ४, २२.
पिशङ्ग-रूपाम् २०. ५२, ३; ५७, १६.
पिशङ्ग-संदृशम् ६. ३३, ३.
पिशङ्गे ३. ६, ३.
पिशाचः ५. २६, ४; ६; १२. ३, ४३.
पिशाच-क्षयणम् २. १८, ४.
पिशाच-चातनम् २. १८, ४.
पिशाच-जम्भनी: ५. २६, १४.
पिशाचम् ४. २०, ७; ६; ५. २६, ७; ५. २६, १०.
पिशाचाः १. ३५, २; ४. ३६, ७; ८; ५. २६, ६; ७; ८; ६; ६. ३२, २.
पिशाचान् ४. २०, ६; ३६, ४; ३७, १०; ८. २, १२; १२. १, ५०; ३, १५.
पिशाचानाम् ४. ३६, ६.
पिशाचैः ४. ३६, ७; ५. २६, ५.
पिशाच्याः १. १६, ३.
पिशितम् ५. १६, ५; ६. १२७, १.
पिशिता १२. ५, ३६.
पिशुनेश्यः ८. ४, २०.
पिश्माना १२. ५, ३६.
पिष्टाः १२. २, ५३.
पींषस्य १६. ४६, ४.
पीड्य १२. ५, ७०.
पीतये १. ६, १; ७. ५८, १; २०. २२, १; २४, ४; ८; ६; ५४, २; ६६, ४; ७६, ६.
पीतिम् २०. २५, ७; ३३, ८; ८७, २.
पीत्वा २. १३, १; १०. १०, ३१; २०. २१, ४; ६८, ६२, ४; ६४, ८.
पीत्वी २०. ६, ७; ४२, ३.
पीपरत् १६. ४०, ४.
पीपिहि २०. ८, १.
पीवः ६. ७, १८.
पीवः-पाकम् ४. ७, ३.
पीबरीम् ३. १७, ३.
पीयकान् १६. ६, ८.
पीयतः ५. १८, १५; २०. १६, ६.
पीयतें ५. १६, ५.
पीयन्ति २०. ११४, २.
पीयूषः ६. ४, ४.
पीयूषम् ८. ३, १७; ६, २४.
पीला ४. ३७, ३.
पीलु २०. १३५, १२.
पीलु-मती १८. २, ४८.
पीवः २०. १२६, १४.
पीवरः २०. १३६, १२.
पीवरी २०. १२६, १६.
पीवसा १८. २, ५८.
पीवसि १. ११, ४.
पुंश्चली १५. २, ५; १३; १६; २५.
पुंसः ३. ६, १; ६. ७०, १; २; ३; ६. ६, १५; १२. ३, १.
पुंसाम् ४. ४, ४; ७. १३, १.
पुंसि ६. ११, २.
पुंसे ५. ३०, ३.
पुच्छ-धौ ७. ५६, ८.
पुच्छम् ६. ४, १३; ७, ८; १०. ६, २२; १२. ५, २१.
पुच्छिलीयते २०. १३४, ६.
पुच्छे ७. ५६, ६.
पुच्छैन ७. ५६, ८.

पुष्टीः २०. १४, ५.
पुष्टे ३. १०, ७.
पुष्टेषु २०. १२६, १.
पुष्ट्या ९. ६(५) २.
पुष्ट्या १९. ३१, ३; ९; १३; ४९, ३.
पुष्पम् ५. ४, ४; ६. ६५, २; ८. ७, १२; १०. ८, ३४; १९. ४४, ५.
पुष्प-वतीः ८. ७, २७.
पुष्पाम् ८. ७, ६.
पुष्पिणीः ६. १०६, १.
पुष्ये १९. ७, २.
पुष्यत ३. १४, २; ४; ५; ७. ६०, ७.
पुष्यतः ७. ४७, २.
पुष्यतम् १४. २, ३७.
पुष्यति ४. ३२, १; २०. २५, ३.
पुष्यते १८. १, २१.
पुष्यन्ति २०. ५६, ६.
पुष्यसि ७. १०, १.
पुष्यसि १३. २, १०; २०. ९५, ३.
पूः १०. २, ३१.
पूः-भित् २०. ११, १.
पूः-यानैः १८. १, ५४; ४, ६३.
पूतः ६. ५१, १; २; ११. १, २५; १२. ३, १४.
पूत-दक्षाः ५. २२, १; ६. ९३, ३.
पूतम् ४. ३९; १०; ६. ११५, ३.
पूताः ४. ३४, २; ६. १२२, ५; ११. १, १७; १८; २७; १२. २, २५.
पूतासः २०. ८४, १.
पूति-धान्या ३. १२, ३.
पूतिम् ८. ८, २.
पूति-रज्जुः ८. ८, २.
पूतुद्रुः ८. २, २८.
पूतौ १२. ३, ३.
पूत्रिमम् ६. १२४, ३.
पूत्वा १४. १, ४१
पूरय ३. १०, १३.
पूरयति ३. २९, २.
पूरयाति १२. १, ६१.
पूरवः २०. ७५, २.
पूरुम् २०. ३७, ३.
पूरुषः २०. १२८, १; १३१, १७; १३३, १.
पूरुषाः २०. १२७, १२.
पूर्णः १०. ६, २; १९. ५३, ३.
पूर्णम् ३. १२, ८; ९. ४, ६; १०. ८, २९; १८. ३, ५४; २०. ७६, ७; ८९, २.
पूर्णा ३. १०, ७; ७. ८०, १२.
पूर्णाः ४. ३४, ६; ७. ६०, २.
पूर्णात् १०. ८, २९.
पूर्णान् ४. ३४, ७.
पूर्णाम् २. ३६, ५.
पूर्णेन ७. १७, १; १०. ८, १५; २९.
पूर्तम् ९. ५, १३; ६(३), १; ११. ७, ९; १२. ५, १०; ५६.
पूर्तस्य ६. १२३, ५.
पूर्ति-कामः ७. १०३, १.
पूर्व-अग्नौ ५. ३१, ५.
पूर्व-अपरम् ७. ८१, १; १३. २, ११; १४. १, २३.
पूर्व-आसिनम् १०. १, २७.
पूर्वः १. ७, ४; ५. २०, ६; ८. ३, ७; ९. ६ (३), १; २; ३; ४; ५; ६; ७; १०. ३, ३; ११. ५, ५; १३. २, १४; १८. ४, ८; ९; २८; १९. ३६, ९.
पूर्वकाम-कृत्वने ७. ११६, १.
पूर्व-कृत्वरि १२. १, १४.
पूर्व-चित्तये २०. ९, ३; ४९, ६; १०९, ३.
पूर्व-चित्ताः ७. ८२, ३.
पूर्व-जनाः १२. १, ५.
पूर्व-जेभ्यः १८. २, २.
पूर्व-था २०. ९१, ३; ९९, २.
पूर्व-पीतये २०. ९९, १.
पूर्व-पेये १२. १, ३.
पूर्वम् ४. ३५, २; ३७, १; ८. १, १०; ९. ५, २७; १२. २, २५; १४. १, ६४; २, २०; १८. ४, १५; ४४; २०. २६, ३; ६७, ७.
पूर्व-यावा २०. ११, २.
पूर्व-रूपाणि १९. ९, ७.

पृणाति ११. ५, ४.

पृणातु १६. ५६, २.

पृणाद्वरिः २०. १२७, ११.

पृणीत १. ६, ३.

पृणीहि १७. १, ६–१६; २४.

पृतनाः ५. २, १; १४, ८; २०, ४; ६. ६७, १; ८. ५, ८; १०. ५, ३६; १३. १, २२; १६. ६, १; १६. ३२, १०; २०. ११, ४; ५४, १; ७६, ८.

पृतना-जितम् ७. ६३, १.

पृतना-जिम् ७. ८५, १.

पृतनाज्यै २०. १६, ७.

पृतनानाम् २०. ६२, १६; १०५, ४.

पृतना-युतः १६. २८, ५–१०; २६, १–६; ३२, ६.

पृतनाषाट् ११. १, २; १६. १३, ७.

पृतनाषाट् ५. १४, ८.

पृतना-सहम् २०. १०८, १.

पृतना-सह्याय २०. १६, १.

पृतनासु ३. २१, ३; ४. २७, ७; २८, ७; ३२, ४; ५. २६, ११; ८. ३, १८; १६. ५२, २; २०. ७५, ३; ७६, ८; ६२, १६.

पृतन्यतः १. २१, २; ७. ७०, ३; ६३, १; १६. ३२, १०; ४६, २; २०. १७, ६; ७०, २०.

पृतन्यति ६. ७५, १; १३. १, २६.

पृतन्यन्तम् १. २६, २.

पृतन्यवः ७. ३४, १; ६२, १; ११. १, ६; ११.

पृतन्यात् १२. १, १४; १६. ४६, ५.

पृतन्यान् ३. १६, ३.

पृत्-सु २०. ६१, १; ६०, २; १४१, ३.

पृत्सुतूर्षु २०. १६, ७.

पृथक् ३. १७, १; १६; ६; ४. १५, २; ३[२]; ४; २०, २; ५. २०, ७; ७. ४५, २; ६. १, ३; ११. ५, २; १३; २२; १२. ३, २१; २०. ७२, १[२]; ६४, ६.

पृथक्-सहस्राभ्याम् १६. २२, १६.

पृथिवि ७. १८, २; १२. १, ११; १२; १४; १५; १६; २३; २४; ३०; ३६; ४६; ४६; ६२; १८. २, १६; ३, ५०.

पृथिवि-सत्-भ्यः १८. ४, ७८.

पृथिवी २. १५, १; २८, ४; ३. ६, १; २३, ६; ४. २, ४; ३६, २; ५. ६, ७; २५, २; ६. १७, १; २; ३; ४; ४४, १; ५३, १; ७७, १; ८८, १; १००, १; ७. १८, २; ८. १, १२; १७; ४, २३; ७, २; १० (४), १०; ६. १, २१; ७, २; १०, १२; २४; १०. १०, ४; ३०; ११. १, ८; २, १०; ३, ११; ५, ४; ६, ४; १२. १, १; २; ५; २१; २२; ३७; ४१; ४४; ४५; ४८; ५२; ५३; ५६; ३, २०; ४, २३; १३. २, १७; १४. १, २; २, ७१; १५. १०, ६; १८. १, ५; २, २५; ३, २५; २७; २८; ३०–३५; ४६; ५१; १६. ६, १; १४; ५४; २; ५८, २; २०. १५, ५; ७६, ६; ७७, ७; १०६, २.

पृथिवी इति २०. ३४, १४.

पृथिवी-इव ६. ४, २.

पृथिवीः ४. २०, २; ६. २१, १; ८. ४, ११; १६. २७, ३; ३२, ४; ५३, ५.

पृथिवी-प्रः १३. २, ४४.

पृथिवीम् १. २, १; ४; ३. ८, १; ६, ६; २१, ७; ४. २, ७; ११; १; १५, १; ४; ५; ७; ८; ६; २७, ४; ३५, ३; ६. ८२, १; ६०, ३; ६१, २; ३; १२०, १; १२६, १; ७. ६, ३; ८. २, १५; ६. ३, १५; ५, १५; १०, २२; १०. ५, २५; ४५; ८, ११; ३६; ११. २, १०; ४, ५; १७; ५, १; ८; ६; १२. १, १; ७; ११[२]; १७; २७; २६; ४३; ५७; ३. २२; २३; २५; २६; २८; ४०; १३. १, २५;

३४; ४५; २, ५; ४५; ३, २२; १४. २, ६९; १५. १०, ९; १८. १, ३९; २, ७; ४९; ३, २६; ४९; ५२; ४, ५; ६; २८; ४८; १९. ३२, ९; ५८, ३२; २०. ११, ८; ३४, २; ७५, २.

पृथिवी-संशितः १०. ५, २५.

पृथिव्या ४. ३०, ८; ११. ३, ४१; १२. ३, २३; १८. १, १०; १९. १९, १.

पृथिव्याः १. २४, ४; २. ३, ५; ७, ३; ४. १, ४; १४, ३; ५. २, ७; १०, ८; १२, ४; १७, ११; ६. ४३, २; ८६, १; २; १००, ३; १०५, २; १२५, २; १३४, २; ७. ८, १; ९, १; २६, ८; ८. ४, ४; ९, १; ९. १, १; १०, १३; १४; १०. ५, २५; ११. २, २७; ५, ११; १२. १, ४; ८; १२; ३, ३५; ५, ७२; १३. १, १६; ३८; १४. १, ४७; २, ७०; १५. ७, १; १६. ४, ४; ७, ६; १८. २, २०; ५२; १९. ३, १; ३५, ४; २०. ३५, ९; ७६, ७; १०७, १०; १४३, ५; ९.

पृथिव्याम् १. ३, १–५; ३०, ३; ३२, १; ४. ८, ५; ३९, १२; ६. ८०, ३; ११६, १; ७. ६२, १; ९७, ८; ८. ७, १३; ९, २५; २६; ९. १, ३; २, १४; ३, १६; १७; ६(६), ७२; १०. ३, १९; ४, २२; ११. ५, १२; २६; ६, १२; १०, २; १२. १, १३; ३, २२; १३. २, ३०; १५. १३, २; १७. १, १२; १३; १८. २, ३६; ४, ४८; १९. २७, १३; ३२, ३; ४४, ३.

पृथिव्यौ १. ३२, ४; ५. ९, २; ६; ६. १०, १; २०, २; १२. १, २६.

पृथ्वी ८. १० (४), ११; २०. १४०, ५.

पृथु १३. २, २२; २०. ४७, १९; ७१, १३; १३९, १; १३४, ४; १३५, ६.

पृथुः ७. ११, १; १३. ४, ५२; २०. ६४, १.

पृथु-जघने २०. १२६, ८.

पृथु-उग्मन् ५. १, ५.

पृथु-ज्रयम् २०. १४३, १.

पृथु-बुध्नः १२. ३, १४.

पृथु-शिराः ५. १७, १३.

पृथु-स्तुके ७. ४६, १.

पृथुस्तो इति पृथु-स्तो २०. १२६, ८.

पृथूनि १९. ५८, ४.

पृदाकवः १०. ४, ११; १३; २०; २०. १२९, ९.

पृदाकवे १२. ३, ५७.

पृदाकुः ३. २७, ३.

पृदाकुम् १०. ४, १७.

पृदाकूः-इव ५. १८, ३; १५.

पृदाकोः ७. ५६, १.

पृदाकौ ६. २८, १.

पृदाकः १. २७, १.

पृदाकम् १०. ४, १७.

पृदाकाः १०. ४, ५.

पृशन्-युवः २०. १०९, २.

पृश्नयः ८. ७, १; २०. १०९, २.

पृश्नि १. ११, ४.

पृश्निः २. १, १; ६. ३१, १; १०. ५, २०; १९. ११, ३; २०. ४८, ४.

पृश्नि-पर्णि २. २५, ३.

पृश्नि-पर्णि २. २५, ४.

पृश्नि-पर्णी २. २५, १; २.

पृश्नि-बाहवः ४. १५, १२.

पृश्नि-बाहुः ८. ८, १७.

पृश्निम् ५. ११, १; २; ८; १७, १७; ७. १०४, १; ९. १०, २५.

पृश्नि-मातरः १३. ३, २३.

पृश्नि-मातरः ५. २१, ११; ८. ७, २१; १३. १, ३.

पृश्नि-मातॄन् ४. २७, २.

पृश्नि-हा १०. ४, १५.

पृश्नी ५. १३, ५.

पृषत् १. २३, २; ३.

पृषत्-आज्यम् १९. ६, १४.

पृषती १३. १, २१; २३.

पृषतीभिः २०. ६७, ४.

पृषतीम् १३. १, २४.

१; १०, ५; १३, २; २५,
५; ३२, ६; ३४, ३; ४;
३५, ३; ३. १, २; ४; २,
२; ५; ४, ५; ६, ७; ८[२];
११, १; ५; १२, ८; ९[२];
१४, ४; ५; १६, ३[२]; १८,
६; १९, ७; ८; २०, २;
३[४]; ९; २३, ६; २९, १;
३१, ९; ४. १, ३[२]; ७,
४; ८, २; ९, ५; १०, ६;
१२, ६[२]; १४, ५; ९; १५,
९; ११; १३; १६, ४;
२०, ९; २५, ३; ६; २७,
१; २८, ४; २९, १; २;
५; ६; ३०, ८; ३१, १;
३; ३२, ७; ३३, ३[२];
४[२]; ५; ३४, २; ३६, १;
३७, १०; ५. १, ४; २,
७; ६, ४; ११[२]; १२[२];
१३[२]; १४[२]; ७, ३; ११,
६; १७, २; २०, ६; ८;
११; २१, ४; ५; ६; ११;
२२, ४; ८; २८, ९; २९,
४; ३०, ९; ३१, १०; ६.
४, ३; १४, ३; २४, १;
२८, १; ३४, १; ३५, १;
३७, १; ८३, १; ३[२];
८८, ३; ९७, २; १०५,
१; २; ३; ११०, ३; ११३,
२; १२१, ३[२]; १२६, ३;
१२८, १; १३०, १; २;
३; १३१, १; २; १३४,
१; ७. २, १; ५, २; ५;
८, १; १८, १; २; २५,
२; २६, १; २; ३४, १;
३५, १; ४२, १; ४९, १;
५०, ३; ४; ५३, ५; ६४,
७; ७२, २; ८३, ५; ७;
७७, ३; ७८, २; ८१, २;
८३, ४; ८९, ३; ९७, ३;
११४, २[२]; ११५, १[२];
३; ८. १, ५; ७; १०;
११; २, १; १७; ३, ४;
८; ९; २४; ४, ३; १७;
१९; २२; ६, ८; १७; ८,
१०; १९; ९, १०; १०(३),
४; ६; ९. १, ६; ७; २,
४; ६; १२; १४; १७;
१८; ३, ६; २२; २३[२];
५, ३; ८; १६[२]; २३;
६(१), ३; ४; ६(५), १;
४; ६; ८; ९, १८; १०,
३; ४; १०. १, १५; ३०;
२, २५; २६; ३, १; २[२];
१५; १६; ४, ६; २५; ५,
२३; २४[२]; ५०[२]; ७, ८;
९[२]; २८; ४२; ८, ७; १९;
२३; ९, ३; ११; १०, ७;
१४; ११. १, १८; २२;
२५; ३, २६; २७; ३१;
३, ३२–४९; ४, ३; ४;
५; ६; १४; १६; १७;
२०; २२; ५, १५; ६,
२३; ८, ११; १९–२५;
२७; ३०; ३१; ९, १; १५;
२२; २४; १०, १८[२]; १२.
१, १८; ४१; २, ३; ४;
८; १०; १३; २६; २७;
३४; ३५; ३८; ४५; ३,
१५; १८; ३१; ३२; ३८;
४३; ४५; ४, ४७; ५, ५१;
५७; ६०; ६२[२]; ६७[२],
७३; १३. १, १; ३; २७;
२९[२]; ४३; ५९; २, ३१;
३२; ३७; ४६[२]; ३, १–
२५; १४. १, १३; १७–
२०; २४; ५८; २, १५;
१९; २१; २६; ५९–६२;
६७; ६९[४]; ७५; १५. १,
२; ३; ८; १०, ३; ४; ५;
१२, ५[३]; १६. १, ११[२];
४, ५; १७. १, २८; २९;
१८. १, ५; ७; २४; ५४[२];
६१; २, २; ३; ४; २८; ३१;
३९; ५३; ५४; ५८; ३, ८[२];
९; ३८; ४२; ४३; ६५; ७३;
४, १४; २९; ४०; ४८;
४९; ५१; ६०[२]; ६५; ७०;
१९. ६, ११; ७, ३; ८,
२[२]; १३, ७; १७, १–१०;
१९, १[२]–११[२]; २०, ४;
२४, ४; ३२, २; ३; ३४,
४; ३७, १; ४०, २; ४२,
३; ४६, ४; ४९, ९[२];
१०[२]; ५०, ४; ५६, १;
५७, ३; ६४, १; ७१, १;
२०. ५, १; ३; ६; ६,
३; ४; ११, २; ३; ४;
५; ९; १३, २; १४,
३; १५, १; १७, ४; १८,
४; २१, १; २२, ४; २५,
२; ७; ३०, १[२]; ३१, ४;
३२, १; ३३, २; ३५, १;
२; ९; १२; १३; १५;
३७, १; ३[२]; ४४, १; ५१,
१; २[२]; ३; ५६, १; ६१,
४; ६२, ३; ८; ६८,
८; ११; ७३, ३[२]; ७६,
२[२]; ५; ७[२]; ७८, ३;
८७, ३; ५[२]; ८९, १;
२; ८; ९१, ३; १२; ९२,

३७; ३८; ११. ४, १०; १९; १२. १, १६; १३. १, १९; १५. १४, २१; १५, ९; १६. ८, १; ५–३०; १९. ५३, ७; १०.

पजा-कामाय ७. १७, ३.

प्र-जातम् ९. ९, १८; १९. २६, १,

प-जाता १. ३४, १.

प्र-जातेन ६. ८९, १.

प्र-जानती १८. ३, ४.

प्रजानती इति प्र-जानती ८. ९, १२.

प्र-जानतीः १२. २, ४१.

प्र-जानन् २. २६, २; ३. १२, ४; २०, ८; ४. २३, २; ५. २६, २; ६. ११२, १; २; ७. ९, १; २; ८. ९, २२; ९. ५, १; ३; १२. २, ८; १४. १, ५९; २०. ८६, १.

प्र-जानन्तः २. ३४, ५; १३. ३, १७.

प्र-जानाम् ५. २४, १३; ९. १, ४; ६(४), १०[२]; १०. १, २१; १७. १, ३.

प्रजा-पतिः २. ३४, ४; ३. १५, ६; ४. ४, २; ११, ७; १५, ११; ३५, १; ५. २५, ५; ६. ११, २; ३; ६८, २; ६९, ३; ७. १७, ४; १९, १; २४, १; ८. १, १७; ५, १०; ९. १, २४[२]; ३, ११; ७, १; २४; १०, २४; १०. ७, ७; ८; ४१; ८, १३; १०, ३०; ११. ३, ५२; ५, १६[२]; ७, ३; ८, ३०; ९, २५; १२. १, ४३; ६१; १३. २, ३९; ३, ५; १४. २; १३; ४०; १५. १, २; ६, २५; ७, २; १४, २१; १७. १, १८; १९. ९, ६; १२; १७, ९; १९, ११; २०, २; ४६, १.

प्रजा-पतिम् १०. ७, १७; ११. ४, १२; ५, ७; ६, ११; १५. १, १; १९. १८, ९; ५३, १०.

प्रजापति-सृष्टः १०. ६, १९.

प्रजा-पते ५. २५, १३; ७. ८०, ३; ९. १, २४.

प्रजा-पते ३. २४, ७; ९. १, १०; २०; १०. ५, ४५.

प्रजा-पतेः ३. १०, १३; ४. ११, ११; ७. १२, १; ९. ६(३), १२; १०. ५, ७–१३; १४; १५. ६, २६; १६. ८, ११; १७. १, २७; १९. ५३, ८.

प्रजा-पतौ १०. ३, २४; ७, ४०; ११. ५, १५; १२. ४, ४७.

प्र-जाभिः १९. १९, ११.

प्र-जाभ्यः ४. १५, १०; ९. १, २४; १३. ४, ११; १९. १०, १०; २०, २.

प्र-जाम् १. ८, ३; २. ७, ४; २९, २; ३. १०, ३; ८; ४. ११, ९; १९, १; ३९, २; ४; ६; ८; ५. १८, १२; १९, ११; ६. ८१, १; ७. २०, २; ४६, १; ६८, १; ८२, २; ८. ५, १६; ९, १३; ९. ४, २२; ६(३), ४; १०. १, १९; ३१; २, २९; ६, ३५; ११. १, ९; १७; २, २१; १३. १, ३४; १४. १, ४२; २, १४; २४; ३१; ३७; ३९; ४०; ७१; ७४; १८. ३, १; ४, ६२; १९. ६३, १; २०. ६३, १; ९६, १५; १६; १२४, ४; १३८, २.

प्र-जायते ९. ३, २०.

प्रजायध्वम् २०. १२७, १२.

प्र-जायाः ९. ६(५), ३; ५; ७; १०.

प्र-जायाम् ६. ५५, २; १४. २, ६२.

प्र-जायै १. १८, १; ५. ३, ७; ८; २५, ८; ८. ६, २१; ९. ३, ११; १४. १, २१; ४७; १८. ३; ४१.

प्रजा-वत् ६. ९७, २; १२. ४, १; १४. २, ७३; २०. ३३, ३.

प्रजा-वति ९. ३, १३; १४.

प्रजा-वति १४. १, ५२.

प्रजा-वती ११. १, १४; १४. २, १८; ३२.

प्रजावती इति प्रजा-वती १०. १, २१.

प्रजा-वतीः ४. २१, १; ७; ७. ७५, १.

प्रजा-वतीम् १४. २, ७.

प्रजा-वन्तः ७. १४, ४; १९. २६, २.
प्रजा-वन्तम् ७. २१, १.
प्रजा-वान् ६. ६८, ३.
प्रजा-विन् ११. १, १५.
प्र-जासु ३. १५, ७.
प्र-ज्ञानाम् १३. २, २.
प्र-ज्ञानाय ११. ३, ५३.
प्र-ज्ञानीः १०. ७, ३४.
प्र-तर्कम् ४. १६, २; ५. १३, ८.
प्र-ततामह १८. ४, ७५.
प्र-तन्वतीः ८. ७, ४.
प्र-तरणः ६. १२५, १; १२. २, ४९.
प्र-तरणम् १९. ४४, १.
प्र-तरणी १४. २, २६.
प्र-तरम् ५. १, ४; ६. ५, २; ४१, ३; ८. २, २; ११. १, २१; १२. २, ३०; १८. १, १; २, ३१; ३, १०; १७; ६३; ४, ५४; २०. २१, ११; ८९, १.
प्र-तरीता १८. ४, ५८.
प्र-तानाः ६. १३९, १.
प्रति १. ७, ३; ८, २; २८, २[२]; २. ११, ३; १९, १; २; ३; ४; २०, १; २; ३; ४; २१, १; २; ३; ४; २२, १; २; ३; ४; २३, १; २; ३; ४; २४, ५[२]; ३. १, १; ३; ३, ५; ४, ३; ८, २; १०, ६; १३; १२, २; २९, ७; ८; ४. १२, ६; १४, ९; १८, ४; २०, १; ५; ५. ७, ६; ८, ५; १४, ३; १२; २८, ८; २९, ४; १४; १५; ३०, १३; ३१, १–९; ६. ३१, ३; ३२, १; ३६, २; ३७, ३; ११७, २; ११९, २; १२३, ५[२]; १२५, ३; ७. २९, १; २; ३४, १; ३५, १; ५३, १; ५८, १; ६९, १; ७३, ३; ७७, २; ८२, ५[४]; ८. ३, ६; १०; १९; २१; २३; ४, ७; ११; २५; ६, २६; ८, १०; ९, १९; ९. १, १; २, २; ३; ३, १५[२]; २४; ४, २४; ५, ३७; ६ (५), २; ५; ७; ८; ९; ८, १३; १०, २; ७; १०. १, १५; २७; २८; ६, ६; ७; ८; ९; १५; १७; २१; ३०; ३५; ८, ३६; १०, २; २५; २७; ११. १, ८; १४; १८; २, १८; १०, १६; १२. २, २९; ३, २३; ४४; १३. २, ४६, ३, १–२५; १४. १, ३९; २, १५; २५; ३१; १८. १, २८[४]; २, ७; ३७; ३, ४०; ४, ५; ५१; ५२; १९. ४, ४; २५, १; ३१, १३; ३७, २; ४२, ३; ४५, २; ४९, ८; ५७, ५; २०. १५, ४; १८, ६; ४८, ६; ५८, १; ६७, ५; ७१, १०; ९२, १७; ९३; २; १०५, ५; १०७, १५; १३५, ६[२]; ७[२]; १३५, ९.
प्रति २०. १३५, १०.
प्रति-अर्चम् ९. ६ (१), १; १०. ७, २४; २९; ३०; ११. ८, ३.
प्रति-अभिचरणः २. ११, २.
प्रति-अमुंचम् १०. ६, ३४.
प्रति-अर्पयित्वा १२. २, ५५.
प्रति-अष्ठीवन् ५. १९, ३.
प्रति-आतिष्ठन्ती ५. ५, ३.
प्रति-आदाय १०. १, २७.
प्रति-आश्रावयति ९. ६ (१), २.
प्रति-आहन्ति ८. १० (६), ३.
प्रति-आहन्ति ८. १० (६), ३.
प्रति-आहन्मि ८. १० (६), २.
प्रति-आहन्यात् ८. १० (६), १; २.
प्रति-आहन्यात् ८. १० (६), २.
प्रति-इत्य १९. ४९, ९.
प्रति-उद्वैतु ७. ३, १.
प्रति-एतु ३. १, २, २; १.
प्रति-कामम् १८. ३, ४६.
प्रति-कामाय २. ३६, ७.
प्रति-काम्यः २. ३६, ५; ६; ८.
प्रति-काम्यम् ६. ६०, ३.
प्रति-काशः ९. ८, ६.
प्रति-कूलम् ५. १४, १३; १०. १, ७.
प्रति-क्रोशे ४. ३६, ३.

प्रति-गृहीतः ६. ५, १२.
प्रति-गृह्णतः ६. ३, १६.
प्रति-गृह्णन्तम् ३. २१, ४.
प्रति-गृह्णन्ति ६. ३, ६.
प्रति-गृह्य २. २६, ८.
प्रति-ग्रहीता ३. ३६, ७; ४. ११, ५.
प्रति-घ्नाना ११. ६, ७.
प्रति-घ्नानाः ११. ६, १४.
प्रति-चक्षणे १. १८, ३.
प्रति-चाकशान् ६. २६, ३[२].
प्रति-च्यवीयसी २०. १२६, ६.
प्रति-जग्रह ६. ७१, १.
प्रति-जनाः ३. ३, ५.
प्रति-दहन् ३. १, १; २, १.
प्रति-दीव्ने ७. १०६, ४.
प्रति-दीव्यति ७. १०६, ४.
प्रति-धयः १४. १, ८.
प्रति-धाम् ८. ८, २०; ११. १०, १६.
प्रति-धुक् ६. ४, ४.
प्रति-नन्दनम् ७. ३८, १.
प्रति-नन्दन्ति ३. १०, २.
प्रति-नुदन् ५. ३, २.
प्रति-पणः ३. १५, ४.
प्रति-पश्यति ६. ६(१), ३.
प्रति-पश्यथ ७. १३, २.
प्रति-पानाय १६. ५२, ३.
प्रति-पूर्हिरमः १०. १, ५.
प्रति-प्राशः २. २७, १; २; ३; ४; ५; ६.
प्रति-बुद्धाः ४. ३७, ३, ४; ५.
प्रति-बुध्यमाना: १२. १, ६३.
प्रति-बोधः ८. १, १३.
प्रति-बोधेन ८. ६, १५; १६. ३५, ३.
प्रति-भृतस्य २०. ३२, २.
प्रति-मा ८. ६, ६; ६. ४, २.
प्रति-मानम् ५. २, ७; २०. ३४, ६; १०७, १०.
प्रति-माम् ३. १०, ३.
प्रति-मिताम् ६. ३, १.
प्रति-मृशात् ८. ६, १८.
प्रति-मोहयन्ती ३. २, ५.
प्र-तिरन्तः १८. २, २६.
प्र-तिरन्ती १४. २, ३६.
प्रति-वर्तः ८. ५, ४; १६.
प्रति-वर्त्म १०. १, ६.
प्रति-वेशाः ३. १५, ८; १६. ५५, १; २.
प्रति-शत्रवः ४. २२, ६.
प्रति-शिर्दन्ति २०. ७६, ५.
प्रति-शीवरि १२. १, ३४.
प्रति-शृणोति ६. ६ (६), २.
प्र-तिष्ठन्तीम् १०. ७, २१.
प्रति-सरः २. ११, २; ८. ५, १; ४.
प्रति-सरेण ४. ४०, १–८.
प्रति-सरैः ८. ५, ५; ६.
प्रति-स्थया ११. ३, ४६.
प्रति-स्था १२. १, ६; १६. ६०, १.
प्रति-स्थाः १२. ३, २५.
प्रति-स्थाम् ६. ३२, ३; ८. ८, ३१; ६. ६(४), १०; १०. २, १; १८. ४, ५; १६. ११, ६.
प्रति-स्थाय ११. ३, ४६.
प्रति-स्थायाः १६. १७, ६.
प्रति-स्थायाम् ५. २४, १–१७.
प्रति-स्थितः ११. ४, १८; १६. ५२, ३.
प्रति-स्थितम् १०. ७, १; ३०; ८, ६; ११. ४, १; १५; १७. १, १६[१]; १६. ५३, ६.
प्रति-स्थिता १२. ५, ३.
प्रति-स्थिताः १०. ७, २२; १६. ५४, ४.
प्रति-स्थे इति प्रति-स्थे ४. २६, १; २.
प्रति-स्पाशनम् ८. ५, ११.
प्रति-हरणेन ५. १४, ८.
प्रति-हारः ११. ७, १२.
प्रति-हिताभिः १६. १३, ४.
प्रति-हिताम् ११. २, १.
प्रति-हितायै ६. ६०, ३.
प्रतीचः ३. १, ४; ५. ८, ७; ६. ३२, ३; ७. १०८, २.
प्रतीचः ८. ३, ६.
प्रतीचिका १६. २०, ४.
प्रतीची ३. २७, ३; ७. ३८, ३[२]; ४६, ३; १०८, १; १२. ३, ६.
प्रतीचीः १. २८, २; ८. ५, ५; ४; १०. १, ६.
प्रतीचीनः ६. ३, २२; १०. १, ६.
प्रतीचीनः ४. ३२, ६.
प्रतीचीन-फलः ४. १६, ७; ७. ६४, १.
प्रतीचीनाय ११. ३, ५; ४, ८.

प्राह्लादिः ८. १०(४), २.
प्रिय-अप्रियाणि १०. २, ९.
प्रियः २. ३६, ४; ४. २२, ४²; ३७, ११; ६. ५८, १; १३०, २; ८. १०(१), ५; ९. १, ११; १८; १३; ६(४), १०; १५. ११, ७; १५, ८; १७. १, २-५; १८. ३, ७; ५३; १९. ४५, २; २०. ४८, २; ६४, १.
प्रियतमो-इव ५. १८, ६.
प्रिय-तमः ५. ३०, १७.
प्रिय-तमम् ५. २८, ६.
प्रिय-तमा १४. २, ५०.
प्रियतमे इति प्रिय-तमे ७. ९, १.
प्रिय-धामा १७. १, १०.
प्रियम् २. २८, ५; ३४, २; ३. ५, ३; ४. ३१, ५; ६. ३७, २; ७. १४, १; २६, २; ३२, १; ९. २, २; ११. ४, १०; १२. १, ७; २, ३४² ३, ३२; ४९; ४, ४०²; १४. १, २१; १५. २, ४; १२; १८; २४; ६, ३; ६; ९; १२; १५; १८; २१; २३; २६; ८, ३; ९, ३; ११, २; ६²; ७; १९. ३२, ८; ६२, १²; २०. ३२, १; १२६, ४; १२; १३.
प्रिय-मेधासः २०. ९२, ५.
प्रिय-मेधासः २०. १०, २; ५९, २; ९२, १५.
प्रिय-यमाणाः १९. २७, १०.
प्रिय-वते ४. १८, ४.
प्रिय-वादिनी ३. २५, ४.

प्रियस्य १५. ११, ७.
प्रियाः १०. ८, २५; ११. ४, ९; १०, ५; १५; १२. ३. १; २०. १२६, ५.
प्रियाः ७. ६१, १; ९. ५, ३० ६(२), ६; १४. २, ५; २०. ८, ३; ६७, ४; १०९, २.
प्रियाणाम् १२. ३, ४९.
प्रियाणि १३. १, ११.
प्रियान् १८. ४, ६१.
प्रियाम् ४. १८, ४; १८. ३, ४१.
प्रियासः २०. ३४, १८; ३७, ७; ८.
प्रियासम् ३. ५, ४.
प्रिये १२. १, ५२.
प्रियेषु १८. ३, ४५.
प्रीताः १०. ९, ४.
प्रुष्णुते २०. ७३, ५.
प्रुष्वा १८. ३, ६०.
प्रेण्यः ६. ८९, १.
प्रेप्सन्ती इति प्र-ईप्सन्ती १०. ७, ६.
प्रेयसी ११. ४, ९.
प्रैणानः ५. २७, ३.
प्रो इति ७. ११४, २; २०. ९५, २.
प्रोष्ठ-पदा १९. ७, ५.
प्रोष्ठे-शयाः ४. ५, ३.
प्लवात् ५. ५, ५.
प्लवन्ताम् ३. ६, ७; ९. २, १२.
प्लवन्ते २०. १२९, १.
प्लवम् १२. २, ४८.
प्लवस्व ४. १५, १४.
प्लाशयः ९. ७, १२.

प्लाशिः १०. ९, १७.
प्लाशेः २. ३३, ४; २०. ९६, २०.
प्लीहानम् ३. २५, ३.
प्लीह्नः २. ३३, ३; २०. ९६, १९.
प्सातः १०. ३, १४.
प्सातु १०. ५, ४३.
प्साहि १०. ३, १४.

फ

फट् ४. १८, ३.
फल् २०. १३५, १.
फलम् ६. १२४, २.
फल-वतीम् ७. ५०, ९; १९. ३१, ३.
फलस्य २०. १३६, ९.
फलि-गम् २०. ८८, ५.
फलित्यभिष्ठितः २०. १३५, १.
फलिनम् ३. १५, ४;
फलिनीः ८. ७, २७.
फली-करणाः ११. ३, ६.
फल्गुनीषु १४. १, १३.
फल्गुन्यौ १९. ७, ३.
फालम् १०. ६, ६; ७; ८; ९; १०.
फालात् १०. ६, २.
फालेन १०. ६, ३३.
फेनम् १२. ३, २९.
फेनम्-इव १. ८, १.
फेनान् ६. ११३, २.
फेनेन २०. २९, ३.

ब

बजः ८. ६, ६; ७; २४.
बजम् ८. ६, ३.
बट् १९. २, २९[२]; २०. ५८, ३[२]; ४.
बण्ड्या १२. ४, ३.
बण्डेन ७. ६५, ३.
बत १८. १, १५.
बतः १८. १, १५.
बद्बु २०. १२९, १५.
बद्बे २०. १२९, १६.
बद्धः २. १२, २; ३५, ३; ६. १११, १, २०. १३५, १३.
बद्धकम् ६. १२१, ३.
बद्धक-मोचनम् ६. १२१, ३.
बद्धम् ७. १२, ४; ४२, २.
बद्धा ५. ३०, १६.
बद्धानाम् ६. ८४, १.
बद्धानि १३. ४, ४५.
बद्धा ८. ८, १०; १०. ६, १८.
बद्धा-इव ७. ३८, ५.
बधान १०. ५, ४४.
बधिरः ११. ३, ३३.
बधिराः ११. ९, २२.
बध्नन्ति ३. ९, ३.
बध्नन्तु ८. ५, १०.
बध्नात् ६. ८१, ३; १९. ४६, १.
बध्नातु ८. ५, २२.
बध्नामि ११. ४, २६.
बध्नामि १. ३५, १; ३. ५, ८; ४. १०, ७; ५. ३०, १; १९. २८, १; ३२, १; ३३, ४; ४६, १.
बध्नीमः ४. ३८, ७.
बध्यताम् १. १४, २; २९, ४; १२. ४, ३७.
बध्यते ९. ६(१), ६; १८. ४, ७०.
बध्यते ८. ५, १; १४. १, २६; १९. ३१, १४; ४५, ४.
बध्यन्ताम् ३. १७, ६.
बध्यमानम् २. ३४, ३.
बध्यसे ६, १२१, २[२].
बध्यासम् ७. ५०, १.
बध्वै १३. ४, ४५.
बन्धः १०. ५, ४४; १९. ५६, २.
बन्धनम् ६. १४, २.
बन्धनात् ३. ६, ७; ९. २, १२; १४. १, १७.
बन्ध-पाशान् ६. ६३, २; ८४, ३.
बन्धम्-इव ५. १४, १०.
बन्धात् ६. १२१, ४.
बन्धु ५. १३, ७; २२, ८; १०. १, ३.
बन्धुः २. १, ३; ४. १, ३; ५. ११, १०; ११; ९. १०, १२; १०. १०, २३.
बन्धुना १९. ५६, ५.
बन्धुरः ३. ९, ३.
बन्धुरम् १०. ४, २.
बन्धुरा ३. ९, ४.
बन्धस्य १९. ४५, ५.
बन्धेषु १४. १, २६.
बबर्ह ९. ३, ३.
बबाधे २०. १३६, १२.
बबाधे ९. २, १८.
बबाधे २०. १६, ६.
बभस्ति ९. २, २.
बभस्ति ६. ४९, १; २.
बभस्त ९. ९, ८.
बभूथ ११. २, ७८; २०. ६४, २.
बभूथ १८. ३, ७.
बभूव २. ३३, ४; ३. २२, ६; २३, ६; ४. २, २; १५, १०; ३५, ५; ६; ६. १३३, ४; ७. २०, ५; ८. ७, २; ९. ४, २; १०. २, ३; १२. ३, ३१; १३. १, २५; २, ४४; ३, ७; १९. ४६, ४; २०. ३४, ९; ७७, ५.
बभूव ३. २८, १; ४. ८, १; १०, ७; ३०, ८; ५. ५, ७; २८, ६; ७. ५, २[२]; २०, ६; ८. ७, १२; ९. १०, २४; १०. ७, ८; ८, ७; ३०; ३६; १२. ३, १०; ५०; ५१; १३. २, २५; १९. ३२, १०.
बभूवथुः ४. २५, १; १९. ५८, ३.
बभूवांस १०. २, २८.
बभूविथ १. ७, १; ३. २३, १; २०. १०८, २.
बभूविथ ९. ५, ६; १२. १, १८; १९. ५६, १; २.
बभूविम ३. २०, ८.
बभ्रुः ९. २, २२; १०. ८, ९.
बभ्रुपर्णी ९. १०, २१; १३. १, ४२.
बभ्रवः ८. ७, १.
बभ्रवे ६. २०, ३; ५६, २; ७. १०९, १.

वाह्न इति ४. २, ५; ६. ६५, १; ६६, २; ३; ७. ७०, ४; ५; ६. ४, ८; ७, ७; १०. २, ५; ६, १६; १६. ६, ५; ६; १२, १; १५, ४,
वाह्नन् ३. १६, २; ६. ६५, २; ८. ३, ६; ११. १०, १६;
वाहौ २. २७, ३.
बाह्यम् २. ३०, ४[२].
वाह्योः १६. ४४, ६.
बाह्वोः ८. ५६, ६; १६. ६०, १; २०, ६७, ६; ६३, ७.
बिन्दुः ६. १, २१; १०. १०, १६; १६. ३०, ५.
बिन्दून् १२. ३, २६.
बिभरत् १. ३५, ३.
बिभर्ति १. ३५, २; ४. ६, ५; ८. ५, १२; १३; ६. ६, ४; ११. ७, १५; १२. १, २; ४; १६. ५३, ६.
बिभर्ति १६. २६, १; २.
बिभर्ति ६. २, १५; ४, ३; ७; ११. ५, ३; २४; १८. ४, ३५[२].
बिभर्तु १३. १, १.
बिभर्मि ४. ३०, १; ६; १०. ३, १२; २०. ६४, ६.
बिभर्षि ४. ३१, ६; ७. ४३, १; ५६, ६; ६. ४, ६; ११. २, १२; १२. १, १५; १६. ४६, ८; २०. ६३, ७.
बिभाग्र ५. ११, ४; १०. ८, [illegible]; १४. २, ५०.
बिभिद्रुः २०. ७७, ६.
बिभिद्रुः १०. ३, २०.
बिभीत ७. ६०, १.
बिभीतः २. १५, १–६.
बिभीतन ७. ६०, ४; ६; १८. ३, ६४.
बिभृथः ४. २६, ४[२]; ५.
बिभृमः २. ४, १.
बिभृहि १८. ४, ५६.
बिभेः २. १५, १–६; ५. ३०, ८; ८. २, २३; २४.
बिभेद २. ५, ३; २०. ७, २; ११, १०.
बिभेद १०. ४, ५; २०. १६, ४; १०७, ३.
बिभ्यतः ५. २१, २.
बिभ्यताम् ८. ८, २०.
बिभ्यती: ५. २१, ५.
बिभ्रत् ५. २८, १०; ७. ६०, १; ८. ५, १४; ६. ४, १; ६, १०; १०. ६, १०; १३; १२. २, ४६[a]; १६. ३१, ४; ३३, ५; १२८, १६.
बिभ्रतः १. १, १; ४. १४, २; ७. ३२, १; ८. ६, १४; १०. ६, १६; २०. ६१, १०.
बिभ्रतम् १४. २, ३०; १६. ३२, ६.
बिभ्रति ८. ६, ११; १३; १२. १, २३.
बिभ्रति ३. १३, ५; ११. ५, २२; १२. १, १६.
बिभ्रती १. २७, २; ४. ३८, ४; ६. ३, १६; ६, १७; १०. १०, १४; १५; १२. १, ६; ४४; ४५; ४८; १३. १, ४१; १४. २, १४.
बिभ्रती: ३. १४, ३; १०. ६, १४.
बिभ्रतीम् १२. १, २६.
बिलम् ७. ३५, २; ६. ८, ११; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १६. ६८, १. २०. १२७, १०.
बिले १२. ३, १३.
बिल्वः २०. १३६, १५.
बिष्कले १. ११, ३.
बिसम् ५. १७, १६.
बीजम् ३. १७, २; १०. ६, ३३; १४. २, १४; ३८.
बीजानि ३. २३, ४.
बीभत्सुः ६. ६, ८.
बीभत्सौ ११. ८, २८.
बुद्बुद-याशवः २०. १३७, १.
बुध्ने २. १४, ४; १२. ३, १०.
बुध्न्यः १६. ११, ३.
बुध्न्याः ४. १, १; ५. ६, १.
बुध्न्यात् ४. १, ५.
बुध्यते ६. १, २४.
बुध्यमाना १४. २, ३१; ७५.
बुध्यमानौ १४. २, ४३.
बुध्यस्व ६. १, २४; १४. २, ७५.
बुध्येम १६. ६७, ३.
बृहत् ३. ८, १; २२, १; ४; ४. २१, ६; ३४, १; ६. १, १; २२, १; ५५, ३; ८. ५, १६; ८, ६; ७; ६, ४; १०(२), ६; ६; ११. ३, १६; ५, १२; ८, २०; १२. १, १; १३. ३, ११;

बोधिषे ६. ६१, ३; ८४, ४.
बोधं २०. ११७, ३.
बोधि १९. ४९, ५.
बोधः ८. १, १३.
बोधतम् २०. १३९, ३; १४०, ४.
बोधतु ७. ४८, १.
बोधन्तु ८. ७, १९; २०. ७४, ४.
बोध-प्रतीबोधौ ५. ३०, १०.
बोधय १०. १, १७; १९. ६३, १; २०. ८९, २; १४२, २.
बोधि ४. ३२, ६; २०. ७२, ३; ९४, ९; ९५, २.
बोभुवती ५. ७, ८.
ब्रध्नः ७. २२, २.
ब्रध्नम् १९. ४९, ४; २०. २६, ४; ४७, १०; ६९, ९.
ब्रध्न-लोकः ११. ३, ५१.
ब्रध्नस्य १०. १०, ३१; ११. ३, ५०; ५१; १३. १, १६; २०. ९२, ४.
ब्रध्नान् १९. २७, ४.
ब्रवः ७. ३, १; ५, ५; १८. १, ७.
ब्रवत् १. १६, १; ६. ५, ३; ८७, ३; १४१, १.
ब्रवाथ ७. ५६, ७.
ब्रवावहै २०. ४५, ३.
ब्रवीतु १. ७, ४.
ब्रवीतु ९. ९, ५; १२. १, ५९.
ब्रवीमि १३. २, ४४; ४५.
ब्रवीमि ५. ११, ६; ८. १, १०; १२. २, २१.
ब्रवीषि ५. ११, ७.
ब्रह्म १. १०, ४; १९, ४; ३२, १; २. १२, ६; १५, ४; ३. १९, १; २०, ५; ३०, ४; ४. १, १; ३; ११, ११; ३४, १; ३५, २; ४०, ८; ५. २, ८; ६, १; ८, ६; ७. १००, १; ८. २, १०; २५; १० (४), १५; १६; ९. २, १६; ६(१), १; ७, ९; १०, १९; १०. २, २१[४]; २३[४]; २५[२]; २९; ३३; ५, ४०; ७, १०; ११; १७; १९; २४; १०, ३३; ११. ३, १; ५, ५; ७; १०; २२; २३; २४[२]; ७, ४; ८; २; २३; ३०; ३२; १०, १७; १२. १, १; ५, ४; ८, १३. १, ३३; ३, १३; ४, २२; १४. १, ५४; ६४[४]; १५. १, ३; ३, ७; ६, ८; १०, ३; ४; ५; ७; ८; ९; १४, २३; १६. ८, १; ५–३०; १८. १, ३७; ३, ३९; १९. ९, १२; १०, ७; ११, ४; १९, ८; २२, २१; २३, ३०; ४०, २; ४२, १[२]; २[२]; ४३, ८; ५३, ८; ९; ५४, १; २०. ८, १; ९, ३; २३, ३; ३४, १५; ४९, ६; ८५, ३; ९२, ६; १०७, ११; ११७, ३; ११९, १.
ब्रह्म-आहुतौ १३. १, ४९.
ब्रह्म-इद्धौ १३. १, ४९; ५०; ५१.
ब्रह्म-ओदनः ११. १, २०.
ब्रह्म-ओदनम् ४. ३५, ७; ११. १, १; ३७.
ब्रह्म-ओदनस्य ११. १. ५१.
ब्रह्म-ओदनाय ११. १, १.
ब्रह्म-ओदने ११. १, २६.
ब्रह्म-किल्बिषे ५. १७, १.
ब्रह्म-गवी ५. १९, ४; १२. ५, १२; १५; २७; ३८; ४१; ४४.
ब्रह्म-गवीम् १२. ५, ५; ११.
ब्रह्म-चर्यम् ७. १०९, ७.
ब्रह्म-चर्येण ११. ५, १७[१]; १८[२]; १९[२];
ब्रह्म-चारिणः ११. ५, २०; २१.
ब्रह्म-चारिणम् ११. ५, ३; ३; १७.
ब्रह्म-चारिणि ११. ५, २२.
ब्रह्मचारि-भिः ६. १०८, २; १९. १९, ८.
ब्रह्म-चारी ५. १७, ५; ६. १३३, ३; ११. ५, १; ४–१३; १५; १६[२]; २४; २६.
ब्रह्म-जाया ५. १७, ३; ४; ७; १२; १३; १४; १५; १६; १७.
ब्रह्म-जायाम् ५. १७, २; १०; ११.
ब्रह्म-जुष्टम् २. ३६, २.
ब्रह्म-जूतः २०. ११, १; ३७, ११.
ब्रह्म-जूताम् ६. १०८, २.
ब्रह्म-ज्य ५. १९, १२; १३; १४.

ब्रह्म-ज्यम् ५. १६, १५; १२. ५, १५; ३८; ४१; ४२; ६३.

ब्रह्म-ज्यस्य ५. १६, ७; १२. ५, १६; २७; ४४; ६०; ६५; १३. ३, १–२५.

ब्रह्म-ज्येयम् १२. ४, ११.

ब्रह्म-ज्येष्ठा १६. २२. २१; २३, ३०.

ब्रह्मणः ३. १६, १; ४. १, ३; ५. ६, ६; ६. ४, १; ५, ३; ७४, १; ८७, ३; ७. ३०, १; ८. ६, ७; १०. २, २८; २६; २०; १०, १६; ११. ५, ५; ६, ४; ६, २५; १२. २, ६; ५, ५४; १३. १, ५१; ३, ७; १४. १, ३१; १५. ६, ६; १६. ३०, ३; ४२, १[२]; ७२, १; २०. ६१, ७; १२८, ६; ७.

ब्रह्मणः २०. ३४, ६.

ब्रह्मणः १. २६, १; ४. ४, ६; ६. ६, १; ४५, ३; १०१, २; १४०, १; ७. ५६, ४; ८. ६, १५; १६. ८, ६; २४, १; ६३, १.

ब्रह्मणा १, ८, ४; ६, २; १०, १; १४, ४; ३३, ४; २. २, १; १०, १–८; १२, ७; ३२; ३; ३. ६, ८; २५, ३; १६, ३; ४. २७, ११; ५. २, ५; २०, १०; २३, १०; २६, १२[२]; ६. ११३, १; ३; १३३, ३; ७. १, १; ७८, २; ६७, २; ८. ८, १६; ६. ३, ८; १६; १०. १, १२; १४; २, २५; ५, १५–२१; ४२; ६, ३०; ३५; ८, १६; १०, ४; ६; ११. १, १८; ३, १५; ३, ३५; ४, २४; ८, ३०; १०, ६; १२. १, २६; २, ३२; ३, २२; ५, १; १३. १, ६; ३३; ४८; ४६; १४. २, १२; ३५; १५. १४, २४; १७. १, १२; १४; २७; २८; १८. ४, ८; ५२; १६. ६, ५; २२, २१; २३, ३०; २७, १; ४२, १; २; ५४, ५; २०. ८६, १; ६६, ११; १२; १०७, ८.

ब्रह्मणां १०. १०, २५.

ब्रह्मणाम् ५. १८, ७; ६. १२२, ५; १०. ६, २७; ११, १, २५; २७.

ब्रह्मणि ५. २४, १–१७.

ब्रह्मणे १०. ७, ३२; ३३; ३५; ३६; ८, १.

ब्रह्मणे ३. २८, २; ४. ३५, १; २; ६. ५, ७; ६; १०; ११; १२; १४. ३, ४१; ४२; १६. २२, २०; २३, २६; ४३, ८.

ब्रह्मण्-वति ८. १०(४), १३.

ब्रह्मण्-वतीम् ६. १०८, २.

ब्रह्म-तेजाः १७. ५, ३१.

ब्रह्म-द्विषः २०. २२, २; ६३, १; ६६, ४.

ब्रह्म-द्विषम् २. १२, ६.

ब्रह्म-द्विषे ४. ३०, ५; ८. ४, २; २०. ३६, ८.

ब्रह्म-नुत्तम् १०. १, १३.

ब्रह्म-पूताः १२. १, ३६; ४३.

ब्रह्म-प्रियम् २०. २५, २.

ब्रह्म-भागम् १७. २, ४२.

ब्रह्म-भिः १०. १०, २३; २०. १२०, २.

ब्रह्म-भिः ६. १२, २; १०. १, ३.

ब्रह्म-भ्यः १२. २, ३४; ४, १; १०; ३०; ३३; ३४; ४०; ४७; १४. १, १५.

ब्रह्म-युजा २०. ३, २; ३८, २; ४७, ८; ८६, १.

ब्रह्म-योगैः १०. ५, १.

ब्रह्म-राजन्याभ्याम् १६. ३३, ८.

ब्रह्म-लोकम् १६. ७१, १.

ब्रह्म-वर्चसम् १६. ७१, १.

ब्रह्म-वर्चसी ८. १०(४), १६; १५. १०, ८.

ब्रह्म-वादिनः ११. ३, २६; १५. १, ८.

ब्रह्म-वाहः २०. २३, १.

ब्रह्म-विदः १०. २, ३३; ७, २४; २७; ८, ४३; १६. ४३, १–८.

ब्रह्म-वृद्धौ १३. १, ४६.

ब्रह्म-शुम्भितः ४. २४, ४.

ब्रह्म-संशितम् १६. ६, ४.

ब्रह्म-संशिता १६. ६, ३.

ब्रह्म-संशिताः ११. १०, १०.

ब्रह्म-संशिते ३. २६, ८.

भ

भक्षयन्तः २. ३५, १.
भक्षयन्ति ७. ८१, ६; १८. ४, ३.
भक्षि ३. १६, २.
भक्षीमहि १९. ८, ५; २०. ८७, ६.
भग ३. १६, ३[१].
भग ३. १६, ५[१].
भगः १. २६, २; २. ३६, ७; ३. १२, ४; १६, ५; २०, ३; ४. २१, ५; ५. २६, ९; ६. ४, २; ५३, १; ७४, १; ८२, २; १०३, १; १११, ४; १२९, ३; ७. ५०, २; ८. १, २; १२. १, २५; ४०; १४. १, २०; ५०; ५१; ५३; ५४; ५९; ६०[२]; २, १३; ५५; १९. १०, २; ४५, ९.
भगः-इव ६. २१, २; २०. १६, २.
भगम् १. १४, १; ४; २. ३६, २; ३. १६, १; २[२]; ६; ४. ३०, ६; ५. ७, ४; ११. ६, २; १२; १, ५; १४. १, ३१; १८. १, २३; १९. ७, ५; २०. ८९, ३; ११८, १.
भग-त्तः १९. ३४, ८.
भग-वती ७. ७३, ११; ९. १०, २०.
भगवती इति भग-वती २. ८, १; ६. १२१, ३.
भगवत्-तमः २. ९, २.
भगवत्-तरः ४. ११, ६.
भगवत्-भ्यः ५. ३१, ११.
भग-वन्तः ३. १६, ४; ५; ७. ७३, ११; ९. १०, २०.
भग-वान् ३. १६, ५; ४. १३, ६.
भगस्य २. २९, १; ३६, ४; ५; ६. ७४, २; १०२, ३; ९. ४, १२; १४. २, १५; २१; १९. ४, ३; ४९, १.
भगाय ७. १५, १.
भगासः २. १०, २.
भगिनम् ६. १२९, १; २; ३; ७. १२, ३.
भगेन २. ३०, ५; ३६, १; ३. २२, ६; ६. १२९, १; २; १४. १, ३४; १९. ४५, १.
भङ्गः ११. ६, १५.
भङ्गुर-वतः ७. ७१, १; ८. ३, २२; २३; ४, ७.
भङ्ग्धि ३. ६, ३; ८. ३, ६; १०. ३, १३.
भज ३. ४, २; ४; ४. २२, २[२]; १४. १, २५.
भजत ६. ५५, २.
भजध्वम् १२. ३, ४.
भजन्त १८. १, ४५.
भजन्तु १९. ८, २.
भजस्व ४. ३१, २.
भजात् १९. ५०, ७.
भजाम १६. ७, ६.
भजामः १०. ५, २५-३५; १६. ८, २; ५-२९; ३१.
भजामहे ६. ६६, ३; ७. ९०, २.
भजामि ११. १, ५.
भजासि १९. २४, ६.
भजेमहि २०. १३६, ९.
भजन्ताम् ८. ८, ३; ४.
भञ्जती १०. १, १५.
भञ्जन् ११. ९, ५.
भत्स्यामि ३. ९, ५.
भंदते २०. १३१, १.
भद्र-अहम् ६. १२८, १; २; ३; ४.
भद्रः १४. १, ३८; १९. ५७, ३; २०. १३६, १३; १५.
भद्रः २०. १३६, १५.
भद्र-कृत् २०. २९, १.
भद्रतः १८. ४, ५०.
भद्र-पापस्य १२. १, ४८.
भद्र-पापाः १२. १, ४७.
भद्रम् ४. १८, ६; २१, १; ६; ५. ३१, ११; ७. १८, २; ७८, २; ८. ४, ९; ९. ४, १; १७; १४. १, ७; १६. २, ४; १८. २, १३; ५२; ३, १४; २४; १९. ७, २; ४१, १; ४४, ३; २०. २०, ६; ५७, ९; १०७, १५; १२६, २३; १२७, १०.
भद्रया ३. ३०, ३; ४. १३, २; ९. ४, ११; १२. १, ५२; ६३; १३. ४, ४३; १८. २, ५२; २०. ७६, ८.
भद्र-वाचः ४. ३१, ६.
भद्र-श्रुतौ १६. २, ४.
भद्रस्य ६. २६, १.
भद्रस्य २०. १२८, ३.
भद्रा १. १८, १; ३. ११, ७; ७. २०, ५; ८२, १; १०. १०, १५; १२. २, २२; १८. १, २०; १९. ४९,

५; १११, २; १४१, १, ७. ६८, ३; ८. ३, ३६; ६. ३, ६; २४; १०. १, २६; ११. २, ३; ५;२५; १०, ६: १२. १, ३३;५, ५८; ५६[२]; १४. २,२७[१]; ३२; ४०; १७. १, १०; १८. २, १६; ३, ५०; १९. ४, ३; २५, १; ६४ ४; २०. १६, ६: ५६, ५; ८३, २.

भवः ८. ८, १७; ११. २, ८[१]; २७[१]; १५. ५, २[१]; ५: ७; ६; ११; १३; १५.

भवत् १०. ८, २२; १४. २, २४.

भवत ५. १२, ५; ७. ६०, ७; १२. २, २०; ३, २६.

भवतः १८. १, २६.

भवतम् ४. २६, २; ३; ४; ५; ६.

भवतम् १८. ३, ३६.

भवताम् ८. २०, १.

भवताम् १९. १०, १.

भवति २. १, १; ५. १८, ८; ६. १, ११; १२; १३; २, २५; ५, ३१; ३२; ३३; ३४; ३५; ३६.

भवति २०. १२८, ३.

भवति ३. २२, ४; ५. १७, ५; १८, १३; ६. ११, २; ८. ५, १२; १० (१), ३; ५: ७; ६; ११; १३; १० (४), ४; ८; ११; १६; १० (५), ४; ८; १२; १६; ६. १, २२; ३३[२]; २४; ५, २४: ३२

२८; ६(४), १०; ६(५), ३; ५: ७; १०; १०. ८, ११; ११. ३, ११; ३, ३२–४६; ५१, ५४, ५; १२. २, ३७; ४, ४०; ५, ४५; १३. ३, १३[२]; १४. १, २६; २७; १५. २, ४; १२; १८; २४; ६, ३; ६; ६; १२; १५; १८; २१; २३; २६; ८, ३; ६, ३; १०, ८; १०; ११, ७; ६; ११; १२, ६; १०; १३; १४; १६. २६, १; २; २०. ६६, ४.

भवतु ६. ८, १०.

भवतु १. २०, १; २. १३, ४; ३. १४, ५: १५, ५; ३०, २; ४. ३, ६; १२, ३; १५, १६; ६. ६१, २; ७. ६१, १; ६. ८, १०; १०. ६, २; १४. १, ४०; १८. ३, ६०; १९. ६, ६; १०, ३; ७; ६; १०; ११, ३; २०. १२५, ६; १४३, ८.

भवत्-वसुः १३. ४, ५४.

भवथ १. ८, ४.

भवथ १. ४, ४; १९. २, ५.

भवथः २०. १४१, २.

भवन् २०. १३०, १६.

भवन् ३. २६, २; ६. ६ (५), ६; १८. ४, ५१; २०. २६, ५; ७७, ७.

भवन्तः ६. ६२, ३; १२. २, ११; २८.

भवन्ति १. ३३, ३; ५. २, ३; १२. २. २५; २०. १०७, ६.

भवन्ति ५. २७, १; ६. ५, २५; २६[२]; १०, १७; ११. ५, १; ८; १३. ४, १३; २१; १५. ३, ११.

भवन्ती ६. १०, ७.

भवन्तीः ३. १४, ३.

भवन्तु १. ६, १; ६, २; ४; ३३, १–४; २. ३, ६; १०, ३; ३. ४, ३: १६, ३, ४. १५, १६; २७, ३; ३५, ७; ५. ३, १०; ११, ६; २२, १; ६. २३, ३; ७. ६६, १; ६. २, ७; १२. १, ३१: २, २१; ३, ३१, १४. १, ४०; २, ६; १८. ३, ६१; ४, ३३; ४८; १६. ६, ६; १३; १०, ५; ७–१०; ११, १[२]; २; १३, ११; १४, १; १५, ६; ४०, ३; ४५, ४; २०. ७६, ६; ६१, ११.

भवम् १५. ५, १.

भवामि ७. ८१, २; १०. ८, २७; १२. ३, २१; १४. १, २४.

भवस्य ८. ८, ११.

भवाति १८. १, २; १२; २१: २४.

भवाति २. ३६, ३; ६. १२०, २; १८. २, ५; २०. ७०, ६; ५७, ६; १२४, ३.

भवाथ: १२. ३, २; ६; १४. २, ३७.

भवाम १६. ४६, ६.

भवामि ५. ११, २; ६. ११७, १: २.

भिन्दन्तः १८. ३, २१.
भिन्दन्ति ६. १३८, ५.
भिन्दन्ति ५. १८, ६.
भिन्द्धि ७. १८, १; १९. २८, ४; ५[४].
भिन्द्धि २. ३, ६; १९. २८, ३.
भिन्द्धाम् ९. ५, २३.
भिन्धि २०. ४३, १.
भिन्धि ४. १६, ५; ८. ३, ४; ११. १, ६.
भिन्नाम्-इव ५. १६, ८.
भियः ४. ३१, ७.
भियंम् ६. ६७, ३.
भयन्तम् ५. २, २; २०. १०७, ५.
भियसा ५. १३, २.
भियसाने इतिं ४. २, ३.
भिया ११. ६, १२; २०. ३५, १४.
भिषक् ५. २६, १; १०. ४, १५.
भिषक्-तंमाः १९. २, ३.
भिषक्-भ्यः १९. २, ३; ५६, २.
भिषक्-भ्याम् १०. ६, १२.
भिषजः २. ९, ३; २९, ७; ८. ७, २६.
भिषजा २. ९, ५; ७. ५३, १.
भिषजाम् ६. २४, २.
भिषज्यथः २०. १४०, १.
भीतः १३. २, ३७.
भीता ५. २०, ५.
भीमः ७. २६, २; ८४, ३; ८. १, १०; ९. ८, ६; १९. १३, २; २०. ३७, १.
भीम-तमा १२. ४, ४५.
भीमम् ११. २, १८; १८. १, ४०.
भीमा ३. २५, १; ५. १७, ६; १०. १, २९; १२. ४, ४८; ५, १२.
भीमाः ४. ३७, ८; ९; ५. २२, १०.
भीमाम् १२. ४, ४१.
भीमायै २०. १५, ३.
भुक् २०. १३५, १.
भुजः २०. ५५, २.
भुजम् ८. २, ८.
भुजिष्यम् १२. १, ६०.
भुज्मा २०. ५१, ४.
भुनजामहै ६. २४, ३.
भुरणा २०. ७६, १.
भुरण्यथः २०. १४०, १.
भुरण्यन्तम् १३. १, २१; २०. ४७, १८.
भुरण्युम् १८. २, ६६.
भुरिजोः इव २०. १२७, ४.
भुवः ३. १७, ८; ६. १०६, २; १३. ४, ५२; १८. २, २२; २०. ३६, ९; ६०, ३; ९३, ८.
भुवः २०. ३४, १६.
भुवः १०. ५, ४५[?]; १८. ३, ६०.
भुवत् १. २२, २; ३. २०, ६; १०. ८, ११; २०. ५९, ४.
भुवत् ३. ३, १; ५. ३०, १४; ७. १, २[?]; १९. २६, ४[?]; २०. ३५, १४; ४७, १; ६९, १; ७७, ८; १२४, १; १२६, ६; १३७, १३.
भुवन-च्यवानाम् १९. १३, १०.
भुवनम् ३. ३१, ५; ४. ११, १; १०. ७, ३५; ८, ७; १३; ११. ७, २५; ८, ७; १३; १२. ४, २२; १३. ३, १५; १८. १, ५३.
भुवनस्य २. २, १; २; ३४, २; ५. ३, ९; ७. ८१, ६; ९. ९, २२; १०, १३; १४; १७; २१; १०. ७, ३८; ८, १५; १२. १, ५७; १३. १, १४; ३७; ४२; २, २; ३, ७; १८. २, ५४; १९. २०, २.
भुवना २. १, ३; ४. ११, २; ६. ३४, ४; ७. ८१, १; ९. १, ५; ९, २; १२. २, ११; ३, १८; १४. १, २३; १७. १, १६; २०. ६३, १; ७७, ५; १२४, ४.
भुवनानि २. १, ३; ५; ३. २०, ८; ४. २५, ३; २६, ५; ३०, ७; ८; ५. ११, ४; १२, ९; ७. २६, ३; ८७, १; ११०, २; ९. ९, ११; १४; १०. ८, १८;

भूमिः १.३२, १; ३. २६, ८; ४. १६, ३; ५. १८, १७; १६, ११; २८, २; ५; ६. १८, २; २१, १; ८४, १; १२०, २; १०. ३, २४; २५; ७, ३; १२; ३२; ८, ७; ११. ६, २०; ८, ७; १२. १. ३; ४; ६; ८; ६; १०; १२; १३; २२; २६²; ४०; ४१; ४२; ४६; १३. १, ४६; ५३; ४, ३५; १४. १, १; ६; १५. ४, १५; ६, २; १७, १; १६. ६. ८; ६, ८².

भूमि-गृहः ५. ३०, १४.

भमि-वृहः १६. ३३, २.

भूमि-दृंहम् ५. २८, १४.

भूमिम् ३. १७, ५; ४. ५, २; १५, २; ३; ६; १६, ४; २०, १; ३; ६; ४०, ५; ५. ११, ६; ८ ७, १६; १०. २, १८; ६, १०; ११. २, २५; ५, ६; ६, १०; १२. १, ७; ११; १७; २६; १३. १, ५२; ५४; २, ४०; ४१; १५. ४, १४; १८. ३, ४६; १६. ६, १; ६; ३३, ३; २०. २७, ५.

भूमीः ११. ७, १४; २०. ८१, १; ६२, २०.

भूमे १२. १, ३३; ६३.

भूमे १२. १, १४; १८; २५; २६; ३१; ३२; ३४²; ३५; ३६; ५०; १८. २, ५०; ५१; ३, ५०; ४, ६६.

भूमेः १३. ४, ३५; १५. ६, ३; १८, ३, ६.

भूमौ ११. ५, १२; १२. ३, १२; १८. १, ३६; १६. ८, १.

भूम्ने ६. १४१, १.

भूम्याः १. ११, २; २. ३०, १; ४. १६, ६; ५. २०, ६; २८, ६; ६. ८६, ३; ६. ६. ४; १०. १, १२; १२. ३, २६; १४. १, ४८; १६. १६, २; २७, १५; २८, ४; २०. १६, ४.

भूम्याम् २. ६, ४; ६. ८, २; १२१, २; ६. १, १०; २०; १०. ६, १२; ११. ४, ४; ७, १६; १०, २३; १२. १, १३; १६; २२²; २८; ४१; ४२; ५४; ५६; १६. ३४, ६.

भूम्यै १२. १, ४२.

भूयः ३. १५, ५; ४. ६(२), २; १३. २, २५; २७².

भूयः-भूयः ४. २१, ३; १०. ६, ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७.

भूयसीः १६. ६७, ८.

भूयसीम् १८. ४, २७.

भूयांसः ७. ६०, ७.

भूयाः ५. २२, ३; ६. १२५, १; ७. ७३, ११; ६. १०, २०; २०. १७, ६.

भूयाः३ ६. ६(२), १.

भूयात् ४. २२, ४.

भूयान् १३. ४, ४६²; ४७.

भयासम् १. ३४, ३.

भूयास्म ३. ५, २; ६. १५, २; ३; ७. ५०, ८; ८१, ४; १३. १, ३८; १६. ३, १; ४, २; ६, ४; १७. १, १; २; ३; ४; ५; १८. ७, ५५; १६. ५५, ५.

भूयास्थ १८. ४, ८६.

भूयास्म ७. ६१, १; १८. ४, ८७.

भूयेम १६. ६७, ७.

भूरयः १८. ४, ५५.

भूरि ४. २२, ४; ३०, ३; ३७, ७; ५. २, ३; ५; ६; ११, ७; २२, ६; ६. १, ३; ७. १४, ३; १८. २, ६०; २०. १५, ५; ५६, २²; ८६, ८; १०७, ६; ८; ६.

भूरि-ओजाः ५. २, २; ७; २०. १०७, ५; १०.

भूरि-दात्रः २०. ११, १.

भूरि-धनाः ७. ६०, ४.

भूरि-धायसम् १. २, १.

भूरि-धायसे ६. ४१, २.

भूरि-धारा १२. १, ६.

भूरि-पाणिः ५. २७, १.

भूरि-भारः ६. ६, ११.

भूरि-मिः १८. १, २२.

भूरिम् २०. ७७, ८.

भूरिमूलः ६. ४३, ३.

भूरि-रेतसा ८. ६, १२.

भूरि-रेताः १६. ५३, १.

भूरि-वर्पसम् १, २, १.

१६; २५; १९. ३१, २; ६; ७²; ८; १०: १४; ३३, १; ३६, १; ३; ५.
मणिनां १. २६, १; २. ४, ४; ८. ५, ३; ८; १०. ६, १२; १९. ३१, १.
मणिभिः २. ४, १; ३. ५, ३; ९, ६; ८. ५, ७; १०; १२; १३; १४; २२; १०. ६, ६; ७; ८; ९; १०²; ११; १२; १३²; १४²; १५²; १६²; १७²; २९²; १२. १, ४४; १९. २८, ६; ३०, ४; ३१, ४; ४५, ५.
मणीनाम् १९. ३१, ११.
मणौ १०. ६, १४².
मणे ३. ५, ८; १९. २८, ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ३९, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९.
मणौ ६. ३०, १; १९. ४६, ५.
मण्डूकम् ७. ११६, २.
मण्डूकाः ४. १५, १२; १३.
मण्डूकि ४. १५, १४.
मण्डूको १८. ३, ६०.
मण्डूर-धाणिकीः २०. १३७, १.
मत् १. ३४, ५; २. ७, १; ३०, १; ४. १९, ७; ६. ८, १; २; ३; ११८, ३; ७. ६०, १; ६५, १; १०. २, १०; १३; ११. ४, २६²; १२. ३, ४६; १८. १, ६; ११; ११; २०. १२६, ६².
मतयः २०. १७, १; २३, ५.
मतस्नाभ्याम् २. ३३, ३; २०. ९६, १९.
मतस्ने इति १०. ९, १६.
मतिः ७. २२, १; ८. ४, ६; १०. २, १०.
मति-भिः २०. ३६, २; ९१, ९; १४०, १.
मतिम् ६. १३३, ४; ७. १४, १; २०. १५, १; ७०, २; १४२, १.
मती १८. १, २३.
मतीनाम् १३. १, ३३; २, १६; १८. ३, ६३; ४, ५८; २०. ३५, ३.
मतेः २. ५, १.
मत्तः ६. २०, १.
मर्त्यम् ८. ८, ११; ११. २, १९.
मर्त्यै ६. ४१, १.
मत्-सखा २०. १२६, १.
मतवत् २०. १२, ७; १२४, २.
मत्सरम् ४. २५, ६.
मत्सराः ७. ७७, ३.
मत्सि २०. ७१, ७.
मत्स्यम् २०. १६, ८.
मत्स्यः ११. २, २५.
मत्स्व २. ५, ४; २०. २३, ८; ६०, ३; ७१, ९.
मथत् ७. ५०, ५.
मथ्यान् २. ३५, २.
मथायति २. ३०, १.
मथितृन् १९. ४०, २.
मथ्नन्त ७. ७०, २.
मथ्नामि २. ३०, १; ७. ५०, ५.
मथ्नीत ५. ८, ४.
मदः ६. ३०, २; २०. ५७, २; ७; ६८, २; ७६, ३; ११७, २.
मदः ८. १, ७.
मद-च्युता २०. ५६, ३.
मदति २० १०३, ३.
मदत ४. १४, ३.
मदन्-इष २. ३८, ४; ३६, ५.
मदन्तः ३. १५, ८; ६. २८, १; ६२, १; १९. ५५, १; २; २०. १६, १; ८८, २.
मदन्ति ३. २८, ५; ४. ८, ५; ५. २, १; ६. १२०, ३; ७. ७३, २; १०९, २; १८. २, ११; ४, १०; २०. १०७ ४; १०९, १.
[illegible]न्ति ७. १०९, ३; १४. २, ३४; २०. ११, ८.
मदन्ता १८. १, ४३; ४, ४७.
मदन्ती १८. ४; ३०.
मदन्तु ७. १६, १; २५, १; ११८, १.
मदन्तौ १८. १, ५४.
मदम् ४. ७, ४; २०. २३, १; २४, २; ३०, १; ३३, १; ६१, १.
मदय[illegible]ति ९. ८, १९.
मदर्दिवि २०. ४६, २.
मद-[illegible] ४. ७, ४.
मद-वती ६. १६, २.
मदसि १९. ५६, ५.

५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; ७. ५६, २.
मधु-श्चुत् ७. ५१, २.
मधु-श्चुतः ९. ५, १४; १८. २, १०.
मधुसंकाशे इति मधु-संकाशे ७. ३६, १.
मधु-संदृशः १. ३४, ३.
मधूः ७. ५६, २.
मधूनि ७, ९७, ३; ८. ९, १८; ९. १, २२; २०. ७६, ६.
मधूलकम् १. ३४, २.
मधोः १. ३४, १; ४; २. ५, १; २; ७. ७३, ५; ८. ७, १२; ९. १, ५; १०. ६, २५; २०. ६, ६.
मधौ ९. १, १६; १७.
मध्यतः ४. १४, ८; ७. ५१, १; ५६, ६; ८०, १; १०. २, १; १२. १, २; १३. ३, ११; १४. १, ६०; ६४; १८. ३, ७१; ४, ९; १९, १५, ३; २०. १७, ११; ८९, ११; ९४, ११.
मध्यन्दिनः ९. ६(५), ५.
मध्यन्दिनम् ४. ११, १२; ६. १०८, ५.
मध्यन्दिने ६. १२८, २.
मध्यम् ४. ११, ८; १४, ८; ५. २३, ३; ६. ८९, ३; ११७, ३; ७. ७२, २; ८. ७, १२; ९. ५, ८; २०; १०. ४, १९; १२. १, ११; १९. ६, ६; ३४, ७.
मध्यमः ९. ९, १.
मध्यमम् ५. ११, २; ७. ८३, ३; १०. ७, ८; १८. ४, ६९.
मध्यमशीः-इव ४. ९, ३.
मध्यमा १८. २, ४८.
मध्यमाः १. १७, ३; १८. १, ४४.
मध्यमान् ६. १०३, १.
मध्यमाम् ७. ७४, २.
मध्यमे २०. ११३, ३.
मध्यमे १. १७, २.
मध्यमे-स्थाः २. ६, ४; ३. ८, २.
मध्या २०. १२३, १.
मध्यात् ४. १, ३; ५. २८, ९.
मध्ये १. ३३, २; ३. १६, ४; ४. १५, १४; १५; ५. २९, ३; ६. १०६, २; ९. १०, ८; १०. ७, ३८; ८, १५; १७; १०, २८; १३. २, ३६; १८. २, १५; १९. १, १९; ११, ९.
मध्येन ८. ८, १३; १९. ३६, २.
मध्वः ४. ३२, ७; ७. ३, १; २०. १, १; ६, १; १३, २; ३२, २; ६४, ४; ७६, ७; ८८, ३; ९२, ४; १०९, १.
मध्वा ५. १२, २; २७, २; ३; ९. ११, ३; १८. १, ३१.
मनः १. ११, ६; ३१, ४; २७, २; २. १२, २; ३; ३०, १; ४; ३. ४; ५; १८, ६; ४. १५, १५; ३८, १; ५. १०, ८; ३०, १३; ६. ८, २; ३; १८, २[२]; ४५, १; ६४, ३; ७०, १[२]; २[२]; ३[२]; ७१, २; ८९, २[२]; १०२, १; २[२]; १०५, १; १११, २; ७. १२, ४[१]; ३६, १; ८. १, ३; ७; ३, ३; ९. ४, १९; ९, १८; १०. २, १९; २७; ७, ३७; ११. ५, २४; ८, ४; २६; १२. ४, ३०; १३. १, १९; १४. १, १०; १५. २, ६; १४; २०; २६; १४, १; १८. १, ३; १५; १६; १९; २, २१; २३; २४; ३, ९; ४, ६६; १९. ९, ४; ३८, ३; ४३, ४; ५२, ४; ५३, ७; २०. ५, ७; १७, २; १९, २; ५८, ३; ६०, १; ९६, २४; ११३, ३.
मनः-कम् ६. १८, ३.
मनः-केतैः ६. १०५, १.
मनः-जवाः ६. ९२, १.
मनः-जुवा २०. ३६, ६.
मनः-तेजाः १०. ५, ३८.
मनः-पाप ६. ४५, १.
मनः-मुहः २. २, ५.
मनः-युजा ५. ७, ५; १०, ८; ६. ६५, १.
मनः-षष्ठानि १९. ९, ५.
मनः-हनम् ५. २६, १०.
मनः-हा १९. १, ३.
मनन्त २०. ९१, २.
मनवः ६. १६, १; १९. ११, २.

मनवर्ते १८. १, ३४.
मनवे १८. १, १०; २०. ११, ४; १७, ४; ८; ६१, २.
मनसः २. ३५, ४; ५. ३, ४; ३, ८; ६. ७४, २; १०५, १; ७. ६७, ८; ८. ३, ११; ९. २, २; १०. ५, ४८; १४. १, ५७; १८. १, १४; १९. ६, ७; ४०, १; ५२, १; ५६, ५.
मनसः २०. ९६, २४.
मनसा १. १, २; २. ३४, ३; ३५, ५; ३. ६, ८; ८, ६; २०, ९; २१, ५; ४. २१, ५; ३९, १०; ५. ६, १०; ११, १; २१, २; ३०, ६; ६. ५३, ३; ८३, ४; ९३, २; ९४, २; ९६, ३; ११९, ३; १२२, ४; ७. १, १; २, १; ५, ३; ५; ५२, २; ७०, १; ७३, ८; ९७, २; ८. ४, ८; १०(६), २; ९. ४, १०; ९, ६; ८; १०, ५; १५; १७; १०. ८, १४; ११. १, ३३; ९, ८; १२. १, १४; २, ५२; ४, ११; १३. १, १०; ११; १, १६; १४. १, ९; ५६; ५७; २, ६; १५. १४, २; १८. २, २१; १९. २५, १; ५८, ५; २०. ३५, २; ८३, २; ८७, २; ९१, ८; ९६, ३.
मनसि ६. ७३, २; १०. ८, ३८; १८. १; ३; १९. ४, २.

मनसे ६. ४१, १,
मनस्मयम् १४. १, १२.
मनस्वान् २०. ३४, १.
मनांसि ३. ८, ५; ६; ६. ९४, १; ७४, १; ९४, १; २; १४. १, ३२.
मनीषया १८. ४, ५८; २०. ११, १.
मनीषा २०. ३५, २; ७६, १.
मनीषाः २०. १२७, ५.
मनीषाः २०. ७६, ४.
मनीषाम् ५. ९, ८; १९. ४२, १.
मनीषिणः ३. ५, ६; ९. ४, ८; १०, २७; ११. ६, १३; १२. १, ८.
मनीषिणा ८. ५, ८.
मनीषिणे २०. २७, १.
मनीषी ८. ५, १.
मनुः ७. ८२, ६; ८. १० (४), १०.
मनु-जातेन ७. ३७, १.
मनुना ३. ९, २; १४. २, ४१.
मनुषः ५. १२, १; ७; १८. १, २२; २०. ३३, १.
मनुष्य-इषवः १. १९, २.
मनुष्य-एनसानि ६. ११३, ३.
मनुष्य-जाः ११. ४, १६; १२. ४, ४३; १४. २, ३.
मनुष्याः ३. ४, ६; ५. १७, १०; ६. ५१, ३; १४१, ३; ८. १, ११; ७, २६; १०(३), ७; १० (४), ९; १२; ९. ७, १६; १०, २७; १०. ६, ३३; ८, ३४; ६, ९; १०, २६; ११; ११. ७, २७; १२. १, २२; २, १७; १४. २, ३८.
मनुष्याणाम् ६. ८६, ३; १९. २, ४५.
मनुष्यान् ४. २६, ४; ८. ६, ३३; २४; १०(३), ७; १०(४), ९; १५. १४, १५.
मनुष्येभ्यः ८. १०(१), ८; १६. ४, ४.
मनुष्येषु ३. २२, ३; ४. ११, ३; ६. ११३, १; १९. २, २.
मनुष्यैः ६. ७१, २.
मनुष्वत् ५. १२, ८.
मनोः १९. ११, ५; २०. ६४, ३.
मन्त्रः ६. ६४, २; १५. २, ११.
मन्त्रम् ५. १०, ११; २०. ४९, ४.
मन्त्रयन्ते ९. ६. १०.
मन्त्रयामहे ९. ८, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९.
मन्त्रयते इति ४. १६, २.
मन्त्राः १८. १, ६०.
मन्थ १९. २९, ५.
मन्थः २०. १२९, १५.
मन्थतु ८. ८, १.
मन्थन्तु ११. २, १.
मन्थम् २. २९, ६; १८. ४, ४२.
मन्थाम् २०. १२७, ६.
मन्थिता ८. ८, १.
मन्थे ५. २९, ७.

मर्चयसि १३. १, ४०.
मर्जयन्त २०. ३५, ३.
मर्तः ७. ७७, २; ९. ३, १०; १८. १, ३४.
मर्तम् २०. ६३, ५.
मर्तस्य ४. २१, ४.
मर्ताः २०. ६६, ८.
मर्तान् ८. ३, २०; १८. १, २६; २०. १२, ५.
मर्ताय २०. ६३, ४.
मर्तासः १२. १, २०; १८. ३, २३.
मर्त्य १८. ३, १.
मर्त्यः ६. ४६, १; १२. २, ३८; ४, २१; १८. ४, ३७; १९. ४६, ६; २०. ३५, १; २७, ४; ५०, १.
मर्त्यम् ११. ८, १३; १८;२०. ७५, १.
मर्त्यस्य ७. ११५, ३; १०. ८, २६; १२. २, ३६; १८. १, ३.
मर्त्याः ८. ५, ११; ९. २, १६; १२. १, १५; २१; ४१.
मर्त्यान् ४. ३७, १२; ६. ४१, ३; ९. १०, ७; १९. ५६, १.
मर्त्यान् २०. १२७, ७.
मर्त्यानाम् ११. १, ५; १८. ३, ११.
मर्त्याय १८. १, ४३.
मर्त्येन ९. १०, ८; १६.
मर्त्येभ्यः १२. १, १५; १८. २, ३३; २०. १४२, १.
मर्त्येषु ५. १८, ११; ९. १, ४; १२. २, ३३; १६. ४, २; १९. २६, १; ५९, १.
मर्म १२. ३५; २०. ३५, ६.
मर्मणि ५. ८, ९; ८. ३, १७; ८, ३०.
मर्मन् ८. ३, १४.
मर्माणि ७. ११८, १.
मर्माविधम् ११. १०, २६.
मर्मृजत् २०. ३१, ४.
मर्मृज्यन्ते ४. ८, ७.
मर्य २०. १२८, ११.
मर्यः २०. १०७, १५.
मर्यः-इव १४. २, ३७; १८. ४, ६०.
मर्यम् २०. १७, १.
मर्याः २०. २६, ६; ४७, १२; ६९, ११.
मर्यादम् ५. १, ८.
मर्यादाः ५. १, ६.
मर्यादे ६. ८१, २.
मर्या-धीरेभ्यः ५. ३१, १०.
मलगः-इव १२. ३, २१.
मलम् ७. ८९, ३; १०. ५, २४; १२. २, ३०; १४. २, ६७; ६८, ६९.
मलम्-इव २. ७, १.
मलात्-इव ६. ११५, ३.
मलिम्लुः १९. ४९, १०.
मलिम्लुचम् ८. ६, २.
मल्वः ४. ३६, १०; ५. १८, ७.
मल्वम् १२. १, ४८.
मशक-जम्भनी ७. ५६, ३.
मशकस्य ७. ५६, ३.
मशकाः ११. ३, ५.
मशकाः-इव ४. ३६, ९.
मष्मषा ५. २३, ८.
मस्तिष्कः ९. ७, २.
मस्तिष्कम् १०. २, ८.
मस्तिष्कात् २. ३३, १; १०. २, २६; २०. ९६, १७.
मह्-उन्माना ५. ७, ९.
मह-ऋषयः १९. ९, ११.
महः ४. २५, ५; ६. ८०, १; ३; ९. ५, २४; १०. ६, ४; १२; ११. ४, ५; ७, १२; १३. ४, ५०; १८. २, १६; २०. १७, ७.
महः ४. १, ६; ५. २, ८; ६. ६२, ३; ७. २६, ८; १०. ७, २; १८. १, २; ५३; २०. ११, ६; ३५, ७; ४४, ३; ५८, ३; ७०, ६; ८८, ४; ९०, ३; ९२, १७; ९८, २; १००, १; १०४, ४; १०५, ५; १०७, ११.
महत् १. २०, ३; ३१, ४; ३२, १; २. ३, ३; ५; ३. २९, ६; ८; ४. ८, ३; १९, ६; ५. १, ५; ९. १, २; १०. ७, ३८; ८, ६; १५; ३०; ३३; ३७; ३८; ११. ८, ३; ११; १२. १, १८; ४, ३९; १५, १, ३; १९. ७, ५; २०. ३०, ५; ५७, ८.
महतः १. १०, ४; ६. ७१, ३; ८. ८, ८; १०. ८, ३; १२. ५, ७२; १३. १, २३; २, २९; २० ३०, ४; ६१, ११.

महतः २०. ११३, १२; १४;
१५.

महता २. ३१, ३; ५. ३१,
१२; ६. ६६, १; ८. ४,
१६; ६. २, १; ११. १,
१६; १३. १, ८; २०.
६४, १; ११६, २.

महताम् ६. ४, ४; १६. ३१,
९.

महति १३. ६, ३; ११. ८,
२; ६.

महती ५. ७, ६; १२. १,
१८.

महतीम् ११. १०, १५.

महते २. ६, २; ३. १२, २;
४. ८, ७; ५. २८, १४;
७. १६, १; ७३, ८; १०;
६. १०, ५; ११. १, ३;
७; १७. १, ६.

महत्-काण्डाय १६. २३, १८.

महत्-सु २०. ५६, १.

महम् २०. १२८, १४.

महय २०. १२, १.

मह-यते २०. ८२, २.

महयन्तः २०. १०, २; ५६, २.

महयन्तु ४. १५, २; ३.

महयामसि २०. १६, ४.

महसा ६. १४२, १; १०. ६,
२४; १४. २, ४१.

महस्वन्तम् ४. २५, ६.

महा २०. १२६, ११.

महा-आस्येभ्यः ११. २, १०.

महा-इन्द्रः १३. ४, २–७;
६; १७. १, १८.

महा-ऋषभस्य ४. १५, १;
५.

महांसि ७. ७३, १०.

महा-गणेभ्यः १६. २२, १७.

महा-देवः ५. २१, ११; ६.
७, ७; १२. ५, १६; १३.
४, ४; १५. १, ४; ५, ३३.

महा-देषम् १५. ५, १२.

महा-धनस्य ४. ११, ६.

महा-धने २०. ७०, ११.

महान् २०. ११६, ५; ६; ७;
८; ६; १०; ११.

महान् १. १०, ४; ४. १, ४;
५. २, ६; ८. ८, ८; ६.
१, ४; २, १६; २०; २१;
२२; २३; २४; ११. ३,
२३; १२. १, १८[२]; १३.
२, १४; २६[४]; १५. १,
४; २०. ५३, २; ५७,
१२; ५८, ३[१]; ४[२]; ६२,
६; ६८, १०; ७१, १; ७;
६३, २; १०७, १२; ११६,
१२, १३; १४; १५[१];
१३८, १.

महान् २०. ११६, ११.

महा-नग्न्यः १४. १, ३६.

महा-नाम्नीः ११. ७, ६.

महानि २०. ११, ६.

महान्तः ३. १०, ४; ८. ६,
११; १६. ३६, १.

महान्तम् ४. १५, १६; ११.
२, २६.

महान्ति ६. ५, १; १०. ४,
२१.

महाबु अः-इव १. १४, १.

महाम् २०. १५, ६; ७०, २;
६५, १.

महा-मनसाम् १६. ११, १०.

महा-यमः १३. ४, ५.

महा-वृक्षाः ४. १७, ४.

महा-वृषाः ५. २२, ५.

महा-वृषान् ५. २२, ४; ८.

महा-व्रतम् ११. ७, ६.

महि ४. २२, ३; ५. ३, ७;
७. २६, १; २; १२. ३,
१४; १३. २, ३[२]; २०.
३४, १०; ७७, ४; ६५, १.

महि २०. १४२, २.

महि-त्वम् ७. २६, १; १२.
१, ५५; २०. १५, ६;
७१, १; १२३, १.

महि-त्वा ४. २, २; ४; ५;
५. ११, ३; ७. ७६, १;
८०, १; ८. ३, २४; ६,
२; ६. १०, ३; ६; १२.
३, ५; १४. २, ३२; १६.
४६, १; २०. १२, ३;
३२, १; ७७, ५.

महिना २०. ८१, २; ६२,
२१.

महिमा ६. ८०. ३; ११. ३,
२२; १३. २, २६; ४५;
४, ४४; १५. ७, १; १६.
३, २; ३; १४, ५; २०.
६, ४; ४६, ७; ५८, ३;
७७, ५; १०४, २.

महिमानः ३. १०, ४; ७. ५,
१; ८. ६, ११; १६. ६, १.

महिमानम् ३. १०, १२; ५.
२७, ५; ११. ३, २३;
१७. १, १२; १८. ४, ८;
१६. ५६, ३; २०. ३५,
८; ५०, १; ७३, २; ८७,
१; ६६, २.

महिम्ना ४. ३०, ८; ३५, ३; ६. ७१, ३; ११. १, २९; १३. १, ८.

महिम्ने ९. ३, २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१.

महि-वृधे २०. ७३, ३.

महि-व्रतस्य १३. २, १.

महिव्रते इति महिऽव्रते ७. ११२, १; १४. २, ४५.

महिषु २. ३५, ४.

महिषः ५. ३, ८; २६, २; ६. ३१, २; ७. १५, १; १२. ३, ३८; १३. २, ३०; ३२; ३३; ४२; ४३; ४४; १८. ३, ६५; २०. ४८, ५; ९५, १.

महिषम् २०. ९२, १२.

महिषी २. ३६, ३; २०. १२८, १०; ११.

मही १. १७, २; २. ३१, १; ४. २, ४; ५. ७, १०; २५, २; २७, ९; ६. १७, १; २; ३; ४; ९. १०, १२; १०. ७, १४; ८, ३०; ११. १, ८; ७, २०; ८, १५; ९, ४; १४. १, २; १८. २, २५; १९. ५४, २[२]; २०. ३१, ५; ६०, ४; ७१, ४.

मही इति ४. १, ५[२]; ५. १, ५; १८. १, ३९.

मही-इव ६. ६, ३.

महीः ३. १३, ४; ४. ८, ४; ८, ८, ५; १८. १, ४९; ४, ७; २०. ९, ४; ४९, ७; ५१, ५; ६३, ९; ९२, २९.

महीम् ६. ५४, १; ७. ६, २; ६, ४; ८. ८, १३; १०. २, ७; ११. ४, ५; १७; १३. १, ४५; २०. ७५, २.

महीयते १०. १२८, १६.

महीयते ५. १७, १५; १०. १२६, १०.

महीलुकाः १०. १०, ६.

महे १. ५, १; २. ५, ४; ५. ११, १; १०. ६, ८; १९. २४, २; ३; २०. २१, १; १०; २२, ३; २३, ६; ३०, १; ४७, १; ७३, ३; ११७, १२.

महेस २०. १३, ३.

मह्ना ९. १०, ३; १०. २, १८; १८. ३, ६३; २०. ११, ७; ३४, १; ५८, ४; ९१, १२; ११८, ४.

मह्नानि १०. २, ६.

मह्नानम् १०. २, १२.

मह्यम् १. २९, ४; २. १२, २; ३. ५, ६; ७; १५, १; २२, १; ४. ३६, १०; ३९, १; ३; ५; ७; ५. ३, १; ३; ४; १३, १; ६. २४, १; ६१, १[४]; ६३, २; ७१, ३; ८२, ३; ८४, ३; ८९, ३[३]; ७. ३८, ५; ९. २, ७; ८; ११[३]; १०. ६, २; २९; ३१, २; ३०; १२. १, १६; ३१; ३, ११; १४. २, ५०; ५३, ३, ४; १७. १, ६; २४; १९. ८, ६; ३१, ६; ७१, १; २०. ८३, ३.

मह्यम् २०. ४८, ३; १११, १०.

मह्यै ३. ५, ५; ८. ५, २०.

मा १. १, ४; १९, १; २०, १[२]; ३०, १[२]; २. ६, २[२]; ७, ४[२]; १५, १; २; ३; ४; ५; ६; २८, १; ३[२]; २९, ४[२]; ७; ३. ११, ६; १२, ६; १५, ५; ८; १९, ८; २५, १; २८, ५; ६; २९, ८[३]; ३०, ३[३]; ५; ३१, ८; ९; ४. ७, ७; ८, २; १६, ७; २०, ५; ७; २१, ७[२]; ३४, ८; ३७, १२; ३८, ३; ३९, ९; ५. २, ४; ३, ४; ६[२]; ७[३]; ८[२]; ६, २; ७, १[२]; २; ६[२]; ८, ३[२]; ४; ९, ८; ११, ७; ८; १३, ४; ५; १८, १; २; १९, ९; २२, ११[२]; २९, ११; ३०, १[२]; ६; ८; १४[२]; १५; १७; ६. २७, ३; ३२, ३[२]; ४१, ३; ५१, ३; ५६, १; ५७, ३; ७३, ३; ८७, १; २; ११०, ३[२]; ११२, १; ११८, ३; १२०, २; १२३, ४; १२४, ३; १२७, १; १३४, २; १४०, २; ३; १४२, १; ७. १९, १[२]; २०, ३; ३५, ३[२]; ५३, २[३]; ५३, २; ४; ५७, २; ६०, १; ४; ६; ७; ६८, ३; ७०, २; ७५, १[२]; ८२, ३; ९९, ६; १०२, १; १०८, १; ११७,

१; ८, ६, ४२; ५; ७२;
८; ६२; १०२; ११; १२;
१५; ११२; १८; १६२; १,
१२; ५२; ३; ११; ३३;
[illegible] ३६; [illegible] ६; ३;
१८; ४, ३; [illegible] ३४;
६, [illegible]
१६; ३०; ३२२; [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
४. [illegible]
१६; [illegible]
२६; २७; [illegible]
३२; ३४; ३२; ३४; ३५;
६, ७; २१. १, ३०२;
२५; ३१; ७, २२; ७२;
७; ८; १०; १६२; २०२;
२१२; २३२; २६२; ४,
२३; ६, २१; २०; २२;
१०, ६; १४; १६; १६;
१२. १, १८; २२; २३;
२५; २८; ३१; ३३२; ३३;
३४; ३५२; ३६; २, ४०;
४८; ४३; ४३२; ४, ५४;
६७; ६८२; ७२; ७३;
७४; ७५२; ७, ८१; १२.
१, १२; ४६२; [illegible]
१७. १, [illegible] १४;
२, ६; १४; [illegible]
४०; ३६२; १६. १, ३;
२, ४; ३, ३२; ३२२; ४;
४, ३; ४२; ७, ११;
८, ३; ५; ६; ७; ८; ६;
१०; ११; १२; १३; १४;
१५; १६; १७; १८; १६;
[illegible]

२५; ३६; ३०; ३८; ४६;
३२; २७. १, ६; ८; ७;
७८२; ७६२; १८. १,
[illegible] ४५२;
३१; [illegible] ६; ४०;
४३; [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
१०८, १४; ११८, १४;
१४३, ४.

हुए १. ३३, ४; २. ४, ५; १९,
४२; १३, १; ३; ३; ४;
५; ३. ४. १; ५; १०, ७;
११. ५; ६२; १४, २; ४;
२०, १०; २२, ४; २५,
४; ६. १६; ८२; १०, ६;
२४, ६; ७६, ७; १०, २;
३३, ८; [illegible] २, ५; ६,
८; १०, ६; ३; ६; ४;
५; ६; ७; १२. ८; २४.
[illegible]
८; ६; ६; [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

६६, ७; ६६, ३; १०७,
६; ७; ३; ४; ११५, ४;
३; ११६, ३; ११६, १२;
७; ३; ७. १७, १२; १३,
७; १३, १२; ४०, ६;
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
१३; ६. १, १४; १५;
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
२८; ३३; ३४; ११. ४,
२४; ६, ७२; १२. १,
२१; २२; २३; २४; ३०;
३६; ४८; ६६२; ६, ७०;
३, १०; ४, १०; १३. १,
१२; १७; १४; ५०; ७, ४८;
५०—५५; १६. १, १२;
२, ५; ३, ७२; ३२; ४२;
४, ५; ८; ३; ६, ७; १७.
१, ३२; ७२; ८; ६;
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मार्यन्ति ८. ६, १६.
मार्यांति ८. ६, १८.
मारुतः १३. ४, ८.
मारुतम् ४. २७, ७; १५. १४, १; २०. १०६, ३.
मारुताः ४. १५, ४.
मारुतेन ४. २७, ६.
मार्त-वत्सम् ८. ६, २६.
मार्त्यवः ८. १० (४), ७.
मार्ष्टु ४. १८, ७; ६. ५३, ३; १०. ९, ३.
मा-वर्ते २०. ६०, ५; ७१, ५.
माषं-आज्यम् १२. २, ४
माषम् ६. १४०, २.
माषाः १२. २, ५३.
मासः ५. ६, ४; १४. १, ४.
मासः ८. ९, १७,
मासम् १३. ३, ८.
मासाः ४. ३५, ४; १०. ७, ५; ११. ७, २०; १५. ६, १७.
मासाते १८. २, ३८; ३९; ४०; ४१; ४२; ४३; ४४; ४५.
मासान् ३. १०, ९; ११. ६, १७.
मासानाम् १५. ६, १८; १६. ८, २२.
मासाम् १. ३५, ४.
मासाय १३. २, १२.
मासि ५. २५, १०; ११; १२; १३; ८. ३ (३), १३; ४; १८. १३५; ४, ६३.
मासौ १५. ४, १; ३; ५; ६; ८; ९; ११; १२; १४; १५; १७; १८.
माहिनाय २०. ३५, ९.
मितः १८. ३, ५१.
मितयः १९. १०, ७.
मिता ८. ९, ४; ९. ३, ९; १६; १७; ११. २, ६.
मिताः १२. ३, ३०; १९. ४२, १.
मिताम् ९. ३, १९.
मित्र ४. २९, ५.
मित्रः १. ९, १; १८, २; २. ५, ३; २८, १; २; ३. ८, १; २२, २; ५. १७, २, ६. ४, २; १०३, १; ७. ३०, १; ९. ३; १८; ४, १२; ७, ७; २३; १०. ४, १६; ११. ५, १५; ९, २५; १३. ३, १३; १५. २, ५; १८. १, ३३; ३६; ३९; १९. ९, ६; ७; १९, १; ४४, १०; २०. १६, २; ७६, ४; १०६, ३.
मित्रः-इव १९. ४९, २.
मित्र-तूर्याय ५. २०, ७.
मित्र-धा २. ६, ४.
मित्रम् १. ३, २; ३. २२, ८; ५. १९, १५; ८. ३, १; ९. १०, २८; ११. ६, २; १९. १५. ६.
मित्र-महः ५. १२, १.
मित्र-राजान् २. २८, ५.
मित्र-वर्धन ३. ८, २.
मित्र-वर्धनः ४, ८, ६.
मित्रस्य ६. ८५, २; १२५, ३; १३. २, ३५; १८. १, ७; २०. १०७, १४; १२३, २.
मित्राः ११. ९, २; २६.
मित्राः २. २८, ३; ३. ३, ५; ६. ७, २.
मित्राणाम् ३. २, १४.
मित्राणि ११. ९, २.
मित्रात् १९. १५, ६.
मित्राय १२. ४, २६; १४. १, ४६.
मित्रावरुणयोः १०. ५, ११; ११. ३, ४४; १६. ८, २८.
मित्रावरुणा ४. २९, ३; ४.
मित्रावरुणा ३. ४, ४; १६, १; ४, ३०, १; १४. १, ५४; १८. ३, १२.
मित्रावरुणा ६. ९७, २; ९. १०, २३; १९. ११, ६.
मित्रावरुणौ ४. २६, ६; १३. १, ३१.
मित्रावरुणौ ४. २९, ७; ५. २४, ५; २५, ४; ६. ८९, ३; १३२, ५; १३. १, २०, १६. ४, ७; १९. १०, ४.
मित्रावरुणौ १. २०, २; ३. २५, ६; ७. २९, १; ६. ३२, ३.
मित्रियाः ११. ९, २१.
मित्रियात् २. २८, १.
मित्रियेण ७. ६०, १; १४. २, १२.
मित्रे २. ६, ४; ३. ६, २.
मित्रैः ५. २०, ८; १२. ३, ४८.

१३. १, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २५; १८. ४, ७०; १९. ४४, ४; २०. ९६, १.
मुश्चतं १. ३१, २; ६. ११४, २.
मुश्चत ५. १४, ३; ६. ११४, १; ११५, १; ८. ७, ५; १४. २, ११.
मुश्चतः ८. २, १८.
मुश्चतम् ७. ४२, २.
मुश्चतम् ४. २५, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; २६, १, २; ३; ४; ५; ६; ७; २८, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; २९, १; २; ३; ४; ५; ६; ७.
मुश्चताम् २. ८, १; ३. ७, ४; ६. ११५, २; ७. ७७, २; १४. २, ५९; ६०; ६१; ६२; १९. ४५, २; ४७, ५
मुश्चति ३. २९, १.
मुश्चतु ४. २३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; २४, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ७. ६४, २; ८३, १; ११. ६, ७.
मुश्चन्तः २. १०, ८.
मुश्चन्तु ६. २३, २; ९६, २; ७. ११२, २; ८. २, २७; १०. १, १२; ११. ६, ७.
मुश्चन्तु ३. ७, ५; ४. २७, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ६. ९६, १; ७. ७७, ३; ११२, १; ८. ७, १३; १०. १, ११; ११. ६, १–६; ८; १०–२१; १४. २, ४५.
मुश्चात् ६. १११, १.
मुश्चामि १. १०, ३; ४; ३. ११, १; २०. ९६, ६.
मुश्चामि २. १०, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ५. १३, ६; ६. १८, ३; ७. ७८, १; ९. २, २; १०. ६, ३०; १४. १, १७; १८; १९; ५८.
मुश्चासि ६. १२१, ४.
मुश्चे १९. ३१, ११.
मुखः १. २, ४.
मुदीमहि २०. ११६, २.
मुद्गलम् ४. २९, ६.
मुद्रम् १८. ३, १९.
मुनि-केशम् ८. ६, १७.
मुनेः ७. ७४, १.
मुमुक्तम् ५. ६, ८.
मुमुक्तम् ३. ११, १; ६. ६७, २; ७. ४२, १; २०. ९६, ६.
मुमुग्धि ६. १११, १.
मुमुचः २०. ९३, ८.
मुमुचानः ६. ११५, ३.
मुमुचानाः ८. ७, १६.
मुमोक्तु २. ३४, ३; ४.
मुरीय ८. ४, १५.
मुषायत् २०. ३५, ७.
मुषायति ४. २१, २.
मुषिता २०. १६, १०.
मुष्क-आबर्हः ३. ९, २.
मुष्कयोः ६. १३८, ४; ५.
मुष्करम् ६. १४, ३.
मुष्काभ्याम् ८. ६, ५.
मुष्कौ ४. ३७, ७; ६. १३७, २; २०. १३६, १; २.
मुष्टिः ६. १२६, ३.
मुष्टि-हत्यया २०. ७०, १८.
मुष्टि-हा ५. ३३, ४.
मुष्णाति ४. ३४, ७.
मुसलम् ११. ३, ३; १२. ३, १३.
मुसले १०. ९, २६.
मुहुः ११. ५, ६; १२. ४, ३८; ५२; १८. १, १०; २०. ८५, १.
मुह्यत ३. २, ४.
मुह्यन्तु ६. ६७, १; ११. ९, १३; १०, २०.
मूर्ज-वतः ५. २२, ७; ८.
मूर्जवत्-भ्यः ५. २२, १४.
मूर्ज-वन्तः ५. २२, ५.
मूढाः ६. ६७, ३; ११. १०, २१.
मूत्रम् १. ३, ६; ७; ८; ९; ६. ४४, ३; ९. ८, १०.
मूर-देवाः ८. ४, २४.
मूर-देवान् ८. ३, २; १३; १०. ५, ४९.
मूरम् १. २८, ३; ४. १७, १.
मूराः २०. २२, २.
मूर्णाः ४. ३, ६.
मूर्धतः १०. ६, ३१; ३२.
मूर्धन् ४. ३०, ७.

मूर्धा १६. ३, १; २.
मूर्धानम् ३. ६, ६; ८. ८, १३; १०, ६; १०. २, २६; ७, १२; २०, ६१, १२.
मूर्ध्नः १८. ६, १६.
मूल-कृत् ४. २८, ६.
मूल-बर्हणात् ६. ११०, २; ११२, १.
मूल-बर्हणी १२. ५, ११.
मूलम् २. ७, ३; ३. २१, ६; ६. १४, २; ११७, ३; ८. ३, १०; ७, २; १२; १२. १, ५६; ५७; १८. ७, ३.
मूलात् ६. ४४, ३; ७. ५६, १; १२. ५, ६४.
मूलानि १२. ५, ४२.
मूलिनम् ५. ३१, १२.
मूलेन ७. ७४, १; १८. ३६, २.
मूलेभ्यः ६. १३, ३.
मृदव ६. ११२, ३; ११३, २.
मृगः ४. ३. ६; ७. २६, २; ८४, ३; १०. १, २६; २, ६; २०. ५३, २; ५७, १२; १२६, ३; २२; १३६, १०.
मृगम् ३. १५, १; २०. ६२, १२.
मृगम्-इव ५. १४, ११.
मृगयन्ते ४. ३६, ३.
मृगयामहे १०. ५, ४२.
मृग-युः १०. १, २६.
मृग-शिरः १८. ७, २.
मृगस्य ४. ३, ६.
मृगाः ५. ३१, ४; ८. ७, २४; ११. २, २४; ६, ८; १२. १, ४६; १८. ३८, ३.
मृगाणाम् २. ३३, ४; ३. १३, ६.
मृगाय १२. १, ४८.
मृगासः ६. ४२, २.
मृगी-इव ५. १४, ११.
मृगेषु ३. ११, २; १२. १, २५.
मृजानाः १८. ३, १७.
मृजे १६. ७, ८.
मृजेथाम् १८. ४, ४६.
मृज्मः ४. १७, ८.
मृज्महे १४. २, ६६.
मृज्महे ४. १७, ६; ७; १८, ८; ७. ६५, २; ३; १२. २, ११; १३. १, ५८.
मृड १८. १, ४०.
मृड १. १३, ४; ५. ३, ८; ४, ७; ६. ३०, ३; ५७, २; ११. २, ११; २८[२]; १२. १, ४१; ४७; १७. १, ८; ११; १८. ४४, ४; ५५, २.
मृडत १. १०, १; ३६, ४; १८. ३, १६.
मृडत ३. १६, १; २; ३; ४; ५; ६.
मृडतम् ८. २, ७; ११. २, १.
मृडतम् ५. ६, ५; ६; ७.
मृडतात् ११. १, २०.
मृडन्तु ७. १०४, ७.
मृडय १. ११, २; २६, .
मृडयन्तु १०. १, ३३.
मृडयासि ५. १२, ६ ६. २६, १.
मृडात् २. २, ३.
मृडाति १. १२, १; ६. १०६, १.
मृडिता १०. १, ३२; १२. ३, ६.
मृडिह ११. १, २८; ३१[२]; १८. ४, ५६.
मृडद्रम् १२. २, १४[२]
मृण १८. २६, ४[२].
मृण ८. ४, २२; १०. १, ३; २०. ७४, ५.
मृणात् ८. २, १५.
मृणत ३. १, २.
मृणन् ४. ३१, ३; १६. १, ९.
मृणन्तम् ११. २, १८.
मृणासि ५. २६, ११; ८. ३, १८.
मृणीत ४. २१, ११; १३. १, ३.
मृणीहि ६. १४२, १; १०. १, ३१.
मृणीहि ४. ३७, १०; ५. २८, ४; ६. ८८, ३; १०. १, १७; ३, १.
मृत ८. २, ५.
मृतः ६. ४६, १.
मृत-मंजे ४. ४, १.
मृतम् ५. १६, १४; ६. १८, २.
मृतमनःतरा ६. १८, २.

मृत-मनाः ६. १८, २.
मृत-वत्साम् ८. ६, ६; १०. १, १०.
मृतस्य ६. १०, ८; १६. २, ६०.
मृताः १२. २, ४५; १८. ४, ४८; ५७.
मृतान् ६, १८, २.
मृताय ५. १६, १२.
मृते १२. २, ५.
मृतेभ्यः १८. ३, ३.
मृतैः १२. २, २२.
मृत्यवः २. २८, १; ३. ११, ५; ७; ८. २, २७; १२. ५, १३.
मृत्यवे ५. ८, ५; ३०, १२; १७; ६. २८, ३; ३७, ३; ६३, २; ७६, ३; ८४, ३; ७. १०२, १; ८. १, १; ८, १०; १२. ३, ५५; ५६; ५७; ५८; ५६; ६८.
मृत्युः ३. ११, ८; ४. २, २; ८, १; ५. २१, ११; २४, १३; ६. ४६, २; ६३, १; ८. २, ५; २, २३[२]; ६. १०, २४; १०. २, १४; ७, १५; ११. ४, ११; ५, १४; ७, ३; १२. ५, २२; ५५; १३. ४, १५; १६. ५, २; ३; ५; ६; ७; ६; १७. १, २६; १८. २, २७; ३, ६२; १६. ६, १०.
मृत्यु-कृताः ८. ८, ११.
मृत्युना ७. ७०, १; ११. १०, १८.
मृत्यु-पाशाः ८. ८, १६.
मृत्यु-पाशान् ८. २, २; १७. १, ३७.
मृत्यु-पाशैः ८. ८, १०.
मृत्यु-भिः ६. ६३, ३; ८४, ४.
मृत्यु-भ्यः १३. ४, ४६.
मृत्युम् ४. ३५, १; २[२]; ३; ४; ५; ६; ५. २८, ८; ६. ३२, ३; ७. ५३, १; ८. १, २१; २, १३; ८, २१; १०. १०, २६; ११. ५, १६; १२. २, २; ३; २६; २३; २६; ३०; ३, ४६; १८. ३, ४१.
मृत्यून् १. ३०, ३; ११. ६, १६.
मृत्यो इति ८. २, ५; १०.
मृत्यो इति ६. १३, १; २; ३; ८. २, ४; ८; १२. २, २१.
मृत्योः २. १६, १; ३. ६, ५; ११, २; ५. ३०, ११; १५; ६. १३३, ३; ८. १, ४; १७; १८; १६; २, ६; २३; ७, १३; ८, १०; १८; १०. ३, ७; ८, ४४; १२. २, ३०; ४, ३७; ५, १५; १६. ८, ३२; १६. २०, १; २७, ८; २०. ६६, ७.
मृध्राः ३. ३१, ८; ६; ५. ३०, १७; १६. २७, ८.
मृदितः ११. ६, १६.
मृदितम् ११. १०, २६; १२. ५, ६१.
मृदुः ३. २५, ४.
मृधुस् ५. १८, ५.
मृधः १. २१, २; ३; ४. ३१, २; ५. २०, १२; ६. २, २; ७. ८४, ३; ८. ५, ८; १३. १, ५; २७; १८. २, ५६; १६. १५, १; २०. ४३, १; ७२, ३; ६१, ११.
मृध्र-वाचः २०. ७३, ६.
मृणातीति २०. २०, ६; ५७, ६.
मृशन्तीम् ८. ६, ६.
मृशान् इति ३. २४, ६; ४. १३, ७.
मृष्टा ५. १८, ६; ६. ४५, ३.
मृक्षा १२. २, १७; २०.
मे १. १, १; ६, २; १२, ४[२]; १५, ३; ३; ३; ४; १६, २; ३०, २; ३३, ४; ३४, २; ३[२]; २. २, ३; ५, ४; ७, ४; १५, १; २; ३; ४; ५; ६; १७, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; १८, १; २; ३; ४; ५; ३०, ३; ३. ६, ६; ८, २; १५, ५; ६; १६, ६; १७, ७; १८, ३[२]; ५; १६, १; २०, ३; ६; १०; २२, ४; ४. १३, ६[२]; २०, ४; २१, ५; २२, १; २५, ५; २६, २; ३; ४; ५; ६; २७, १; ३४, ८[२]; ३५, ७[२]; ३६, ४; ३६, २; ४; ६; ८; ५. ३, ५; ४, ६[२]; ७; ६, ११; १२; १३; १४; ८; ६; ९[२]; ६, ७; ८[२]; १०, १; २; ३; ४; ५; ६;

७; ११, ३; ८; ६²; १३, ३; ५²; १५, १²; २²; ३²; ४²; ५²; ६²; ७²; ८²; ६²; १०²; ११²; २३, १²; २८, ११; ६. २, १; ४, १; ६, १; ६, १; ३; २४, २; ४५, १; ५०, ३; ५३, १; ५४, ३; ७१, २; ६४, ३²; ६५, ३; १११, १; १२२, ५; १३०, २²; १३८, १; ७. १२, २; ३०, १²; ३२, १; ३३, १; ३४, १; ५०, ८²; ५७, १²; ८६, २; १०१, १; १०६, ३²; ८. २, २०; ५, ५; ६; १८²; १६; ६. १, ११; १२; १३; १५; १६; १७, २, २²; ८; १५; ६, १५; १०, २४; १०. १, २८; ३, १; ८²; ६; ११²; १२²; १३; १४; १७; १८; १६; २०, २१; २२; २३; २४; २५; ४, १०; १६; १७; ५, ६; ३७²; ३८²; ३६²; ४०²; ४१²; ४७; ५०; ६, १६; ३०²; ६, ७; ११. १, २७; २८²; ३३; १०; ४; १२. १, १०; ३३; ४४; ४५; ५३²; ५६; १३. १, १२; ३२; ४३; १४. २, ६; ४२; ५०²; ६३; १५. ३, २; १६. १, १२; २, ३; ३, ५; ६; ४, ७²; १८. १, १२; १४; ३१; २, ३२; ३, ११²; १२; ४, ४०; ५५; ८६; १६. ३५ १, १२; ४, २; ४; ७, ५; ३; ४²; ५²; ८, २; ३²; ४; ६, ५; १२²; १३²; १४²; १६, १²; १६, २; २०, २; ४²; २७, १५; २८, ५²; ६²; ७²; ८²; ६²; १०²; २६, १²; २²; ३²; ४²; ५²; ६²; ७²; ८²; ६²; ३१, १; ३; ५; ६; १०; १२; ३२, ६; ३७, १; २; ४०, १; ४३, १; २; ३; ४; ५; ६; ८; ४६, ८; ५१, १²; ५५, ५; ६०, १; २; ६१, १²; ६४, १; ३; २०. १२, १; १७, १; २; २७, १; ६०, २; ७२, ३; ११७, ३; १२६, ५; ७²; १४².

मे_त्तामिं ७. १०२, १.

मेखलया ६. १३३, ३; १९. ५, ४.

मेखलाम् ६. १३३, १.

मे_खले ६. १३३, २; ४; ५.

मे_घाः ४. १५, ७; ८; ६.

मे_डिः ११. ७, ५.

मेढ्रम् ७. ६५, ३.

मे_थिः १४. १, ४०.

मेथिम् ८. ५, २०.

मे_दुयश्च ४. २१, ६.

मेदसा ७. २७, ५; १८. २, ५८.

मेदस्वता ६. १६४, ३.

मे_दिनः १०. ६, २०.

मे_दिना ६. ६५, ३; १२६, १; १२. ६, ३३.

मे_दिनीः ८. ७, ३.

मे_दिने ६. १०५, ३.

मे_धी ३. ६, ८; ४. ३१, ६; ५. ३, १६; ८, ६.

मेधे-अतिथिन् ५. २६, ६.

मे_धया ५. ११, ४; ६. १०८, ४; ८. ५, ६.

मे_धा ६. ७, १२.

मे_धाः १२. ३३, १; २०. ११६, १.

मेधावान् १२. ३, १६.

मे_धाम् ६. १०८. २; ३²; ४; ५²; १३३, ४; १०. २, १७; ११. ५, २५; १२. १, ५३; १८. ३, ११; १६. ४०, २; ३; ६४, १; २०. ११५, १.

मे_धाविनः ६. १०८, ४.

मे_धाविनम् ६. १०८, ४.

मेधिराय २०. ३५, ४.

मे_धे ६. १०८, १.

मेध्यः १८. ४, ५१; ५२.

मेध्यम् ५. २६, १३; १८. ४, १२; १३.

मेध्यास्तः ७. २४, १.

मेनिः २. ११, १; ५. ६, ६; १२. ५, १५; ३२; ३६; ५६.

मेन्या ५. ६, १०; १०. ५, १५; १६; १७; १८; १६; २०; २१.

मेन्याः २. ११, १; ५. ६, ६.

मेन्यै ६. ९३, ३.

मे_पः-इव ६. ४६, ३.

मे॒षम् २०. ५४, ३.

मे॒षि १६. ४, ५.

मे॒ष्ट॒ १२. १, ३३.

मे॒ष्ठाः ८. १, ५; २, १.

मे॒हता॒म् १९. ८. ५.

मेहंति १३. १, ५६.

मेहंनम् १. ३, ७; ११, ५.

मेहंन्ती १२. ५; २२.

मै॒त्रावरु॒णाम् ५. १९, १५.

मो इति १. १९, १; २०, १; २. २८, ३[२]; ५. ३, ६; ११, ७; ३०, १५; ६. १२४, ३; ७. ५३, ४; १०८, १; १२. ३, १७; १६. ४, ३; १८. ३, ६; ५२; ६२; २०. ६०, ३; ६७, २; १२७, १३.

मोक्रंद्व॒त् २०. १३६, ५.

मोघंम् ८. ४, १४; १५.

मो॒घम् ६. २९, १.

मो॒चि॒ ३. १९, ८; ४. १६, ७; ५. ८, ४; ८. ८, १६; ११. ९, २०; १०, १६; १६. ८, ३; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २५; २६; २७; २८; २९; ३२.

मो॒दि॒त ११. ४, ४.

मोद॒न्ते॒ ११. ४, ५.

मोदंमानौ १४. १, २२; २, ३९; ४३.

मोदाः ११. ७, २६; ८, २४.

मो॒दि॒षी॒ष्ठाः २. २९, ६.

मो॒षीः ७. ९९, १; ८. २, १७.

मोहंः ८. ८, ९.

मो॒ह॒य॒ ३. १, ५; ५. २१, ४; ५; ६.

मो॒ह॒य॒तु॒ ३. १, १; ६; २, १.

मो॒ह॒यन् ३. २, ३.

मो॒हयंन्ति ९. ८, १७.

मो॒ह॒यि॒त्वा २०. ९६, १६.

म्रि॒यतें १२. २, ३९.

म्रि॒यन्तें ८. २, २४; १२. ४, ७; ८.

म्रि॒यमा॒णा॒म् २०. ४८, ३

म्रि॒यस्वं ५. १३, ४.

म्रोकं २. २४, ३.

म्रो॒कः १६. १, ३.

म्रो॒कम् ५. ३१, ९; १६. १, ७.

म्ला॒प॒या॒म॒सि॒ ६. ६६, ३.

म्ला॒पयांमि ७. ९०, २.

य

यं॒स॒त् २०. ८९, ८.

य॒सि॒ २०. ३५, २.

यः १. ५, २; ८, १; १२, १; २; ३[२]; १५, ३; १९, ३[२]; ४[२]; २०, २; २१, २; २५, ४; २९, २; ३०, १; ३१, ३; ३५, २; २. १, २; ३; २, १; २; ५, ३; ७, २[२], ५; ९, ५; ११, ३; १२, २; ३; ६[२]; १४, ३; १९, १; २; ३; ४; ५; २०, १; २; ३; ४; ५; २१, १; २; ३; ४; ५; २२, १; २; ३; ४; ५; २३, १; २; ३; ४; ५; २४, १[२]; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; २५, ३; २७, ७; ३२, ६; ३३, ७; ३४, १[२]; ३६, ५; ६; ८; ३. ३, ६[२]; ६, ४; ११, ८; १४, २; १६, २; २१, १[२]; २[६]; ३; ४[२]; ९; २३, ५; २४, २; २७, १; २; ३; ४; ५; ६; २९, ३; ४. १, ३; ७; २, १[३]; २; ३, ५; ५, १; ५[३]; ६, ४; ९, ५; १०, २; ११, ३; ५; ९; ११; १५, १०; १६, १; २[४]; ४; ६; ८[६]; १८, २; ३; ६; ७; १९, ५; २०, ४, ९[२]; २२, २; ५; २४, १; २[२]; ३; ६; ७[२]; २८, ६; ७; ३०, ४[२]; ३२, १; ३५, १; ३[३]; ५; ६; ३६, १[२]; २[२]; ३; १०; ५. १, १; २[२]; ३; ३, ९; ११[२]; ४, १; ५, २; ८; ९, १०[२]; १०, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; १२, ९; १४, २; ९; १८, ४; ५; ७; १३; १९, ६; ९; २२, २; ३; २३, ३[२]; २८, ११; २९, २; ६; ७; १५; ३०, ९; १०; १२; ३१, ११; ६. १, २; २, १; ६, १; २; ३[२]; १४, १; १५, १; २; १६, २; २०, ३; २६, २; २८, ३[३]; ३०, २; ३४, २; ३; ४; ५; ३७,

३[२]; ४२, २; ४३, २;
४६, १; ५४, ३; ६१,
२; ७३, २; ७५, १; ७६,
३; ४; ७७, २[२]; ८२, ३;
८४, २; ८५, १; ९२,
२[२]; १११, १; १२३, ३;
१२७, ३[२]; १२८, ४;
१२९, ३[२]; १३३, १[२];
१३४, ३[२]; १३६, ३[२];
७. २, १; ५, ५; १०,
१[४]; ११, १[२]; २६, १[२];
३१, १; ४९, २; ५०,
६; ५६, ४; ८; ५९, १[२];
७०, ३; ७३, ३; ७४, ३;
७६, ३[२]; ७७, २; ८१,
५; ८७, १[४]; ९५, ३;
१०८, १[२]; २; १०९, १;
४; ५[२]; ११६, २; ८. ३,
८; ११; १५[२]; ४, ७;
८; १०[२]; ११[२]; १५;
१६[२]; ५, १२; १३;
१५[२]; ६, ५; ७; ८[२];
९; १६; १८; ९, २; १०
(२), ३; ५; ७; ९; ११;
१३; १०(२), १०; १०(३),
२; ४; ६; ८; १०(४), ४;
८; १२; १६; १०(५), ४;
८; १२; १६; १० (६), ४;
९. १, ६; २२; २३; २४;
२, ३; ३, २; ९; ११;
४, २; ९; ११; १७; १८;
५, २२; २४; २५; २६;
२८; ३१[२]; ३२[२]; ३३[२];
३४[२]; ३५[२]; ३६[२]; ६
(२), १; ६; ६ (२), ७;
१०; ११; १२; १३[२]; ६
(३), १; २; ३; ४; ५;

६; ६(४) १; ३; ५; ७;
९; १०; ६ (५), ३; ५;
७; १०; ६ (६), १४; ७,
२६; ८, ४; ७; १२; ९, ५;
७; १५[२]; १८; २१; १०,
१२; १८; १७. १, ७; ८;
२८; २, ८; २८; २९; ३०;
३, ५; ५, १५[२]; १६[२]; १७[२];
१८[२]; १९[२]; २०[२]; २१;
२५; २६; २७; २८; २९;
३०; ३१; ३२; ३३; ३४;
३५; ७, १७[२]; २४; ३२;
३३; ३४; ३६[२]; ४१; ८,
१[२]; ५; २०; २२; २६;
३६; ३७[२]; ९, ४; ५; ६;
१०; १७[२]; २६[२]; १०,
२[२]; २४; २७; १९. १,
५[२]; १५; २८; ३१; २,
१३; २३. २८; ३, २२;
२३; ३२–४९; ५२; ५५; ४,
१; १८; १९; २३; २४; ६,
४; ९; २१; ७, १२; ८,
२; ७; १८; ९, ४; १०,
२३[२]; २६; २२. १, १४[२];
२३; २४; २५[२]; ३०;
४६; २, १; ३; ७; १४;
१५[२]; १६; २१; ३३;
३५; ३९; ३, ६; १६[२];
५०[२]; ४, २; ६; ११;
१२; १३; १७; १८; २३;
२८; ३८; ४४; ४६; ५,
४६; २३. १, १[२]; २;
२५[२]; २९; ५६; ५७;
५८; ६०; २, २; १४;
२६[२]; ३, १[२]; २;
३[२]; ४[२]; ५[२]; ६[२]; ७[४];
८[२]; ९; १०; ११; १२;

१३[२]; १४; १५[२]; १६;
१७; १८; १९; २०; २१;
२२[२]; २३; २४[४]; २५;
४, १५–२२; २४; २४.
१, २९; ३०; ३१; ३८;
२, ४; ४१; ४७; ५५;
५८; ६८; २५. २, ३;
८; ११; १४; १७; २०;
२३; २८; ३, ११; ४,
३; ६; ९; १२; १५; १८;
५, ३; १६; ६, ३; ६;
९; १२; १५; १८; २१;
३३; २६; ७, ३; ५;
८, ३; ९, ३; १०, ९;
११; १२, ७; ९; १२;
१२, ४; ७; ८; ११; १३,
१४; १५, २; ४; ६; ८;
१०; १२; १४; १६; १८;
२०; २२; २४; १५, ३;
४; ५; ६; ७; ८; ९;
१६, १; २; ३; ४; ५; ६;
८; १७, १; २; ३; ४; ५;
६; ७; १८, २[२]; २६. १,
५; ७; ८; ९, ५; ८, २; ५;
६; ७; ८; ९; १०; ११;
१२; १३; १४; १५; १६;
१७; १८; १९; २०; २१;
२२; २३; २४; २५; २६;
२७; २८; २९; ३१; २८.
१, ६; १४; २४; ३४; ४९;
२, १०; २६; ३०; ३१;
३७; ५३; ३. १३[२]; ५३;
५५; ६१; ६३; ७०; ७३; ४,
२८; ५५; २९. ३, ७[२]; ३;
१५, ६; २०. ७; २६, १[४];
२; ३१, २; ३२, १; ६[२];
३५, ५; ३६. १०; ४४,

२; ४६, ४; ५; ४६, ७; ६; १०; ५०, ४; ५; ५३, ८; ५६, ६; ५७, ३[२]; ५६, २; २०. ५, ७; ७, २; ११, ८; १२, १; १४, २; ३; ४; १६, १२; १७, ८; २०, ४; २४, १; ३०, १; ३; ४; ३१, २; ३[२]; ३४, १; २[२]; ३[३]; ४[२]; ६[४]; ७[२]; ६[२]; १०[२]; ११[२]; १२[२]; १३[२]; १४[२]; १५[३]; १६; १७[३]; १८; ३६, १[२]; ३; ३७, १[२]; ५१, १; ३; ५३, १; ३; ५७, ७; ११; १३; ५६, ३, ४; ६२, २; ३; ४; ६३, ४; ६; ७; ६५, १; ६७, ३; ७; ६८, ४; १०; ७०, १५; ७१, ३; ७३, ६[२]; ७६, १; २; ७७, ५; ८८, १; ८६, ४; ५; ६; ७; ६; ६०, १; २; ६२; १०[२]; १६[२]; १८; ६४, १; ६५, ४; ६६, ३; ४; ११; १२; १३[२]; १४[२]; १५[२]; १६[२]; २३; १०५, ४[२]; ११७, २; १२६, २१; १२७, ७; १२८, १; २; ४[२]; ६; १४[२]; १३६, १०; १६; १३८, १; १४३, १.

यः-यं: ३. २४, २.

यकांशलोकका २०. १३०, २०.

यकृत् ६. ७, ११; १०. ६, १६.

यक्षः २. ३३, ३; २०. ६६, १६,

यक्षत् ३. ४, ६; ५. २७, ५.

यक्ष्मम् ८. ६, ८; २५; २६; १०. २, ३२; ७, ३८; ८, १५; ४३; ११. २, २४.

यक्ष्माणि ११. ६, १०.

यक्ष्माय २०. १२८, १२.

यक्ष्मि २०. ६७, ५.

यक्ष्मि ५. १२, ३; ६.

यक्ष्मः २. १०, ५; ५. ३०, ६; ६. ८५, १; ८. ७, १५; ६. ८, ३; १०. २, ५; १२. २, १[२]; ४, ८.

यक्ष्मः-धाम् ६. ८, ६.

यक्ष्म-नाशनीः ३. १२, ६; ६. ३, २३.

यक्ष्मम् २. ३३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ४. ६, ४; १३, ५; ५. ४, ६; ३०, ८; १६; ६. ८५, २; ३; १२७; ३; ७. ५३, ६; ८. १, २१; २, १८; ७, ३; ६. ८, ७; १२. २, २; १४; १४. २, ६६; १६. ३६, २; ४४, २; २०, ६६, १७; १८; १६; २०; २१; २२; २३.

यक्ष्माः १४. २, १०; १६. ३८, १; २.

यक्ष्माणाम् ६. ८, १०; ११; १२; १६; २०.

यक्ष्मात् २. १०, ६; ८. ७, २; ५.

यक्ष्मान् १६. ३६, १; ४.

यक्ष्मासः ६. ८, १६; १६. ३६, २.

यक्ष्मेण ३. ३१, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११.

यक्ष्यमाणा २०. १३५, ५.

यच्छ १८. २, १६.

यच्छ १. २०, ३; २१, २; ४; २. २६, २; २८, ५; ३. २०, २; ८; ६. ५६, १; १३७, ३; ७. ११५, ३; ६. ४, ६; ११. १, ३; ११; १२. ३; १४; १६; ३१; १७. १, १२; १३; १६. ३१, १३; ४७, ६; २०. ८३, १.

यच्छत ५. ३, ७; ६. ७, ३; १८. ३, ४३.

यच्छतः ७. ५४, १.

यच्छतम् ४. २५, ६; ७. ५२, १; ८. २, ७; २०. १३, १; १३६, १; १४१, ५.

यच्छताम् ६. १११, ३; १६. १६, २; २७, १५.

यच्छति १६. ३२, २.

यच्छतु १. १, ३; २. २६, १; ३. २०, ३; ५. ३, ८; ६. ५६, २; ७. १७, १; १०. ३, १७; १८; १६; २०; २१; २२; २३; २४; २५; ५, ३७; ४०; १६. ६, १२[२]; १६, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११; ३१, ६; ८; ६४, १.

यच्छध्वम् १४. १, ५६.

यच्छन्ति १८. ४, २६.

यच्छन्ति २०. १२०, २.

यच्छन्तु ७. ४६, १; ८. ७, २५; १०. ५, ३८; ३६; ४१; १४. २, ७३; १८. ३, ११; १६. ६, ११[२].

यच्छमि १२. ५, ५७.
यच्छसे ६. ८१, १.
यच्छान् ७. ६, ४: २४, ६: ४१, २: ३७, २; १२. ३, ८: १९. ३१, ५: १४.
यच्छाय १. २६, ३.
यच्छान् १२. ३, ३८; १८. ४, ४०.
यच्छामि ८. ८, १०.
यच्छेत् १२. ४, ४७.
यज ६. १२५, २; १९. ३, ४.
यजतः २. २, २.
यजता १८. १, २६.
यजंति २०. ६७, १.
यजति १८. १, १८.
तजंते ४. २१, ३.
यजते ९. ४, १८.
यजते इति ५. १२, ६; २७, ८.
यजत्र १८. १, २६.
यजंत्रः १३. २, ४४; ४५.
यजंत्राः ६. ११४, २; १९. ११, ५.
यजथाय १८. १, २९.
यजध्यै ५. १२, ७.
यजन्ताम् ५. ३, ४; ५.
यजमानः ६. १२३; १: २; १५. २, १०; ६, १४.
यजमान-ब्राह्मणम् ९. ६(२) १.
यजमानम् २. ३४, १; ५. २, ९; ११. ६, १४; १९. ६३, १; २०. ३४, १२.
यजमानस्य ७. ९९, १; ९. ५, २; १०. ६, १; १५. ७, १२: ६, १५: १९. ४७, ३; २०. १११, ३.
यजमानाः ४. १४, ५; ६. ११४, ३.
यजमानाय २. ३४, २; ४. ३०, ६: ५. २६, १२; ६. ६, १: ५४, ३: ७. १७, ४: ११०, ३; ८. ९, १४: ९. ४, १: ५, २: ११. १, ९; २, २८; १५. २, ११; १८. १, ४३: ४, ४; ५; ७: ४७; १९. ५२, १: २; २०. ५, ४; २५, ३; २७, ३; ५६, २.
यजमानासः २०. ९६, १.
यजमाने १०. ३, २३; २०. ५५, ३.
यजमानेन १८. ४, ६.
यजसि ५. १२, १.
यजस्व ६. ११०, १.
यजात् १९. ५९, ३.
यजामहे ४. ३३, २: ७. ५४, १: ८०, २; १४. १, १७: १८. ३, २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१; ३२; ३३; ३४; ३५: ४, १६; १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २०. २५, ५.
यजामि १. ३१, ३.
यजिष्ठम् २०. १०३, २.
यजीयान् ५. १२, ३; ९; १८. १, ३०.
यजुः ७. ५४, २; ९. ६(१), २; १०. ७, १४: २०; ११. ७, ५; ८, २३; १८. १, ३२; १९. ६, १३; ५४, ३.
यजुः-विदः १२. १. ३८.
यजुषा ७. ७०, १; ११. ७, २४.
यजुषाम् १५. ६, ९.
यजुष्यः १०. ५, १५: १६; १७; १८: १९; २०.
यजुष्याः १०. ५, २१.
यजूंषि ५. २६, १; ११. ९, १४; १५. ३, ६; ६, ८.
यजे ३. १०, ९२; १०; ११; ६. १२३, ४; १९. १७, ५.
यज्ञ ७. ८७, ५.
यज्ञ-आयुधानि १८. ४, २.
यज्ञ-आयुधैः १२. ३, २३.
यज्ञ-ऋतः ८. १०(१), ५.
यज्ञः ४. ११, ४: ५; ३४, १, ५. २६, १२: ६. ९७, १; ७. ५, २: ७३, ३; ९७, ६; ९. ५, २१; ६(२), ११: १०, १४; १०. ७, १६; ८, १०; १०, २०; २७: २९: ११. १, १४; १५; ८, २०: १२. १, १; १३. १, ४८; ५५; ४, ३९; ४०२; १५. २, १०; ६, १४; ७, ४: ५: १६, ६; १६. ८, १; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११: १२; १३; १४; १५: १६; १७: १८; १९; २०: २१; २२; २३; २४: २५: २६; २७; २८; २९: ३०: ९, ४; १७. १, १८; १८. २, ११३, १४;

४, १३; १५; १६. १३, ६; १६, ६; २०. २७,५.
यज्ञ-कामः ७. १०३, १.
यज्ञ-कामाः ७. २८, १.
यज्ञ-कृतः १८. ४, ७.
यज्ञ-पतिः ४. ११, ५.
यज्ञ-पतिम् २. ३५, १; ७. २६, ३; ९७, ५.
यज्ञ-पते ७. ९७, ६.
यज्ञ-पदी १०. १०, ६.
यज्ञम् १. ९, ४; १५, १; २. ३५, ५; ३. २०, ५; ४. १४, ४; १५, १६; २३, २; ५. ३, ११; ६, ८; १२, २; ७; ८; ११; २६, ६; १२; २७, ३; ८; १२; ६. ३५, २; ११४, २; १२२, ४; ७. २, १; ५, १; ४; ५; २०, १; ४; ५[२]; २७, १; २८, १; ४७, २; ५४, १; ७३, ९; ७९, १; ८२, १; ९७, १; ५; ८; ८. ३, ९; १० (२), ८; १०; ९. ४, ७; ५, १७; २२; १०. २, १४; १९; ५, ३१; ६, ४; १०, २५; ११. १, १०; ३४; ३६; ३, ५३; ६, १४; १२. १, १३; २२; १३. १, १४; १८. १, ४२; २, ३५; ३, ४१; ४, २ ;४०; ४६; १९. १, १; २[२]; ३; ६, १०; ११; १५; ५४, ४; ५८, ५; ६; २०. ६, ३; २९, २; ३२, २; ६३, १; ११०, ३; १२४, ४; १४३, ४.
यज्ञ-वचः ११. ३, १९.
यज्ञ-वर्धन १०. ६, ३४.
यज्ञ-वाहसः ६. ११४, २.
यज्ञ-वृधम् ४. २३, ३.
यज्ञ-श्रियम् २०. ६८, ७.
यज्ञ-संशितः १०. ५, ३१.
यज्ञस्य २. ३५, ३; ५; ६. ३६, २; ४८, १; २; ३; ६९, ३; ८. ९, १४; ९. ६(३), ८[२]; १०. १०,२; ३; ११. ७, ६; १०; १३. १, १३; ६०; ३, ६; ४, ४०; १५. २, १२; ६,१५; १९. ४२, २; ५८,५; २०. ९१, २; १०१, १; १३८, ३.
यज्ञ-होतः २०. १४२, २.
यज्ञाः ८. ९, ८; १०. १०, २४, ११. ७, ८; ११; १५; १९; १३. १, ३६; ४३; १९. १०, ७; ४२, १.
यज्ञात् १०. ५, ३१; १२. ४, ४१; १३. १, ५९; ४, ३९; १८. २, २८; १९. ६, १३; १४.
यज्ञान् ३. १०, ७.
यज्ञानाम् ४. ३४, ५; १३.२, ३९.
यज्ञानेतरसत् २०. १३५,७.
यज्ञाय १५. २, ११.
यज्ञायज्ञियम् ८. १०(२), ६; १०; १५. २, १०; ३,५; ४, ५; ६.
यज्ञायज्ञियस्य १५. २, १२.
यज्ञायज्ञियाय १५. २, ११.
यज्ञायज्ञियेन ८. १०(२), ८.
यज्ञियः ११. १, १६; १८.१, १८; २०. ५५, १.
यज्ञियम् २. ३४, १; ६.११६, १; २०. ४०, ३; ६९, १२.
यज्ञियस्य ७. ९२, १; २०. १२५, ७.
यज्ञिया ६. १०८, १;७. ८०, ४; १०. ९, ३.
यज्ञियाः २. १२, २; ६.१२२, ५; ७. २८, १; ११. १, १०; १३; १७; १८; २७; १२. २, १३; २०; १४. २, १०; ६७; १८. ४, ५७; १९. ५८, ६.
यज्ञियान् ११. १, ४; १८.१, १८.
यज्ञियाम् २०. ९४, ६.
यज्ञियानाम् ४. ३०, २; ६. ५५, ३; ७. ९७, २;१८. १, ५८; १९. ४२, ४.
यज्ञियासः १९. ११, ४;५.
यज्ञियासः ११. १,१२.
यज्ञिये ७. ८०, ४.
यज्ञिये इति ६. ६२, १.
यज्ञियेषु २०. ५९, ४.
यज्ञियैः १८. १, ५९.
यज्ञे १. २०, १; ५. २६, १; २; ३; ४; ५; ७; ८; ९; १०; ११; ७. ४७,१; ९७, १; ९. ५, २; ६(१), ५; १०. १, ११; ३,२३; १०, १८; १२. ५, ३; २०, १३, १.

५२[२]; ४, ७; ८; ९; १५; २२; ३३; ४०[२]; ५, ५०; १३. १, ४४[८]; ५४[८]; ५५; २, ३[८]; ५; १४; २८; ३६; ४२; ४४; ४५; ३, १०[८]; १२; १७; २२; २३; ४, ७; ११[८]; १९[३]; ४३[२]; १४. १, ३; ४; ६; ९; १०; १४; १५; १६; २७; ३५[३]; ५६; २, १२; ४८; ५१; ५३; ५४; ५६; ५७; ६१[८]; ६२[८]; ६५[८]; ६६[३]; १५. ११, ३; ४; ५; ६; ८; १०; १४, १; ३; ५; ७; ९; ११; १३; १५; १७; १९; २१; २३; १७, ९; १८, २[२]; १६. १, ८; ६, ४; ७, ९[३]; १०[४]; ११; १८. १, २; ४; १२[८]; १४; २०; २२, २६[८]; २९; ३१; ३२; ३४; ५२; २, २६; ३३; ३६, ५७; ३, ३; १९; २४; ३८; ५५; ५६; ६६; ४, ७; ४२; ४९; ५६; ६४; ८३[८]; ८४[८]; ८८; १९. ५, १; ६, ४[३]; ५; ६; १०; १५; ९, ४; ८; १४[३]; १३, १; १५, ४; २०, ३[८]; २६, १; २; ४[८]; २७, १०; ३०, १; ५; ३१, ४; ५; ३८, २[८]; ४०, १[८]; ३; ४४, ९[८]; ४५, २[३]; ३; ४७, २; ४८, ३[३]; ४९, ७; ५०, ६[८]; ५२, १; ४; ५; ५७, २; ४[३]; ५९, २; ३; ६४, ३; २०. ६, ९; १२, २; १५, २; १६, ७; १७, ५; ७; २१, ६; ७; २२, ६; २५, ६; २७, १; २; ४; ५; २८, १; २९, ३; ३१, ४; ३५, ११; १३; १५; ३७, २; ५; ३९, २; ४१, २; ४२, २; ४३, २[३]; ४९, १; ५१, ४; ५४, २; ५६, ३; ६३, २; ६७, २[३]; ७२, २; ३; ७४, १; ७५, १; २; ३[८]; ७६, ४; ७७[३]; ३; ४[८]; ८; ७८, १; २, ८१, १; ८२, १; ८५, ३; ८७, २; ४[२]; ६; ९२, ३; ४; ७; १४; २०; १०५, २; १०७, २; ४; ६; १११, १[३]; २; ३; ११२, १; २; १२०, १; २; १२२, ३; १२४, ५; १२५, ५; १२६, १०; २२; १२८, २[८]; ३; १२; १३५, ५; १३६, १; ३; ४; १३७, १; १३८, २; ३; १३९, २[३]; ५[३]; १४०, १[८]; ४[८]; ५[४]; १४१, २[४]; ३[८]; ५; १४२, ३; ४[८]; ६[८]; १४३, २; ५; ६; ७.

यतः १. ११, २; २. २, ३; ३. २०, १; ४. ६, ८; ३१, ५; ५. २, १; ६. ७५, २; ३; ७. २६, ६; ५६, ३[८]; ७६, ५; ८. ४, ३; ९. १, २; १०. १, १९; २८; ८, १६; २९; १४. २, १०; १९. ३, ४, १५, १; २०. १०७, ४.

यतः १८, ४, ५६.

यतन्ताम् १७. १, ३०.

यतन्ते २०. ७६, ८.

यतमः ४. ११, ५; ५. २९, २; ४; ७; ८; ९; ६. ५५, १; ८. ३, ८; १७; ९, १७; १०. २, ८.

यतमत् ५. २९, ५.

यतमस्याम् ११. २, १२; १४; २७.

यतमा १२. ३, १.

यतमाः ११. १, १३.

यतमान् ११. १, १०.

यतमानाः १२. २, २४.

यतमाने इति १८. ३, २८.

यतमे ११. १, २६; ३२; १२. ३, ४९.

यतरत् ८. ४, १२.

यतरा १०. ७, ४३.

यत-स्रुचा २०. २५, ३.

यतस्व २. ६, ४.

यति १०. ३, ६; १२. ३, २४.

यति-धा ७. ९, ७; १०. १, २०.

यति-स्थः २०. ९, ३; ४९, ६.

यतिस्वभिः २०. १३०, ७.

यत्-इव ९. १०, १५,

यती ६०. ६, २.

यतीः २. ५, ३; ३. १३, २; ५. २१, ९; ६. ८५, ३,

यतीः १४. १, ३२; २, ५२.

यतेते इति ७. ५७, २.

यत्-कामः ५. १२२, ५; १० ९, २७, ११. १, २७.

यथा-यथम् १०. ८, ३३; ९, ४.

यथा-लोकम् ११. ९, २६.

यथा-वशम् ३. ११, ४; ७. १०४, १; १८. ३, ५९.

यथा-स्थाम् ७. ६७, १.

यदा ३. १३, ६; ६. १११, १; ३; ८. ७, २१; ९. १०, १५; ११. ४, ५; १४; १६; १७; ८, ११; १८; १२. ३, २; ४, २९; ३०; १४. २, २०; १८. २, ४; ५; २०. १६, ६; ७३, ४; ८७, ५; ९१, १०; ११४, २; १२३, १.

यदा २०. १३६, २.

यदि २०. १३२, १०.

यदि १. १६, ४^{२}; २५, २^{२}; ३^{२}; २. १४, ५^{२}; ३. ११, १; २^{२}; ४. ९, १०^{२}; १२, ७^{२}; २७, ६^{२}; ५. २, ४; ८, ६; १४, ६^{२}; ७^{२}; १६, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; ६. १११, २; ११३, १; ३; ११५, २^{२}; ११६, ३^{२}; ११९, २; १२४, २^{२}; ७. ३८, ५^{२}; ६६, १^{२}; ७२, १^{२}; ८. ४, १४; १५^{२}; ९. ८, ८; १०. १, २४; ३०; ३, ६; ११. १०, १७; १२. २, ४^{२}; ३, ३०; ४, ५३^{२}; १३. २, ६; ७; ४, ४५; १४. २, ५९; ६०; १८. १, २१; ३२; २, ७; ३५; २०. २६, २; ३६, ४; ५३, ३; ५७, १३; ९६, ६; ७^{२}; १०७, ७.

यद्दो इति १८. २, ५.

यद्दौ २०. १४१, ४.

यन् १८. १, २९.

यन्तः ४. १४, ४; ५. ७, ४; २०. १००, १.

यन्तम् ६. १२२, ४; १८. २, ९.

यन्तवे २०. ६१, ६; ६२, १०.

यन्ता २०. ७२, २; ७५, १.

यन्ता ६. ८१, १.

यन्ति १. १७, १; २. २, ३; ४. ३, १; ३३, ५; ५. २१, ८; ६. ७, १; ९८, ३; ७. ४०, १; ८. ६, १४; १० (१), ५; ९; ११; १३; १०. २, ६; ७, ५; ९, ४; १२. २, २५; ३, २५; १३. १, ३५; ३, १७; १४. १, ३४; २, १०; १८. ४, २; ३; ७; २०. १८, ३.

यन्ति २०. १३६, ३.

यन्ति १. ४, १; २. १, ३; ४. २१, ४; ३४, २; ५. ४, २; ८. २, २४; ८, १२; ९, ६^{२}; ९. ५, २९; १०. ७, ५; १२. ३, २६; ४, ५२; १३. १, ११; २, १७; १५. १७, ८; १८. ३, १७; २०. ६, ४; २५, २; ४७, १४, ६९, ३.

यन्तु ८. ४, ५.

यन्तु १. ७, ५; २. २४, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; २६, १; ३५, ५; ३. ४, ३; ११, ५; ७; १७, ५; १९, ६; ४. १४, ५; १५, १; ८; ३१, १; ३४, ५; ६; ७; ३७, ३; ५. ३, २; ८, १; ११, ९; २०, ३; ७; ६. ३२, ३; ७. ११४, २; ८. ३, १४; ५, ९; ७, ७; १०; ८, १३^{२}; २१; ९. २, ४; ७; ५, १५; १०. ३, ९; ११. २, ११; ९, ११; १९; १२. ३, २०; ४९; १३. १, ३२; १९. १३, ९; ५८, ५.

यम् २०. १३६, ११; १३.

यम् १. २६, १; २. ११, ३; १९, १; २; ३; ४; ५; २०, १; २; ३; ४; ५; २१, १; २; ३; ४; ५; २२, १; २; ३; ४; ५; २३, १; २; ३; ४; ५; ३. ५, ३; १५, ४; १६, २^{२}; २१, ३; ४^{२}; ५; २७, १; २; ३; ४; ५; ६; ४. २, ३; २३, १; २४, ५; ३०, ३; ३५, १; २^{२}; ४; ३६, ७; ८; ५. ७, २; ५; ८, ५; ६. २, २; २६, ३^{२}; ६५, २; ८१, ३; १०९, २; ११८, ३; १२३, १; १३२, १; २; ३; ४; ५; ७. ३१, १; ८१, ५; ६^{२}; ८. १, ११; ५, ११; ९. ५, १९^{२}; १०. ५, १५; १६; १७; १८; १९; २०; २१; २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१; ३२; ३३; ३४; ३५; ४२; ६, ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; २२; २३;

२, १३²; ११. ६, १५;
२०. १२७, १०.
यवन् ३. १७, २.
यवम् ६. १०, २; ९१, १;
१४०, २; १४२, २; २०.
१७, ७; १२५, २.
यवम्-इव २०. १६, ३.
यव-मत् २०. ७, ३; ८९, ७.
यव-मन्तः २०. १२५, २.
यवयं ६. ४, ३; २०. ८३, १.
यवय १. २, ३; २०, ३²;
२१, ४; ४. १९, ७; ५.
२२, ६; १२. १, ३२; ५०;
२०. ६६, ८.
यवयत् ६. ४, २.
यवयतम् १. २०, २.
यवयन्तु ९. २, १३.
यवयाः ७. ६५, १.
यव-यावानः ९. २, १३.
यवसा-इव १८. १, २२.
यवस्य २. ८, ३; २०. २१, २.
यवाः ९, ६(१), १४.
यवान् ६. ५०, १; २.
यवानः २०. १३०, ७.
यविष्ठ ५. २९, ४; ८. २, ८.
यविष्ठः २०. १३५, ८.
यविष्ठाः १८. ४, ६१.
यविष्ठ्य १९. ६४, ३.
यवे ११. ४, १३.
यवेन ७. ५०, ७; २०. १७, १०; ८९, १०; ९४, १०.
यव्याभिः २०. १००, २.
यशः ३. २२, १; ६. ३९, १; ६९, १; ३; ८. ४, ११; ९. ६(३), ५; १०. ३, १८; १९, २०; २१²;
२२²; २३; २४; ८, ९;
११. ५, २५; ८, २०;
१२. ५, ८; १३. ५, १;
६, १; १४. २, ५६;
१५. २, ८²; २४²; २०²;
२८²; १९. ३७, १; ५८,
३; २०. ६, ६.
यशः-तमः ६. ३९, ३; ५८, ३.
यशः-भिः ६. ३९, २.
यशसः २. १६, २; ६. ३९, २; ५८, २.
यशसम् ६. ३९, २; ५८, १²; १९. ५८, ३; २०. ११८, १.
यशसा १०. २, ३३; ३, १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २५; ६, २७; १२. ५, २; १३. ४, ४९–५६; १९. ५६, ६.
यशसे ३. २१, ५.
यशस्यवः ४. ११, ६.
यशस्वतः २०. ७१, १२.
यशस्वती १८. १, २०.
यशस्वतीः ६. ५८, २.
यशस्वान् ६. ५८, २.
यशस्विनः १९. ५६, ६.
यशस्विनम् ६. ३९, १.
यशाः ६. ३९, ३⁴; ५८, ३⁵; १३. १, ३८².
यस्म १९. ४८, १.
यस्मात् ४. ३५, ४²; ६; ६. ७१, २; ९. ३, २०; १०. ७, २०²; ३३; ११. ३, ३; १२. ३, ४५; १३. ३, २²; १६. ६, २; १९. ७२, १; २०. ३४, ९; १७;
यस्मिन् ४. २४, ५²; ३५, ६; ५. २, ६; १७, १२; १३; १४; १५; १६; १७; ८. ९, ३²; ९. ६(२), १३; ९, ११; १४; २१; १०, १८; १०. ७, ७; १२²; १४; ८, १९; ३७; ३८; ११. २, ११; ३, २०; ४, १; १८; १२. २, १७²; ४, १४; २४; १३. ३, १; ५; ६; १०; १४. २, ८; १८. १, ३५; ३६; २०. ४४, २; ६९, ७; ८९, ६; ९२, १९; १०७, ९; ११०, २.
यस्मिन् २०. ३४, १२.
यस्मै ४. २४, ३; ४²; ३५, ५; ५. ३०, १७; ६. ११८, ३; ८. १० (६), १०. ६, ३४; ७, ३९²; ८, २६; १९. ३२, २; ८; ३९, २; ३; ४; २०. १२६, ३.
यस्य १. ५, ३; २०, ४; २. १३, ५; २४, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ४. २, १²; २²; ३; ४²; ५²; ९, ४; ११, ५; २३, ७; २४, ३; ४; ५; ६; ३५, ५; ६. ५, ३; ३३, १; ७६. २; ११८, ३; १३३, १; ७. १४, २; २५, २; २६, ३; ४०, १²; ७६, ५; ९. ६(१), १²; २; ६(२), ८; ९; ८, ३; ६; १०. ६, ३१; ७, १३;

१४; १६; १८²; १९²; २०; २३; २७; ३२; ३३; ३४; ८, १; ११. २, २२; ३, २१; ४, १; १३. १, २७; २, १६; २४²; १५. १०, १; ११, १; १२, १; १३, २; ३; ५; ७; ९; ११; १९. ४, ४; ५६, ५; २०. १, २; १५, १; ३; १७, ६; ३१, ४; ३४, १; ७४; १५²; ३६, ५; ४३, ३; ४५, २; ६१, ५; ६२, ९; ६५, ३; ६९, २; ७६, १; ९२, ९; १७; १०५, ५; १११, ३; १२६, १२; १६²; १७²; १२७, २.

यस्याः ६. ६२, २; ८४, १; ७. ६, ४; २७, १; ८. ९, ८; ९. ३, १०; १०. २, २, २८; ३०; ११. १२, २७; १२. १, २; ४; ८; ४२; ४३²; १९. ४०, २; २०. १२६, २३.

यस्याम् १२. १, ३²; ४; ५²; ९; १०; १३²; २७; ३७; ३८⁴; ३९; ४१²; ४२; ५१; ५२; ३, ९; १४. २, ३८²; १८. २, ४८.

यह्व ५. १२, ३.

यह्वः १८. १, १८.

यह्वाः-इव १३. २, ४६.

या १. १५, २; १६, ३; १८, १; २०, १; २८, ३²; २. ३, २; ९, १; २६, ३; ३१, १; ३५, १; ३. २, ६; १०, ३; ४; १८, ४; २४, ६; २५, १; ३; ४. १७, ३²; ३८, ३; ५. ३, ६; ७, ९; ९. ४, ३; २२, ३; ३८, १²; ३८, ३; ४; ५. ४४, २; ७३, २; ७. ५२, १; ५३, १; २; ३; ११. ४, १; ५; १७; १९; ८. २, ३; ६, ९; ११; १४; ९. १, ८; ३. २१²; ५, २३; ९, १९; १०. ५, ४८; ८, १०⁴; ९, १९; २१; १०, २९; ११. ४, ९; ७, २५; ८, ४; ७; १७; २६; ३०; ९, २; १२. १, २; ४; ८; ३०; ३; ५४; ४; ५४; ५५; ५८; १४. २, ७; १९; १२; ३८; ४८; ५०; ७४; १५. १, १३⁴; १८. १, ४३; २, ३१; ४, ४७; १९. ३, ३²; ४, १²; ९, ३; ४०, ४; ५५, २; २०. २०, २; २५, ३; ५७, ५; ८७, ५; ८८, ३; ९५, ४.

याः १. ४, २; ६, ४; १७, १; २२, ३²; २९, २; ३३, १; २; ३²; ४; २. २, ५; ५; १०, ४; ३. २४, ३; ४. ५, ३²; ८, ५; २१, ५; २२, २; ३८, ४; ५²; ५. १, ८; १३, ९; १८, १२; १९, ११; २१, ९; ६. २२, २४, ३; २५, १; २; ३; ९०, २; ९६, १; ९९, २; ७. २५, २; ४८, २; ४९, १²; ७६, २²; ११०, १²; ११५, ४; ८. २, २०; ५, ९⁴; ७, १²; ४; ८; १०²; ११; १२; ९. ५, ८²; २५²; १०. २, ५; ४२; ४३; ११. १, २; ९²; १०; ३, १; ५; १२. २, ४५²; ३, ७²; ३९²; ४९²; १४. १, ८; १८. २, ८; ९; २०; ३, १९; ४, २३; ४३; १९. २, २; ३, ८; ६; १३, ११; ३४, ३; ७; २०. ३३, ११; ४४, २; १०४, १; १०९, १; १३९, १.

याचति ९. ६(१), ४; ६(५), ८.

याचन्-अस्यः १२. ४, १; २१; १२.

याचन्ति १२. ४, ३६.

याचमानः ६. ११८, ३; ११९, ३.

याचमानस्य ७. ५७, १.

याचयन्ते १२. ४, ३८.

याचामि ५. ७, ६.

याचामि १. ४, ३; १५. ११, १३.

याचितः १२. ४, ४८; ५०.

याचिताम् १२. ४, १३; १९; २२; २३.

याचिषुः १२. ४, ३१.

याचिषुः १२. ४, २२; ४८.

याचस्व १२. ४, ३०.

यात् १२. १, ५७; २०. १६, १०; १३५, २.

युजः ६. ३३, १; ११. ८, ११.
युजम् २०. ७०, ११; ८९, ५.
युजा ४. २३, ५; ३१, ४; ३२, १; ३; ५. २२, ११; ७. ५०, ४; १३. १, ३; २०. ३, ३; १८, ६; १८, ३; ४७, ९; ७०, २०; १३७, ९.
युजे ६. ५४, १; २; १७. ३, ३९; २०. २२, ३.
युज्यः ५. ११, ९; १०; ६. ५१, १; ७. २६, ६; २०. ११७, २.
युज्यताम् १४. १, ६४.
युज्यताम् २. १२, २.
युज्यते ८. ९, ३; १०. ८, १०[२];
युज्यते १०. २, ३.
युज्यन्ते १२. १, ३८.
युज्यमानः ६. ९२. १; ९. ७. २४; १८. १, ३९.
युज्यां २०. १०४, ४.
युज्याय २०. ३७, ९.
युञ्जन्ति २०. १२८, १६.
युञ्जन्ति २०. २६, ४; ५; ४७, १०; ११; ६९, ९; १०; १००, ३.
युञ्जन्ति ३. १७, १; ६. ९, २; १३. ३, १८.
युञ्जन्तु ३. ३, १; ६. ९२, १.
युत-द्वेषसः २०. २१, ४.
युताः १३. ४, ६.
युताम् ११. १०, १६.
युत-स्रु १६. ११, ७.
युद्धाय ४. ११, ४.
युधः १०. १०, २४; १९. १३, ३; ४.
युधम् ६. ६६, १; १०३, ३; २०. २१, ७.
युधा १. २४, १; १०. ६, १६; २०. ११, ७; २१, ७; ४६, १; ८७, ३; ११४, १.
युधाम् ७. ८१, ३.
युधि २०. ७०, १९.
युधि-गमः २०. १२८, १०; ११.
युधे ४. २४, ७; २०. ३५, १३.
युधेन्यानि ५. २, ५; २०. १०७, ८.
युध्यत २०. १३७, ८.
युध्यन्ते १८. २, १७.
युध्यन्ते १२. १, ४१.
युध्यमानाः २०. ३४, ९.
युनक्त ३. १७, २.
युनक्ति ३. ३१, ५.
युनक्तु ५. २६, २.
युनक्तु ५. २६, १; ३; ७; ८; ९[२]; १०; ११.
युनज्मि १९. ५६, १.
युनज्मि ४. २२, ५; ७. ७८, २; १९. २५, १.
युनज्मि ३. ३०, ६; १०. ५, १; २; ३; ४; ५; १८. २, ५६; २०. ३७, ६; ८६, १.
युपितम् ४. १५, २.
युयुवे ८. ९, ७.
युयुतम् २०. १३९, १.
युयुत्सति ११. १०, २६.
युयोज ६. १३३, १.
युयोतु ७. ९२, १; २०. १२५, ७.
युयोपिम ६. ५१, ३.
युयोत ७. ६८, ३.
युवतयः १४. २, २९; ६१.
युवतिं २०. ८९, ५.
युवतिः १९. ४९, १; ८.
युवतिम् १८. ३, ३.
युवती इति १०. ७, ६; ४२.
युवद्रिक् २०. १४३, ७.
युवम् १. २०, २; ३. १, ३; ११, ६; ४. २५, ३; ७. ४२, २; ५२, १; ८. ४, ५; १४. १, ३१; २, ४२; २०. १७, १२; ८७, ७; १२५, ४; १३९, १; १४३, २; ७.
युवसे ६. ६३, ४.
युवा ६. २ ३; १०. ४, १५; १३. १, ११; २०. १५, २; ६२, २.
युवानम् ६. १, २; ७. २, १; ३२, १; ९. ४, २४; १०; ९; १०. ८, ४४; ११. ५, १८.
युवोः ७. ५८, १; २०. १४३, २.
युष्महि ७. ५२, २.
युष्माकम् ८. ९, २२.

युष्मान् १८. ४, ८३.
युष्मान् २०. १२५, १०.
यूथा २०. ४३, ४.
यूथा-ईव १८. ३, ११; २०. ७०, ४४.
यूथे ५. २०, ३; ६. ६. ११४; १६. १, ७६.
यूथेषु २०. १२३, १५.
यूथ्या २०. ७६, ५.
यूने २०. २६, १०.
यूपः १२. १, ३८.
यूपान् १३. १, ४७.
यूपे ६. ६(२), ५.
यूयम् १. २६, ३; ३०, ६; ३. १, २; ३६, ७; ४. २१, ६; २७, ६; ३७, १२; ५. २१, ११; ६. ११४, १; ११५, ३; ११. १, १२; ६, २; २६; १२. १, ३; १८. ४, १०; ८३[२]; १६. ११, ५; ४०, २; २०. १२, ३; १७, १२; ३०, ११; ८७, ७.
यूयाः ८. ४, १५.
यूपम् ६. १२३, ४.
ये १. १, १; ६, १४; ७, ३; १५, ३; ४; १६, १; १६, २[२]; ३०, ६[२]; ३[२]; ३१, २; २. १२, २; २६, १; २८, १; ३[२]; ३१, ५[२]; ३२, १; ५; ३४, ३; ४; ३५, १; ३. ५, ६[२]; ७[२]; ६, १; ३; ५; ८, ५; १०, ६; १५, २; १६, ३; २६, १[३]; ७[२]; १०; २६, १;
२; ३; ४; ५; ६; ७. ४, ८; ३; ७[२]; ७, ७; ११, १४; १३, ११, ३; २०, ३[२]; ३; २२, ५[२]; ३४, ७; १६, ५[२]; ६; ३०, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ५. ३, १०; ६, ७; ६; १०, ६; २[२]; ६; २०; २८, १०; ११; १३; १६, २; ३१, ४७; ३[२]; ४४, ३; ४; ४५, ३[२]; ४५, ६; ४; ५; ६; ६; ४; ५०; ७; १; ५०, ३; ८०; ६३, १; ३; ४६, ४; ६६, ५; ७६, १; ३; ८०, ३; ८४, ४; ६६, ३; १०६, ३; ७; ११७, ४; १२६, ६[२]; ७. ६, १[२]; १७, २; २४, ६; ४४, ६; ६१, ३; ८०, ४; ८३, ४[२]; ६७, ४; ८. १, ८; १२; ६, ३१; ३; ३७, ४, ६[२]; १८[२]; २३; ५, ७; ३; १०[२]; ११[२]; १२; १३; १४[२]; १५; १६; २३[२]; २४; ८; १०; ६, ३१; ६. १, ६; २, ४; ५; १०; ११; १६; १७; १८; ५, ८[२]; ५, २; १४[२]; २०; ६(२), १२; ८, ११; १३[२]; १०, ६; १८; २०; १०. १, ६; २, ११; ३, ३; ११[२]; १२[२]; ४, ८; ६[२]; १२[२]; ५, ७, १०[२]; १२; २५; १८; ८, ३; ११; २०;
१५[२]; ४६; ८; ७[२]; ०[२]; ६; ११[३]; १०; ३२; ३०[२]; ११[२]; ३३; ३४; ३६; ३७; ३६; ३८; ४; ५; ३२[३]; ४१; ६३; १७; १०; १८; ३४; ५६[२]; ६८; ११[२]; १०; १८; १६; ३६[२]; ४३[२]; ८२[२]; ३६[२]; ५७; ३६[२]; ३६; ४०[२]; ३[२]; ४८; ५०[२]; ५३[२]; ५०; ७; ३६; ३४; ५१; ५४; ५६; ५६; १३. १, १८[२]; २८; ३५; १४. १, ४६; ७, ८[२]; १०; ११; ६७[२]; ७१; १५. १६, ५; ३; ४; ६; ८; १०; १६. १, ८; १८. १, ४७; ४४; ४६[२]; ४७; ६, ११; १६; १६[२]; १०[२]; १८; २८[२]; ३४[३]; ३५[२]; ४०; ४६[४]; ३, २०[२]; २५; २६; ३०; ३८; ३६; ४०; ४१; ४२; ४३; ४४; ४५; ४६; ४७; ४८; ५६[२]; ७२[२]; ४; ११; १७; १८; १६; २०; ३१; ३२; ३३; ३४; ३६; ४०; ४४; ६०[२]; ६८; ७५; ७६; ८३[२]; ८७; १६. १, ११; १२; १४; ११, ४; ५; १८, ६; १; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३;

३१, ४; ३४, २; ३५, ५; ३६, ३[२]; ४२, २; ४७, ३; ४८, ५[३]; ४९, ७; ५०, २; ५५, ५; ५८, ६[२]; ६५, १; ६६, १; २०. १५, ४; ११, ११; २५, ४; ३०, २; ३७, ९; ५५, २; ७०, १३; ७१, २; ७६, ५[२]; ७७; ६; ८३, २; ८८, २; ९४, ६; ७; ११२, ३[२]; ११५, ३[२]; १२५, २; १२८, ५[२]; १६; १३२, १५; १३९, ३; १४३, ९.

ये इति ३. ७, ४; ४. २६, १; ४[४]; ५[२]; ६[२]; ६. १३८, ४; ८. ३, २५; १०. ९, १३; १४[३]; १६; १९; २१.

येतिरे १८. १, १७.

येन १. ९, ३; १३, १; २९, १; ३२, १; ३. ९, ४; १५, ५; ६; २२, ३[३]; २३, १; ३०, ४; ४. ११, ६; २२, ५; २३, ५[३]; ६[४]; २४, २[२]; ६; ३५, २; ५. १९, १४[२]; ६. ७, १; २; ३; ३०, २; ५७, १; ६८, ३; ८२, २; १०१, २[२]; ११७, १; १२९, २; ७. १०, १; १२, १; ३८, २; ८. १, १०; ३, २१; ४, ४; ९. २, १७[२]; ३, ९; ५, १७[२]; १०, ७; १०. ४, ६; ११. १, २; ३७; ३७; ३, ३२; ३५; ३९-४३; ८, १६; १०, ११; १३. १, २३; २, ६; २१; ३, १७[२]; १४. १, १९; ३०; ३६[३]; ४८; ५८; १८. १, ५४; ४, ३; ७; ४४; १९. ९, ४; २४, १; ३४, ५; ४६, ५; २०. ५, ४; ९, ३[२]; ४; ३४, ४; ३५, ६; ४७, १८; ४९, ६[२]; ७; ६१, २; ६३, ७; ८[२]; ९; ७०, १८; ८०, १; ९४, ६; ११५, २; ११७, २; १३९, ४.

येन-येन ४. २६, ७.

येभिः ६. ११२, २; ३; ७. ५५, १; १०. ८, ३५; १४. १, ३४.

येभ्यः ११. २, २५; १२. १, १५; १८. २, १४; १९. ५८, ६.

येमानः २०. १४३, ३.

येमिरे २०. ६२, ७; ११८, ४.

येवाषः ५. २३, ८.

येवाषासः ५. २३, ७.

येषन्तम् ४. ७, ४.

येषाम् १. ३०, ४[२]; २. २६, १[२]; ३. १९, १; ४; ६. १२२, २; ७. ६०, ३; ८. ६, १५; ९, ३; १०. २, ६; ४, २३; १९. ५६, ४; २०. ९४, ७.

येषु ७. ६०, ३; ८. २, २२.

यैः ५. २१, ८; ११. ३, ३७; ३८; १२. १, ४७; १८. ४, २; ७०[२]; १९. ९, ५.

यो इति ११. ४, ६.

योः १. ६, १; १८. १, ५१; १९. १०, १; ११, ६.

योक्त्रम् ७. ७८, १.

योक्त्राणि १४. २, ६६.

योक्त्रे ३. ३०, ६.

योह्ले १९. १३, १.

योगम् १९. ८, २[४].

योगाय १०. ५, १; २; ३; ४; ५; ६.

योगे १९. १३, १; २०. ६९, १.

योगे-योगे १९. २४, ७; २०. २६, १.

योग्यम् ८. ९, ७.

योजना २०. १२६, २०.

योजनानि ४. २६, १.

योजनेषु ९. ९, ९.

योधन्ति १२. ३, २९.

योधयाः २०. ८७, ४.

योधीः ५. २, ३; २०. १०७, ६.

योना ९. १०, १०; २०. १४२, ६.

योनिः ३. २०, १; ४. ३०, ७; ९. १०, १२; १३. १, १७; १५. १५, ७.

योनिम् १. ११, ३; ५; ३. २३, २; ५; ४. १, १; ५. १, १; २; ६, १; २५, ५; ९; ६. ८१, २; ७. ९७, ५; ८. ९, २; १२; १०. ५, २३; १२. २, ३१; १३. ३, २५; १८. ३, ५७; ४, २८[२]; २०. १६, ४; ३०, २; ८८, २; ९६, ११; १२; १४.

योनिंषु १३. १, १६; २०. ६७, ५.
योनैः ५. २५, १; ७. ३५, २; १४. २, ४३.
योनौ २. १, ५; ३. १७, २; ५. १२, ६; ११. ५, ७; १४. १, १६; १८. १, ८; ३, ६६; १९. ५६, १.
योन्योः-इव ६. १२१, ४.
योन्याम् ५. २५, ८.
योपर्यन्तः १२. २, ३०.
योयुवत् १९. ४७, २.
योषणा १८. १, १६.
योषणो इति ५. १२, ६.
योषतः ९. ५, २७.
योषति २०. ५३, ३; ५७, १३.
योषा १४. १, ५६; १८. १, ४; १९. ४९, १.
योषा-इव १२. ३, २९.
योषाः १८. ४, ६०.
योषाम् १४. २, ३७; २०. १०७, १५.
योषितः १. १७, १; ६. १२२, ५; ११. १, १४; १७; २७.
योषितम् ६. १०१, १.
यौ ४. २५, १[२]; २८, १[२]; २[३]; ३[२]; ४[३]; ५[२]; ६[२]; २९, १; २[२]; ३[४]; ४[२]; ५[३]; ६[४]; ६. २६, २; १२७, २; १४०, १; ७. २५, १[२]; ११०, २; ८. १, ६; ६, १; ९. १, ७; १०. १, २१; ६, १३; १४; १७; १९[२]; २१; १८. २, १२.
यौमि २. २, १.
यौवने १८. ४, ५०.
यौष्टु ३. ३०, ५.
यौष्टम् १४. १, २२.

र

रंस्याः १४. २, १६.
रंहयः १८. २, ६.
रंह्या २०. ३०, ४.
रक्ष २०. १३६, ११.
रक्ष ६. १०७, १; २; ३; ४; ८. ६, २५; १९. ४७, ६.
रक्ष ४. १९, ८; ३८, ६; ७; ८. ३, ९; १९; १२. ३, ११.
रक्षः १. २१, ३; ४. १७, ५; ३७, २; ७. २३, १; ७०, २; ८. २, १२; ३, १०; १३; ४, १; ५; १३; २२; २३; ९. ४, १७; १०. ५, ४९; ११. १, २१; ३२; १२. १, ४९; ३, १४; १५; ४३; १३. ४, २५; १४. १, ५६; १९. ३६, २.
रक्षः-स्यः ८. ३, २४; ४, २५.
रक्षः-हननम् ४. २३, ३; ८. ३, १.
रक्षः-हा १. २८, १; ८. ३, २८; १९. १३, ८; ३३. ४; ४४, ७; २०. ९६, ११.
रक्षत १. ३०, १.
रक्षत ८. २, २०; ११. १०. १५.
रक्षतः १०. ६, १२.
रक्षतात् २०. ८८, २.
रक्षतात् २. १३, १.
रक्षताम् ८. १, १२.
रक्षताम् २. ४, ५; ८. १, १३[२]; २, १५; ६, २०; ९. ३, १६; १०. १, २१; १९. १६, २; २७, १५.
रक्षति ८. ९, १३; १०. २, २७; ६, १८; १०, ११; ११. ५, ८; १०; १७; २२; १२. १, १८; १३. २, ४१.
रक्षतु ८. १, ११; १२[२].
रक्षतु ३. १७; ४; ४. १०, ७; ६. ७९, १; ८. १, ११; १२; ५, १६; २२; १०. ३, १३; १४; १५; १२. ३, २४[२]; १८. ३, ६२; १९. १६, २; १७, १; २; ३; ४; ५; ७; ८; ९; १०; २७, ३; १५; ३४, १; ३५, २; ४६, १; २; ३; ४; ५; ६; ७.
रक्षथः ४. २५, १.
रक्षथः ४. २५, ३.
रक्षन् ४. ३८, ५; १९. ४६, २.
रक्षन्तः ८. २, १०.
रक्षन्ति १९. ७, ३३; १२. १, ७; १९. ५८, ५.
रक्षन्ति ५. २७, ७; १०. ८, ३६; १३. १, २३.
रक्षन्तु ८. १, ११.
रक्षन्तु ५. ३, ४; २८, १०; ८. १, ७; १४; ९. ५, ३८; ११. १, ३३; १४. २, ७;

रभस्वतः २०. ७१, १२.
रभामहे ४. १७, १; ५. ८, ६; ८. १, ८.
रभे ४. २०, ६; ६. ४८, १; २; ३; ७६, २; १९. ४१, २.
रभेथाम् ११. ६, ३; १२. ३, ७.
रभेमहि २०. २१, ४; ५.
रमतयः ७. ७५, २.
रमताम् ७. १२, ४.
रमतिः ६. ७३, २; ३.
रमते १०. ७, ३७.
रमध्वम् ७. ६०, १.
रमध्वम् ५. १३, ५.
रमन्ताम् ७. ११५, ४.
रमन्ताम् ७. १११, १; ८. १, १.
रमय १. १, २; २०. ८९, १.
रमसि २०. १२७, १४.
रमसे ३. १८, ३; ५. २२, ६.
रम्बते २०. १२६, १६; १७.
रयिः १. १५, २; १९. ३१, १२; २०. ११६, २.
रयिम् २. ६, ५; ३. ५, २; १२, ५; २०, १; ३; ५; ४. २१, २; २५, ५; ३३, १; ३६, २; ४; ६; ८; ६. ३३, ३; ५४, २; ६५, १; ७. १७, १; २०, ३; ४; ४७, १; ७६, ६; ७९, १; ८०, २; ८२, ३; ९. ४, २१; ११. १, ३; ११; १२. २, ४६; १४. १, ४२; २, ४; ६; ३७; १८. ३, ११; १४; ४३; ४४; ४, २९; ४०; १९. ३, ३; ७, ५; ३१, १२; १३; १४; २०. ११, १; १७, १२; ६७, १; ७०, १७; ८७, ७; १४३, ६.
रयि-स्थानः ७. ७६, ६.
रयि-स्थाम् ७. ३६, १; ४०, २.
रयीणाम् ३. १०, ५; ६. ६२, २; ७. ४०, २; ७९, ४; ८०, ३; १०९, ६; १०. ९, २७; ११. १, ३४; १६. ३, १; ४, १; २०. ८८, ६; १३७, ६.
रय्या ३. १४, १; ६. ७८, २.
ररण २०. १२६, १२.
ररन्तु २०. २४, ८.
ररन्धि २०. २३, ४.
रराणः ५. २७, ११; ७. ११५, २; १३. २, ३३.
रराणा १. १८, २; ७. ४८, २; ९. १, २.
रराधे २. ३५, २.
ररास्व ७. २०, २; ६८, १.
रवः ५. १३, ३.
रविः २०. १२८, १३.
रवेण २०. ८८, १; ४; ५; ९१, ६.
रशना १०. ९, २.
रशनाम् ७. ७८, १.
रशना-यमाना १४. २, ७४.
रश्मयः ६. १०५, ३; ७. १०७, १; १०. १०, २०; ११. ५, ११; १३. २, १८; २०. ४७, १५.
रश्मि-भिः २. ३२, १; ५. ३०, १५; ६. ६२, १; १०८, १; ५; ७. ११, १; ९. ८, २२; १२. १, १५; १३. २, २; ४०; ४, २–७; ९.
रश्मीन् ४. ३८, ५; ७. ८२, ४; ५; १३. २, १०; १८. १, २७; २८.
रसः १. ५, २; ३. १३, ५; २८, ४; ४. ४, ५; ३. १६, १; ९. ४, ५; १०. ४, १८; १२. ५, १०; १४. २, ५८.
रसम् २. २६, ४; ५; ४. २७, २; ३; ५. १३, २; ३; ८. ४, १०; ९. ६ (२), २; १९. ३१, ५.
रस-वान् १८. १, ४८; ४, २३.
रसस्य १. २८, ३; ४. १७, ३; १८. २, २४.
रसाः ४. १५, २; १९. ११, ४; २०. ५१, २.
रसाम् ४. २, ५.
रसाय १८. ४, ८१.
रसे २. २९ १.
रसेन ३. ३१. १०; ४. ३५, ३; ६. ७८, १; १२४, १; ७. ८९, १; १०. ५, ४६; ६, २; २२; ८, ४४.
रसेभ्यः २. ४, ५.
राकाम् ७. ४८, १.
राके ७. ४८, २.
राज ३. ४, १; ६. ९८, २; ११. १, २२; १४. १, ६४.

राज-अश्वः ६. १०२, २.
राज-कृतः ३. ५, ७.
राज-कृता १०. १, ३.
राजतः ७. ५४, १; ५७, २.
राजति १०. १०, २८.
राजति १. १०, १; ६. ३१, ३; ३६, ३; ७. ७३, ६; ८. ५, १३; ११. ५, १६; २०. ४८, ६.
राजति २०. ४९, ३.
राजतु २. ३६, ३.
राजन् २०. ८०, २.
राजन् १. १०, २; १४, २; ३; ३. ४, १; ४. २२, ६; ५. ३, ७; ६. ९९, ३; १२३, ५[२]; १२८, ३; ७. ८३, १; २; ११. १, २६; २, २८; १८. १, ६०; २, १२; ४, ७०; १९. ४४, ८; २०. ९४, २.
राजनि ६. ११६, १.
राजन्य ५. १८, १; ३.
राजन्यः ५. १७, ९; १८, २; १२. ४, ३२; १४. ८, १; १९. ६, ६.
राजन्यस्य १०. १०, १८; १२. ४, ३३.
राजन्ये ६. ३८, ४.
राज-भिः २०. १७, १०; ९४, १०.
राज-यक्ष्मः ११. ३, ३९; १२. ५, २२.
राज-यक्ष्मात् ३. ११, १; २०. ९६, ६.
राजयातै ६. ९८, १.
राज-वृधेभ्यः ६. १३, १.
राजसि २०. ६१, २; ६; ६२, १०.
राज-सु ६. ९८, १; ७. ५०, ७; १९. ६२, १; २०. ८९, १०.
राज-सूयम् ४. ८, १; ११. ७, ७; १९. ३३, १.
राजसे २०. ५४, १.
राजा १, ३३, २; २. ३२, ४; ३६, ३; ३. ३, ३; ४, ५; १२, ४; १६, २; २२, ३; ४. २, २; ८, १; १६, २; ५; २२, २; ३; ४; ५. १७, २; १९, ६; १०; २१, ११[२]; २३, ११; २५, ६; ६. ८८, १; २; ९८, [२]३; १०४, ३; ७. ८३, १; ११८, १; ८, ७. १६; २०; १०(४), ६; १४; ९. १, २२; ७, २; २२; १०. १, २२; ३, ११; ६, १५; ११. ५, १७; १४. १, ४९; ५९; १५. २, १६; २२; १४, ५; ७; १३; १८. १, ३३; ३, ६९; ४, २६; ४३; ५३; १९. ५, १; २०, १; २६, ४. ३३, ४; २०. १२, ७; ३६, ९; ९२, १६; ९३, ३; १०५, ४.
राजा-इव १९. ४९, ६; २०. १७, २.
राजानः ३. ५, ७; २९, १; ५. १७, १०; १९. ५७, २.
राजानम् ३. २०, ४; ६. १२८, १; ११. ६, २; १८. १, ४०; ४९; ३, १३.
राज्ञानौ १८. १, ५५.
राज्ञः १. १०, १; ३; २५, ३; ४. १६, ३; ४; ६. ६८, १; ३; ९. ७, ६; १०. ५, ४४; १४. २, ४९; १५. २, १८; २४; १०, १; १६. ८, २६; १९. ६, १६; १३, १०; २०. १२७, ७; ९; १०.
राज्ञाम् २. ६, ४; ४. २२, ५; ६. ४०, २.
राज्ञे २. १३, २; ६. २०, २; ९३, २; १५. २, १७; २३; १८. २, ३; १९. २४, ४; २०. २१, १०.
राज्यम् ११. १०, २; १२. ३, ३१.
राज्यम् ४. ८, १.
राज्यानि ११. ६, १५.
राज्याय ३. ४, २.
राज्ये १८. ४, ३१; ३२.
राट् ७. ४९, २.
रात-तमा २०. ३५, १.
रातयः ११. ८, २१; २०. ५८, २; ७४, ४.
रात-हव्यः २०. १४३, २.
रात-हव्यम् ३. ३, १.
रात-हव्या १९. १०, १.
रात-हव्याय २०. १७, ६.
राता ७. ४६, ३.

रातिः १. २९, २; ३. ८, २; ७. १७, ४; २०. ६०, २; ६५, ४.
रातिम् १९. ३, ४; २०. १४२, १.
राति-साचः १८. ३, २०; १९. ११, २.
राती ६. १६, २.
रात्र्ये ८. २, २८.
रात्रि ३. १०, ७; १९. ४७, २; ५; ४८, २; ४९, ३; ६; ७.
रात्रि ३. १०, ३; १९. ४७, १; ३; ८; ९; ४८, ३; ६; ४९, ८; ५०, १; २; ४; ६; ७.
रात्रिः १३. ४, ३०.
रात्रिम् १. १६, १; ३. १०, २; ५. १७, १८; ८. ९, २१; १०. १, ३२; १५. ११, १; ५; ७; १३; १६. ७, ९; १७. १, २५; २६; १९. ४८, ५; ४९, ५.
रात्रिम्-रात्रिम् १९. ५०, ३; ५५, १.
रात्री २. ८, २; १५, २; ४. १८. १; ५. ५, १; ६. १२, १; १२८, २; ७. ६६, १; ७९, ३; ११. ४, २१; १५. २, ५; १३; १६ २०; २५; १९. ४९, १; २, ४; ९; २०. १२३, १.
रात्री-इव ९. २, १७.
रात्रीः ४. ११, ११; ११. ५, ३; १५. १३, ९.

रात्रीणाम् ४. ५, ४; ७. ८०, ४.
रात्रीभिः १८. १, १०.
रात्र्या १३. २, १६; १५. १८, ५.
रात्र्याः १३. २, २६; ४, ३०; १९. ५६, २.
रात्र्याम् २०. १६, ११.
रात्स्यन्ति ११. ३, ४१.
राथ-जितेयीनाम् ६. १३०, १.
राद्धिः १०. २, १०; ११. ७, २२.
राधः ५. ११, ११; १९. ५, १; २०. १५, १; ३०, ५; ३४, १५; ६५, ३; ७१, ११; ७३, २; ७६, ३; ९३, १; १३५, ९.
राध्रः २०. १३५, ९.
राधयासि ११. १, १०.
राधसः २०. २७, ४.
राधसा २०. ११६, २.
राधसाम् २०. १०४, ४.
राधसे ७. ४६, ३; २०. २२, ३; २३, ६; ५६, ५.
राधानाम् २०. ४५, २.
राधिषि १. १, ४; ३. २९, ८.
राधे १९. ७, ३.
राध्यताम् १२. १, २.
राध्यम् २०. ६०, १.
राध्यमानस्य ११. ३, ११.
राध्यास्म १९. १५, २.
रामायणी ६. ८३, ३.
रामायाम् १२. २, १९.

रामे १. २३, १.
रम्याणाम् २०. ११, ३.
रायः १९. १०, २.
रायः १. ९, ४; ३. १३, ३; २९, २; ३४, १; ३. १०, ३; ८; १४, ६; १५, ८; ५. २७, १०; ६. ५, २; ७. ४०, २; ४७, २; ५०, ६; ९. ४, २२; २४; ११. १, ३४; १८. १, ४३, ४, ४७; ६२; १९. २४, ५; ३१, १३; ५२, १; ५५, १; २; २०. १७, ३; ३६, ३; ५६, ४; ६८, १०; ८२, २; ८९, ९.
राया १४. २, ३६; २०. २१, ५.
राये १८. २, ३७; २०. ५५, १; ६९, १; ७१, १२; १०३, १.
रारंजीति ६. ७१, २.
राविषम् २०. १२६. ४.
राशयः ६. १४२, ३.
राष्ट्र-जित्वः १०. ३, १६.
राष्ट्र-भृत् ६. १११, २.
राष्ट्र-भृतः ७. १०९, ६; १०. ८, १५; १३. १, ३५.
राष्ट्र-भृत्याय १९. ३७, ३.
राष्ट्रम् ३. ४, १; ८, १; १९, २; ५; ५. १७, ३; ४; १९, ६; ७; ८; ६. ३९, २; ८७, १; २; ८८, २; १२८, १; १३४, १; ७. ३५, १; ८. ९, १३; १०. ३, १२; १० ८; ११. ५,

१३. २, ३२; ३, ६; १८. १, २५; ३, ६५; १९. १०, ३; २०. ११, १; १२, ३; ३२, १; ३४, १; ४२, २; ६१, ५; ६२, ६; ६४, २; ७७, ५; ८०, १; ८१, १; ९०, १; ९२, २०; १०७, २; ११८, ४.

रोदसी इति १८. १, ३१; ४, ८९; २०. ९१, ११.

रोदेन १४. २, ५९; ६०; ६१.

रोधचक्रे इति रोध-चक्रे ५. १, ५.

रोपणाः ९. ८, १९.

रोपणाकासु १. २२, ४.

रोपयः ११. २, ३.

रोपीः ५. ३०, १६.

रोमशम् २०. १२६, १६, १७.

रोरवीति १८. ३, ६५; २०. ९०, १.

रोरुवत् २०. १२६, १५.

रोरुवतम् ११. १०, २६.

रोषति २०. ५८, २.

रोह ८. १; ६; १३. १, २४[२]; १८. १, ६०.

रोह २. ३६, ५; ३. १२, ६; २०, १; ५. २८, १४; ६. ३०, २; ८. १, ८; ९. ५, ६; ११. १, ७; १२. २, १; ३, १४; १३. १, २; ३४[४]; १४. १, ६१; २, २४; ३१; ३९; १८. ३, ७३; ४, ६; ५१; १९. ३३, २; ६५, १.

रोहणी ४. १२, १[१].

रोहत ७. ९७, ४; १२. २, २४; ४८; १८. ३, ६४; ४, १.

रोहति १०. ६, ३३.

रोहति ८. १०(३), २; १०. ६, ५; १३. ३, २६.

रोहतु ४. १२, ३; ४[३]; ५; १०. ६, ३१; ३२; ३३; १२. १, ३५; १४. २, २२; १८. ३, ६.

रोहन्तः ७. ५३, ७.

रोहन्ति ८. ७, ८; १७.

रोहन्ति ४. १४, ४; १९. ५३, १.

रोहन्तु ६. १०६, १; १२. २, ३१; १८. ३, ५७.

रोहय ४. १२, १.

रोहय १. ९, २; ४; ६. ६३, ३; ८४, ४; ११. १, ४; ३०; १४. २, ३७; १८. ३, ४.

रोहयत् २०. ३८, ६; ४७, ६; ७०, ९.

रोहयतु १३. १, १३.

रोहयामि १८. ४, १.

रोहसि ५. ५, ३.

रोहात् ११. १, ३०.

रोहान् ४. १४, १.

रोहिणी १३. १, २२; २३; १९. ७, २.

रोहिणी इति ६. ८३, २.

रोहिणीः १. २२, ३[२]; ८. ७, १; १८. ४, ३४.

रोहिणीम् १२. १, ११.

रोहित १३. १, २१; ३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २५.

रोहितः १३. १, १; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १८; २४; २५; २६[२]; ३५; ४६; ५२; ५४; २, २५; ३९[४]; ४०[२]; ४१; ३, २६.

रोहितम् १३. १, ११; ३, १२; २३.

रोहितम् ४. ४, ७; ६. १०१, ३.

रोहितस्य १. २२, १; १३. १, ९; २२; २३; ४७; ४८; ४९; ५०; ५१.

रोहिताय १३. १, १३.

रोहिते १३. १, ३७; १४. २, २३.

रोहितेन १३. १, ३४; ५५.

रोहितेभ्यः १९. २३, २३.

रोहितैः १. २२, २.

रोहितौ ५. २३, ४.

रोहिम १९. ६७, ४.

रोहैः १३. १, १३.

रौहिणम् २०. १२८, १३.

रौहिणम् २०, १२८, १३.

ल

लक्तम् २०. २४, ४.

लक्ष्म १. २३, ४; ६. १४१, २; ३; १२. ४, ७.

लुदिम् ७. ११५ १.

वपुः २०. ९२, १०; १४३, २.
वपुः-तमे ५. ५, ६.
वपूंषि ५. १, २; ८; ९; ६. ७२, १; १९. ४९, ८.
वर्ता ८. २, १७.
वयः २. १०, ३; ४. २१, ६; २७, ५; ६. २, २; ३६, २; ७. ९६, १; ८. ४, १८; ९. ४, १०; ११. १, ३०; १२. ३, १; ४७; १८. ३, ७३; १९. ३७, १; २; २०. १६, १; १२; १७, ३; ४; २५, ४; ३१, ५; ३३, ३; ३६, ४; ५३, १; ४७, ११.
वयः २०. १२९, १५; १३६, ८.
वयः-धसः ८. १, १९.
वयः-धाः ५. ११, ११; ७. ४१, २; ९. १, ८; ४, २२; १२. ३, १४; १३. २, ३३; १८. ४, ३८; ५०; १९. ४६, ६.
वयः-धै २०, ९१, ११.
वयः-ऽयः ६. १०, २.
वयः-वयः १. २२, ३; १२. ३, ४९; १९. १, ३.
वयः-सु ३. २१, २.
वयतः १०. ७, ४२.
वयति १०. ७, ४३; २०. १४, ४; ६२, ४.
वयम् १. १८, ३; २७, १; ३१, १; ३५, ४; २. ४, १; ११, ३; १९, १; २; ३; ४; ५; २०, १; २; ३; ४; ५; २१, १; २; ३; ४; ५; २२, १; २; ३; ४; ५; २३, १; २; ३; ४; ५; ३३, ७; ३. ६, ४; १०, ५; ११²; १५, ७; १६, २; ४; ५; २४, २; २७, १; २; ३; ४; ५; ६; ३१, ११; ४. ३, ४; ४, १; ५, १; १७, ६; ७; १८, ८; ३१, ४; ३२, १; ३३, ४; ३७, २; ५. २, ५; ३, १; ७, ३; १४, ७; ९; ६. २६, २; ४१, १; २; ४७, २; ५५, ३; ५८, २; ६२, २; ८५, २; ९०, १; २; ११४, १; ११५, १; १३५, २; ३; ७. ९, ३; १७, २; २०, ३; ३४, १; ५०, ४; ७; ५३, ७; ६१, २; ६५, ३; ६८, २; ७१, १; ७३, १; ११; ७४, ४; ७९, ४; ८०, २; ३; ८१, ५²; ८३, ३; ९०, २; ९२, १; ९३, १; १०९, ६; ८. ३, २२; ९, १८; ९. १०, २०; १०. ३, ८; ४, ६²; ११; १२; ५, १५; १६; १७; १८; १९; २०; २१; २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१; ३२; ३३; ३४; ३५; ४२; ९, २७; १२. १, ६२; २, १३; ३३; १३. १, २९; ५९; २, ४३; ४, ४७; ५०–५४; १४. २, ३६; ५०; ६६; ६७; ६९; १६. १, ५; ६, १; ७, ५; १८. १, ३६; ५८; २, ५९; ४, ६९; ८७²; १९. १५, २; ५०, ३; ५५, ३; ५८, १; २; ५९, २; २०. १, १; ३, ३; ६, १; १३, ३; १४, १; १५, ४; १७, १०; १८, १; ४; २३, ७; २७, ६; ३४, १८; ३८, ३; ४७, ९; ५२, १; ५७, १४; ६२, १; ७०, ११; १९; २०²; ७९, २; ८८, ६; ८९, ६; १०; ९४, १०; ९६, ५; २३; ९७, १; १०२, ३; १०७, ८; १२५, ७; १२७, १४²; १४३, १.
वयसः १२. १, ५.
वयसे ६. ५९, १.
वयांसि ५. २, ५; ८. ७, २४; ११. २, २४; १०, ८; १२. १, ५१; २०. १०७, ८.
वयाम् १३. २, ४६.
वयुना २०. ७७, ३.
वयुनानि २. २८, २; ४. ३९, १०; ५. २०, ९; २०. ९४, ७.
वयुनेषु २०. ९७, २.
वरः १३. ४, ५३.
वरः २. ३६, ५; ६.
वरण १०. ३, १६.
वरणः ६. ८५, १; १०. ३, १; ३; ४; ५; ६; ७; १०; ११; १३; १४; १५; १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २५.
वरणम् १०. ३, १२.
वरण-वत्याम् ४. ७, १.
वरणेन १०. ३, २; ९.
वरत् २०. ७८, ३.
वरते २०. ३६, ११.

वरुत्र्यां २०. १३५, १३.
वरुत्राः ३. १७, ६; ११. ३, १०.
वरुदा १९. ७१, १.
वरम् १२, ३; ६, २०. ६८, ४.
वरम् २. ३६, ६.
वरम्-वरम् ३. १६, ८: ६. ६७, २; ११. ६, २०; १०, २१.
वरा १४. १, ८; ६.
वराः ११. १, १०.
वराः ११. ८, १; २.
वराः-इव २०. २५, २.
वरान् १६. ६, १०.
वराय ७. ३, १; २०. ७६, ६.
वराहः ८. ७, २३.
वराहम् २०. ३५, ७.
वराह-युः २०. १२६, ४.
वराहेण १२. १, ४८.
वराहैः २०. ६१, ७.
वरिमतः ६. ९९, १.
वरिमन् २०. ७६, ७.
वरिमा ४. २५, २.
वरिमाणम् ७. १४, २.
वरिम्णः १२. ५, ७२.
वरिम्णा ४. ६, २; ९. २, २०.
वरिवः २०. ११, ७; १७, ११; ८७, ३; ९४, ११.
वरिष्ठम् २०. ५४, १.
वरीयः १. २, २; २०, ३; २१, ४; ३. ४, ७; ४. १६, ७; ५. १२, ४: ६. ४३, ३; ७. ५०, ४; ५१, १; ६५, १: ११६, १: ९. ४, १६; १२. १, ३२: १९. ७, ५; २०. ३४, २: ८६, ११.
वरीव्रर्जयन्ती १२. ५, २२.
वरीवृर्ति ९. १०, ११; १०. २, ७.
वरीवृतात् ८. ६, २२.
वरुण ७. ८३, २; १९. ४४, ९.
वरुण १. १०, २; २०, ३: २. २८, ५: ४. १५, १२; १६, ६: ७: २६, ५: ५. १, ८; ११, १: ४; ५; ६: ७: १०: ११: ६. ६१, ३; ७. ८३, १; २; ३; ४: १३. २, २१: १४. १, ६२; १८. ४, ६९; ७०: १९. ४४, ८; २०. ४७, १८; ९२, ९.
वरुणः १. ९, १: १६, २: १८, २; ३३, २: २. २८, २; ३. ३, ३: ४, ५; ८, १; २२, २: २७, ३: ४. १६, २; ५; ८: ३१, ७: ३२, २: ५. १३, १: १७, २: १९, १०: २१, ११; २२, १; २४, ४; २५, ६; ६. ४, २: २१, २; ७३, १; ८८, २: ९३, ३: ७. ८१, ६: ११८, १: ९. ७, ७: १०. ४, १६: ६, १४: ११. ५, १४: १४: १२. २, १६: ३, १३: ४, ५: १५. ३, २४: १३. ३, १३: ४, ४: १५. १४, ५: १८. १, १८; ३६; १९. ६, ६: ७: १०. ६: १७, ८: २०, ६: २६, ४: ३२, ६: ४४, १०: २०. ६२, ८: १०६. ३.
वरुणः २०. १३१. ३.
वरुण-तेजाः १०. ५, ३३.
वरुणम् १. ३, ३: ३. २१, ८: ४. ४०, ३: ५. १, ६: ७. २५, १; २; ९. १०, २८: ११. ६, २: १८. १, ५४: १९. १८, ४.
वरुणस्य १. १०, १: २५, ३: २. १०, १: २: ३; ४: ५: ६: ७; ८: ४. १६, ३ [?]; ४; ६. ३८, ३; ६८, ३; ८५, २; १२५, ३: १३२, १: २: ३: ४: ५; ७. ६०, २; ९. २, ६; ४, ८: १०. ४, १: ५, १०; ४४: १०, २२; २८; १३. २, ३५: १४. १, १९: ५७: ५८: २, ४९: १५. २ १८: १६. ८, २९: १८. १, ७: ३, ६६: १९. १३, १०; २०. १०७, १४; १२३, २.
वरुणात् १. १०, ३.
वरुणानी ६. ४६, १: ७. ४९, २.
वरुणाय ४. ५, १; ६. २०, २: १२. ३, ५७: ४, २६; १४. २, ४६: १५. २, १७; १८. १, ३६.

वरुणेन २. २६, ४; ३. ५, ४; ६, २; ११, २; ७. १०४, १; ६. ३, १८; १६. ५६, ४.

वरुणैः ३. ४, ६.

वरुणयात् ६. ६६, २; ७. ११२, २.

वरूथम् १. ६, ३; ५. ६, १४.

वरूथैः २०. ३७, ७.

वरे ७. ८, १; २०. ५४, १.

वरेण्यः ७. १४, ४; ५३, ६; ७३, ६; १६. १५, ३.

वरेण्य-क्रतुः ६. २३, १.

वरेण्यम् २०. ६, ५; ११, ८; ७१, ११; १०६, १०.

वरे-यम् १४. १, ५५; ५४.

वरेषु २. ३६, १.

वर्चः १. ६, ४; १४, १; २. २६, १; ३. २२, ५²; ५. २, १; १८, ४; ६. ६६, ३; १२४, १; ७. १२, १; ६२, १; २; ११४, १; ६. १, ११; १२; १३; १६; १७; १०. ५, ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४; ३६; ६, ८; १२. १, ५; २५; ५, ८; ५६; १४. १, ३५², २, २६; ५३; १६. १, १३; ८, ४; ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १६; २०; २१; २२; २३; २४; २५; २६; २७; २८; २६; ३३; १८. ३, १२; १६. ३७, १; २; ४६, ४; ५८, २², ३,

वर्चः-धसे ३. २१, ५.

वर्चः-धाः २. ११, ४.

वर्चसः १६. ५८, १; ३.

वर्चसा २. १३, ६; ३. ४, १; ५, १; १२, ५; २०, १०; २२, २; ३²; ६; ४. ८, ५; ६; ६. ५, १; ३८, १; २; ३; ४; ५३, २; ६८, २; १२६, २; ७. ८२, २; ८६, १; २; ६. १, १४; १५; १०. ५, ४६; ४७; ६, २; २२; १२. १; ७; ६; १३. १, १५; १७; १८; १६; २०; ३, १६; १४. १, ३४; ३५; ३६; २, २; १७. १, ६; ७; २७; २८; १८. २, ५६; ६०; ३, १०; ११; १६. २४, ४; ३१, ७; १२; ३३, ५; ३६, १; २०. ४८, १; २.

वर्चसे १. ३५, १; २. २८, ५; ३. १०, ७; ५. २८, १३; ६. ६२, ३, ६३, १; १२. २, २८; १६. २६, ३; ४५, ६; ७; ८; ६; १०; ४६, १.

वर्चस्यम् १६. २६, ४.

वर्चस्वतीम् ६. १, १६.

वर्चस्विनम् २. २२, ३.

वर्चस्वी ५. २८, १०; १६. ४०, २.

वर्चांसि ४. २२, ३.

वर्जय १०. ४, २५.

वर्णः १. २२, २; १८. ३, ८.

वर्णम् ११. ८, १५; १७; २०. ११, ५; ६; ३४, ४.

वर्णेन १. २२, २.

वर्णैः १. २२, २.

वर्तक २०. १३१, ६.

वर्तमान् ५. १४, ५; ११; ६. १०२, १; १०. १, १६; ११. ६, २१.

वर्तते ६. १०२, १.

वर्तते १०. ८, ७; ११. ४, २२; १२. २, ५२; १६. ४७, १.

वर्तनिः ७. २१, १.

वर्तनिम् १६. १२, १.

वर्तनी २०. २१, ८.

वर्तय ६. ७७, ३; ८. ४, १६; ११. २, २१.

वर्तयतम् ८. ४, ४; ५.

वर्तयासि १६. १२, १.

वर्तयामसि ७. १२, ४; २०. १६, १.

वर्त्ता २०. २७, ४.

वर्तिः २०. १४१, १; १४२, २.

वर्त्म १२. १, ४७.

वर्त्मन् २०. १३५, २.

वर्त्मानि ६. ६७, १.

वत्रम् १. ३, ७.

वर्धतः २०. १३६, २.

वर्धताम् २. २८, १; ६. ३६, १; ७२, २; ३, ७८, १; २²; १०१, १; ७. ५३, ५, ७३, ८; ८२, ३; ६. १०, ५.

वर्धति २०. १०६, ३.

वसु॑ना ५. २८, ७. ९८, १; २०. २५, १; ८६, २.
वसु॑-नीतिः १२. २, ६.
वसु॑-पतिम् २०. ७१, १५.
वसु-पत्नी ७. ७३, ८; ९. १०, ५.
वसु॑-श्रिः २. १२, ४; ४. ३०, १; ५. १२, ३; ६. ७३, १; ७४, ३; १९. १०, ६; १७, १.
वसु॑-स्थः ८. ३, ९.
वसु॑म् ७. ६७, ४; २०. ६७, ३.
वसु॑-मन्तम् १८. १, २६.
वसु॑मान् १६. ६, ४२.
वसु-या ४. ३३, २.
वसु-युम् २०. १४३, १.
वसु॑-रुचिः ८. १० (५), ७.
वसु-वनिः ७. ६०, १; १३. ४, २६.
वसुवनिम् २०. १३५. ११.
वसु॑-वन्तम् १९. १८, १.
वसु-वित् १८. ४, ४८.
वसुविदम् २०. १२७, ६.
वसु-विदम् ३. १६, ६; २०. ८९, ३; ११८, १.
वसू॑नाम् ४. २६, १; २; ३०, २; ७. ७३, ८; ७६, ६; ७९, ३; ९. १, ४; १०, ५; १०. ८, ४२; २०. ७०, १५.
वसू॑नि २. ३५, १; ३. ४, २; ४; ३, ३२, ३. ५. ७, १; ६. ६३, ४; ७. ४८, २; ६७; ३; ४; १२. १, ४४; १९. ५, १; २४, ६; २०. ५८, १; ६०, ३; ६४, ५.
वेसे॑न् १२. ४, २७.
वसो इति २०. ५२, २; ५७, १५.
वसो इति ७. ५५, १; २०. १८, ४; २३, ७; ८०, २; १०८, २.
वसोः १. १, २; ३. ४, ३; १२. ३, ४१; १९. ५५, २; २०. ९, १; ४९, ४; ७१. १५.
वसोः-वसोः १९. ५५, ३; ४.
वसौ २०. ५६, ३२.
वस्ताम् ७. २७, १; ११८, १.
वस्ति-बिलम् १. ३, ८.
वस्तं १०. ८, ३६; १३. ३, १.
वस्ते ११. ४, १०; १३. १, १६२; ११.
वस्तोः ५. १२, ४; ६. ३१, २; २०. ४८, ६; ७७, ५.
वस्तौ १. ३, ६.
वस्त्रम् १४. २, ४१; ४२.
वस्त्रा ९. ५, २५; ११. ३, २१.
वस्त्राणि ५. १, ३.
वस्त्रेण १८. २, २५.
वस्त्रेन १२. २, ३६.
वस्वः ६. ४७, ३; ७. १०३, १; २०. १४, ३; ४१, १; ६२, ३; ८२, २.
वस्वः-भूयाय १६. ९, ४.
वस्वा २०. १३६, २.
वस्व्यः १८. ३, ५३; २०. १७, ३; १२; २७, १; ८७, ६; ७.
वसांसि २०. १३१, २.
वस्वीः २०, १०९, १; २; ३.
वहं ५. १२, १; १८. १, ३०; २०. १३५, ११.
वह १. ७, १; ७; २. ५, १; ३. २३, २; ५. ४, ६; ८, १; २९, १; ६. ४८, १; २; ३; ७. १०९, २; ९. ५, १७; १०. ९, २५; १२. २, ४२; १३. १, ६२; १६. ६, ३१; १८. १, २५; ४६; ५७; २, ८; ३४; २०. १३, ४; १०१, ३.
वंह २०. १२८, १५.
वहः ३. ११, ८; ९. ७, ३.
वहत् १. ८, १.
वहत ५. २६, ४; ७. ८९, ३; १८. ३, २७.
वहंतः २०. ७३, ४.
वहतः २०. ३१, १.
वहतम् १. २७, ४.
वहतम् ३. ११, ६.
वहतात् ६. ८२, २.
वहताम् २०. ३, २; २३, ६; ३८, २; ४७, ८.
वहताम् ३. २४, ७; १४. १, २०.
वहति १३. १, २१; २०. १४३, १.
वहति ९. ९, २; १०. २, ६; ८, ८; १३. ३, १८; १९; १९. ५३, १; २; २०. ८९, ८.
वहतु ९. ४, ३; १२. २, ८; १९. ४, १.
वहतुः १४. १, १२.

वहतुना १४. २, १.
वहतुम् ३. ३१, ५; १४. १, १४; ६१[२]; २, ९; १०; १२; ७३; १८. १, ५३.
वहतौ १०. १, १; १४. २, ६६.
वहन्तम् ११. २, २९.
वहन्ति १३. २, ४; ६; ७; २३; २०. ४७, २०; १४३, २.
वहन्ति ४. २७, ४; ८. ९, १६; ९. ९, ३, १४; १९; १३. १, २४; ३६[२]; ४३[२]; २, ११; १६; ३, १६; १८. ४, ४४; २०. ४७, १३.
वहन्तु ३. १६, ६; ७. ५३, ४; ८२, ६; ९. २, ११; १०. ४, २०; ५, २४; १४. २, ७४; १६. १, ११[२]; ६, ७; ११; १८. १, ६०; २, २२; १९. ७, ४; ५; २०. ११, २; ३२, २; ९४, ३.
वहमानः १८. १, २४.
वहमानाः ७. ९७, ४.
वहसि ४. २३, २; ९. ४, १७.
वहसे ७. ४, १.
वहात् १९. ३१. १०.
वहाति ६. ५५, १; १८. २, ५३.
वहाथ १. ३०, २; १८. ४, १०.
वहिष्ठम् ४. २१, ३.
वहिष्ठाः १३. २, ६; ७.
वहेन ४. ११, ७.
वह्यः २०. १३८, २.
वह्निः ५. २७, ४; १३. ३, १९; १८. १, २३.
वह्नि-सिः २०. ७०, १.
वह्निम् १२. २, ४७.
वह्नी इति १८. २, ५६.
वह्यम् ४. ३०, ३; १४. २, ३०
वह्य-शीवरीः ४. ५, ३.
वा २०. १३३, ४.
वा १. ४, २; ९, २; १८, ३[२]; २५, २[२]; ३[२]; ३०, १; ४; ३२, २; २. १२, ६; १४, ५; २८, २; ३; ३. ११, २; १३, ६; ४. ८, ५; ९, १०; १२, ७; १८, ५; २६, ७; २७, ५; ३८, ५; ५. १, ७[२]; ५, ४; १४, ६; ७[२]; १९, ३; २२, २; ७; २५, ६; ३१, २; ४; ८; ६. ७, १; २९, १; २; १०६, १[२]; ११३, २; ११६, २; ३; १२०, १; ७. १, १[२]; १२, ४[२]; २६, ८; ३८, ५[२]; ५०, ७; ६५, २; ६६, १; १०८, १; २[२]; ८. ३, ५; ५, ९[३]; १४[२]; १५; १६; १८; ६, १८; ९. ६(३), ९[२]; ८, २०; १०, १[२]; १०. १, ४; ११; १८[२]; ८, १७; २७; २८[२]; ९, २६[२]; १२. २, ४; ३, १३; ३९; ५२; १३. १, ६; ५१; २, ७; ४, ४२[२]; ४३[२]; ४४; १४. १, ३६; २, ६२; ६५; १८. १, १६[२]; २२; ४६; २, ७; १७; २६; ३१; ३, ५५; १९. ३८, २; ३९, ९[२]; २०. १३, ४; २५, ६[२]; ६४, ४; ७०, ५; ६[२]; ७१, २[२]; ७६, १; ८७, ४; ८९, १०; ९६, ७; १११, १[२]; २; ३[२]; ११२, २; १२०, १; २; १२६, ३; १०; १३१, ४; १४०, १; ४; १४१, २[२]; १४२, ४; ६; १४३, ३[२].
वां २०. १२७, १५.
वाः ३. १३, २; ४. ७, १; १०. ४, २; ४; १८. १, १२; २०. १००, २; ११५, १२.
वाः-इव ३. १८, ६.
वाक् २. १२, ८; ३. १३, ६; ५. १८, ८; ६. ३१, ३; ८. ८, २२; ९. १, १०; २०; १०, २४; २७; ११. ८, ४; २६; १२. ५, ७; १६. २, १; ६, ५; १९. ९, ३; ६०, १; २०. ४८, ६.
वाकम् ९. १०, २[२].
वाकाः ६. २५, १; २; ३.
वाकेन ९. १०, २.
वाकैः १९. ३, ४.
वाक्षीत् ५. ८, ३.
वाग्वी-इव ५. २०, ११.
वाघतः २०. १९, २; ८४, २.
वाचः ७. ४३, १; १०. ८, ३३; १३. १, १७; १८; १९.
वाचः १. १, १; ४[२]; ४. ११, ७; ७. १, १; ८. ३, १२; ९. १०, १३; १४; १५; २७; १०. ५, ४८; १२. १, १६; ३, ५; १६. ६, ६[२]; १७.

१, २९; १९. ४०, १; २०. १३७, ५.
वाचः १. १, २.
वाचम् ३. २०, १०; ३०, २; ३; ४. ६, २; १५, १३; ५. १, २; ७, ३; ६; १०, ८; २०, १; ४; ५; ६; ८; ११; ६. ३४, १; ४९, ३; ६१, २; ६६, २; ११८, ३; ८. ९, ३; ९. १, १९; २, ५; ६, १०; १०. २, ७; ११. १, २; ५, २४; १२. ३, १२; १४. १, २१; १६. २, २; १९. ४, ४; २०. ११, २; २१, १; ४२, १; ८९, १; ११७, ३; १२७, ६.
वाचम् २०. ४९, १; २; ३.
वाचम्-इव २. १, ४.
वाचम्-ईङ्खयः २०. १२७, ६.
वाचा १. १८, ३; ३४, ३; २. ३१, ३; ३५, ५; ५. ७, ५; ३०, २; ३; ४; ९; ६. ८५, २; ९६, ३; १२१, २; ७. ७०, १; ८. १, ३; ३, ६; ९. ३, २; १०. ७, ३९; १३. १, १३; १६. ६, ५; १८. १, ३०; १९. ५८, ५; २०. ७३, ६; ८९, १; १४२, १.
वाचा-स्तेनम् ८. ३, १७.
वाचि ५. १२, ११.
वाजः ११. ७, ३; १२. १, २; १८. १, ३३.
वाज-पेयम् ११. ७, ७.
वाजम् ४. २७, १; १४. २, ७०; १८. १, २२; १९. १२, १; २०. ९, २; ३१, ५; ३४, १८; ३७, ६; ४९, ५; ५२, ३; ५७, १६; ६३, ३; ६९, ७; ७७, ८; ८५, ४; ९१, १०; ९८, २; १२४, ६.
वाजय २०. १६, २.
वाजयन्-भिः ७. ५०, ३.
वाजदत्ताः २०. ३६, २; ६६, ५; १२५, ३.
वाज-यन्तः २०. १०, १; ५९, १.
वाज-यन्तम् २०. १०८, ३.
वाजयन्ति ६. १०१, २.
वाजयामः २०. ६८, ९.
वाजयामसि २०. ४७, १; १३७, १२.
वाज-रत्ना २०. १४३, ७.
वाज-रत्नाम् २०. ८९, ७.
वाज-वत् २०. ७१, १३.
वाज-सातये ५. ६, ४; ७. ४९, १; १४. २, ७२; २०. १९, ५; १३७, २; १४१, ३.
वाज-साते ४. २७, १.
वाज-सातौ १९. १०, १; २०. ६१, ११.
वाजस्य ३. २०, ८; ६. ६, ४; २०. ७३, ४; ७८, २; ९८, १.
वाजाः ४. ४, ८; १९. ३१, ११.
वाजान् १२. २, २६; २७; १३. १, २२; २०. १२, ४; ३७, ११.
वाजानाम् २०. ६४, ६.
वाजानाम् २०. ६०, ३; ७४, ९.
वाजाय २०. ३१, ४.
वाजिन् ४. ३८, ६; ७; ९. ९२, १; २; ३; १३. १, १.
वाजिनः १. ४, ४; ३. १६, ६; ६. ७२, ३; १९. २, ४; २०. १२१, २; १३७, २.
वाजिनम् ३. २०, ७; ७. ८०, २; ८५, १; ८. ३, १; १०. ६, ११; १३. २, ७; २०. ४४, ३; ६६, १; ६८, ८; ९.
वाजिना ४. ४, २; ८. ४, ६; ११. २, ७.
वाजिनानि ३. १९, ६; १२. ३, २.
वाजिनि १९. ४७, ४.
वाजिनीः १. ४, ४.
वाजिनी-वतः ८. ८, ६; १०. ४, ७.
वाजिनी-वते १८. ३, ५४.
वाजिनी-वन् ४. ३८, ६; ७.
वाजिनी-वसुः २०. ३१, २.
वाजिनीवसू इति वाजिनी-वसू १४. २, ५; २०. १३९, ४.
वाजिनीवसोऽइति वाजिनी-वसो २०. २४, ५.
वाजिनी-वान् ४. ३८, ५[२].
वाजिभिः १९. २७, १.
वाजी ५. २९, १०; ८. ५, २;

९. २, ७: १९. ११, ४: २०. ६७, १.

वाजे ६. ६८, ३: ४: ७०. २४, १: ४५. ३: ६०, ३.

वाजेभिः २०. ४६, ५: ६२, २: ४६, ३: ६६, ७.

वाजे-वाजे १९. ७१, ७: ७७. २६, १.

वाजेषु २०. १६, ६: २४, ६: ५६, १: १८, ८: ६; ७०, १०.

वाञ्छ ६. ६, १२.

वाञ्छन्तु ४. ८, ४: ६. ८७, १.

वाणीः ९. १०, २: २०. ३८, ४: ४७, ४: ७०, ७: १४७, ४.

वाणीभिः २०. १४०, ४.

वात ४. १३, ३.

वातः १. ११, ६: २. १०, ३: ३०, १: ३. २१, १०: २६. ४: ४. ४, २: १५, ११: ५. ३, ३: ५, ७: ९, ७: ६. ६२, १: ६१, २: ७. ६६, १: ८. २, ५: २, १४: ६, १६: ९. २, २४: १०. १, ११, ३: ११: १४: ७, १२: ३४; ३७: ८, ३५: ६, ३६: ११. ३, ४: ४, १५: ७, २: ८, २१; १२. १, ५१: १३. १, ५१: १५. ०, ७: १४: २०: २७: १६. ८, ६: १०, ४: २७, २: ७: ४४, ५: ५४, ४: ५५. २: २०. १६, ५२; ७३, ५: ७४, ६.

वातुः ४. २३, २.

वातुः २०. १३२, ४.

वातः-त्रय ४. ३०, ८: १०. १, १७.

[illegible] ६. १२, ८.

[illegible] १. १२, ६.

[illegible] ४. १५, २.

वात-[illegible] १०. ५, ८९.

वात-[illegible] २. १०, ६.

वात-ध्रुः १८. ३, ३०.

वात-[illegible] १. १२, १.

वातस्य ३. २०, ७: ६. ८९, ७: ११. ६, १८, २, ७.

वातस्य-आत्माः १३. २, ४२.

वात-[illegible] ११. १०, ३.

वात-[illegible] ६. ६०, १.

वातये १०. ७, ३४.

वातस्य ३, १, ५: २, ३: ९. ४, ११: १२. १, ५१.

वाताः १. १४, २: ४. २४. ८: १२. ३, १२; १३. ३, २: १८. २: १०: ३६: २, २१: १९. १, १.

वातान् ४. १०, १: ८. २, ३: ९. १, २: ३: १०.

वाताप्रजन्यौ ६. ६३, ३.

वाताप्रजन्यौ १०. ४, १६.

वातात् १०. १, ११: १२: १३:

१४: १५: १६: १०.

वातीन् ४. ५, २: ६. ६१, २: १९. २, ४२.

वाती-[illegible] ६. ८, २०.

वातीकृत-[illegible] ६. ४४, ३.

वाती-कृतनाश ६. १०६, ३.

वातु ४. १५, १६.

वातु ४. १३, २: ७. १६, ६: ८. ३, १५: १९. १८, ४.

वाते ३. १२, ७: ६. ३८, ३: २५, २: ७. ३३, १: १०, २.

[illegible] ६. १२, ९: १७. ३

[illegible]

वाते ४. १२, ३.

वादिनः ६. ४२, १: ४३, ३.

वादिनः ६. १२८, ३.

वाध्र्य-श्व १४. १, २९: २, ३१: ३४.

वानस्पत्यः ५. २२, १: ३१, ३: १२. ३, १८.

वानस्पत्याः ३. १०, ५: १८. १, २०: १४. ३, २.

वानस्पत्यान् ३. ९, ३: ८, ८, १४: १९. ६, २४.

वानस्पत्यानाम् १५. ३, ३: १६. ८, १६.

वानस्पत्येषु १४. २, ६.

वान्य ४. १४, ८: १२. ३, १८: १८. १, ३६; २, २१.

वापय १८. ३, ६.

वापयामसि ६. १८, १.

वापीनाम् १९. २४, ६.

वाम् २. २६, ४: ३०, २: ४. २६, १: ५: २८, १२; २६, २; ६. ७८, ३: १२०, ३: १४०, २: ३: ७. २६, १२; २७: ७८, २: ७३, १२; ५: ५२: ८. ५. ३: १२; ९. १०, ३३; ११. २, ९: १२. ३, २: २: ३; ६: ५: ७: ८: ३६: १४. १, १४: १४: २, ५: ३६: ४०: १८. १, ३६; ३, ३८: ३६: ४,

वासांसि ९. ५, २६.

वासिताम्-इव ५. २०, १.

वास्तु ७. १०८, १.

वास्तुषु १२. ५, ४९.

वास्तूनि ९. २, ४; ९.

वास्तेयीः ११. ८, २८.

वास्तोः ६. ७३, ३.

वास्यां १०. ६, ३.

वाहः २०. ७६, ३.

वाहः ६. १०२, १.

वाहंसा २०. १३८, २.

वाहाः ३. १७, ६.

वाहान् ३. १७, ५.

वाहि ४. १३, ३[२].

वाहिनी १०. १, १५.

वि १. १, ३; ४; ७, २; ३; ६; ८, २; १०, १; ११, १; २; ३[२]; ५[५]; १९, २; ३; २०, ३; २१, २; ३[४]; ४; २८, ४[२]; २. ८, १; २७, ४; ३३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ३६, ३; ३. १, ५; २, २; ३; ४; ३, १; ४, १; २; ४; ७, २; ४; १०, १; १२; ११, ५; ७; १७, १; २; ५; २५, ६; २९, ८; ३०, ५; ३१, १[४]; २[४]; ३[४]; ४[४]; ५[२]; ६[२]; ७[२]; ८[२]; ९[२]; १०[२]; ११[२]; ४. १, १[२]; ४; ५; ३, ७[२]; ७, २; ४; ८, ४; ९, ४; १०, २; ११, २[२]; १३, २; ३; १५, ८; १६, ५; १९, ५; २१, ४; ३०, २; ७; ३१, २[२]; ३२, ३; ३७, ६; ८; ९; ५. ३, २; ४; ८; ६, १[२]; ७, ६; ७; १२, ४; ५; ११; १३, ६; १७, ४; १७; १८, ४; २०, ४; ९; २२, ६; २५, ९; २७, १०; २९, ६; ७; ८; ९; ६. २, २; २२, १; ३०, २; ३१, २; ३; ३३, ३; ४३, ३[२]; ४९, २; ५६, १; ६३, १; २; ६६, ३; ८१, २; ८४, ३; ९०, १; ९८, २; ११२, १; २; ३; ११३, २; १२१, १; ४; १२७; ३; १३३, १; १३७, ३; ७. ४, १; १८, १; २५, २; २६, ३; ४; ५; ४२, १; ४३, १; ४४, १; ५०, ३; ६; ५६ ७; ६९, १; ७२, २; ७३, ६[२]; ७४, ३; ७८, १[३]; ८१, २; ८२, ३; ८४, ३[२]; ९०, २; ११७, १; ८. १, ९; २१; २, १८; ३, ४; २४; २५; ४, १५; १८; २५; ५, ७; ८; १३; ६, १०; ७, ९; ८, २४; ९, ७; २०; ९. १, ५; ३, १; २; ३; ४; ५; ८; १३; १४; १८[२]; २०; ५, ४; ८[२]; २०; २७; ९, ६; ७; १४; १५; १०, १५; १९; २१; २२; २६; १०. १, १९; २, ४; ६; ११; ३, ११; ४, ६; ८; १९; ५, २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१; ३२; ३३; ३४; ३५; ६, १८; २१; ३३; ७, २; ४३[२]; ८, ५; १३; १९; ३०; ४१; ११. १, ५; १२; २२; ३१[२]; २, १; १९; ३१; ४, ३; ३१; ५, १६; १७; ८, ३१; ३३; ९, २३; २६; १०, १६; १२. १, १०; ४८; ५७; २, २२; ३२; ५५; ३, ५; १८[२]; २८; ३६; ५४; ४, २; ५, ५५; ६८; ७१; १३. १, ५; ८; ११; १४; १६; २७[२]; ४२; २, ९; १०; १८; २२; २७[२]; २८; ३०; ४१; ३, १६; २२; २५; ४, ७; ११; १९; ४१; १४. १, १३; २२[२]; २४; २६; ४६; ५६; ५७; ६४; २, २५; ६४; १५. २, १; ९; १५; २१; ६, १; ४; ७; १०; १३; १६; १९; २२[२]; २४; ९, १; १७. १, १६; १८; १८. १, ८; ९; १७; १९; ३३; ३९; ५५[२]; २, ४; ४१; ५३; ३, ९; १८; ३९; ५३; ४, ३; ६९; १९. ६, २; ५[२]; १५, १[२]; २; २४, ६; २८, ४; ४४, ७; ४६, २; ४७, १; ५३, ५; ६; ५५, ६; ६८, १; २०. ४, २; ११, १; १२, ३; ४; १६, ४; ९; १७, ५; ९; २२, १; २३, ८; २७, ५; २८, १; ४; २९, ५; ३४, १६; ३५, १०; १२; ३६, ४; ६; ९; ३७, ९; ३८, ६; ३९, २; ५; ४७, ६; १५; १९; ४८, ५; ४९, ३;

वि॒द्धा ३. २५, ४.

वि॒द्धि ५. २६, १; ६. १२३, ५; २०. १८, ४.

वि॒द्धि॑ ११. १, ३०; १४. २, ३३.

वि॒द्म १. २, १; ३, १; २; ३; ४; ५; १३, ३; ४. ३१, ५; ५. १३, ७; ६. ४६, २; ७. १२, २; ७६, ५; ८. ७; १८; १०. १, २०; १३. ३, २१; १६. ५, १; ४; ५; ६; ७; ८; १६. ५६, ६२; २०. २४, ६; ५६, ५; १३६, १०.

वि॒द्म॒ ४. ११, १२; ६. ४६, २; ११. १, २६; १३. ३, २१; १६. ५, ३; ४; ५; ६; ७; १०; १८. १, ३६; १६. ५७, ४.

वि॒द्मना-अ॑पसम् ७. ४७, १.

वि॒द्मो इति॑ १. २, १.

वि॒द्य॒ते॑ १६. ४६, ७२.

वि॒द्यया॑ ६. ११६, १; ११. ७, १०.

वि॒द्याः ११. ८, २३.

वि॒द्यात् ८. ६(१), १; १०. ७, २४; ८, २०; ३७२; १०, २३; २७; ११. ३, २३; ८, ३; ७; १२. ४, १६.

वि॒द्यात्॒ ७. ८६, २; ८. ६, ३; ६. १, १५; १०. ५, ४७; ८, २०; ३७; १२. ५, २४.

वि॒द्याम॑ २०. ५७, ३; ६८, ३.

वि॒द्याम॒ १०. ८, २६.

वि॒द्युः ७. ८६, २; ६. १, १५; १०. ५, ४७.

वि॒-द्युत्॒ ४. १५, ६; ६. १, २१; २, १५; ७, ३; १०, ७; ११. ३, ४०; १५. २, २५; २०. १३५, ३.

वि॒-द्युतः॑ ४. १०, १; ६. २. १४; १०. ५, २३; १०, ७; ११. ७, २१.

वि॒-द्युतः॒ १८. ४, ८६.

वि॒-द्युतम्॒ ३. २१, ७; १०. १, २३; ११. २, २६.

वि॒-द्युता॑ ७. ११, १; ५६, १; ८. १, ११; १६. ३०, ५.

वि॒-द्युताम्॒ १६. ४४, ५.

वि॒-द्युते॑ १. १३, १; ११. ४, २.

वि॒-द्योत॑मानः ६. ६(५), ७.

वि॒-द्रु॒धम्॒ ६. १२७, ३.

वि॒-द्रु॒धस्य॑ ६. १२७, १; ६. ८, २०.

वि॒द्व॒नः॑ ६. ६, ७.

वि॒द्व॒लाः १०. १, ६.

वि॒द्वांसः॑ ६. ११५, १.

वि॒द्वांस॑म् ६. ६, ४; १०. ८, १७; १२. ४, ४३; १३. ३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १६; २०; २१; २२; २३; २४; २५; १५. २, ३; ११; १७; २३.

वि॒द्वान्॒ २. १, २; २८, २; ३५, ३; ३. १, १; २; २, १; ४. १, ३; ६, ७; ३६, १०; ५. ११, ६; १२, ६; २०, ६; २६, ५; ३०, ७; ६. ६८, ३; ७६, ४; १११, २; ३; १२२, १; ७. ७३, ६; १०८, १; ६. ३, ३; ३(२), ७; ६(४). १; ३; ५; ७; ६; १०; ६, ७; १०. ५, ५०; ८, १२; २०; ४४; ११. १, ४; ५, १०; ८, ३२; १२. २, ६; ३६; १४. १, ५६; १५. १०, १; ११, १; १२, १; १३, १; ३; ५; ७; ६; १७. १, १६; १८. २, ५४; ५७; १६. १५, ४; ५६, १; ५६, २; ३; २०. ७७, ६; ८६, १; ६१, ३; ६६; २.

वि॒-द्वि॒पतं॑ ३. ३०, ४.

वि॒-द्वे॒षणम्॒ २०. ८५, २.

वि॒-द्वे॒षम्॒ ५. २१, १.

वि॒-ध॒न्वन्॒ १८. २, ५८.

वि॒ध॒तः २०. ५८, २.

वि॒ध॒ते २०. १४३, ४.

वि॒-ध॒त्ता १६. ५८, २.

वि॒-ध॒माम्॒ १. १८, ४.

वि॒-धरणी ६. ७, ४.

वि॒-ध॒र्तारं॑ २०. ६२, १७; १०५, ५.

वि॒-ध॒ता॑ ३. १६, २; १०. ८, ३६; १३. ७, ३.

वि-ध॒र्मणा १६. ३, ३.

वि-ध॒र्मा॑णि ७. २२, १; ६. १०, १७.

वि-ध॒र्मा १६. ३, २.

वि॒-धा॒ता ५. ३, ६.

विप्राः २०. ८९, १.
विप्राय ५. ११, ११: २०. ६२, ५; १३५, ११.
विप्रासः १४. १, ३७; २०. ३६, २; ७१, १; ११६, २; १३६, ३.
वि-प्रुपः ६. ५, ११.
वि-बद्धः ५. २०, २; ६. ११२, ३.
वि-बन्धुरु १८. २, ४७.
वि-बबाधे ८. ६, ६.
वि-बर्हणं २. ३३, ७; २०. ६६, २३.
वि-बाधः १९. ३४, ७.
वि-बाधते २०. १३६, १४.
वि-भक्ताः १. ३०, ४; ११. २, ९.
वि-भजन्ति १९. ५०, ६.
वि-भजन्ते ३. २९, १.
वि-भजासि १८. १, २६.
वि-भर्वः २०.११३, ४.
वि-भाज्यं ११. १, १३.
वि-भाज्यमाना १२. ५, २८.
वि-भाति १३. २, ४२; ३, १७.
वि-भाती १०. ८, ३०; १९. ४९, ४.
वि-भातीः १४. २, ४३; ४४; १८. ३, २४: १९. १०, १०.
विभावरि १९. ४८, २; ४; ४९, ६; ५०, ७.
विभा-वा १९. ५२, २.
वि-भासासि ११. २६, ३.
वि-भिद्यं २०. ९१, ५.
वि-भिनत्ति २०. ५३, १: ५७, ११.
वि-भिन्दती ४. १६, ५.
वि-भिन्दन् ४. १६, ५.
वि-भु २०. ५८, ४: ७२, ११ १३५, ९.
वि-भुः १९. ५३, २.
विभु-क्रतुम् २०. ६७, १२.
वि-भुम् ४. २३, ४.
विभुमत्-ध्यः २०.१३०,१०.
वि-भूः ७. २१, १: १२. ४, ४७; १५. १४, ६.
वि-भूतयः २०. ६०, ५; ७१, ५.
वि-भूतिः २०. ४५, २.
वि-भृतः १९. ३, १.
वि-भेजिरे १०. ७, २७.
वि-भ्राजन् १३. २, ३३; ४५; २०. ६२, ७.
वि-भ्राष्टिम् २०. ६७, ३.
वि-भ्वन् १८. १, २२.
वि-भ्वीः १८. ३, ६६.
विम् ७. ११७, १.
विमदन् २०. ४६, ३.
वि-मदम् ४.२९, ४.
वि-मदाय २०. १४१, ५.
वि-मन्युकः ६. ४३, १.
वि-मन्युकस्य ६. ४३, १.
वि-ममे ७. २६, १: २०.३४, २.
वि-महसः २०. १, २.
विमानः ४. २, ३: १०. ८, ३: ४०.
वि-मानम् ९. ४, १५.
वि-मितम् १३. २, ७.
वि-मिता १३. १, ७.
वि-मिते १०. ७, ३६.
वि-मिमानः १३. २, ५.
वि-मुक्तः ९. ७, २५.
वि-मुचः ६. ११२, ३.
वि-मुच्वति १२. १, ३५.
वि-मृग्वरी १२. १, २७.
वि-मृग्वरीम् १२. १, २२.
वि-मृधः १. २१, १; ८.५,४: २२.
वि-मोकः १९. ३, ४.
वि-यतां १०. ८, १८: १३. २, ३८: ३, १४.
वि-यन्ता ९. १०, १६.
वि-यन्ति ३. ३०, ४.
वियुक्-भिः ७. ४,१.
वि-युनक्ति ८. ६, ३.
वि-यूयं २०. १२५, २.
वि-रप्शम् २०. ८८, ३.
वि-रप्शिन् ६. २, २.
वि-रप्शिन् २०. ३६, ६.
वि-रप्शिनम् ५. २६, १२.
वि-रप्शी २०. ६०, ४: ७१,४.
वि-रवेणं २०. १६, ८.
वि-राजः ३. १७, २: ८. ९, १: २: १०: १३. १. ३३: १५. ६, २३: १९. ६, ९.
वि-राजन् ३. १२, ६.
वि-राजन्तम् १९. ४२. ४.
वि-राजम् ८. ९, ७: ९: ९. २, ५: १०. ७, १६: ११. ५, ७: १५. ११, ९.
वि-राजां १५. १५, १०.
वि-राजाति १. २९, ६.
वि-राजे १७. १. २२: २३.

वि-राट् ४. ११; ७; ७. ८४, १; ८. ५, १०; ८, २३; ९, ८; ९; १०(१), १; ९. ५, २१; १०, २४[५]; ११. ४, १२; ५, १६; ८, ३०; १२. ३, ११; १३. ३, ५; १४. २, १५; ७४; १५. ६, २२; १९. ६, ९.
वि-राधनम् ११. १०, २७.
वि-रिष्टम् ६. ५३, ३; ७. ५७, १.
वि-रुजन् १९. २८, ३.
वि-रुजन्ति ९. ८, १३; १८.
वि-रूपः १०. १२८, १२.
वि-रूपम् ६. ७१, १.
वि-रूपाः २. २४, ४; ३. ४, ७; १८. ४, ३३.
विरूपे इति वि-रूपे १०. ७, ६; ४२.
वि-रूपौ ५. २३, ४.
वि-रोचते ४. २३, ७; २८, १; ७. २५, २; १३. १, ५५.
वि-रोचनः ८. १०(४), २.
वि-रोहतः ४. ४, ३.
वि-लपन् ६. २०, १.
वि-लिंगी ४. १३, ७.
वि-लिप्ती १२. ४, ४६; ४७.
वि-लिप्त्यम् १२. ४, ४१.
वि-लिप्त्याः १२. ४, ४५.
वि-लीढ्यम् १. १८, ४.
वि-लोहितः १२. ४, ४.
वि-लोहितम् ९. ८, १.
विवक्ति १८. १, २३.
विवक्ति २. २८, २; ४. १, ३.
विवत्वः २. ३०, ३[२].
वि-वदत् ३. ३, ६.
वि-वरुणाः ८. ७, १०.
विवस्वतः १८. १, ५३.
विवस्वतः १८. १, ३५; २०. ११, ७; २१, १.
विवस्वते १८. २, ३३.
विवस्वन्तम् ११. ६, २; १८. १, ५९.
विवस्वान् १८. २, ३२[२].
विवस्वान् १८. ३, ६१; ६२; १९. ९, ७.
वि-वाचः २०. ११, १०; ७३, ६.
वि-वाचसम् १२. १, ४५.
वि-वाचि २०. १२, २.
वि-वावदत् २. ४, ११.
विवासत २०. ६१, ४; ६२, ८.
विवासे २०. ४४, ३.
वि-वाहान् १२. ५, ४४.
वि-वाहे १२. १, २४; १४. २, ६५; ६६.
वि-विदे २०. १२५, ३.
वि-विद्धः ६. ६६, १.
वि-विद्धा ११. १०, २५.
विविश्याः १८. १, ३.
विवृहात् १८. १, १०.
विवेच ६. ६१, २.
विवेद १४. १, ५६; १८. १, ५०; १९. ३२, ९; २०. ९१, ५.
विवेदिथ २०. ९१, २.
विवेश ३. २९, ७; ४. ११, १; ३०, ५; ३४, ५; ५. १, २; ७. ८२, ४; ९. ९, २२; १०, १०; १०. २, ३३; ७, ८; ९[२]; ३५; ८, ३; ४०; ११. ४, २०; १२. २, ४३; १३. १, २४; १८. १, २७; २०. ११, ५.
वि-व्यचत् २०. ३०, ४.
वि-व्याधिनः १. १९, १.
विव्रताः ३. ८, ५; ६. ६४, १.
विश ६. ११३, २; ७. ११०, २; १३. १, १; १४. २, २६; ४०.
विशः ३. ३, ३; ४, २; ६; ४. ८, ५; २२, ७; ३२, २; ५. १, ३; ६. ६१, २; ८७, १; ९८, २; ७. ९४, १; ९. ४, ९; १०. २, २२; २३; १२. ५, ८; १३. १, २; १०; २, २०; १५. ८, २; ९, १; १८. १, २१; १९. ५४, ४; २०. ४७, १७; ७३, ३; १०७, १; १३७, ९.
विशः-विशः ४, २३, १.
विशत ११. १, १८; १९. १९, १[२]; २[२]; ३[२]; ४[२]; ५[२]; ६[२]; ७[२]; ८[२]; ९[२]; १०[२]; ११[२].
विशतम् ३. ११, ५; ७. ५३, ५.
विशताम् १. २३, २.
विशति ७. ७६, ४.
विशतु १५. १०, ४.
विशते १४. १, २५; १९. ४७, २; ५४, १.
विशर्थः ४. ३५, १.

विश्व-तूः २०. १०५, १.
विश्व-दर्शतः १३. २, १९; २०. ४७, १६.
विश्व-दानीम् ७. ७३, ११; ९. १०, २०; १२. १, ७; १८. ३, ५४.
विश्व-दावन् ४. ३२, ६.
विश्व-दाव्यः ३. २१, ३; ९; १०. ८, ३९.
विश्व-दृष्टः ५. २३, ६; ६. ५२, १.
विश्व-देवः २०. ६२, ६.
विश्वदेव-वन्तम् १९. १८, १०.
विश्व-देवाः १९. ११, २.
विश्व-देवाय २०. ८८, ६.
विश्व-देवेभिः ७. ९८, १.
विश्व-देवेभ्यः १९. ३९, ५.
विश्व-देवैः ४. ३९, १.
विश्वधा ६. ८५, ३; २०. ७३, १.
विश्व-धायसः ३. २२; २,
विश्व-धायसम् १२. १, २७.
विश्व-वीर्य ५. २२, ३; १९. ३९, १०.
विश्व-नाम्नीः ७. ७५, २.
विश्व-पेशसम् २०. ३५, १६.
विश्व-भृत् ४. ११, ५; ५. २८, ५.
विश्व-भेषज ४. १३, ३.
विश्व-भेषजः २. ४, ३; ४. १०, ३; १३, ६; १०. ३, ३; १९. ३५, ५; ३९; ५; ६; ७; ८; ९.
विश्व-भेषजीः ८. ७, २६.
विश्व-भेषजीम् ६. ५२, ३.
विश्व-भेषज्या ६. १३६, ३.
विश्व-भोजसम् ४. ३५, ३; १८. ४, ६.

विश्वम् १. १०, २; ३१, ४; ३२, ४; २. १, १; ३. ३१, ५; ४. २, ६; ११, १; ३२, १; ५. २, ८; ११, ८; ६. ४४, १; ५१, २; ५७, ३; ७७, १; ८८, १; ७. १, २; ११, १; २०, ६; ५५, १; ८. ६, ६; ९. ३, २०; ५, २१; ७, ४; १०, १९; २६; १०. ६, १७; ७, ३५; ८, ७; १३; ११. ४, २२; ७, १, २; १३. १, १; ५२; २, ३; १९; २०; ३१; ४४[२]; ३, १५; १४. १, २२; २, ६४; १८. १, १८; ५३; ३, २४; १९. ४७, २; ५५, ६; २०. १०, २; १५, २; ६; ३०, ५; ४७, १६; ५७; ५६, ६; ५९, २; ६५, ३; ८७, ६; ९५, ३; १०७, ११.
विश्व-मानुषः २०. ४३, २.
विश्व-मित्राः १८. ३, ६३; ४, ५४.
विश्वम्-इन्वम् २०. ३५, ४.
विश्वम्-इन्वाः ५. १२, ५.
विश्वमिन्वे इति विश्वम्-इन्वे २०. ९१, ११.
विश्वम्-भर २. १६, ५.
विश्वम्-भरा १२. १, ६.
विश्व-राधसः ७. १७, २.
विश्व-रूपः ४. ८, ३; ९. १, ५; ४, २२; १८. १, ५.
विश्व-रूपम् २. ३२, २; ४. १४, ६; ९. १, २; ६ (६) ७; ८; ९; १०; ११; ७, २५; १०. ७, ८; ८, ९; ११; १३. १, ८; १४. १, ६१; २, १२; २०. ९१, १०.
विश्व-रूपा ४. ३४, ८; ९. ५, १०; १०. १, २; १५; २४; १४. २, ३२.
विश्व-रूपाः २. ३४, ४; ३. १०, ६; २८, १; ४. १५, २; ३; ३५, ६; ५. २३, ५; ९. ७, २६.
विश्व-रूपाणाम् २. ३०, ४.
विश्व-रूपान् १३. १, २२.
विश्व-रूपाम् ६. ५९, ३; १०. १, १; १२. १, ११.
विश्व-रूपैः १७. १, ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १९; २४.
विश्व-रूप्यम् ९. ६, ९.
विश्व-वसुम् २. २, ४.
विश्वावसो इति विश्वा-वसो १४. २, ३५.
विश्ववसो इति विश्व-वसो १४. २, ३३.
विश्व-वारः ५. २७, ३.
विश्व-वारम् ७. ४७, १.
विश्व-वाराभिः २०. ३६, ११.
विश्व-वाराम् ७. १५, १.
विश्व-वारायाः ९. ३, १.
विश्व-वारे ७. २०, ४; ७९, १; ९. ३, २; ४; १२. ३, ११.
विश्व-विदः ९. ९, १०.
विश्व-वेदसः ३. ३, १; ६. ९२, १; १९. २७, ६.

११२, १; ११४, १; ३; १३२, २; ७. ६, १; १६, १; १७, ३; २१, १; २४, १; ३५, १; ५०, ७; ७३, ३; ८. १, ७; २, २१; ५, १६; ८, १३; ९. २, ७; ४, १८; ६(५), २; ६, २१; १०, १८; १०. ५, ५०; ११. १, ३३; ५, २४; ६, १८; १२. १, ५३; १३. ३, २४; १४. १, १५; ३२; २, ५३; ५४; ५५; ५६; ५७; ५८; १५. २, २; १८. १, ३२; ५२; ३, ११; ३६; १९. ६, १२; १४; २०, ४; ३०, २; २०. ३४, ७; ६३, १; ८६, १०; ९२, ८; १०७, ४; १२४, ४.

वि॒श्वे॒ ६. ११४. ३.

विश्वे॑न २. १६, ५; १७. १, २४.

विश्वे॑भिः ४. ६, १; ५. २६, २; ३; ७. १०५, १; २०. ६, ३; ६०, २; ७१, ७.

विश्वे॑भ्यः १५. २, ३.

विश्वे॑षाम् ४. १, ७; १५. २, ४.

विश्वे॑षु ७. ५८, २; २०. ७२, १.

विश्वैः २. १६, ४; ३. १७, ९; १२. ३, १०; १८. ३, २८; १९. १७, १०; ४०, १.

विषं॑ ४. ६, ३.

विष॑ः ५. १७, ५.

वि॒ष॒-गि॒रिः ४. ६, ७.

वि॒ष॒-दूष॑णम् ६. १००, १; १०, ४, २४.

वि॒ष॒-दूष॑णीः ८. ७, १०.

वि॒ष॒-धाने॑ः २. ३२, ६.

वि॒षम् ४. ६, १; ४; ५²; ६; ८; ७, १; २; ५. १३, १²; १; ४²; ८; ९; १०; ११; १६; १०; ६. १२, १; २; १००, २; ३; ७. ५६, १; ३; ५; ७; ८; ८८, १²; ८. ३, १६; १०(५), १५; १६; १०(६), ३; ४; ९. ८, १०; ११; १२; १६; २०; १०. ४, ३; ४; १६; २०; २१; २२²; २६⁴; १२. ४, ३६; ५, ३१.

वि॒ष-व॑त् १४. १, २९.

विषं॑-वति ८, १०(५), १३.

वि॒षस्य॑ ४. ६, २; ५. १८, ४; १०. ४, २५.

वि॒षा ७. ११३, २.

वि॒षाणि॑ ६. ९०, २.

वि॒षात॒की ७. ११३, २.

विषु॑ण २०. १३७, ८.

विषु॑-रूपम् १९. ५, १.

विषु॑-रूपा १८. १, २; ३४.

वि॒षु॒-वत॑ः २०. १०९, १.

वि॒षु॒-वता॑ ९. १०, २५.

वि॒षु॒-वति॑ ९. ३, ८.

वि॒षु॒-वन्त॑म् ११. ७, १५.

वि॒षु॒-वृत् २०. १७, ३.

वि॒षु॒-वृत॑ः १०. २, ११.

विषू॑चः ३. १, ५; २, ३.

विषू॑ची १. २७, २.

विषू॑चीः १. १९, १; ९. २, २१; १०, ११; १९. ८, ६; १५, २.

वि॒षू॒चीन॑म् ३. ७, १.

वि॒षू॒चीना॑ ९. १०, १६.

वि॒षू॒चीना॑न् ८. ६, १०.

विषू॑चीम् ६. ६०, १; ७. ४२, १; २०. २९, ५.

वि॒षे ५. १३, ५; ७. ८८, १; १०. ४, २६.

वि॒षेण॑ ५. १३, ४; ८. ३, २३; ११. २, २६.

वि॒ष्टः १९. ४९, ८.

वि॒ष्टप॑म् ११. १, ७; ३, ५०; २०. ९२, ४.

वि॒ष्टपि॑ १०. १०, ३१; ११. ३, ५१; १३. १, १६; १८. ४, ४.

वि॒ष्टम्भाः १३. ४, १०.

वि॒ष्टारि॑णम् ४. ३४, ३; ४; ५; ८.

वि॒ष्टारी ४. ३४, १.

वि॒ष्टीमि॑न २०. १३५, ५.

वि॒ष्ट्वाभिनम् २०. १३६, ४.

विष्णवि॑ २०. ९९, २; १११, १.

विष्ण॑वे १२. ३, ५९.

विष्णु॑ः ३. २७, ५; ५. ३, ३; २५, ५; २६, ७; ६. ३, १; ७. १७, ४; २६, २; ४, ५; ८. ५, १०; १०. १०, ३०; १२. १, १०; १३. २, ३१; १५. १४, ९; १८. ३, ११; १९. ९, ६; १०, ९; २०. ३५, ७; १०६, ३.

विष्णु॑ः-इव १४. २, १५.

विष्णु॑ना २०. ९५, १.

विष्णु॑म् ३. २०, ४; ७; ७. २५, १; २; ११. ६, २.

५, १; २; १३. २, ६; १४. २, ८; १६. ३१, १४; २०. ६४, ४.

वी॒र॒:स्तारम् २०. १२७, ६.

वी॒र॒-घ्नीः ६. १३१, २.

वी॒र-तमा ७. २५, १.

वी॒र॒-पोषम् १३. १, १२.

वी॒रम् ६. ६७, ३; ७. ४७, १; ४६, १; ४८, १; १६. १३, ६; २०. ३५, ५; १०८, १.

वी॒रयध्वम् १२. २, २६.

वी॒रयस्व ४. २५, ८.

वी॒र॒-युः २०. ६०, १.

वी॒र-वत् २०. १२, ६.

वी॒र-वतीः ३. १६, ७.

वी॒र-वन्तः १०. ८८, ६.

वी॒र॒-वित् ११. १, १५.

वी॒र-शुष्मया २०. २१, ५.

वी॒र॒-सूः १४. २, १७; १८.

वी॒राः २. २६, ४; ५; ५. १७, ७; ६. ५, २; १०, २५; १२. २, २१; १६. ८, १; ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १६; २०; २१; २२; २३; २४; २५; २६; २७; २८; २६; ३०; १८. १, २; ३, ६१; १६. १३, ११; २०. ६१, २.

वी॒राणाम् १. २६, ६; ३. १६, ६.

वी॒रान् ४. ७, ७; ५. ६, २; ६. ६३, १; १६. ३६, ४.

वी॒राय ८. ५, १; १६. ३१, १५.

वी॒रिणी २०. १२६, ६; १०.

वी॒रुत् १. ३४, १; २. ७, १; ८, २; ३; ४; ५; ६. ३२, २; ७. ५६, १; २.

वी॒रुत्-भिः ५. २८, ५; ८. ७, १५.

वी॒रुत्-भ्यः १६. ३५, ४.

वी॒रुधः १. ३२, १; २. ६, ३; ४; ३. २७, ५; ४. १५, ३; ७. ८७, १; ८. ७, ४; ११; १८; ८, १४; १०. १, १२; १०, २१; ११. ४, १७; ६, १; ७, २१; ६, २४; १२. ३, ३१; १५. ६, २.

वी॒रुधम् ६. ५२, ३; ८. ७, २३.

वी॒रुधा ६. १३६, ३.

वीरुधानाम् ६. २१, २.

वी॒रुधाम् ३. १८, १; २३, ६; ४. ३७, ६; ५. ४, १; २४, ७; ६. १३८, १; ८. ७, २; १२; १४; २०; ११. ६, १५; १५. ६, ३; १६. ३३, १.

वी॒रुधा॒म् ४. १६, ८.

वी॒रेण ३. ५, ८.

वी॒रेभिः २०. १६, १२.

वी॒रेषु १२. १, २५; २, १५.

वी॒रैः ८. ४, १५.

वी॒र्यम् १. ७, ५; ३. १६, १; २; ४. २४, ६; ५. ८, २; ८. ७, ५; ६. ४, २३; १०. २, ५; ५, १; २; ३; ४; ५; ६; ११. ७, १७; १२. ५, ६; १६. ३४, ८; २०. १५, ५[२]; १७, ५; ७३, २.

वी॒र्य-वता ४. ३७, ११; १०. १, १४.

वी॒र्य॒-व॒ति॒ ६. १३६, ५.

वी॒र्य-वती ४. ३७, ६.

वी॒र्यवत्-तरः १८. ४, ३८.

वी॒र्यवान् ८. ५, १; १४. १, ३७.

वी॒र्यस्व २०. ७५, २; ३.

वी॒र्या २०. ६५, ३,

वी॒र्याणि १. ३५, ३; २. ५, ५; ५. २६, ११; ७. २६, १; २; ११ ६, १; १२. ३, २; १२. २, ३२; १७. १, ६; ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १६; २४; १६. २२, २१; २३, ३०; २७, १०[२]; ३०, २; ३३, ५; ३७, १; ४६, ५.

वी॒र्याय १०. ६, ७; ११. १, ३; ७; २, १४; १६. ३७, २; ४६, १; २०. ३५, १४;

वी॒र्येण ५. २८, ४; ६. २, १; १०. १, १२; १६. १६, ६; ७२, १; २०. ३३, ३.

वी॒र्यैः ७. २५, १; १६. ३०, १.

वी॒लि॒ता २०. ३६, ६.

वी॒लु २०. ७०, १.

वी॒लौ २०. ४३, २.

वी॒हि ६. ८३, ४; २०. २३, ३.

वी॒हि॒ १६. ५२, ५; २०. ६७, ५.

वृकः ४. ३, १; २; ७. ५०, ५; १२. ४, ७; १६. ४७, ६; २०. ६७, २.

वृत्र-हत्येषु २०. २१, ६; ३७, ३.
वृत्र-हन् १. २१, ३; ३. १, ३; ५. ८, ७; ६; ६. ६८, ३; ११. ६, २३; २०. ५, ३; ६, ८; १८, ६; २३, ४; ५२, १; ५७, १४; ११२, १; ११६, २.
वृत्र-हन्ता ४. २८, ३; ७. ११०, २.
वृत्रहन्-तमा ७. ११०, १.
वृत्र-हा १. २१, १; ४. ३२, ३; ५. २५, ६; ६. ७५, २; ७. ७६, ६; ८. ५, २२; १०. १०, १०; ११. १०, २७; १३. १, ३८; १६. १५, ३; २६, ४; ३७, २; २०. ७, २; १२, ७; ५६, १; ६२, ११; ६३, ६; ६५, २; ६७, ३; १०४, ३; १०५, ५.
वृत्रहा २०. १२८, १४.
वृत्रा २०. ३६, १०; ३७, ४; ७०, १८.
वृत्राणाम् २०. ६८, ८.
वृत्राणि ४. ३२, ७; ५. ६, ४; ७. ६३, १; ११०, १; २०. ५. २; ३; ११, ११; १२, ३; २१, ६; ४१, १; ५१, ३; ६१, ६; ६२, १०; ६०, २; ११७, ३.
वृत्रात् ४. १०, ५.
वृत्राय २०. १६, ५; ६; ३५, १२; ४७, १; १३७, १२.
वृत्रे ३. २१, १.
वृत्रेषु २०. ७०, ११; ६८, १.
वृत्वा १६. ६, १.
वृद्धः २०. ६६, ४.
वृद्ध-वृष्णाः ७. ६२, १.
वृद्धासु ११. ८, ३४.
वृधः २०. ५६, २; ६४, ३; ३; १११, ३.
वृधाम् ५. १, ६.
वृधि २०. ७०, १२.
वृधे ११. २, २४; १८. ३, २३; २०. ५४, २; ६४, ४.
वृन्तात् ८. ६, २२.
वृश्च १२. ५, ६२; १६. २८, ७[४].
वृश्च ७. ६०, १; ८. ३, १०; १५; १२. ५, ६३[२].
वृश्चत् २०. ३५, १०.
वृश्चति १२, ५, ४२.
वृश्चत १. ७, ७.
वृश्चतं ६. १३६, ३; ८. १० (३), २.
वृश्चतु १२. ४, ६; १२; २६; ३४; १५. २, ३; ११; १७; २३; १०, २[२]; १२, ६; १०.
वृश्चन्ताम् ८. ३, १६.
वृश्चन्ति ७. ५६, ७; १२. ४, २८.
वृश्चन्तु १२. २, ५०; ४, ५१.
वृश्चामि २. १२, ३; ३. १६, २; ६. ६५, २.
वृश्चामि २. १२, ७; १५, २; ३३, २; ५. २३, ६; १०. ६, १; १३. १, ५६; ५७.
वृश्चिकः १२. १, ४६.
वृश्चिकम् १०. ४, ६.
वृश्चिकस्य १०. ४, १५.
वृषणः ११. २, २२; २०. १०२, ३.
वृषणः ११. १, २; २०. १३७, ८.
वृषणाम् २०. १२, ६; ६१, १; ७२, २; ७५; १; ८५, १; ६१, ६; १०; १०२, ३; १२५, ३.
वृषणा ७. ११०, ३; २०. ३७, ६.
वृषणा ७. ५८, २; ७३, १; २; ८. ४, १.
वृषणयतः ६. ७०, १; २; ३.
वृषणयन्ती-इव ५. ५, २.
वृषणयन्त्याः ६. ६, १.
वृषणवस् इति वृषण-वसू २०. १३, १.
वृष-त्वना २०. ६१, ४; ६२, ६.
वृष-दतीम् १. १८, ४.
वृषन् ६. ६३, ४; २०. १८, ४; ३२, ३; ३६, ८; ७०, १२; ७५, ३; ८१, ३; ६२, २१; ६३, ५; १०२, ३.
वृष-पत्नीः २०. ६१, ३.
वृषभ ७. ८४, २; २०. २२, १.
वृषभः ४. ५, १; २४, ३; ६. ६८, ३; १०. ५, १८; ११. १, ३५; १३. १, १२; २५; ३३; १६. १, १; १८. ३, ६५; १६. १३, २; २०. १२, ७; ३४, १३; ३६, ६; ३७,

१८; १०(१), ३; ५; ७; ९; ११; १३; १०(२), १०; १०(३), २; ४; ६; ८; १०(४), ४; ८; १२; १६; १०(५), ४; ८; १२; १६; १०(६), ४; ९. १, २२; २३; २४; ५, ३१; ३२; ३३; ३४; ३५; ३६; ६(५), ३; ५; ७; १०; ६(६), १४; ७, २६; ९, ५; १८; २१; १०, १८; १०. २, २८; २९; ३०; ७, १७[२]; ४१; ८, ३८; १०, ३; ११. ३, ३२–४९; ५१; ४, १८; ६, २३ १२. ४, १८; १३. १, ४४; ४, १५–२२; २४; १४. १, २९; १५. २, ८; १४; २०; २८; ३, ११; ४, ३; ६; ९; १२; १५; १८; ५, ३; १६; ६, ३; ६; ९; १२; १५; १८; २१; २३; २६; ७, ३; ५; ८, ३; ९, ३; १०, ९; ११; ११, ७; ९; ११; १३, १४; १४, २; ४; ६; ८; १०; १२; १४; १६; १८; २०; २२; २४; १८. १, ५; १९. २६, ६; ४[१]; ४८, ६.

वेद २. १, ३; ४. १६, २; ६. ८४, १; ११९, २; ७. १, २; ९, २; ८. ७, २३[२]; ९, १०; १०(२), २; ९. १, ६; ७; १०, १०; १०. ७, २३; २९; ३०; ८, ३८; १०, ३[२]; ११. १०, २; १८. १, ७; १८; ३३; ४, ५१; १९. ३९, ९; ५८, ६; २०. ३४, १६; ५३, १; ५७, ११.

वेदः ४. ३१, २; ५. २०, ४; १०; ७. ५४, २; १५. ३, ७; २०. ३७, १; ५६, ६[२].

वेदः ७. २८, १.

वेदत् १४. १, ५७.

वेदति २०. ४३, ३.

वेदनम् ६. ११, १; २.

वेदम् १०. ८, १७; १९. ६८, १; ७२, १.

वेद-माता १९. ७१, १.

वेदयामि ६. ११९, २; १२. ३, ४४.

वेदासि ६. ६६, ३.

वेदाः ४. ३५, ६.

वेदाः १९. ९, १२.

वेदिं २०. ७७, ४.

वेदिः ५. २२, १; ७. २८, १; ९. १०, १४; १०. ९, २; ११. १, २३; १३. १, ४६; ५३; १९. १०, ७; ४२, २.

वेदिता १०. ७, २४.

वेदिम् ७. ९९, १; ११. १, २१; १२. १, १३; १३. १, ५२.

वेदीयान् २०, ८७, १.

वेद्याम् ११. १. २४; १२. ३, २३; १९. ३३, ३.

वेद्याय १९. ३, ५.

वेधः २०, ३६, ११.

वेधसः १. २२, २; ३. ९, ३; ५. १८, १४; ७. ७३, २; १२. १, ३९; २०. ७२, ३.

वेधसा १९. ३१, १.

वेधसाम् ५. २८, ६.

वेधसे ३. २१, ६; २०. १, ३.

वेधाः १. ११, १; ५. २०, ४; १८. १, १; २०. ७७, २; १२६, १०.

वेनः २. १, १; ४. १, १; ५. ६, १; १६. ३, २; २०. २५, ५.

वेनः ४. ८, २.

वेनन्तः १८. ३, ६६.

वेनस्य २०. ३५, १४.

वेपते १८. १, २३.

वेपथुः १२. १, १८.

वेपय ११. ९, १२; १८; १३. २. १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २५.

वेपर्वन्तम् २०. ६३, ८.

वेपी २०. ३६, ५.

वेप्यमाना १९. ९, ८.

वेविषत् ५. १७, ५.

वेविष्यात् १५. १३, १३.

वेवेष्टु २. १२, ८.

वेवेष्मि १५. १३, १३.

वेशन्ता २०. १२८, ८; ९.

वेशन्ताः ११. ६, १०.

वेशन्त्याः-इव १. ३, ७.

वेशय २. २५, ४; ९. २, २५. १३. १, २.

वेशयन्तु १८. २. २६.

वेशयामसि ६. १०८, ३.

वेशयामहे ६. १०८, ५.

वेशयामि ३. १३, ७.

वेशयामि ७. ५३, ३; १२. ३, २२; १८. ४, ४८.

व्रतेभिः १६. १०, ६.
व्रतेषु ७. ६८, १.
व्रत्याः ७. ११, ११.
व्रन् १८. ३, २१.
व्राः २. १, १.
व्राज-पतिम् ७. ७२, २.
व्राजम् १. १६, १.
व्राणाः २०. १४, १०.
व्रातम् २. ६, २.
व्रात्य १५. ३, १; ११, २१; ३; ४; ५; ६; ८; १०; १२, २.
व्रात्यः १५. १, १; ३, ६; १०, १; ११, १; १२, १; १३, १; ३; ५; ७; ६; १८, ५.
व्रात्य-ब्रुवः १५. १३, ११.
व्रात्यम् १५. २, ३; ११; १७; २, २३; १७, ८.
व्रात्यस्य १५. १५, १; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ६; १६, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; १७, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ६; १०; १८, १.
व्रात्याभ्याम् १६. २३, २५.
व्रात्याय १५. ३, ३; १८, ५.
व्रात्येन १५. १२, ४; ७; ८; ११.
व्रीहयः १. ६(१), १४.
व्रीहिः ८. ७, २०; ६. १, २२; ११. ४, १३.
व्रीहिम् ६. १४०, २.
व्रीहि-यवाभ्याम् १०. ६, २४.
व्रीहि-यवौ ८. २, १८; ११. ४, १३; १२. १, ४२.

श

शंसः १६. १०, २२.
शंसत २०. ८५, १२.
शंसति २. १२, २; २०. ६४, ८.
शंसन् २०. ६१, १.
शंसन्तः २०. ६१, २.
शंसन्ताम् २०. ३४, १५.
शंसन्ति २०. ३३, ६.
शंसन्तिम् १५. १, ६.
शंसम् २०. ८६, ६.
शंसस्व २०. ७४, १; २; ३; ४; ५; ६; ७.
शंसन्ति ६. ४५, १.
शंसाः २०. १४३, ६.
शंसाति २०. ७७, २.
शंसिषम् २०. ६४, २.
शंसिषम् २०. ३०, १.
शंस्यम् २०. ३७, ८.
शंस्या २०. ६०, ६; ७१, ६.
शर्क २०. १३१, १.
शकृत् २०. १७, ५.
शक-धूम ६. १२८, ३; ४.
शकधूम-जाः ८. ६, १५.
शक-धूमम् ६. १२८, १.
शकन् ८. ८, २०; ११. १०, १६.
शक-मयम् ६. १०, २५.
शकम्-भरस्य ५. २२, ४.
शकल्य-एषि १. २५, २.
शका-इव ३. १४, ४.
शकुनः ६. २७, २; १२. ३, १३; १८. ३, ५५.
शकुनैः २०. १२७, ४.
शकनम् १८. ३, ६६.
शकुनयः ११. ६, ६.
शकुनस्य २०. १६, ७.
शकुनाः ११. २, २४; १२. १, ५१.
शकुनिः ७. ६४, १; २.
शकुनैः १०. ३, ६.
शकुनैः-इव २. २५, २.
शकुन्तान् ११. ६, ८.
शकुनाः-इव २०. १३६, १.
शकृत् १२. ३, ६.
शक्मन् ५. ८, ७; १८. २, ३६.
शक्तिः २०. ५५, ३.
शक्ति-ऊननाः २०. १३६, ५.
शक्ति-भिः २. २७, ७; ३. १३, ३.
शक्तः १२. ४, ५.
शकवाम ११. ५६, ३.
शक्नुवन्ति ४. २६, ६.
शक्नोति ५. १८, ७.
शक्नोमि ४. ३६, ४.
शक्याम् २०. ७६, ३.
शक्र २. ५, ४; २०. २०, ४; ५७, ७; ८६, ३; १११, २.
शक्रः ३. २१, ४; २१, २; ४. ११, २; ५. १. ७; ८. ४, २०; २१; ८, १; ५; ७; ६. ४, ५; २०. १७, ७; ४६, २; ३; ७७, ६; ६२, ११.
शक्रम् ७. ७६, १; २०. ५१, ३.
शक्रस्य ८. ८, ६; ८.
शक्राः ५. २८, ८; ११. ६, १२; १८; २०. ४६, १.
शक्राय १२. १, ३७.
शक्वरी ७. २७, १.
शक्वरीः १६. ४, ७.
शक्वरीः ३. १३, ७.
शक्वरीभिः ११. २, २३; १३. १, ५.
शग्धि १६. १५, १; २०. ११८, १.

शत-शाखा ४. १९, ५.
शत-शारदः १०. ३, १२.
शत-शारदाय १. ३५, १; ३. ५, ४; ११, २; ४. १०, ७; ५. २८, १; ६. ११०, २; ८. २, २; ५, २१; १२. २, ६; १४. २, ७५; १८. ४, ५३; १९. ३७, २; ३; २०. ६६, ७.
शत-सेयाय ३. १५, ३.
शतस्य १. १७, ३.
शत-हस्त ३. २४, ५.
शत-हायनः ८. २, ८; ७, २२.
शत-हिमाः १९. १२, १; २०. ६३, ३; १२४, ६.
शता २०. ४१, ८; ५६, ४.
शतात् १९. ६७, ८.
शतानि ९. ९, १३; १०. ८, ४; १८. ४, ७०.
शताग्नि २०. ११७, ३.
शतानीका-इव २०. ५१, २.
शतिनम् २०. ९, २; ४९, ५.
शते १८. २, ३८; ३९; ४०; ४१; ४२; ४३; ४४; ४५.
शतेन ४. १६, ७; १६, ८; २०. १६, ४.
शत्रवः ४. ३, १; ३१, ७; ५. २०, ३; ६. ६६, ३; २०. ६६, २; १३७, १.
शत्रवः ६. ६६, २.
शत्रवे २०. ६५, ४.
शत्रुः २. २७, १; ५. २, २; ६. ६६, १; २०. ८९, ६; १०७, ५; १३७, १०.
शत्रु-तूर्याय २०. ३६, १०.
शत्रुम् ४. २२, २; ३; ६. ४, २; २०. ८३, २; ८९, ७.
शत्रु-यतः ६. ८८, ३.
शत्रु-यताम् ४. २२, ६; ७; ७. ७३, ९; १०.
शत्रु-यतीम् ३. १, ३.
शत्रु-हः १. २९, ५; ६. ९८, ३.
शत्रूणाम् ३. १९, २; ५. २०, ४; ६. ६५, २; ७. ५०. ४; १९. २८, २.
शत्रून् २. ५, ३; २७, ५; ३. १, १; ४; २, ५; ६, १; २; ५; १०, १२; १२, ६; ४. २२, ७; ३१, २; ३; ३२, ३; ५. २, १; २१, ११; ६. ८८, ३; १२६, १; ७. ८४. ३; ८. ८, ६; १०. ३, १; ३; ११; १३. १, ३; १९. १३, ८; ४६, २; ५; २०. ८, १; ११, १; २०, ७; ३५, १३; ५७, १०; ८९, ५; ९०, २; १०७, ४.
शत्रुषाट् ५. २०, ११.
शत्रोः ३. ६, ६.
शत्सन्ति ११. २, ३७.
शन्ति-वा १२. १, ५९.
शन्ति-वाम् ३. ३०, २.
शपतः ६. ३७, ३; ७. ५९, १.
शपते १९. ९, ३.
शपथ ६. ३७, २.
शपथः २. ७, २[2]; ५; ४. ९, ५; १८, ७; ५. १४, ५; ६. ३७, १; १०. १, ५; ११. १, २२; १९. ३८, १.
शपथ-यावनीम् ४. १७, २.
शपथ-योपनी २. ७, १.
शपथाः ८. ३, १४.
शपथान् २. ७, १; ४. १९, ७; ७. ६५, १.
शपथि-यते ५. १४, ५; १०. १, ५.
शपथेभिः ३. ९, ५.
शपथेय्यम् ५. ३०, १७.
शपथ्यात् ६. ९६, २; ७. ११२, २; ११. ६, ७.
शपनेन १. २८, ३; ४. १७, ३.
शपात् २. ७, २; ६. ३७, ३[2]; ७. ५९, १[2].
शपातः ८. ३, १३; १०. ५, ४८.
शपाति १. १९, ४.
शप्तारम् २. ७, ५; ६. ३७, १; २.
शफ-आरुजः ८. ३, २१; २०. ९४, ९.
शफम् ६. ४९, ३; १९. ५७, १.
शफाः ८. ८, २२; ९. ७, १०; १०. ९, २३.
शफान् १२. ५, १९; ९. ४, १६.
शफेन २०. १३१, ७.
शफेभ्यः १०. १०, १.
शफैः ९. ५, ३.
शवलः ८. १, ९.
शवलं ५. २९, ६.
शवलौ १८. २, ११.
शब्दिनः १९. ३६, ३.
शम् १. ३, १; २; ३; ४; ५; ६, १[2]; ४[2]; १२, ४[2]; १३, १. २; ३; ४; २. ३, ६; १०, २[2]; ३[2]; २५,

शर॒व्याः १. १९. १.
शर॒व्याम् ५. १८, ९.
शर॑व्ये ३. १९, ८,
शर॒स्यं १. २, १; ३, १; २; ३; ४; ५.
शरा॒रुः २०. १२६, ९.
श॒रीः १२. ३, १८.
शरी॑रम् २. १२, ८; ३, ११, ६; ४. ११, ६; ५. ९, ७; १०, ८; ३०, १३: ७. ५३, २; ८. २, २६; २८; ९. ४, ५; ११, ८, ११; १६; १९–२५; २७; ३०; ३४; १२. ३, २; १८. २, ४; ३, ९; ७१.
शरी॑राणि ११. २, २.
शरी॑रे ५. २९, ५; ११. ८, ३०.
शरी॑रेण ११. ८, २६.
शरी॑रैः २. ३४, ५; १८. २, ७.
शरु॑म् १. २, ३; ६. ६५, २; १२. २, ४७.
शर्क॑राः ११. ७, २१.
शर्कु॑म् ८. ६, २.
श॒र्कोटस्य ७. ५६, ५.
श॒र्दिः १८. ३, १६.
शर्ध॑ ७. ७३, १०.
शर्धः॑ ४. २७, ७; १५. १४, १; १९. १३, १०; २०. १०६, ३.
शर्ध॑ते २०. ३४, १०.
शर्ध॑-नीतिः २०. ११, ३.
शर्म॑ १. २०, ३; २१, ४; २६, ३; २. २८, ५; ५. ३, ७; ८; ६, १२; ६. ७, ३; ५९, १; २; ९२, ३; ७. ६, ४; ४९, १; ८. २, ७; ३, १; ७, २५; ९. २, १६; १२. ३, ८: १४; १५. ३, २१: ७३; १७. १, १२: १३: १८. २, १६: ४, ६; १९. ६, १२⁴; १६, ३: १६, १; २: ३: ४: ५: ६: ७:८: ९: १०; ११; २७, १५: ३२, २: ४७, ९.
शु॒र्म २०. १३५, ११.
शर्म॑णि २०. ९८, ६.
शर्म॑णा २०. १४२, ५.
शर्म॑न् २०. १२५, १.
शु॒र्य॒णा-व॑ति २०. ४१, २.
शर्व॑ ६. ८, १७; १७.
शु॒र्वः ८. ९३, १; १२, ५, ३६; १५. ५, २; ५³; ७: ९: ११; १३; १५.
श॒र्वम् १५. ५, ४.
शर्वा॑ ८. ३, ५; २०. ३४, १०.
श॒र्वाय॑ ६. ९३, २; ११. २, १६.
शल् २०. १३५, १.
शलि॑त्य॒यक्रान्तिः २०. १३५, १.
शलु॒ना॒न् २. ३१, २.
श॒ल्यः ४. ६, ६.
श॒ल्यः-इ॑व २. ३०, ३,
श॒ल्यम् ७. १०७, १.
श॒ल्यात् ४. ६, ४; ५.
श॒ल्यान् ८. ३, ६.
शर्वः॑ ६. ३३, २²; ८. ४, ३: ११. ८, ३४²; २०. ९, ४: ४९, ७; ६३, ६; ७१, १: ७३, ६; ९९, २; १०४, २; ११८, ४: ११९, २; १२१, ४.
शर्व॑सः २०. २३, ५; १०४, ४.
श॒व॒सः २०. ७५, २.
शर्व॑सा ५. २, २; ७; ९; २७, ४: १३. २, ३१: १८. १, ३८: २०. १२, २: १७, ४: २५, १०: ६५, ५: ७२, ७: ८१, ८: ९२, २१: १०७, ५: १०: १२.
शर्व॑से २०. १५, १; १९, १; ५६, १; ५: १४२, ३.
शर्वा॑सि २०. ५५, १.
श॒विष्ठ ७. ६७, १; २०. ६३, ७: ८१, २: ९२, २१.
शवि॑ष्ठः २०. ११३, १.
शवि॑ष्ठम् २०. ३६, २; ७.
शवि॑ष्ठा ७. २५, १.
श॒शः ५. १७, ४.
श॒श॒मा॒नः १८. १, २२.
श॒श॒मा॒नम् २. ३५, २; १२. २, १०; २०. ३४, १५.
श॒श॒मा॒नाः १८. २, ४७.
श॒श॒या॒नाः ४. १५, १३.
श॒श॒युः ४. ३, ६; ७. १०, १.
श॒शार्क ४. १८, ६; ५. ३१, ११.
श॒शाप॑ १. २८, ३; ४. १७, ३.
शाश्रे ४. १८, ६; ५. ३१, ११.
शश्व॑त् ४. २४, १; १९. १२, ७.
शश्व॑तः १९. ३२, ७; २०. ३४, १०; ३७, १.
शश्व॑ताम् ५. ५, २; २०. १२८, ४.
शश्व॑तीः २०. ७९, २.
शश्व॑तीनाम् २०. ६४, ३.
श॒श्व॒ताम्यः ५. ८, ८; ९. ७५, २; ३.
शश्व॑न्ता ९. १०, १६.

१४, ७; ५. २३, ६; १३; २६, १०; ६. ४६, २; ५०, १; ८६, १; ९. ५, २१; ७, १; १०. २, २७²; ४, ५; ६, १; ७, १८; ६, १३; १०, २; ३; ११. ३, १; ८, १४; १५; १२. ५, ६०; ६७; १३. ४, ४०; १५. १८, ४; १६. २८, ४; ३६, ८; ४६, ६; ५०, ५; २०. २६, ३; ४१, २; १०७, ३; १२६, ५; ७; १२८, १३.

शि_ला १२. १, २६.

शि_व-अ_परम् १२. २, ४३.

शिव-अ॑भिमर्शनः ४. १३, ६.

शि_वः २. ६, ३; ३. १४, ५; ६. २७, २; ३; ११६, ३; ७. ४१, १; ८. ६, २२; ९. ४, ७; ५, १२; २०. ७, ३; ३७, १०.

शि_व-त॑मः १. ५, २.

शि_व-त॑माः १६. ८, ६; २०. २१, ११.

शि_व-त॑माभिः १८. २, ६.

शि_व-त॑माम् १४. २, ३८.

शि_वम् ६. ७१, ३; ७. १०१, १; ८. २, १६; १०. ६, ३०; ३४; १२, १, ४६; ४७; १८. ४, ८४; १९. ६, १४; ६४, ३.

शि_वया॑ १. ३३, ४; १६. १, १२.

शि_वा ३. २८, २; ३⁸, ७. ६८, ३; ९. ३, ६; १२. ३, ११; १४. १, ६४; २, १३; १८; १९. ७. ३; ८, ५.

शि_वाः १. ६, ४; २. ३, ६; ६. ३. २: २२, २; २३, ३; ७. ४३, १; ११५, २: ८. २, १४; १५: ७, १७; ९. २, २५; ४, ६; ११. ६, ६; २२; १२. ३, १२; १८. २, ८; १९. २, ५; ४०, ३²; ४५, ३.

शि_वान् १२. २, २७; १६. १, १३.

शि_वानि॑ १९. ८, १; २.

शि_वाभिः॑ २. २६, ६; ७. ८४, १; १७. १, १०; २०. ६१, ६;

शि_वाम् १२. १, १७; १९. ४६, ५.

शि_वे इति॑ २. १०, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ३. ४, ५; ८. २, १४; १९. १४, १.

शि_वेन॑ १. ३३, ४; ६. ५३, ३; १३. १, १०; १४. २, ६; १६. १, १२.

शि_वौ ६. १४०, १; ८. २. १८.

शि_श_यम् २०. ८६, ३.

शिश॑वः १२. ३, ४०.

शिशवः २०. १२२, १५.

शिश॑वे ७. ५७, २.

शि_श_ाति २०. १०६, १.

शि_श_ाधि ४. ३१, ३; ७. १६, १; ८. ४, १६.

शिशा॑नः ८. ३, १; ३; ५; १३. २, ३३; १९. १३, २; २०. ९३, ७.

शि_श_ामि ५. २, ५; २०. १०७, ८.

शिशि॑रः ६. ५५, २; १२. १, ३६.

शि_शी_तम् ८. ५, १.

शि_शी_ताम् १८. १, ३१.

शिशी॑ते ८. ३, २४; ४, २०.

शि_श_ीमहि ६. १५, ३.

शि_श_ाहि २०. ५६, ४; ८६, ३.

शि_शी_हि २०. ३७, ८.

शि_शु_कः ६. १४, ३.

शिशु॑म् २०. १०५, ७.

शिशु इति॑ ७. ८१, १; १३. २. ११; १४. १, २३.

शि_श्नम् ४. ३४, २.

शि_श्रय २०. १७, २.

शि_श्राय॑ २०. ८६, ६.

शि_श्राय १०. २, ७; १३.

शि_श्रियाणः १२. १, ३१.

शि_श्रियाणम् १. १२, २; २. ५, ६.

शि_श्रिये ४. २४, ५,

शि_श्रिये १३. १, ६.

शि_पः ६. १२७. १; १०. १, १७; २१.

शि_षामहे १८. १, ३७.

शि_ष्टः २. २६, ४; ३. ५, ४.

शि_ष्टाः ५. २६, ४.

शि_ष्टान् २. ३१, ३.

शि_ष्यते १५. १२, ७; ११.

शी_तः ५. २२, १०.

शी_तम् ५. २२, १३; १८. २, २२.

शी_त-ह॑द्रा ६. १०६, ३.

शी_तान् ८. ६, १७.

शीतार्य १. २५. ४; ७. ११६, १.
शीतिका-वति १८. ३, ६०.
शीतिके १८. ३, ६०.
शीपालम्-इव २०. १६, ६.
शीपाला ६. १२, ३.
शीभम् ३. १२, २; ५. २०, ७; १२; १३. २, ३; ५; २०. ६४, २.
शीयताम् १८. ३, ६०.
शीर-शोचिषम् २०. १०३, १.
शीर्यन्ते १२. ४, ३; ५.
शीर्ष-आमयम् ५. ४, १०; ९. ८, १.
शीर्षकपाले इति शीर्ष-कपाले १५. १८, ४.
शीर्षक्तिः १२. ५, २३.
शीर्षक्तिम् ९. ८, १; १२. २, १९; २०.
शीर्षक्त्याः १. १२, ३.
शीर्षणि २. ७, १; ६. १३८, ३; १०. २, ६.
शीर्षण्यम् २. ३१, ४; ३३, १; ९. ८, १; २; ३; ४; ५; १४. २, ६८; २०. ९६, १७.
शीर्षण्-वती १०. १, २.
शीर्षतः ६. १३१, १; १०. २, २६.
शीर्ष-भिद्याय १०. ५, ५०.
शीर्षम् ४. ३४, १.
शीर्ष-लोकम् १९. ३९, १०.
शीर्षाणि १. ७, ७; ८. ३, १५; १०. ४, १९.
शीर्षे ७. ५६, ६; १४. १, ५५.
शीर्ष्णः १. १४, ३; ६. १३७, ३; ३; ९. ८, २१; २२^२; ९, ५; १९. ६, ८.
शीर्ष्णौ ६. ४९, २; ११. ३, ३२^२; २०. १३६, १०.
शुक् १२. ५, ३४.
शुक्रः २. ११, ५; ४. २४, ४; ६. ३४, ५; ५३, १; १३. २, ८; ३४; ४२; १७. १, २०; १८. ४, ५९; २०. १०७, १३.
शुक्र-पिशम् ५. १२, ६.
शुक्र-पृष्ठः १३. १, ६
शुक्रम् ४. १, ५; १०. ५, ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १३. ३, १६; २०. ११, ५; १७, ९.
शुक्र-शोचिः ८. ३, २६.
शुक्रा ५. २७, १.
शुक्राः ८. ७, १; ११. ८, २८; १२. १, ११; ३, २७; १३. २, १.
शुक्रौ १४. १, १०.
शुक्राणि १. ३३, २.
शुचः ७. १००, १.
शुचत्-मिः २०. ६१, ७.
शुचन्तः १८. ३, २२.
शुचम् ४. ३८, ४.
शुचयः १. ३३, १; ४; ४. २४, २; ५. १, २; ६. ६२, ३; १०. ६, ३; १२. २, ११; २८; ३, २७; २८; २०. ६९, ३; १०४, १.
शुचये ३. ११, ६.
शुचा ३. २५, ४; ५. २०, ३.
शुचि १८. ३, २१.
शुचिः २. ९, ५; ६. ५१, २; ७. ७३, ३; ८. ३, २६; ४, १६; ११. १, १६; २०. १७, ९; ७६, १.
शुचि-त्वम् १२. ३, २८.
शुचिम् ४. १४, २- १०. ६, ३.
शुची इति १४. १, १२.
शुदम् २०. १३६, १६.
शुद्धम् ७. ७३, ११; ९. १०, २०.
शुद्ध-हस्तौ १२. ३, ४४.
शुद्धा १०. ९, ३.
शुद्धाः ४. २१, ७; ३४, २; ६. ६२, ३. १२२, ५; ७. ७५, १; ११. १, १७; १८; २७; १२. १, ३०; २, ११; १३; २०; २८; ३, २६; १४. २, ६७.
शुद्धाम् ११. १, २३.
शुद्धैः ९. ५, ३.
शुनः ४. ५, २; ६. ८०, १; ३.
शुनम् ३. १५, ४^२; १७, ५^२; ६^५; २०. ११, ११; ९६, ५.
शुना ७. ५, ५.
शुनाम् ३. ९, ४.
शुनासीरा ३. १७, ५; ७.
शुने १. ११, ४; ६. ३७, ३; ११. २, २.
शुन्ध्युः २०. ६६, ३.
शुन्ध्युम् २०. १७, १.
शुन्ध्युर्वः १३. २, ३४; २०. ४७; २१.

शुन्याः ४. २०, ७.
शुभः ६. ३, ३.
शुभः ६. ६६, २; ९. १, १६; १४. १, १५; २, ५; ६; २०. १३५, ४.
शुभम् ८. २, १७; १४. १, ३२.
शुभा १३. १, २१.
शुभे ७. १०६, १; १४. १, ५३.
शुभ्राः ११. १, १७.
शुभ्रासः २०. ६७, ४.
शुभ्रियः २०. ४८, २.
शुभ्रिषु २०. ७४, १; २; ३; ४; ५; ६; ७.
शुभ्रे २०. १५, ३.
शुम्भ २०. ९२, १७; १०५, ५.
शुम्भत १२. ३, १३.
शुम्भताम् १८. ४, ६७.
शुम्भति १४. १, २८.
शुम्भतु १८. ३, ५६.
शुम्भनो इति ७. ११२, १; १४. २, ४५.
शुम्भन्तु ६. ११५, ३; १२. २, ४०.
शुम्भन्ते १२. ३, २६.
शुम्भमानाः ५. १२, ५; ११. १, १४.
शुम्भाति १२. ३, २१.
शुम्भामि ६. ५४, १; २०. ११५, २.
शुरुधः २०. १२, २.
शुल्कः ३. २९; ३.
शुल्कम् ५. १९, ३.
शुशुग्धि ४. ३३, १.
शुशुचीत २०, १७, ९.
शुशुलूक-यातुम् ८. ४, २२.
शुश्रवत् २०. ६३, ५.
शुश्राव ११. ४, २५.
शुश्रुम ७. ७४, १; ८. ९, १८; ११. १, २९.
शुश्रुम २०. १२८, ४.
शुश्रुवे २०. ९७, ३.
शुश्रूषमाणः २०. ३७, २.
शुषन्तम् २०. ३५, १०.
शुषस्य ५, १, ४.
शुष्क-आस्या ३. २५, ४; ६. १३९, २; ४.
शुष्के १९. ४९, १०.
शुष्णम् २०. ३४, १७; ३७, २.
शुष्णस्य २०. १३७, ११.
शुष्म ५. १, ९.
शुष्मः १. १२, ३; ५. २०, २; ६. ७३, २; ९. ४, २२; १८. २, ३६.
शुष्मम् ३. ९, ३; ६. ६५, १; ९. १, १०; २०; २०. २०, ३; ५७, ६; १०५, २; १०६, १; ११५, २.
शुष्मवत्-तरम् ४. ४, ३.
शुष्मा ४. ४, ४.
शुष्मात् २०. ३४, १; १४.
शुष्मिणः ६. २०, १; २०. १७, ३.
शुष्मिणाम् २०. १२, ५.
शुष्मिन् ५. २, ४; २०. १०७, ७; १०८, ३.
शुष्मिन्-तमम् २०. २०, १; ५७, ४.
शुष्मी २०. १२, १.
शुष्मे ५. ५, १; ६. ३८, ३.
शुष्मेण ४. ४, २.
शुष्य ६. १३९, २; ४.
शुष्यतु ६, १३९, २.
शुष्यतु ६. १३९, २; ७. ५९, १; ८. ४, ११.
शुष्यन्तु ६.९, १.
शूद्रः ४. २०, ४; १९. ६, ६.
शूद्र-कृता १०. १, ३.
शूद्रम् ४. २०, ८.
शूद्राम् ५. २२, ७.
शूद्राय १९. ३२, ८.
शूद्रे १९. ६२, १.
शून्य-एषी १४. २, १९.
शूर २. ५, १; ७. ३१, १; ७६, ६; ८. ५, १७; ८, ७; १८. १, ३८; २०. १२, ५; २१, ३; ३७, ११; ५६, ५; ७३, १; ७४, ४; ७७, २; ७; ७९, २; १००, २; ११६, २; ११८, १; १२१, १; १२५, १.
शूरः ८. ८, १; २०. ३७, १०; ६०, १; ८९, ४.
शूर-पत्नि २०. १२६, ८.
शूर-पुत्रा ११. १, ११.
शूर-पुत्राम् ३. ८, २.
शूरम् ७. ८६, १; २०. ८९, २.

शोकम् ६. १८, १; १८. १, ३६.
शोकान् ४. १४, १; ९. ५, १३.
शोकाय ५. १, ३.
शोकैः ३. २, ५.
शोच २. १९, ४; २०, ४; २१; ४; २२, ४.
शोचत २. २३, ४.
शोचता २. १२, ३.
शोचतु ६. १३०, १; २; ३; ४; १३१, १; २.
शोचय २०. ३६, ८.
शोचयः १८. २, ९.
शोचयामसि ६. ८९, २.
शोचयामसि ६. ८९, १.
शोचिः १. २५, २; २. १९, ४; २०, ४; २१, ४; २२, ४; २३, ४; १०. ४, २; १८. २, ८.
शोचिः-केशम् १३. २, २३; २०. ४७, २०.
शोचिषा १. १२, २; ६. ३४, २; ८. ३, २३; १७. १, १६; २०. ३६, ८; ६७, ३.
शोचिषे १. २५, ४.
शोचींषि ५. २७, १.
शोणा २०. २६, ५; ४७, ११; ६९, १०.
शोभयामसि १४. १, ५५.
शोभसे २०. १०६, १.
शोशुचत् ४. ३३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८.
शोशुचतः ८. ३, १३; १९; १०. ५, ४९.
शोशुचानः ४. ११, ३; ८. ३, ७.
शोशुचानम् ६. ११२, १; २; ३; ४; ५; ८. ३, ६.
शोशुचानाः ५. २२, १.
शोषयन्ति ३. २५, ३.
शोषयामि ६. १३९, १.
शौष्क-आस्यम् ११. ९, २१.
श्चोतन्ति २०. ८८, ३.
श्नथयन्त २०. १०५, २.
श्नथिता २०. १५, २.
श्नप्त्रैः २. १७, २.
श्नप्त्रम् ८. २, १.
श्मशाने ५. ३१, ८; १०. १, १८.
श्मश्रु ६. ६८, २.
श्मश्रुणि ५. १९, १४; २०. ७३, ५.
श्यामः ८. १, ९.
श्यामम् ११. ३, ७.
श्यामा १. २४, ४.
श्यामाकम् २०. १३५, १२.
श्यामेन ९. ५, ४.
श्याव-अश्वः १८. ३, १५.
श्याव-अश्वम् ४. २९, ५; ११. २, १८.
श्यावः ५. ५, ८.
श्यावके २०. १२०, २.
श्याव-दतः ११. ९, १७.
श्याव-दता ७. ६५, ३.
श्यावम् २०. १६, ११.
श्यावी ७. ६५, १.
श्येनः ३. ३, ३; ४; ६. ४८, १; ७. ४१, १; २; ९. ७, ५; १८. १, २१.
श्येनः-इव ५. ३०, ९.
श्येनाः ११. ९, ९; १०, २४.
श्येनात् ५. २१, ६.
श्येनी ६. ८३, २.
श्येनीः १८. ४, ३३; ३४.
श्येनीपती २०. १२९, १९.
श्येने ६. ६२, ३.
श्येनौ ७. ७०, ३.
श्यैतम् १५. २, २२; ४, ११; १२.
श्यैतस्य १५. २, २४.
श्यैताय १५. २, २३.
श्रंशयित्वा ४. १६, ७.
श्रत् २०. ३४, ५.
श्रत्-दधाति ११. २, २८.
श्रत्-दधानस्य ४. ३५, ६.
श्रत्-दधानाः ६. १२२, २; १२. ३, ७.
श्रत्-दधानेन ९. ५, ७; ११.
श्रत्-धेयम् ४. ३०, ४.
श्रथय १. ११, ३.
श्रथय ७. ८३, १; १२. ५, ७१; १८. ४, ६९.
श्रथ्नानः १४. १, ५७.
श्रद्धया १२. ५, ३.
श्रद्धा ५. ७, ५; ९. ५, २१; १०. ७, ३; ११; ११. ७, ९; ८, २२; १२. ५, २३; १५. २, ५; ७, २; ४; ५; १६, ४.
श्रद्धाम् १०. २, १९; ६, ४; १९. ६४, १.
श्रद्धायाः ६. १३३, ४.
श्रपयन् ११. १, ४.
श्रमः ८. ८, ९; ११. ७, १०.
श्रमात् १०. ७, ३६.
श्रमेण ४. ११, १०; ३५, २; ६. १३३, ३; ११. ५, ४; १२. ५, १.

ष

सखि-भिः ७. १०५, १; १४. १, ५६; २०. ७७, ६; ६१, ३; ७.
सखि-भ्यः ७. ५१, १; १०६, १; ८. ६, ७; २०. १७, ११; २१, २; ६८, ४; ८६, ११; ६४, ११.
सखि-यतः २०. ७५, ३.
सखीन् ५. २२, ११.
सखीनाम् २०. १२४, ३.
सखीयते १६. ५२, २.
सखे १६. ५२, २.
सख्यम् १८. १, २; २०. ८६, ४.
सख्यम् ७. १०४, १.
सख्या ७. ४१, १; २०. २१, ७.
सख्या १८. १, १.
सख्याय ३. ३, २; २०. ६२; ७; ७६, ८; ११४, २; १२५, ३.
सख्युः ५. १३, ५; १८. ४, ६०; २०. ६२, ४; १२६, १२.
सख्ये ८. ६, २२; १३. १, १७; १८; १६; २०. १३, ३.
स-गणः २०. ६३, २; १२४, ५.
स-गणाः ७. ७७, १.
सघत् २०. १५, ४.
सघायते २०. १२६, १२.
सघायते २०. १२६, ११.
संकल्प-कुल्मलाम् ३. २५, २.
सघताम् १. १२, ३; ६. ४, २२.
सचते ५. १, ७; १२. ३, ५०.
सचते ७. २१, ३; ३४, ३; ३७, ११; १२. ३, २.
सचध्वम् ३. १४, ६; ४. ३७, १२; ६. ४१, २; ६. ४, २४; १८. ३, १६; ४, ६२.
सचध्वे २. २, ४.
सचन्त ७. ५, १.
सचन्ताम् २. ३४, १; ४. १५, २; ८. ४, १४; १२. ३, ४३.
सचन्ते ६. ११६, ३; १२. ३, ४०; १८. ४, ४०.
सचन्ते ६. १२२, ३; १२. ३, ७; १६; २६[२]; २८; २०. ६, ७; १४३, २.
सचसे ५. ७, ८.
सचस्व १२. २, ५३.
सचा २०. २५, ५; ३८, ५; ४७, ५; ५३, १; ५६, ५; ५७, ११; ६०, २; ६८, १२; ७०, ८; ७१, ६; ७३, ५; ७८, १; ८५, १; १२०, २; १२५, ४.
सचा-भुवम् २०. ७२, २[२]; ७५, १[२].
सचावहै ६. ४२, १.
सचावहै ६. ४२, २.
स-चित्ताः ६. १००, १.
स-चेतसः १. ३०, २; ५. २१, १२; ६. ६८, १; ७. २२, २.
स-चेतसम् २०. ६४, ५.
स-चेतसौ २. २६, ३; ४. २६, १; २६, १; २.
स-चेताः २०. ३५, १०; ७७, ७.
सचेथाम् १२. ३, ६.
सचेवहि १४. २, ७२; २०. ६२, ४; १३.
सजन्तु ५. २१, १०; ११. १०, २.
स-जातः १. १६, ३; ३. ३, ६.
स-जातम् १२. १, ३१.
स-जातौ ३. ४, ३; ६. ७३, १.
स-जाताः ३. ३, ५; ६. ७३, २; १८. ४, ३७.
स-जातान् १. १०, ४; ११. १, ६.
स-जातानाम् १. ६, ३; २. ६, ४; ३. ८, २; ६. ५, २; १६. ४६, ७.
स-जातैः ३. ८, ३; ११. १, ७.
सजामसि ७. १५, १.
सजामि १४. २, ४८.
स-जित्वानम् २०. ७०, १७.
स-जूः ६. ३५, २; १२६, १; ८. २, १३; २०. ५४, १.
स-जोषसः ६. ११५, १.
स-जोषसम् २०. ६३, ७.
स-जोषसा २०. १४१, २.
स-जोषाः ३. २२, १; ४. १४, ५; ३२, २; ५. १२, ३; २८, ५; ७. १७, ३; १०८, २; १२. २, २४.
सत् ५. १६, ६; ८. ४, १३; ६. १०, २८; १०. २, २२; २३; ७, १०; ११; ८, ६; १७. १, १६; २०. २०, ५; ५७, ८.

सतः ४. १, १; ५. ६, १; ८. ४, २१; २०. ५८, ३.
सताम् १. ८, ४.
सति १७. १, १९.
सती ११. ८, १७; १२. ४, १६.
सतीः ९. ६, १५; १२. ३, २६; २०. २८, २; ३९, ३.
स-लोकान् ६. ५६, १.
सत्तः २०. २३, २.
सत्तम् १७. १, १४.
सत्र-सर्दः १. ३०, ४.
सत्र-सद्येन ६. ६(४), ६.
सत्राणि ११. ७, ८.
सत्रेणं १२. १, ३९.
सत्-पतिः ७. ६२, १; २०. ११, ७; १७, ६.
सत्-पतिम् २०. १४, ४; २२, ४; ६२, ४; ९२, १; ९८, १.
सत्पती इति सत्-पती ७. ७३, ४.
सत्-पते २०. ६, ४; २१, ६; १११, ३; ११२, २.
सत्य २०. ६४, २; ७४, १.
सत्य-ओजाः ४. ३६, १.
सत्यः २०. ३४, १८; ३६, १; ७६, ४; ७७, १; ९५, १; १०४, २; ४; १२४, २.
सत्य-जितम् ४. १७, २.
सत्य-धर्मणः १. १०, ३.
सत्य-धर्मा ७. २४, १; १०. ८, ४२.
सत्यम् २. १५, ५; २५, ४; ३. १, ४; ४. ९, ७; १८, १; २४, १; ५. ११, ३; ४; १७, १०; ६. ६१, २; ३; ७. ७०, २; ८. ३, २१; ४, १२; ९. २, २५; ५, २१; १०. २, १४; ३, २५; ६, १५; ७, ६; ३०; ११. ७, १७; ८, २०; १२. १, १; ३, १२; ५, १०; १५. १, ३; ६, ५; २०. ६५, १; ११२, २.
सत्य-राधाः ३. १६, ३.
सत्य-राधाः २०. ७६, ७.
सत्य-वर्त्मा ४. २९, ७.
सत्य-वाचा ५. १, ६; १८. १, २९.
सत्य-वादिनम् ११. ४, ११.
सत्य-वादी ४. १६, ६.
सत्य-वानम् ४. २९, १; २.
सत्य-शुष्मम् २०. ६४, ३.
सत्य-शुष्माय २०. १५, १.
सत्य-सन्धान् ११. ६, १९; २०.
सत्य-सवम् ७. १४, १.
सत्य-सवाम् ७. १५, १.
सत्यस्य ३. ११, ८; ६. १, २; १५. ६, ६; १९. १०, २; ११, १; २०. २२, ४; ६२, १; १३६, ४.
सत्या १. १०, १; २. ६, १; ५. ३, ४.
सत्याः १२. ४, ८; १९. ४२, ३.
सत्यात् ७. ७०, १.
सत्यानृते इति सत्य-अनृते १. ३३, २.
सत्याम् २०. २५, ७; ३३, २; ६१, ११.
सत्याय १२. ३, ४६.
सत्यासः १८. ३, ४८.
सत्ये ११. ३, ४९; ५०.
सत्येन २. ३६, ९; १०. १६; ११. ३, ४२; १, ८; ५. २; १४. १ २०. ६१, ८.
सत्येभिः २०. ६१ ७.
सत्यैः १८. ३, ४०.
सत्रा १७. १, २५; २६; १५, ६; ३२, ३; ५५ ५८, ४; ९८, २.
सत्राच्या २०. ११३, १.
सत्रा-जित् २०. ६४, १.
सत्र-जितः २०. १०, १; ५९, १.
सत्रा-दावन् २०. ७०, १२.
सत्रा-सहम् २०. ११, ८.
सत्वनः ५. २०, ८.
सत्वनाम् ५. २०, ८.
सत्वना-यन् ५. २०, १.
सत्वने २०. ७८, १.
सत्वा २०. ३६, १.
सत्वानः ६. ६५, ३; ११ १४.
सत्तिम् ६. ११०, १; २ ५.
सद् २०. ६७, ५.
सर्दः ७. ७५, २; ९. १६; १३. १, २३; १३, २; ३०, २.
सद्रः २०. ३, १; १७, २; १; ४७, ७.
सर्दः-सद्रः ५. १, ४; ५४.

स-नाभिः १. १०, १; ६. ६, ३; ९. ६, ११.
सनितौ २०. ७१, २.
सनि-स्यः २०. ४४, ३.
सनिम् १९. ३१, १४.
सनिषन् ५. ३, ५.
सनिष्णत २०. ७५, ३[२].
सनिष्यवः २०. ७२, १.
सनिस्यदः १९. २, १.
सनिस्रस-अक्षेभ्यः २. ८, ५.
सनिस्रसः ५. ६, ४.
सनिस्यनत् २०. ६२, ६.
स-नीडाः १८. २, २६.
सनुतः ७. ९२, १; २०. ११५, ७.
सनुहि १४. २, ७०.
सनेत् २०. ६६, ७.
सनेम ५. २६, १; १९. १२, १; २०. ६१, ३; १२४, ६.
स-नेमि ९. ६, १४.
सनेयम् ४. ९, ७.
सन्तः २. ३४, ४; ६. ११७, २; २०. ९१, १०.
सन्तः १९. ५३, ३.
सन्तम् ३. ३, २; ९. १०, ९; १०. १, १८; ८, ३२[२]; १३. १, ३३.
सन्ति ६. १०४, २; ११२, ३; ७. ५, १; ११. २, २८; १९. ४७, ३; २०. ६०, ५; ७१, ५; ९४, ७.
सन्ति ५. ६, ३; १०. १, २०.
सन्तु १. ६, ४[२]; २. ६, २; १२, ६; १४, ३; ३. १९, ७; ४. १८, १; ५. ३, ३; ६, ९; १४, ५; ६. ६६, ३; ७७, ३; १४२, ३[२]; ७. १२, २; ७३, १०; ८. २, १५; ६, १६; ७, ८; १७; ९. २, १०; ४, ६; २०[२]; १०. ९, ३; ११. ६, ९; २२; ९, २; १०, ७; १२. १, ६२; ३, ४१; १४. १, ३४; ४०; १८. २, २०; ३, ५१; ६८; ६९; ४, २५; २६; ३४; ४२; ४३; १९. २, १[२]; २; ८, १; ९, १; ९; १०, २; ३; ४; ७; ८; ११, १; १६, २; २०, २; २७, १५; ४०, ३; ४२, ३; २०. ६६, ५; ६४, ७; १२२, १.
सन्नान् ६. ७६, ५.
स-पत्नः १. १९, ४; ६. ७५, १.
सपत्न-कर्शनः ८. ५, १२.
सपत्न-क्षयणः १. २९, ४; ६; १०. ३, १.
सपत्न-क्षयणम् २. १८, २; १९. ३०, ४.
सपत्न-चातनम् २. १८, २.
सपत्न-दम्भनम् १०. ६, २९; १९. २८, १.
स-पत्नम् ७. १०९, ३.
सपत्न-हनम् ९. २, १.
सपत्न-हा १. २९, ५; २. ६, ३; ४. ८, २; ८. ३, २८; ५, १; २; १०. ५, २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१; ३२; ३३; ३४; ३५; ६, ३०; १९. ३१, ८; ३२, १०; ४६, ७.
स-पत्नाः १. ९, २; ४; ५, ४२, ६; ३५, ७; ५. ३, १०; २०, २; ९. २, ४; १०; ११; १३; १८.
स-पत्नान् १. २९, २; २. २९, ३; ३. ५, १; ६, ४; ५. २०, १; २८, १४; ७. ३४, १; ३५, १; ९. २, १; ५; ६; ९; १४; १५; १६; १०. ३, ११; १४; १५; ६, ३०; ११. १, ६; १२. १, ४१; २, ४६; १३. १, २८; ३०; ३१; ३२; ९, २९; १७. १, २४; १९. २८, ५; ६; ७; ८; ९; १०; २९, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०, १; ३२, ५; ३३, २; ६६, १.
सपत्नानाम् ७. १३, २; १९. २८, ३; ४.
सपत्नी ३. १८, ४.
स-पत्नीम् ३. १८, १; २; ३; ५.
स-पत्ने ९. २, २.
स-पत्नेभ्यः १. २९, ४.
स-पत्नेषु १०. ६, १.
सपर्य १४. २, १८.
सपर्यत ३. ३०, ६; १८. १, ४६; ३, १३.
सपर्यतः २०. २५, ३.
सपर्यतु १४. २, २१.

सपर्यन्ति २०. १०९, ३.
सपर्यामि १९. ७, १.
सप्त २. १२, ७; ४. ६, २; ११, ९; ३९, १०; ५. १, ६; १५, ७; ६. ३, १; २५, २; ६१, २; ३; ७; ३९, १; ५७, २; १०७, १; ११२, १; ८. ९, १७[३]; १८[५]; १९; २३; ९. १, २२; ९, २; ३[४]; ६; १३; १०, २; १७; १०. २, ६; ८, ९; १०, २[२]; ३[२]; ११. ९, ६; १२. १. ३९; २, २९; ३, १६; १३. १, ३७; २, ४; ६; ७; ८; २३; २४; ३, १०; १८; १४. २, ४५; १५. १५, २[३]; १८. ४, २८; १९. ६, १५[२]; १६; ३४, ३; ४७, ३; ५३, २[२]; २०. १७, ३; ३४, ३; १३; ३६, २; ४७, २०; २१; ७७, ३; ९१, १२; ९२, ४; ९; ११०, २.
सप्त-आस्यः २०. ८८, ४.
सप्त-ऋचेभ्यः १९. २३, ५.
सप्त-ऋषयः ४. ११, ९; ५. १७, ६; ८. १० (४), १३; १६; ११. १, १; ३; २४; ३, २; १५. २, २२; १९. ९, १२; १३.
सप्तऋषि-भिः १९. १७, ७.
सप्तऋषि-वन्तम् १९. १८, ७.
[सप्त]-ऋषीणाम् ६. ४०, १; [१]५. २, २४.
[सप्त]-ऋषीन् ८. १० (४), १३; १०. ५, ३९; ११. ६, ११.
सप्त-गृध्राः ८. ९, १८.
सप्त-चक्रम् ९. ९, ३.
सप्त-चक्रे ९. ९, १२.
सप्ततिः ५. १५, ७; ६. २५, २; १९. ४७, ३.
सप्ततीः १९. ६, १६.
सप्तथम् ९. ९, १६.
सप्तदश-ऋचेभ्यः १९. २३, १४.
सप्त-धा ८. ९, २३.
सप्त-नामा ९. ९, २; १३. ३, १८.
सप्त-पदः ५. ११, ९; १०.
सप्त-पुत्रम् ९. ९, १.
सप्त-भ्यः २०. १३७, १०.
सप्तम-अष्टमाभ्याम् १९. २२, ३.
सप्तमः १३. ४, १७; १५. १५, ९; १६, ७; १७, ७.
सप्तमम् ९. १, २२.
सप्त-मातरम् १८. ४, २९.
सप्तयः २०. १३, २.
सप्त-रश्मिः १९. ५३, १; २०. ३४, १३; ८८, ४.
सप्त-रश्मौ ९. ५, १५; ११. १, ३६.
सप्त-रात्रः ११. ७, ११.
सप्तर्षि-भिः ११. ३, ३८; १५. १४, ७.
सप्तर्षि-भ्यः ७. ५३, ४; १५. २, २३.
सप्त-वध्रिम् ४. २९, ४.
सप्त-वृषः ५. १६, ७.
सप्त-शीर्ष्णीम् २०. ९१, १.
सप्तसप्त ४. १६, ६.
सप्त-होता ४. २४, ३.
सप्तानाम् ३. १०, ६.
सप्तिम्-इव २०. ३५, ५.
स-प्रथः २०. १८, ६.
स-प्रथाः १. २६, ३; १८. २, १९.
स-बन्धवः १०. ३, ९.
स-बन्धुः ६. २५, २; ५४, ३.
सबन्धु-भ्यः ८. २, २६.
सबन्धू इति स-बन्धू १०. १, १०.
स-बन्धून् १५. ८, २.
स-बलः २०. ४७, ३; १३७, १४
सबले इति स-बले १३. ३, १२.
स-बाधः २०. १३७, २.
स-ब्राह्मणान् १२. ४, १०; ५३.
स-भराः ३. १७, २.
सभा ७. १०, १; १५. ९, २.
सभाः १२. १, ५६.
सभागयति ९. ६ (६), ६.
सभागयति ९. ६ (६), ६.
सभाम् ८. १० ९; १९. ५५, ५.
सभायाः १५. ९, ३.
सभायाम् ५. ३१, ६; ७. ३८, ४; ८. १० (१), ८.
सभा-सदः ३. २९, १; ७. १२, २; १९. ५५, ५.
सभासु ४. २१, ६.
सभे ७. १२, २.

सुभेयः २०. १२८, १.
सभ्र्यः ८. १० (१), ९.
सुभ्रयः १९. ५५, ५.
सुभ्र्याः १९. ५५, ५.
सम् १. १, ४; ११, २; १५, १[४]; ३; ४; २७, ३; २८, २; २. २, ३; ६, १; २; ४; २६, २; ३[५]; ५[२]; ३०, २[५]; ३१, १; ३२, ३; ३५, २; ३. ४, ३; ६; ८, ५[४]; १० ३; ८; ११; १२, १; ८; १४, १[४]; २[४]; ५; १५, ८; १६, ६; १९. २[२]; ५; २०, ८; २२, १; २४, ५; २८, १; २; ३१, १; २; ३; ४; ५; ६[२]; ७[२]; ८; ९; १०[२]; ११; ४. २, ७; ८; ४, ४; ५, ५; १२, २; ३[४]; ४; ५[३]; ७; १५, १; २; ३; ६; ७; ८; ९; १७, २; १९, ६; २४, ८; २५, ४[२]; २८, ७; ३०, ८; ३१, ४; ३२, ५; ३४, ३; ४; ३६, ४; ५; ७; ३९, १; ३[२]; ५[२]; ७[२]; ५. २, २; ३; ५; ७; ६, ३; ८, २; ११, २; १४, ९; १८, ५; २२, ६; २३, १०; २८, १; ४[२]; ३०, १३; १४[३]; ३१, १०; ६. ४, ३; ५, १; २; ९, ३; २१, १; ३२, २; ३४, ४; ४५, १; ४६, २; ३; ४८, १; २; ३; ४९, २; ५३, ३[३]; ५६, १; ३[४]; ६३, ४; ६४, १[३]; ६६, १; ७४, १[५]; ८९, २; ९४, १[४]; ९७, २; १०२, १[२]; १०३, २[४]; २; १०५, १; १०९, १; २; ११६, २; ११९, २; १२२, १; ३; १२४, १; १२६, ३; १३१, २; १३५, २[२]; ३[२]; १३९, ३[२]; ५; ७. ९, ४; १६, १; १७, ३; २२, २; ३३, १[४]; ५०, ६; ९; ५२, २[२]; ५३, २; ५६, ४; ७०, २; ७३, १०; ७५, २; ७९, २; ८०, १; १; ८२, ६; ८९, १[२]; २[४]; ४; ९७, २[४]; ९८, १[४]; १०९, ३; ८. १, १९; २, ३; ४; ५; १३; ३, ३; ४, २; ४; १८; १९; ५, १४; ६, ३; ७, १५; ८, २१[२]; २४; ९, १२[२]; २२; १० (३), १; ३; ५; ७; ९. १, १४; १५[२]; ३, ३; ४, ११; ५, ६; १४; २४; ८, २२; ९, ३; ८; १०, ९; १८; १०. २, ५; ३, १७[२]; १८[२]; १९[२]; २०[२]; २१[२]; २२[२]; २३[२]; २४[२]; २५[२]; ४, ५; ८; १९; ५, ४३; ४६[२]; ४७[३]; ८, २१; ९, ३; ६; २७; १०, १३[२]; १४[२]; १५[२]; १७; २४; ३३; ११. १, ४; २, ७; २०; २६; ३, १७; ३२–४९; ४, ६; ८, ८; १४; १५; ९, २; ११[२]; १२[२]; १४; २६; १०, १; ६; ७; ८; १२; २०; १२. १, ३६; १५; ५३; २, ११; २९; ३१; ३२; ३९; ५५; ३, २; ३[२]; ४; ६; ७; ९; १०; १२; १३; २९; ३३; ३४; ३६; ३७; ३८; ३९; ४५; ५०; ५१; ५५; ५६; ५७; ५८; ५९; ६०; ४, ३; ५; ९; ११; १२; ५, ६२[२]; ६८; ६९; १३. १, ८; १२; ४८; ५०; २, १३; १५; २६[२]; ३१; ४०; ३, ४१; १४. १, २१[२]; ३१; ३३; ३४[३]; ४०; ४२; ४५; ५२; ५५; २, १२; १३; २९; ३२[२]; ३७; ४०; ५३; ५४; ५५; ५६; ५७; ५८; ६४; ७०[३]; ७१; १५. १, १; ३, २; ३; १६. ५, ३; ४; ५; ६; ७; १०; ९, ३; १८. १, १२; १३; १४; ५३; ५४; ५७; २, ९; १०; २१[२]; २५; २९; ४४; ५८; ३, २; ७; ८[३]; ९; १९; १८; ४०; ५७; ५८[३]; ७१; ४, १; ४१; ४८; ५२; ६०; १९. १, १[४]; ३, २; ६, ८; ९; १२, १; १३, ६; २४, ८; २६, २; २७, ५; ७; ३१, १३; ३२, १०; ३३. १; ४०, १; ५२, १; ५; ५३, ४[२]; ५४, १; ३; ४; ५५, १; २; ५७, १; २[४]; ४; ५८, ३[२]; ६९, ३; २०. ८, ३; ११, ६; १३, ३; १५, ३; १६, २; २१, ४; ५[४]; ७; २५, ४; २६, ६; ३५, ४; ५; ४०, १; ४५. १; ३; ४७, १२;

समुद्रियम् ७. ७, १; १९. ३८, २.
समुद्रियाः ७. १०७, १.
समुद्रियाणि २०. ७७, ७.
समुद्रे १. १३, ३; २. २, ३; ४. २, ५; ३०, ७; ६. ८०, ३; १०. १०, १४; ११. २, २५; ५, २६; २०. ४४, २; १११, २.
समुद्रेण ११. ४, १२.
समुद्रौ ४. १६, ३; ९. ५, २०; १३. २, १०; ३०.
सम्-उब्जितः ९. ३, २०; १०. २, २७.
सम्-उब्जिताम् ९. ३, १८.
सम्-उत्पला ६. १३६, ३.
सम्-ऊढम् ७. २६, ४.
स-मूलः ६. १३६, ३.
सम्-ऊहः ३. २४, ७.
सम्-ऊहसि १. १३, ३; २०. ७२, २; ७५, १.
सम्-ऋतेषु १९. १३, ११.
सम्-ऋद्धम् १४. १, ३१.
सम्-ऋद्धिः ६. १२४, ३; १०. २, १०; ११. ७, १८.
सम्-ऋद्धीः ११. १, १०.
सम्-ऋद्ध्या १२. ३, २१.
सम्-ऋधे ३. १०, १०; १९. ३७, ५.
सम्-एत ७. २१, १; १४. २, २८.
सम्-एतः ११. ५, ११.
सम्-एतम् १२. ३, ३.
सम्-एत्य ११. ६, १८; १२. ३, ४.
सम्-एयथुः १२. ३, १.
समेषु ८. ७, १७.
सम्-एति ६. १०२, १.
सम्-एतु ३. २२, ५; ६. १०२, १; ७. ५०, २.
सम्-ओकसा २०. १४१, २.
सम्-ओताः ११. ५, २४.
सम्-ओप्यात् १. १४, ३.
सम्-ओषन्ती १२. ५, ५४.
सम्-ओहे २०. ७१, २.
सम्-कर्षन्ती २०. ९, ८.
सम्-कल्पस्य ११, ८, १.
सम्-कल्पाः ११. ८, २७; १५. ३, १०.
सम्-कल्पान् १६. ६, १०.
सम्-कसुकः १२. २, १३; १४.
सम्-कसुकम् १२. २, ११.
सम्-कसुकात् ८. १, १२; १२. २, ४०.
सम्-कसुके ५. ३१, ९; १२. २, १३; १९.
सम्-काशात् ७. ११४, १.
सम्-क्रन्दनः ५. २०, ९; १९. १३, २.
सम्-क्रन्दनेन १९. १३, ३.
सम्-ख्याता ४. २५, २.
सम्-ख्याताः ४. १६, ५; १२. ३, २८.
सम्-गच्छै ७. १२, १.
सम्-गतानि ६. ४४, २.
सम्-गतिम् २०. १४३, १.
सम्-गतेषु ७. १२, १.
सम्-गत्य ४. ४, ७; ९. ४, १५; ११. ६, २१; १८. २, २६.
सम्-गत्याम् ३. २०, ६.
सम्-गमः ६. २४, १.
सम्-गमनः १०. ८, ४२.
सम्-गमनम् १८. १, ४९; ३, १३.
सम्-गमनी ४. ३०, २; ७. ७९, २.
सम्-गमने ९. ५, १९.
सम्-गमेषु २०. १२५, ३.
सम्-गरः ६. ११९, २.
सम्-गरम् ६. ११९, ३.
सम्-गवः ९. ६(५), ४.
सम्-गिरः ६. १३५, ३; १८. ४, ६०.
सम्-गीर्य ६. १३५, ३.
सम्-गृणामि ६. ७१, ३; ११९, १.
सम्-गृभीताः ८. ४, ८.
सम्-गृभ्य ११. ५, ६; २०. २१, ३.
सम्-गो २०. ९५, २.
संग्रहणी इति सम्-ग्रहणी १९. ५८, ३.
सग्राम-जित् ५. २०, १०.
सम्-ग्रामम् ११. ९, २६.
सम्-ग्रामस्य ५. २१, ७.
सम्-ग्रामाः १२. १, ५६.
सम्-ग्रामान् ४. २४, ७.
सम्-घोरम् १९. ३५, ३.
सम्-चरन्तिम् १८. ४, २८.
सम्-चरन्ति ३. १५, २; ४. ३८, ५; ६. ५५, १; १२. १, ४७; १८. १, ३६.
सम्-जग्मानः २०. ४०, १; ७०, ३.
सम्-जग्मानाः ३. १४, ३.
सम्-जभार ९. २, ११.

सम्-भुञ्जती ३. १०, ७.
सम्-भुञ्जतीभ्यः ११. २, ११.
सम्-भूतम् १२. ४, ३३.
सम्-भूता ६. १००, ३.
सम्-भूय १०. ८, ११.
सम्-भृतः ५. २०, १; २१, ३; २०. ४७, ३; १३७, १४.
सम्-भृतम् २. ३६, २; ४. १४, ६; ७. ५६, १; ६०, २; ८. ७, १८; ९. ४, ८; १०. २, १; १९. ६, १४.
सम्-भृतश्रीः १९. ४९, १.
सम्-भृता १०. १, २; २४; १९. २२, २१; २३, ३०.
सम्-भृताम् ३. १२, ८.
सम्-भृते १०. ३, २०.
सम्-भृत्वा ३. २४, २.
सम्-मनसः ३. ३०, ५; ७; ६. ७३, १; ७४, ३; ८८, ३; ७. १९, १; ६४, १; ९. ५, ३७; ११. ५, १; ८,
सम्-मनसौ ६. ४२, १.
सम्-मनाः ३. ३०, २.
संमातरा-इव ८. ७, २७.
संमातरौ-इव १३. २, १३.
सम्-माता १३. १, १०.
सम्-मितः १२. ३, ३३.
सम्-मितम् ३. २९, ३; ४; ५.
संमिता २०. १२८, ६; ७; ८; ९; १०; ११.
सम्-मिताः १२. ३, २०; २८.
सम्-मितासः १२. ३, २७.

सम्-मिश्लः २०. ३८, ५; ४७, ५; ७०, ८.
सम्-मिश्लाः २०. ६७, ४.
सम्यक् १८. ४, ११.
सम्यञ्चः ३. ३०, ३; ६.
सम्यञ्चम् १३. ३, २०.
सम्यञ्चौ ५. १, ५.
सम्-यतम् ६. ५६, १; १०. ४, ८.
सम्-यतम् २०. ३६, १०.
सम्-यतोः १६. ८, २५.
सम्-यन् ९. ५, ३३.
सम्-यन्तम् ९. ५, ३३.
सम्-यन्ति ४. ११, १२; ६. २५, १; २; ३.
सम्-यमः ४. ३, ७*.
सम्-युतम् ६. ३०, १.
सम्-रन्धम् १३. १, ४.
सम्-रभ्य १९. १, ३.
सम्-रराणः २. ३४, ३; ४; ७. १७, ४; १८. ३, ४६.
सम्-राजम् २०. ४४, १.
सम्-राज्ञे १७. १, २२; २३.
सम्-राज्ञी १४. १, ४३; ४४[४].
सम्-राट् ४. १, ५; ६. ३६, ३; ८६, ३.
सम्-राधयन्तः ३. ३०, ५.
सम्-रुधम् ७. ५०, ५.
सम्-लिखितम् ७. ५०, ५.
सम्-लुप्य १०. १, ३०.
सम्-लोभयन्तः ६. २८, १.
सम्-वतम् ६. २९, ३; १०५, २.

सम्-वत्सरः ३. १०, ८; ४. ३५, ४; ८. ८, २३; १०. ६, १८; ११. ५, २०; ७, १८; १५. १७, ७; १८, ४.
सम्-वत्सरम् ४. १५, १३; १०. २, २०; २१; १५. ३, १; १७, ८; १९. ५८, १.
सम्-वत्सरस्य १. ३५, ४; ३. ५, ८; १०, २; ३; ५. २८, १३; ११. ६, २२.
सम्-वत्सराः २. ६, १.
सम्-वत्सरान् ३. १०, ९; ११. ६, १७.
सम्-वत्सराय ६. ५५, ३.
सम्-वत्सरीणाम् ८. ३, १७.
सम्-वत्सरीणाः ७. ७७, ३.
सम्-वत्सरे ८. १०(३), १; २; ९. १०, २६.
सम्-वत्सरेण १०. ७, ५.
सम्-वत्सरेभ्यः ३. १०, १०; १९. ३७, ४.
सम्-वदन्ति ४. ३७, ५.
सम्-वननम् ६. ९, ३.
सम्-वनना २०. ८५, ३.
सम्-वननी ६. १३९, ३.
सम्-वननेन ३. ३०, ७.
सम्-वरणे २. ६, ३.
सम्-वर्गम् २०. १७, ५.
सम्-वसन्तः ७. ७९, १; ८०, १.
सम्-वसवः ७. १०९, ६.
सम्-वसानौ १२. ३, ५२.
सम्-वहन्ति १३. ३, १७.
सम्-विजन्ते ५. २१, ४; ६.

१; ५; १७, ६; ७; १८, ८; २०, १; ४; ८; २२, २; ५. ४, ९; १०; ८, ६; १८, ४; ६. ६, १; १४, १, २४, २; ४६, ३; ५४, ३; ५७, ३; १०७, १; २; ३; ४; ७. २०, ६; ६५, ३; ७६, ३; १०१, १; ११४, १; ८. १, २०[२]; २, १२; १९; १० (१), १; १२ (५), १२; ९. ४, २०; ५, १९; २३; ७, २४; ८, १; २; ३; ४; ५; १०. १, १०; १३; २५; ३२; ६, १८; ७, २९; ३०; ८, १; २; ६; ३१; ३०; ९, २७; १०, २६; ३४; ११. २, १०; ४, १[२]; ४; १५; ८, १३; १५; ९, १; १०; १०, १७; १२. २, २; २४; २६; ३, २८; ५२; १३. १. ५४; ५५; २, ४१; ४५; १९. ६, ४; ९, २; १४; ३४, १; ३९, १; ५; ६; ७; ८; ४४, २; ५२, ५; ५७, १; ५; ६१, १; ६४, ३; ६९, १; २; ३; ४; ७०, १; २०. २५, ४; ७४, ७; ९६, १०[२], ११२, १.

सर्व-रथा २०. ९६, १.

सर्व-रूपम् १. ७, २५.

सर्व-रूपाः ९. ७, २६.

सर्व-वित् ६. १०७, ४.

सर्व-वित् १७. १, ११.

सर्व-विदे ६. १०७, ४.

सर्व-वीरः ७. ९, २.

सर्व-वीरम् ३. २०, ८; ७. ८. १; ११. १, ३; ११; १४. २, ६; १८. ३, १४; ४४; ४, ४०; १९. ११, १३; १४; २०. १३, १.

सर्व-वीराः ३. १२, १; ६; १२. २, २८; १९. ४९, ६.

सर्व-वेदसः १९. ४९, ६.

सर्व-वेदसम् ९. ५, १७.

सर्वस्मात् ७. ६४, १; १०. १, ११; ३, ४; ५, २२.

सर्वस्मै ३. २८, ३; ४. १७, १; ९. ४, २; ११. ४, ८; १३. ४, १९; १९. ३२, ८; २०. १२८, १२.

सर्वस्य ११. ४, १; १०; २४; १२. १, ३४; १९. ५३, ८; ६२, १.

सर्वस्याः ७. १२, ३.

सर्वस्यै १४. २, २७.

सर्व-हायसः १०. ५, २३.

सर्व-हायाः ८. २, ७.

सर्व-हुतः १९. ६, १३; १४.

सर्व-हुतम् १८. ४, १३.

सर्व-हृदा २०. ९६, ३.

सर्वा २. १, ३; ४, ५; ४. ५, ४; ११, २; २०, २; ६. १२४, ३; ७. ८१, १; ८. ७, १४; १०. ५, ५०; ११. १, ३१; ६, २१; १२. १, ५०; ५, ४२; ७१; १३. ४, २८; १४. २, २४; १८. २, ६; १९, ३१, ३१; ६०, २.

सर्वाः २. १४, १; ३; ३. ४, १; ७[२]; २०, ९; ४. ५, २; ३; ८, ४; ९, ९; १७, २; ५; १८, ५; ७; ८; २२, ७; ३४, ५; ६; ७; ३५, ५; ६. २४, ३; २५, १; २; ३; ८७, १; ८८, ३; ७. ९, २; २३, १; ४३, १; ७४, १; ८. ५, ८; १३; ७, १; १९; ९, २२; ९. १, १; ५, ३७; १०. १, ४; १०; २, २८; ११. ४, ६; १९; ६, ६; ८, २१; ३२; ९, १५; १२. ३, ३१; १३. १, २०; २६; २, २; ४१; ३, १९; २०; १५. ६, २२; १८. ४, ६; १९. ३, २; १५, ६; ३४, ९; ३९, १; ५; ६; ७; ८; ४४, ७; ४५, ४; ५३, ७; ५६, ६.

सर्वाणि १०. ७, ४०; १२. ५, ११; १३; १४; १९. ८, १; ९, १३.

सर्वान् २. ७, १; १४, ६; ३१, २; ३. ५, ६; ७; ६, ३; १०, ७; २९, २; ३०, ७; ४. ३, ३; ९, ९; १६, ९; १९, ७; २०, ६; २२, १; ३६, ३; ४; ३७, २; १०; ३८, ५; ५. २३, ६; ८; ६. ५०, ३; ८०, २; ११२, २; ११७, १; ३; ११९, २; १२१, ४; ७. ६५, १; ८३, ४; ८. २, ११; ८, ६; ८; ९; ९. २, २५; १०. ६,

६; ४. ८, ६; २५, ३; ४; ५; ५. ३, ९; २४, १; २६, २; २७, ३; ६. १, ३; ४०, १; २; ५३, १; ५८, १; ६१, १; ६८, १; ३; १०३, १; ७. १४, ४; १७, ४; २४, १; ३०, १; ७३, ६; ७; ८. १, १५; ३, १६; ५, ५; १०; १० (५), ३; ९. ४, १०; ६ (५), १; ७, १०; २१; १०, ४; १०. ६, १३; ८, ४२; ११. १, २०; ३, १३; ४, १; १४. १, ९; १३; १९; ३३; ४७; ४९; ५०; ५१; ५३; ५८; २, १२; ३९; ५९; ६०; ६१; ६२; ७५; १८. १, ५; ३६; २, ५५; ३, १२; २९; ४, ३१; १९. १०, १०; १६, १; २०, १; २४, ८; २७, १४; ३१, १; ५; ४६, ७; २०. ९६, ९.

सविता-इव १३. १, ३८; १९. ४५, ४.

सवितारम् ३. ८, ३; २०, ७; २१, ८; ४. २५, ७; ६. १, १; ७. १४, १; ११. ६, ३; १३. २, ३६; १९. २४, १.

सवितुः ४. २५, १; ६. २३, ३; ९. २, ६; १०. ५, १४; ११. ३, ४७; १२. २, ४८; १९. ४६, १; ५१, २.

स-विद्युतम् ४. १५, १६.

सवीमनि ७. १४, २.

सवे ६. २३, ३;

स-वेदसः १२. २, १४.

सवेन ६. १६, ३; ९. २, ६.

सव्यः १५. १८, ३.

सव्यम् १२. १, ३४; १५. १८, १.

सव्य-स्थाः ८. ८, २३.

सव्यात् ७. २६, ८.

सव्ये ७. ५०, ८.

स-व्रताः ३. ३०, ३.

सश्चत् २०. ९५, १.

सश्चिरे २०. १०९, ३.

ससताम्-इव २०. २१, १.

ससद्यात् ६. २६, २.

ससन् ४. १, ६.

ससन्तु २०. ७४, ४.

सस-वांसम् २०. ११, ८.

सस-वान् १८. १, २२; २०. ७६, २.

ससहे १९. ३४, ५.

ससहानः २०. ७५, २,

ससहानः-इव ३. ६, ४.

ससहानम् १७. १, १; २; ३; ४; ५.

ससहिः ३. १८, ५; १९. ५२, २; २०. १९, ६.

ससहिम् ३. २१, ३; २०. ६१, १; ६२, १९.

ससहे १. १६, ३; २. ५, ३; २०. १३७, ९.

ससह्याम २०. ७०, १०.

सस-ह्वांसम् २०. ४६, १.

ससाद ५. १, २.

ससान २०. ११, ८; ९.

ससान २०. ११, ९[२].

स-सूनुः ५. २७, १.

ससूव १०. १०, १३.

ससूव २०. १२६, २३.

ससृजे १०. ७, ८; १९. ६, ३; ४; ५.

ससृजे २. २९, ७.

ससृज्महे २०. ५६, ५; १००, १.

ससृज्रिरे २०. २२, २.

ससृज्रिरे २०. ६२, २.

सस्ताम् २०. ७४, ३.

सस्नि ५. २, ३; २०. १०७, ५.

सस्यम् ७. ११, १; ८, १० (४), ११; १२.

सस्व तुः ६. ६०, १.

सस्व र्तीः ६. २१, १[१].

सस्वजाते इति ९. ९, २०.

सह १. १, २; ४, २. ७, ५; १०, २[२]; ३०, ५; ३६, १; ३. ४, १; ५, ३; १२, ७; ९; ११, ५; १०, ६[२]; ४. २१, ३; ३१, ६; ३८, ५; ६; ७; ५. ६, ११; १२; १३; १४; २१, ८; २२, १०; १२[२]; २९, ३; ३; ३०, ६; ६. ५९, २; ६४, २; ११९, २[२]; १३३, १; २; ३; ४; ५; ७. ३६, १; ६०, ७; ६५, ३; ८२, ३; ८९, ३; १०५, ३; ८. १, १; ११; ८, २१; ९. १, १५; ३, १४; २३; १०. ५, ४७; ६, ३; २२; २३[२]; २५; २६[२]; २७[२]; २८; ३०; ७, ५; १०, ११; २५;

११. १, १; ७; २२²; ५, २०; ६, १९; २०; ७, ८; ११; २०; २४; ८, ३०; ९, ५; १०, १; २; ५; ६, १२. १, ३९; ५९; ३, १०; १५; १७; ३२; ३९²; ५५; ५६; ५७; ५८; ५९; ६०; ४, २४; १३. १, १५; ३, ५; ४, २८; १४. १, ४८; २, १²; २; १७. १, २४; १८. २, ५९; ६०; ३, ५६; १९. ६, ४; ८, २; ११, २; १७, ९; ३०, ५; ३१, ७; ९; ३६, १; ४०, १; ४३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ५८, ६; २०. १७, ९; ४२, ३; ६३, १; ९६, १२; १२४, ४; १२८, १२; १३१, ११.

सहः २. १७, २²; ३. ५, ४; ४. ३१, ६; ३२, १; ३६, ८; ६. ४, १; १२५, २; ८. ७, ५; १०. ५, १; २; ३; ४; ५; ६; ११. ६, १५; ७, १३; १२. ५, ७; १३. ४, १३; २०; ५०; ५१; १८. ४, ५३; १९. ३७, १; २; ५२, २; २०. १५, ६; ६१, ५; ६२, ९; ६७, ६; १०९, ३; १४१, ३.

सहः-कृतः २०. १०४, २.

सहः-कृतम् ६. ३९, १.

सहः-कृतेन ४. ३२, १.

सहः-जित् १९. १३, ५.

सहः-जितम् १७. १, १; २; ३; ४; ५.

सहः-दाम् २०. ११, ८.

सहः-भिः ७. २५. १; २.

सहः-वानम् ७. ८५, १.

सह-कण्ठिका १०. ९, १५.

सह-चारम् २. २६, १.

सह-जाः ४. ३१, ६.

सहताम् ८. ६, ७.

सहते १. १६, ३; २. ४, ३; ५. १७, १८; ८. ३, २४; १३. २, ३१; १८. १, ४८; २०. १७, ६.

सह-देवता १२. ४, २३.

सहध्वम् ३. १, २.

सहध्वम् १९. १३, ३.

सहन् २०. ९०, २.

सहन्ते १. ३५, २.

सह-पत्न्यै १४. १, ५८.

सह-पुरुषान् ६. ५६, १.

सह-भक्षाः ६. ४७, १.

सह-भूते ४. ३१, ६.

सहमानः ३. ६, ४; ५. २०, ११; ८. ५, २; १२. १, ५४; २; ४६; १३. २, २८; १९. १३, ५; ३२, ५.

सहमानम् ७. ६३, १; १७. १, १²; २²; ३²; ४²; ५².

सहमाना २. २५, २; २७, १; ३. १८, ५.

सहमानाः ८. ७, ५.

सहमानाम् ३. १८, ६; ४. १७, २; ८. २, ६.

सह-मूरान् ५. २९, ११; ८. ३, १८.

सह-वीरम् २. ६, ५; ३. १२, ५.

सह-शेय्याय १८. १, ८.

सह-संभलायै १४. २, १९.

सहसः ९. ५, १३; १८. १, २४; २०. ६७, ३; ९३, ५.

सहसः २०. १०३, ३.

सहसा २. २९, ३; ४. १२, १; ३६. ३; ४; ५. २०, ३; ६. ७२, १; ७. ३५, १; १९. १३, ७; ५२, २; २०. ८८, १.

सहसा-वन् २०. ३७, ७.

सह-सूक्तवाकः ७. ९७, ६.

सहसे ८. ४, ३; १९. ३७, ३; २०. ८७, ३.

सहस्य ७. ७१, १; ८. ३, २२.

सहस्येन ४. ५, १.

सहस्र-अक्षः ४. २०, ४; ६. २६, ३; ३७, १; १०. ३, ३; १९. ६, १; ५३, १.

सहस्र-अक्षम् ९. ३, ८; ११. २, १७.

सहस्र-अक्षरम् १०. ८, ७; ११. ४, २२.

सहस्र-अक्षरा ९. १०, २१; १३. १, ४२.

सहस्र-अक्षाः ४. १६, ४.

सहस्र-अक्षाय ११. २, ३.

सहस्र-अक्षेण ३. ११, ३; ११. २, ७; २०. ९६, ८.

सहस्र-अक्षौ ४. २८, ३.

सहस्र-अर्घः १९. ३३, १.

सहस्र-अर्घम् १८. १, ४३; ४, ४७.

सहस्र-अर्घस्य ८. ८, ७.

सहावहै ३. १८, ५.
सहिषीमहि ३. ६, ४; १६. ३२, ५.
सहीयसी १०. ५, ४२.
सहीयसीः ८. ७, ११.
सहीयसीम् ३. १८, ६.
सहीयांसम् १७. १, १; २; ३; ४; ५.
सहीयान् ४. ३२, ४; ५. २०, १०; २०. ३५, ७.
सहुरिः ४. ३२, ४.
सहुरे ४. ३१, २; ५; ३२, ६.
स-हृदयम् ३. ३०, १.
सहे ४. ३६, ४.
सहे ४. ३६, ३; १६. ६१, १.
सह्याम ४. ३२, १.
सा १. १३, ४; १४, २; २४, ३; २८, ३; ३४, १; २. २६, ७; ३. १०, १[2]; २; ३; ४; ८; १७, ४; ६; १८, ४; २३, ४; २८, १; ५; ६; ४. १७, ३; २०, ३; ३८, ३[2]; ३६, २; ४; ६; ५. ५, १; ४; ५; ६[2]; १४, १२; १७, ४; १८, ३; ६; १५; १६, ४; ७; ६. १५, २; ३८, १; २; ३; ४; ५६, ३; १००, ३[2]; १२४, ३; १३३, ४; ५; ७. ६, ४; २०, ५; ४७, १; ५६, २; ७३, ८; ८. ४, १७; ६, ८; ११; १०(१), २[2]; ४[2]; ६[2]; ८[2]; १०[2]; १२[2]; १०(२), १[2]; १०(३), १[2]; ३[2]; ५[2]; ७[2]; १०(४), १[2]; ५[2]; ६[2]; १३[2]; १० (५), १[2]; ५[2]; ६[2]; १३[2]; ६. १, २०; २, ५; ६, ८; १७; १०, ५; ७; २१; १०. १, १; २; २४; ५, ३७[2]; ८, १०; २५; ३०; ६, ८; ६; २५; १०, २८; ११. १, २४; ८; १७; १२. १, १; ३; ४; ७; ८; ६; १०; १३; १८; २२; २६; ४०; ४१; ४२; ३, ११; ४, ३५; ५, १२; १५; १६[2]; १३. १, ४१; ४२; १४. १, ६०; २, ६; १४; ५०; ७०; ७१; १५. १६, १; २; ३; ४; ५; १७, १; ३; १६. ७, ४; १८. १, ४; २, ५२; ४; ८८; १६. ४, २; १६, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ६; १०; ११; ४८; ४[2]; ६; ४६, २; ५५, २; २०. ६७, २; १२६, १६; १४३, ७.
साकम् १. १०, २; ११, ६; १७, ३; ४. १, ६; २८, ४; ५. २८, ८; ६. ६१, २; १२६, १; ७. ११५, ३; १०. ८, ६; ११. १, ७; ५, ५; २३; ८, ३; १२. २, १; २५; १३. ३, १०; १४. २, ४१; ४२; १८. ४, ६; १६. ७, १; १२, २; ३६, ५; ६; ७; ८; २०. ६१, ५; १२६, १४; २३; १४२, १.
साकम्-जानाम् ६. ६, १६.
साक्षाम २०. ८७, ४.
साक्षीय १६. ३२, १०.
साक्षे २. २७, ५.
साक्वं २०. १६, ७.
साढः ५. ३०, ६.
सात-घ्नः ३. १५, ५.
सातये २०. ६८, ६; ११८, ३.
साता २०. ७२, २; ७५, १; ६८, १.
सातिम् २०. ७०, ६.
सात्म-त्वाय ६. ६(३), ८.
सात्रा-सहस्यं ५. १३, ६.
सादय ११. १, २३.
सादयति ६. ६(२), ३.
सादयाथः १२. ३, ५२.
सादयामि ६. १२२, ५; १०. ६, २७; ११. १, २७; १४. २, ४६; १८. ४, ६७.
सादयित्वा १२. २, २०; १४. २, ६७.
सादये १०. ५, ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४.
सादिनः ११. १०, २४.
साधन् २०. ७७, ३.
साधनम् २०. १३८, ३.
साधय १. २४, ४.
साधु ११. १, ६; १८. ४, ३.
साधु २०. १३६, १२; १४; १५.
साधुः १६. ६, ११.
साधु-अर्याः २०. १६, ३.
साधु-देविनाम् ४. ३८, १; २.
साधुना १८. २, ११.
साधुम् २०, १२६, ५.
साधु-या १०. ४, २१.
साध्याः ७. ५, १; ७६, २; ८. ८, १२; १०. १०, ३०; ३१; १६. ६, ११.
साध्यानाम् ६. १०, २४.

सु-तपसौ ४, २६, ३.
सुत-पावने २०, ६६, ३.
सुत-पेयाय २०. १४३, ३.
सुत-पौ ७. ५८, १.
सुतम् ४. २६, २; ७, ५८, १; २०. ६, २; ५; ६; ७, ४; २२, १; २४, १; २; ७; ४२, ३; ५२, ३; ५७, १५; ६५, १; ६७, १; ११०, १.
सुत-वतः २०. ४, १; ८४, २.
सुत-वन्तः २०. ३, ३; ३८, ३, ४७, ६; ५२, १; ५७, १४.
सुत-वान् २०. ६३, ६.
सुत-सोमम् २०. ८७, १.
सुत-सोमस्य २०. ३४, ६.
सुतस्य २. ५, १; २; ७; १८. १, ४५; २०. २४, ६; २५, ७; ३३, १; २; ३४, १२; ६०, ३; ६६, ४; ६६, २.
सुताः २०, ६, ४; २४, ५; ५१, ४; ६६, ३; ८४, १; ६६, २.
सुतानाम् २०. ३२, ३; ६३, ३.
सुतासः २. ५, ४; २०. ७६, ६; ६६, १; १३७, ५.
सु-तुका २०. ३६, १०.
सु-तुकान् २०. ८६, ५.
सुते २०. १, १; ६, १; २२, १; ५२, २; ५३, १; २; ५६, ५; ५७, ११; १२; १५; ६८, १२; ७१, ८; ७३, ५; ७८, १; ८४, ३; ८५, १; ६४, ६; ११०, २; १११, २.
सु-तेजसा ८. २, १७.
सुते-सुते २०. ७१, १६.
सु-त्रामा ७. ६१, १; ६२, १; १८. ३, ६१; २०. १२५, ६; ७.
सु-त्रामाणम् ७. ६, ३.
सु-त्रावने १६. ४२, ३
सुत्वनम् २०. १२६, २.
सुत्वा २०. १२८, १.
सु-दत्त्रम् २०. ७७, १.
सु-दक्षः ७. १०, १.
सु-दानवः ४. १५, २; ७; ६: ६. ३०, १; १४. २, ७२.
सु-दानवः १३. १, ३.
सु-दानु ७. २०, ४.
सु-दानुः १८. ३, ६१.
सु-दानुम् २०. ६, २; ४६, ५.
सु-दासम् २०. ३७, ३.
सु-दासे २०. ३७, ६.
सु-दिने १७. १, १७.
सु-दिवम् १६. ८, ३.
सु-दीतयः २०. ५४, ३.
सु-दीतये २०. १०३, १.
सु-दुघा १२. ४, ३५; १८. ४, ५०; २०. १७, ६.
सु-दुघाः २०. ६२, ७.
सु-दुघाम् ७. ७३, ७; १०४, १; ६. ४, २१; १०, ४.
सुदुघाम्-इव २०. ५७, १; ६८, १.
सु-दृढम् १०. २, ३.
सु-दृशीकम् २०. ७७, ५.
सु-देवः २०. ६२, ६.
सुदेवः २०. १३६, १२.
सु-धायाम् १७. १, ६; ७; ८; ६; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; २४.
सु-धितम् २०. ५६, ४; ६२, १४.
सु-धृतः १३. २, १२.
सु-नक्षत्रम् १६. ७, ३.
सु-नाथाः १२. ३, २७.
सु-नासिः ४. १२, ६.
सु-नाभा ८. ६, ४२.
सुनोत ६. २, १; ३; २०. १२७, ७.
सुनोति २०. ६६, ३; १२६, १५.
सुन्वतः ११. १, ३०; २०. ५०, २; ६४, २; ६८, १०; १११, ३.
सुन्वति २०. ५५, ३.
सुन्वते ४. ३०, ६; ६. ६, १; ५४, ३; ७. ११०, ३; २०. ५, ३; १७, ८; २५, ३; २७, ३; ३४, १८; ५१, ३; ५६, २; ८६, ८.
सुन्वन् २०. ६७, १.
सुन्वन्तम् २०. १८, ३; ३४, १५.
सुन्वानः २०, ६७, १२.
सुन्वानाय २०. ६७, १.
सुन्विरे २०. ११२, ३.
सु-पक्वे ५. २६, ६.
सु-पदम् १३. २, २.
सु-पत्नी ११. १, १४.
सु-पत्नीः १२. २, ३१; १८. ३, ५७.
सु-पथा २०. ५५, १; ६४, २.
सु-पर्णः १. २४, १; २. २७, २; ४. ६, ३; ५. १४, १; ६. ८, २; ८३, १; ७. ४१, २; ६. १०, २८; १२

३, ३८; १३. २, ६; ३२; १८. ४, ८९; १९. ६५, १.

सु-पर्णम् ४. १४, ६; ७, ३९, १; १३. २, ३६; ३७; १८. ३, ६६.

सुपर्ण-यातुम् ८. ४; २२.

सुपर्ण-सुवने ५. ४, २.

सु-पर्णस्य ४. २०, ३.

सु-पर्णा ९. ९, २०.

सु-पर्णाः २. ३०, ३; ५. २८, ८; ६. २२, १; ४९, ३; ८. ७, २४; ९, १७; ९. ९, २१; २२; १०, २२; ११. २, २४; १२. १, ५१; १३. ३, ९; १८. ४, ४.

सु-पर्णैः ११. १०, २६.

सु-पलाशम् २०, १७, ४.

सु-पविः ४. १२, ६.

सु-पारः २०. ६८, १०.

सु-पाशया ३. ११, ८.

सु-पिप्पलाः ३. १७, ५.

सु-पुत्रा १४. १, १८.

सुपुत्रे २०. १२६, १३.

सु-पुत्रौ १४. २, ४३.

सु-पुना १२. २, ११.

सु-पुष्टिम् १९. ७, ४.

सु-पूर्णा ३. १०, ७.

सु-पेशसः ७. ४८. २.

सु-पेशसम् २०. ५९, ४.

सु-तः १६. ७, १०.

सु-तम् ११. ४, २५.

सु-तान् ७. १०८. २.

सु-तानाम् ७. १३, २.

सु-तेषु ११. ४. २५२.

सु-प्त्वा १०. ३, ६.

सु-प्र-अर्वीः २०. २५, १.

सु-प्र-अव्या ४. ३०, ६.

सु-प्रकेतम् २०. ८८, २.

सु-प्रजसः ३. १०, ५; १८. ४, ६३.

सु-प्रजसम् १४. १, ४६.

सु-प्रजाः ४. ११, ३; १४, २, २२; २३; ७४; २०. ८८, ६.

सुप्रतिदिश्यवः २०. १२८, ६.

सु-प्रतिस्थितम् १२. १, ६३.

सु-प्रतीकः ५. २७, १.

सु-प्रतीकम् ४. २१, ६.

सु-प्रतीकाः १०. ५, २४.

सु-प्रनीतयः १८. ३, ४४.

सु-प्रनीताः १९. ४, ४.

सु-प्रनीतिम् ७. ६, २; ६, २.

सु-प्रनीते ५. ११, ५; ७. २०, ४.

सुप्रपाणा २०. १२८, ९.

सु-प्रपानम् १४. २, ६.

सु-प्रपाने ४. २१, ७; ७. ७५, १.

सु-प्रशस्तिम् ५. ११, ११.

सु-प्रातः १९. ८, ३.

सु-प्रायनाः ५. १२, ५.

सु-प्रिया ७. ३८, २.

सु-फला ३. १७, ८.

सु-फालाः ३. १७, ५.

सु-बद्धाम् १४. १, १८.

सु-बन्धुम् १४. १, १७.

सु-बाहुः ७. ४६, २; २०. ५, २.

सुबाहो इति सु-बाहो २०. १२६, ८.

सु-वृधा १४. २, ३१; ७५.

सुब्रह्मा २०. १२८, ७.

सु-ब्राह्मणाः ११. १, ३३.

सु-भगम्-करणी ६. १३९, १.

सु-भगा २. ३६, ३; ५. ७, १०; ६. ३, ३; ३८, १; २; ३; ४; ७. ४८, १; १०. ८, ११; १४. १, १८.

सु-भगाः ७. ६०, ६.

सु-भगान् २०. ६८, ६.

सु-भगाम् २. ३६, १; ६. ४९, ३; १४. १, ४९; १९. ४, ३; २०. १२६, ११.

सु-भगे ३. १८, ३; ५. ५, ६; ७; ६. ३०, ३; १९. ४९, ३.

सु-भगे ३. १७, ८; ७. २०, ४; ४८, २; ७९, १; १८. १, ११; ११; १९. ४९, ५; ५०, ६.

सुभगे इति सु-भगे ३. ७, ४.

सुभगे इति सु-भगे ४. २६, २.

सु-भद्राम् १८. १, १६.

सुभसत्-तरा २०. १२६, ६.

सु-भागाः ९. ४, २४.

सुभिषक्-तमः २. ९, ५.

सुभिषक्-तमाः ६. २४, २.

सु-भुवः ७. ८, ७.

सु-भूः १३. ४, ५२.

सु-भूतम् १. ३१, ३; ४; ६. ४०, २; १२. १, ५५.

सु-भूतयं १९. ४५, ६; ७; ८; ९; १०.

सु-भूत्या ३. १४, १.
सु-भृतम् ६. ३६, १; १३. १, १.
सु-भेषजम् २. ३, १.
सु-भोजसौ ४. २६, १.
सुभ्यक्रः २०. १२८, ७.
सु-मङ्गलः ८. ५, १; १६; १६. ३४, ७.
सु-मङ्गलम् १४. १, २०.
सु-मङ्गली ३. १०, २; १४. १, ६०; २, २५; २६.
सु-मङ्गलीः १४. २, २८.
सु-मङ्गलौ ६. १४०, ३.
सुमणिः २०. १२८, ७.
सु-मतयः ७. ४८, २.
सु-मतिः १४. २, ५; २०. १४३, ७.
सु-मतिम् २. ३६, १; ४. २३, २; २५, ६; ६. २२, २; ७. १५, १; १७, २; १०. ६, ३५; १७. १, ७; १८. १, २४; १६. ७, १; ४२, ३; २०. ७३, ३.
सु-मतीनाम् २०. ५७, ३; ६८, ३.
सु-मतौ ३. १०, ७; १६, ४; ५. ८, ६; ६. ४७, २; ५५, ३; ६३, ३; ७. २०, ३; ६; ६२, १; ६७, २; १३. २, ३७; १४. २, १५; २१; १७. १, ८, ११; १८. १, ५८; २०. ६६, ५; १२५, ७.
सुमत्-गुः ५. १, ७.
सु-मत्या २०. ७६, ८.
सु-मत्यै ६. ११, २.

सु-मनसः ३. ४, ३; १२. २, ४६; १४. २, ३६.
सु-मनसम् ६. ६६, ३.
सु-मनस्यमानः ७, १६, १; ४३, १; १३. १, ३५; १४. २, ३६,
सु-मनस्यमानम् ५. २८, ५.
सु-मनस्यमाना ११. १, ८; १२. १, ४४; १४. २, १७; ३१.
सु-मनस्यमानाः १. ३५, १; २. ३५, ५; १३. १, १३; १६. ५८, ५.
सु-मनाः ३. ४, ७; १२, ५; १७, ८; २०, २; ६; ६. १२२, ५; ७. ४८, २; ६०, १; ७४, ४; १६. ४६, ३; २०. २१, ४.
सु-मन्तु १८. १, ३४.
सुमिते इति सु-मिते २०. ७६, ६.
सु-मृगम् १६. ८, ३.
सु-मृडीकः ७. ६१, १; २०. १२५, ६.
सु-मृडीका ७. ६८, ३.
सु-मृडीके ७. २०, ३.
सु-मेधसः ७. ६१, १; २.
सु-मेधाः १६. ४०, २.
सु-मेधाः ५. ११, ११; ७. ६०, १; ८. १, ६.
सु-मेधाम् ४. ३०, ३.
सुम्नम् २०. २६, ६; ३६, ४; ४६, ३; १०८, २.
सुम्न-या ७. ५५, १,
सुम्नयि १६. ४७, ४.

सुम्न-युः ७. १०, १.
सुम्न-यौ ३. १७, १.
सुम्नेभिः २०. १४२, ३.
सु-यतः ६. १११, १; २०. ११७, १.
सुयंस्या २०. १२८, ६.
सु-यमम् ७. ७३, १०; ८२, ३.
सु-यमस्य १६. १०, २.
सु-यमा १४. २, १७; १८; २०. ६४, २.
सु-यमान् ४. २७, १.
सुयवस-अत् ७. ७३, ११; ६. १०, २०.
सु-यवसे ४. २१, ७; ७. ७५, १.
सु-यामन् १६. ७, ७.
सुयाशु-तरा २०. १२६, ६.
सु-युक्तान् २०. ६२, १०.
सु-युजः ५. २६, ३; ७; ८; ६; १०; ११.
सु-रत्नाः १२. २, ३१; १८. ३, ५७.
सुरभयः १८. ३, १७.
सुरभि ६. १२४, ३; २०. १३७, ३.
सुरभिः १२. १, ५६; १४. २, ४४; १६. ३८, १.
सुरभिम् १२. १, २३; २४.
सुरभीः ११. ४, ६.
सुरभीणि १८. ३, ४२.
सुरा ६. ७०, १; १४. १, ३६; १५. ६, २.
सुरा-उदकाः ४. ३४, ६.
सु-राधसम् २०. २६, २; ५१, १; ३.

सुराम् १०. ६, ५.
सु-रामम् २०. १२५, ४; ५.
सुरायाः १५. ६, ३.
सुरायाम् ६. ६९, १; ९. १, १८; १४. १, ३५.
सुराश्वः २०. ११४, २.
सुरुक्मे इति सु-रुक्मे ५. १२, ६.
सु-रुचः ४. १, १; ५. ६, १; १८. २, २२.
सु-रुचम् ४. १, २.
सुरूप-कृत्नुम् २०. ५७, १; ६८, १.
सुलाभिके २०. १२६, ७.
सुव २. २६, २; ५. २२, ३; ७. १४, ३; १९. ८, ८; ३६, १०.
सुवताम् ४. २५, ५.
सुवते ९. ६, २१.
सु-वर्चाः २. २९, ६; ७; १३. १, २२; १४. १, ४७; २, १८; १८. २, १०; ३, ५८.
सु-वर्चम् १५. १, २; १९. २६, २.
सु-वर्चा १३. १, २२.
सु-वर्चाः १. ३३, १; २; ३; १२. ३, २८; २०. १६, ३.
सु-वर्चौः १३. ३, १६.
सु-वर्हिम् १२. २, ७.
सु-वर्चा २०. ३६, ७.
सु-वाचः २. ५, २.
सु-वाचा ५. १२, ७.
सुवाति १४. १, ३३.

सुवाना २. ३६, ३.
सुवानासः २०. ११८, ४; ११९, २.
सुवाम १९. ५७, २.
सुवामसि १. १८, १; ६. १२७, ३; ७. ५३, ६; १२. २, ३.
सुवामि १. १०, २; ४. १३, ५; ६. ११९, ३; ७. ५३, ६.
सु-वासाः १४. २, ४४.
सु-विज्ञानम् ८. ४, १२.
सविता २०. १२६, २१.
सुवितार्य १९. १०, १.
सु-विदत्रः १३. २, ४४; ४५.
सु-विदत्रम् १. ३१, ४.
सु-विदत्राः १८. ३, १६.
सु-विदत्रान् १८. १, ४५; २, ११.
सु-विदत्रेभ्यः १८. २, ५४.
सु-विदत्रेभिः १८. ३, ४८.
सु-विद्वांसः ४. १४, ४.
सु-विद्वांसम् २०. ६६, २.
सु-वीरः ६. ११०, ३; १२५, १; ८. ५, २; ११. १, २; १२. २, ४९; १३. १, १२; १९. २४, ८.
सु-वीरतायै ६. २९, ३; ७. २०, ५.
सु-वीरम् ४. १६, ५.
सु-वीरम् ७. २०, ४; ७६, १.
सु-वीराः ३. १०, ५; १२, १; ५. ३, ५; १८. २, ५६; ३, २४; ४, ६३; १९. १२, १; २०. २१, ११; ६३, ३; १२४, ६.
सु-वीरासः १२. २, २२; २०. ३४, १८.
सु-वीर्यः ७. ६७, ६.
सु-वीर्यम् २०. ९, ३; ४९, ६; ६३, ४; १०८, ३.
सु-वीर्यस्य ७. ६१, १; २०. १२५, ६.
सु-वृक्ति २०. ३५, २; ४; १६.
सुवृक्ति-भिः २०. ३५, ३.
सु-वृजनासु १८. १, ४६.
सु-वृतम् १४. १, ६१.
सु-वृता २०. १४३, ५.
सु-वृधा २. १३, ५.
सुवे ४. ३०, ७.
सु-व्रतानाम् ७. ६, २.
सु-शंसः १९. १०, ६.
सु-शंसिनः ६. ६, २.
सु-शकुनम् १९. ८, ३.
सु-शर्म १९. ७, ५.
सु-शर्माणम् ७. ६, २; ६; ३.
सु-शिप्र २०. ७१, ६; ८०, १; ९३, ११.
सु-शिप्रः २०. ३०, ३; ३४, ६.
सु-शीमम् ३. ११, ३.
सु-श्रुतम् ७. ७२, ३.
सु-शेवम् ४. २५, ५; ६. १, २.
सु-शेवा १३. १, १०; १४. २, १७; २६; १८. २, ११.
सु-शेवा २. २, २; १४. १, १६; ५८.

सूनवः २०. ६७, ४.
सूनानाम् ५, १७, १४.
सूनाम् २०. १२६, १८.
सूनु॑: ७. ३५, ३.
सूनुः ६. १, २; ७. १, २.
सूनुम् १२. ३, २३; २०. २२, ४; ६७, ३; ६२, १.
सूनृता ३. २०, ३; ११. ७, १३; १२. ५, ६; १६. ७, २; २०. २७, ३; ४५, २; ६०, ४; ७१, ४.
सूनृताम् ६. ६२, २; १०. ६, १३.
सूनृता-वत् ५, २०, ६; १३. १, १; २०.
सूनृता-वती ३. १२, २.
सूनृता-वते ३. २१, ५.
सूनृता-वन्तः ७. ६०, ६.
सूनृ॑ते ८. १०(२), ४.
सूनृते २०. १४२, २.
सूनो इति १८. १, २४; २०. १०३, ३.
सूरः ४. २, ४; ६. ६१, १; ७. ७२, ३; १३. २, २४; १८. ४, ५८; ५६; २०. ४७, २१; ७६, ५.
सूरयः ४. ३३, १; ४; ७. २६, ७.
सूराय १३. २, १७; २०. ४७, १४.
सूरिः २. ११, ४; १३. १, २२; १८. ३, ३६; २०. ३४, १७.
सूरि-भिः ७. ६७, ३; २०. ७३, ४.
सूरिम् ३. १६, ३; ६. ५, २; २०. ३५, ३.
सूरिषु॑ २०. ३७, ७.
सूर्क्ष्यम् २०. ६२, ६.
सूर्य॑ २. १६, ३; २१, १; २; ३; ४; ५; १३. २, ७; १२; १७. १, २६; १९. ७०, १.
सूर्य १३. १, ३२, ५८; २, ५; ६; १६; २२; ३३; २६; ३७; १७. १, ६; ७; १९. ६५, १; २०. ७, १; ४७, १६; १६; २०; ५८, ३; ४; ११२, १.
सूर्यः १. ४, ३; ६, २; २६, ५; २. १०, ४; १५, ३; २६, १; ४. ४, २; ५. ६, ७; १३, ३; १७, ६; २३, ६; २४, ६; २८, २; ३०, ११; १५; ६. ८, ३; १२, १; ५२, १; ७५, ३; ८२, १; ६१, २; १००, १; ७. १३, १; ६६, १; ८२, ४; ८. १, ५; १२; २, १४; ५, १८; ६, ८; ६. २, २४; ६(५), ४; १०. १, ३२; ३, १७; ६, ६; ७, १२; ३३; ८, १६; १०, ३४; ११. ४, १२; ७, १४; ८, ३१; १२. १, १५; ५३; ५, ७३; १३. १, ४५४; २, ८; १४; ३४; ३५; ४, ५; १५. ६, ५; १६. ४, ४; १७. १, ३०; १८. १, २७; १९. ६, ७; १०, ८; १७, ५; १६, ३; २०, ४; २७, २; ४३, ३७; ४४, ५; ५३, ६; ५४, १; २०. २५, ५; ६२, १७; १०५, ५; १०७, १३; १५; १२३, २.
सूर्यः २०. १२८, ५.
सूर्यः-इव ७. १३, २; ८. ५, ७; १६. ३३, ५; २०. ११५, १.
सूर्य-केतवः ५. २६, १२.
सूर्य-तेजाः १०. ५, २७.
सूर्य-त्वक् २. २, २,
सूर्य-त्वचम् १४. १, ४१.
सूर्य-त्वचसः १. २६, ३.
सूर्यपत्नी इति सूर्य-पत्नी ८. ६, १२.
सूर्यम् १. ३, ५; ६, ३; २२, १; ३१, ४; २. १०, ८; ३. २०, ४; २१, ७; ४. ४०, ७; ६. ६०, ३; ६२, ३; ७. ३८, ३; ५३, ७; १०६, १; ८. ४, २४; ५, ६; ६, १२; ६. १०, ३; १०. १०, ३५; ११. ६, १; १२. २, १८; १३. १, २५; ३५; ३६; ५६; ७, २; १६; ३२; ४३; १४. २, ३४; १८. २, ७; १८; ५०; १९. १८, ५; २७, ७; २०, ८, १; ११, ६; १७, ५; ३४, ७; ३८, ६; ४७, ६; १३; ५८, १; ६२, ६; ७०, ६; ६१, ५; ११८, ४.
सूर्यम् २०. १२८, १.
सूर्यम्-इव ४. २०, ७.
सूर्य-वतः ६. ५, १८.
सूर्य-वर्णे ५. ५, १.

सोम-पाः १८. ३, ६४.

सोम-पाः १. २१, १; ५. २५, ६; ८. ५, २२; १९. १३, ४; २०. २६, ५; ३४, १४.

सोम-पाः २०. ५७, २; ६४, २; ६८, २; ७४, १.

सोम-पातमः २०. ६३, ७; ७१, ३.

सोम-पान् २. ३५, ३.

सोम-पाम् २०. ३, ३; २३, ५; ३८, ३; ४७, ९.

सोम-पायिनः १८. ३, ६४.

सोम-पावा २०. १२, ७.

सोम-पाव्ने ६. २, ३.

सोम-पीतये १७. १, १०; २०. ३३, ३; २४, ३; ६०, ६; ७१, ६; ११३, १; १२६, २; १३७, २.

सोम-पीथम् १८. ३, ४६.

सोम-पीथे १०. ३, २१.

सोम-पुत्रे ३. १०, १३.

सोम-पृष्ठः १३. १, १२.

सोम-पृष्ठा ७. २७, १.

सोम-पृष्ठाः ३. २१, १०.

सोम-पृष्ठाय ३. २१, ६; २०. १, ३.

सोम-पेयाय २०. २९, २.

सोमम् २. ५, ७; ३. ८, ३; १६, १; २०, ४; ४. ६, ३; ३०, ६; ४०, ४; ६. ३, १; ३; ७. १४, २; ३८, ३; ५९, १; ७६, ६; ९४, १; ९७, १; १०. २, १९; ७, ३६; १०, ३; ९; १२; ३२; १२. १, ३८; १३. १, ३; २७; १४. १, ३[२]; १९. १८, ३; २४, ३; २०. २, १; २; ३; ४; ३, १; ६, २; ५; ७, ४; १३, १; २०, १; २५, १; ८; ३२, ३; ३८, १; ४२, ३; ४७, ७; ५७, ४; ६७, ४; ७; ८६, १; ८७, ३; ९२, ७; ९५, १; ९६, २; ३; ४; १०९, २; १११. १; ११७, १; १४०, २.

सोम-योगैः १०. ५, ४.

सोम-राज्ञीः ६. ९६, १; ८. १, १७.

सोमवत्-भ्यः १८. ४, ७३.

सोम-वर्चसः १४. १, ३२.

सोम-शितम् ८. ४, १९.

सोम-श्रेष्ठानि ११. ६. १५.

सोमसत्-सरु ३. १७, ३.

सोमस्य २. ५, ३; ३. ५, ४; ४. ४, ५; २१, ५; ५. ४, ७; २८, ६; ६. ६८, १; ३; ७. ५८, २; ८१, ३; ९. ४, ५; १५; १०. ५, ९; ११. १, १८; १४. १, ४; २, ३; १५. २, २४; १९. ६, १६; ५९, २; २०. ६, ७; २४, ४; २८, १; ३९, २; ५४, २, ५७, २; ६८, २.

सोमस्य-इव ५. २९, १३.

सोमाः २०. ६, ४; २४, ५; ३१, १; ८९, ८; १३७, ४.

सोमात् ४. १०, ६; ११. ८, ९.

सोमान् २०. ८७, २; ८९, ५.

सोमाय २. १३, २; १२. ३, ५८; १५. २, २३; १८. ४, ७२, १९. २४, ४; ४३, ५.

सोमारुद्रा ७. ४२, १; २.

सोमारुद्रौ ५. ६, ५; ६; ७.

सोमासः २०. ८, ३; १७, ४; ७; २१, ६; ६९, ३; ५; ११२, ३; १४१, ४.

सोमिनः ४. २४, ५; १३. १, ५९; २०. ३, ३; ३८, ३; ४७, ९; ९४, ५.

सोमिनं २०. ५९, ३.

सोमे ३. २१, २; २०. १, १; ६, १; १७, २; ६८, १२; ८९, १.

सोमेन ५. ७, ५; १७, ५; ६. ८९, १; ९. ४, ६; १०. १०, १३; ११. १, २५; १४. १, २[२]; १८. ३, ८; १९. ३९, ५; ६; ७; ८.

सोमैः २०. १७, ६.

सोम्यः २०. ४७, २; १३७, १३.

सोम्यम् ३. १४, ३; ९. ३, १९; १८. ३, १९; २०. ६७, ५; ७.

सोम्यस्य २०. १३४, ४.

सोम्याः ९. ५, १५.

सोम्यानाम् १८. ३, ५३.

सोम्यासः २. १२, ५.

सोम्यासः १८. १, ४४; ५८; ३, १०; ४५; ४, ६२; ६३.

सोम्येभिः ४. ३४, ३.

सौत्रामण्या ३. ३, २.

सौधन्वनाः ६. ४७, ३.

स्पर्धमाना ३. २, ६.
स्पर्धितुम् १९. २२, २१; २३, ३०.
स्पशः ४. १६, ४; ५. ६, ३; १८. १, ६.
स्पार्हम् २०. ४३, १; २; ३.
स्पार्हाः २०. १६, ३.
स्पृणुहि ८. ३, ७.
स्पृधः २०. २६, ३; ७०, १६; १०५, १; २.
स्पृश ८. ३, २.
स्पृशत १. ३३, ४; १६. १, १२.
स्पृशन्ताम् १२. २, ३१; ३, ३०; १८. ३, ५७.
स्पृशस्व १३. १, ३४; १४. १, २१; ४०.
स्पृशात् १४. २, ५१.
स्पृशामि ४. ३०, ७.
स्पृष्टः २. २, २.
स्पृहयन्ति २०. १८, ३.
स्फातिः २. २६, ३.
स्फातिम् २. २५, ३; ३. २४, ३; ५; ७; ९. ६(३), ३; १९. ३१, १; ८; ९.
स्फातिमत्-तमा ३. २४, ६.
स्फुरत् २०. ६३, ५.
स्फुरन्तम् १. २७, ४.
स्फुरति १३. १, ५६.
स्फूर्जति १२. ५, २०.
स्फूर्जयन् ८. ३, ११.
स्फ्यो ११. ३, ९.
स १. ८, २; ३. १७, ७; ४. ४, ३; १८, ४; ५. २२, १०; ११[२]; ६. १२३, १; २[२]; ८. ३, २३; १०. ४, ६; १२. ३, ३; ४६; १८. १, ३३; २०. १४, ४; ३१, ५; ३४, ५; ६२, ४; ६७, १; ७६, ८; ८२, २; १२६, १०.
स्मः १८. ४, ८७.
स्मरः ६. १३०, १.
स्मरतात् ६. १३०, २[२].
स्मरम् ६. १३०, १; २; ३; १३१, १; २; १३२, १; २; ३; ४; ५.
स्मरात् ६. १३०, ३.
स्मरेथाम् ८. ४, ७.
स्मसि २०. ७४, १.
स्मसि ७. १०, ३; १९. ४८, ४; २०. १५, ५.
स्य ३. ७, २; ५. २७, १०; ६. १२१, १; ७. १८, १; २०. ७७, २.
स्यः २०. १२, ३; ६७, ६; १२६, २२.
स्यतम् ७. ४२, २.
स्यन्ति ९. २, १४.
स्यन्दते १२. २, २७.
स्यन्दध्वम् ११. ४०, २.
स्यन्दमानाः २. ५, ६; ३. १३, ३; ४.
स्याः ८. १, १६; १८. १, २४;
स्यात् ३. २८, २; १०. ७, २४; ८, २३; ११. ४, २१[२]; १२. ४, १३; ४०; २०. २७, १.
स्याम् २०. २७, २.
स्याम् ६. ५८, १; १९. ४९, २.
स्याम ५. ८, ९; २०. ६८, ६.
स्याम ३. १०, ५; ७; १६, ३; ४[२]; ५; ५. ३, ५; ६. ३९, २; ४७, १; २; ५५, २; ३; ५८, २; ६२, २; ७९, ३; ९३, ३; ११७, ३; ७. २०, ३; ६; ३४, १; ६८, २; ७३, ११; ७९, ४; ८०, ३; ८३, ३; ९१, १; ९२, १; ९३, १; १०९, ६; ९. १०, २०; १०. ९, २७; ११. १, १२; २१; १२. १, ६२; ३, १७; १३. १, २२; २, ३७; १४. २, ३६; १७. १, ८; ११; १८. १, ५८; ३, १७; ४, ६९; २०. ३७, ७; ७६, २; ८८, ६; १२५, ६; ७.
स्यामि ३. १९, २; ५; ४. १६, ९; ६. ६३, १; १४. १, ५७; १९. ६८, १.
स्युः ४. २१, १.
स्युरिति स्युः २०. ८१, १; ९२, २०.
स्योनम् २. १०, ७; ५. १२, ४; ८; १२. १, ११; १३. २, ७; १४. १, १९; ३०; ४७; ६१; ६३; २, १२; ५१; १८. २, २९; ५३; ४, ८४; १९. ६१, १.
स्योना ३. १२, ५; २८, ३; १२. १, ५९; १३. १, १७[२]; १४. १, ६४; २, १७; १८; २६; २७[४]; १८. २, १९.
स्योनाः १. ३३, १; २[२]; ४;

१२. ४, ३; ६; १५; १७. १, २७; १८. १, २६; ३, ३८; २०. १२, २,
स्वयम् ४. ३०, ३; १२. ४, २७; १७. १, ५७; १५. ११, २; १२, २.
स्वयम्-कृ ताः ८. ५, ९.
स्वयम्-भूः ४. ११, ४; १०. ८, ४४; १९. ५३, १०.
स्वयम्-स्रसः ७. ७६, २.
स्व-यशसः १८. ३, ११.
स्वया ७. ३, १.
स्वयुक्ति-भिः १३. २, २४; २०, ४७, २१.
स्वयुक्-भिः २. ५, ४; २०. ९१, ८.
स्वरः ११. ७, ५.
स्वरन्ति २०. ५२, २; ५७, १५.
स्वरयन्तम् १३. २, २.
स्वरवः ४. २४, ४; १२. १, १३; १८. ३, १२; १९. ४२, १.
स्व-राजः ९. १, ९.
स्व-राजम् ८. ९, ९; २०. ९२, १४; ११३, २.
स्व-राजा ५. २, ८; २०. १०७, ११.
स्व-राजे १७. १, २२; २३.
स्व-राज्यम् १०. ७, ३१; २०. १०९, १; २; ३.
स्व-राट् १८. ३, ५९; २०. ३५, ९.
स्वरति २०. ९२, ६.
स्वंरितिं स्वंः २०. १६, ९; ७२, १.
स्वरीणाम् २०. १६, ७.
स्वरूणाम् १९.२०, ७.
स्व-रोचिः ४.८, ३.
स्वर्गे २०. १३६, ८.
स्वर्दम् २. ५, ६; ८. ४, ४; २०. ३५, ६.
स्वलिपका २०. १३६, ३.
स्व-वंसुम् ७. ५०, ३.
स्व-वान् ७. ९१, १; ९२, १; २०. १२५, ६; ७.
स्वसरम् ७. ५८, १.
स्वसरे ७. २२, २.
स्वसरेषु २०. ९, १; ४९, ४.
स्वसा ३. ३०, ३; ५. ५, १; ७; ६. १००, ३; १३३, ४; ७. ४६, १; १८. १, १२.
स्वसा २०. १३६, ६.
स्वसारः ९. ९, ३.
स्वसारम् १. २८, ४; ३. ३०, ३; १८. १, १४.
स्वसारौ ५. २, ९; २०.१०७, १२
स्वसुः १८. १, १४; १९. १२, १.
स्वस्तये २. १३, ३; ३५, ३; ४. ३३, ८; ५. १, ८; ६. ९९, ३; ७. ६, ३; ८५, १; ८. १, २; १६; १२, २, ११; १७. १, १०; २५; २६; १८. ४, ३०; १९. २४, ६; ३३, ४; ४५, ६; ७; ८; ९; १०.
स्वस्ति १.३०, २; ३१, ४; ४. १४, ५; ६. ४०, २; ४८, १; २; ३; १२३, १; २; ७. २८, १; ५३, ४; ८६, १; ८. २, ११; १०. ३,३५: १२. २,३१; १२. १, ३२; १३. ७. ५; ६: १६. ४, ६; १८. ७, १२; १९. ८, ३:७; १५, ४: २०. ४६, २; १२८, १५.
स्वस्तिः ७. २८, २.
स्वस्ति-गाम् २०. ९२, १३.
स्वस्तिनम् १९. ८, १.
स्वस्ति-दाः १. २१, १; ७. ९, २; ८. ५, २२.
स्वस्ति-भिः ३. १६, ७; १९. ११, ५; २०. १२, ६; १७, १२; ३७, ११; ८७, ७.
स्वस्तिम् २०. ३६, १०.
स्वस्ति-मत् २०. ८३, १.
स्वस्ति-वाहनम् १४. २, ८.
स्वस्त्ययनम् १९. ९, १२.
स्वस्त्या ७. ९७, २.
स्वस्त्या २०. १२८, १०:११.
स्वस्थं १२. ४, १०.
स्वस्रा ५. २२, १२.
स्व-होता ७. ७३, ५.
स्वा २. २४, १; २; ३; ४:५; ६; ७; ८; ४. ३२, ५; ७. ९७, ४; २०. ७३, ५.
स्वाः ५. १, ३; १०. ३, ८; १८. १, ५०; २, २६;३, ७३.
स्वात् १४. २, १९.
स्वाति १९. ७, ३.
स्वाद्वीयः ५. २, ३; ९. ९(३), ९; २०. १५, २; १०७,६.
स्वादु ५. १८, ७; ९. ६,२०, २१.

स्वादुः १८. १, ४८; २०. ४, ३.

स्वादुना ५. २, ३; २०. १०७, ६.

स्वादु-संमुदः ७. ६०, ४.

स्वादु-संमुदः १३. १, ३.

स्वादोः ५. २, ३; २०. १०७, ६; १०९, १.

स्वाद्मन् २०. ७६, ६.

स्वान् ३. १९, ३; ११. ५, १५; ६, ८; १८. २, २३.

स्वानाम् ९. २, १४.

स्वापय ४. ५, २; ७.

स्वापय ४. ५, ७; २०. ७४, ३.

स्वापयामसि ४. ५, १; ३.

स्वापर्णशकः २०. १३५, ३.

स्वाम् ५. २, ९; ६. ८३, ४; ११०, १; ७. ६७, ५; १०. ५, २३; ११. २, २६; २०. १०७, १२.

स्वार्य ६. ४३, १.

स्वायाः ३. २८, ५; ६. १२०, ३.

स्वावृक् १८. १, ३२.

स्वाशुरः २०. १२८, ११.

स्वासंस्थे इति सु-आसंस्थे १८. ३, ३९.

स्वाहा २. १६, १; २; ३; ४; ५; १७, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; १८, १; २; ३; ४; ५; ३. २६, १; २; ३; ४; ५; ६; ४. ३८, ७; ३९, २; ४; ६; ८; ५. ६, ५; ६; ७; १०; ९, १; २; ३; ४; ५; ६; ११, १२; २४, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; २६, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; २७, १२; ६. १०, १; २; ३; ४८, १; २; ३; ८३, ४; ८४, २; ७. ८२, २; ९७, ५; ६; ८[५]; ९८, १; ८. १, १४; ८, २४[२]; ९. ३, २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१; १४. २, ५२; १९. ४, १; १७, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; २२, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १९; २०; २३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १७; १८; १९; २०; २१; २२; २३; २४; २५; २६; २७; २८; २९; ४२, २; ४३, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ४५, ६; ७; ८; ९; १०; ५२, ५; २०. ८, ३.

स्वाहा-कारम् १५. १४, १५.

स्वाहा-कारेण १५. १४, १६.

स्वाहा-कृतः ७. ७३, ३.

स्वाहा-कृतम् ५. १२, ११.

स्वाहाभ्यः ९. ३, २५; २६; २७; २८; २९; ३०; ३१.

स्वित् ९. ९, ४; ७; १७[२]; १०. २, २; ४, १८; ७, ४; ५; ६; ७; १०; ११; १२; १३; १४; १५; १६; १८; १९; २०; २२; ३९; १३. १, ४१[२]; १८. १, ३३; २०. ९१, १; १२६, २०.

स्विन्नः ६. ११५, ३.

स्वे २. ६, ३; ३. ४, ६; २५, १; ७. ९७, ३; ९. ४, १९; ११. १, २२; २०. २४, ८.

स्वेदाञ्जि-भिः २०. ९१, ६.

स्वेन २. ६, ४; ६. १४२, १.

स्वेभिः ७. ५२, १; २०. ९१, ११.

ह

ह २. २७, ३; ३. १०, १; ४. २०, ३; ३४, ४[२]; ५. १, ६; ५, ७; ८; ६. २१, १; ३; २४, १; ७. ५, १; ३८, ५; ७६, ५; ८. ९, ५; १८[२]; १०. ७, ३१; ८, ३[२]; ५; २८; ४०; ११. ४, १०–१३; १५[२]; ५, ७; १९; ८, ६; ९; १२. ४, २२; ३०; ३१; ३४; ३९; १३. १, ५५; २, २७; ३, २१; २६; १७. १, १९; १८. १, ४; २९; २, १; ४८; ३, ३९; १९. ६, १२; १३; ४८, १; ४९, ७; ५३, ५[२]; ६; ८; ९; ५४, ३; २०. १५, २; ३६, ६; ३७, २; ७७, ४; ११८, १; १२६; १३६; १३७, १; १०; ११; १४२, ३; १४३, ७.

हन्यते १. २०, ४.
हन्यन्ताम् ८. ८, ११.
हन्यन्ते १४. २, ३३.
हन्यमाना ५. १८, ११; १२. ५, २५.
हन्वा ६. ५६, ४.
हन्वोः १०. २, ७; ८.
हर २. १६, २; २०, २; २१, २; २२, २; ४. १४, ७; १८, ४; ५. २०, ९; ९. ६(२), २; १२. ३, ३१; ३६; १४. २, २१.
हरः २. १९, २; २०, २; २१, २; २२, २; २३, २; १८. २, ३६; ३, ७१; १९. २७, ६.
हरणाय १. २८, ३; ४. १७, ३.
हरत २. २३, २.
हरति ९. ६(२), ३; ६(५), २; ५; ७; ९²; १४. १, ३०.
हरति २०. १३६, १०.
हरन्तः १९. ५५, ६.
हरन्ति ८. १०(३), ८².
हरन्तु १४. १, ३९; १९. ४५, ४.
हरयः ६. २२, १; ९. १०, २२; १३. १, २४; ३६; ४३; ३, ९; १६; २०. २२, ५; ३१, १; २²; ७७, १; ९२, २.
हरये ५. ११, १; २०. ३२, १.
हरसः २. २, २.
हरसा २. १२, ४; ५. ५, ४; ६. ९३, २; ८. ३, ४; १०; १३; १५; १०. ५, ४९; १८. २, ५८; १९. ६५, १; ६६, १.
हराणि २०. १२७, ९.
हरात् ४. १८, २.
हरान् ११. ४, १८; १९.
हरासः २. १३, ५.
हरासः ६. ११७, २.
हरासि ५. १४, ८.
हरामि २. २६, ५; ३. ११, २; ५. ३१, १; २; ३; ४; ५; ६; ७; ८; ९; ८. २, २; १०. ५, ५०; १२. २, ७; ९; ४३; २०. ९६, ७.
हरि-अश्व ५. ३, ८; ११; २०. २५, ७; ३३, २; ३७, ४; ११७, १; २.
हरि-अश्वः २०. ३४, १७.
हरि-अश्वम् २०. १४, ४; ६२, ४.
हरिः १९. ६५, १; २०. ३०, ३².
हरि-केश २०. ३०, ५.
हरि-केशः २०. ३१, ३.
हरिक्किका २०. १२९, ३.
हरिक्किके २०. १२९, ४.
हरि-जात २०. ३०, ५.
हरिणः ३. ७, २.
हरिणस्य ३. ७, १; ५. २१, ७; ६. ६७, ३.
हरिणी इति २०. ३१, ४².
हरिणीः १०. ८, ३; १८. ४, ३४.
हरिणीम् १०. २, ३३.
हरितः १०. ३, ३; ८, ३; २०. ३०, ३; ४; १२६, ३.
हरितः १०. ८, ४०; १३. २, ४; ६; ७; ८; ११; २३; २८; ३, १७; २०. १५, ३; ४७, २०; १२२, १; २.
हरित-भेषजम् ४. ९, ३.
हरितम् ५. २८, ९; ७. ९९, १; ११. २, १२; ३, ८.
हरितस्य १. २५, २; ३.
हरित-स्रजः १०. ८, ३१.
हरिता ६. २०, ३; २०. ३०, ३; ७३, ५.
हरिताः ४. ३७, ५; १०. ८, ३१.
हरितान् ५. २२, २.
हरिते ५. २८, १.
हरितेन ५. २८, ५.
हरितेभिः ६. ४९, २.
हरितेभ्यः १९. २२, ५.
हरितौ १५. २, ५; १३; १९; २५.
हरि-पाः २०. ३१, ३.
हरि-प्रिय २०. ३३, ८.
हरि-भिः ७. ११७, १; २०. ३०, १; २; ३१, २; ३.
हरि-भ्याम् २. ५, १; ३. १, ४; २०. १२, ३; ७; २३, १; २४, १.
हरिम् २०. ३०, २.
हरिमन्यु-सायकः २०. ३०, ३.
हरिमा १. २२, १; १९. ४४, २.
हरिमाणम् १. २२, ४²; ९. ८, ९.
हरिम्-भरः २०. ३०, ४.

हरि-वः २०. ३२, ३; ३३, १; ३६, ३; ३७, ७; ८४, ३.
हरि-वन् ७. ६७, २.
हरि-वन्तम् २०. ३०, २; ३१, २.
हरि-वर्पसम् २०. ३०, १.
हरि-वान् २०. ३१, ५; ५६, ३.
हरि-शिप्रः २०. ३०, ४.
हरि-शिप्रम् २०. ३२, २.
हरि-श्मशारुः २०. ३१, ३.
हरि-श्रियम् २०. ६१, १.
हरी इति २०. ३, २; २६, ५; २९, २; ३०, १, २; ३१, १; २; ३; ४; ३७, ६; ३८, २; ४७, ८; ११; ५६, ३; ६९, २; १०; ७२, ४; ८६, १; ९४, २; ९६, १; १००, ३.
हरीणाम् २०. ६४, ५.
हरेः १०. ८, १८; १३. २, २८; ३, १४.
हर्मि २०. ३५, १.
हर्म्यम् ४. ५, ५; १८. ४, ५५[२].
हर्य १०. ६, ३५; २०. ६, २; ७, ४; १५, ४.
हर्यत १. ८, २; ३. २०, १; ५. ७, ६.
हर्यतः १८. १, २३; २०. १५, २; ३०, ४; ३१, ५.
हर्यतम् २०. ३०, १; ५; ३२, १.
हर्यतम् १. ७, ३.
हर्यतस्य २०. ३१, ४; ५.
हर्यता २०. ३१, १.
हर्यते २०. ३१, १.
हर्यन् २०. ३२, २.
हर्यन्तम् २०. ३२, २.
हर्यन्तु ३. ८, १.
हर्यमाणः २०. ३२, १.
हर्यसि २०. ३०, ५; ३२, १.
हर्यासि १२. ३, २३.
हर्योः २०. ३८, ५; ४७, ५; ७०, ८.
हर्योः २०. १२८, १५.
हर्षध्वम् ६. ९७, ३; १९. १३, ६.
हर्षन्ताम् ३. १९, ३.
हर्षमाणाः ४. ३१, १.
हर्षय ५. २०. ८.
हलींक्ष्णात् २. ३३, ३; २०. ९६, १९.
हवन्त २०. १०१, २.
हवन्ते ४. २४, ५; २०. ३४, ९; ८५, ३.
हवन्ते १८. १, ४१[२]; ४२; ४, ४४[२]; ४६.
हवम् १. १५, ३; २. ५, ४; ३०, ३; ३. ३, ६; ४. २८, १; ५. ८, १; २; ३[२]; ६. २, १; ९. २, ७; २०. २६, २; ५०, २; ५३, ३; ५७, १३.
हवामहे ७. ७२, १; २०. ३९, १; ७०, १६; ९६, ५; ९८, १.
हवामहे ३. १५, १[२]; २; २०, ४; ६; २१, ८; २४, २; ४. २३, ४; ५. ३, ११; ७, ४; ७. ३, २; ४०, १; ६३, १; १३. २, ४३; १६. १, १३; १६. १५, ५; ३४, ४; ५८, २; २०. १, १; ३, ३; ६, १; १४, १; २५, ४; ६; ३६, १; ३८, ३; ४७, ६; ५६, १; ६२, १; ७०, ११; ११०, ५; ११८, ३; १२६, २.
हविः १. ४, ३; ७, ३; ८, १; ३. १०, ५; १३; ५. १२, ११; २७, १२; ६. ५, ३; २७, २; ३२, १; ५२, २; ६७, १; ७. ४६, २; ५४, २; ६८, २; ७०, ४; ५; ७२, २; ७६, ५; ७७, १; ९८, ४; १०६, ५; ८. ७, २०; ९. ५, ३८; ६(१), २; ११. १, ४, ७, १८; १२. २, ३७; ४, ४०; ४८; १८. १, ५२; २, १; ३; ३, ३४; ४, २; ३५; ६३; १९. ६, १०; २७, ११; १२; १३; ४२, १; ५२, ५; २०. १२६, १२; १३; १३०, ११.
हविः-अदः १८. ३, ४८.
हविः-अदान् ४. ३०, ८; ६.
हविः-कृतः ७. ७८, १; १९. ४६, २.
हविः-कृतम् ९. ६(१), १३.
हविः-दाः ५. १, ७.
हविः-दाम् ७. ७८, २.
हविः-धानम् ७. १०९, ३; ९. ३, ७; १४. २, ३४.
हविः-पाः १८. ३, ४८.

१४०, २; ३; ११. २, १; १४. १; ६३; १९. ४०, ३.

हिं॒सीः ६. ३, १६; १०. ६, ११; ११. २, २०; २६; १२. १, ३४; १८. ४, ३०.

हिं॒सीत् ३. २८, ५; ६; ६. ३७, ३; ७. ५४, २.

हिंस्ते १२. ४, १२.

हिं॒स्रः ८. ३, २.

हिं॒स्रम् ८. ३, ६.

हिं॒स्रा ८. ३, ४.

हि॒ङ् ६. ६(५), १; ४; ६; ८; १०, ६.

हि॒ङ्-करि॑क्रती ६. १, ८.

हि॒ङ्-का॒रः ११. ७, ५.

हि॒ङ्-कृ॒ण्वती ७. ७३, ८; ६. १०, ५; १२. ५, २१.

हि॒नु॒त ६. १३०, १; २; ३; १३१, १; २; १८. ४, ४०.

हि॒णोमि॒ १०. ५, २३; १२. २, ४; ८; १०.

हि॒रम॑ः ७. ११५, ३; १०. १, १५; १६. ५७, ३.

हि॒रम॒सि॒ ५. ३१, १०; १०. १, ३०.

हि॒तः ५. ४, ७; १३, ३, २३; २०. ४७, २; ६७, ६; १३७, ११.

हि॒त-प्र॑यसः २०. ६२, १५.

हि॒तम् ३. १२, ३; ८. ६, २०; १०. २, २४; २५; ८, ३४; ११. ८, ३४; १८. २, ७.

हि॒ता १०. २, २४; २५; ११. १, २३; ७, २२; २०, १४१, ४.

हि॒ताः ११. २, २४; ७, ११; १५; १२. १, ४६; १३. ४, १०.

हि॒ते २०. ६, ३; ४६, ६.

हि॒त्वा ४. ११, ६; ५. २०, ३; ६. २८, १; १७. १, ८; १८. २, ४७; ३, ५८.

हि॒न ६. १६, २.

हि॒नस्ति॑ २. १२, २; ३; ५. १८, १३.

हि॒न॒स्ति॒ ५. १७, ७; १५. ५, ३; १६.

हि॒नु॒तात् १८. २, ४.

हि॒नोति॒ ४. १, ६; ८. ४, १२.

हि॒नोमि॒ ५. २२, ४; २०. ३५, ४.

हि॒न्व॒न् २०. ३१, २.

हि॒न्वन्तः॑ २२. ३०, २.

हि॒न्वन्ति॑ ५. २, ६; ६. १०१, २; २०. १०७, १२.

हि॒न्वन्ति॒ ४. ८, ७; २०. १०६, २.

हि॒न्वन्तु॒ १. ४, २.

हि॒न्वि॒रे॒ २०. १०६, २.

हि॒मः ७. १८, २; १३. १, ४८.

हि॒मम् १३. १, ४६; ४७.

हि॒म-व॑तः ४. ६, ६; ५. ४, २; ८; ८. २४, १; १६. ३६, १; ८.

हि॒म-व॑ताम् ६. ६५, ३.

हि॒ल-व॑न्तः ४. २, ५; १२. १, ११.

हि॒मस्य॑ ६. १०६, ३; १६. ४६, ५.

हि॒मा-इ॑व २०. १६, १०.

हि॒माः २. २८, ४; १२. २, २८.

हि॒र॒ण्यः २०. १३२, १४.

हिर॑ण्य-कशिपुः ५. ७, १०.

हिर॑ण्य-कोश्ये ५. ७, ६.

हि॒र॒ण्य॒-गर्भः॑ ४. २, ७; १०. ५, १६.

हि॒र॑ण्य-ग॒र्भम् १०. ७, २८.

हि॒र॒ण्य॒-जाः ४. १०, १; ४.

हि॒र॒ण्य-जित् ७. ५०, ८.

हिर॑ण्य-ज्योतिषम् १०. ६, ६.

हि॒र॒ण्य-तेजसा १६. २६, ३.

हिर॑ण्य-त्वचसः १३. २, ८.

हिर॑ण्य-द्रापये ५. ७, १०.

हि॒र॒ण्य-ने॒मयः १८. ४, ८६.

हिर॑ण्य-पक्षम् १८. ३, ६६.

हिर॑ण्य-पाणिः ७. १४, २.

हिर॑ण्य-पाणिम् ३. २१, ८.

हि॒र॒ण्य-पा॒वः १८. ३, १८.

हिर॑ण्य-बन्धना ५. ४, ४; ६. ६५, २; १६. ३६, ७.

हिर॑ण्यम् १. ६, २; ३५, १; २; ३. २. ३६, ७; ५. १, ३; २८, ६; ११; ६. ७१, १; १२४, ३; ६. ५, १४; २६; १०. ७, २८; ११. १, २८; १२. १, ४४; ३, ५०; १४. १, ४०; १८. ४, ५६; १६. २६. १; २; २७, ६; १०; २०. ७३, ४.

हि॒र॒ण्ययः॑ ४. २, ८; ६. ८२, ३; ७. ८३, १; ६. १, २१; १०. २, ३१;

इति पदसूचीपत्रम् ।

इत्यथर्ववेदभाष्यं च ।

इति श्रीमद्राजाधिराज प्रथितमहागुणमहिम **श्रीसयाजी राव गायक-वाड़ाधिष्ठित** वड़ोदे पुरीगत श्रावणमासदक्षिणापरीक्षायाम् ऋक्सामाथर्ववेदभाष्येषु लब्धदक्षिणेन श्री पण्डित

क्षेमकरणदास त्रिवेदिना

कृते अथर्ववेदभाष्ये अथर्ववेदसंहितायाः पदसूचीपत्रं समाप्तम् ॥

इदं पदसूचीपत्रं प्रयाग नगरे फाल्गुन मासे शुक्लपक्षे पञ्चम्यां तिथौ १९७७तमे (सप्तसप्तत्युत्तरैकोनविंशतिशतके) विक्रमीये संवत्सरे

धीर-वीर-चिरप्रतापि-महायशस्वि

श्री राजराजेश्वर पञ्चम जार्ज महोदयस्य

सुसाम्राज्ये सुसमाप्तिमगात् ॥

मुद्रितम्—पौष कृष्णा ७ संवत् १९७८ वि० तारीख़ २१ दिसंबर १९२१ ईस्वी ।

ओ३म्

पण्डित क्षेमकरणदास त्रिवेदी अथर्ववेद भाष्यकार की संक्षिप्त आत्मजीवनी ।

१–जन्म और वंशावली ।

१–मैं (पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी, कायस्थ सकसेने शमसावादी सेठ) तिथि कार्तिक शुक्ला सप्तमी संवत् १९०५ विक्रमीय (३ नोवेंबर १८४८ ईस्वी) को ग्राम शाहपुर-मंडराक, परगना कोल ज़िला अलीगढ़ में उत्पन्न हुआ था। मेरे पिता लाला कुन्दनलाल जी, दादे लाला अमरसिंह जी, परदादे लाला मोतीलाल जी, नगरदादे लाला सदाराम जी और महानगर दादे वा सगर दादे लाला किशोरीलाल जी थे ॥

२–मेरे दादे लाला अमरसिंह जी फ़ारसी पढ़े थे, वे शाहपुर के पटवारी थे, और मेरे पिता लाला कुन्दन लाल जी हिन्दी जानते थे और वहां पर खेती करते थे। गाम और आनगाम वाले इस घराने को बड़ा मानते थे और उनसे सम्मति लेकर काम करते थे। लाला अमरसिंह जी के पीछे मेरे बड़े भाई लाला गोपालराय जी और उनके पीछे उनके पुत्र लाला मुन्नीलाल जी पटवारी हुये। वे पटवारगरी छोड़कर अलीगढ़ जा रहे और नौकरी आदि से निर्वाह करके अपने पुत्र कान्ताप्रसाद को बी० ए० परीक्षा में उत्तीर्ण कराया। वह खेती हमारे घराने में मेरे और मेरे भाई भतीजे आदि के नाम से अभी चली आती है ॥

३–हम अपने माता पिता से अठारह भाई बहिन जन्मे थे। उनमें से चार भाई (लाला गोपालराय, मैं, लाला लेखराज, और लाला दीपचन्द) और चार बहिनों

के विवाह हुये। लाला लेखराज और लाला दीपचन्द विना सन्तान स्वर्गवास कर गये। लाला गोपालराय के पुत्र लाला झुन्नीलाल और रघुबरदयाल थे। लाला झुन्नीलाल का स्वर्गवास हो गया, उनके पुत्र लाला कान्ताप्रसाद बी० ए० हैं। लाला रघुबरदयाल अलीगढ़ रहते हैं। मेरे आठ सन्तान हुये जिनमें से तीन पुत्रियों और एक पुत्र का विवाह हुआ। पुत्र का नाम लाला विष्णुदयाल है और उनके दो पुत्र लाला शंकरदयाल सेठ बी० एससी० और इन्द्रदयाल सेठ हैं॥

२-बालकपन और पढ़ाई।

४-मैं दो तीन वर्ष का था, तब मेरे बहुत चेचक निकली, जिसके चिन्ह शरीर भर में हैं। हमारे घर पर अलीगढ़ के लाला हरसहाय मेरे बड़े भाई लाला गोपालराय जी और गाम के कुछ लड़कों को फ़ारसी पढ़ाते थे। जब मैं पांच छह वर्ष का हुआ, मेरा मक्तब (फ़ारसी पढ़ने का आरंभ) उनसे कराया गया, दो तीन वर्ष तक करीमा, खालिक़बारी, आमदनामा आदि पुस्तक मैं पढ़ता रहा॥

५-संवत् १९१४ विक्रमी (१० मई १८५७ ई०) में मेरठ से विद्रोह (बलवा वा ग़दर) आरंभ हुआ। देश में बड़ी गड़बड़ मची। गाम गाम में पुराने पुराने बैर निकाल कर लोग आपस में लूट मार करने लगे, भयानक दृश्य हो गया। हमारे दादे और पिता जी ने देखा कि गाम के सब कायस्थों की और हमारी भी अवश्य लूट मार होगी और जीवनाश का बड़ा भय है। उन्होंने घर का सब गहना पाता, और काग़ज़ों के बस्ते गाम के एक प्रतिष्ठित पुरुष ठाकुर जयरामसिंह को सौंप दिये। मैं और दादे जी पैदल दोपहर पीछे अलीगढ़ को भागे, मार्ग में लुटेरों ने हमारे कपड़े लत्ते लूट लिये। यही दशा अलीगढ़ आदि को भागे हुये दूसरे कायस्थ लोगों की हुई। अलीगढ़ में बूआ फूपा के घर मेरे भाई गोपालराय जी फ़ारसी पढ़ते थे, मैं उनके पास रहा और दादे जी लाला हरसहाय के घर ठहरे। पिता जी दादी जी को घर छोड़ कर रात में सब स्त्रियों को घासीपुर गाम में ले गये। इसी प्रकार सब कायस्थ लोग जहां जिसका मुंह पड़ा, स्त्रियों को ले गये। दूसरे दिन आस पास के और गाम के ठाकुर लोगों ने हमारे पड़ोसी लाला मुकुन्दीलाल और लाला छेदालाल कायस्थों के घरों को खोद खोद कर बुरी भांति लूटा। मुखिया लोगों ने हमारी दादी जी को छत पर चढ़ा दिया और कहा तुम निश्चिन्त रहो, तुम्हारी लूट नहीं होगी। तीसरे पहर अकेले पिता जी घर का समाचार लेने को घासीपुर से चले। इधर शाहपुर से कुछ लुटेरे भी उनके खोज में निकले और पिता जी को मार्ग में पकड़ कर शाहपुर लाये और तलवारें नंगी करके चामुण्डा देवी के थान पर चढ़ाने ले गये। यह समाचार दादी जी ने सुन पाया और एक गड़ासा लेकर चलीं और चामुंडा के थान पर पिता जी के पास बैठ कर लुटेरों से बोलीं कि पहिले तुम मुझसे लड़ लो फिर इसे हाथ लगाओ। इसी अवसर पर ठाकुर जयरामसिंह आदि मुखिया लोग आ गये और लड़ाके लोगों को हटा कर पिता जी को सकुशल दादी जी के साथ घर पहुंचा दिया। हम सब लोग भी अलीगढ़, घासीपुर आदि बाहिर से घर आ गये, तब से गाम में आपस की लूट

मार से शान्ति हो गयी, और सब मिलकर बाहर वालों की मार धाड़ से बचने का उपाय करने लगे और बंदूकों, तलवारों, फरसा आदि हथियारों से सजकर पहरा देकर गाम की रक्षा में लग गये। मैं भी एक छोटी सी तलवार बांधता था और घर की तलवार आदि हथियारों को तेल आदि मलकर पैना करता था। लोग जब बाहिर वालों की चढ़ाई का समाचार पाते, स्त्रियों और बालकों को किसी सुरक्षित स्थान पर पहुंचा देते और आप सन्नद्ध होकर गाम में रहते थे। दो तीन बार बाहिर वालों ने चढ़ाई की, परन्तु आपस के मेल के कारण कुछ हानि न कर सके। इस प्रकार हमारा गाम बाहिरी लूट मार से बचा रहा॥

६–उधर दिल्ली में अंग्रेज़ों और विद्रोहियों (बागियों) से लड़ाई ठन रही थी, इधर अलीगढ़ में हिन्दू और मुसलमानों में लूट मार होने लगी। लोगों ने अपनी स्त्रियों और बच्चों को जहां तहां भेज दिया। उस समय हमारे घर पर हमारी बूआ, बहिनें, और दूसरे सम्बन्धी, उनकी ननदें, देवरानी, जेठानी आदि और बच्चे मिल कर चालीस पंचास स्त्री पुरुष अलीगढ़ से आकर रहे। जब अंग्रेज़ों ने दिल्ली जीत ली, वहां से मेरठ आदि नगरों में होते हुये आगरे होकर हाथरस पहुंचे और वहां से अलीगढ़ पर धावा किया। मुसलमानों ने अलीगढ़ से निकलकर मानसिंह के बाग़ के पास मैदान में सामना किया। कुछ देर लड़ाई हुई, कुछ अंग्रेज़ और बहुत से मुसलमान मारे गये। अंग्रेज़ जीत मनाकर उसी दिन हाथरस लौट गये और दूसरे दिन आकर अलीगढ़ पर अधिकार कर लिया। कुछ पकड़ मार के पीछे शान्ति हो गई। तब वे सब स्त्रियां और बालक जो हमारे घर आये थे, अपने २ घर अलीगढ़ चले गये। हम लोग अंग्रेज़ों की सेना का सड़क पर से आना जाना और उन के हथियारों का चमकना अपने घरों की छत से देखा करते थे॥

७–एक अमीर ख़ां मुसलमान सिपाही अलीगढ़ का हमारे पिता जी का मित्र था। वह वहां से दो सन्दूक़ कुछ बिसातियों के माल से भरे लाया और अपना माल बताकर और ताले लगाकर हमारे घर धर गया। भेदिये (मुख़बिर) ने अलीगढ़ के साहिब कलक्टर को हमारे घर में लूट के माल होने की सूचना दी। उन्होंने दौड़ लेकर दूसरे दिन सवेरे आप ही जाने का प्रबन्ध किया। यह समाचार पिता जी को मिल गया। उन्होंने रात में दोनों सन्दूक़ तोड़ कर सब माल विश्वासी लोगों के हाथ बहुत दूर अन्धौवे कूओं में फिकवा दिया और सन्दूक़ों में काग़ज़ भर दिये। दूसरे दिन सवेरा होते ही तीन चार छकड़े और बीस पच्चीस सवार लेकर साहिब कलक्टर ने गाम घेर लिया। पहिले हमारे घर की तलाशी ली, लूट खसोट का कुछ माल न मिला। साहिब कलक्टर तो चले गये, उनके साथ वाले सब गाम की तलाशी तीसरे पहर तक करते रहे और दो तीन मनुष्यों को पकड़ ले गये, जिनमें से एक को एक वर्ष की क़ैद हुई और शेष सब छूट गये॥

८–राज्य प्रबन्ध ठीक हो जाने और विद्रोह मिट जाने पर सब लोग अपने २ काम में लगे। मुझको मेरे मंझले बहनोई लाला अचलप्रसाद जी वकील अलीगढ़ ले गये और एक मकतब में फ़ारसी पढ़वाने लगे। छह सात महीने पीछे बहनोई जी

का और उनसे दो तीन महीने पीछे बहिन का भी स्वर्गवास हो गया और मुझे घर लौट आना पड़ा । मैं कुछ दिनों अपने बड़े भ्राता लाला गोपालराय जी से और कुछ दिनों एक मौलवी साहिब मुहम्मदअली से घर पर फ़ारसी पढ़ता रहा । फिर मुझे बूआ जी ने अलीगढ़ बुला लिया और वहां मकतब में फ़ारसी के बड़े बड़े पुस्तक पढ़ कर मैं मुनशी हो गया ॥

९–अब मेरी आयु १५ वर्ष की थी, मुझे अंग्रेज़ी पढ़ने की चाट लगी, मैंने पिता जी से चर्चा किया । उन्होंने अपने मित्रों से पूंछा । सब सम्मत हो गये परन्तु एक धनाढ्य पुरुष लाला भवानीप्रसाद जी कहने लगे कि बहुत से बड़े बड़े लोगों के लड़कों ने अंग्रेज़ी आरंभ की और थोड़े ही दिनों में छोड़ दी, आप से यह काम न हो सकेगा । पिता जी चुप हो गये । मैंने पिता जी से एकान्त में कहा कि आप परमेश्वर का नाम लेकर मुझे आज्ञा दें, परमात्मा बेड़ा पार लगा देगा । पिता जी ने कुछ सोच विचार कर मुझे आज्ञा दे दी । मैं अलीगढ़ जाकर बूआ जी के घर रहकर अंग्रेज़ी स्कूल में गया । पंडित शोभाराम हेडमास्टर ने मुझे फ़ारसी में प्रवीण देख कर तुरन्त आदर से स्कूल में प्रविष्ट कर लिया । यद्यपि मैं छोटे मास्टरों से पढ़ता था, परन्तु पंडित जी मेरी विशेष सुधि रखते थे । जब मैं एन्ट्रेन्स क्लास में पढ़ता था, हेड मौलवी साहिब अपने घर पर मुझे अरबी कोर्स (सुल्लमुल अदब आदि) पढ़ाते थे । स्कूल में हिन्दी और संस्कृत नहीं पढ़ाई जाती थी, उन्हीं दिनों में राजा जयकृष्णदास साहिब बहादुर डिपटी कलक्टर के उद्योग से एक पंडित नियत हुये । कोई विद्यार्थी नहीं मिला, मैंने पहिले हिन्दी और संस्कृत आरंभ कर दी । कुछ दिनों में बहुत विद्यार्थी हिन्दी और संस्कृत पढ़ने लगे । अन्त में एन्ट्रेन्स परीक्षा तौ मैं ने उर्दू के साथ दी, क्योंकि उर्दू ही मेरे लिये उस समय सरल थी । सारांश यह है कि मैं ने सन् १८६४ ईस्वी में अंग्रेज़ी आरंभ की और पारितोषिक और छात्र वृत्ति पाते हुये सन् १८७१ ईस्वी में कलकत्ता यूनीवर्सिटी की एन्ट्रेन्स परीक्षा में उत्तीर्ण हो गया और आगरे कालिज में जाकर एफ़० ए० पढ़ने लगा ॥

३–जीविका ।

१०–चार पांच महीने पीछे आगरे कालिज से घर आया । घर की दशा डंवाडोल देख कर अलीगढ़ हाईस्कूल में एक जगह १०) मासिक मई सन् १८७२ ई० में स्वीकार करली । वहां से मेरी बदली ७ मई १८७३ को मुरादाबाद हाई स्कूल को २५) महीने पर हुई । वहां ७ जूलाई १८८४ तक रहा । मुरादाबाद में परिश्रम करके मई १८७७ ई० में रुड़की कालिज की एकौन्टेन्ट परीक्षा मैं ने उत्तीर्ण की और सन् १८७८ में छह महीने की छुट्टी आधे वेतन पर लेकर आगरे जाकर अचनेरा-मथुरा रेलवे में नौकर हुआ । वहां ठीक जगह न मिलने से फिर मुरादाबाद लौट आया । सन् १८८४ में शाहजहांपुर हाई स्कूल को बदल जाने पर तारीख़ २३ जनवरी १८८५ से २२ सितंबर १८८६ तक २० महीने की छुट्टी बिना वेतन ली । और इलाहाबाद जाकर एगज़ामिनर आफ़ एकौन्ट, इम्पीरियल स्टेट रेलवे के दफ़्तर में थोड़े दिन काम करके एगज़ीक्यूटिव इनजिनियर, बिलासपुर-इटावा स्टेट रेलवे के दफ़्तर में २४ मार्च १८८५ से २६ मार्च

१८८६ तक ४०) मासिक पर रहा। उसके पीछे ६ जनवरी १८८९ तक एक हज़ार रुपये नक़द की ज़मानत देकर एकौन्टैंट और ख़ज़ानची, डिसट्रिक्ट इनजिनियर इन्डियन-मिडलैंड के दफ़तर बांदा में ६०) से ७०) तक महीने पर नौकर रहा। वहां से अपनी बीमारी के कारण नौकरी छोड़कर अपने घर शाहपुर खेती और कुछ गुड़ आदि का व्यापार करने लगा, परन्तु अनुभव न होने से उसमें टोटा पड़ा॥

११—फिर तारीख़ १६ सितम्बर १८६१ से १५ मई १६०१ तक जोधपुर में दफ़तर मेनेजर साहिब जोधपुर बीकानेर रेलवे में, और १६ मई १६०१ से २१ जूलाई १६०७ तक वहां पर ही उसी रेलवे के आडिट आफ़िस में रहा। वहां से ५६ वर्ष की आयु में नौकरी छोड़दी। उस समय मुझे ८०) मासिक वेतन मिलता था। छोड़ने समय मेरे पास पांच छह हज़ार रुपये प्रावीडेन्ट फ़न्ड और बोनस और अपनी बचत के थे। चलते समय बाबू छोटमल रावत एसिस्टेन्ट आडिटर जोधपुर-बीकानेर रेलवे और शहर और दफ़तर के सब मित्र रेलवे स्टेशन पर पहुंचाने आये, और फूलों की मालायें पहना कर और वर्षा करके बड़े आदर और प्रेम से मुझे विदा किया। वहां से इलाहाबाद आकर अपने पुत्र लाला विष्णुदयाल के पास रहता हूं॥

४—गृहस्थ कर्म विवाह आदि।

१२–संवत् १६२१ वि० (सन् १८६४ ई०) में जब मेरी आयु १६ वर्ष की थी, श्रीमती जानकी देवी जी (मुनशी बिहारीलाल जी की पुत्री) के साथ मेरा विवाह और तीसरे वर्ष में गौना हुआ। भादों संवत् १६२७ वि० (सन् १८७० ई०) में बड़ी पुत्री सुमित्रा देवी का जन्म हुआ और लगभग तीन तीन वर्ष के अन्तर से सब पुत्र पुत्रियां आठ बालक उत्पन्न हुये, चार छोटी आयु में मर गये। शेष चार अर्थात् पुत्र विष्णुदयाल का विवाह बाबू रामजी मल जी मुख्तार बदायूं वाले की पुत्री से, बड़ी पुत्री सुमित्रा देवी का विवाह लाला गुरुचरण जी एम० ए० (मुनशी दुर्गाचरण जी मुरादाबाद वाले के पुत्र) से, पुत्री सत्यवती देवी का विवाह बाबू चंडीप्रसाद जी (मुनशी गणेशीलाल जी अलीगढ़ वाले के पुत्र) से, और पुत्री विद्यावती देवी का विवाह मुनशी ज्वालाप्रसाद जी बी ए०, एल एल० बी० वकील (मुनशी श्यामलाल जी वकील, रईस कानपुर के पुत्र) से हुआ॥

१३–घर का प्रबन्ध सदा उत्तम रीति से रहा। आरंभ में स्कूल के वेतन के सिवाय कुछ दूसरी जगह पढ़ाई से और कुछ पुस्तकों की बिकरी से भी प्राप्ति हो जाती थी। आय के तीन भाग समझे जाते थे, एक भाग खाने पहरने आदि चालू ख़र्च के लिये, दूसरा सन्तानों की शिक्षा और विवाह आदि के लिये और तीसरा, स्थिर निधि अपने बुढ़ापे आदि के लिये। जब हम दोनों अलीगढ़ में थे, मैं ने पत्नी को रात्रि में हिन्दी पढ़ाना आरंभ करादिया था। उस समय स्त्रियों के पढ़ने की रीति न थी, स्त्रियां कहती थीं कि पढ़ी स्त्रियां विधवा हो जाती हैं। परन्त हम दोनों दृढ़ चित्त से पढ़ने पढ़ाने में लगे रहे। इसका फल यह हुआ कि हमारे सब पुत्र पुत्रियां हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, गणित आदि घर में ही पढ़ने लगे। विष्णु दयाल ने

कुछ दिन घर में पढ़कर मुरादाबाद, करवी, अलीगढ़ स्कूल, आगरा कालिज, और जोधपुर कालिज में अंग्रेज़ी बी० ए० तक पढ़ी और सन् १६०१ में इलाहाबाद एकौन्टेन्ट जनरल के दफ़्तर में नौकर होकर अब सुपरिन्टेन्डेन्ट हैं ॥

१४–जब मैं मुरादाबाद में था, मेरे पास मेरी दादी, बहिन आदि मेरी पत्नी और बालकों की खबरगीरी के लिये रहती थी। मेरे छोटे भाई लाला लेखराज, भतीजे लाला कुशीलाल, और साले लाला भूपालराय, क्रम क्रम से स्कूल में मेरे पास पढ़ते रहे। मेरे पिता जी पर लोगों का ८००) का ऋण था, वह सन् १८८१ में रुपया देकर मैंने चुका दिया। उसके बदले में उन्होंने खेत का पट्टा १८ वर्ष के लिये मेरे नाम लिख दिया। उसका प्रबन्ध पिता जी करते रहे और उनके पीछे वह खेत अपने घराने मे अब तक चला आता है, जिसके प्रबन्ध से अब संझले भाई लाला लेखराज जी की धर्मपत्नी निर्वाह करती हैं ॥

१५–जब मैं बांदे से नौकरी छोड़कर आया, शाहपुर में नया मकान बनवाया, पिता जी के स्वर्गवास होने पर उनका मृतक संस्कार पहिली बार अपने गाम में वैदिक रीति से किया। बड़ी पुत्री का विवाह भी वैदिक रीति से किया। पुत्र विष्णुदयाल को अलीगढ़ हाई स्कूल में प्रविष्ट कराकर बोर्डिंग हौस में रखदिया, और अपने साले लाला गंगा सहाय को अलीगढ़ के तहसीली स्कूल में प्रविष्ट कराकर बोर्डिंग हौस में रक्खा, जहां पर वे मिडिल परीक्षा तक पढ़कर अपने घर चले गये। विष्णु दयाल ने अलीगढ़ से एन्ट्रेन्स परीक्षा उत्तीर्ण करके, आगरा कालिज के बोर्डिंग हौस में कुछ समय तक रहकर मेरे पास जोधपुर के जसवन्त कालिज से एफ़ ए० परीक्षा में उत्तीर्ण होकर बी० ए० तक शिक्षा पाई और रुड़की कालिज में प्रविष्ट होने का प्रयत्न किया, परन्तु किसी कारण से न जासके। उन का विवाह और गौना हो चुका था। वे लग भग दो वर्ष तक अपने घर वालों सहित कानपुर कमसरियट के दफ़तर में काम करते रहे और स्थिर नौकरी मिलने पर सन् १६०१ से इलाहाबाद चले गये जहां मकान बनाकर अब रहते हैं।

१६–बज मैं जोधपुर के रेलवे दफ़तर में नौकर था मैंने माता, पत्नी और बच्चों को अपने पास बुला लिया। वहां पहिले मेरी माता जी का, फिर दो महीने पीछे छह छह महीने के दो युग्म पुत्रों का, और फिर उस से १५, २० दिन पीछे १५ नोवेंबर १८६२ को धर्म पत्नी का देहान्त होगया। घर के कामों में बड़ी गड़बड़ पड़ी। पहिले मैं योगाभ्यास करने में लगा और जोधपुर के प्रसिद्ध योगी महात्मा देवी दीन आदि से मिला करता था। इस योगाभ्यास और सत्संग से मेरा मन संस्कृत विद्या के स्वाध्याय करने, बच्चों को शिक्षा देने और उनके विवाह आदि संस्कार करने में जम गया। उस समय मेरे तीन लड़कियां और एक पुत्र थे। लड़कियों को संस्कृत, उर्दू, गणित आदि, गृहस्थी के काम, भोजन बनाने, सीने पिरोने आदि में विशेष शिक्षा दी। बड़ी पुत्री सुमित्रादेवी को पंजाब विश्वविद्यालय की प्राज्ञ परीक्षा तक पढ़ाया। उसका विवाह तो हो चुका था, गौना जून १८६३ में हुआ। २० जनवरी १८६६ को पुत्र विष्णुदयाल का, ३ फ़र्वरी १८६७ को पुत्री सत्यवतीदेवी का और ५ मई १८६७ को पुत्री विद्यावती देवी का विवाह हुआ, और योग्य समय पर उनके गौने हो गये॥

१७-फिर मुझे उचंग उठी कि ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्यों में बाल विधवा विवाह नहीं होता, इस विपत्ति के उठाने के लिये कोई उदाहरण स्थिर करना चाहिये। यह ठान कर ३० अगस्त १८९८ ई० को एक विज्ञापन दिया कि मैं अपना सजातीय अर्थात् कायस्थ सकसेने दूसरे अच्छे घराने की बालविधवा स्त्री से विधवा विवाह करना चाहता हूं, विद्वान् लोग पक्षपात छोड़ कर सम्मति देवें। इस पर बहुत आन्दोलन हुआ, विरादरी में नगर २ अनुकूल और प्रतिकूल सभायें हुई, समाचार पत्रों में भी लिखा पढ़ी हुई। पंडितों की अनुकूल व्यवस्थायें, और विरादरी के और दूसरे २ बड़े सज्जनों की अनुकूल सम्मतियां एकत्र करके कार्तिक सुदी ११ (देवोत्थान) संवत् १९५३ ता० २४ नोवेंवर १८९८ को मेरा विधवा विवाह सजातीय बाल विधवा श्रीमती श्यामसुन्दरी देवी के साथ उनकी माता के हाथों से बड़ी धूम धाम से हुआ। पंडित जनों, इष्ट मित्रों, और विरादरी के सज्जनों का भोजन आदि से सत्कार किया गया। जगह जगह से बधाई आने लगी (इस विधवा विवाह का पूरा वृतान्त मेरी उर्दू पुस्तक विधवा मंगल में छपा है)।

५-धर्मनिष्ठा।

१८-बचपन में मुझे कोई धर्मशिक्षा नहीं हुई थी, लोगों की देखा देखी स्नान करके शिवमूर्त्ति पर लोटा जल चढ़ा कर बकरे के समान मुंह बजा कर "बं बं बम और जय शिव जय" शिव कहता था। बलवे के पीछे अलीगढ़ के एक पंडित उदयराम जी हमारे गाम में तुलसीकृत रामायण बांचा करते थे, मैं उसे चित्त देकर सुनता था। जब वे सायंकाल को प्रसन्न होकर बैठते, मैं उन से उसी रामायण पर कुछ प्रश्न करता जिनको वे प्रसन्न होकर समझा देते थे। मैं उन को कूंए से जल लाकर पिलाता और भोजन बनाने में सहायता देता था। जब कभी गाम में सत्यनारायण की वा गरुड़ पुराण की कथा होती, उसे भी सुना करता था। जब मैं अलीगढ़ रहता था, प्रायः नियम से अचलेश्वर महादेव जी के दर्शन करता और दसहरे के दिनों में रामलीला देखता, और रात्रि में जब रामचन्द्र जी नगर को आते दर्शन करता था। एक समय दो चमार कमेरे (हमारे खेत के मज़दूर) आपस में विवाद कर रहे थे। वादी ने प्रतिवादी से कहा—"या को वेद न्यारो ही है"। यह वाक्य मेरे हृदय में जम गया। मैं सोचने लगा कि वेद कोई विचारने योग्य वस्तु है जिस का नाम वह अनपढ़ चमार भी जानता है। अंग्रेज़ी इतिहासों से भी वेद का नाम में जान गया था। जब मैं एन्ट्रेन्स क्लास में पढ़ता था, मेरे पास उर्दू-हिन्दी का एक मासिक पत्र आता था। उसमें संस्कृत अक्षरों में एक मन्त्र लिखा था, जिसे विवाह समय कन्या पढ़ती है। पं० कालीचरण जी हेड पंडित हमें संस्कृत में हितोपदेश पढ़ाया करते थे, मैंने उन से विनती करके उस मंत्र का शब्दार्थ पूछा। वे क्रुद्ध होकर बोले—"तुम कायस्थ शूद्र हो, शूद्रों को वेदार्थ बताना निषेध है"। मैं चुप हो गया। खत्मत निरूपण आदि पादरियों की पुस्तकें भी देखा करता था, जिन में वेद और पुराणों की निन्दा भरी थी, जिनसे बड़ा सन्देह होता था॥

६-महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती से भेंट।

१६—संवत् १९३३ (सन् १८७७) में महर्षि श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती मुरादाबाद पधारे। उन्हों ने राजा जयकृष्णदास जी सी० आई० ई० की कोठी पर उतरकर लगातार पांच छह दिन तक सायंकाल को वैदिक धर्म पर व्याख्यान दिये। वे बैठकर व्याख्यान देते थे और अन्य वेद मन्त्रों के साथ (ओ३म् शन्नो' मित्रः शं वरु॑णः शन्नो' भवत्वर्य्य॒मा। शन्न॒ इन्द्रो॒ बृह॒स्पति॑ः शन्नो॒ विष्णु॑रुरुक्र॒मः। नमो॒ ब्रह्म॑णे। नम॑स्ते वायो। त्वमे॒व प्र॒त्यक्षं॒ ब्रह्मा॑सि। त्वामे॒व प्र॒त्यक्षं॒ ब्रह्म॑ वदिष्यामि ऋतं व॑दिष्यामि स॒त्यं व॑दिष्यामि तन्मा॑मवतु तद्व॒क्तार॑मवतु। अव॑तु मा॒म्। अव॑तु व॒क्तार॑म्। ओ३म् शान्ति॒श्शान्ति॒श्शान्ति॑ः।) सत्यार्थ प्रकाश का आदि मन्त्र व्याख्यान के आरम्भ में और (ओ३म् शन्नो' मित्रः शं वरु॑णः शन्नो' भवत्वर्य॒मा। शन्न॒ इन्द्रो॒ बृह॒स्पतिः शन्नो॒ विष्णुरुरुक्रमः। नमो॒ ब्रह्म॑णे। नम॑स्ते वायो। त्वमे॒व प्र॒त्यक्षं॒ ब्रह्मासि। त्वामे॒व प्र॒त्यक्षं॒ ब्रह्मा॑वादिषम्। ऋतम॑वादिषम्। सत्यम॑वादिषम्। तन्मा॑मावीत्। तद्व॒क्तार॑मावीत्। आवी॒न्माम्। आवी॑द्व॒क्तारम्। ओ३म् शान्ति॒ः शान्ति॒ः शान्ति॑ः।) सत्यार्थ प्रकाश के अन्त का मंत्र व्याख्यान के अन्त में स्पष्ट शब्दों में ऊंचे मधुर स्वर से बोलते थे और व्याख्यान भी बहुत शुद्ध, सरल और मधुर शब्दों में देते थे जिस को श्रोता लोग एक चित्त होकर सुनते थे। कैसी ही बात चीत वा कोलाहल हो उन के बोलते ही सब एक साथ बंद हो जाता था और शान्ति फैल जाती थी। व्याख्यान की समाप्ति पर वे लोगों की शंकाओं का समाधान करते थे। कुछ लोग रात्रि में दस ग्यारह बजे तक उन से सत्संग करते थे। मैं भी नंगे पैरों श्रद्धा और भक्ति से दोनों समय व्याख्यान और सत्संग में जाता था और प्रातःकाल जब वे दण्डा लेकर नगर से बाहिर भ्रमण करते थे, मैं भी जाकर मार्ग में उन के दर्शन करता और "आनन्दित रहो" यह आशीर्वाद लेता। स्वामी जी का शरीर विशाल, पुष्ट गैहुंआ रंग था। उनकी बोल चाल में बुद्धिमत्ता गम्भीरता, वीरता, निष्पक्षता और परोपकारिता साक्षात् देखती थी। उन का दण्डा लेकर भ्रमण करना मेरी आंखो के सामने घूमा करता है॥

२०—उन्हीं दिनो, मैं और मुनशी कालिका प्रसाद दो कायस्थों ने, लाला चन्द्रमणि और लाला द्वारिका प्रसाद दो वैश्यों ने स्वामी जी से यज्ञोपवीत और गायत्री मन्त्र लिया। मैंने स्वामी जी की आज्ञा से उन की पंचमहायज्ञ विधि पुस्तक को मुनशी इन्द्र-मणि जी से पढ़ा। मैं ने एक दिन स्वामी जी से पूछा कि यदि लोग आप से यज्ञोपवीत लेने में दोष लगावें और हमारा धर्म बूझें तो क्या उत्तर दिया जावे। उन्हों ने कहा कि सन्यासी से यज्ञोपवीत लेना शास्त्रोक्त है, और अपना धर्म वैदिक धर्म बतलाया करो। तभी उन्होंने बड़े प्रेम से मेरी पीठ ठोककर कहा—"ईश्वर करे तू वेदों को पढ़-कर उन का प्रचार करे।" मैं स्वामी जीकी पुस्तकों को बहुत रुचि से लेता औ पढ़ता था। उनके मासिक पत्र वेद भाष्य के ग्राहकों में मेरा नम्बर ६ था जिसको मैं अन्त तक १७ बर्ष तक लेता रहा॥

२१—जब स्वामी जी सन् १८७७ में मुरादाबाद आये थे, एक आर्य समाज उक्त राजा साहिब की कोठी पर खोला गया था जो आपस का अनबन से टूट गया।

स्वामी जी ३ जुलाई १८७९ को फिर मुरादाबाद आये और शहर में उन्हीं राजा साहिब की कोठी पर उतरे। इन दिनों स्वामी जी संग्रहणी (दस्तों) के रोग से पीड़ित थे, तीन व्याख्यान दिये। २० जुलाई १८७९ को स्वामी जी की उपस्थिति में उन्हीं राजा साहिब की कोठी पर बड़ा हवन करने के लिये सामग्री मंगाई गई, और मोहन भोग भी बनाया गया। उस दिन वर्षा बहुत हो रही थी, एक घर में थोड़ा सा हवन किया गया। सामग्री और मोहन भोग बच गया। लगभग पांच सौ मनुष्य उपस्थित थे, देर हो जाने के कारण राजा साहिब ने सब को भोजन कराया और वह मोहनभोग भी बंटवा दिया। उसी दिन आर्यसमाज स्थापित होकर मुनशी इन्द्रमणि प्रधान, कुमर परमानन्द और ठाकुर शंकरसिंह मन्त्री, लाला श्यामसुन्दर कोषाध्यक्ष, लाला जगन्नाथ दास पुस्तकाध्यक्ष और अठतालीस सभासद हुये जिन में मैं भी था। इस अवसर पर धूर्तों ने गप उड़ाई कि स्वामी जी ने मोहन भोग में थूक दिया था, वह इन लोगों ने खाया है। बिरादरी में पंचायतें होने लगीं, कुछ लोग समाज से अलग हो गये और कुछ दृढ़ होकर कार्य करते रहे। मुझ से भी कुछ बिरादरी वालों ने खैंचा तानी की, मैं पक्का होकर समाज में बना रहा। दूसरे वर्ष चिरंजीव विष्णुदयाल का यज्ञोपवीत कराया। सब भाई बन्धु, नातेदार और आर्यसमाजी भाई संस्कार में सम्मिलित हुये, मैं ने उस को यज्ञोपवीत और गायत्री मन्त्र दिया। आये हुये स्त्री पुरुषों का सत्कार मिठाई और भोजन आदि से किया गया और कार्य बड़ी प्रसन्नता से पूरा हुआ॥

२२-मुसलमानों ने कुछ पुस्तक हिन्दुओं के देवताओं और महात्माओं की निन्दा के निकाले थे। मुनशी इन्द्रमणि जी मुरादाबादी ने हिन्दू धर्म के अनुसार उन के उत्तर-"इसलाह हिन्द, समसाम हिन्द और सौलत हिन्द"-तीन पुस्तकों में देकर हिन्दू धर्म की रक्षा की। मुसलमानों के अभियोग चलाने पर मजिस्ट्रेट मुरादाबाद ने मुनशी जी पर पांच सौ रुपया जुरमाना किये और पुस्तक जब्त कराई। अपील करने पर हाईकोर्ट इलाहाबाद और लाट साहिब के यहां से जुरमाना माफ हो गया॥

२३-मु० इन्द्रमणि ने पुस्तकें रच कर हिन्दू धर्म की रक्षा की थी और अब मुरादाबाद आर्यसमाज के प्रधान थे, उनकी प्रार्थना और स्वीकृति पर स्वामी जी की सम्मति से आर्य समाजों ने अपराध की सफाई और जवाबदिही करने को मुनशी जी के लिये इस शर्त पर चन्दा किया कि जो चन्दा थोड़ा आवे, आर्य समाज भी खर्च चला कर समाजों से ले लेवे, और जो अधिक आवे तो शेष धन का उ[illegible] समाजों की सम्मति से किया जावे, चन्दे का धन लाला रामशरणदास जी रईस मेरठ के पास एकत्र होवे और वहां से ही खर्च किया जावे। जो चन्दा मेरठ समाज में आया था, इस में से मुनशी जी को खर्च के लिये भेजा गया, और बहुत सा धन सीधा मुनशी जी के पास आया। आर्यसमाज मेरठ ने उनसे आय व्यय का हिसाब मांगा, उन्हों ने और उनके शिष्य लाला जगन्नाथदास ने हिसाब न दिया और प्रकट किया कि यह धन केवल मुनशी जी के लिये आया है, सब का सब उन को मिलना चाहिये। बहुत समझाने बुझाने पर भी वे दोनों स्वामी जी और आर्यसमाजियों को

दोष लगाने लगे और अलग आर्यसमाज करने लगे। तब आर्यसमाज मुरादाबाद ने श्री स्वामी जी महाराज की आज्ञा लेकर एक बहुत बड़ी सभा की। उस में सर्व-सम्मति से निश्चय हुआ कि मुनशी इन्द्रमणि जी और उनके शिष्य लाला जगन्नाथ दास जी न तो मुक़दमे का हिसाब देते हैं और न सफ़ाई करते हैं, और उलटे स्वामी जी और आर्य समाजों को झूठा दोष लगाते और अलग समाज करते हैं, इस लिये दोनों महाशय आर्य समाज मुरादाबाद से अलग किये गये। तब निम्नलिखित पत्र समाजों और समाचार पत्रों को भेजा गया—

महाशय, नमस्ते। विदित हो कि श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती जी महाराज की आज्ञानुसार, आर्य समाज के नियमों से विरुद्ध आचरण के कारण मुनशी इन्द्रमणि प्रधान और लाला जगन्नाथ दास पुस्तकाध्यक्ष अपने अपने पद और सभासदी से इस आर्य समाज से २६ मई सन् १८८३ ई० से अलग किये गये और मुनशी दुर्गाचरण प्रधान नियत हुये। आगे को पत्र आदि मुनशी क्षेमकरणदास मन्त्री के नाम ठिकाना मकान साहू श्यामसुन्दर जी रईस मंडी बांस मुरादाबाद भेजे जावें। क्षेमकरणदास मन्त्री आर्य समाज मुरादाबाद, ३० मई १८८३।

इस के पीछे मुनशी इन्द्रमणि जी का समाज कुछ दिनों में टूट गया और पुराना समाज अधिक अधिक उन्नति करता हुआ चला आता है। मन्त्री पद के लिये मेरा निर्वाचन निरन्तर सन् १८८० से सन् १८८४ तक (जब तक मैं मुरादाबाद रहा) होता रहा। और बदली होजाने पर शाहजहाँ पुर, कटनी मुड़वारा, करवी, बांदा, जोधपुर इलाहाबाद आदि समाजोंमें कभी सभासद्, कभी मन्त्री और कभी प्रधान होकर सेवा करता रहा॥

२४–महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी का जन्म गुजरात देश को मौर्वी नगर में संवत् १८८१ विक्रमीय (सन् १८२४ ई०) में हुआ था, वे ब्राह्मण थे और अपने को मथुरा के महर्षि स्वामी विरजानन्द सरस्वती का शिष्य मानते और पुस्तकों में लिखते थे। इन का स्वर्गवास दिवाली के दिन सायंकाल ६ बजे कार्तिक कृष्णा अमावस संवत् १९४० वि० (ता० ३० अकतूबर १८८३) को अजमेर नगर में हुआ। वे अपने जीवित ही फागुन वदी ५ संवत् १९३९ वि० (२७ फ़र्वरी १८८३ ई०) को राजधानी उदयपुर में अपना स्वीकार पत्र (वसियत नामा) अपने धन सम्पत्ति की रक्षा और वृद्धि करने और वैदिक धर्म प्रचार आदि परोपकार में लगाने के लिये श्रीमती परोपकारिणी सभा के नाम रजिस्टरी करा चुके थे जिनके सभासद् इस प्रकार थे—

१–श्रीमन्महाराजाधिराज-महेन्द्र-यावदार्यकुलदिवाकर महाराणा जी श्री १०८ श्री सज्जन सिंह वर्मा, धीर वीर जी० सी० एस० आई० उदयपुर राज मेवाड़ — सभापति

२–लाला मूलराज जी एम० ए० एकस्ट्रा असिस्टेन्ट कमिश्नर प्रधान आर्य समाज लाहौर, (लुधियाना निवासी) — उपसभापति

३–श्रीयुत कविराज श्यामल दास जी, उदय पुर, राजमेवाड़ — मन्त्री

४–लाला रामशरण दास जी रईस, उपप्रधान आर्यसमाज मेरठ — "

५–पं० मोहन लाल विष्णुलाल जी, उदयपुर (मथुरा निवासी) उप मन्त्री
६–श्रीमन्महाराधिराज, श्री नाहरसिंह वर्मा शाहपुरा, सभासद्
७–श्रीयुत राव तख़्त सिंह जी वेदे, राज्य मेवाड़ ,,
८–श्रीमद्राजराणा श्री फ़तह सिंह जी वर्मा देलवाड़ा ,,
९–श्रीमत् श्री अर्जुन सिंहजी वर्मा, आसींद ,,
१०–श्रीमत् महाराज श्री गज सिंहजी वर्मा, उदयपुर ,,
११–श्रीमत् राव श्री बहादुर सिंह जी वर्मा, मसूदा ज़िला अजमेर ,,
१२–राय बहादुर पंडित सुन्दरलाल जी सुपरिन्टेन्डेन्ट वर्कशाप अलीगढ़ (आगरा निवासी) ,,
१३–राजा जयकृष्ण दास जी सी० आई० ई० डिपटी कलक्टर बिजनौर (मुरादाबाद निवासी) ,,
१४–बाबू दुर्गा प्रसाद जी कोषाध्यक्ष आर्य समाज फ़रुख़ाबाद ,,
१५–लाला जगन्नाथ प्रसाद जी फ़रुख़ाबाद ,,
१६–सेठ निर्भय राम जी प्रधान आर्य समाज फ़रुख़ाबाद, (बिसावर राजपूताना निवासी) ,,
१७–लाला कालीचरण जी मन्त्री आर्यसमाज फ़रुख़ाबाद ,,
१८–बाबू छेदीलाल जी गुमाश्ते कमसरयेट छावनी मुरार (कानपुर निवासी) ,,
१९–लाला साईंदास जी मन्त्री आर्यसमाज, लाहौर ,,
२०–बाबू माधवदास जी मन्त्री आर्यसमाज, दानापुर ,,
२१–राय बहादुर रा० रा० राजमान् राजेश्वरी पंडित गोपालराव हरि देशमुख, मेम्बर कौंसिल गवर्नर बम्बई–प्रधान आर्यसमाज, बम्बई (पूना निवासी) ,,
२२–राव बहादुर महादेव गोविन्द, रानडे, जज पूना ,,
२३–पंडित श्याम जी कृष्ण वर्मा, संस्कृत प्रोफ़ेसर ओक्सफ़ोर्ड यूनीवर्सिटी इंगलेंड (बम्बई निवासी) ,,

यह परोपकारिणी सभा अधिकारियों और सभासदों की अदला बदली से अब तक अपना कार्य कर रही है । इस की पहिली बैठक संवत् १९४१ वि० में अजमेर नगर में हुई । उसमें सब आर्यसमाजों के प्रतिनिधि आये, मैं मुरादाबाद आर्यसमाज का प्रतिनिधि था । इस बैठक में वैदिक यन्त्रालय को प्रयाग से लाकर अजमेर में रखने और स्वामी जी कृत वेदभाष्य, सत्यार्थ प्रकाश आदि पुस्तकें छपवाने और प्रचार करने आदि कार्यों के लिये निश्चय हुआ ॥

२५–दिसंबर १८८४ बड़े दिन की छुट्टी में प्रयाग नगर में हिन्दू समाज का एक बड़ी बैठक हुई जिसमें समस्त भारतवर्ष के हिन्दुओं के प्रतिनिधि आये थे, मैं शाहजहांपुर आर्यसमाज का प्रतिनिधि होकर गया था । इस हिन्दू समाज का उद्देश्य था कि भारतवर्ष के सब हिंदू लोग एकमत का अवलंबन करें और यथाशक्ति देशीय

वस्तु काम में लावें। मैं ने अपने मित्रों सहित प्रयाग के चौक बाज़ार में सब को वैदिक धर्म पर चलने, विदेशीय वस्त्र आदि छोड़ने और देशीय वस्त्र आदि धारण करने पर व्याख्यान दिया और इसी विषय का समर्थन हिन्दू समाज में किया। यह हिन्दू समाज तभी एक बार जुड़ा और फिर उसका पता न चला ॥

२६–जब महाशय रमाकान्त जी बी० ए० के विशेष उद्योग से प्रयाग नगर में दरयाबाद के पास दयानन्द ऐंग्ला वर्नेक्यूलर स्कूल (डी० ए० वी० स्कूल) बनना आरंभ हुआ, उस की कार्यकारिणी सभा ने रविवार वैशाख शुक्ला १२ संवत १९७२ तारीख़ १४ मई १९१६ को प्रातःकाल हवन आदि वैदिक रीति करके बड़े समारोह के साथ उस पवित्र पाठशाला दयानन्द स्कूल की आधार शिला मेरे हाथ से रखवाई। परमात्मा की कृपा से इस स्कूल में अब संवत् १९७८ (सन् १९२१) में संस्कृत फ़ारसी, अंग्रेज़ी आदि के बड़े विद्वान्, आर्य समाज के मुख्य स्तम्भ महाशय गंगाप्रसाद जी एम० ए० हेड मास्टर हैं और वैदिक धर्म शिक्षा सहित एन्ट्रेन्स परीक्षा तक अच्छे परिणाम के साथ पढ़ाई होती है ॥

२७–मैं ने सन् १८८५ ई० में शाहजहांपुर स्कूल की नौकरी छोड़कर इण्डियन मिड्लेन्ड रेलवे में जो उस समय बन रही थी, तीन वर्ष नौकरी की, और कटनी मुड़वारा, कर्वी बांदा आदि स्थानों में सज्जनों के सम्मेलन से आर्य समाज स्थापित किये, और मुरादाबाद आदि से मंगाकर देशी कपड़े और बरतनों का प्रचार करता रहा। फिर वहां से नौकरी छोड़कर अपने माता पिता आदि के साथ अपने घर शाहपुर-मडराक में तीन वर्ष रहकर वैदिक धर्म का अंकुर जमाया, और गृहस्थी के कार्य करता रहा। इस के पीछे सन् १८९१ ई० से सन १९०७ तक रेलवे के दफ़्तर में नौकर होकर जोधपुर आर्यसमाज में अपना कर्तव्य करता रहा। वहां से प्रयाग आकर पहिले कटरे समाज में सम्मिलित रहा, फिर वहां से लूकरगंज में आकर रहने पर प्रयाग के चौक समाज में सम्मिलित हूं ॥

७-संस्कृत विद्या, प्राज्ञ परीक्षा और वेद परीक्षा ।

२८–जब जोधपुर में मेरी माता, दो छोटे पुत्र और धर्मपत्नी दो तीन महीने में स्वर्गवास कर गये, घर रीता होगया, घर के कामों से मेरा मन हटने लगा। मेरे बड़े पुत्र आगरे कालिज में पढ़ते थे, बड़ी पुत्री का गौना होने को था, दो छोटी पुत्रियां पढ़ती थीं और कुमारी थीं। पंडित ठाकुरप्रसाद शर्मा, आचार्य ग्राम हरीपुर डाकघर हनुमानगंज, ज़िले इलाहाबाद के रहने वाले, जोधपुर आर्यसमाज के मुख्योपदेशक थे। वे मेरी दशा को जानते थे, उन्हों ने निश्चय कराया कि घर में रहकर ही योगाभ्यास करके विद्या की वृद्धि करनी चाहिये और अलसमझ बच्चों को अपने होते हुये किसी दूसरे के आश्रय में अनाथ करके छोड़ चला जाना बड़ी ही निर्दयता है, गृहस्थ कर्म निबाह कर कर्तव्य करते रहना परम तप है। तब मैं अपनी शिक्षा, बच्चों की शिक्षा और गृहस्थी के काम काज में लग गया। उक्त पंडित जी ने मेरे साथ बड़ा उपकार किया। उन्हों ने अवकाश निकाल कर नौ दस बजे रात्रि को मुझे

संस्कृत पढ़ाकर पंजाब विश्वविद्यालय की प्राज्ञ परीक्षा में सन् १८९३ ई० में उत्तीर्ण करा दिया। मैं पंडित जी से पढ़ कर वहीं पहुंचे [illegible] और [illegible] था जिसने भी प्राज्ञपरीक्षा दी, पर अनुत्तीर्ण रही। उस के पीछे वे कुछ वैयाकरण आदि पढ़ाते रहे। जोधपुर से उनके चले जाने पर मैं पंडित [illegible] शर्मा शास्त्री से पंजाब की शास्त्रि परीक्षा के ग्रन्थ, विशेष करके ऋग्वेद पढ़ता रहा। इस के अतिरिक्त जोधपुर में जब जब अवकाश रहता, श्रीमान् स्वामी अच्युतानन्द सरस्वती, स्वामी प्रकाशानन्द सरस्वती, प्रज्ञाभिक्षुः स्वामी गिरानन्द सरस्वती, [illegible] विद्याभास्कर वैयाकरण केसरि, पण्डित गुरु लाल चन्द्र शर्मा से व्याकरण, निरुक्त, वेदादि शास्त्र में विचारता था॥

२९—जुलाई सन् १९०७ में जोधपुर से नौकरी छोड़ कर प्रयाग में अपने पुत्र विष्णुदयाल के पास रहा और अब तक रहता हूं। घर में शान्ति और भोजन आदि का सुबीता देख कर वेदों के विचार करने की उत्कण्ठा और बढ़ी। ऋग्वेद में १०,५८९ (दस सहस्र पांच सौ नवासी), अथर्ववेद में ५,९७७ (पांच सहस्र नौ सौ सतहत्तर), यजुर्वेद में १९७५ (उन्नीस सौ पचहत्तर), और साम वेद में १८७३ (अठारह सौ तिहत्तर) मन्त्र हैं, अर्थात् सामवेद सब में छोटा वेद है। इस लिये मैं ने पं० तुलसी राम के और सायणाचार्य के भाष्य सहित पहिले सामवेद पढ़ा। इस समय पण्डित रामजी लाल शर्मा अध्यक्ष हिन्दी प्रेस प्रयाग [illegible] प्रेम और परिश्रम से मुझे सामवेद और यजुर्वेद पढ़ाते रहे। संवत् १९६५ वि० (सन् १९०८) में बड़ौदा राजधानी जाकर श्रावण मास दक्षिणा परीक्षा देकर सामवेद भाष्य में उत्तीर्ण होकर राज्य से दक्षिणा और प्रमाण पत्र पाया। तब मैं सामवेदी कहलाया। वहां से आकर मैं ने स्वामी दयानन्द और महीधर के भाष्यों से यजुर्वेद पढ़ा। ऋग्वेद मैं ने बहुत कुछ पहिले देख चुका था, उस को स्वामी दयानन्द और सायणाचार्य के भाष्य और अन्य ग्रन्थों से पूरा किया। अथर्ववेद पर सायण भाष्य पूरा नहीं है, उस को मैं ने कुछ उस भाष्य से और कुछ कोशों और अंग्रेज़ी अनुवाद आदि की सहायता से पढ़ डाला।

३०—दिसंबर सन् १९१० में प्रयाग की प्रदर्शनी पर महात्मा मुन्शीराम जी आचार्य गुरुकुल कांगड़ी से भेंट हुई। उन्हों ने गुरुकुल में स्वतन्त्र रहने और स्वाध्याय करने के लिये स्थान देने का वचन दिया। तब मैं माघ संवत १९६७ वि० (जनवरी १९११ ई०) में गुरुकुल कांगड़ी गया। वहां मैं आचार्य जी की आज्ञा से उन की कुटी के पास गंगा तट पर एक पर्ण कुटी में रहा, भोजन गुरुकुल भंडार में बना हुआ अपने व्यय से खाता था। पं० काशी नाथ शर्मा आचार्य गुरुकुल में वेदाचार्य थे। मैं ने बड़ी नम्रता से विनती करके उनसे अपना अभिप्राय कहा। वे प्रसन्न होकर ऋग्वेद और अथर्ववेद के पदार्थ समझाने और मेरे किये हुये अर्थों के शोधने में बड़ी कृपा करते थे। और जब पण्डित शिव शंकर शर्मा काव्यतीर्थ उस विद्यालय में आये, वे भी मुझे सहायता देते रहे। वहां से ही मैंने ऋग्वेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद भाष्यों में श्रावण मास दक्षिणा परीक्षा देने की प्रार्थना पत्र बड़ौदा राजधानी भेजा, और आप भी महीने आषाढ़ संवत १९६८ में बड़ौदा पहुंचा। वहां नियम ज्ञात हुआ कि एक वर्ष में दो से अधिक वेदों में परीक्षा नहीं हो सकती। तब मैं ने ऋग्वेद और अथर्ववेद

भाष्यों में परीक्षा दी, ऋग्वेद में उत्तमा और अथर्ववेद में मध्यमा कक्षा में उत्तीर्ण हुआ और प्रमाण पत्र और दक्षिणा लेकर भादों संवत् १९६८ वि० (सन् १९११) में प्रयाग लौट आया, और तीन वेदों में उत्तीर्ण होने से त्रिवेदी कहलाया। फिर मैं दूर स्थान होने और भाष्य आदि बनाने में लग जाने के बड़ोदा जाकर यजुर्वेद में परीक्षा न दे सका॥

८—अथर्ववेद का भाष्य।

३१—मुझे स्वाध्याय करते समय शब्दों की व्युत्पत्ति के साथ पदार्थ करने में सदा से रुचि है। उसी ढंग से मेरा पहिला पुस्तक रुद्राध्याय, यजुर्वेद अध्याय १६ (नमस्ते रुद्र मन्यव उतो त इषवे नमः . . .) शब्दों की व्युत्पत्ति के साथ ब्रह्म निरूपक अर्थ सहित संस्कृत, आर्यभाषा (हिन्दी) और अंग्रेज़ी में संवत् १९६३ वि० (सन् १९०६) में छपा। दूसरा पुस्तक हवनमन्त्राः चारों वेदों के संगृहीत मन्त्र, ईश्वर स्तुति, स्वस्तिवाचन, शान्ति करण आदि (जो महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती ने अपने पुस्तक "संस्कार विधि" में संस्कारों और नित्य कर्म के लिये लिखे हैं) सरल आर्य भाषा (हिन्दी) में शब्दार्थ सहित संवत् १९६८ वि० (सन् १९१२ ई०) में छपा। इन पुस्तकों की व्याख्या शैली देखकर विद्वान् मित्रों ने आग्रह करके सम्मति दी कि छोटे छोटे ग्रन्थों का लिखना बन्द करके अथर्ववेद का हिन्दी अर्थ सहित भाष्य लिखना चाहिये, इस वेद का सायणाचार्यकृत संस्कृत भाष्य प्रायः अप्रामाणिक और बहुत अधूरा है। उसी का सहारा लेकर अंग्रेज़ी, जरमनी आदि भाषाओं में अप्रामाणिक अनुवाद हुये हैं, और हमारी देश भाषा में कोई भी इसका अनुवाद नहीं है। मैं यह सुनकर बड़े सोच में पड़ गया कि मेरी आयु बहुत होगयी है, मैं बड़ा धनी और बड़ा विद्वान् भी नहीं हूं, ऐसा बड़ा ग्रन्थ कैसे पूरा कर सकूंगा। फिर मैं ने स्वामी दयानन्द सरस्वती, सायणाचार्य, ग्रिफ़िथ साहिब आदि विद्वानों के रचे पुस्तकों के बड़े बड़े संग्रह पर ध्यान किया कि यह महाशय इतना इतना बड़ा काम कर सके हैं, पुरुषार्थ मुख्य है। अन्त में यह निश्चय हुआ कि मनुष्य अपने तन, मन, धन को तीर्थ यात्रा आदि कामों में लगा देते हैं, मैं भी अपनी शक्ति भर अपना तन, मन, धन इस भाष्य के करने में लगाऊं, अगाऊ धन ग्राहकों से न लिया जावे, एक एक काण्ड पूरा निकले और ग्राहक लोग उसे लेते रहें, जिस से जितना हो सके उतना तो होजावे, शेष और कोई आगे कर लेगा। पहिला काण्ड श्रावण १९६९ (दिसंबर १९१२) में निकला। विद्वानों ने उसे अंगीकार किया और आगे भाष्य करते रहने की अनुमति दी। मैं आप ही भाष्य करता, लिखता और प्रूफ़ शोधता था। स्थायी ग्राहक थोड़े थे, मूल्य लागत से बहुत थोड़ा आता था, छपाई, कागज़ आदि की त्रुटि को मैं अपने पास से पूरा करता था। इस प्रकार धीरे धीरे छह काण्ड निकल गये और मेरा धन भी समाप्ति पर आने लगा। पत्र व्यवहार करने पर जून १९१६ ई० से श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रान्त ने १५) मासिक देना और परिवर्तन में भाष्य लेना स्वीकार किया। यह नियम चार वर्ष तक रहा। वैशाख संवत् १९७४ वि० (सन् १९१७ ई०) से श्रीमती आर्य प्रतिनिधि

सभा पंजाब ने २५) मासिक देना और परिवर्तन में भाष्य लेना स्वीकार किया जो लिखना वर्गाँस महीने तक रहा । इस स्थिर आय के होने पर एक लेखक २०) मासिक पर लगभग भाष्य की समाप्ति तक रक्खा गया जिस से कार्य सिद्धि में बहुत सुगमता हुई । श्रीमान् बड़ोदा महाराज काण्ड १ से ६ तक और ... पुस्तक और फिर और भागों के चार चार पुस्तक लेते रहे । इस के अतिरिक्त लगभग २०० स्थायी ग्राहक रहे और कुछ भाष्य आदि फुटकर पुस्तक बिके । इस आय में प्रत्येक काण्ड की छपाई, कागज़ आदि के व्यय का पूरा न पड़ता था । शेष मेरे पास से लगता था और काम चलता रहा ॥

९-विघ्न ।

३२-धन का वृत्तान्त ऊपर लिख चुका हूं, मेरे शरीर में ज्वर आदि साधारण रोग भी कभी कभी होते रहे, और भी बड़े बड़े विघ्न उपस्थित हुये--

(क) अपने कुटुम्बियों और सम्बन्धियों की मृत्यु ।

१-मेरी बड़ी पुत्री सुमित्रा देवी एक पुत्र और पुत्री होने पर गौने से चार पांच वर्ष में विधवा हो गई थी, उस का वह पुत्र महेश चरण अपने माता और बहिन के साथ मेरे पास रहता था और एफ़० ए० क्लास में अंग्रेज़ी आदि पढ़ता था, वह होनहार लड़का चार पांच घंटे रुग्न रहकर १८ वर्ष की आयु में अगस्त १९१२ में चल बसा ।

२-शिवदयाल-मेरा मंझला पौत्र, आयु १८ वर्ष, संस्कृत और अंग्रेज़ी आदि में बड़ा चतुर अक्तूबर १९१८ में चल दिया ।

३-बाबू चंडीप्रसादजी, मेरे मंझले दामाद, सन् १९१९ में स्वर्गवास कर गये ।

४-लाला कुन्नीलाल, मेरे बड़े भतीजे अलीगढ़ वाले, सन् १९१९ में स्वर्गवासी हुये ।

५-सुमित्रा देवी मेरी बड़ी पुत्री ने ५१ वर्ष की आयु में स्वर्गवास किया । उस का जन्म भादों संवत् १९२७ वि० (सन् १८७० ई०) में हुआ था, और उस ने भादों सुदी ७ संवत् १९७८ (तारीख़ ८ सितंबर १९२१) को शरीर छोड़ा । वह यहां पर क्रास्थवेट गर्ल्स स्कूल व कालिज में मुख्य संस्कृत अध्यापिका थी ।

(ख) कुछ देशहितैषी पुरुषों की मृत्यु-

१-पं० तुलसीराम स्वामी मेरठ-सामवेद भाष्यकार और सम्पादक वेदप्रकाश ।

२-पं० भीमसेन शर्मा-इटावा, सम्पादक ब्राह्मण सर्वस्व, वेद व्याख्याता कलकत्ता यूनिवर्सिटी ॥

३-महाशय कालिकाप्रसाद, सिल्क मर्चेन्ट बनारस ।

४-ठाकुर गदाधर सिंह, मन्त्री श्रीमती आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त ।

यह चारो महाशय अथर्ववेद के कठिन मन्त्रों पर बात चीत, भाष्य पूरा करने की प्रेरणा, और प्रचार के लिये प्रयत्न करते थे ।

५-पं० ओंकारनाथ वाजपेयी-अध्यक्ष ओंकार प्रेस प्रयाग।

अथर्ववेद भाष्य आरंभ से अन्त सूची तक इस प्रेस में छपा, पं० ओंकारनाथ की मृत्यु के पीछे गड़ बड़ पड़गयी, काम देर से होने लगा, घर वालों के बीच परस्पर झगड़ा उठा और अन्त में वह प्रेस बन्द हो गया। अन्तिम भाग पद सूची को पंडित बद्रीप्रसाद पाण्डेय अध्यक्ष नारायण प्रेस प्रयाग ने बहुत कष्ट उठा कर छापा है, जिस के लिये उन्हें धन्यवाद है।

(ग) जर्मन महायुद्ध जो अंग्रेज़ी सरकार और फ़ान्स राज्य की मित्रता में सन् १९१४ से सन् १९१९ ई० तक रहा, उस में एक भय यह था कि यदि राज्य परिवर्तन हुआ त भाष्य निकलने में बाधा पड़ेगी, परन्तु मित्र राज्यों की जीत हुई और कुशल रही। दूसरे इस महायुद्ध के समय से अब तक कागज़ आदि और अन्य सब वस्तुयें युद्ध से पहिलो की अपेक्षा चौगुनी पचगुनी मंहगी हैं। भाष्य में आरंभ से अन्त तक सब देशी कागज़ लगा है, परन्तु अन्त के भागों में सामर्थ्य से अधिक मूल्य बढ़ जाने और कभी कभी न मिलने के कारण कुछ हलका कागज़ लगाया गया, और छपाई चलती रही।

(घ) सन् १९१७ में तीन वर्ष के लिये एकौन्टेन्ट जनरल के दफ़तर से पुत्र विष्णुदयाल का जाना सिकिम राज्य को हुआ और पौत्र शंकरदयाल सेठ सन् १९१९ में बी० एस सी० परीक्षा उत्तीर्ण करके बिजुली विद्या की शिक्षा पाने को तीन वर्ष के लिये बंगलौर चले गये। इन दोनों के बाहिर जाने से घर का सब काम काज मैं ही करता था।

(ङ) कभी कभी भाष्य बहुत कठिन आ जाता था, समझ में न बैठने से जी घबराने लगता था। तब मैं परमेश्वर से सहाय रखने की प्रार्थना करता और स्वामी दयानन्द जी का स्मरण करता, रात्रि को स्वप्न में ऐसा ज्ञान पड़ता था कि स्वामी जी उस मन्त्र का भाष्य अपने लेखक को मेरे सामने लिखा रहे हैं, मेरी कठिनाई दूर हो जाती थी। कभी कभी विद्वानों से मिलते मिलाते हुये, एकान्त में रात्रि को सोते हुये, प्रातःकाल शौच करते हुये, अथवा बाग़ आदि में घूमते हुये कठिन अर्थ ज्ञात हो जाते थे।

१०--धन्यवाद।

२३-परमेश्वर ने वेद में कहा है कि मनुष्य इस प्रकार विचारता हुआ शुभ कर्म करके जय प्राप्त करे—

ओ३म्। कृतं मे॒ दक्षि॑णे॒ हस्ते॑ ज॒यो मे॑ स॒व्य आहि॑तः।
गो॒जिद् भू॑यासमश्व॒जिद् ध॑नंज॒यो हि॑रण्य॒जित्॥

अथर्ववेद ७।५०।८।

हे परमेश्वर! (कृतम्) कर्म (मे) मेरे (दक्षिणे) दाहिने (हस्ते) हाथ में और (जयः) जीत (मे) मेरे (सव्ये) बायें में (आहितः) स्थित हो, मैं (गोजित्) गौओं अर्थात् इन्द्रियों, भूमि और गौ आदि उपकारी प्राणियों का जीतने वाला,

(अश्वजित्) शीघ्रगामी घोड़े आदि का जीतने वाला, (धनंजयः) धन का जीतने वाला और (हिरण्यजित्) तेज का जीतने वाला (भू[illegible]सम्) रहूं। अर्थात् जो मनुष्य परमात्मा को ध्यान में रख कर वेदविहत कर्म करते रहते हैं, वे सब प्रकार की सिद्धि पाते हैं। किसी विद्वान् ने इस वैदिक सिद्धान्त को यों दरशाया है—

धरि लात विघ्न अनेक पै निरभय न उद्यम तें टरें।
जे पुरुष उत्तम अन्त में ते सिद्ध सब कारज करें॥

३४–उस सर्वशक्तिमान् परमपिता जगदीश्वर परमात्मा को सब से पहिले मेरा बारंबार धन्यवाद है, जिस ने अपनी अनन्त महिमा और कृपा से एक किसान के पुत्र, मुझ तुच्छ गंवार, निपट अजान, निर्बल, निर्धन को पवित्र वैदिक उपदेश से शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक बल दिया और मुझे दृढ़चित रख कर मेरा संकल्प पूरा कराया। दूसरे भगवान् महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी को मेरा अत्यन्त धन्यवाद है जिन के पवित्र दर्शन और सदुपदेश से वेदों की ओर मेरा ध्यान हुआ। तीसरे उन विद्वान् गुरुजन महाशयों का कृतकृत्य हूं जिन्हों ने अपना अमूल्य समय देकर मुझे स्वाध्याय कराया। चौथे उन सब महानुभवी महात्माओं का कृतज्ञ हूं जो मुझे मानसिक, वाचिक और आर्थिक सहायता देकर इस भाष्य के करने में मेरा उत्साह बढ़ाते रहे और विघ्नों से बचाते रहे। सारांश यह है कि यह अथर्ववेद भाष्य संवत् १९६९ वि० (सन् १९१२ ई०) में आरंभ हुआ और संवत् १९७८ वि० (सन् १९२१) में सब प्रकार निर्विघ्न समाप्त होकर छप गया। परमात्मा करे कि भवगद्गीता आदि ग्रन्थों के समान वेदों के अनेक भाष्य बनें और उस का प्रचार नित्य नित्य होता रहे जिस से संसार में प्रीति और आनन्द बढ़े।

ओ३म्। यां मे॒धां दे॑वग॒णाः पि॒तर॑श्चो॒पास॑ते।
तया॒ माम॒द्य मे॒धया॑ग्ने मे॒धावि॑नं कुरु॒॥
यजुर्वेद ३२। १४॥

(याम्) जिस (मेधाम्) धारणावती निश्चल बुद्धि को (देवगणाः) देवता, विद्वान् जन (च) और (पितरः) पालन करने हारे पितर लोग (उपासते) सेवते हैं, (तया) उस (मेधया) निश्चल बुद्धि से, (अग्ने) हे सर्वव्यापक प्रकाशस्वरूप परमेश्वर! (माम्) मुझ को (अद्य) आज अर्थात् प्रत्येक समय (मेधाविनम्) निश्चल बुद्धि वाला (कुरु) कर॥

ओ३म्। शान्तिश्शान्तिश्शान्तिः॥

५२ लूकरगंज, प्रयाग,
पौषकृष्णा ११ संवत् १९७८ वि०,
२५ दिसंबर १९२१।

क्षेमकरणदास त्रिवेदी
अथर्ववेद भाष्यकार।

अथर्ववेदभाष्य सम्मतियां ॥

श्रीमती आर्य प्रतिनिधिसभा, पंजाब, गुरुदत्त भवन लाहौर अन्तरंग सभा के प्रस्ताव संख्या ३ तिथि ६-१२-७३ की प्रति।

ला० दीवान चन्द प्रतिनिधि आर्य समाज बटाला का प्रस्ताव, कि पं० क्षेमकरणदास को अथर्ववेद भाष्य के लिये ४०) मासिक की सहायता दी जावे, उपस्थित हुआ। निश्चय हुआ कि २५) मासिक की सहायता एक वर्ष के लिये दी जावे और उसके परिवर्तन में उतने मूल्य की पुस्तकें उन से स्वीकार की जावें ॥

टिप्पणी—यह नियम बत्तीस महीने तक रहा ॥

श्रीमती आर्यप्रतिनिधि सभा संयुक्त प्रदेश आगरा और अवध, स्थान बुलन्दशहर, अन्तरंग सभा ता० ४ जून १६१६ ई० के निश्चय संख्या १३ (अ) और (ब) की लिपि।

(अ) समाजों में गश्ती चिट्ठी भेजी जवे कि वे इस भाष्य के ग्राहक बनें तथा अन्यों को बनावें।

(ब) सभा सम्प्रति १ वर्ष पर्यन्त १५) मासिक एक क्लर्क के लिये पं० क्षेमकरणदास जी को देवे, जिस का बिल उक्त पंडित जी कार्यालय सभा में भेजते रहें। इस धन के बदले में पंडित जी उतने धन की पुस्तकें सभा को देंगे।

टिप्पणी—यह नियम चार वर्ष तक रहा ॥

लिपि गश्ती चिट्ठी श्रीमती आर्यप्रतिनिधि सभा जो पूर्वोक्त निश्चय के अनुसार समाजों को भेजी गयी (संख्या ५९७६ प्राप्त २० जुलाई १६१६ ई०)

॥ ओ३म ॥

मान्यवर, नमस्ते !

आप को ज्ञात होगा कि आर्यसमाज के अनुभवी वयोवृद्ध विद्वान् श्री पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी गत कई वर्षों से बड़ी योग्यता पूर्वक अथर्ववेद का भाष्य कर रहे हैं। आपने महर्षि दयानन्द के अनुसार ही इस भाष्य को करने का प्रयत्न किया है। भाष्य काण्डों में निकलता है अब तक ६ कांड निकल चुके हैं। आर्यसमाज के वैदिक साहित्य सम्बन्ध में वस्तुतः यह बड़ा महत्वपूर्ण कार्य होरहा है। त्रिवेदी महाशय के भाष्य की जानकारों ने ख़ूब प्रशंसा की है। परन्तु खेद है कि अभी आर्यसमाज में उच्च कोटि के साहित्य को पढ़ने की ओर लोगों की बहुत कम रुचि है। जिसके कारण त्रिवेदी जी अर्थ हानि उठा रहे हैं। भाष्य के ग्राहक बहुत कम हैं। लागत तक वसूल नहीं होती। वेदों का पढ़ना पढ़ाना और सुनना सुनाना आर्यमात्र का प्रधान कर्त्तव्य है। अतएव सविनय निवेदन है कि वैदिक धर्मीमात्र श्री त्रिवेदी जी को उन के महत्त्वपूर्ण गुरुतर कार्य में साहस प्रदान करें। स्वयम् ग्राहक बनें और दूसरों को बनावें। ऐसा करने से भाष्यकार महाशय उसे छापने की अर्थ सम्बन्धिनी चिन्ताओं से मुक्त होकर भाष्य को और भी अधिक उत्तमता से सम्पादन करने की ओर प्रवृत्त होंगे। आशा है कि वेदों के प्रेमी उक्त प्रार्थना पर ध्यान दे इस ओर अपना कुछ कर्त्तव्य समझेंगे। प्रत्येक आर्य के घर में वेदों के भाष्य होने चाहियें।

समाज के पुस्तकालयों में तो उनका रखना बहुत ही ज़रूरी है। भाष्य के प्रत्येक कांड का मूल्य त्रिवेदी जी ने बहुत ही थोड़ा रक्खा है।

त्रिवेदी जी से पत्र व्यवहार ५२ लूकरगंज, प्रयाग के पते पर कीजिये। जल्दी से भाष्य मंगाइये। भवदीय—

नन्दलाल सिंह, बी० एससी० एलएल० बी० उपमन्त्री।

चिट्ठी संख्या २७० तिथि १०—१२—१५१४। कार्यालय श्रीमती **आर्यप्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त आगरा व अवध, बुलन्दशहर।**

आपका पत्र संख्या १०१ तथा अथर्ववेद भाष्य का तृतीय कांड मिला। इस कृपा के लिये अनेक धन्यवाद है। वास्तव में आप आर्यसमाज के साहित्य को समृद्धि शाली बनाने में बड़ा कार्य कर रहे हैं, आपकी विद्वत्ता और कृपा के लिये आर्य संसार ही नहीं, प्रत्युत प्रत्येक शिखा सूत्र धारी को आभारी होना चाहिये। ईश्वर आप को उत्तरोत्तर उस महत्त्व पूर्ण कार्य के सम्पादन और समाप्त करने के लिये शक्ति प्रदान करें, ऐसे उपयोगी ग्रन्थ प्रकाशन को आप सदैव जारी रक्खें यही प्रार्थना है। भवदीय

मदनमोहन सेठ

(एम० ए० एलएल० बी०) मन्त्री सभा।

श्रीमान् पंडित **तुलसीराम स्वामी**—प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा संयुक्तप्रान्त, सामवेद भाष्यकार, सम्पादक वेदप्रकाश, मेरठ—१९१३।

ऋग्यजुर्वेद का भाष्य श्रीस्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने संस्कृत और भाषा में किया है, सामवेद का श्री पं० तुलसीराम स्वामी ने किया है, अथर्ववेद के भाष्य की बड़ी आवश्यकता थी। पं० क्षेमकरणदास जी प्रयाग निवासी ने इस अभाव को दूर करना आरम्भ कर दिया है। भाष्य का क्रम अच्छा है। यदि इसी प्रकार समस्त भाष्य बन गया, जो हमारी समझ में कठिन है, तो चारों वेदों के भाषा भाष्य मिलने लगेंगे, आर्यों का उपकार होगा।

श्रीयुत महाशय **नारायणप्रसाद** जी—मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल वृन्दावन मथुरा—उपप्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा, संयुक्तप्रान्त। आर्यमित्र आगरा, २४ जनवरी १९१३।

श्री० पं० क्षेमकरणदास त्रिवेदी प्रयाग निवासी, ऋक् साम तथा अथर्ववेद सम्बन्धी परीक्षोत्तीर्ण अथर्ववेद का भाषा भाष्य करते हैं, मैं ने सम्पूर्ण [प्रथम] कांड का पाठ किया। त्रिवेदी जी का भाष्य ऋषि दयानन्द जी की शैली के अनुसार भावपूर्ण संक्षिप्त और स्पष्टतया प्रकट करने वाला है कि मन्त्र के किस शब्द के स्थान में भाषा का कौनसा शब्द आया, फिर नोटों में व्याकरण तथा निरुक्त के प्रमाण, प्रारम्भ

में एक उपयोगी भूमिका दे देने से भाष्य की उपयोगिता और भी बढ़ गई है. निदान भाष्य अत्युत्तम, आर्यसमाज का पक्षपोषक और इस योग्य है कि प्रत्येक आर्यसमाज उस की एक २ पोथी (कापी) अपने पुस्तकालय में रक्खे।

त्रिवेदी जी ने इस भाष्य का आरम्भ करके एक बड़ी कमी के पूर्ण करने का उद्योग किया है। ईश्वर उन को बल तथा वेद सम्बन्धी आवश्यक सहायता प्रदान करें निर्विघ्नता के साथ वह शुभ कार्य पूरा हो... छपाई और कागज़ भी अच्छा है

श्री युत महाशय **मुन्शीराम जी**—जिज्ञासु-मुख्याधिष्ठाता गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार—पत्रसंख्या ६४ तिथि २७-१०-१६६६।

अथर्ववेद भाष्य आप का दिया व किया हुआ अवकाशानुसार तीसरे हिस्से के लगभग देख चुका हूं आप का परिश्रम सराहनीय है।

तथा—पत्र संख्या ११४ तिथि २२-१२-१६६६।

अवलोकन करने से भाष्य उत्तम् प्रतीत हुआ।

श्रीयुत प० **शिव शंकर शर्मा** काव्यतीर्थ—छान्दोग्योपनिषद् भाष्यकार, वेदतत्त्वादि ग्रन्थकर्त्ता वेदाध्यापक कांगड़ी गुरुकुल महाविद्यालय, आदि आदि, सम्पादक आर्यमित्र— ८ फ़रवरी १९१२।

अथर्ववेद भाष्य। श्री पं० क्षेमकरण दास त्रिवेदी जी का यह परिश्रम् प्रशंसनीय है।......आप बहुत दिनों तक सरकारी नौकरी कर और अब वहां से पेन्शन पाके अपना सम्पूर्ण समय संस्कृत पढ़ने में लगाने लगे। अन्ततः आपने यहां भी विशेष परिश्रम कर बदौड़ा राजधानी में वेदों की परीक्षा दी और उनमें उत्तीर्ण हो त्रिवेदी बने हैं। आप परिश्रमी और अनुभवी वृद्ध पुरुष हैं। आप का अथर्ववेद भाष्य पढ़ने योग्य है।

श्रीयुत पंडित **भीमसेन शर्मा इटावा**—उपनिषद्, गीतादि भाष्यकर्ता वेदव्याख्याता कलकत्ता यूनीवर्सिटी, सम्पादक ब्राह्मण सर्वस्व इटावा, फ़रवरी १९१३॥

अथर्ववेदभाष्य—इसे प्रयाग के पण्डित क्षेमकरणदास त्रिवेदी ने प्रकाशित किया है। इसका क्रम ऐसा रक्खा गया है कि प्रथम तो प्रत्येक सूक्त के प्रारम्भ में······अभिप्राय यह है कि भाष्य का ढंग अच्छा है···भाष्यकर्ता के मानसिक विचारों का झुकाव आर्यसामाजिक सिद्धान्तों की तरफ़ है अतएव भाष्य भी आर्यसामाजिक शैली का हुआ है। तब भी कई अंशों में स्वामी दयानन्द के भाष्य से अच्छा है। और यह प्रणाली तो बहुत ठीक है।

श्रीमती पंडिता **शिवप्यारी देवी** जी, ठिकाना हकीम देवी प्रसाद जी, ... अतरसुइया, प्रयाग, पत्र ता० २१-१०-१९१५॥

श्रीयुत पण्डित जी नमस्ते,

महेवा के पते से आप का भेजा हुआ पत्र और अथर्ववेद भाष्य चौथा कांड मिला, मैं ने चारो कांड पढ़े, पढ़कर अत्यन्त आनन्द प्राप्त हुआ। आप ने हम सभों पर अत्यंत कृपा की है आपको अनेकों धन्यवाद हैं। आशा है कि पांचवां कांड भी शीघ्र तैयार होकर वी० पी० द्वारा मुझे मिलेगा।

दो पुस्तक **हवनमन्त्राः** की जिसका मूल्य ।)॥ है कृपाकर भेज दीजिये मेरी एक बहिन को आवश्यकता है।

श्रीयुत पण्डित **महावीर प्रसाद द्विवेदी**—कानपुर, सम्पादक सरस्वती प्रयाग, फ़रवरी १९१३।

अथर्ववेद भाष्य—श्रीयुत क्षेमकरणदास त्रिवेदी जी के वेदार्थज्ञान और श्रम का यह फल है, कि आप ने अथर्ववेद का भाष्य लिखना और क्रम क्रम से प्रकाशित करना आरम्भ किया है...बड़ी विधि से आप भाष्य की रचना कर रहे हैं। स्वर सहित मूलमन्त्र, पद पाठ, हिन्दी में सान्वय अर्थ, भावार्थ, पाठान्तर टिप्पणी आदि से आप ने अपने भाष्य को अलंकृत किया है आप की राय है कि "वेदों में सार्वभौम विज्ञान का उपदेश है"। आप का भाष्य स्वामी दयानन्द सरस्वती के वेद भाष्य के ढंग का है।

श्रीयुत पण्डित **गणेश प्रसाद शर्मा**— संपाक भारतसुदशाप्रवर्त्तक फ़तहगढ़, ता० १२ अप्रैल १९१३।

हर्ष की बात है कि जिस वेद भाष्य की बड़ी आवश्यकता थी, उस की पूर्ति का आरम्भ होगया। वेद भाष्य बड़ी उत्तम शैली से निकलता है। प्रथम मन्त्र पुनः पदार्थ युक्त भाषार्थ उपरान्त भावार्थ, और नोट में सन्देह निवृत्ति के लिये धात्वार्थ भी व्याकरण व निरुक्त के आधार पर किया गया है वैदिक धर्म के प्रेमियों को कम से कम यह समझ कर भी ग्राहक होना चाहिये कि उन के मान्य ग्रन्थ का अनुवाद है और काम पड़े पर उस से कार्य लिया जा सकता है।

बाबू **कालिकाप्रसाद जी**—सिल्क मर्चेन्ट कमनगढ़ा, बनारस सिटी संख्या ५८६ ता२ २७-३-१३।

आप का भेजा अथर्ववेदभाष्य का वी० पी० मिला, मैं आप का भाष्य देखकर बहुत प्रसन्न हुआ, परमेश्वर सहाय करे कि आप इसे इसी प्रकार पूर्ण करें। आप बहुत काम एक साथ न छेड़कर इसी की तरफ़ समाधि लगाकर पूर्ण करेंगे। मेरा नाम ग्राहकों में लिख लीजिये, जब २ अङ्क छपें मेरे पास भेज देना।

श्रीयुत महाशय **रावत हरप्रसाद सिंहजी वर्मा**, मु० एकडला पोस्ट किशुनपुर, ज़िला फ़तेहपुर हसवा, पत्र ६ दिसम्बर १९१३।

वास्तव में आप का किया हुआ "अथर्ववेद भाष्य निष्पलता का आश्रय लिया चाहता है। आप ने यह साहस दिखाकर साहित्य भण्डार की एक बड़ी भारी न्यूनता को पूर्ण कर दिया है। ईश्वर आप को वेद भण्डारे के आवश्यकीय कार्यों के सम्पादन करने का बल प्रदान करें।

श्रीयुत महाशय **पंडित श्रीधर पाठक जी (सभापति हिन्दी साहित्य सम्मेलन लखनऊ)**—मनोविनोद आदि अनेक ग्रन्थों के कर्ता, सुपरिन्डेन्डेन्ट गवर्नमेंट सेक्रेटरियट, पी० डब्ल्यू डी० श्री प्रयागराज, पत्र ता० १७-६-१३।

आप का अथर्ववेद भाष्य अवलोकन कर चित्त अत्यन्त सन्तुष्ट हुआ। आप की यह पाण्डित्य-पूर्ण कृति वेदार्थ जिज्ञासुओं को बहुत हितकारिणी होगी। आप की व्याख्याक्रम परम मनोरम तथा प्रांजल है, और ग्रन्थ सर्वथा उपादेय है।

प्रकाश लाहौर १२ आषाढ़ संवत् १९७३ (२५ जून १९१६- लेखक श्रीयुत पं० श्रीपाद दामोदर सातवलेकर जी)

हम पण्डित क्षेमकरणदास जी का धन्यवाद करने से नहीं रह सकते -- स्वामी (दयानन्द) जी ने लिखा है -कि वेद का पढ़ना पढ़ाना आर्यों का परम धर्म है-इस के अनुकूल श्री पंडितजी अपना समय वेद अध्ययन में लगाते हैं और आर्यों के लिये परम उपयोगी पुस्तक प्रकाशित करने में पुरुषार्थ करते रहते हैं—पंडित जी ने इस समय तक हवन मन्त्रों तथा रुद्राध्याय का भाषा में अर्थ प्रसिद्ध किया है-जो कि आर्यों के लिये पठन पाठन में उपयोगी हैं। इस सम्बन्ध में यह अथर्ववेद के पांच कांड छपवा कर निःसन्देह बड़ा लाभ पहुंचाया है। आर्यों की जो शिक्षा प्रणाली थी उसको टूटे आज पांच हज़ार वर्ष हो चुके हैं। ऐसे अंधेरे के समय में स्वामी जी ने वेद के ऊपर लाखों के भीतर दृढ़ विश्वास उत्पन्नकरके एक धर्म का दीपक प्रकाशित किया। परन्तु हमें शोक यह है वेद के पढ़ने पढ़ाने में आर्य लोग इतना समय नहीं लगाते जितना वे प्रबन्ध सम्बन्धी झगड़ों की बातों में लगाते हैं। हमारा विश्वास है कि जब तक पं० क्षेमकरणदास जी जैसे वेदाभ्यासी पुरुषार्थी लोग अपना समय वेदों के खोज में न लगावेंगे तब तक आर्यसमाज़ का कोई गौरव नहीं बढ़ सकता। अथर्ववेद के अर्थ खोजने में बड़ी कठिनता है। इसके ऊपर सायण भाष्य उपलब्ध नहीं होता, जो इस समय तक छपा हुआ है वह बड़ी अधूरी दशा में है, सूक्त के सूक्त ऐसे हैं कि जिनके ऊपर अब तक कोई टीका नहीं हुई।..........इस समय जो पांच कांडों का भाष्य पंडित जी ने प्रकाशित किया है उस के लिखने का ढंग बड़ा अच्छाऔर सुगम है। प्रथम उन्होंने सूक्त के तथा मन्त्रों के देवता दिये हैं—पश्चात् छन्द ...विद्वानों का यही काम है कि वह जैसे जैसे साधन उन के पासहों वैसा वैसा सोचकर वेद मन्त्रों का अर्थ प्रकाशित करें। ऐसे सैकड़ों प्रयत्न जब होंगे तब सच्चे अर्थ खोज करना आगामी विद्वानों को सरल होगा। परन्तु इससमय बड़ी भारी कठिनाई यह है कि प्रकाशित पुस्तकों के लिये पर्याप्त संख्या में ग्राहक नहीं मिलते हैं और विद्वानों के पाससम्पत्ति का अभाव होने के कारण हानि के डर से पुस्तकों का प्रकाशित करना बन्द होता है इसलिये सब आर्यों को परम उचित है कि पंडित क्षेमकरणदास जी जैसे विद्वान् पुरुषार्थी के ग्रन्थ मोल लेकर उनको अन्य ग्रन्थ प्रकाशित करने की आशा देते रहें। त्रिवेदी जीकोई धनाढ्य पुरुष नहीं हैं उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति जो कुछ उन के पास है लगा दी है........त्रिवेदी जी ने जो कुछ किया है वह वैदिक धर्म के प्रेम से प्रवृत्त होकर-इसलिये न केवल सब आर्य पुरुषों का यह कर्तव्य है कि इसभाष्य को मोल लेकर त्रिवेदी जी को उत्साहित करें, किन्तु धनाढ्य आर्य पुरुषों का यह भी कर्त्तव्य है कि उनकी आर्थिक सहायता करें।

The VIDYADHIKARI (Minister of Education), Baroda State, letter No 624 dated 6th February 1913.

......It has been decided to purchase 20 copies of your book entitled अथर्ववेद भाष्यम् It has been sanctioned for use of the library and the prize distisbution. Please send them...also add on the address lable "For Encouragement Fund."

Rai Thakur Datta, Retired District Judge, Dera Ismail Khan Letter dated March 25th, 1914.

The Atharva Veda Bhashya:—It is a gigantic task and speaks volumes for your energies and perseverance that you should have undertaken at an advanced age. I wish I had a portion of your will power.

Letter dated 30th April 1914.

I very much admire your labour of lore and hope...the venture will not fail for want of pecuniary support.

THE MAGISTRATE OF ALLAHABAD,

Letter No. 912 dated 21st May 1915.

Has the honour to repuest him to be so good as to send a copy each of the Ist and 3rd Kandas of Atharva Veda Bhashya to this office for transmission to the India Office, london.

THE ARYA PATRIKA, LAHORE, APRIL 18, 1914.

The Atharva Veda Bhashya or commentary on the Atharva Veda which is being published in parts by Pandit Khem Karan Das Trivedi, does great credit to his energy, perseverance and scholarship. The first part contains the Introduction and the First Kanda or Book. There is a learned dispuisition on the origin of the Vedas and the pre-eminent position in Sanskrit literature .. The arrangement is good, the original Mantra is followed dy a literal translation and their bhavarth or purport in Arya Bhasha. The footnotes are copious: they give the derivation and meaning in Sanskrit of the various words quoting the authority of Ashtadhyayi of Panini, Unadikosha of Dayananda, Nirukta of Yaska, Yoga Darshana of Patatanjali and other standard ancient works......The pandit appears to have laboured very hard and the Book before us does credit to his erudition; scholars may not agree with certain of his renderings, but like a true Arya, who venerates the Vedas, he has made an honest attempt to find in the Vedic verses something which will elevate and ennoble mankind. Cross references to verses where the word has already occurred in this Veda are also given to enable the reader to compare notes. There can be no finality in Vedic interpretation, but honest attempts like these which shall render the task easy to others are commendable. We are glad to call public attention to this scholarly work, and hope that Pandit Khem Karn Das Trivedi will get the encouragement which he so richly deserves......Our earnest request is that the revered Pandit will go on with this noble work and try to finish the whole before he is called to eternal rest ..

N.B.—The printing and paper are good, price is moderate.